श्री रामकिशोर मिश्र

खुटहा (मुंगेर)

Scanned by CamScanner

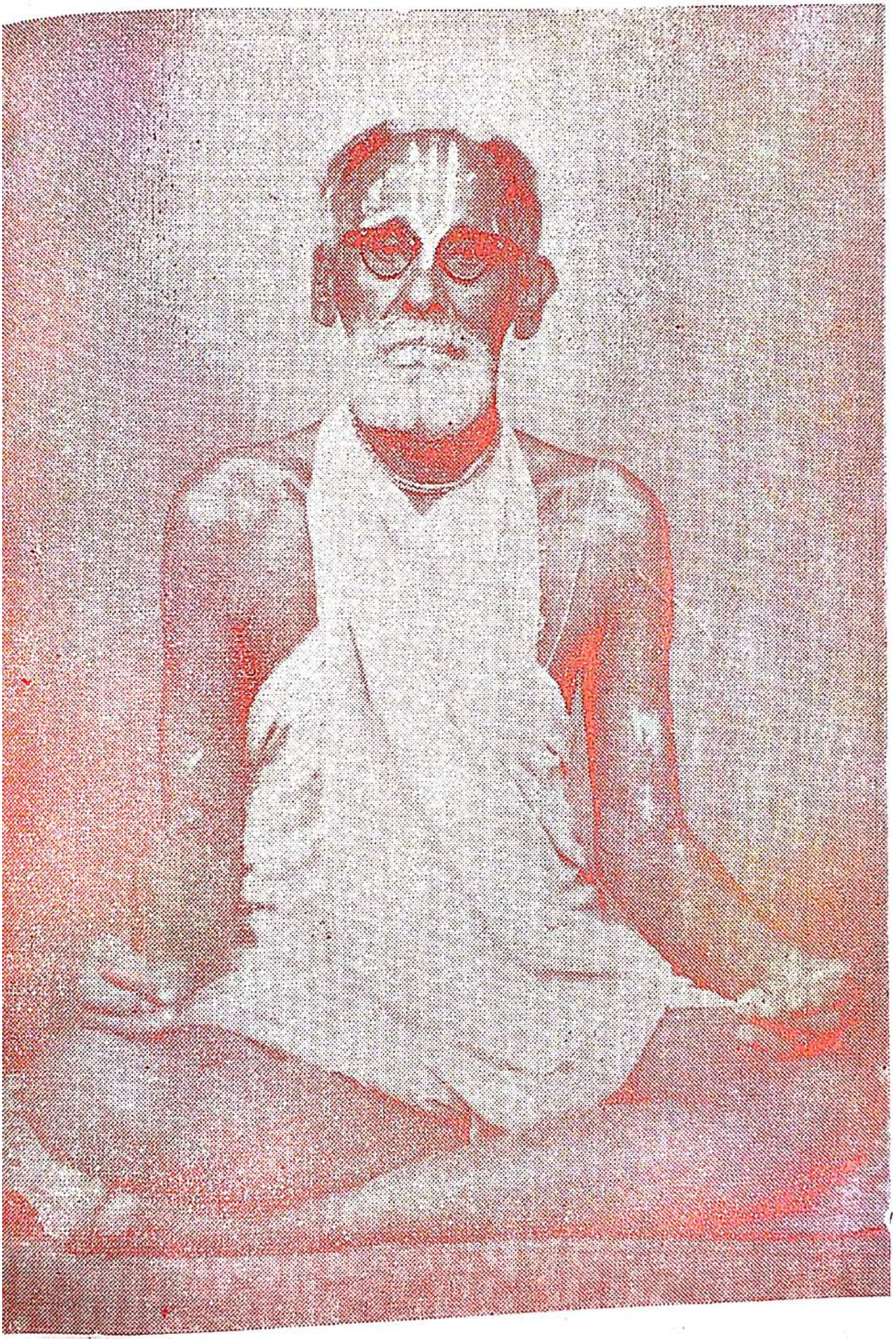

श्री रामकिशोर मिश्र के गुरु
श्री परमहंस रामभंजन दासजी

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

१. मेघौल

मेघौल अपने आसपास के गाँवों की अपेक्षा अधिक गौरवशाली इतिहास रखता है। पूर्वोत्तर रेलवे के रोसड़ा घाट रेलवे स्टेशन से सात मील दक्षिण और बेगूसराय रेलवे स्टेशन से बाईस मील उत्तर बूढ़ी गंडक नदी के तट पर दो वर्गमील में बसा यह गाँव अपने उत्थान-पतन का दृश्य उपस्थित कर रहा है। इस गाँव में लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का वास है। यह वह मिट्टी है जिस पर उत्पन्न अनेक नर-नारियों का नामोल्लेख भारतीय इतिहास में गर्व के साथ किया गया है।

राजा मेघ की बसायी यह बस्ती जो मेघबल (मेघ जैसी शक्ति) से पूर्ण रही, कालान्तर में 'मेघौल' नाम से जानी गई। प्राचीनकाल से आजतक, पश्चिम और दक्षिण भाग में, बूढ़ी गंडक की धारा मेघौल को स्पर्श करती हुई बहती जा रही है और इसी जल-प्रवाह के साथ इसका संदेश दूर-दूर के गाँवों तक पहुँचता रहा है। इसके किनारे पर, उत्तर से दक्षिण की ओर, लोक निर्माण विभाग की पक्की सड़क है।'

१८३२ ई० में इसे तिरहुत कमिश्नरी से हटाकर मुंगेर जिले में मिला दिया गया। ६ जनवरी, १८७० ई० से यह गाँव बेगूसराय अनुमंडल का अंग बना। २ अक्टूबर, १९७२ से बेगूसराय को जिला का दर्जा मिला और आज यह गाँव इस जिले का एक प्रमुख गाँव माना जाता है।

यह गाँव मिथिला की सभ्यता, कला और संस्कृति का एक केन्द्र रहा है। यहाँ के निवासी, जो विभिन्न जातियों तथा उपजातियों के थे, सभ्य और सुसंस्कृत माने जाते रहे। यहाँ के लोगों का सम्बन्ध मिथिला से है। कहा जाता है कि मुगल सम्राट् अकबर के शासन-काल में फाल्गुन शुक्ल पंचमी संवत् १६२२ में पं० हरिदत्त मिश्र ने, जो पिरोखर ग्राम निवासी पं० श्यामधर मिश्र के आत्मज थे, यहाँ के राजा मेघ सिंह की इकलौती आत्मजा 'कमलावती' से विवाह किया और यहीं बस गये। उन्हीं के वंशज पराशर गोत्रीय सुरगणय पिरोखर मूल के ब्राह्मण कहलाये, जिनकी वंश-शाखाएँ आज ८२ या ८४ ग्रामों में यहाँ की संस्कृति को अमूल्य धरोहर के रूप में सँजोये अबाध गति से बढ़ रही हैं।

अति प्राचीन काल से ही राजनीति के क्षेत्र में इस गाँव का महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है। इस गाँव की सीमा से सटे आज भी ऐतिहासिक स्थान, टीले, जलाशय, नाले आदि देखे जा सकते हैं।

Scanned by CamScanner

भारतीय स्वातंत्र्य-संग्राम के अमर शहीदों की परम्परा में इस धरती के अनेक स्वाधीनता सेनानी आज भी अपनी गौरवपूर्ण भूमिका की कहानी कह रहे हैं। इनके द्वारा जलाई गई मशाल आज भी आसपास के लोगों का मार्ग प्रशस्त कर रही है। १९४२ ई० की जनक्रांति में अंग्रेजों की गोली के शिकार अमर शहीद राधा प्रसाद सिंह एवं रामजीवन झा का अर्द्धनिर्मित स्मारक भवन, जिसने धनाभाव के कारण खंडहर का रूप ले लिया था, अब मिटने की स्थिति में हैं। निःसन्देह यह स्थिति अशोभनीय है। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि जहाँ हमारा अतीत अति उज्वल था, वहाँ भविष्य इसके सर्वथा प्रतिकूल होगा।

यहाँ यह उल्लेख कर देना अत्यावश्यक प्रतीत होता है कि इस मिट्टी ने स्वाभिमान का जैसा उदाहरण प्रस्तुत किया है, वैसा अन्यत्र दुर्लभ है। उदाहरणार्थ, इस गाँव के जगदीप नारायण सिंह ने भारत पर शासन करनेवाली अंगरेज जाति में से एक को कभी अपने यहाँ गुलाम बना रखा था। भारत में फैली राष्ट्रीयता की उग्र लहर में इस गाँव के नर-नारियों ने खुलकर भाग लिया। इन सबों ने मेघौल के निलहे साहब को नाकोंदम कर दिया। जिस गाँव के राजनीतिज्ञों ने अपने ग्रामवासियों में कभी राजनीतिक चेतना ही नहीं जगायी थी वरन् इसे छूते हुए एक विशाल क्षेत्र को भी अपने रंग में रंग दिया था, दुःख होता है कि आज वह स्थिति बिल्कुल बदल चुकी है। हरिबल्लभ प्रसाद सिंह एवं कैलाशपति बिहारी अंगरेजी हुकूमत के समय में जिला बोर्ड के सदस्य रहे थे। दो दशक पहले यहाँ के बलदेव प्रसाद सिंह ने मुंगेर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष पद को सुशोभित किया था। उन्होंने ही मुंगेर के तिलक मैदान में कांग्रेस भवन का निर्माण कर बिहार में अपनी और इस गाँव की प्रतिष्ठा बढ़ायी। अपने जमाने के बेगूसराय क्षेत्र के विज्ञान के जाने-माने विद्वान रामाधीन सिंह ने अनुमंडल स्तरीय दर्जनों संस्थाओं एवं संगठनों के उच्च पदाधिकारी के पद को सुशोभित कर इस गाँव को गौरवान्वित किया।

समाजवादी आन्दोलन में भी यह गाँव पीछे नहीं रहा। १९५७ ई० तक यहाँ के विधान-सभा एवं लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में यहाँ के प्रमुख समाजवादी नेताओं और कार्यकर्त्ताओं ने अपना अमूल्य योगदान किया। इसके लिए गणेशदत्त शर्मा, आचार्य लक्ष्मीकांत झा, आनन्द आजाद, अशर्फी मिश्र आदि को भुलाया नहीं जा सकता। लेकिन आज की परिस्थिति में ये भी मुँह बन्द किये गाँव को अन्धकार में जाने से रोक सकने में अपने को असमर्थ पा रहे हैं।

खोदाबन्दपुर प्रखण्ड के अन्तर्गत पंचायत के क्षेत्र में मुखियों एवं सरपंचों ने अपनी कुशल नीति एवं महत्वपूर्ण भूमिका के द्वारा जिले में इस गाँव के नाम

Scanned by CamScanner

को बढ़ाया। राष्ट्रीय स्तर के राजनीतिक दलों के संगठनों में यहाँ के लोग काफी दिलचस्पी लेते रहे। यहाँ के निवासियों ने पदलोलुपता कभी नहीं दिखायी जो यहाँ की एक प्रमुख विशेषता मानी जाती है।

यहाँ के लोगों का सामाजिक जीवन उच्च कोटि का रहा। ये आपसी मेल में ज्यादा रुचि रखते थे। समाज के प्रत्येक अच्छे कार्य में सभी वर्गों का सहयोग इस बात का उदाहरण है। आज भी लोग अपनी परम्परागत सामाजिक रीति-रिवाजों में सह-अस्तित्व की भावना से कार्य करते देखे जाते हैं। इस गाँव के ग्रामीण दुख-सुख में एक साथ रहने के आदी हैं। यहाँ के लोग काफी साहसी रहे हैं। दैवी विपत्ति, अग्निकांडों, बाढ़ से तटबन्ध की सुरक्षा के कार्य, चोर-डाकुओं से संघर्ष के मामले आदि में यहाँ के लोगों की कोई सानी नहीं है।

यहाँ के अधिकांश लोग देखने में सीधे-सादे और मूर्त्ति-से लगते हैं। ये लोग शान्तिपूर्ण जीवन व्यतीत करना ज्यादा पसन्द करते हैं। छल-छद्म, ईर्ष्या-द्वेष, एवं अनावश्यक संघर्ष में यहाँ के लोगों का विश्वास नहीं है। इस गाँव के समाज में सहयोगात्मक भावना सदैव तरंगायित रहती है। आपसी एकता, साहस, सरलता, धाक, कर्मठता आदि के क्षेत्र में यहाँ के निवासी आगे हैं।

आर्थिक दृष्टि से यह गाँव अति प्राचीन काल से ही समृद्ध रहा है। यहाँ के लोग कर्मठ एवं अध्यवसायी रहे। कृषि, पशुपालन, उद्योग, व्यापार आदि किसी भी क्षेत्र में वे किसी से पीछे नहीं रहे। इलाके के सैकड़ों गाँवों की रोजी-रोटी में किसी-न-किसी तरह से इस गाँव का योगदान रहा है।

कृषि योग्य भूमि का रकबा ज्यादा रहने से अन्नादि से परिपूर्ण यहाँ के लोगों की बखारों को देखकर दूसरे ग्राम के लोगों को स्वभावतः जलन हो जाती थी। यहाँ की धरती में सभी प्रकार के अनाज, फल-फूल, कन्द-मूल उपजते रहे। यहाँ की धरती की हरियाली के कारण ही लोगों में खुशहाली छायी रही।

पशुपालन के क्षेत्र में छोटे-छोटे जानवरों से लेकर हाथी तक इस गाँव के खूँटों पर झूमते रहे। कभी भी यहाँ के लोगों ने अपने को बेरोजगार नहीं समझा। वाणिज्य-व्यवसाय और उद्योग का दिनानुदिन विकास होता रहा। पेशेवर जातियों की भी यहाँ कमी नहीं रही। सभी अपने-अपने पेशे और वृत्ति के अनुसार कार्य कर अपने जीवन-स्तर को ऊँचा उठाने में संलग्न रहे, जिससे मेघौल की शान-शौकत दिन-प्रतिदिन बढ़ती गई।

सरकारी एवं अन्य नौकरियों में यहाँ के निवासियों की संख्या ज्यादा है। अधिकांश लोग शिक्षा-विभाग में कार्यरत हैं। राजपत्रित पदाधिकारी स्तर की

Scanned by CamScanner

सेवा में पाँच से ज्यादा व्यक्ति नहीं हैं। यहाँ के लोगों को भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं भारतीय पुलिस सेवा में जाने का सौभाग्य प्राप्त नहीं हो सका है। अन्य विभागों के उच्चस्थ पद पर रहने के बावजूद संकीर्ण भावना से ग्रस्त रहने के कारण जन-साधारण की सेवा में जाने का अवसर नहीं मिल पाना यहाँ के निवासियों के लिए दुर्भाग्य ही कहा जाता है।

अपने भाग्य से नौकरी-पेशा में रहनेवालों की संख्या में वृद्धि के कारण यहाँ की आर्थिक स्थिति अच्छी रही। गाँव के अलावा दूसरे-दूसरे शहरों में भी यहाँ के लोगों ने अपने सुन्दर भवनों के निर्माण किये हैं।

लघु एवं घरेलू उद्योगों में यहाँ के लोगों की दिलचस्पी नगण्य है। कृषि के क्षेत्र में नल-कूपों का सफल नहीं होना यहाँ के लिए अभिशाप सिद्ध हो रहा है।

धार्मिक दृष्टि से यह गाँव मन्दिरों का गाँव कहा जा सकता है। यहाँ दो शिवालय, दो ठाकुरबाड़ियाँ, चार गह्वर, एक सिद्धपीठ और एक सतीमन्दिर आज भी इस गाँव में विभिन्न दिशाओं में मौजूद हैं।

यहाँ एक सिद्धपीठ है जो 'भीड़ बाबा' के नाम से प्रसिद्ध है। इसके मिट्टी-पूजन से दर्जनों सुरगणय ब्राह्मणों के विभिन्न प्रकार के धार्मिक एवं यज्ञकार्य आदि अनुष्ठान सम्पन्न कराये जाते हैं तथा यहाँ की विभिन्न जातियों के लोगों को उपनयन एवं विवाह के समय 'भीड़ स्थान' पर पहुँचकर पूजा करनी ही पड़ती है।

मेघौल स्थान के नाम से प्रख्यात यहाँ के एक मठ के महन्थों द्वारा अनेक पोखरों, कुँओं का निर्माण एवं अन्य धार्मिक कार्यों के सम्पन्न होने के प्रमाण आज भी मौजूद हैं।

मेघौल में ब्राह्मण पंडितों, धार्मिक व्यक्तियों, श्रद्धालु भक्तों और साधुओं की कमी नहीं, जो अपनी साधना से यहाँ के लोगों का कल्याण करते रहे हैं।

इस क्षेत्र में जिस समय सांस्कृतिक उत्थान का कहीं भी नामोनिशान नहीं था, उसी समय यहाँ का सांस्कृतिक जीवन चरमोत्कर्ष पर पहुँच गया था। यहाँ के अनेक भवनों में विभिन्न वाद्ययंत्रों की झंकारें राहियों के पैर की गति को रोक देती थीं। शायद ही कोई नर्त्तक, गवैया एवं अन्य कलाकार इस गाँव में अपनी कला का प्रदर्शन करने से चूके हों। यहाँ के लोग संगीत-प्रेमी विद्यानुरागी और कला-मर्मज्ञ थे। एक शतक पूर्व ही यहाँ नाट्य-परिषद, कीर्त्तन मंडली, थियेटर कम्पनी आदि की स्थापना हो चुकी थी। अपनी कला में ये उच्च कोटि के माने जाते रहे। यहाँ के लोग अधिक विनोदी स्वभाव के होते थे। संस्कृति के क्षेत्र में पं० विन्धेश्वरी प्रसाद शर्मा 'वैद्य' एवं गणेशदत्त शर्मा की महत्त्वपूर्ण देनें हैं।

गाँव के उत्तर में लक्ष्मण प्रसाद सिंह द्वारा प्रसिद्ध बैल-हाट लगवाना, आश्विन एवं चैत मास में दुर्गापूजन एवं मेले लगवाना आदि चालीस वर्ष पूर्व ही प्रारम्भ हो गया था। वहाँ अनेकों स्थान के कलाकार पहुँचकर अपना कला-प्रदर्शन करते रहे। आज भी इस स्थान में सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में इस गाँव ने अर्द्ध शताब्दी पूर्व ही काफी विकास किया था। प्राचीन काल में यहाँ के लोग विद्याध्ययन हेतु अन्यत्र जाते रहे, लेकिन अंग्रेजी शासनकाल में इस इलाके में सर्वप्रथम यहीं लोअर एवं मिड्ल स्कूलों की स्थापना हुई। आज इस पंचायत में चार प्राथमिक विद्यालय, दो मध्य विद्यालय और दो उच्च विद्यालय चल रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यहाँ के लोग सदा अग्रणी रहे। आज भी यहाँ के लोग विविध भाषाओं, विषयों, तकनीकी शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़े-चढ़े हुए हैं। अँग्रेजी शासन के समय में ही यहाँ एक आयुर्वेदिक दातव्य औषधालय स्थापित किया गया था, जो इस क्षेत्र का आयुर्वेदिक अस्पताल है।

मेघौल उप-डाकघर इस इलाके के लिए काफी महत्त्वपूर्ण है। इस डाकघर के अधीन एक दर्जन शाखा डाकघर हैं। इसके अलावा पुस्तकालय तथा अन्य समाजसेवी संगठन कार्यरत हैं, जिनसे समाज की उन्नति हो रही है।

मेघौल ग्राम की प्राचीनता एवं इसकी सभ्यता-संस्कृति के अनेक नमूने आज भी हमारा ध्यान आकृष्ट करते हैं। यहाँ महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पराशर गोत्रीय सुरगणय पिरोखर मूल के ब्राह्मणों का श्रेय रहा है। इनकी वंशावली एवं इनके अतीत की झाँकी उल्लेखनीय हैं।

२. आकोपुर

ग्राम-परिचय—आकोपुर ग्राम स्वच्छ सलिला पावन बूढ़ी गंडक के पूर्वी तट पर अवस्थित है, जिसकी मनोहारिणी छटा क्षण भर में लोगों को अपनी ओर आकृष्ट कर लेती है। जिस प्रकार पूरे विश्व की सभ्यता एवं संस्कृति का उद्गम स्थान नदी का प्रक्षेत्र रहा है। उसी प्रकार इस गाँव के विकास के मूल में बूढ़ी गंडक की अनमोल देन है।

गाँव की चौहद्दी—आकोपुर ग्राम के उत्तर में मेघौल, दक्षिण में गोपालपुर, पूरब में नगरी झील और पश्चिम में बूढ़ी गंडक नदी है।

गाँव के नामकरण की एक झाँकी—आकोपुर का पुराना नाम याकूबपुर था; जिसका अर्थ फारसी में 'अक्लमन्द' और हिन्दी में 'बुद्धिमान' होता है।

Scanned by CamScanner

आज भी उक्त मौजा का नाम खतियानों एवं सरकारी अभिलेखों में वैसा ही मिलता है। कालक्रमानुसार लोक भाषा के रंग में रंगने के कारण अब यह आकोपुर के नाम से पुकारा जाता है।

याकूब मियाँ के नाम पर इस गाँव का नामकरण चला आ रहा है। यह मुहम्मद गोरी का एक सिपहसालार था। गोरी के प्रधान सेनापति बख्तियार खिलजी ने बिहार और बंगाल पर हमला किया तथा नालन्दा विश्वविद्यालय को विध्वंस किया था। जब बख्तियार खिलजी बंगाल की ओर जा रहा था तभी याकूब मियाँ उससे अलग हो गया। सन् १२०७ ई० में वह यहाँ पहुँचा। इसके बाद उसने एक प्रमुख [illegible]ा बनाकर यहाँ के परगना सरदार को पराजित कर अपना तालुक स्थापित किया। [illegible] वह लगभग २० वर्षों तक रहा। १२२६ ई० में उसने पुनः दिल्[illegible] ओर प्रस्थान किया। दुर्भाग्यवश मार्ग में ही हार्जापुर के निकट अपने ही सहयोगी द्वारा वह मार डाला गया। इसी याकूब मियाँ के नाम पर आकोपुर का पुराना नाम याकूबपुर पड़ा जो आकोपुर के नाम से अभिहित हुआ।

याकूब की मृत्यु के बाद लम्बी अवधि तक उसके वंशधर यहाँ अपना प्रभुत्व जमाये रहे। बाद में याकूब के वंशजों ने तत्कालीन कुसमारय वंशीय ब्राह्मणों को उनके पराक्रम एवं विद्वत्ता से प्रभावित होकर, सारी सम्पत्ति अर्पित कर दी। तदुपरांत इसी कुसमारय वंश में राजा मेघदत्त प्रभावशाली व्यक्ति हुए, जिन्होंने याकूबपुर के उत्तरी क्षेत्र के उत्तरी प्रक्षेत्र में अपनी तालुका स्थापित की। इसी राज में मेघदत्त के नाम पर याकूबपुर के उत्तरी प्रक्षेत्र का नाम मेघौल रखा गया।

सूर्यगणय वंश-वृक्ष—सूर्यगणय ब्राह्मण के कुलकों की संकलित झाँकी आकोपुर ग्राम के निवासियों द्वारा संकलित वंश-वृक्ष के अन्तराल के प्रभुत्व महामानव का दिग्दर्शन जो अनदेखी होने पर भी वाणी में समा पाये।

भारतीय इतिहास का गौरवमय समय जिसने अपने पायदानों पर, महान विभूतियों के पद्चिह्नों को अंकित करते हुए राष्ट्रीयता के प्रतीक के रूप में भारत के इतिहास को अनुरंजित किया, आज भी अपनी लोक परम्पराओं के गिरिगह्वर से कभी-कभी झाँकियाँ लगाती मानव जगत को अनुप्राणित करती आई है।

भारतीय इतिहास का स्वर्णिम समय, सपने में ऐसे महान वंशजों की अमर कृतियों को सँजोये है, जो अपनी प्रगल्भता एवं भारतीय समाज की पुनर्रचना में आज भी सहयोग समर्पित कर रहा है।

Scanned by CamScanner

सम्बत् १६२२ का समय भारतीय इतिहास में नाना प्रकार के उतार-चढ़ाव का दिग्दर्शन कराता है। उस समय भारत की राजधानी दिल्ली में बादशाहत की गूँज थी। दिल्ली के तख्त से मुस्लिम सम्प्रदायों का वैभव प्रदर्शित हो रहा था।

उसी समय बिहार राज्य के तिरहुत प्रमण्डलान्तर्गत दरभंगा जिला के पिरोखर ग्राम निवासी पंडित हरिदत्त मिश्र जी की शादी पावनसलिला भागिरथी के स्नान के क्रम में राजा मेधदत्त जी की पुत्री के साथ मेघौल ग्राम में हुई। उस समय मेघदत्त जी का राज्य प्रक्षेत्र वर्त्तमान भागलपुर प्रमण्डल के मुंगेर जिले के अन्तर्गत पड़ता था। सम्प्रति यह दरभंगा प्रमंडल के बेगूसराय जिले के अन्तर्गत पड़ता है।

विवाहोपरान्त अपने दाम्पत्य जीवन को सुखी बनाने के क्रम में पंडित हरिदत्त मिश्र जी के चार पुत्र हुए—सर्वश्री रुद्र मिश्र, फूद मिश्र, गौण मिश्र और चैत मिश्र। श्री फूद मिश्र जी अपने राज्य में ही अर्थात् मेघौल में ही रहे। श्री रुद्र मिश्र सौर्या राजभवन कटिहार (पूर्णिमा) जाकर अपने राजकार्य में सलंग्न हो गये एवं श्री गौण मिश्र गंगा के उस पार वर्त्तमान खुटहा ग्राम के निवासी हुए। सबसे छोटे चैत मिश्र गंगा के पार मरांची में बसे।

समय के भागते क्षणों के अंतराल में श्री फूद मिश्र जी को दो पुत्र रत्न पैदा हुए—श्री विभव मिश्र और श्री भागवत मिश्र। इन्होंने अपनी प्रतिभा से दो भू-क्षेत्रों को स्निग्ध किया। श्री विभव मिश्र याकूबपुर (आकोपुर) के प्रक्षेत्र की देख-रेख में संलग्न हुए और श्री भागवत मिश्र मेघोल की धरती पर अपनी वंश-वेलि फैलाते रहे। श्री मिश्र की वंश-वेलि याकूबपुर ग्राम में लहलहाने लगी, जो आजतक अपनी हजारों सुमनों से अपनी मातृभूमि की सेवा कर रही है।

श्री विभव मिश्र के एकमात्र पुत्र श्री चतुर मिश्र जो अपने पिता के समान ही विद्वान, पराक्रमी एवं यशस्वी थे, तत्कालीन मुगल शासक को प्रभावित करने में सक्षम हुए। फलस्वरूप मुगल सल्तनत ने खुश होकर इन्हें "राय" की उपाधि से विभूषित किया। चतुर मिश्र की शादी विक्रमपुर में हुई थी। कुछ कारणवश श्री मिश्र ससुराल-प्रवास में ही काल कवलित हो गये। इस घटना से उनकी पत्नी बचैन होकर अपने दो मासूम बच्चों को तड़पते छोड़कर पति की चिता में जलकर सती हो गयी। जहाँ पर वह सती हुई थी वह स्थान आज भी विक्रमपुर ग्राम में 'सती स्थान' के नाम से प्रसिद्ध है। यह स्थान आज भी इन्हें अमरत्व प्रदान कर रहा है।

Scanned by CamScanner

लगभग १७४५ ई० में श्री चतुर मिश्र के प्रपौत्रों से नरहन राज्य द्वारा याकूबपुर मौजा का ताम्रपत्र छलबल से अपहरण कर लिया गया। दोनों बच्चे अपने को असहाय पाकर दहिया स्थित ननिहाल चले गये। दहिया ग्राम में उस समय जलपा भगवती एवं भैरव का एक सिद्धस्थल था।

ननिहाल वालों ने अपने दोनों नातियों की दुख गाथा जब भगवती से निवेदित की तब कहा जाता है कि भगवती ने भावविह्वल होकर वरदान दिया कि कल हल से जहाँ तक की भूमि तुम चिह्नित करोगे वहाँ के अधिकतम भाग से तुम्हें कोई विचलित नहीं कर सकता है। दोनों भाइयों ने ठीक वैसा ही किया और एक लम्बे संघर्ष के पश्चात् भगवती की कृपा से याकूबपुर मौजा पर पुनः स्वामित्व स्थापित किया।

उक्त घटना के परिणामस्वरूप याकूबपुर ग्राम निवासी प्रभावित होकर भगवती जलपा एवं भैरव के सच्चे उपासक बन गये तथा कालान्तर में दहिया से उस सिद्ध पिण्ड को लाकर अपने गाँव में स्थापित किया। १९५३ ई० में स्वर्गीय नुनु मिश्र के असीम प्रयास से भगवती के लिए एक सुन्दर मन्दिर का निर्माण किया गया जिसमें सभी ग्रामवासियों ने अपना पूर्ण सहयोग दिया।

सन् १८८५ से लेकर १८९३ तक का काल इस गाँव के लिए बड़ा ही संक्रमण काल के रूप में व्यतीत हुआ। अँग्रजों की दौलतपुर कोठी द्वारा इस गाँव की सारी जमीन हड़प ली गयी जिसका विरोध श्री राधे मिश्र की अध्यक्षता में सम्पूर्ण गाँव के द्वारा किया गया। बाद में न्यायालय के द्वारा अंग्रेजों की इस तानाशाही प्रवृत्ति पर रोक लगायी गयी और छह सौ बीघे का कुल रकबा बचाया गया। सन् १९२३ से १९२७ तक की अवधि में भी श्री सूबालाल मिश्र की अगुआई में सामूहिक लड़ाई लड़कर जन्दाहा के जमीन्दार से उच्च न्यायालय के द्वारा ५० बीघे का रकबा झील में हासिल किया गया।

शिक्षा—शिक्षा के दृष्टिकोण से इस गाँव का विकासकाल लगभग १९२७ ई० से ही आरंभ होता है। शिक्षाप्रेमी स्वर्गीय शिवनन्दन शर्मा एवं स्वर्गीय अनूपलाल शर्मा के अप्रतिम प्रयास से यहाँ के ग्रामीणों ने शिक्षा का माग अपनाया और शनैः शनैः लोग शिक्षा की ओर उन्मुख होने लगे। सम्प्रति गाँव में एक प्राथमिक पाठशाला है, जहाँ बच्चे प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त कर उच्च शिक्षा हेतु गाँव से बाहर जाते हैं। इस उच्च प्राथमिक विद्यालय का निर्माण उषा देवी के प्रयास एवं सहयोग से किया गया। वर्त्तमान काल में शिक्षा के दृष्टिकोण से गाँव समृद्ध तो नहीं किन्तु उन्नतिशील अवश्य कहा जा सकता है। इसका श्रेय ग्रामीणों की स्वतः प्रकृति के अलावा सरस्वती का असीम आशीर्वाद कहा जा सकता है।

Scanned by CamScanner

धार्मिक —धार्मिक दृष्टिकोण से भी यह गाँव उतना ही विकसित है जितना अन्य दृष्टिकोणों से। विभिन्न सम्प्रदायों एवं जातियों के द्वारा विभिन्न प्रकार से अर्चना एवं अराधना का कार्य होता रहा है। गाँव की पश्चिम-दक्षिण दिशा में श्री भगवती जलपा का मंदिर है। वहीं बगल में ठाकुरवाड़ी अर्थात् रामजानकी मंदिर भी स्थापित है। वहाँ ग्रामीणों द्वारा समय-समय पर धार्मिक अनुष्ठान हुआ करते हैं। गाँव के उत्तर एक ओर भगवती विषहरा का मंदिर स्थापित है, तो दूसरी ओर शिव-मदिर भी सत्यम् शिवम् सुन्दरम का परिचायक सिद्ध हो रहा है। गाँव के दक्षिण भाग में अमर सिंह का स्थान स्थापित है। गाँव के मध्य में हनुमान मंदिर भी अवस्थित है। उपर्युक्त दृष्टिकोण से यह गाँव अध्यात्मवाद में अपना पूर्ण विश्वास रखता है।

सांस्कृतिक :—सांस्कृतिक दृष्टिकोण से यद्यपि यह गाँव उतना उन्नतिशील नहीं है, फिर भी उतना पीछे भी नहीं है क्योंकि समय-समय पर गाँव के लोग सांस्कृतिक गोष्ठी का आयोजन करते रहते हैं, जिसमें नाटक, कीर्त्तन, रामायण, गोष्ठी आदि का प्रमुख स्थान है। नाट्यकला की दृष्टि से यह गाँव प्रखण्ड स्तर पर द्वितीय स्थान रखता है। वर्ष के अन्दर, खासकर छठ पर्व के अवसर पर, लोग नाटक का आयोजन कर अपनी सुन्दर कला-प्रियता का परिचय देते हैं। यहाँ के ग्रामीणों द्वारा सांस्कृतिक आयोजन करते रहना इस बात का परिचायक है कि यहाँ के लोग शिक्षित हैं।

भौगोलिक स्थिति :—भौगोलिक स्थिति के अनुसार यह गाँव २५° उत्तर अक्षांश के आसपास है, जिससे ग्रीष्मऋतु में कड़ाके की गर्मी तथा हेमन्त एवं शिशिर ऋतु मे भी काफी जाड़ा पड़ता है। कुल मिलाकर यहाँ की जलवायु समशीतोष्ण है। जलवायु के अनुसार यहाँ की कृषि भी समुन्नत है। धान, गेहूँ, मक्का, ईख, सरसों आदि यहाँ की मुख्य पैदावार है। इनका स्थानीय बाजारों में समय-समय पर निर्यात होता रहता है। यहाँ की मिट्टी धूसर, मटियार एवं दोमट है, जिसमें हर प्रकार की फसलें हुआ करती हैं।

अर्थ-व्यवस्था :—गाँव की अर्थ-व्यवस्था उतनी सुदृढ़ तो नहीं है फिर भी गाँव में लोग खेतों पर अधिक ध्यान देते हैं। यहाँ न तो बड़े एवं अमीर किसान हैं और न कोई दरिद्र ही। गाँव के पास उतनी जमीन है जिससे लोग सन्तुष्ट हैं। सरकारी सेवाओ से इस गाँव की मासिक आय मात्र २५००० रु० है जिसे न्यूनतम ही कहा जा सकता है। स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री के इस नारे 'जय जवान जय किसान' पर ही लोग अधिक ध्यान देकर जीविकोपार्जन करते हैं। पशुपालन भी जीविका का दूसरा आधार है। इस प्रकार गाँव की व्यवस्था काफी उन्नत नहीं तो न्यूनतम भी नहीं है।

Scanned by CamScanner

इस गाँव की जनसंख्या लगभग ढाई हजार है जिसमें सूर्यगणत्र परिवार लगभग सौ घर हैं। ये शिक्षाविद, कलाविद एवं परिश्रमी हैं। इस गाँव में हर जाति के लोग हैं। आपस में सद्भावना और प्रेम है। आपसी सहयोग से लोग जीवन-पथ पर अग्रसर हो रहे हैं।

गाँव से पूरब नगरी झील है, जिसमें इस गाँव का लगभग ६०० बीघे का रकबा है। इसी झील में जल-निकास हेतु एक नाला का निर्माण स्वर्गीय फूद मिश्र के नाम पर हुआ, जिसे लोग फूदियानाला के नाम से पुकारते हैं। यह नाला उनकी एक अनुपम देन है। यह नाला कावर झील से लगाव रखता है। वर्षा अधिक होन पर नगरी झील का पानी इसी फूदिया नाला होकर कावर झील में चला जाता है।

पश्चिम में विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों से मंडित स्वच्छ सलिला गडकी का मनोहारी तथा तरंगमालिका से चुम्बित तट पथिकों का श्रम पल भर में हर लेता है। हरी-हरी घासों में लिपटी ऊँची बाँध सुनहली संध्या में मखमली शय्या पर विश्राम करने के लिए पथिकों को आमंत्रण देता रहता है। प्राची में मंशी मिश्र के कुँआ से सूगा सहनी के कुँएँ तक आम्र कानन की शीतल छाया सघन श्याम घटा की छटा उपस्थित करती है। शरद ऋतु मे यौवनोन्मत्त झील के वक्षस्थल पर उषा की किरणों का सौन्दर्य तथा कमल-वन में चपल चांदनी का बिहार रसिकों के हृदय को आनन्दविभोर कर देता है।

३. कोरैय

आज से करीब ३५० वर्ष पूर्व इस गाँव के पूर्वज श्री वशिष्ठ मिश्र यहां पधारे, जिनके वंशज इस गाँव में अपना जीवन-यापन कर रहे हैं।

ग्राम की चौहद्दी एवं रकबा—इस ग्राम के उत्तर में मालीपुर मुसेपुर, दक्षिण में सुजानपुर, पूरब में शासन तथा पश्चिम में हरखपुरा ग्राम के बीच धन-धान्य से परिपूर्ण यह गाँव १९५० बीघे की जमीन को आबाद कर अपना जीवन-निर्वाह कर रहा है। ग्राम की लम्बाई २ मील तथा चौड़ाई १ मील है। करीब ५०० परिवार यहाँ बसे हुए हैं।

भौगोलिक स्थिति—ग्राम के उत्तर में करीब ११०० बीघे का एक सोलहट्टा डोभ है जिसमें मात्र एक फसल मुख्यतया धान की उपज होती है। मात्र वर्षा की आशा पर ही यहाँ की खेती संभव हैं; साथ ही अतिवृष्टि इस जमीन के लिए एक अभिशाप है, क्योंकि इस चौर से पानी का बाहर निकलना संभव नहीं

Scanned by CamScanner

हो पाता है। ग्राम के दक्षिण में चन्द्रभागा नदी का मात्र अवशेष रह पाया है, जिसमें मात्र तीन-चार महीने तक पानी रहता है। उपयोगिता की दृष्टि से। पश्चिम का भाग निकास के लिए तथा पूरब का भाग खेती के लिए उपयोगी है ग्राम के पूरब में डूलडोभ चौर है जिसका रकबा करीब १५० बीघे का है। इसमे भी मात्र एक फसल (धान ही) हो पाती है। इसका संबंध काबर चौर से है। पश्चिम में एक शहरा चौर है जिसका रकबा ७० बीघे का है। यह खेती के साथ-साथ इस गाँव क उत्तर में गाँव का पानी काबर चौर तक पहुँचता है।

गाँव के मध्य भाग से एक पक्की सड़क (बेगूसराय-मंझौल-हसनपुर) गुजरती है जिससे सम्बन्ध स्थापित करने के लिए दो कच्ची सड़कें हैं। पक्की सड़क से जोड़ने वाली एक कच्ची सड़क (कोरैय-मुमेपुर) है जिसके दोनों ओर कोरैय ग्राम अवस्थित है।

प्राकृतिक सौंदर्य—ईश्वर की असीम अनुकम्पा से यहाँ धान, गेहूँ, मकई, ऊख, लाल मिर्च आदि की खेती होती है। सालो भर हर ऋतु में कोई-न-कोई फसल अवश्य लगी रहती है, जिसकी प्राकृतिक छटा अनुपम होती है। ग्राम के पूरब तथा पश्चिम भाग में बागों का समूह है तथा दक्षिण में चन्द्रभागा नदी की निराली छटा है। सोलहट्टा डोभ का जमा पानी एक ओर खेती के लिए अभिशाप है तो दूसरी ओर इसका प्राकृतिक सौंदर्य वर्णनातीत है।

सामाजिक स्थिति—अपने चारों ओर के ग्रामों में बसे अन्य ग्रामवासियों की तुलना में इस गाँव का सामाजिक-स्तर सदा उच्च रहा है। हमारे पूर्वजों की दानशीलता ही इसका प्रमुख प्रमाण हैं। हमारे पूर्वज श्री दयाल मिश्र ने अपने भाई सुजानपुरवासी सुजान मिश्र के लावल्द होने पर अपनी इच्छा से अपना हक देने के बावजूद लेने से इन्कार किया तथा वे एक गैर अच्छे व्यक्ति मोहन पाठक को दान देकर मेघौल प्रस्थान कर गये। चार पुत्रों के रहने पर भी दयाल मिश्र ने अपनी सम्पत्ति में से साढ़े तीन सौ बीघे जमीन अपनी एकमात्र पुत्री सती देवी (जिनकी शादी शासन ग्राम में थी) को दान कर दिया। हाल ही में (१९७३ ई०) श्री वशिष्ठ मिश्र की दशवीं पीढ़ी के रामरक्षा मिश्र (राय) के श्राद्ध कर्म में वृषोत्सर्ग श्राद्ध एवं हाथी-दान उनके सुपुत्र श्री हरिनन्दन राय आदि द्वारा किया गया। अभी तक हमने अपने भाई-बान्धवों (सातो गाँव) को ग्यारह बार प्रीति भोज दिया।

गांव में करीब १५ जातियों के लोग रहते हैं जिसमें मुख्यतः सुरगण ही हैं, जिनकी कुल आबादी करीब एक हजार होगी। शेष जातियों की संख्या करीब १५०० होगी। गाँव के हर अच्छे कार्य का नेतृत्व अपने ही वंशजों द्वारा होता है।

Scanned by CamScanner

आर्थिक स्थिति—हमारे ग्रामवासियों के आर्थिक विकास की दर काफी अच्छी रही है। प्रारम्भ में हमारे पूर्वजों को कुल १६०० बीघे जमीन (दान के बाद) शेष रही किन्तु वर्तमान स्थिति में हमारे ग्रामवासियों के आधिपत्य में करीब ३५०० बीघे खेत हैं। यह कहना अत्युक्ति न होगा कि हम ग्रामवासियों को इसका गौरव है कि चौहद्दी के हर गाँव में हमारा अधिकार है। गृहस्थी के अलावे नौकरी की आय सीमित ही है। आर्थिक स्थिति सुधारने का मुख्य स्रोत गाँव से लगभग तीन मील की दूरी पर स्थित हसनपुर चीनी मिल है।

धार्मिक स्थिति—हमारे पूर्वजों की द्वितीय पीढ़ी के श्री दयाल मिश्र की एकमात्र सुपुत्री सती देवी (जिनकी शादी शासन ग्राम में थी) नामानुकूल तत्कालीन धर्म के अनुसार सती हो गई जिनकी पूजा-अर्चना आजकल भी की जाती है, क्योंकि लोगों की इच्छित मनोकामना पूर्ण होती है। हमारे पूर्वज श्री छत्रपति मिश्र जीवित अवस्था में ही समाधिस्थ हो गये। हमारे पूर्वजों में श्री भक्तमाल जी (महंथ, राजदरवाजा काशी) जैसे पहुँचे हुए महात्मा उत्पन्न हुए। हमारी पाँचवीं पीढ़ी के श्री लक्ष्मी मिश्र के पुत्र श्री भैरव मिश्र हुए, जो मरणपर्यन्त दैवी शक्ति को प्राप्त किये रहे। उनकी पूजा-अर्चना हम ग्रामवासी हर शुभ कार्य के समय करते हैं। इनका मंडप गाँव के पूर्वी भाग पर अवस्थित है। वे भैरवी बाबा के नाम से अभी भी विख्यात हैं। हमारे गाँव में एक बड़ी एवं अच्छी ठाकुरवाड़ी है जिसका निर्माण वशिष्ठ मिश्र की आठवीं पीढ़ी के श्री नन्हा राय द्वारा किया गया तथा उनकी पूजा के लिए ३५ बीघे भूमि दानस्वरूप प्रदान की गयी। ग्यारहवीं पीढ़ी के श्री हरिहर मिश्र (राय) द्वारा एक विद्यालय (ग्राम के मध्य भाग में) तथा एक कुएँ का निर्माण किया गया तथा पूजा के लिए एक बीघा जमीन दान दी गयी। दसवीं पीढ़ी के श्री कूशो मिश्र द्वारा एक शिवालय का (ठाकुरवाड़ी की बगल मे) निर्माण किया गया तथा पूजा-अर्चना के लिए एक बीघा जमीन दान दी गयी। ग्राम के पश्चिम भाग में दुर्गाजी का एक मन्दिर है जिसमें संगमरमर की स्थायी मूर्त्ति स्थापित है। इसके अलावे एक चैती दुर्गा तथा एक काली मन्दिर भी है जिसमें प्रति वर्ष मूर्त्ति बनाकर सोल्लास पूजा-अर्चना की जाती है। गाँव के पश्चिम-उत्तर सिरे पर गतराम बाबा का एक मन्दिर है। १९५७ ई० में श्रीमती चंचल कुमारी की दानशीलता तथा ग्रामवासियों के सहयोग से उनके नाम पर एक मध्य विद्यालय की स्थापना हुई, जो चंचल मध्य विद्यालय के नाम से प्रसिद्ध है। इसका निर्माण तत्कालीन मुखिया श्री हरिनन्दन राय के प्रयास का फल है। इस ग्राम में २१ कुएँ और ५ पोखरे हैं। गाँव के पश्चिमी भाग के पोखरे का श्री निरपत राय, उत्तर-पश्चिम कोने में स्थित पोखर का नन्हा मिश्र, पूरब-दक्षिण कोने के पोखर

Scanned by CamScanner

का लवहर मिश्र (राय), पूरब-उत्तर कोने के पोखर का छोटी मिश्र तथा पूरब में स्थित पोखर (जो नष्टप्राय हो चुका था) का तत्कालीन मुखिया श्री हरिनन्दन राय द्वारा जीर्णोद्धार करवाया गया। ग्राम के पश्चिमी भाग में एक कन्या पाठशाला भी स्थित है। गाँव के मध्य में एक कमिटी हॉल एवं दो पुस्तकालय कार्यरत हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम—प्राचीन काल से ही हमारा गाँव सांस्कृतिक कार्यों में अपने पड़ोसी ग्रामवासियों का अगुआ रहा है, जिनमें मनू ठाकुर, मोहर मिश्र, त्रिवेणी मिश्र, कमलेश्वरी मिश्र, रामेश्वर मिश्र (मास्टर साहब), रब्बी धुनिया, नाथो धुनिया इत्यादि के नाम उल्लेखनीय हैं। वर्त्तमान में रामवतार यादव को (शान्ति निकेतन से शिक्षित) अपने कला प्रदर्शन के लिए अन्तर्जिला ख्याति प्राप्त है।

समय-समय पर ग्रामवासियों द्वारा नवाह्न यज्ञ, रासलीला, अष्टयाम तथा सत्संग का भी आयोजन भैरवी बाबा के स्थान पर किया जाता है। वर्त्तमान समय में दो नाट्य परिषदें एवं कीर्त्तन मंडलियाँ ग्रामवासियों के सहयोग से ग्रामवासियों एवं पड़ोसियों का मनोरंजन करती हैं।

साहित्यिक स्थिति—शिक्षा की दृष्टि से हमारे ग्रामीण उत्तरोत्तर प्रगतिशील हैं। यहाँ करीब ५ स्नातकोत्तर शिक्षित, १५ स्नातक तथा मेडिकल, अभियांत्रिकी आदि में भी कई छात्र अध्ययनशील हैं।

राजनैतिक स्तर—राजनीति के क्षेत्र में भी हमारे ग्रामीण काफी जागरूक हैं। हर कोई किसी-न-किसी राजनीतिक पार्टी का सक्रिय सदस्य हैं।

यशस्वी व्यक्तियों द्वारा विशिष्ट योगदान—श्रीमती चंचल कुमारी, श्री राम रक्षा राय, श्री राजो राय और श्री धुटन राय द्वारा माध्यमिक विद्यालय के लिए जमीन दी गयी है तथा श्री हरिनन्दन राय द्वारा लक्ष्मी नारायण उच्च विद्यालय मुसेपुर मालीपुर में एक कमरा बनवाया गया। मध्यविद्यालय गढ़पुरा में भी हम ग्रामवासियों का काफी योगदान रहा है।

पता—श्री हरिनन्दन मिश्र (राय), श्री रामलगन राय।
ग्राम—कोरय, पो०—गढ़पुरा
भाया—बखरी बाजार
जिला—बेगूसराय

४. हरखपुरा

आज से लगभग ३२५ वर्ष पूर्व हमारे पूर्वज सर्वश्री गोविन्द मिश्र एवं प्रयाग मिश्र यहाँ आये, जिनके वंशज हम सब ग्रामवासी अपना-अपना जीवन-यापन कर रहे हैं।

गाँव की चौहद्दी एवं क्षेत्रफल—इस गाँव के उत्तर में मालीपुर, दक्षिण में डुमरी, पूरब में कोरैय एवं पश्चिम में हरेरामपुर टोला है। इस गाँव का क्षेत्रफल ७५ बीघा है। हमारे यहाँ छह हाथ का लगा चलता है।

भौगोलिक स्थिति—इस ग्राम के तीन तरफ झील है। इस झील में वर्षा के दिनों में पानी भरा रहता है, लेकिन इसमें पानी अधिक दिनों तक नहीं रह पाता है। तीनो ओर झील से घिरे रहने के कारण एवं चारों ओर वन-बाग लगे रहने के कारण यह गाँव अत्यन्त सुहावना लगता है। इस गाँव की जमीन अत्यधिक उपजाऊ है। इस गाँव की जनसंख्या ११०० है। इसमें सुरगण १०० हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य—इस ग्राम के तीन ओर झील है। झील के किनारे पेड़-पौधे लगे हुए हैं। वर्षा के दिनों में, खासकर जिस दिन बादल आकाश में छाये रहते हैं, ग्राम की शोभा दर्शनीय होती है। ग्राम सुहावना मालूम पड़ता है।

सामाजिक स्थिति—इस गाँव की सामाजिक-स्थिति सामान्य है। यहाँ हर जाति के लोग वास करते हैं। लोगों में बहुत मेधा एवं प्रेम है।

आर्थिक स्थिति—यहाँ मध्यवर्गीय लोग अधिक हैं। यहाँ के लोग परिश्रमी एवं दिनानुदिन उन्नति के पथ पर अग्रसर हैं। यहाँ धान, गेहूँ, मकई, लाल मिर्च आदि फसलें उपजाई जाती हैं।

धार्मिक स्थिति—यहाँ सिर्फ हिन्दू-धर्म के मानने वाले लोग हैं। लोग धार्मिक प्रवृत्ति के हैं। इस गाँव में दो ठाकुरबाड़ी एवं एक शिवालय है। एक ठाकुरबाड़ी के संस्थापक श्री हरिनारायण राय हैं। शिवालय के संस्थापक श्री राजो राय हैं। गाँव के उत्तर एक डीहवार है।

सांस्कृतिक स्थिति—इस गाँव के लोग नाटक एवं कीर्तन में विशेष अभिरुचि लेते हैं। प्राय: छठ आदि पर्वो के अवसर पर यहाँ नाटक एवं कीर्त्तन होता है। यहाँ के लोग रामायण एवं अन्य ग्रंथों के पाठ में विशेष अभिरुचि लेते हैं।

राजनैतिक स्थिति—यहाँ के लोग राजनीति में भी भाग लेते हैं। यहाँ के लोग सरल स्वभाव के हैं एवं अपने जीविकोपार्जन में लगे रहते हैं।

Scanned by CamScanner

साहित्यिक स्थिति—इस गाँव में जनसंख्या के अनुपात में लोग शिक्षित नहीं हैं। इस गाँव में स्नातकोत्तर श्री रामललित राय एवं श्री रामउदय राय हैं। इनके अतिरिक्त श्री रवीन्द्रनारायण राय, श्री महेन्द्र राय, श्री रामचन्द्र राय एवं श्री राम सागर राय आदि स्नातक हैं।

यशस्वी व्यक्तियों द्वारा विशिष्ट योगदान—यहाँ एक सामूहिक पोखरा है एवं साथ ही कई सामूहिक कुएँ भी हैं। हमारे यहाँ एक अपर प्राइमरी पाठशाला भी है। इस विद्यालय के बनाने हेतु श्री जगदीश राय एवं श्री हरिनारायण राय ने जमीन दी है।

पता—श्री महेन्द्र राय, श्री जगदीश राय, श्री हरिनारायण राय।
ग्राम—हरखपुरा,
पो०—गढ़पुरा,
भाया—बखरी बाजार,
जिला—बेगूसराय

५. नारायणपोपर ग्राम

चौहद्दी—इस ग्राम के उत्तर में पनसल्ला, दक्षिण में कावर टोल, पूरब में डुमरी तथा पश्चिम में किरमुड्डी है।

जनसंख्या—इस ग्राम की जनसंख्या लगभग चार हजार है, जिनमें सुरगण ब्राह्मण पाँच सौ हैं। इस ग्राम का रकबा ४००० बीघे के लगभग है। यहाँ छह हाथ का लग्गा चलता है। गाँव के पश्चिम में हनियारा नाला है।

गाँव के दक्षिण में काबर झील है जिसमें रंग-बिरंगे फूल खिले हुए हैं। पूरइन के पत्ते फैले हुए हैं जिस पर पानी की बूंदें पड़ने पर सोने जैसी चमक प्रतिभासित होती है। कमल के फूल आदि हैं जो बहुत शोभायमान हैं। कावर में ही एक जयमंगला देवी का मंदिर एवं गढ़ है। जयमंगला देवी की पूजा सालो भर होती है। इसकी पूजा करने के लिए बहुत दूर-दूर के लोग आते हैं और बड़ी श्रद्धा से करते हैं। गाँव से थोड़ा दक्षिण हटकर एक बड़ी झाड़ी है, जिसमें अनेक प्रकार के जानवर रहते हैं।

सामाजिक स्थिति—यहाँ कई जातियों के लोग निवास करते हैं। सभी जातियों के घर अलग-अलग क्रम से बने हुए हैं। सभी जातियों के लोग आपस में प्रेमपूर्वक रहते हैं। सभी परिश्रमी हैं एवं सबों में मेधा है।

आर्थिक स्थिति—यहाँ सम्भवत: अनेक फसलें उपजाई जाती हैं। विशेषत: धान, मकई, गेहूँ, ऊख एवं लाल मिर्च की खेती होती है।

Scanned by CamScanner

धर्म—यहाँ सिर्फ हिन्दू-धर्म को मानने वाले लोग हैं। हमारे यहाँ धर्मशाला एवं शिवालय, ठाकुरवाड़ी इत्यादि भी हैं।

संस्कृति—हमारे यहाँ रासलीला, नाटक इत्यादि का भी आयोजन होता हैं। दुर्गापूजा एवं छठ पर्व के अवसर पर सांस्कृतिक गोष्ठी आयोजित की जाती है।

राजनीति—हमारे यहाँ के लोग राजनीति में दिलचस्पी कम लेते हैं। यहाँ के ग्रामीण राजनीति के क्षेत्र में अभी पीछे हैं। यहाँ के लोग विशेषकर जीविकोपार्जन में लगे रहते हैं।

साहित्य—हमारे यहाँ शिक्षा-स्तर शून्य है। हमारे यहाँ अभी शिक्षितों, साहित्यिकों का अभाव है। आजकल इस ओर ध्यान दिया जा रहा है।

योगदान—हमारे यहाँ के श्री बच्चू राय ने अपनी सारी सम्पत्ति रामजानकी के नाम से लिखकर ठाकुरवाड़ी स्थापित की है। बिक्कू सहनी ने एक पोखर खुदवाया है। झड़ी सहनी ने एक धर्मशाला बनवायी है। गुलटेन राय ने कमिटी हॉल में अपनी जमीन दी है। बाबू नारायण राय, रामउद्गार राय, त्रिवेणी राय, सुन्दर राय, प्रमोद राय ने अस्पताल के लिए अपनी-अपनी जमीन दी हैं। साथ-ही-साथ श्री राम बिलास राय और श्री परमानन्द राय ने अपनी-अपनी जमीन देकर लोअर प्राइमरी पाठशाला का निर्माण करवाया है।

पता—श्री बाबू नारायण राय, मुखिया
ग्राम—नारायण पीपर
पो०—पनसल्ला, माया-मंझौल
जिला—बेगूसराय

६. गोपालपुर

गोपालपुर ग्राम में हमारे पूर्वज मेघौल से आये थे। पण्डित हरिदत्त मिश्र सम्वत् १६२२ में दरभंगा जिले के पिरोखर गाँव से मेघौल आये थे। पिरोखर ग्राम में सुरगण ब्राह्मण निवास करते थे, जिनका गोत्र पराशर था। पिरोखर में इस समय मात्र काली जी का मन्दिर है। अभी यहाँ पर सुरगण ब्राह्मण नहीं हैं। पिरोखर बस्ती नया जिला मधुबनी (बिहार राज्य) में पड़ता है। हमारे पूर्वजों की पूजनीया माता एक मात्र भगवती हैं।

पण्डित हरिदत्त मिश्र जी की शादी मेघौल के श्री मेघ सिंह की पुत्री श्रीमती कमलावती से हुई। श्री मेघ सिंह कुशमारयमूल के ब्राह्मण थे। कहा जाता है कि

Scanned by CamScanner

इनका निवास-स्थान मेघौल के भीड़ पर था। वह स्थान बूढ़ी गण्डक नदी के किनारे पूरब दिशा में अवस्थित है। यहीं पर हमारे बीज पुरुष पण्डित श्री हरिदत्त मिश्र निवास करते थे। इसलिए हम सुरगणवासी के लिए यह स्थान पूजनीय है।

भौगोलिक स्थिति—श्री द्वारिका मिश्र मेघौल से आकर गोपालपुर गाँव में बस गये। गोपालपुर गाँव बिहार राज्य के बेगूसराय जिलान्तर्गत चेरिया बरिबारपुर अंचल में पड़ता है। गोपालपुर में ग्राम-पंचायत भी है। इसकी आबादी लगभग ३००० एवं क्षेत्रफल १४०० बीघे हैं। इस बस्ती के उत्तर में आकोपुर, दक्षिण में रामपुर घाट, पूरब में नगरी झील तथा पश्चिम में बूढ़ी गण्डक है। गाँव के आस-पास में ही श्री दुर्गा उच्च विद्यालय मंझौल तथा श्री रीति लाल उच्च विद्यालय सकरौली है। इनमें हमारे बाल-बच्चे शिक्षा प्राप्त कर ज्ञानोपार्जन एवं जीविकोपार्जन भी करते हैं। हमलोगों को आवागमन के लिए सारी सुविधाएँ प्राप्त हैं।

धार्मिक वातावरण—इस गाँव में चार ठाकुरबाड़ियाँ एवं एक शिवालय भी है। दोनों मन्दिरों में पूजा-पाठ बराबर चलता रहता है। गाँव के पूरब में श्री भगवती जी का मन्दिर तथा दक्षिण में श्री काली जी का मन्दिर है। काली जी एवं भगवती जी की पूजा प्रत्येक दिन तो होती ही है, वर्ष में एक बार बड़ी धूम-धाम से पूजा होती है।

गोपालपुर गाँव में सुरगणय ब्राह्मणों की संख्या लगभग ५०० है। इसके साथ-ही-साथ यहाँ चकवार ब्राह्मण, जलेबार ब्राह्मण एवं मर्रे मंगरौनी मूल के भी ब्राह्मण हैं। हमलोग प्रायः प्रेम-पूर्वक रहते हैं एवं एक साथ सहभोज भी करते हैं।

सांस्कृतिक वातावरण—श्री द्वारिका मिश्र के खानदान में सबसे प्रमुख व्यक्ति श्री भुवन मिश्र जी हुए जो महान देवता के रूप में माने जाते हैं। उन्हें हमलोग डीहवार कहकर पुकारते हैं। इनकी पूजा प्रत्येक साल आषाढ़ मास में बड़ी धूम-धाम से की जाती है।

इतिहास—हमारे वंश में दूसरे प्रमुख व्यक्ति श्री बंशी बाबा हुए। हमलोग प्रत्येक साल इनकी भी पूजा करते हैं। श्री धनिक लाल राय एवं श्री हीया राय आदि भी प्रमुख व्यक्तियों में गिने जाते हैं। श्री गोपालपुर वासी लडडू लाल राय ने गोपालपुर ग्राम के सुरगण वंश का इतिहास तैयार किया।

श्री राम किशोर प्रसाद सिंह जी (खुटहाडीह के निवासी) धन्य हैं, जिन्होंने सुरगण वंश का इतिहास निर्माण करने में भगीरथ प्रयत्न किया। उन्हें ईश्वर दीर्घायु करें। यही हमलोगों की शुभ कामना है।

पता—श्री लड्डूलाल राय
ग्राम—गोपालपुर
पो०—आकोपुर (जिला-बेगूसराय)

Scanned by CamScanner

७. मटिहानी

चौहद्दी—मटिहानी ग्राम के उत्तर में नरहन स्टेट, दक्षिण में पेतलिया मोचन, पूरब में खोदावन्दपुर प्रखण्ड, पश्चिम में बूढ़ी गंडक है।

जनसंख्या—इस ग्राम की जनसंख्या एक हजार है, जिनमें दो सौ सुरगणै ब्राह्मण है। यहाँ का रकबा ३०० बीघे है। यहाँ छह हाथ का लग्गा चलता है। गाँव के दक्षिण में गंडक का छाड़न है जिससे सिंचाई में सुविधा होती है।

प्राकृतिक सौंदर्य—यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य दर्शनीय है। गाँव से सटे दक्षिण में गंडक का जो छाड़न है उसमें कमल के फूल खिलते हैं जिससे गाँव शोभायमान लगता है। यह तीन तरफ से गंडक से घिरा हुआ हैं।

सामाजिक स्थिति—हमारे यहाँ अनेक जातियों कि लोगों का वास है। गाँव सिमटा हुआ है। गाँव के लोग आपस में प्रेमपूर्वक रहते हैं।

आर्थिक स्थिति—हमारे यहाँ की आर्थिक स्थिति सामान्य है क्योंकि अधिकांश लोग खेती पर ही निर्भर हैं। हमारे यहाँ की मुख्य फसल धान, गेहूँ, मकई, अरहर इत्यादि हैं।

धार्मिक स्थिति—हमारे गाँव में हिन्दू धर्म के मानने वाले लोग हैं। हमारे यहाँ ठाकुरबाड़ी, धर्मशाला इत्यादि नहीं हैं।

संस्कृति—हमारे गाँव में कभी-कभी सांस्कृतिक आयोजन होता है।

राजनीति—हमारे गाँव के लोग राजनीति में अधिक दिलचस्पी लेते हैं।

शिक्षा :—हमारे गाँव में शिक्षा का धीरे-धीरे विकास हो रहा है। यहाँ कोई साहित्यिक व्यक्ति नहीं है।

योगदान :—हमारे यहाँ हरवल्लभ बाबू और यदु बाबू ने कमिटी हॉल बनवाया।

पता—श्री भूपनारायण सिंह
ग्राम—मटिहानी
पो०—मेघौल
जिला—बेगूसराय

●

८. अकहा

चौहद्दी :—उत्तर में बूढ़ी गंडक नदी, दक्षिण में बिसनपुर, पूरब में बूढ़ी गंडक नदी और पश्चिम में संजात नामक ग्राम है।

जनसंख्या :—यहाँ की आबादी लगभग दो हजार है, जिसमें सुरगण वंशी दो सौ हैं। यहाँ का क्षेत्रफल १६०० बीघा हैं। यहाँ पौने छः हाथ का लग्गा चलता

Scanned by CamScanner

है। गाँव के दक्षिण-पूरब में किसुन डोभ नामक झील है। इसके उत्तर-पूरब में बूढ़ी गंडक का जल-पथ विभाग का तटबंध है जिससे बाढ़ के समय गाँव की रक्षा होती है।

गाँव की उत्तर और पूरब दिशाओं में बूढ़ी गंडक नदी बहती है, जो गाँव की शोभा बढ़ाती है। नदी के किनारे ग्रामीण बड़े आनद से आहार-बिहार करते हैं।

यहाँ ब्राह्मण, कुर्मी, कानू, जुलाहा, वैश्य, बनिया, कलवार, कुम्हार, बरैय, दुसाध, कोयरी आदि विभिन्न जातियों के लोग निवास करते हैं। हर जाति के लोगों में साक्षरता एवं आपस में प्रेम-भाव है।

यहाँ की मुख्य फसलें गेहूँ, मकई, धान, अरहर, लालमिर्च, हल्दी, पान इत्यादि हैं। यहाँ के लोग मवेशीपालन भी अच्छी तरह करते हैं। यहाँ की जमीन बहुत उपजाऊ है। गाँव बहुत ऊँची जगह पर बसा हुआ है जिससे बाढ़ एवं अति वृष्टि होने पर भी गाँव सुरक्षित रहता है। यहाँ के कुछ लोग सरकारी सेवा में हैं। इस तरह से गाँव की आर्थिक हालत सुदृढ़ है।

धर्म :—गाँव से उत्तर माँ काली का एक देव-मन्दिर है एवं एक शिव-मंदिर भी है। गाँव में एक ब्रह्म स्थान एवं लक्ष्मी स्थान भी है। वर्ष मे दिवाली के अवसर पर लक्ष्मीजी की पूजा होती है तथा मेला भी लगता है। गंडक नदी के किनारे जो शिव मंदिर है उसमें सावन महीने में सोमवारी का मेला दर्शनीय है। गाँव के मध्य में एक अपर प्राइमरी स्कूल है। गाँव से दक्षिण आधे किलोमीटर की दूरी पर जवाहर ज्योति उच्च विद्यालय है। विद्यालय निकट होने से यहाँ के विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होती है। इससे सटे पूरब एक मिड्ल स्कूल भी है।

यहाँ के लोगों में राजनैतिक अभिरुचि कम पायी जाती है। यहाँ के लोग खेती-बारी में ही ज्यादा अभिरुचि लेते हैं।

पता—ब्रह्मदेव प्र० सिंह
ग्राम—अकहा
पो०—ईशापुर
जि०—बेगूसराय

६. संजात ग्राम

मेघौल में छः मील दक्षिण संजात ग्राम अवस्थित है। इस ग्राम के एक तरफ गंडक नदी और दूसरी तरफ बैंती नदी बहती है।

श्री संत मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) बाबूलाल मिश्र, (२) झारखंड मिश्र, (३) चन्द्रिका मिश्र, (४) यदुनन्दन मिश्र। संजात ग्राम में अभी बाबूलाल मिश्र के पुत्र हरिवंशनारायण और उनके एक पुत्र याज्ञवल्क्य मिश्र हैं।

Scanned by CamScanner

१. मराँची का इतिहास

ग्राम—मराँची, थाना—हथिदह, जिला—पटना।

श्री हरदत्त मिश्र के चार पुत्र हुए :—प्रथम पुत्र श्री रुद्र मिश्र, जो कि सौरिया वस्ती जिला—पूर्णिया में बसे। द्वितीय पुत्र—श्री फूद मिश्र, मेघौल मातृभूमि में ही रहे। तृतीय पुत्र—श्री गोण मिश्र, सिमरिया घाट से दक्षिण-पूरब खुटहा ग्राम का बासिन्दा हुए।

चतुर्थ पुत्र—श्री चैन मिश्र मराँची ग्राम का बासिन्दा हुए। श्री चैन मिश्र के वंशज मरांची में भगत, बरियार और ताजपुर है जिनकी वंशावली अभी तैयार नहीं हुई है। तैयार होने पर लिखी जायगी। चैन मिश्र सम्वत् १६४४ ई० में मराँची आये। बाद (सं० १८००) में श्री किसान चन्द (मिश्र पिताजी का नाम—श्री बालू मिश्र) मराँची आये। ये मेघौल ग्राम (गरीब पट्टी) से मराँची आये थे।

चौहद्दी—उत्तर—रेलवे लाइन और महेन्द्रपुर ग्राम, और हथिदह रेलवे स्टेशन, तथा राजेन्द्र पुल।

पश्चिम—रेलवे लाईन और अपनी जमीन टाल क्षेत्र।

पूरब—गंगा नदी तथा रामदीरी, जगतपुरा तथा विशनपुर ग्राम

दक्षिण—शेरपुर ग्राम।

किसान चन्द मिश्र की विद्वत्ता को देखकर उनसे पूर्व के गोतिया लोग आग्रह किये कि आप भी यहाँ आकर बसें। गोतिया के कहने पर ये यहाँ आकर बसे चूँकि वे फौज के कमाण्डर थे। हमारे गोतिया लोग उस समय अल्पसंख्यक थे। उनके पास जमीन अधिक थी। मरीचि ऋषि की यह तपोभूमि हैं जैसा कि पुराण में भी इसके बारे में लिखा है कि ऋणि ऋषि के आश्रम के नजदीक मरीचि ऋषि का आश्रम था। यहाँ हर वर्ग के लोग शांतिपूर्वक निर्वाह करते हैं। सभी सुखी सम्पन्न हैं। यहाँ पर बड़े-बड़े विद्वान, इंजीनियर, डॉक्टर, वकील और राजनेता मंत्री भी हुए हैं। यहाँ लगभग छः प्राइमरी स्कूल, एक हाईस्कूल, एक महाविद्यालय तथा चार ठाकुरवाड़ी हैं। यहाँ हर धर्म को मानने वाले और संस्था चलाने वाले लोग रहते हैं।

पहले श्री चैन मिश्र मेघौल से मराँची आये। उनका कुर्सीनामा अलग है। पीछे श्री किसानचन्द मिश्र मराँची के दूसरे खूट के बीज पुरुष हुए। ये मेघौल ग्राम के गरीबपट्टी से यहाँ कमाण्डर बनकर आये थे और यहीं के बासिन्दा

Scanned by CamScanner

हुये। श्री किसानचन्द मिश्र, श्री बालू मिश्र के पुत्र थे। श्री किसानचन्द मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) राणा सिंह (२) लीला सिंह (३) भाल सिंह (४) बदल सिंह (५) मणिमोहर सिंह।

राणा सिंह के तीन पुत्र हुए—(१) कमलनयन सिंह (२) हरजीत सिंह (३) श्री किशोरी सिंह (जो कि पूर्णिया चले गये)।

कमलनयन सिंह के तीन पुत्र हुए: (१) हरदत्त सिंह (२) शिव सिंह (३) दया सिंह।

हरदत्त सिंह के तीन पुत्र हुए: (१) संतोष सिंह (२) बकतौर सिंह (३) बालकिशुन सिंह।

संतोष सिंह के एक पुत्र महादेव सिंह हुए। महादेव सिंह के तीन पुत्र—श्री पहलवान सिंह, हेमराज सिंह और श्री खड्ग सिंह हुए। श्री पहलवान सिंह के पुत्र—श्री गुदर सिंह हुए। श्री गुदर सिंह के तीन पुत्र—श्री वेनी सिंह, श्री हरि सिंह और श्री हेता सिंह हुए। श्री वेनी सिंह के पुत्र—भावनाथ सिंह (ना०) और पुचाई सिंह हुए। पुचाई सिंह के पुत्र—श्री महावीर सिंह (ना०) और श्री रामलाल सिंह हुए। श्री रामलाल सिंह के पुत्र—श्री शिवनन्दन सिंह और श्री वृजनन्दन सिंह हुए। शिवनन्दन सिंह के दो पुत्र विश्वम्भर सिंह (वकील) तथा शम्भू सिंह हुए। विश्वम्भर सिंह के पुत्र डॉ० अजय सिंह तथा विजय सिंह हुए, एवं इनके भाई शम्भू सिंह के पुत्र—उपेन्द्र सिंह, लक्ष्मी नारायण सिंह तथा श्री नारायण सिंह हुए। श्री वृजनन्दन सिंह के पुत्र—श्री घनश्याम सिंह हुए। घनश्याम सिंह के तीन पुत्र ;—(१) कन्हैया (२) मदन, एवं (३) विवेक हुए।

श्री वेनी सिंह के भाई श्री हरी सिंह थे। हरी सिंह के पुत्र श्री गंगा सिंह हुए। गंगा सिंह के पुत्र—श्री रामप्रसाद सिंह हुए। इनके चार पुत्र—श्री राजेन्द्र सिंह (ना०), श्री राजकिशोर सिंह, श्री विद्यासागर सिंह (इन्जि०) तथा श्री वाल्मीकि सिंह (इन्जि०) हुए। राजकिशोर सिंह के दो पुत्र—श्री चन्द्रमौली सिंह तथा श्री सूर्यमौली सिंह हुए। श्री विद्यासागर सिंह के तीन पुत्र हुए—श्री निरेन सिंह, श्री विरेन सिंह और श्री धीरेन सिंह।

श्री वाल्मीकि सिंह के दो पुत्र—श्री राजा सिंह और श्री छोटे सिंह हैं। श्री वेनी सिंह के छोटे भाई श्री हेता सिंह थे। श्री हेता सिंह के तीन पुत्र हुए: (१) श्री अयोध्या प्रसाद सिंह, (२) श्री लखनलाल सिंह (ना०), (३) श्री रामचन्दर सिंह।

श्री अयोध्या प्रसाद सिंह के तीन पुत्र हुए: (१) श्री भोला प्र० सिंह (२) श्री केदार नाथ सिंह और (३) श्री इन्द्रदेव प्र० सिंह।

Scanned by CamScanner

श्री भोला सिंह के तीन पुत्र हुए : (१) श्री महेश्वर प्र० सिंह (२) श्री सुरेश प्रसाद सिंह, तथा (३) श्री राजेश्वर प्र० सिंह हुए।

श्री महेश्वर प्र० सिंह के पुत्र—डॉ० अरविन्द कुमार सिंह एवं उनके पुत्र कुणाल सिंह हुए। श्री राजेश्वर प्र० सिंह के पुत्र श्री श्याम सुन्दर सिंह हैं।

श्री भोला प्रसाद सिंह के भाई श्री केदारनाथ सिंह के पुत्र श्री रावणेश्वर प्र० सिंह हैं। इनके पुत्र श्री वालकृष्ण सिंह और धरनीधर सिंह हैं। श्री भोला प्र० सिंह के छोटे भाई श्री इन्द्रदेव प्र० सिंह (उर्फ—छोटन सिंह) के पाँच पुत्र (१) राधेश्याम प्र० सिंह (२) नृत्यगोपाल प्र० सिंह (३) गोपेश्वर प्र० सिंह (४) विपिन कुमार, और(५) निगम कुमार हैं।

नृत्य गोपाल सिंह के दो पुत्र (१) श्री रजनीश कुमार, तथा (२) अवनीश कुमार हैं।

श्री अयोध्या प्र० सिंह के छोटे भाई श्री रामचन्दर सिंह के पुत्र श्री विनोद प्र० सिंह हुए। श्री विनोद प्र० सिंह के चार पुत्र (१) श्री रत्नेश्वर प्र० सिंह (२) श्री अशोक कुमार सिंह (३) श्री दिलीप कुमार सिंह, और (४) श्री कृष्ण कुमार सिंह हुए।

श्री राजेश्वर प्रसाद सिंह के पुत्र—(१) गोपाल सिंह (२) लाल सिंह, और (३) कन्हैया सिंह हुए।

श्री महादेव सिंह के दूसरे पुत्र श्री हेमराज सिंह थे। उनके एक पुत्र श्री भत्तन सिंह थे। श्री भत्तन सिंह के चार पुत्र श्री झोंटी सिंह, श्री गोपाल सिंह, श्री निरवान सिंह और श्री गया सिंह हुए। श्री झोंटी सिंह के पाँच पुत्र—श्री कुलदीप सिंह, श्री रामाधीन सिंह, श्री ओझा सिंह, श्री शिवधिन सिंह और श्री मेदनी सिंह हुए। श्री कुलदीप सिंह के द्वारिका सिंह (ना०) श्री रामकिशुन सिंह (उर्फ) भीखो सिंह (ना०) हुए। श्री झोंटी सिंह के दूसरे पुत्र श्री रामाधीन सिंह के श्री सिधेश्वर सिंह "जो कि महान् विरक्त सिद्ध अपनी बहुत बड़ी सम्पत्ति के विरागी थे।" श्री विशो सिंह (ना०), श्री बद्री दास साधु हो गये। श्री झोंटी सिंह के तीसरे पुत्र श्री ओझा सिंह के पुत्र श्री देवकी सिंह तथा श्री कारू सिंह (ना०) हुए। देवकी सिंह के दो पुत्र श्री मदन सिंह और श्री चन्द्रशेखर सिंह (ना०) हुए। श्री मदन सिंह के दो पुत्र श्री परमानन्द सिंह और श्री गोंगू सिंह हुए। श्री झोंटी सिंह के चौथे पुत्र श्री शिवअधीन सिंह के चार पुत्र श्री वेआदर सिंह, (ना०) श्री रामसागर सिंह (ना०), देवकी सिंह (ना०) और श्री कल्टू सिंह हुए। कल्टू सिंह के पुत्र श्री गौरीशंकर सिंह एवं उनके पुत्र श्री निरंजन सिंह और कन्हैया सिंह हैं।

झोंटी सिंह के पाँचवें पुत्र श्री मेदनी सिंह के पुत्र श्री मथुरा दास साधु हुए। श्री भत्तन सिंह के दूसरे पुत्र श्री गोपाल सिंह एवं उनके पाँच पुत्र श्री भागवत

Scanned by CamScanner

सिंह, श्री हरषित सिंह, श्री गुज्जन सिंह, श्री रूपी सिंह और श्री तुरन्ती सिंह हुए। श्री भागवत सिंह के चार पुत्र श्री जादो सिंह, श्री राधो सिंह, श्री दामोदर सिंह और श्री रामशरण सिंह हुए। श्री जादो सिंह के पुत्र श्री रामछबीला दास साधु हो गये। राधो सिंह के पुत्र श्री कीटर सिंह (ना०) हुए। श्री दामोदर सिंह के पुत्र श्री गीता सिंह और श्री रामलगीना सिंह हुए। श्री गीता सिंह के तीन पुत्र श्यामकिशोरी सिंह, रामनरेश सिंह और उमाशंकर सिंह हैं। श्री रामलगीना सिंह का पुत्र विजय सिंह है। श्री भागवत सिंह के चौथे पुत्र श्री रामशरण सिंह हुए। उनके पुत्र श्री पशुपति सिंह, श्री शिवू सिंह और अरुण सिंह हैं। पशुपति सिंह के पुत्र श्री पंकज सिंह हैं। श्री भागवत सिंह के दूसरे भाई श्री हरषित सिंह के पुत्र श्री सूर्यनारायण सिंह पण्डित "गीता अठारहो अध्याय के ज्ञाता" (ना०) श्री राधावल्लभ दास साधु हो गए। श्री भागवत सिंह के तीसरे भाई श्री गुन्जन सिंह के पुत्र श्री कामता सिंह, श्री हृदय सिंह (ना०), श्री लाछो सिंह (ना०), श्री रामवरण सिंह (ना०) हुए। श्री कामता सिंह के पुत्र श्री हरिवल्लभ सिंह और श्री केदार सिंह हुए। श्री हरिवल्लव सिंह के पुत्र श्री शिवशंकर सिंह, श्री चन्द्रमौली सिंह और श्री विजय सिंह हुए। श्री शिवशंकर सिंह के पुत्र श्री पप्पू सिंह हैं। श्री केदार सिंह के पुत्र श्री नन्दकिशोर सिंह, बौआ सिंह, अवध सिंह और नुनू सिंह हुए। श्री नन्दकिशोर सिंह के पुत्र श्री दीपो सिंह हैं। श्री भागवत सिंह के चौथे भाई श्री रूपी सिंह के एक पुत्र सन्त शिरोमणि प्रातःस्मरणीय श्री जमुना सिंह घर में ही विदेह बने रहे। श्री जमुना सिंह के पुत्र श्री रामसोगारथ सिंह के दो पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह और श्री रामजतन सिंह हैं। राजेन्द्र सिंह के दो पुत्र ललन सिंह और फुलेना सिंह हैं। श्री रामजतन सिंह के दो पुत्र दयाराम सिंह और श्री हरेराम सिंह हैं। श्री भागवत सिंह के पाँचवें भाई श्री तुरन्ती सिंह के दो पुत्र श्री प्रयाग सिंह (ना०) और श्री रामरेखा सिंह हुए। श्री रामरेखा सिंह के तीन पुत्र श्री वाल्मीकि सिंह, श्री रामायण सिंह और श्री भवानी प्रसाद सिंह हैं। श्री वाल्मीकि सिंह के पुत्र श्री विश्वनाथ सिंह हैं। श्री रामायण सिंह के पुत्र श्री उमाशंकर सिंह हैं। श्री भवानी सिंह के दो पुत्र शिवजी सिंह और मनोज सिंह हैं।

श्री भत्तन सिंह के तीसरे पुत्र श्री निरवान सिंह के तीन पुत्र श्री खरतर सिंह (ना०), श्री बाबूलाल सिंह और श्री काली सिंह हुए। श्री बाबूलाल सिंह के दो पुत्र श्री सहदेव सिंह (ना०) और श्री रामशरण सिंह हुए। श्री रामशरण सिंह के पुत्र श्री हरिनन्दन सिंह के दो पुत्र श्री नन्दकिशोर सिंह (इन्जीनियर) और श्री डॉ० अवध किशोर सिंह है। श्री निरवान सिंह के तीसरे पुत्र श्री काली सिंह के एक पुत्र श्री देवनारायण सिंह हुए। श्री देवनारायण सिंह के दो पुत्र श्री नवलकिशोर

Scanned by CamScanner

सिंह और श्री रामानुज सिंह हुए। श्री नवलकिशोर सिंह के तीन पुत्र, श्री कृष्णवल्लभ सिंह, श्री चन्द्रमौली सिंह और श्री रामदुलार सिंह हैं। श्री रामानुज सिंह के एक पुत्र श्री नित्यानन्द सिंह हैं।

श्री भत्तन सिंह के चौथे पुत्र श्री गया सिंह के पुत्र श्री रामतवक्कल सिंह, श्री रामकेशावर सिंह हुए। श्री रामतवक्कल सिंह के एक पुत्र श्री देवनन्दन सिंह के तीन पुत्र श्री भोला सिंह, श्री बालेश्वर सिंह और श्री राजकिशोर सिंह हुए। श्री भोला सिंह के चार पुत्र श्री बलिराम सिंह, श्री अभिराम सिंह, श्री शालिग्राम सिंह तथा श्री मणिराम सिंह हुए। श्री बालेश्वर सिंह के तीन पुत्र श्री शम्भू सिंह, श्री शिवदानी सिंह तथा श्री कैलाश सिंह हैं। श्री राजकिशोर सिंह के दो पुत्र श्री परमानन्द सिंह और श्री सदानन्द सिंह हैं।

श्री गया सिंह के छोटे पुत्र श्री रामकेशावर सिंह के तीन पुत्र श्री रामपदार्थ सिंह, श्री नारायण सिंह, और श्री सत्यनारायण सिंह हैं। श्री रामपदार्थ सिंह के पाँच पुत्र श्री भागीरथ सिंह, श्री गौरीशंकर सिंह, श्री कृष्णसागर सिंह, श्री अरुण कुमार सिंह और श्री राधे सिंह हुए। श्री नारायण सिंह के पुत्र श्री रामकिशोर सिंह और श्री गणेश सिंह हैं। श्री रामपदार्थ सिंह के छोटे भाई श्री सत्यनारायण सिंह के पुत्र श्री बब्बन सिंह के श्री लालो सिंह और टूना सिंह हैं। श्री महादेव सिंह के तीसरे पुत्र श्री खड्ग सिंह हुए। उनके तीन पुत्र श्री धूरी सिंह (ना०), श्री नकछेद सिंह और श्री पोखराज सिंह हुए। श्री नकछेद सिंह के चार पुत्र श्री लोकनाथ सिंह, श्री बुल्ली सिंह, श्री रामउदित सिंह और श्री रामदास सिंह (ना०) हुए। श्री लोकनाथ सिंह के तीन पुत्र श्री कामता सिंह, श्री तिरपित नारायण सिंह और श्री रामस्वरूप सिंह (ना०) हुए। श्री कामता सिंह के तीन पुत्र श्री वृजनन्दन सिंह, श्री श्यामबहादुर सिंह और श्री रामाशीष सिंह हुए। श्री वृजनन्दन सिंह के पुत्र श्री चन्द्रमौली सिंह के पुत्र श्री कन्हैया सिंह हैं। श्री श्याम बहादुर सिंह के तीन पुत्र श्री शालिग्राम सिंह उर्फ विलायती सिंह, सुलेन्द्र सिंह और श्री शशिभूषण सिंह हैं। श्री रामाशीष सिंह के तीन पुत्र श्री रामाशंकर सिंह, श्री प्रमोद सिंह और श्री नारायण सिंह हैं। श्री लोकनाथ सिंह के द्वितीय पुत्र श्री तिरपित नारायण सिंह के दो पुत्र श्री नन्दलाल सिंह और श्री सुरेशचन्द्र सिंह (ना०) हुए। श्री नन्दलाल सिंह के पुत्र श्री रघुवंश सिंह के दो पुत्र रामकुमार सिंह और कृष्णकुमार सिंह हैं।

श्री नकछेद सिंह के दूसरे पुत्र श्री बुल्ली सिंह के दो पुत्र श्री दुःखा सिंह और श्री रामबालक सिंह हुए। श्री दुःखा सिंह के दो पुत्र श्री कपिलदेव सिंह और श्री रामविलास सिंह हुए। श्री कपिलदेव सिंह के दो पुत्र श्री रामजी सिंह

Scanned by CamScanner

और श्री नन्दकिशोर सिंह हैं। श्री रामजी सिंह के पुत्र श्री रोहित उर्फ पप्पू तथा नन्दकिशोर सिंह के पुत्र श्री राजेश सिंह और रजनीश सिंह हैं। श्री दुःक्खा सिंह के दूसरे पुत्र श्री रामविलास सिंह के चार पुत्र श्री गौकरण प्र० सिंह, श्री श्रवण सिंह, श्री जय सिंह और श्री विजय सिंह हैं। श्री गौकरण सिंह के पुत्र श्री रामप्रिय सिंह है। श्री बुल्ली सिंह के दूसरे पुत्र श्री रामबालक सिंह के दो पुत्र श्री रामाश्रय सिंह और श्री सन्तशरण सिंह हुए। श्री सन्तशरण सिंह के पुत्र श्री शंकर सुबोध सिंह, श्री रामसुधीर सिंह, श्री रामसुजीत सिंह और श्री चन्दन कुमार सिंह हैं।

श्री नकछेद सिंह के तीसरे पुत्र श्री रामउदित सिंह के दो पुत्र श्री अनिरुद्ध सिंह और श्री सच्चिदानन्द सिंह हुए। श्री अनिरुद्ध सिंह के दो पुत्र श्री भुनेश्वर सिंह और श्री अवधेश सिंह हैं। श्री भुनेश्वर सिंह के दो पुत्र श्री श्यामसुन्दर सिंह "धीरज" (मंत्री) और श्री शम्भू सिंह हैं। श्री श्यामसुन्दर सिंह (मंत्री) के पुत्र श्री रामगोपाल सिंह और श्री शम्भू सिंह के पुत्र श्री गौतम सिंह हैं। श्री अनिरुद्ध सिंह के छोटे पुत्र श्री अवधेश सिंह के दो पुत्र श्री संजय सिंह औ श्री धनंजय सिंह हैं। श्री अनिरुद्ध सिंह के भाई श्री सच्चिदानन्द सिंह के दर पुत्र श्री महेश्वर सिंह और श्री उमेश सिंह हैं। श्री महेश्वर सिंह के तीन पुत्र श्री अनिल सिंह, श्री राम सिंह, और श्री राधेश्याम सिंह हैं। श्री उमेश सिंह के पुत्र श्री रामललन सिंह, श्री रामरतन सिंह और श्री रामभुवन सिंह हैं।

श्री खड़ग सिंह के तीसरे पुत्र श्री पोखराज सिंह के दो पुत्र श्री आद्या सिंह और श्री धाना सिंह हैं। श्री आद्या सिंह के पुत्र श्री रामरक्ष्या सिंह के पुत्र श्री बच्चू सिंह हुए। श्री बच्चू सिंह के तीन पुत्र श्री रामप्रवेश सिंह, श्री कृष्णकान्त सिंह और श्री नित्यानन्द सिंह हैं। श्री रामप्रवेश सिंह के पुत्र···हैं।

श्री पोखराज सिंह के दूसरे पुत्र श्री धाना सिंह के पुत्र श्री अर्जुन सिंह हुए। श्री अर्जुन सिंह के दो पुत्र श्री नर्वदेश्वर प्र० सिंह और श्री रामानन्द सिंह हैं। श्री नर्वदेश्वर सिंह के पुत्र श्री लाल सिंह उर्फ नीरज कुमार सिंह हैं। श्री रामानन्द सिंह के तीन पुत्र श्री गोपाल सिंह, श्री। श्री सिंह और श्री पंकेश सिंह हैं। श्री हरपत सिंह के दूसरे पुत्र श्री वकतौर सिंह के दो पुत्र श्री दलजित सिंह और श्री मेहरवान सिंह हुए। श्री दलजित सिंह के दो पुत्र श्री दुबरी सिंह (ना०) और श्री फेकू सिंह हुए। श्री फेकू सिंह के पुत्र श्री नान्हा सिंह हुए। श्री नान्हा सिंह के पुत्र श्री रघुनाथ सिंह (ना०) हुए।

श्री वकतौर सिंह के दूसरे पुत्र श्री मेहरवान सिंह के तीन पुत्र श्री मोहन सिंह, श्री टोरल सिंह, श्री जीतन सिंह हुए। श्री मोहन सिंह के दो पुत्र श्री जागो सिंह (ना०) और श्री दल्तू सिंह हुए। श्री दल्तू सिंह के एक पुत्र श्री बादू सिंह हुए।

Scanned by CamScanner

श्री बादू सिंह के एक पुत्र श्री गोविन्दधारी सिंह हुए। श्री गोविन्दधारी सिंह के दो पुत्र श्री कृतनन्दन सिंह और विभूति सिंह हैं। श्री कृतनन्दन सिंह के दो पुत्र श्री शम्भू सिंह और श्री शिवजी सिंह हैं। श्री विभूति सिंह के नौ पुत्र श्री गौरी शंकर सिंह, श्री राजेन्द्र सिंह, श्री सुलेन्द्र सिंह, श्री उपेन्द्र सिंह, श्री विरेन्द्र सिंह, श्री रविन्द्र सिंह, श्री देवेन्द्र सिंह, श्री नरेन्द्र सिंह और श्री मनोज सिंह हैं।

श्री मोहन सिंह के भाई श्री टोरल सिंह के दो पुत्र श्री कल्लर सिंह और श्री लुटन सिंह हुए। श्री कल्लर सिंह के चार पुत्र श्री मोती सिंह (ना०), श्री ख्याली सिंह (ना०), श्री मौजम सिंह और श्री मिथिला सिंह हुए।

श्री मिथिला सिंह के तीन पुत्र श्री सीताराम सिंह, श्री शत्रुघ्न सिंह और श्री जगदीश सिंह हुए। श्री सीताराम सिंह के एक पुत्र श्री आदित्य सिंह हैं। श्री आदित्य सिंह के दो पुत्र श्री विजय सिंह और मनोज सिंह हैं। श्री शत्रुघ्न सिंह के दो पुत्र श्री कृष्णनन्दन सिंह और श्री गोपाल सिंह हैं।

श्री मिथिला सिंह के भाई मौजम सिंह के पाँच पुत्र श्री नन्दन सिंह, श्री चन्दर सिंह, श्री कैलाश सिंह, श्री बुद्धू सिंह और श्री राजो सिंह हुए। नन्दन सिंह के दो पुत्र हरेकान्त सिंह और दयाकान्त सिंह हैं। श्री चन्दर सिंह के तीन पुत्र श्री बाल्मीकि सिंह, श्री कपिल सिंह और श्री रामाश्रय सिंह हैं। श्री कैलाश सिंह के दो पुत्र श्री नर्वदे सिंह और श्री उपेन्द्र सिंह हैं। श्री बुद्धू सिंह के एक पुत्र श्री रामाकान्त सिंह हैं। श्री राजो सिंह के दो पुत्र श्री परशुराम सिंह और श्री रामानुज सिंह हैं।

श्री कल्लर सिंह के भाई लूटन सिंह के दो पुत्र श्री सिधेश्वर सिंह (ना०) और श्री फारसी सिंह हुए। श्री फारसी सिंह के एक पुत्र श्री राधे सिंह हुए। श्री राधे सिंह के चार पुत्र श्री नवलकिशोर सिंह, श्री रामानन्द सिंह, श्री श्रीकान्त सिंह और श्री श्रीनिवास सिंह हुए।

श्री मेहरवान सिंह के तीसरे पुत्र श्री जीतन सिंह के दो पुत्र श्री देवो सिंह और श्री महेश सिंह हुए। श्री देवो सिंह के दो पुत्र श्री ओझा सिंह (ना०) और श्री बनोधी सिंह (ना०) हुए। श्री महेश सिंह के दो पुत्र श्री परमेश्वर सिंह और श्री नथुनी सिंह हुए। श्री परमेश्वर सिंह के एक पुत्र श्री जादो सिंह हुए। श्री जादो सिंह के एक पुत्र श्री लखपति सिंह हैं।

श्री नथुनी सिंह के एक पुत्र श्री काशी सिंह हुए। श्री काशी सिंह के तीन पुत्र श्री रामोतार सिंह, श्री ढाला सिंह, और श्री लक्ष्मी सिंह हुए। श्री लक्ष्मी सिंह के दो पुत्र श्री आदित्य सिंह और श्री भरत सिंह हैं।

Scanned by CamScanner

श्री हरदत्त सिंह के तीसरे पुत्र श्रीबालकिशुन सिंह के दो पुत्र श्री नौल सिंह और श्री जीवन सिंह हुए। श्री नौल सिंह के दो पुत्र श्री झंडू सिंह और श्री त्रिभुवन सिंह हुए। श्री झंडू सिंह के दो पुत्र श्री चुन्नी सिंह (ना०) और श्री रामधारी सिंह हुए। श्री रामधारी सिंह के तीन पुत्र श्री परमेश्वर सिंह (ना०), श्री काशी सिंह और श्री गुरुसहाय सिंह हुए। श्री काशी सिंह के दो पुत्र श्री यमुना सिंह (ना०) और श्री ब्रह्मदेव सिंह हुए। श्री ब्रह्मदेव सिंह के दो पुत्र श्री रामस्वरूप सिंह और श्री कैलाश सिंह हुए। श्री कैलाश सिंह के तीन पुत्र श्री रामकिशोर सिंह, श्री जगदीश सिंह और श्री उमाकान्त सिंह हैं। श्री गुरुसहाय सिंह के एक पुत्र श्री सुन्दर सिंह है। श्री सुन्दर सिंह के पाँच पुत्र श्री कामेश्वर सिंह, श्री श्यामदेव सिंह, श्री सिया सिंह, श्री भागीरथ सिंह और श्री रामपदार्थ सिंह हैं। श्री रामपदार्थ सिंह के पाँच पुत्र श्री राजनन्दन सिंह, श्री हरिद्वार सिंह श्री हरदेव सिंह, श्री विलायती सिंह और श्री कृष्णदेव सिंह हैं। श्री हरिद्वार सिंह के दो पुत्र पकज और जितेन्द्र हैं। श्री हरदेव सिंह के दो पुत्र श्री चन्द्रमणि सिंह और धर्मेन्द्र सिंह हैं। श्री कृष्णदेव सिंह के एक पुत्र श्री सूर्यमणि सिंह हैं। श्री झंडू सिंह के भाई श्री त्रिभुवन सिंह के दो पुत्र हंसराज सिंह (ना०), श्री रामधन सिंह हुए। श्री बालकिशुन सिंह के पुत्र श्री जीवन सिंह के एक पुत्र चम्मन सिंह हुए। श्री चम्मन सिंह के दो पुत्र जट्टू सिंह और पलकू सिंह हुए। श्री जट्टू सिंह के दो पुत्र ओझा सिंह (ना०) और हियालाल सिंह हुए। श्री हियालाल सिंह के दो पुत्र श्री लक्ष्मी सिंह (ना०) और श्री रामसागर सिंह हुए। श्री रामसागर सिंह के दो पुत्र श्री रामाशीष सिंह और श्री वाल्मीकि सिंह हुए। श्री रामाशीष सिंह के दो पुत्र श्री नीलमणि सिंह और श्रीनागमणि सिंह हैं। श्री वाल्मीकि सिंह के एक पुत्र श्री प्रमोद सिंह हैं।

श्री जट्टू सिंह के भाई पलकू सिंह के दो पुत्र मकानी सिंह और ओजीर सिंह हुए। श्री मकानी सिंह के दो पुत्र श्री गंगा सिंह (ना०) और श्री भूलो सिंह हुए। श्री भूलो सिंह के एक पुत्र श्री केदार सिंह हुए। श्री केदार सिंह के तीन पुत्र श्री अभिनन्दन सिंह, श्री पारस सिंह और श्री अंगद सिंह हैं। श्री अभिनन्दन सिंह के तीन पुत्र विपिन, मुकेश एवं राजेश हैं। श्री पारस सिंह का एक पुत्र मुकेश कुमार है।

श्री पलकू सिंह के दूसरे पुत्र ओजीर सिंह के दो पुत्र श्री शीतल सिंह (ना०) और श्री मिश्री सिंह हुए। श्री मिश्री सिंह के एक पुत्र श्री अम्बिका सिंह (ना०) हुए। श्री कमलनयन सिंह के दूसरे पुत्र श्री शिव सिंह के दो पुत्र श्री चेथरू सिंह एवं श्री वालमत सिंह हुए। श्री चेथरू सिंह के दो पुत्र श्री हेमनाथ सिंह और श्री रूपन सिंह हुए। श्री हेमनाथ सिंह के दो पुत्र श्री चुड़ामण सिंह और श्री कुंजी सिंह हुए। श्री चुड़ामण सिंह के तीन पुत्र श्री बटोरन सिंह, श्री कन्हाय सिंह, और

Scanned by CamScanner

श्री अघोरी सिंह हुए । श्री बटोरन सिंह के एक पुत्र श्री महावीर सिंह (ना०) हुए। श्री कन्हाय सिंह के दो पुत्र श्री नीलकंठ सिंह (ना०) और श्री निरंजन सिंह हुए। श्री निरंजन सिंह के दो पुत्र श्री केशो सिंह और श्री चौधरी सिंह (ना०) हुए। श्री केशो सिंह के एक पुत्र श्री जगदम्बी सिंह हैं। श्री जगदम्बी सिंह के एक पुत्र विपिन कुमार हैं।

श्री कन्हाय सिंह के भाई श्री अघोरी सिंह के चार पुत्र श्री सूबालाल सिंह (ना०) श्री फागु सिंह, श्री राघो सिंह (ना०) और श्री सुबास सिंह (ना०) हुए। श्री फागु सिंह के एक पुत्र श्री नथु सिंह (ना०) हुए।

श्री चुड़ामण सिंह के भाई श्री कुंजी सिंह के एक पुत्र श्री भित्तन सिंह हुए। श्री भित्तन सिंह के एक पुत्र श्री गोंगू सिंह हुए।

श्री हेमनाथ सिंह के भाई श्री रूपण सिंह के एक पुत्र श्री झगर सिंह हुए। श्रीझगर सिंह के पाँच पुत्र श्री सुवंश सिंह, श्री तिलक सिंह, श्री मोहन सिंह, श्री श्री महपाल सिंह (ना०) श्री दौलत सिंह (ना०) हुए। श्री सुवंश सिंह के चार पुत्र श्री रूपी सिंह, श्री बैजनाथ सिंह, श्री प्रकाश सिंह और श्री उमा सिंह (ना०) हुए। श्री रूपी सिंह के दो पुत्र श्री सीता सिंह (ना०) और श्री रामचरित्र सिंह उर्फ भुट्टू सिंह हुए। श्री रामचरित्र सिंह उर्फ भुट्टू सिंह के दो पुत्र श्री घुटर सिंह और श्री अनिल कुमार सिंह हैं। श्री घुटर सिंह के एक पुत्र पप्पू सिंह हैं। श्री रूपी सिंह के भाई वैजनाथ सिंह के एक पुत्र श्री भुना सिंह है। श्री भुना सिंह के एक पुत्र श्री सुनील हैं। श्री रूपी सिंह के भाई श्री प्रकाश सिंह के एक पुत्र हैं श्री बद्री सिंह (वरुआने बासिन्दे)।

श्री झगर सिंह के पुत्र श्री तिलक सिंह के तीन पुत्र श्री बाढ़ो सिंह उर्फ मुन्नी सिंह, श्री त्रिवेदी दास (साधू) और श्री रामाशीष दास उर्फ साढ़ा दास (साधू)। श्री बाढ़ो सिंह के एक पुत्र श्री रामबालक सिंह हैं। श्री रामबालक सिंह के दो पुत्र श्री मुन्द्रिका सिंह और श्री चन्द्रिका सिंह हुए।

श्री शिव सिंह के दूसरे पुत्र श्री बालमत सिंह के दो पुत्र हुए—श्री मूरत सिंह और श्री चोबा सिंह। श्री मूरत सिंह के एक पुत्र श्री त्रिभुवन सिंह हुए। श्री त्रिभुवन सिंह के एक पुत्र श्री सोखी सिंह हुए। सोखी सिंह के भी एक पुत्र श्री बाढ़ो सिंह हुए। श्री बाढ़ो सिंह के तीन पुत्र हुए— (१) श्री लक्ष्मी सिंह (२) श्री सत्यनारायण सिंह और (३) श्री कैलाश सिंह।

श्री लक्ष्मी सिंह के तीन पुत्र श्री रामनन्दन सिंह, श्री किशोर सिंह और दिलीप सिंह हैं। श्री सत्यनारायण सिंह के तीन पुत्र श्री सुरेश सिंह, श्री चन्द्रमौली सिंह और श्री अशोक कुमार सिंह हैं। श्री कैलाश सिंह के चार पुत्र श्री जगदीश सिंह, श्री अनिल कुमार, मनोज एवं संजय हैं।

Scanned by CamScanner

श्री मूरत सिंह के भाई श्री चोवा सिंह के दो पुत्र हुए—श्री दारोगा सिंह और श्री भज्जन सिंह। श्री भज्जन सिंह के तीन पुत्र हुए। (१) श्री विक्कल सिंह (ना०), (२) श्री लखन सिह और (३) श्री फौदी सिंह।

श्री लखन सिंह के एक पुत्र रामफल सिंह हुए। श्री रामफल सिंह के एक पुत्र श्री सीताराम सिंह के तीन पुत्र श्री रामपदार्थ सिंह, श्री निवास सिंह और श्री रामाधार सिह हैं। श्री रामपदार्थ सिंह के चार पुत्र चन्द्रभूषण सिंह, रामकुमार सिंह, कृष्ण कुमार सिह और श्रवण कुमार हैं।

श्री फौदी सिंह के तीन पुत्र श्री कामो सिंह (भू० सरपंच), श्री देवशरण सिंह, और श्री वृजनन्दन सिंह हुए। श्री कामो सिंह के तीन पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह, श्री रामजतन सिंह और श्री रामानुग्रह सिंह हैं। श्री राजेन्द सिंह के चार पुत्र श्री नन्दलाल सिंह, श्री गोपाल सिंह, श्री सोहन सिंह और श्री मदन सिंह हैं। श्री रामजतन सिंह के एक पुत्र श्री अवधेश सिंह है। श्री रामानुग्रह सिंह के तीन पुत्र श्री ओंकारनाथ, अमरनाथ, और श्री उदयनाथ हैं। श्री देवशरण सिंह के एक पुत्र श्री केदार सिंह हैं। श्री वृजनन्दन सिंह के चार पुत्र श्री रामाश्रय सिंह, श्री रामसूरत सिंह, रामनरेश सिंह और श्री दिनेश सिंह हैं। श्री रामाश्रय सिंह के एक पुत्र बुढ़वा है।

श्री कमलनयन सिंह के तीसरे पुत्र श्री दया सिंह के एक पुत्र श्री धनपत सिंह हुए। श्री धनपत सिंह के चार पुत्र हुए :—(१) श्री लेखा सिंह (२) श्री सोवरण सिंह (३) श्री कारू सिंह (४) श्री वीरू सिंह।

श्री लेखा सिंह के दो पुत्र श्री नकट सिंह और श्री ठाकुर सिंह हुए। श्री नकट सिंह के एक पुत्र श्री छोटू सिंह हुए। श्री छोटू सिंह के एक पुत्र बाढ़ो सिंह (ना०) हुए। श्री ठाकुर सिंह के एक पुत्र बुधन सिंह (ना०) हुए। श्री सोवरण सिंह के एक पुत्र श्री कृष्ण सिंह हुए (ना०)। श्री कारू सिंह के तीन पुत्र हुए–(१)श्रीछकोड़ी सिंह (ना०) (२) श्री कन्हाई सिंह, (३) श्री झोटी सिंह।

श्री कन्हाई सिंह के तीन पुत्र श्री रेखा सिंह, रघुनाथ सिह और श्री नथुनी सिह (ना०) हुए। श्री रेखा सिंह के दो पुत्र श्री सुबेदार सिंह और श्री अशर्फी सिंह हुए श्री सुबेदार सिंह के तीन पुत्र श्री अर्जुन सिंह (शिक्षक), श्री जवाहर सिंह और श्री नागेश्वर सिंह हैं। श्री अर्जुन सिंह के दो पुत्र विजय और अजय हैं। श्री जवाहर सिंह के एक पुत्र पप्पु हैं। श्री नागेश्वर सिंह का एक पुत्र बबलू है। श्री अशर्फी सिंह के पाँच पुत्र श्री पवन सिंह, श्री लडडू सिंह, श्री प्रमोद सिंह, श्री अरुण सिंह और श्री शिवशंकर सिंह हैं। पवन सिंह के एक पुत्र निरंजन सिंह हैं। श्री लड्डु सिंह के एक पुत्र श्री मनोरंजन सिंह हैं।

Scanned by CamScanner

श्री रेखा सिंह के भाई श्री रघुनाथ सिंह के दो पुत्र श्री बंसत सिंह (ना०) और श्री शिवनन्दन सिंह हुए। श्री शिवनन्दन सिंह के तीन पुत्र अशोक, पतलू और अरविन्द हैं।

श्री कन्हाई सिंह के भाई श्री झोटी सिंह के तीन पुत्र श्री राघो सिंह, श्री प्रयाग सिंह (ना०), श्रीछत्र सिंह (ना०) हुए। श्री राघो सिंह के एक पुत्र श्रीनोखेलाल सिंह हुए। नोखेलाल सिंह के दो पुत्र श्री दशरथ सिंह और श्री शत्रुघन सिंह हैं।

श्री कारू सिंह के भाई श्री बीरू सिंह के दो पुत्र श्री हरदयाल सिंह और श्री रूपन सिंह हुए। श्री हरदयाल सिंह के दो पुत्र श्री जानकी सिंह और श्री धूसा सिंह हुए। श्री जानकी सिंह के एक पुत्र श्री चंडी सिंह (ना०) हुए। श्री धूसा सिंह के दो पुत्र श्री मटकू सिंह (ना०) और श्री जंगबहादुर सिंह हुए। श्री जंगबहादुर सिंह के एक पुत्र श्री जगत नारायण सिंह हैं। श्री जगत नारायण सिंह के दो पुत्र शम्भू सिंह और श्री अनिल सिंह हैं।

श्री हरदयाल सिंह के भाई श्री रूपन सिंह के एक पुत्र श्री रामसहाय सिंह हुए। श्री रामसहाय सिंह के तीन पुत्र श्री राम प्रसाद सिंह (ना०), श्रीहरिहर सिंह (ना०) और श्री श्याम सिंह हुए। श्री श्याम सिंह के एक पुत्र श्री भोली सिंह हैं। श्री भोली सिंह के दो पुत्र श्री नवीन और श्री पंकज हैं।

ग्राम मराँची का छुटा हुआ कुर्सीनामा

श्री चैन मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री बरियार मिश्र (२) श्री भगत मिश्र (३) श्री ताज मिश्र (जो कि ताजपुर का वासिन्दा हुए)

श्री बरियार मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) अमुक—अज्ञात मिश्र
(२) श्री सुखदेव मिश्र

श्री सुखदेव मिश्र सारे ग्राम नामक बस्ती में जाकर बसे। उनके पुत्र सारे, बेदौली, और बहादुरपुर में बसे।

अमुक मिश्र के एक पुत्र श्री मोदी मिश्र हुए। श्री मोदी मिश्र के एक पुत्र श्री मरदन मिश्र हुए। श्री मरदन मिश्र के एक पुत्र श्री अनु मिश्र हुए। श्री अनु मिश्र के एक पुत्र श्री केशो मिश्र हुए। श्री केशो मिश्र के दो पुत्र हुए (१) श्री मनोरथ मिश्र (२) श्री दुखिया मिश्र।

श्री मनोरथ मिश्र के एक पुत्र श्री रघुवीर सिंह हुए। श्री रघुवीर सिंह के पाँच पुत्र हुए—(१) श्री पहलमान सिंह (२) श्री ओझा सिंह (३) श्री रामलाल सिंह (४) श्री रामप्रताप सिंह और (५) श्री भुवन सिंह।

Scanned by CamScanner

श्री पहलमान सिंह के एक पुत्र श्री टीक्कम सिंह हुए। श्री टीक्कम सिंह के दो पुत्र हुए—(१) श्री हृदय सिंह (२) श्री आद्या सिंह।

श्री हृदय सिंह के एक पुत्र श्री कुशेश्वर सिंह हुए। श्री कुशेश्वर सिंह के दो पुत्र श्री जयराम सिंह और श्री शम्भू सिंह हुए। श्री हृदय सिंह के भाई श्री आद्या सिंह के दो पुत्र श्री सीताराम सिंह तथा श्री रामकुमार सिंह हुए।

श्री पहलमान सिंह के दूसरे भाई श्री ओझा सिंह के एक पुत्र श्री नेमनारायण सिंह हुए। श्री नेमनारायण सिंह के दो पुत्र श्री गुदर सिंह तथा श्री हरिवंश सिंह हुए। श्री गुदर सिंह के दो पुत्र श्री भागीरथ सिंह और श्रीरामलोचन सिंह हुए। गुदर सिंह के भाई हरिवंश सिंह के एक पुत्र श्री विपिन कुमार सिंह हुए।

श्री पहलमान सिंह के तीसरे भाई श्री रामलाल सिंह के तीन पुत्र हुए—(१) श्री काली सिंह, (२) श्री कीर्ति सिंह, (३) श्री लखन लाल सिंह।

श्री काली सिंह के दो पुत्र श्री प्रयाग सिंह तथा श्री रामखेलावन सिंह हुए। श्री प्रयाग सिंह के एक पुत्र श्री रामनन्दन सिंह (ना०) हुए।

श्री कीर्ति सिंह के एक पुत्र श्री देव सिंह हुए। श्री देव सिंह के एक पुत्र श्री सागर सिंह हुए। श्री सागर सिंह के भी एक पुत्र श्री कृष्ण कुमार सिंह हुए।।

कीर्ति सिंह के भाई श्री लखन लाल सिंह के तीन पुत्र श्री बहादुर सिंह (ना०), रामचन्द्र सिंह और राधेरमण सिंह (ना०) हुए। श्री रामचन्द्र सिंह के दो पुत्र श्री शिवशंकर सिंह तथा श्री रामजी सिंह हुए।

श्री पहलमान सिंह के चौथे भाई श्री रामप्रताप सिंह के दो पुत्र हुए—(१) श्री वासुदेव सिंह और (२) श्री रामरूप सिंह।

श्री वासुदेव सिंह के एक पुत्र श्री कृष्णवल्लभ सिंह हुए। श्री रामरूप सिंह के एक पुत्र श्री रामबालक सिंह हुए। श्री रामबालक सिंह के दो पुत्र श्री राजेश्वरी सिंह और श्री रामाश्रय सिंह हुए।

श्री पहलबान सिंह के पांचवें भाई श्री भुवन सिंह के दो पुत्र हुए। (१) कमलधारी सिंह (ना०), (२) पलकधारी सिंह।

श्री पलकधारी सिंह के दो पुत्र (१)
(२) जटाधारी सिंह हुए।

श्री जटाधारी सिंह के दो पुत्र श्री तिरपित सिंह और श्री यदुनन्दन सिंह हुए। श्री तिरपित सिंह के एक पुत्र श्री रामनागर सिंह हुए। श्री रामनागर सिंह के भी एक ही पुत्र श्री अवधेश सिंह हुए।

Scanned by CamScanner

श्री नौ भईया महाल का कुर्सीनामा नीचे है :—

श्री गौन मिश्र और श्री फुद मिश्र दोनों अपने भाई थे। ये लोग मेघौल से आये थे। श्री फुद मिश्र के वारसान मेघौल, व ओक, व वीरपुर इत्यादि में रहे। तथा गौन मिश्र के वारसान श्री बालू मिश्र थे। श्री बालू मिश्र के पुत्र श्री किसानचन सिंह थे। ये मरांची तथा खुटहा में रहे थे। ये फौज के कमाण्डर थे। ये करीब १५०० ई० में मरांची आये। श्री बालू सिंह के पुत्र श्री किसानचन सिंह के पांच पुत्र थे— (१) श्री राणा सिंह, (२) श्री माल सिंह (३) श्री बदल सिंह, (४) श्री लीला सिंह और (५) श्री किशोरी सिंह उर्फ मणिमोहर सिंह।

श्री माल सिंहजी से हमलोग नौ भईया महाल साढ़े सोलह दाम हुए। श्री माल सिंह के दो पुत्र श्री हरगोविन्द सिंह तथा श्री लालवन सिंह हुए। श्री हरगोविन्द सिंह के एक पुत्र, श्री घनश्याम सिंह के एक पुत्र श्री बुनियाद सिंह के चार पुत्र श्री जमंगल सिंह, श्री चुल्हन सिंह, श्री भुपति सिंह और श्री अनपुछ सिंह हुए। श्री जमंगल सिंह के दो पुत्र श्री पलकू सिंह (ना०) तथा श्री दिरगोपाल सिंह। श्री दिरगोपाल सिंह के दो पुत्र श्री मुसो सिंह (ना०) व श्री लाखा सिंह के तीन पुत्र श्री भोला सिंह, श्री शिवजी सिंह तथा श्री सरोवर सिंह (ना०) हुए। श्री भोला सिंह के तीन पुत्र श्री नरेश सिंह, श्री रामाश्रय सिंह तथा चन्द्रमौली सिंह हुए। श्री रामाश्रय सिंह के दो पुत्र (१) (२) हुए।

श्री शिवजी सिंह के तीन पुत्र श्री राधे सिंह, श्री अरुण सिंह तथा श्री अनिल सिंह हुए।

श्री जमंगल सिंह के दूसरे भाई श्री चुल्हन सिंह के तीन पुत्र हुए, श्री साहेब सिंह, श्री प्रयाग सिंह और श्री काशी सिंह। श्री साहेब सिंह के एक पुत्र श्री सखू सिंह के छः पुत्र श्री रामकिशुन सिंह, श्री परमेश्वर सिंह (ना०), श्री मुन्द्रिका सिंह श्री रामजी सिंह, श्री मथुरा सिंह तथा श्री रामनन्दन सिंह हुए। श्री रामकिशुन सिंह के एक पुत्र श्री अर्जुन सिंह (ना०), श्री मुन्द्रिका सिंह के दो पुत्र श्री दिनेश सिंह और श्री रमेश सिंह हुए। श्री रामजी सिंह के एक पुत्र श्री रामानन्दी सिंह के पुत्र श्री मथुरा सिह के एक पुत्र पप्पु सिंह हैं। श्री रामनन्दन सिह के दो पुत्र अरविन्द कुमार और विपिन कुमार सिंह हैं। श्री प्रयाग सिह के दो पत्र श्री कोटर सिह और श्री काली सिह (ना०) हुए। श्री काली सिह के एक पुत्र भुनेश्वर सिह हुए।

श्री काशी सिंह के एक पुत्र श्री रामबालक सिंह के दो पुत्र श्री शिवनन्दन सिह तथा श्री छोटन सिह हुए। श्री शिवनन्दन सिंह के दो पुत्र लालो सिंह और विजय सिंह हैं। श्री छोटन सिंह के तीन पुत्र श्री श्रीकान्त सिंह, श्री राजकुमार सिंह और श्री विपिन कुमार सिंह हैं।

Scanned by CamScanner

श्री जमंगल सिंह के तीसरे भाई श्री भूपति सिंह के दो पुत्र श्री प्रदीप सिंह और श्री ईश्वरी प्रसाद सिंह हुए। श्री ईश्वरी प्रसाद सिंह के दो पुत्र श्री बाँके सिंह और श्री रामखेलावन सिंह हुए। श्री बाँके सिंह के दो पुत्र श्री भागवत सिंह, व श्री लखन सिंह हुए। श्री भागवत सिंह के चार पुत्र—श्री कपिलदेव सिंह, श्री विष्णुदेव सिंह, श्री बाल्मीकि सिंह और श्री नथुन सिंह हुए। श्री विष्णुदेव सिंह के एक पुत्र और श्री बाल्मीकि सिंह के एक पुत्र तथा श्री नथुन सिंह को श्री एक पुत्र और श्री लखन सिंह के तीन पुत्र श्री रामसकल सिंह, श्री रामरतन सिंह तथा श्री रामप्रीत सिंह हुए। श्री रामसकल सिंह के तीन पुत्र बटोही सिंह, डब्बलू सिंह, कब्बलू सिंह हैं। श्री रामरतन सिंह के तीन पुत्र शम्भू सिंह, गोगू सिंह व कारू सिंह हुए। श्री रामप्रीति सिंह के पुत्र मनोज कुमार हैं।

श्री रामखेलावन सिंह के दो पुत्र श्री सियाशरण सिंह व श्री रामदेव सिंह हुए। श्री सियाशरण के एक पुत्र दिनेश सिंह व श्री रामदेव सिंह के तीन पुत्र—विजय सिंह, टुकिया सिंह और राजकुमार सिंह हैं।

श्री जमंगल सिंह के चौथे भाई श्री अनयुघ सिंह के दो पुत्र श्री वजरंगी सिंह और श्री नक्कट सिंह हुए। श्री वजरंगी सिंह के तीन पुत्र—श्री रामस्वरूप सिंह (ना०), जगदेव सिंह तथा नागेश्वर सिंह (ना०) हुए। श्री जगदेव सिंह के तीन पुत्र—श्री नर्बदेश्वर प्रसाद सिंह, श्री नवलकिशोर प्रसाद सिंह (वकील) और श्री रतनदेव प्रसाद सिंह हुए। श्री नर्बदेश्वर प्रसाद सिंह के दो पुत्र श्री कमलनयन सिंह उर्फ गोपाल सिंह और श्री अभिमन्यु सिंह हुए। श्री नवलकिशोर प्रपाद सिंह (वकील) के एक पुत्र श्री कमलकिशोर सिंह हैं। श्री रतनदेव सिंह के तीन पुत्र—चन्दन सिंह, कुन्दन सिंह और नन्दन सिंह हैं।

श्री वजरंगी सिंह के छोटे भाई श्री नक्कट सिंह के तीन पुत्र—श्री बच्चू प्रसाद सिंह, श्री बटोरन सिंह तथा श्री राजनन्दन सिंह (उर्फ राजो सिंह) हैं। श्री बच्चू प्रसाद सिंह के चार पुत्र—श्री रामाकान्त प्रसाद सिंह (वकील), श्री उमाकांत प्रसाद सिंह व श्री हरेकान्त प्रसाद सिंह तथा श्री विजयकान्त प्रसाद सिंह हुए। श्री रामाकांत प्रसाद सिंह (वकील) के एक पुत्र श्री प्रियरंजन सिंह हैं। उमाकान्त प्रसाद सिंह के पाँच पुत्र—श्री श्याम किशोर प्रसाद सिंह, श्री नन्दकिशोर प्रसाद सिंह, श्री अवधकिशोर प्रसाद सिंह, श्री कौशल किशोर सिंह, और श्री कमलकिशोर सिंह हैं। श्री बच्चू प्रसाद सिंह के तीसरे पुत्र हरेकान्त प्रसाद सिंह के तीन पुत्र वृजकिशोर प्रसाद सिंह, राजकिशोर प्रसाद सिंह और रामकिशोर प्रसाद सिंह हैं। श्री बच्चू प्रसाद सिंह के दूसरे भाई बटोरन सिंह के दो पुत्र डॉ० जयकान्त प्रसाद सिंह, व कृष्णकान्त प्रसाद सिंह हैं। श्री जयकान्त प्र० सिंह के एक पुत्र फिरोज सिंह हैं। श्री बच्चू सिंह के तीसरे भाई श्री राजनन्दन सिंह (उर्फ राजो सिंह) के एक पुत्र श्रीकान्त सिंह (उर्फ शिवदानी सिंह) के एक पुत्र पप्पू सिंह हैं।

Scanned by CamScanner

श्री हरगोविन्द सिंह के दूसरे भाई श्री लालवन सिंह हुए। लालवन सिंह के एक पुत्र श्री तुफानी सिंह हुए। इनके एक पुत्र श्री दुखण सिंह के दो पुत्र श्री शोभी सिंह और श्री वेदा सिंह हुए। श्री शोभी सिंह के चार पुत्र श्री भुन्हूर सिंह, श्री ओजन सिंह, श्री छत्तर सिंह और श्री मल्हु सिंह हुए। श्री भुन्हूर सिंह के एक पुत्र श्री उचरींग सिंह—के दो पुत्र श्री नुनू सिंह (ना०) व श्री राजबली प्र० सिंह—के दो पुत्र डॉ० वाल्मीकि प्रसाद सिंह और श्री अरुण कुमार सिंह हैं। डॉ० वाल्मीकि प्रसाद सिंह के दो पुत्र—सरदार सिंह और प्रियरंजन सिंह हैं।

श्री ओजन सिंह के एक पुत्र श्री अयोध्या सिंह (उर्फ ढाढी सिंह) के तीन पुत्र—श्री विश्वनाथ सिंह, श्री कैलाश प्रसाद सिंह और श्री प्रमोद शर्मा हैं। श्री श्री विश्वनाथ प्रसाद सिंह के एक पुत्र श्री बौआजी हैं। श्री कैलाश शर्मा के तीन पुत्र—डबलू सिंह, कबलू सिंह और बबलू सिंह हैं।

श्री छतर सिंह के दो पुत्र श्री रमेसर सिंह (ना०) व श्री लोथरी सिंह के तीन पुत्र—श्री देवकी सिंह (ना०), श्री दीना सिंह और श्री चानो सिंह हुए। श्री दीना सिंह के चार पुत्र श्री रामचन्द्र सिंह, श्री रामप्रीत सिंह, श्री नखेद सिंह और श्री रामाकान्त सिंह हुए। श्री रामचन्द्र सिंह के चार पुत्र—सुरेन्द्र सिंह, ललेन्द्र सिंह, शशिभूषण सिंह और रामानुज सिंह हुए। श्री रामप्रीत सिंह के एक पुत्र श्यामसुन्दर सिंह हैं। श्री नखेद सिंह के तीन पुत्र—अशोक कुमार सिंह, विपिन कुमार सिंह और विनय सिंह हैं। श्री चानो सिंह के दो पुत्र—कौशल-किशोर सिंह और संजय सिंह हैं।

श्री मल्हु सिंह के दो पुत्र श्री धानो सिंह (ना०) और श्री ओझहा सिंह हुए। श्री ओझहा सिंह के तीन पुत्र श्री रामकिशुन सिंह, श्री चलितर सिंह, और श्री गरीब सिंह (ना०) हुए। श्री रामकिशुन सिंह के दो पुत्र—श्रीनन्दन सिंह और श्री सैदल सिंह हुए। श्री नन्दन सिंह के दो पुत्र उमेश सिंह और ललटुन सिंह। सैदल सिंह के दो पुत्र—विजय सिंह और अरुण सिंह हैं। श्री चलितर सिंह के एक पुत्र श्री सुरेश सिंह के एक पुत्र—हैं।

श्री शोभी सिंह के दूसरे भाई श्री बदो सिंह के एक पुत्र—श्री घमन्डी सिंह के तीन पुत्र—श्री नकछेदी सिंह, श्री गुज्जू सिंह (ना०) और श्री मोगल सिंह हुए। श्री नकछेदी सिंह के तीन पुत्र—श्री विलो सिंह (ना०), श्री राम सिंह (ना०) और श्री रासो सिंह (ना०) हुए। श्री मोगल सिंह के एक पुत्र—श्री फुदो सिंह के दो पुत्र—श्री चतुर्भुज सिंह और श्री नारायण सिंह के तीन पुत्र—रविशंकर सिंह, हरिशंकर सिंह और रमाशंकर सिंह हैं।

Scanned by CamScanner

श्री किसानचन सिंह के तीसरे पुत्र का वर्णन :—

श्री बदल सिंह से नौ भईया कौड़ी कन पन्द्रह दान हुए। इनके एक पुत्र श्री श्यामकिशोर सिंह के चार पुत्र—श्री गम्भीर सिंह, श्री यदुवंशी सिंह, श्री डम्मर सिंह और श्री त्रिभुवन सिंह हुए। श्री यदुवंशी सिंह के तीन पुत्र—श्री कल्लर सिंह, श्री मोहन सिंह और श्री जुंगी सिंह हुए। श्री कल्लर सिंह के एक पुत्र श्री रासबिहारी सिंह के एक पुत्र श्री हर्षनारायण सिंह के तीन पुत्र—श्री देवकी सिंह (ना०), श्री नन्दन सिंह (ना०) और श्री भोला सिंह के एक पुत्र पप्पू (ना०)।

श्री मोहन सिंह के एक पुत्र श्री बलदेव सिंह हुए। श्री बलदेव सिंह के दो पुत्र—श्री रामप्रसाद सिंह और श्री लक्खी सिंह हुए। श्री रामप्रसाद सिंह के तीन पुत्र श्री प्रमेश्वरी सिंह (ना०), बीनो सिंह (ना०) और मुन्ना सिंह हुए। श्री मुन्ना सिंह के दो पुत्र—श्री रामाश्रय सिंह और श्री शिवशंकर सिंह हुए। श्री लक्खी सिंह के एक पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह (उर्फ रागी सिंह) के एक पुत्र—श्री सीताराम सिंह हुए।

श्री जुंगी सिंह के एक पुत्र श्री हेमनाथ सिंह के दो पुत्र श्री नुनू प्रसाद सिंह और श्री रामधनी सिंह हुए। श्री नुनू प्रसाद सिंह के दो पुत्र श्री रामकिशुन सिंह (ना०) और साधु सिंह के चार पुत्र—श्री अनोज सिंह, श्री मनोज सिंह, श्री अशोक सिंह और श्री दिनेश सिंह हुए।

श्री रामधनी सिंह के एक पुत्र श्री तनीक सिंह (ना०)। श्री डम्मर सिंह के एक पुत्र श्री तीरजुंगी सिंह के दो पुत्र श्री धीरज सिंह और श्री इन्द्रदेव सिंह। श्री इन्द्रदेव सिंह के चार पुत्र—श्री चूड़ामण सिंह, श्री मेहर सिंह, (ना०), श्री मीतन सिंह और श्री गोबर्धन सिंह हुए। श्री चूड़ामण सिंह के दो पुत्र श्री बोधी सिंह (ना०) और श्री कुमो सिंह (ना०) हुए। श्री मीतन सिंह के एक पुत्र श्री मुंशो सिंह के पाँच पुत्र—श्री रामसरूप सिंह, श्री चन्दर सिंह (ना०), श्री ब्रह्मदेव सिंह (ना०), सीताराम सिंह (ना०) व लड्डू सिंह (ना०) हुए। श्री रामसरूप सिंह के पाँच पुत्र—श्री रामनन्दन सिंह, श्री राजेन्द्र सिंह, श्री श्याम किशोर सिंह, श्री बुल्ली सिंह और श्री टुन्नी सिंह हुए।

श्री धीरज सिंह के चौथे पुत्र श्री गोवर्धन सिंह के एक पुत्र श्री काशी सिंह उर्फ धोबी सिंह के तीन पुत्र श्री बीनो सिंह (पहलवान), श्री नरेश सिंह और श्री नवल सिंह हुए। श्री नरेश सिंह के दो पुत्र श्री हरेकृष्ण सिंह और श्रीबालकृष्ण सिंह हुए। और नवल सिंह के एक पुत्र—

Scanned by CamScanner

श्री तीरजुंगी सिंह के दो पुत्र टोरल सिंह और जीवन सिंह हुए। श्री टोरल सिंह के एक पुत्र श्री गुज्जू सिंह के एक पुत्र श्री पोखराज सिंह (ना०) हुए। श्री जीवन सिंह के एक पुत्र चक्रपाणि सिंह के पुत्र छेदी सिंह (ना०) हुए।

श्री भुवन सिंह के तीसरे पुत्र श्री चूड़ामणि सिंह, श्री नेहाल सिंह और श्री कीरत सिंह हुए। श्री चूड़ामणि सिंह के एक पुत्र श्री प्रेम सिंह के एक पुत्र श्री महाबीर सिंह के तीन पुत्र श्री अयोध्या सिंह, श्री कपिलदेव सिंह (ना०) और श्री हृदय सिंह (ना०) हुए। श्री अयोध्या सिंह के दो पुत्र प्रोफेसर श्यामकिशोर सिंह और श्री वृजनन्दन सिंह हैं। प्रोफेसर श्यामकिशोर सिंह के पुत्र—

श्री नेहाल सिंह के एक पुत्र श्री रणजीत सिंह के दो पुत्र—श्री जपाल सिंह और श्री रामभज्जु सिंह हुए। श्री जपाल सिंह के एक पुत्र श्री सिया सिंह (ना०) हुए। श्री रामभज्जु सिंह के एक पुत्र श्री रामबालक सिंह (ना०) हुए।

श्री कीरत सिंह के एक पुत्र श्री पुनीत सिंह के पुत्र श्री जयगोपाल सिंह के दो पुत्र—श्री हरिनन्दन सिंह और श्री कामेश्वर सिंह उर्फ ढोढ़ों सिंह (बढ़ौना जाकर बसे)। श्री हरिनन्दन सिंह के एक पुत्र श्री शशिकान्त सिंह उर्फ श्रीकान्त सिंह के पुत्र—

श्री श्यामभुवन सिंह के चौथे भाई श्री रामभुवन सिंह के एक पुत्र श्री सुफल सिंह के पुत्र श्री मोगल सिंह सिंह के दो पुत्र श्री लालविहारी सिंह और श्री नसीब सिंह हुए। नसीब सिंह के दो पुत्र—श्री अवधविहारी सिंह (ना०) और जाटा सिंह उर्फ कुरू सिंह हुए। श्री कुरू सिंह के दो पुत्र श्री सिपाही सिंह (ना०) व श्री भोला सिंह (ना०) हुए।

श्री श्यामकिशोर सिंह के चौथे पुत्र श्री त्रिभुवन सिंह के दो पुत्र श्री गुदर सिंह और श्री बटोही सिंह हुए। श्री गुदर सिंह के दो पुत्र श्री भंजन सिंह व श्री कीटर सिंह (ना०) हुए। श्री भंजन सिंह के सात पुत्र श्री टेंगर सिंह, नोखेलाल सिंह (ना०), सुखदेव सिंह (ना०), रामू सिंह, मुंशी सिंह (ना०), श्यामनारायण सिंह (ना०) और कारू सिंह (ना०) हुए। श्री टेंगर सिंह के तीन पुत्र श्री सातो सिंह (ना०), फौदी सिंह, और रामाश्रय सिंह (ना०) हुए। श्री फौदी सिंह के दो पुत्र श्री रामनन्दन सिंह व श्री जगमोहन सिंह हुए। श्री रामनन्दन सिंह के चार पुत्र हुए। श्री बबलू सिंह, श्री लाल सिंह, श्री फुलन सिंह, और श्रीहिप्पी सिंह हैं। श्री जगमोहन सिंह के दो पुत्र—बमबम सिंह और श्री शिवशंकर सिंह हैं।

श्री बटोही सिंह के दो पुत्र श्री रामधारी सिंह व, श्री शिवधारी सिंह हुए। श्री रामधारी सिंह के दो पुत्र श्री भेखा सिंह व श्री कल्लर सिंह (ना०) हुए। श्री भेखा सिंह के एक पुत्र श्री महन्थ सरयुगदासजी हुए। श्री शिवधारी सिंह के एक पुत्र श्री लेखा सिंह के पुत्र श्री खादो सिंह के एक पुत्र श्री टेका सिंह (ना०) हुए।

Scanned by CamScanner

श्री किसानचन सिंह के चौथे पुत्र श्री लीला सिंह के पुत्र श्री रामवरण सिंह के दो पुत्र श्री केहर सिंह व श्री मेहर सिंह हुए। श्री केहर सिंह के एक पुत्र श्री धीनु सिंह के चार पुत्र श्री खीज्जु सिंह, श्री जागु सिंह, श्री हशनु सिंह, व श्री साहेब सिंह हुए। श्री खीज्जु सिंह के पाँच पुत्र श्री उमा सिंह, श्री राम सिंह, श्री गया सिंह, श्री द्वारिका सिंह एवं श्री केशो सिंह हुए। श्री उमा सिंह के एक पुत्र श्री शिवसिंह के दो पुत्र अम्बिका सिंह व श्री विशेसर सिंह हुए। श्री अम्बिका सिंह। के चार पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह, श्री राजनन्दन सिंह, श्री मुशन सिंह व श्री सुनील सिंह श्री विशेसर सिंह के दो पुत्र हुए श्री वाल्मीकि सिंह व श्री नावालिग सिंह। श्री राजेन्द्र सिंह के एक पुत्र श्री विवेकानन्द सिंह हुए।

श्री राम सिंह के एक पुत्र श्री वादी सिंह (ना०) हुए। श्री गया सिंह के एक पुत्र श्री मुन्शी सिंह (ना०) श्री द्वारिका सिंह के तीन पुत्र श्री सुखदेव सिंह श्री कपिलदेव सिंह (ना०), व श्री देवनारायण सिंह हुए। श्री सुखदेव सिंह के तीन पुत्र श्री कारू सिंह, श्री परमानन्द सिंह व श्री अनिल सिंह हुए। श्री देवनारायण सिंह के तीन पुत्र श्री चन्द्रिका सिंह, श्री धर्मेन्द्र सिंह व श्री पप्पू सिंह हुए। श्री केशो सिंह के तीन पुत्र सरयुग सिंह (ना०), श्री भासो सिंह, वो श्री बीनो सिंह हुए। श्री जागु सिंह व श्री साहेब सिंह (ना०) हुए। श्री हशनु सिंह के एक पुत्र श्री हरखीत सिंह (ना०) हुए।

श्री किसानचन सिंह के चौथे पुत्र श्री लीला सिंह के एक पुत्र श्री रामवरण सिंह के दो पुत्र श्री कहर सिंह व श्री मेहर सिंह। श्री मेहर सिंह के दो पुत्र श्री वैजनाथ सिंह व श्री जगरनाथ सिंह हुए। वैजनाथ सिंह के एक पुत्र श्री जानकी सिंह के दो पुत्र श्री वेनी सिंह वो श्री वंशी सिंह हुए। श्री बेनी सिंह के दो पुत्र श्री कारू सिंह व श्री वोधी सिंह हुए। श्री कारू सिंह के दो पुत्र श्री विन्देश्वरी सिंह उर्फ बीनो सिंह (ना०) व श्री अर्जुन सिंह के एक पुत्र पप्पू सिंह। श्री वोधी सिंह के एक पुत्र श्री लखु सिंह हुए। श्री वंशी सिंह के दो पुत्र श्री रामधन सिंह व श्री जीतन सिंह हुए। श्री रामधन सिंह के चार पुत्र—श्री आदो सिंह, श्री कामो सिंह, श्री वान्दो सिंह (ना०) व श्री बनारसी सिंह (ना०) हुए। श्री आदो सिंह के तीन पुत्र श्री रामबालक सिंह, श्री कैलाश सिंह, व श्री सुमन सिंह हुए। श्री रामबालक सिंह के एक पुत्र—(१)

श्री कामो सिंह के एक पुत्र श्री रामाश्रय सिंह हुए। श्री जीतन सिंह के एक पुत्र श्री भोला सिंह के तीन पुत्र (१) (२)
(३) । श्री मेहर सिंह के एक पुत्र श्री जगरनाथ सिंह—के एक पुत्र श्री जवाहर सिंह—के दो पुत्र श्री गोपाल सिंह व श्री जीव लाल सिंह हुए। श्री गोपाल सिंह के एक पुत्र श्री हेतु सिंह—के तीन पुत्र श्री रामनाथ सिंह, श्री दूधनाथ

Scanned by CamScanner

सिंह, (ना०) व श्री देवनाथ सिंह (ना०)। श्री रामनाथ सिंह के एक पुत्र श्री अक्षेवट सिंह—के चार पुत्र—(१) (२) (३) (४) । श्री जीवनलाल सिंह के एक पुत्र श्री छतर सिंह के एक पुत्र श्री लच्छन सिंह (ना०) हुए।

श्री केहर सिंह के एक पुत्र श्री झुम्मक सिंह के दो पुत्र श्री बुधन सिंह व श्री कन्हाय सिंह हुए। श्री बुधन सिंह ना० हो गये। श्री कन्हाय सिंह के दो पुत्र श्री लाछो सिंह (ना०) व श्री कन्हाय सिंह के पुत्र श्री अयोध्या सिंह के दो पुत्र श्री यदु सिंह (ना०) व तीरो सिंह उर्फ भल्लू सिंह हुए।

२. टोला ताजपुर

(१) चौहद्दी एवं भौगोलिक स्थिति—इस टोले के उत्तर में मरांची प्रतापुर टोला, दक्षिण में शेरपुर गाँव, पूरब में भागीरथी गंगा की हरित भूमि एवं गंगा नदी है। पश्चिम में रेलवे लाईन जो कलकत्ता से दिल्ली की ओर जाती है तथा सड़क जो मुंगेर से पटना की ओर जातीं है।

(२) प्राकृतिक सौंदर्य—इस टोले के तीन तरफ तो हरा-भरा बाग-बगीचा हैं जिसमें आम, महुआ के पेड़ सदियों से सुन्दरता की छटा बिखेर रहे हैं। पूरब में गंगा की लहरों की ध्वनि पुरवा हवा के झोंके के साथ बराबर सुनाई पड़ती रहती है। सुबह में सूर्योदय के समय और चाँदनी रात में यह टोला गंगा की लहरों की चमक के साथ शोभा पाता रहता है।

(३) सामाजिक स्थिति—इस टोले की सामाजिक स्थिति अच्छी है। समाज में सब तरह की जातियाँ बसी हुई हैं। जैसे—धोबी, नाई, कहार, धानुक, ग्वाला आदि समाज में अनेक जातियाँ हैं।

(४) आर्थिक स्थिति—आर्थिक स्थिति सम है—न उतना प्रगति पर है न निम्न स्तर की हैं। लोग जीवन-यापन ठीक तरह से कर लेते हैं।

(५) धार्मिक—इस टोले के लोग विशेष कर धर्मप्रिय हैं और पूजा-पाठ में विशेष रुचि लेते हैं। यज्ञ एवं रामधुन का आयोजन साल में एकबार अवश्य हो जाया करता है। यहाँ पर ठाकुरबाड़ी तथा शिवालय उस धर्मप्रियता के ही प्रतीक हैं।

(६) सांस्कृतिक स्थिति—अपने गाँव में नाटक प्रदर्शन, खेल आदि का आयोजन समय-समय पर हो जाया करता है। लोगों को अपनी संस्कृति के प्रति विशेष श्रद्धा एवं प्रेम है। साहित्य के प्रति भी लोग विशेष अभिरुचि रखते हैं। यहाँ का ज्यादातर साहित्य धर्म-परम्परा में सन्निहित है।

Scanned by CamScanner

(७) राजनैतिक स्थिति—राजनीति में यहाँ के लोग विशेष रुचि नहीं लेते हैं। कारण यह है कि धर्मप्रिय लोगों को राजनैतिक बातों से प्रयोजन नहीं रहता है। ज्यादातर लोग खेतिहर एवं पशुपालक हैं।

(८) यह टोला मराँची भगत वरियार टोले से हीं आकर बसा है। कहा जाता है कि हमारे पूर्वज ताज सिंह जिनके नाम पर टोले का नाम ताजपुर गाँब पड़ा, बड़े ही धार्मिक विचार के व्यक्ति थे और साधु भी हो गये थे। इसी स्थान पर गंगा के तट पर झोपड़ी बनाकर वे निवास करते थे, जहाँ पर आज यह ताजपुर ग्राम बसा हुआ है। माता के मरने के समय ये घर पर आये। भाई लोगों ने इनकी शादी कर दी। तब उन्होंने समाज में प्रवेश किया और एक टोला तथा गाँव का निर्माण हुआ। इन्होंने तीन पुत्रों को उत्पन्न किया जिससे कि हम तीन खुट अभी भी मौजूद हैं। तीनों का वंश चल रहा है। हमारे टोले की आबादी करीब दो हजार है। उसमें करीब एक हजार सूर्यगर्ग ब्राह्मण हैं और शेष अन्य जातियाँ हैं।

(९) इस ताजपुर टोले में इन्हीं के वंश में तुलादास नामक महात्मा उत्पन्न हुए थे जो तप-बल से मेघमाला को भी विस्मित कर लेते थे। इन्हीं के वंश में मधुसूदन नाम के पहलवान हुए जिन्होंने कि बाघ को पछाड़ कर मार डाला था। आज भी इनके यश का गान होता है और प्रत्यक्षरूप में लोग इनके यश को अनुभव करते हैं। हाल ही में ठाकुरवाड़ी एवं शिवालय का निर्माण गाँगो कुँवर जौजे झाड़ो सिंह द्वारा कराया गया।

●

३. सारे (मराँचो शाखा से)

सारे ग्राम, थाना—अस्थावाँ, जिला—नालंदा में है।

चौहद्दी एवं स्थिति—इस ग्राम के उत्तर में मानपुर, दक्षिण में जंगीपुर मोहनी, पूरब में बहादुरपुर और पश्चिम में बेनार है। यह गाँव उत्तर से दक्षिण की ओर लम्बा है। इस गाँव की कुल आबादी ३००० के लगभग है। पूरे गाँव का क्षेत्रफल ८०० बीघे के लगभग है। सम्पूर्ण घरों की संख्या ३५० है। श्रोत्रिय ब्राह्मण ज्योतिषी ब्राह्मण, महापात्र ब्राह्मण, भूमिहार ब्राह्मण, नाई, बढ़ई, नोनियाँ, धानुक, कान्दू, ग्वाला, पासबान, चमार, एवं डोम इस गाँव की शोभा में चार चाँद लगा रहे हैं। भूमिहार ब्राह्मण में मालवे, सोवरनियाँ, बाजड़े, मर्रे एवं भारद्वाजी इत्यादि हैं। यह गाँव बिहारशरीफ से बरबीघा जानेवाली सड़क पर बारहवें मील पर सड़क के समीप ही बसा हुआ है। यह बहुत दिनों से जमींदारों की बस्ती रही है।

Scanned by CamScanner

इस गाँव के अधिकतर लोग धार्मिक प्रवृत्ति के हैं। इनकी धार्मिकता की पुष्टि इस बात से होती है कि यहाँ ठाकुरवाड़ी, शिवालय, महारानी (भगवती) स्थान हैं। इस गाँव के उत्तर-पश्चिम कोने पर एक तालाब के किनारे एक बरगद के पेड़ के नीचे पीर साहब की भी पिंडी है।

शिक्षा—शिक्षा के क्षेत्र में भी यह गाँव बहुत उन्नत है। यहाँ प्राथमिक विद्यालय से उच्च विद्यालय तक की शिक्षा दी जाती है। कॉलेज की शिक्षा के लिए मात्र चार मील पूरब बरबीघा (श्री कृष्ण रामरुचि महाविद्यालय, बरबीघा) जाना पड़ता है। इस गाँव के कुछ नवयुवकों में संगीत की सरसता दिखाई पड़ती है। उन लोगों ने एक संगीत-मंडली भी कायम की है। इस मंडली के प्रधान भी स्वजातीय हैं।

सुरगण भूमिहार ब्राह्मण का आगमन बहादुरपुर से इस गाँव में सर्वप्रथम श्री प्रेमनारायण मिश्र का हुआ। बहादुरपुर में भी हमारे पूर्वज मराँची के भगत-पट्टी से आए। मराँची से श्री बरियार मिश्र के एक पुत्र श्री सुखदेव मिश्र बहादुरपुर आए। श्री सुखदेव मिश्र के तीन पुत्रों में से मँझला पुत्र प्रेमनारायण मिश्र सारे ग्राम में आकर बस गये।

जब ये इस गाँव में अपना गृह निमार्ण करते थे तो यहाँ के और जागीरदार इनके इस कार्य में बाधा पहुँचाया करते थे। दिन में ये अपने घरों का निर्माण करते, रात्रि में इनके घरों को उजाड़ दिया जाता। तंग आकर अन्त में इन्होंने वहाँ के जागीरदारों की मातहती कबूलकर उनको कर (टैक्स) देना स्वीकार किया। इसके बाद जड़ जमाने में ये समर्थ हुए। इसके पश्चात् इनके नीचे की पीढ़ी के लोग श्री पोखो सिंह, जो एक मुसलमान बादशाह के दरबार में दीवान थे, अपनी मिहनत और बुद्धिचातुर्य से एक बहुत बड़े जमींदार बन बैठे। तत्पश्चात् उनके बड़े पुत्र श्री रामप्रसाद सिंह ने अपने पिता के नाम को और अधिक चमत्कृत किया। उन्होंने कई गाँव खरीदकर अपनी जमींदारी की सीमा को और आगे बढ़ाया। इस गाँव के निकट का गाँव बरहोग, उत्तरथु, जमसारी, अलीपुर, नीरपुर, छतरपुर, सदरपुर इत्यादि गाँव इन्हीं की जमींदारी में थे। कुल मिलाकर इनकी वार्षिक आमदनी पैंतालिस हजार की थी। ये एक शौकीन जमींदार थे। इनका महल विशाल था जो खंडहर के रूप में अभी भी वर्त्तमान है। इनसे काफी खुश होकर बिहारशरीफ के एक मकदम साहब जमींदार ने पुरस्कार स्वरूप इन्हें एक मकदुम बख्शा नामक हाथी भेंट में दिया था। उस हाथी के मस्तक में गजमुक्ता था और जब वह झूमता था तो उसके शरीर से मद टपकता था, उस समय की ऐसी एक किंवदन्ती है। आज भी मकदुम साहब की दरगाह पर बिहारशरीफ में चादर

Scanned by CamScanner

चढ़ाई जाती है और वहाँ बड़ा मेला लगता है, जिसे 'चिरागा' कहते हैं। यह उत्सव ईद पर्व के समाप्त होने के पश्चात् होता है।

श्री राम प्रसाद सिंह शंकरजी के एक बड़े भक्त थे। अपनी मनोकामना की सिद्धि के उपलक्ष्य में उन्होंने वैद्यनाथ धाम (देवघर) में भगवान शंकर के लिए चाँदी की शय्या चढ़ाई थी, जो वहाँ आज भी वर्त्तमान है और शृंगार-दर्शन के पश्चात् भगवान आशुतोष को विश्राम करने के लिए बिछाई जाती है।

४. बहादुरपुर

नामकरण :—मुगलकाल में यहाँ के निवासी शक्तिशाली और बहादुर रहे होंगे। इन लोगों ने कोई बहादुरी का कार्य अवश्य किया होगा जिससे इस गाँव का नाम बहादुरपुर पड़ा।

चौहद्दी—इस ग्राम के उत्तर में गिलानी, दक्षिण में बेदौली, पूरब में खेतलपुरा और पश्चिम में भैरो बीघा एवं सारे हैं। यह बिहारशरीफ से बरबीघा जाने वाली सड़क के दक्षिण सारे से एक किलोमीटर पूरब अवस्थित है।

यहाँ की जनसंख्या पन्द्रह सौ के लगभग है। यहाँ के घरों की संख्या ११० एवं इस गाँव का क्षेत्रफल ३०० बीघे के लगभग है। यहाँ श्रोत्रिय ब्राह्मण, भूमिहार ब्राह्मण, महापात्र ब्राह्मण, कहार, तेली, माली, कान्दू, चमार, धानुक, पासवान, बढ़ई और कायस्थ जाति के लोग निवास करते हैं। इस गाँव के उत्तर में ओतन ब्रह्मपिशाच की पिंडी है। पश्चिम में एक नीम वृक्ष के नीचे हरिचन्दन ठाकुर की पिंडी अवस्थित है, जो हमारे पूर्वजों में से ही किसी एक का पवित्र स्मारक हैं। दक्षिण में भगवती स्थान और पूरब में ठाकुरबाड़ी (श्री रामजानकी) का मंदिर है और उसी के प्रांगण में शिवालय है। ग्राम के उत्तर-पूरब में चूहरमल की पिंडी है। गाँव के उत्तर एक अपर बुनियादी विद्यालय एवं दक्षिण में मध्य विद्यालय है। यहाँ सूरगणै भूमिहार ब्राह्मण भी हैं। इनके पूर्वज ग्राम कोरमा से यहाँ आये थे।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :—अठारहवीं शताब्दी के आसपास हमारे पूर्वज श्री सुखदेव सिंह, जो मराँची निवासी बरियार सिंह के छोटे पुत्र थे, अपने तीन पुत्र देवकरण सिंह, प्रेमनारायण सिंह एवं धाड़ा सिंह के साथ इस गाँव में सर्वप्रथम आए। उस समय यहाँ का शासन कोणन्द ग्राम (थाना—अस्थावाँ, जिला-नालंदा) के श्री रियासत हुसेन के अधीन था। श्री सुखदेव सिंह ने यहाँ अपना गृह-निर्माण करना शुरू किया। इसमें उनको लकड़ी की आवश्यकता हुई।

Scanned by CamScanner

उन्होंने मालिक से बिना आज्ञा लिये ही वृक्ष की कुछ डालियाँ काटकर अपने गृह का निर्माण किया। इस घटना से मालिक रियासत हुसेन को काफी आघात पहुँचा। उसने चार सिपाहियों को भेजकर इन्हें पकड़ लाने का आदेश दिया। इनके घर पर आकर कुछ सिपाहियों ने इनके एक पुत्र को गिरफ्तार कर लिया। उस समय उनके दो पुत्र और ये स्वयं घर पर उपस्थित नहीं थे। ये कार्यवश खेती पर थे। जब उन्हें यह ज्ञात हुआ कि सिपाही लोग उनके पुत्र को पकड़कर ले जा रहे हैं तो दौड़कर उन्होंने सातो सिपाहियों को मारना-पीटना शुरू कर दिया और उनसे अपने पुत्र को छुड़ा लिया। तत्पश्चात् बड़े परिश्रम से इन्होंने इस गाँव का ठीका लिया और अपनी सम्पत्ति को धीरे-धीरे बढ़ाते गए। कुछ समयोपरांत आसपास के गाँव, जैसे बेंदौली और सारे, को खरीद कर इन्होंने अपने दो पुत्रों को उन दोनों गाँवों में बसने के लिए भेजा। आज भी उनके वंशज उन दोनों गाँवों में वर्त्तमान हैं। इनके बड़े पुत्र श्री देवकरण सिंह ने ग्राम बेंदौली में निवास किया और मँझले पुत्र प्रेमनारायण सिंह ने सारे में अपनी पर्णकुटी बनवायी। इनके तीसरे पुत्र धाड़ा सिंह ने अपना समय पितृ-सेवा में लगाकर इसी गाँव में व्यतीत किया। श्री सुखदेव सिंह के पौत्र श्री लीला सिंह ने भी बेंदौली से आकर अपने पितामह की चरण-सेवा में अपना समय इसी गाँव में व्यतीत किया। श्री सुखदेव सिंह ने जिस स्थान पर आकर प्रारंभ में अपना गृह-निर्माण किया था, वर्त्तमान समय में उस स्थान पर श्री रामाधीन सिंह का घर वर्त्तमान है।

श्री लीला सिंह के पाँच पुत्र उत्पन्न हुए। इन पाँचों पुत्रों में तृतीय पुत्र श्री भागवत सिंह हुए। श्री भागवत सिंह के भी तीन पुत्र हुए। इनके तृतीय पुत्र श्री धरम सिंह ने भी बहादुरपुर को छोड़कर सारे ग्राम में ही अपनी पर्णकुटी बनायी।

●

५. बेंदौली

बिहार राज्य के नालन्दा जिले के अस्थावाँ थाना के अन्तर्गत बेंदौली ग्राम है।

नामकरण—किसी भी ग्राम के नाम के पीछे कोई-न-कोई इतिहास अथवा कहानी अवश्य रहती है। इस गाँव के नाम के पीछे दो-तीन बातें प्रकट होती हैं। प्रथम तो अनुमानतः हम कह सकते हैं कि सर्वप्रथम यहाँ के निवासी शाकद्वीपीय ब्राह्मण रहे होंगे, क्योंकि उन लोगों की जाति यहाँ आज भी वर्त्तमान है। शाकद्वीपीय ब्राह्मणों की पदवी 'मिश्र' की थी और अब भी है। इन

Scanned by CamScanner

लोगों की प्रमुख वृत्ति वैद्य की थी। इस ग्राम में सुयोग्य वैद्यों के रहने के कारण सम्भवतः इस गाँव का नाम बेदौली पड़ा। (वैद्य+अली) अर्थात् वैद्यों में अली (निपुण)।

इस ग्राम के नामकरण के पीछे दूसरा तथ्य यह भी सम्भव है कि यहाँ के ब्राह्मण वेद और पुराण के ज्ञाता रहे होंगे, क्योंकि आज भी इस ग्राम में पौराणिकी वृत्ति इन्हीं वैद्य लोगों में वर्त्तमान है। इसलिए भी शायद इसका नाम बेदौली पड़ा (वेद+अली, अर्थात् वेद की जानकारी में निपुण, शक्तिशाली)।

तीसरा तथ्य यह भी सम्भव है कि यहाँ के रहने वाले काफी शक्तिशाली एवं बदमाश रहे होंगे। वे अपने समक्ष किसी को नहीं समझते होंगे और मुसलमानी शासनकाल में शासन के विरुद्ध लोहा लेते रहे होंगे। इसलिए मुसलमानों ने इस ग्राम का नाम बेदौली (बद+अली, अर्थात् बदमाश और बलिष्ठ) रखा।

किंवदन्ती—सोलहवीं सदी के लगभग यहाँ एक राजा था। उसे लकवा की बीमारी हो गई थी। उसने यहाँ के वैद्यों को चिकित्सा हेतु बुलवाया। वैद्यों ने उनकी चिकित्सा के लिए औषधि-निर्माण हेतु कुछ समय की याचना की। पर निश्चित समय पर वे उनकी सेवा में दवा लेकर उपस्थित नहीं हो सके। दूसरे दिन ये राजा के दरबार में प्रातः पहुँचे। उस समय राजा काठ की सूखी चौकी पर बैठ कर दातुन कर रहा था। वैद्य जी को विलम्ब से आते देखकर उनपर झिझक पड़ा। वैद्यजी स्वभाव से ही चिड़चिड़ा प्रकृति के थे। राजा की झिझक पर इनकी भी क्रोधाग्नि अपनी शक्ति-सीमा को पार कर गई। इन्होंने जो औषध निर्माण किया था, अर्थात् पकाया हुआ तेल (महानारायण तेल), उसकी बोतल राजा की चौकी पर पटक दी और वे वहाँ से नौ-दो ग्यारह हो गये। कुछ दिनों के बाद राजा को उस चौकी से पेंकी यानी कोपलें प्रस्फुटित होती दिखाई पड़ीं। वह अपनी बेवकूफी पर काफी पश्चात्ताप करने लगा। उसने सोचा कि इस नीरस काठ में उस तेल का इतना अधिक प्रभाव पड़ा कि यह चौकी सरस हो उठी और इसमें कोपलें निकल आयीं। अगर मैं उस औषधका सेवन संयमपूर्वक अपने शरीर पर करता तो अवश्य ही स्वस्थ हो जाता। अतः शीघ्र ही उसने वैद्य जी महाराज को बुला भेजा और उनकी औषधि का सेवन कर रोग-मुक्त हुआ। अस्तु, इसके उपलक्ष्य में राजा ने मिश्र जी को ताम्रपत्र पर अंकित कर बेदौली ग्राम को पारितोषिक में दे दिया। यह ताम्रपत्र २००० संवत् तक वैद्यजी की ठाकुरबाड़ी में मौजूद था पर अब उपलब्ध नहीं है। आज भी इस ग्राम में 'मिश्र खंधा' जो गाँव से पश्चिम है, वर्त्तमान है। गाँव से पूरब कुछ ही दूरी पर 'मिश्रघाट' नाम से आज भी एक आहर का घाट प्रसिद्ध है, जो वर्त्तमान काल

में ग्राम खेतलपुरा के क्षेत्र में है। लोगों का कहना है कि इस ग्राम के एक किलोमीटर पश्चिम में बेदौली बाग में, जो अब भी सारे ग्राम के क्षेत्र में वर्त्तमान है, उस राजा का मकान था। वर्त्तमान समय में वह एक आम के बगीचे के रूप में अवस्थित है।

वर्त्तमान समय में गाँव से दक्षिण जो नंदलाल स्थान की पिंडी है, उसीके आसपास यह ग्राम उस समय अवस्थित था।

चौहद्दी—बेदौली ग्राम के उत्तर में बहादुरपुर, दक्षिण में सिमाना जंगीपुर एवं रमजानपुर, पूरब में खेतलपुरा और पश्चिम में जंगीपुर एवं मोहनी ग्राम अवस्थित हैं। यहाँ के लोगों की उक्ति ग्राम-देवता सम्बन्धित आल्हा छन्द में इस प्रकार है—

सुमरि भगवती को उत्तर दिशि,
लौं पश्चिम धनराज मनाय।
दक्षिण सुमरौं लोकमान को,
पूरब बाबा सुमरि गोसांय।।
देश मगध के बीच गाँव है,
जासु बेदौली नाम कहाय।
अतिशय जगह सुहावन पावन,
जहाँ रईस बसैं भूमिहार।।

भौगोलिक स्थिति—दक्षिण की ओर से सकरी नदी इसके चरण को पखारती हुई उत्तर की ओर अग्रसर हुई है। गाँव के दक्षिण में ही इस नदी के कई विभाग हो गए हैं। इसकी एक शाखा गाँव से पश्चिम की ओर प्रवाहित होती हुई उत्तर की ओर सारे और भैरोबीघा की ओर गई है तथा इसकी तीन शाखाएं गाँव से पूरब की ओर होती हुई एक बहादुरपुर की ओर और दूसरी हरगाँवा की ओर तथा तीसरी खेतलपूरा की ओर चली गई है। यहाँ की मिट्टी दोरस-बलुआही है। यहाँ की मुख्य फसलें धान, गेहूँ, मकई, अरहर, दलहन, तेलहन ईख इत्यादि हैं। ग्राम के दक्षिण थोड़ी दूरी पर आम का बगीचा है तथा उत्तर और पश्चिम की तरफ भी आम के छिटपुट बगीचे हैं। पूरब और पश्चिम में भी कुछ ताल (ताड़) वृक्ष अपने मस्तक को ऊपर उठाए खड़े हैं। ग्राम के पूरब की ओर निम्न प्राथमिक विद्यालय है। गाँव के चारों ओर यत्र-तत्र बहुत-से सतह-कूप (सर्फेस वेल) हैं जिनसे कृषि-कार्य में सिंचाई काम होता है। गाँव से पूरब और पश्चिम एवं दक्षिण में अनेकों गढ़े हैं जिनमें पानी भरा रहता है। यहाँ का क्षेत्रफल लगभग ५०० बीघे हैं तथा आस-पास के दूसरे-दूसरे गाँवों में भी यहाँ

Scanned by CamScanner

के किसानों की जमीनें हैं। यहाँ की कुल आबादी १००० के लगभग है। कई प्रकार की जातियाँ यहाँ विद्यमान हैं, जैसे—शाकद्वीपीय ब्राह्मण, भूमिहार ब्राह्मण, महापात्र ब्राह्मण, नाई, बढ़ई, कहार, मुसहर, चमार एवं तेली। यहाँ की सभी जातियों के घरों की कुल संख्या लगभग ७५ है। यहाँ के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। यहाँ के नब्बे प्रतिशत लोग कृषि पर आश्रित हैं।

रीति-रिवाज—यहाँ के लोगों के मुख्य पर्व होली, दशहरा, छठ पर्व, दीवाली, नागपंचमी, तिला-संक्रान्ति, जीवित पुत्रिका व्रत, तीज, मेष-संक्रान्ति एवं गणेश पूजा इत्यादि हैं। इन पर्वों को यहाँ के लोग बड़े हर्षोल्लास से मनाते हैं। इसके अतिरिक्त ग्राम-देवता और कुल-देवता की भी पूजा बड़ी श्रद्धा से करते हैं। इनमें मुख्य हैं गुसाईं बाबा, पूरब में धूना बाबा, पश्चिम में लोकमान बाबा, दक्षिण में नन्दलाल थान एवं दइया बाबू गाँव में हैं। गुसाईं बाबा की पूजा यहाँ के ग्रामवासी उनके निकट गाँजा चढ़ाकर एवं प्रसाद वितरित कर बाजे-गाजे के साथ करते हैं। धूना बाबा की पूजा उनके निकट खीर बनाकर और उनको अर्पित कर ब्राह्मणों को खीर का ज्योनार देते हैं। लोकमान बाबा, जो हमारे कुल के ही हैं, उनकी पिंडी के निकट उनपर दूध ढारकर पूजा की जाती है तथा नंदलाल थान में भी दूध ही ढारा जाता है। दइया बाबू के निकट जब किसी का मुण्डन यज्ञोपवीत होता है तो उस स्थान पर स्त्री-पुरुष गाँठ बाँधकर घृतढारी का काम करते हैं एवं जब कोई नव विवाहिता वधू दूसरे गाँव से सर्वप्रथम इस गाँव में आती है तब पहले वहीं जाकर दर्शन करती है या जब किसी लड़के की शादी होने के लिए बारात प्रस्थान करती है तो दुल्हा सर्वप्रथम उन्हीं को प्रणाम कर आगे बढ़ता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि—भारत के गाँव भारत की प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति के प्रतीक हैं। गाँव भारतवर्ष की आत्मा हैं और भारत उनका शरीर है। सम्पूर्ण शरीर की उन्नति आत्मा की स्वस्थ स्थिति पर निर्भर है। आत्मा के स्वस्थ होने पर ही सम्पूर्ण शरीर में नव-चेतना और नव-जागृति उत्पन्न हो सकती है। अब भी देश की पचहत्तर प्रतिशत जनता गाँव में ही निवास करती है। इसी गाँव की आँधी में एक यह वेदौली गाँव भी है।

सुरगणे भूमिहार ब्राह्मणों का आगमन यहाँ इस प्रकार हुआ। आज से लगभग २००-२२५ वर्ष पूर्व श्री वरियार सिंह के द्वितीय पुत्र श्री सुखदेव सिंह मराँची के भगतपट्टी से अपने तीन पुत्र श्री देवकरण सिंह, प्रेम नारायण सिंह तथा श्री धाड़ा सिंह के साथ बहादुरपुर ग्राम में आए। समयोपरांत वेदौली ग्राम को उन्होंने कायम किया और देवकरण सिंह यहीं रहकर यहाँ का कार्य-भार देखने लगे। इनके दो पुत्र हुए—प्रथम श्री निर्मल सिंह एवं द्वितीय श्री लीला सिंह जी।

Scanned by CamScanner

श्री लीला सिंह बहादुरपुर ग्राम गये और वहाँ अपना निवास-स्थान बनाया। परन्तु श्री निर्मल सिंह इसी गाँव में अपने वंश का विस्तार करते रहे। श्री निर्मल सिंह जी को पाँच पुत्र उत्पन्न हुए। प्रथम श्री भूषण सिंह, द्वितीय श्री दुखन सिंह तृतीय श्री बंधु सिंह, चतुर्थ श्री बोधी सिंह एवं पंचम श्री चक्रपाणि सिंह। श्री भूषण सिंह के चार पुत्र हुए—(१) श्री खाखु सिंह, (२) श्री डिल्ला सिंह, (३) श्री डहक सिंह और (४) श्री जेहल सिंह, जिन्होंने बेदौली में ही अपने वंश की वृद्धि की। श्री निर्मल सिंह के तृतीय पुत्र श्री बंधु सिंह को भी तीन पुत्र उत्पन्न हुए—(१) बेदू सिंह, (२) तीता सिंह और (३) श्री चेता सिंह।

श्री बेदू सिंह पुनः बहादुरपुर चले गए। तीता सिंह सारे चल गए। चेता सिंह भी सारे जाकर बस गए। श्री निर्मल सिंह के द्वितीय पुत्र श्री दुखन सिंह एवं इनके चतुर्थ पुत्र बोधी सिंह ने बेदौली में ही रहकर अपनी वंश-वृद्धि की। श्री बोधी सिंह के वंशज आज भी 'पंचखुट्टी' नाम से पुकारे जाते हैं, क्योंकि इनके पाँच पुत्रों ने अपने परिवारों की संख्या अधिक बढ़ा दी। श्री निर्मल सिंह के प्रथम पुत्र श्री भूषण सिंह के चार पुत्रों ने भी अपने वंश को कम वृद्धि नहीं की, जिसे लोग 'महुआतर' के नाम से जानते हैं। केवल दुःखन सिंह, जो निर्मल सिंह के द्वितीय पुत्र थे, इनके भी एक ही पुत्र श्री बुधन सिंह जी हुए। इनके वंश की वृद्धि कम हुई। इस प्रकार हमलोगों का वंश-विस्तार काफी हुआ। वर्तमान समय में हमलोग तीन गाँवों—बेदौली, बहादुरपुर और सारे—में श्री सुखदेव सिंह के ही वंशज हैं। ये तीनों गाँव आस-पास ही रेखागणित के त्रिभुज △ जैसा बनाते हैं।

●

६. सुल्तानपुर भुआलपुर

चौहद्दी—इस ग्राम के उत्तर में गंगा नदी है। इसके दक्षिण में रेलवे लाइन, पूरब में मोर स्टेशन और पश्चिम में कन्हाईपुर नामक ग्राम है।

जनसंख्या—गाँव की कुल आबादी करीब ३००० तीन हजार के लगभग है, जिसमें हरेक जाति के लोग रहते हैं।

क्षेत्रफल—भीठा और निचली भूमि करीब आठ सौ एकड़ तथा एक हजार बीघा दियारा क्षेत्र है जो अभी कटा हुआ है। सभी दियारा भू-भाग में अभी गंगा की धारा बहती है।

भौगोलिक स्थिति—प्राकृतिक दृष्टिकोण से यहाँ का भू-भाग तीन क्षेत्रों में बँटा हुआ है। तीनों क्षेत्रों के बीच पश्चिम से पूरब की ओर जानेवाली गंगा नदी, राष्ट्रीय उच्च पथ और रेलवे लाइन है। गंगा नदी के उत्तर का भू-भाग दियारा

Scanned by CamScanner

कहा जाता है। उच्च पथ गाँव और मीठा के बीच से होकर पूरब तरफ मोकामा की ओर जाता है। रेलवे लाइन के दक्षिण वाला भू-भाग टाल कहा जाता है जो कि एकफसली जमीन है। टाल की खेती पूर्ण रूप से प्रकृति पर निर्भर है। टाल की जमीन के बारे में माना जाता है कि यह बिहार की सबसे अच्छी और उपजाऊ जमीन है।

हमारा गाँव गंगा नदी के किनारे बसा है, इस कारण दक्षिण से खासकर मगह के लोग अमावस्या और पूर्णिमा के दिन बड़े उत्साह से स्नान करने आते हैं। स्नान के बाद लोग गाँव की देवी के मन्दिर में जल चढ़ाते हैं।

यहाँ के लोगों में देशप्रेम की कभी कमी नहीं रही। १९४२ के आन्दोलन में यहाँ के लोगों ने मातृप्रेम में विभोर होकर भाग लिया और आन्दोलनात्मक समाचार भी छापते थे। १९३० और '४६ की क्रांति में पुराने कार्यकर्त्ता कई बार जेल गये। अभी भी वे लोग पेंशन पा रहे हैं। गाँव की ऐतिहासिक महत्ता इसलिए भी है कि यहाँ काली माँ की प्रतिमा जमाने से कात्तिक में दीपावली के अवसर पर बनती है। गाँव के हर वर्ग के बच्चे से लेकर बूढ़े तक प्रतिमा की पूजा से लेकर विसर्जन तक में सहयोग देते हैं। गाँव के कुछ श्रमिक, जो आर्थिक रूप में सहयोग करने में असमर्थ हैं अपना श्रम देकर ही सहयोग देते हैं। दीपावली के अवसर पर यहाँ तीन-चार दिनों तक नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है। गाँव में राम-जानकी एवं राधेश्याम की ठाकुरबाड़ी है। यहाँ एक देवी मन्दिर एवं एक शिवालय है। पशु-अस्पताल, पुस्तकालय, माध्यमिक विद्यालय और एक कबीरपंथी (साहब) कुटिया भी है।

सांस्कृतिक देन :—यहाँ के लोगों को अनेक मौके पर बाहर से आये लोगों से कुछ सुनने का अवसर मिलता रहता है। तुलसी जयंती, २ अक्टूबर, रामनवमी यहाँ खूब धूमधाम से मनायी जाती है। प्रत्येक मंगलवार को गाँव के ही एक दरवाजे पर हनुमान जी का भजन होता हैं जिसमें गाँव के बच्चे बड़े प्रेम से भाग लेते हैं और भजन गाते हैं।

'सूरगणैवंशीय' कुछ प्रसिद्ध व्यक्तियों के नाम निम्नलिखित हैं—

(१) धार्मिक एवं वैष्णव

(क) स्व० अवध बिहारी सिंह।
(ख) स्व० अमर नाथ सिंह।
(ग) स्व० चेतन सिंह उपनाम धर्मराज।
(घ) श्री भोला शर्मा (वर्त्तमान)।
(ङ) स्व० बालगोबिन्द सिंह।

Scanned by CamScanner

(२) पहलवान एवं वैष्णव

(क) स्व० रामजी सिंह ।
(ख) स्व० गजाधर सिंह ।
(ग) स्व० कन्त सिंह ।
(घ) स्व० मिश्री सिंह ।
(ङ) श्री मुंशी सिंह (वर्त्तमान) ।
(च) श्री उमापति सिंह ।
(छ) स्व० जगदम्बी सिंह ।

(३) राजनीतिक एवं कर्मठ व्यक्ति

(१) स्व० देवनारायण सिंह (कुशल बैद्य) ।
(२) स्व० सन्तू सिंह ।
(३) श्री चन्द्रिका नारायण शर्मा ।
(४) श्री अमरनाथ शर्मा (वर्त्तमान स्वतंत्रता सेनानी) ।
(५) स्व० गजाधर सिंह (डाक्टर थे) ।
(६) श्री शिव बालक शर्मा ।

(४) गायन प्रेमी एवं कीर्त्तनिया

(क) स्व० फूदी सिंह (कोकिलकंठ) ।
(ख) स्व० गजाधर सिंह ।
(ग) स्व० काली सिंह (उपनाम गुणी जी) ।
(घ) श्री शिवबालक शर्मा (वर्त्तमान) ।
(ङ) श्री चन्द्रिका नारायण शर्मा ।
(च) श्री भगीरथ शर्मा ।
(छ) श्री केदार प्र० शर्मा ।
(ज) श्री गौरी शंकर शर्मा ।
(झ) श्री रामाशीष शर्मा ।
(ञ) श्री जयराम शर्मा ।
(ट) श्री शिवकुमार शर्मा ।
(ठ) श्री जयप्रकाश शर्मा ।

(५) अनुभवी एवं तकनीकी जानकारी वाले व्यक्ति

(क) स्व० बाढ़ो सिंह ।
(ख) श्री शम्भुनाथ शर्मा (सी० आर० पी० एफ०) ।

Scanned by CamScanner

(६) सरकारी सेवा

श्री कामो सिंह (रेलवे)।

(७) शिक्षाविद्

(१) श्री सीताराम शर्मा उर्फ कविजी (अमानत भी)
(२) श्री गोविन्द सिंह।
(३) श्री शिभा सिंह।
(४) श्री भोला शर्मा (संस्कृत)।
(५) श्री चन्द्रिका ना० शर्मा (संस्कृत)।
(६) श्री शिव बालक शर्मा एम० ए० (अनुभवी)।
(७) श्री योगेन्द्र शर्मा (अँग्रेजी)।
(८) श्री रामानुज शर्मा (हिन्दी)।
(९) श्री जगदीश शर्मा (बी० ए०)।
(१०) श्री रामनाथ शर्मा ” ।
) श्री राधेश्याम शर्मा ” ।
) श्री लक्ष्मण शर्मा (आई० ए०)।
) श्री अशोक कुमार शर्मा ” ।
) श्री भागीरथी शर्मा ” ।
) श्री रामचन्द्र शर्मा ” ।
) श्री ललन प्र० शर्मा ” ।
) श्री जयराम शर्मा ” ।
श्री सत्यनारायण शर्मा ” ।
श्री चन्द्रभूषण शर्मा ” ।
०) श्री कृष्ण मोहन शर्मा ” ।
१) श्री माधव मुरारी (मैंट्रिक)।
२) श्री रामदेव प्र० शर्मा ” ।
३) श्री दशरथ प्र० शर्मा ” ।
(२४) श्री जय प्रकाश शर्मा ” ।
(२५) श्री अरुण कुमार शर्मा ” ।
(२६) श्री गौरी शंकर शर्मा ” ।

Scanned by CamScanner

१. खुटहाडीह

ग्राम—खुटहाडीह सुरगणे भूमिहार ब्राह्मणों के संभवतः प्राचीन ग्रामों में
ही एक ग्राम है। इस ग्राम को बसाने का श्रेय स्व० श्री गौण मिश्र को है
न्होंने सम्वत् १६४४ के लगभग यहाँ की रमणीयता पर लुब्ध होकर अपने वंश
नींव डाली थी। इस प्रकार यह ग्राम लगभग चार सौ वर्ष पुराना
ज से करीब एक सौ साल पूर्व इस ग्राम के कुछ लोग एक मील उत्तर-पूर्व
ाकर बस गये थे, जिसे खुटहा टोला या चेतन टोला कहा जाता है। वर्त्तमान
मय में चेतन टोला गंगा की गोद में समा चुका है तथा उसके निवासी अपने
ग्राम खुटहाडीह के निकट रह रहे हैं।

जहाँ तक इस ग्राम के नामकरण का प्रश्न है, इस ग्राम के सभी बड़े बूढ़े
मुख से एक किंवदन्ती सुनी जाती है। किंवदन्ती के अनुसार जब स्व० श्री
ौण मिश्र अपने ननिहाल "बेगूसराय मेब्रौल" से वैद्यनाथ धाम तीर्थयात्रा
रहे थे तब वे इसी स्थल से गुजरे थे। इस पावन-स्थल पर पहुँचने
न्होंने एक जगह चूहा और साँप को लड़ते पाया। उनके आश्चर्य की सीमा
ीं रही जब उन्होंने देखा कि चूहे ने साँप को परास्त कर उसे द... लिया
घटना को देखकर उन्हें विश्वास हो गया कि यह स्थल क...
नहीं, बल्कि पराक्रम का स्थल है। उन्होंने उसी क्षण वहीं बसने
। चिह्नस्वरूप उन्होंने यहाँ एक बड़ा खूँटा गाड़ दिया
से लौटने पर उस स्थान की पहचान हो जाय। संभवतः
का नाम खुटहा पड़ा। उस आदिस्थल के इर्द-गिर्द के भू-भाग
ो संज्ञा मिली। तीर्थयात्रा से लौटने पर स्व० श्री गौण मि...
हीं स्थापित किया। वे अपने ज्ञान एवं पांडित्य के ...
थे। उनमें भविष्यवाणी करने की अद्भुत शक्ति थी।
...ार इस भू-भाग का शासक एक मुसलमान बादशाह था
विष्यवाणी की क्षमता को सुनकर घोड़ी पर सवार होकर
हुँचा और इनसे प्रश्न किया कि इस घोड़ी के गर्भ में कैसा
स्व० श्री पंडित जी ने जवाब दिया कि इस घोड़ी के पेट में श्याम...
है। बादशाह के अदेशानुसार जब घोड़ी का पेट चीरा गया तो उसमें सचमुच
घोड़ा का शिशु वर्त्तमान था।

...श्र जी की इस क्षमता से प्रभावित होकर बादशाह ने उनसे कुछ
...ने इन्कार कर दिया किन्तु बादशाह ने नहीं मान...
घोड़ा उन्हें देकर कहा कि इस घोड़े पर सवा...

Scanned by CamScanner

जितनी दूर आप घूम जायेंगे, उतनी भूमि आपकी हो जायगी। इस तरह इस ग्राम की भौगोलिक स्थिति का निर्धारण हुआ। मिश्र जी की जागीर वर्तमान काल के खुटहा ग्राम से काफी बड़ी थी। इसकी पूर्वी सीमा सूर्यगढ़ा तक फैली थी। उत्तर में रामदीरी तक यह सटा हुआ था तथा पश्चिम और दक्षिण में इसकी सीमा क्रमशः जैतपुर, सिकन्दरपुर तथा वरगुजर जिसे लोग वालगुदर कहते हैं, वहाँ तक फैली थी। वर्त्तमान काल में इसके भौगोलिक नक्शे में कुछ परिवर्त्तन आ गया है, फिर भी ऐतिहासिक दृष्टि से यह दर्शनीय है।

जहाँ तक इसका ऐतिहासिक सम्बन्ध है यह ग्राम लगभग चार सौ वर्ष पुराना है। इस प्रकार इसकी स्थापना संभवतः अकबर बादशाह के शासनकाल के दौरान हुई होगी। इस ग्राम की स्थापना के बाद गंगा का प्रकोप हुआ और यह लगभग कट गया। गंगा उत्तर में बहती है। दक्षिण में हरुहर नदी अपने कल-कल धारा के साथ बहती है। इसके बाद दियारा पड़ा और खुटहा ग्राम के साहसी-निवासी अपने पुराने स्थल पर आकर बस गये। पिछले पाँच-छह वर्षों से गंगा पुनः कुपित हो गयी हैं और ग्राम की लगभग पाँच मील जमीन इनकी उदर में समा चुकी। भविष्य अंधकारमय है। ऐसा लगता है कि गौण मिश्र के पुण्य से अर्जित चार सौ वर्ष की पुरानी यह बस्ती लुप्त हो जायगी लेकिन इस ग्राम के लोगों में अदम्य साहस एवं क्षमता है। विश्वास है कि इस पितृभूमि को संहार से बचा लिया जायगा, क्योंकि यह पुण्य से अर्जित भूमि है। गौण मिश्र के "वीर राय" एक मात्र पुत्र हुए। वीर राय के पाँच पुत्र हुए जिनके नाम क्रमशः सर्वश्री नीलकंठ राय (जो डीह पर गये), नरसिंह राय, कीर्तिनारायण राय, मनन राय और शिवदत्त राय हैं। माधव राय तथा दर्प राय वीर राय के प्रपौत्र थे। वर्त्तमान काल में नरसिंह राय, शिवसिंह राय, दर्प राय तथा माधव राय के वंशज चार पट्टियों में विभाजित हैं। यह विभाजन खुटहाडीह तथा चेतन टोला के निवासियों पर समान रूप से लागू होता है। वर्त्तमान काल में खुटहा ग्राम की जोत की भूमि लगभग नौ हजार बीघे (एक लग्गा ६।।।० पौने सात हाथ) में फैली हुई है। दोनों डीह एवं टोला में कुल मिलाकर इसकी आबादी उन्नीस हजार (१३००० डीह और ६००० चेतन टोला की हैं) है। भूमिहार ब्राह्मणों की नौ हजार आबादी में से लगभग ९५ प्रतिशत सुरगणै भूमिहार ब्राह्मण और ५ प्रतिशत में चंसिया धौरानी, सिबरनिया इत्यादि भूमिहार ब्राह्मण लोग हैं।

इस ग्राम की सांस्कृतिक परम्परा काफी गौरवमय रही हैं। शिक्षा, कला, धर्म एव शारीरिक क्षमता इत्यादि क्षेत्रों में यह ग्राम इस इलाके में

---

१. सरकार से मान्यता प्राप्त ६॥ हाथ का लग्गा एवं आपस में खरीद बिक्री में ६॥ हाथ का लग्गा चलता है।

Scanned by CamScanner

अग्रणी रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में यह ग्राम अन्य ग्रामों की तुलना में देर से आरम्भ हुआ किन्तु जागरण के बाद इसकी प्रगति काफी संतोषजनक रही। वर्त्तमान काल में प्रोफेसर, डॉक्टर, इन्जीनियर अधिवक्ता आदि प्रतिष्ठित पदों पर इसके निवासी सुरगणै भूमिहार ब्राह्मण आसीन हैं।

उदाहरण के लिए इस ग्राम के श्री शिवशंकर प्रसाद सिंह बड़हिया थाने में तीसरे व्यक्ति हैं, जिन्होंने अखिल भारतीय सेवा में सफलता प्राप्त की है तथा वर्त्तमान काल में भारतीय राजस्व सेवा अन्तर्गत आयकर अधिकारी के पद पर धनबाद में आसीन हैं। इसके पूर्व ये पटना विश्वविद्यालय में पाँच वर्षों तक अंग्रेजी के प्राध्यापक थे। इन्हीं के बड़े भाई डॉक्टर श्री भोला प्रसाद सिंह भागलपुर विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के स्नातकोत्तर विभाग में रीडर हैं, जिनके आधुनिक राजनीति विज्ञान में अनेकों गवेषणापूर्ण ग्रन्थ एवं शोध लेख प्रकाशित हैं। इन दोनों के अलावे श्री राम स्वारथ सिंह तथा श्री रवीन्द्र सिंह बोकारो स्टील कारखाने में वरिष्ठ अभियन्ता हैं। इनके अलावा चिकित्सा के क्षेत्र में श्री कृष्णमोहन सिंह, श्रीमती शान्ति देवी ख्याति अर्जित कर रहे हैं। साथ ही साथ लगभग १० व्यक्ति अभी डाक्टरी शिक्षा में संलग्न हैं। श्री हरे राम सिंह मवेशी डाक्टर बन चुके हैं। वे लगभग १० वर्षों से कार्यरत हैं। प्रोफेसरी के क्षेत्र में श्री वाल्मीकि सिंह तथा चेतन टोला के डॉ० श्री बालमुकुन्द सिंह अपने कॉलेज में लोकप्रियता प्राप्त कर चुके हैं।

इस ग्राम के प्रथम स्नातक श्री दशरथ सिंह, पुत्र स्व० श्री सियाशरण सिंह, हैं जिन्होंने स्नातक होने के बाद कुछ दिनों तक शिक्षा विभाग में सेवा करने के बाद वकालत की परीक्षा पास कर १९५१ ई० से वकालत कर रहे हैं और अभी मुंगेर जिला के मुख्यालय में अधिवक्ता हैं। उनके पुत्र श्री परमानन्द सिंह भी मुंगेर ही में १९७८ ई० से अधिवक्ता हैं। उक्त श्री दशरथ सिंह अधिवक्ता के कनीय पुत्र श्री सच्चिदानन्द प्रसाद सिंह बी० आई० टी०, सीन्द्री से यांत्रिक (मेकेनीकल) इनजीनियरिंग पास कर अभी मोतिहारी में सरकारी सेवा में संलग्न हैं।

धर्म के क्षेत्र में प्रातःस्मरणीय स्व० श्री १०८ बाबा रामभजन दास जी के शिष्य स्व० श्री १०८ श्री मनोहर दास जी का स्थान खुटहा में हैं, जिनका नाम अमर रहेगा। उन्होंने कई यज्ञ किये। अश्वदान, हाथीदान, गोदान, अन्न तथा वस्त्र दानकर उन्होंने याचकों को अयाचक कर दिया। यज्ञ-मंडप जय-जयकार से गूंज उठा। उनके स्थान में मानस-मार्त्तण्ड विद्वानों का हमेशा स्वागत होता रहा और वे सभी विद्वज्जनों का आदर करते रहे। कहावत है :—

"जो गया रोता वो आया हँसता इसके द्वार से।
यानी उनको ब्रह्मशक्ति है मिली करतार से॥"

Scanned by CamScanner

इन्होंने समाजसेवा के अनेक कार्य किये। इन्हीं के प्रभाव से खुटहाडीह में अस्पताल का निर्माण हुआ था। इन्होंने अखिल भारतीय स्तर के दो महान यज्ञ किये थे जिनमें देश के प्रसिद्ध सन्त, साधक, विद्वान शामिल हुए थे। ये अन्य स्थानों में भी घूम-घूम कर यज्ञ सम्पन्न करते रहे। बड़े पैमाने पर वे दरिद्र नारायण के लाभार्थ आयोजन किया करते थे। बाबा बासुकीनाथ में इनके द्वारा बनवायी हुई धर्मशाला भी वर्त्तमान है।

कला के क्षेत्र में भी यहाँ के अनेकों ग्रामीण संगीतज्ञ हो चुके हैं, जिनमें स्व० श्री चन्दर सिंह, स्व० श्री रीता प्रसाद सिंह इत्यादि के नाम उल्लेखनीय हैं। उनकी परम्परा का पालन अनेकों गुणी लोग कर रहे हैं।

पहलवानी के क्षेत्र में यह ग्राम इलाके का सिरमौर था। पहलवानों में स्व० श्री लम्बू कन्हैया, स्व० श्री गुरु बक्स सिंह, स्व० श्री हितू सिंह, स्व० श्री विष्णुदेव सिंह, स्व० श्री कोकिल सिंह, श्री गोरे लाल सिंह जीवित तथा चेतन टोला के श्री गया सिंह, स्व० श्री वासुदेव सिह के नाम से बच्चे-बच्चे परिचित हैं। दुःख की बात है कि इनकी परम्परा में योग्य पहलवानों की कमी हो गई, जिसका मूल कारण गरीबी तथा इस कला में प्रशंसा एवं पारखियों का अभाव है।

यह ग्राम त्योहारों को मनाने में भी अग्रणी है। यहाँ की होली देखने के लिए इलाके के लोग आते हैं। होली में जिस सहानुभूति, सामूहिकता, भ्रातृत्व एवं एकता का प्रदर्शन किया जाता है वह सचमुच प्रशंसनीय है। गाँव के बीचोबीच दो पक्के नाले बने हुए हैं जिसे हमलोग रंगमंच कहते हैं। होली के दिन चार बजे संध्या को दोनों नालियों पर ग्राम के दोनों तरफ के युवक लम्बी-लम्बी पिचकारियों को लेकर जुटते हैं। उनकी मैत्रीपूर्ण प्रतिस्पर्धा, जवानी का उन्माद, रंगों की फुहारें अनुपम चित्र उपस्थित करता है। विश्वास किया जा सकता है कि इस तरह की होली बिहार के किसी ग्राम में नहीं होती होगी। खान-पान, रहन-सहन और संगीत की लहरियाँ अजब छटा दर्शाती हैं। इस ग्राम की कला एवं होली समाज-शास्त्रियों के लिए अध्ययन का एक विषय है।

किन्तु गंगा की विकराल लहरें अब प्राकृतिक सौंदर्य को नष्ट कर रही हैं। सरकार की ओर से प्रयास जारी है। युद्ध स्तर पर तैयारी से ही इस प्राचीन ग्राम की रक्षा संभव है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो सदियों का यह पुराना ग्राम गंगा के निर्दय उदर में समा जायगा। अतः न केवल सरकार वरन समाज से भी अनुरोध है कि वह इसकी रक्षा का कोई अति प्रभावकारी उपाय सोचे।

रामपुर के निवासी श्री धर्म मिश्र की शादी मधुरापुर के निवासी श्री राम प्रसाद मिश्र की लड़की से हुई। श्री धर्म मिश्र प्रथम बार रोकसदा कराकर घर जा

Scanned by CamScanner

रहे थे। रास्ते में रात हो जाने के कारण वे खुटहा के आगे डकुआ पीपल के नीचे ठहर गये। अर्द्धरात्रि के समय चोरों ने पीपल के वृक्ष पर से ढेले फेंके। वृक्ष पर पक्षी रहते थे। सभी पक्षी उड़ने लगे। उस समय सभी आदमियों को यह भ्रम हुआ कि अब सबेरा होने चला है। इसलिए वे वहाँ से प्रस्थान कर गए। थोड़ी दूर जाने पर चोरों ने उनलोगों को घेर लिया। सभी आदमी सवारी छोड़कर भाग गये। चोर चोरी करने लगे। तो लड़की अकेली पड़ गयी और रोने लगी। लड़की के रोने की आवाज खुटहा के श्री गूजा मिश्र ने सुनी। उन्होंने वहाँ जाकर देखा तो एक लड़की को रोते पाया। उस लड़की ने चोरी की सारी कहानी उन्हें सुनायी। तब गुजा मिश्र जी ने गाँव से कुछ लोगों को पुकारा। जब कुछ लोग जुटे तो सभी उस लड़की को सवारी सहित खुटहा ले गये और उसे अपनी ही लड़की की तरह कुछ दिनों तक उनलोगों ने रक्खा। उसके बाद रामपुर एवं मधुरापुर दोनों ग्रामों के परिवारों को बुलाकर आश्रित कन्या की बिदाई पुत्री के समान की।

उसी दिन से सामाजिक रूप से मधुरापुर, रामपुर और खुटहा तीनों में शादी विवाह बन्द हो गया। तीनों ग्रामों के लोग भ्रातृवत् अभी भी रहते हैं।

खुटहाडीह शाखा के ग्रामों का इतिहास

ग्राम—परिचय

ग्राम—खुटहा चेतनटोला, पो०—खुटहाडीह, जिला-मुंगेर।

ग्राम चेतनटोला मुख्य ग्राम खुटहाडीह से १ मील पूरब में लगभग सौ वर्षों से आबाद है। इस ग्राम की प्राकृतिक छटा अत्यंत मनोरम है। उत्तर में पतित-पावनी गंगा की कलकल धारा, दक्षिण से उर्वर समतल भूमि और पूरब-पश्चिम में क्रमशः मालपुर और खुटहाडीह स्थित हैं।

इस स्थान पर सर्वप्रथम बाबा चेतनराम आकर बसे और उनके साथ चारों पट्टी के लोग भी आए। जिनसे यहाँ सुरगणै भूमिहार ब्राह्मण वंश की स्थापना हुई। इस इलाके में सुरगणै वंश के आदिग्राम खुटहाडीह से सम्बन्ध होने के कारण यह गाँव भी अपने बहुमुखी विकास में पीछे नहीं रहा।

इस ग्राम के ९५% निवासी सुरगणै भूमिहार ब्राह्मण ही हैं। इनके अतिरिक्त जाजी, देलौंचे, घौरानी और हरतकिया भूमिहार ब्राह्मण भी यहाँ रहते हैं। सुरगणै एवं अन्य भूमिहार ब्राह्मणों के अतिरिक्त अन्य जातियों के लोग भी इस गाँव के वासी हैं। सभी सनातन धर्मी ग्रामीण स्व० श्री १०८ श्री रामभजन दास जी महाराज को अपना अध्यात्मिक गुरु मानते हैं; जिन्होंने एक धार्मिक महायज्ञ का

सफल एवं अविस्मरणीय आयोजन किया। उन्हीं की प्रेरणा से इस गाँव के लोगों में शिक्षा के प्रति अभिरुचि जगी जिसके फलस्वरूप मध्य विद्यालय एवं बालिका विद्यालय की स्थापना हुई। ये विद्यालय आज भी चेतनटोला ग्राम में शिक्षा के दीप प्रज्ज्वलित कर रहे हैं। चेतनटोला में शैक्षिक चेतना जगाने मे डॉ० श्यामसुन्दर सिंह एवं प्रो० बालमुकुन्द सिंह का अमूल्य योगदान है। इस ग्राम के अभियंता श्री राजनीति सिंह बोकारो इस्पात 'कारखाने में कार्यरत हैं एवं भारतीय प्रतिरक्षा को भी इस गाँव के एक जवान श्री के०एन० सिंह की सेवाएँ उपलब्ध हैं।

यह गाँव शक्ति, शौर्य एवं साहस के लिए भी प्रसिद्ध रहा है। यहाँ के स्व० श्री वासुदेव सिंह एवं स्व० श्री जगदम्बी सिंह अपने समय के नामी पहलवान थे! वर्त्तमान में सर्वश्री गया सिंह तथा रामदेव सिंह भी उतने ही नामवर हैं। छोटे पहलवान में श्री रामनंदन सिंह एवं श्री मारकण्डे सिंह के नाम उल्लेखनीय हैं। इस ग्राम के पहलवान श्री गया सिंह के सम्बन्ध में कहा जाता है कि एक मुकाबले में उन्होंने अपने शरीर पर भाले की साठ चोटें खायीं।

इस गाँव का दुर्भाग्य सन् १९४५ से ही आरंभ हुआ जबकि पुण्य सलिला गंगा ने इसकी उर्वर भूमि को काटना शुरू कर दिया एवं १९७५ तक इसे पूर्णतः उदरस्थ कर लिया। इस दैवी प्रकोप ने ग्रामीणों की जीविका के साधन—खेतों से उन्हें वंचित कर दिया। अब ये उजड़े हुए लोग इधर-उधर झोपड़ियाँ बनाकर रहते हुए पशुपालन पर निर्भर हैं।

इतनी कठिनाइयों के वावजूद इस ग्राम के लोगों ने शिक्षा की अनिवार्यता को समझते हुए भवनविहीन मध्य विद्यालय को प्रधानाध्यापक श्री रामउदीति प्र० सिंह एवं सहायक शिक्षक श्री सीताराम सिंहजी के सहयोग से अब तक जीवित रखा है।

और अंत में उन महानुभावों का श्रद्धापूर्वक नामोल्लेख आवश्यक है जिनके सत्प्रयत्नों से इस ग्राम के सुरगणे भूमिहार ब्राह्मणों का वंशवृक्ष उपलब्ध हो सका है। उन महानुभावों के शुभनाम हैं—स्व० श्री राधो सिंह, श्री रामजी सिंह, श्री रामेश्वर प्र० सिंह एवं श्री रामकेश्वर प्र० सिंह।

●

२. ग्राम—डीहपर

यह ग्राम बिहार के प्रसिद्ध औद्योगिक नगर बेगूसराय से बारह मील उत्तर-पश्चिम में अवस्थित है। पाँच हजार की आवादी वाला यह ग्राम बेंती, बलान एवं बूढ़ी गंडक नदियों के संगम पर शोभायमान है। बलान नदी इस गाँव के पश्चिम एवं उत्तर में तथा बूढ़ी गंडक पूरब दिशा में प्रवहमान है। डीहपर ग्राम बरौनी अंचल और थाने का उत्तरी सीमांत ग्राम हैं।

Scanned by CamScanner

ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण कई प्राचीन टीले अभी भी इस गाँव में विद्यमान हैं। कुछ दिनों पूर्व यहाँ के एक खेत से लगभग पन्द्रह की संख्या में प्राचीन सिक्के भी उपलब्ध हुये थे। अगर इन टीलों की व्यवस्थित ढंग से खुदाई की जाय तो बहुत कुछ ऐसा मिल सकता है जिसका प्रचुर पुरातात्विक महत्व होगा।

प्रस्तावित और निर्माणाधीन बेगूसराय-वीरपुर-संजात सड़क इस गाँव के मध्य से गुजरती है। इस सड़क का निर्माण-कार्य पूरा हो जाने पर इस गाँव की विकास-प्रक्रिया में गति आ जाएगी।

इस गाँव के अधिकांश लोगों का मुख्य पेशा खेती एवं पशुपालन ही है। यद्यपि इस गाँव का कुल क्षेत्रफल बहुत अधिक नहीं है तथापि किसान परिश्रमी एवं आधुनिक ढंग से खेती करने वाले हैं—फलस्वरूप उत्पादन अच्छा हो जाता है। इस गाँव के पूर्वोत्तर टोले का नाम मलहडीह है। यथानाम यहाँ मल्लाहों की आवादी है जो मछली मारने का धंधा करते हैं। यह टोला इलाके में मछली आपूर्त्ति का एक केन्द्र है।

इस गाँव के निवासियों ने मिल जुलकर रहने का महत्व बहुत पहले जान लिया और आज तक उसका निर्वाह कर रहे हैं। गाँव की समस्या गाँव में ही सुलझाने की परम्परा है। सारे गाँव को एकता और सौहार्द्र के सूत्र में बांधने वालों में स्व० श्री जागेश्वर प्रसाद सिंह एवं स्व० श्री सूर्यनारायण सिंह के नाम उल्लेखनीय हैं।

राजनीतिक रूप से इस गाँव के लोग स्वतन्त्रता-संग्राम काल से ही क्रिया-शील रहे हैं। स्व० श्री बाबू और स्व० रामचरित्र बाबू सरीखे राजनीतिक धुरंधरों का इस गाँव से बड़ा ही जीवन्त संबंध था। इनके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के स्वतन्त्रता सेनानियों का यह गाँव प्रिय आश्रय-स्थल रहा है। इस गाँव के सर्वश्री रामलगन सिंह, बनारसी प्रसाद सिंह एवं श्री ज्योतिन्द्र प्रसाद सिंह आदि पुराने स्वतन्त्रता सेनानी हैं।

दान एवं कीर्ति के क्षेत्र में भी इस गाँव के लोग काफी बढ़े-चढ़े हैं। गाँव का मध्यविद्यालय यहाँ ग्रामीणों की दानशीलता एवं कीर्ति-प्रियता का उदाहरण है। इधर इस गाँव के सर्वाधिक सम्पन्न एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों में अग्रगण्य श्री गीता प्रसाद सिंह जी ने आधुनिक सुविधाओं वाला एक अस्पताल खोलने की घोषणा की है।

धर्म, अध्यात्म एवं परोपकार के क्षेत्र में स्व० श्री महताव सिंह जी का नाम उल्लेखनीय है। इनकी धर्मपरायणता एवं परोपकारिता सुप्रसिद्ध हैं। गाँव में

Scanned by CamScanner

एक प्राचीन टीला है जिसपर 'सती माँ' का स्थान है जिनपर ग्रामीणों की अपार श्रद्धा है।

सर्वश्री यमुना प्रसाद सिंह, जयदेव प्र० सिंह, परमेश्वरी सिंह (अमीन साहेब) राजावली प्र० सिंह आदि वर्त्तमान समय में इस गाँव की सर्वतोमुखी प्रगति के लिए प्रयत्नरत हैं। इन महानुभावों के सत्प्रयत्नों से इस गाँव की उत्तरोत्तर एवं बहुमुखी प्रगति की आशा दृढ़ से दृढ़तर होती जा रही है।

३. बरैपुरा

बरैपुरा ग्राम वीरपुर ग्रामपंचायत के अन्तर्गत है। इसके उत्तर-पश्चिम और दक्षिण में बलान नदी बहती है और पूरब में वीरपुर ग्राम है। इस ग्राम के एक पोखरे से बहुत पहले काली की एक मूर्ति प्राप्त हुई थी। आज वहाँ काली मंदिर है और श्रद्धालु भक्त तरह-तरह की मनौतियाँ मानते हैं और मनोकामना पूर्ण होने पर पशुबलि देते हैं।

इस ग्राम के बीजपुरुष स्व० श्री नीलकंठ मिश्र (जो खुटहाडीह से आकर डीह पर बसे) के सुपुत्र श्री इन्द्रजीत मिश्र थे। ये संवत् १७६४ में इस ग्राम में आकर बसे। इनके सुपुत्र श्री चतुर्भुज राय बरैपुरा में ही रहे और अन्य भाई वीरपुर एवं सिकरहुला ग्राम में बसे। इन्हीं श्री चतुर्भुज राय की चौथी पीढ़ी में केहरि सिंह, जो संभवतया केसरी सिंह का अवशिष्ट रूप है, हुए। ये बड़े प्रखर पुरुष हुए जिनके नाम पर आज भी बलान नदी के किनारे केहरि स्थान नामक जगह है। ये सिंह से द्वन्द्व में विजयी होकर उसके साथ ही वीरगति को प्राप्त हुए।

इनकी आठवी पीढ़ी में महात्मा जगदीप सिंह हुए जिनकी उदारता और दानशीलता आज भी जनश्रुत है। इन्हीं के वंशधर, बाबू दुलार सिंह और केशो सिंह, रामपवित्र सिंह, शिक्षक फुलेना सिंह, कृष्णनंदन सिंह आदि पुरुष हैं जो विभिन्न तरीकों से अपने वंश और ग्राम की सेवा में रत हैं।

४. सिकरहुला

सिकरहुला ग्राम बेगूसराय जिला मुख्यालय से लगभग सत्रह किलोमीटर उत्तर सिउरीघाट से लगभग एक किलोमीटर पश्चिम में अवस्थित है।

इस गाँव के उत्तर में बूढ़ीगंडक, दक्षिण में मौना सरोंजा, पूरब में कोरिया गाँव तथा पश्चिम में भवानंदपुर ग्राम हैं।

Scanned by CamScanner

सिकरहुला ग्राम (राजापुर समेत) की जनसंख्या लगभग दो हजार है जिसमें सुरगणै मूल के भूमिहार ब्राह्मणों की संख्या लगभग २२५ है।

सिकरहुला ग्राम का रकवा लगभग ६०० बीघा है। मलकी परगना होने के कारण यहाँ ५।।।० का लग्गा प्रचलित है। गाँव की भूमि का स्वामित्व मुख्यतया सुरगणै मूल के भूमिहार ब्राह्मणों के पास है।

इस ग्राम का नाम सिकरहुला क्यों और कैसे पड़ा इस सम्बन्ध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है और न कोई जनश्रुति ही पायी जाती है। फिर भी जो सूचनाएँ मिलती हैं उनसे पता चलता है कि श्री देवकिशुन राय डीहपर से सिकरहुला आए। इन्हीं के वंशज श्री भेषधारी राय या सिंह के वंश-वृक्ष का सर्वाधिक विस्तार हुआ।

श्री भेषधारी सिंह के परिवार के सभी बालिग सदस्य उनकी बाल्यावस्था में ही दिवंगत हो गये। बालक भेषधारी सिंह विरक्त होकर सहरसा स्थित बनगाँव मेहसी के सिद्ध साधक बाबा लक्ष्मीनाथ गुसाईं की सेवा में संलग्न हो गये। बाद में बाबा ने निवृत्ति का जीवन उनके भाग्य में नहीं है, यह कहकर उन्हें चिह्न स्वरूप एक लाठी दी और वापस भेज दिया।

घर आकर श्री भेषधारी सिंह ने गृहस्थ जीवन व्यतीत किया। १८०० बीघे जमीन और जमींदारी हासिल की। फिर भी वे विदेह की तरह आजीवन मिट्टी के घर में सादगी से रहे।

इन्हीं भेषधारी सिंह के सुपुत्र श्री रामरक्षा सिंह जी हुए। ये बहुत ही योग्य और प्रखर पुरुष थे। उन्होंने गाँव में एक शिवालय, दस लाख ईंटों की अपनी हवेली एवं कई कुओं आदि का निर्माण करवाया। आपने मंझौल कोठी के अंग्रेज साहेब की जायदाद नीलाम करवा कर उसे नीचा दिखाया।

इसी ग्राम के श्री यदुनन्दन प्रसाद सिंह उर्फ केशो बाबू की इस इलाके में काफी प्रतिष्ठा थी। इन्हें लोग महात्मा जी के नाम से भी जानते थे। कला, संस्कृत साहित्य एवं अध्यात्म में इनकी गहरी अभिरुचि थी।

इस ग्राम के वर्त्तमानकालीन मुख्य व्यक्तियों में असेसर श्री वासुदेव सिंह, श्री विश्वनाथ प्रसाद सिंह, कोषाध्यक्ष, सुरगणैवंश इतिहास लेखन समिति एवं श्री रामसरोबर प्रसाद सिंह, अध्यक्ष जिला पंचायत परिषद् के नाम उल्लेखनीय हैं।

●

Scanned by CamScanner

५. वीरपुर

यह ग्राम बेगूसराय—संजात पक्की सड़क पर बेगूसराय से बारहवें किलोमीटर पर अवस्थित है। इसके उत्तर-पश्चिम में बलान नदी, पूरब में खैय-कुरनमा नाला एवं दक्षिण में मुरादपुर ग्राम है।

किंवदंती है कि यहाँ ग्यारहवी शताब्दी में किन्हीं वीरसिंह नामक सामंत का गढ़ था। आज भी गाँव के पश्चिम बलान नदी के किनारे मिट्टी का वह ऊँचा टीला अवस्थित है जिसे लोग गढ़ कहते हैं।

अब यह शोध का विषय है कि इस ग्राम का नाम वीरपुर उन सामंत वीरसिंह जी से संबद्ध है अथवा इस ग्राम में सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों के बीज-पुरुष श्री जयकृष्ण राय के खुटहा निवासी पूर्व पुरुष (प्रपितामह) श्री वीरमिश्र जी से।

इसमें संदेह नहीं कि इस ग्राम की ऐतिहासिक धरोहर अत्यंत समृद्ध है। इस कथन का आधार धारणा या किंबदंती नहीं, तथ्य है। गाँव के पश्चिम में स्थित एक पोखरे की सफाई करते समय सन् १९५८ ई० के मई माह मे बसहा, विष्णु, नृत्य मुद्रा में गणेश, नरसिंह, दुर्गा, सूर्य, नवग्रह आदि मूर्तियाँ मिली। ये मूर्तियाँ अभग्न अवस्था में प्राप्त हुईं।

प्रसिद्ध इतिहासकार एवं पुराविद् डॉ० राधाकृष्ण चौधरी के अनुसार ये मूर्तियाँ पाल वंश के समय की हैं और इनका समय दसवीं-ग्यारहवीं शताब्दी निर्धारित किया जा सकता है।

जहाँ तक इस ग्राम के बहुमुखी विकास में सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों के योगदान का प्रश्न है, इस संबंध में इतना ही कहना काफी होगा कि यह सारा का सारा योगदान जीवन्त स्मारकों के रूप में खड़ा है और किसी विवरण का मोहताज नहीं है। इस ग्राम के भौतिक और आध्यात्मिक दोनों ही प्रकार के उत्थान में हमारा योगदान निर्विवाद है।

स्व० श्री सोना प्र० सिंह जी द्वारा स्थापित ठाकुरबाड़ी और शिवालय उन्हीं के भ्राता स्व० श्री भागवत प्र० सिंह जी द्वारा स्थापित मध्य विद्यालय, स्व० श्री सोना प्र० सिंह के यशस्वी पुत्र स्व० श्री महेश्वर प्र० सिंह द्वारा स्थापित पुस्तकालय एवं स्व० श्री बैद्यनाथ प्र० सिंह द्वारा स्थापित उच्च विद्यालय एवं ग्राम के पश्चिम स्थित महीनाथ स्थान घाट पर स्व० श्री महावीर प्र० सिंह जी द्वारा स्थापित शिवालय—ये कृतियाँ इस गाँव के भौतिक व आध्यात्मिक उत्थान में सुरगणै लोगों के योगदान की स्मारिकाएँ हैं।

Scanned by CamScanner

इस सिलसिले में वर्त्तमान मुखिया प्रमुख एवं समाजसेवी श्री शिवदानी प्र० सिंह का नामोल्लेख आवश्यक है। इनके प्रयत्नों के फलस्वरूप विवादग्रस्त बेगूसराय-संजात सड़क का वीरपुर तक निर्माण और रख रखाव सम्भव हो सका है। गाँव के बीच पक्की सड़क, बैंक आदि उनके प्रयत्नों के सुफल हैं जो इस गाँव और इलाके के विकास के आधारस्वरूप हैं।

लगभग दो सौ वर्ष पूर्व इसी वंश के एक वीर पुरुष किशुन बाबा ने अपने जगदर मौजा में एक बाघ से लड़कर उसे मारा मगर स्वयं क्रुद्ध बाघिन का शिकार बन गये। उन्हीं के नाम पर किशुन बाबा स्थान आज भी है।

इस गाँव की आबादी लगभग दस हजार है जिसमें हर वर्ण के लोग हैं। यहाँ एक अच्छा स्थायी बाजार है जो आस-पास की एक लाख आबादी की जरूरतें पूरी करता है। वीरपुर में अंचल और थाना भी प्रस्तावित हैं।

६. बेलछी

यह ग्राम थाना अरियरी, जि० मुंगेर में किउल-गया लाईन के किनारे अवस्थित है। इस गाँव के उत्तर में एक सोता है, दक्षिण में कर्कि, पूरब में कोड़िघरी नदी तथा पश्चिम में एक कच्ची सड़क है, जो शेखपुरा से कसाड़ तक गयी है।

इस ग्राम में सभी वर्णों के लोग शांतिपूर्वक रहते हैं—प्रधानता भूमिहार एवं अन्य ब्राह्मणों की है। जीविका का मुख्य साधन खेती ही है, कुछ लोग सरकारी सेवाओं एवं व्यापार में भी हैं। यहाँ के अधिकांश लोग वैष्णव हैं एवं रामानुजी संप्रदाय के मानने वाले हैं। यहाँ कई देवालय, एक मध्यविद्यालय, एक उच्च विद्यालय भी है।

श्री मथुरा सिंह, श्री राम सिंह, श्री यमुना सिंह, श्री श्यामनारायण सिंह, श्री भासो सिंह, श्री सातो सिंह, श्री राजेन्द्र सिंह एवं श्री जयसिंह आदि इस गांव के प्रमुख व्यक्ति हैं।

७. मुंगेर बाजार

यहाँ खुटहाडीह (आठ घर) के वुद्धू मिश्र के पौत्र और सियाशरण मिश्र के पुत्र श्री दशरथ मिश्र (वकील साहेब) आकर बसे।

दशरथ मिश्र के दो पुत्र—परमानंद मिश्र और भोला मिश्र हुए।

Scanned by CamScanner

८. मालीचक

मालीचक ग्राम के उत्तर में पैन और दक्षिण में चैनपुरा बस्ती, पूरब में टाटी नदी तथा पश्चिम में मोहूवनी चीनी मिल है।

इस ग्राम में सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों के वीजपुरुष श्री कोकिल मिश्र जी लगभग सौ वर्ष पूर्व पधारे थे। आज उनके वंशज लगभग दो सौ परिवार हैं।

अधिकांश लोगों का मुख्य पेशा खेती है, मुख्य उपज धान है और जमीन उर्वर है। यहाँ के कुछ लोग व्यवसायी और कुछ सरकारी सेवक यथा—डॉक्टर, शिक्षक, आपरेटर आदि हैं। यहाँ एक शिवालय, एक अपर प्राईमरी स्कूल है एवं यहाँ के प्रमुख व्यक्ति सर्वश्री रावो सिंह, किशुन सिंह, रामवृक्ष सिंह आदि हैं।

●

९. बीहट

यह ग्राम बेगूसराय जिले का मशहूर ग्राम है। यह राष्ट्रीय उच्चपथ पर अवस्थित है। यह गाँव अपनी राजनैतिक चेतना एवं गर्म खून के लिए प्रसिद्ध है।

यहाँ सवौरा ग्राम के मोहन सिंह के प्रपौत्र भोला सिंह जी अपने ननिहाल में बसे।

—वंशवृक्ष—

सवौरा के नेमधारी सिंह के पौत्र और केशो सिंह के पुत्र भोला सिंह, इनके पुत्र रामाश्रय सिंह, इनके दो पुत्र रंजीत सिंह और चंद्रमणि सिंह।

●

१०. पैन

इस गाँव का नाम कस्तूरीपुर पैन है एवं बरबीघा शेखपुरा रोड से एक मील दक्षिण अवस्थित है। इसके पूरब में डिहरी ग्राम, पश्चिम में इस्माईलपुर, उत्तर में नेमदारगंज तथा दक्षिण में पथकैरा ग्राम है। गाँव चारों ओर से संकरी और टाटी नदियों से घिरा है। इस ग्राम से दक्षिण और पूरब की ओर छोटी-छोटी पहाड़ियाँ हैं। इनके कारण इस गाँव की प्राकृतिक छटा मनोरम हो जाती है।

यहाँ के लोगों की जीविका का मुख्य आधार कृषि है एवं मुख्य फसल धान। रब्बी की खेती भी होती है।

Scanned by CamScanner

गाँव में शिव एवं भगवती के मंदिर हैं। लोग धर्मपरायण हैं। रामलीला आदि का आयोजन होता रहता है। यहाँ बहुत दिनों से एक जनता पुस्तकालय अस्तित्व में है जिसका उद्‌घाटन बाबू श्री कृष्ण सिंहजी ने किया था। गाँव में एक अपर प्राईमरी एवं एक मिड्‌ल स्कूल हैं।

११. बड़हिया ईंगलिश

इस ग्राम के उत्तर में पंचमहला, दक्षिण में इन्दुपुर, पूरब में जैतपुर तथा पश्चिम में टालपूरा हरिहर नदी है। इस ग्राम का क्षेत्रफल ८४००० बीघा है एवं आवादी लगभग २२००० है, मगर इसमें हमारे सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों की संख्या अत्यल्प है।

यहाँ खुटहा चेतन टोला से श्री बाबू धाना सिंह आये थे। इनके एक पुत्र श्री रामेश्वर प्रसाद सिंह। रामेश्वर प्र० सिंह के पांच पुत्र—१. श्री रघुवंशमणि सिंह २. श्री अवधेश प्र० सिंह ३. श्री सुराज प्र० सिंह ४. श्री सुरेन्द्र प्र० सिंह ५. श्री महेन्द्र प्र० सिंह।

श्री रघुवंशमणि प्र० सिंह के, तीन पुत्र—१. राजेन्द्र प्र० २. कन्हैया प्र० ३. दीपक कुमार।

श्री अवधेश प्र० सिंह के एक पुत्र—श्री गोपाल प्र० सिंह।

१२. धांधर

यह ग्राम गया जिले के अंचल सह थाना—वजीरगंज में पड़ता है। इस गांव का रकवा करीब छः सौ एकड़ है। इस गाँव में पढ़े लिखे लोगों की पर्याप्त संख्या है। बहुत से लोग सरकारी सेवक हैं। ग्राम में एक "भूमिहार नवयुवक संघ" नामक एक सांस्कृतिक संस्था भी है। यहाँ सुरगणै भूमिहार ब्राह्मण खटहा से आए थे।

१३. जगतपुर

गया जिले के अतरी थानान्तर्गत यह ग्राम है। इसके उत्तर में करमचक, दक्षिण में जमुआवाँ, पूरब में बैकुण्ठपुर एवं पश्चिम में धांधर ग्राम है।

इस गाँव का रकवा लगभग तीन सौ एकड़ एवं आबादी लगभग पाँच सौ है। यहाँ सिर्फ सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों की संख्या है। इनके अतिरिक्त अन्य वर्णों के लोग हैं। इस गाँव में एक माध्यमिक विद्यालय है।

Scanned by CamScanner

१४. बारत

नवादा जिले के नरहट अंचलान्तर्गत यह ग्राम है। इसके उत्तर में वैजनाथपुर ...ग में सहवाजपुर, पूरब में दौलतपुर एवं पश्चिम में कठघरा ग्राम हैं। इस ...च सौ घरों की वस्ती में सुरगणै भूमिहार ब्राह्मण मात्र दो घर हैं। इसके निकट ...ी एक टाल है जहाँ जनश्रुति के अनुसार वाल्मीकि मुनि का आश्रम था।

१५. रामीबिगहा

यह ग्राम नालंदा जिलान्तर्गत है। ये खुटहा से आए हैं और बाबू बोतल मिश्र के (मंशाबाबा टोला) वंशज है। पटने का अशोक सिनेमा इन्हीं का है।

—वंशावली—

स्व० बाबू जद्दू सिंह के दो पुत्र—रामबहादुर सिंह और एदल सिंह। ...ामवहादुर सिंह नावल्द। एदल सिंह के पुत्र कृष्णवल्लभ प्र० ना० सिंह। इनके दो पुत्र—ओमप्रकाश ना० सिंह और श्री प्रकाश ना० सिंह। ओम प्रकाश ना० सिंह के पुत्र—आनंद प्रकाश। श्री प्रकाश ना० सिंह के पुत्र—ज्ञानप्रकाश और ज्योतिप्रकाश।

१६. कठघरा

यह ग्राम नवादा जिले के अंचल सह थाना नरहट में है। इसके उत्तर में रघुनाथपुर मिल्की, दक्षिण में मसमौर, पूरब में सहवाजपुर एवं रसलपुर तथा पश्चिम में अरंडीह है।

इस ग्राम में लगभग सत्तर घर हैं जिनमें पचपन घर सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों के हैं। इस ग्राम में 'सीतामढ़ी' नामक एक स्थान है। यहाँ प्रतिवर्ष अगहन पूर्णिमा के शुभ अवसर पर आठ दिनों का मेला लगता है। इस 'सीतामढ़ी' के सम्बन्ध में प्रसिद्ध अंग्रेज शोधकर्त्ता डा० जॉर्ज ग्रियर्सन ने १८८२ ई० में प्रकाशित अपनी पुस्तक में लिखा कि—यहीं पर निर्वासिता सीता ने अपने पुत्र लव को जन्म दिया। इस ग्राम से लगभग दो मील उत्तर बारत ग्राम में वाल्मीकि आश्रम है। यहाँ सुरगणै भूमिहार ब्राह्मण खुटहा से आए।

Scanned by CamScanner

१७. मायापुर

यह ग्राम गया जिले के वजीरगंज थाने में है। इसके उत्तर में मकदुमपुर, दक्षिण में डुमरावाँ, पूरब में तरवाँ और पश्चिम में दयालचक बनिया ग्राम हैं। यहाँ की कुल आबादी लगभग एक हजार है। यहाँ सुरगणे भूमिहार ब्राह्मणों के बीजपुरुष श्री बहोर मिश्र खुटहा माधो सिंह पट्टी करीब सवा दो सौ वर्ष पूर्व आए थे।

१८. रामे

नवादा जिले के हसुआ थानान्तर्गत यह ग्राम है। इसके उत्तर में पड़ड़िया दक्षिण में मियां बिगहा, पूरब में कछुआरा एवं पश्चिम में नारदी दरियापुर। यहाँ की आबादी लगभग अढ़ाई हजार हैं। भूमिहार ब्राह्मण लगभग पचास घर हैं। इस गाँव के उत्तर से नवादा-राजकृष्ण रोड गुजरी है। सुरगणे भूमिहार सिर्फ एक परिवार यदुनंदन सिंह का है। ये खुटहा से आदमपुर और फिर आदमपुर से यहाँ आए।

१९. पड़ड़िया

यह ग्राम नवादा जिले के हँसुआ थाने में है। इसके उत्तर में ननौरा, दक्षिण में रामे, पूरब में परमा एवं खुशयाल बीघा, पश्चिम में नारवीगंज ग्राम है। यहाँ सुरगणे भूमिहार ब्राह्मण दस घर हैं। इस ग्राम का कुल रकवा लगभग एक हजार बीघे है।

२०. ओलीपुर

यह ग्राम मुंगेर जिले के जमालपुर थाने में अवस्थित है। इस ग्राम के उत्तर में टोला ओलीपुर, दक्षिण में इन्दरूख, पूरब में जमालपुर कारखाना एवं पश्चिम में धनहर है। इस गाँव की आबादी एक हजार एवं रकवा एक हजार एकड़ के लगभग है। सुरगणे भूमिहार ब्राह्मण सिर्फ दो घर हैं।

Scanned by CamScanner

२१. महादेवपुर

यह ग्राम भागलपुर जिले के अमरपुर थाने में अवस्थित है। इसके उत्तर में चरौत, दक्षिण में ननाईचक, पूरब में गोपालपुर एवं पश्चिम में वेलासी नदी है। इस गाँव की कुल आबादी पाँच हजार एवं सुरगणै भूमिहार ब्राह्मण सिर्फ चार घर हैं। सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों ने यहाँ पक्की सड़क के किनारे एक 'चतुर्वेदी आश्रम' बनाया है।

२२. खोजागाछी

खोजागाछी ग्राम मुंगेर जिले के बरबीघा थाने में है। इसके उत्तर में रामपुर सिंडाय, दक्षिण में सामसरवूर्द एवं दरियाचक, पूरब में रजौरा एवं पश्चिम में मथुरापुर ग्राम हैं। यहाँ सुरगणै भूमिहार ब्राह्मण चौरासी घर के लगभग हैं। जिस स्थान पर यह गाँव स्थित है वहाँ पहले ५१ बीघे की गाछी थी। खुटहा निवासी श्री लालमन सिंह (नरसिंह पट्टी) जी की शादी खेतलपुरा में हुई थी। उनकी पत्नी को खोंईछा में यह गाछी मिली थी। इसी खोंईछागाछी से यह खोजागाछी हो गया।

२३. काशीबिगहा

मुंगेर जिले के बरबीघा थाने में यह ग्राम अवस्थित है। इसके उत्तर में ननौर एवं खानपुर, दक्षिण में तेउस, पूरब में कन्हौली एवं पश्चिम में लोदीपुर हैं। यहाँ सुरगणै भूमिहार ब्राह्मण सिर्फ दो घर हैं। सर्वप्रथम १९५२ ई० में श्री मिश्री सिंह खुटहा नरसिंह बाबा पट्टी से यहाँ अपने ससुराल में बसे थे।

२४. नीरपुर

नालंदा जिले के अस्थावां थाने में यह ग्राम अवस्थित है। मुसलमानी शासन में किन्हीं नूरमियाँ के नाम पर नूरपुर फिर कालांतर में नीरपुर हो गया। इस गाँव के उत्तर में जिरायन नदी, दक्षिण मे कुमरी नदी, पूरब में छत्तरपुर ग्राम तथा पश्चिम में खालसा ग्राम हैं। यहाँ सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों की संख्या लगभग पचास है। यहाँ खुटहा निवासी श्री नमन सिंह (शिव बाबा पट्टी) सर्वप्रथम आकर बसे।

Scanned by CamScanner

२५. खलीलचक

मुंगेर जिले के बरबीघा थाने में अवस्थित इस ग्राम का नाम मुगलकालीन किन्हीं खलीलुद्दीन साहब के नाम पर पड़ा है। इसके उत्तर में खोजागाछी, दक्षिण में ओनामाँ, पूरब में मालदह तथा पश्चिम में सामरू हैं।

इस ग्राम में सुरगणै भूमिहार ब्राह्मण पच्चीस घर के लगभग हैं। गाँव में एक प्राइमरी विद्यालय है। गाँव के दक्षिण से पक्की सड़क गुजरी है।

२६. बालगुदर

मुंगेर जिले के लखीसराय सदर थानान्तर्गत यह गाँव है। इस ग्राम की जनसंख्या लगभग छः हजार है। इस ग्राम के उत्तर में हरिहर नदी, दक्षिण में पक्की सड़क, पूरब में कंचनेश्वर महादेव का मंदिर एवं पश्चिम में यतकया रेलवे स्टेशन है। सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों की संख्या लगभग बीस घर है।

२७. प्रतापपुर

यह गाँव बड़हिया प्रखंडान्तर्गत है। इस ग्राम की जनसंख्या लगभग सोलह सौ एवं रकबा लगभग तीन सौ बीघे हैं। ग्राम के उत्तर में जैतपुर ग्राम का बगीचा, दक्षिण में रेलवे लाइन, पूरब में पहाड़पुर ग्राम एवं पश्चिम में डुमरी ग्राम हैं। इस ग्राम में महंथ जी का एक दातव्य औषधालय है।

—वंशवृक्ष—

गरीबदास—के पुत्र नेम सिंह, इनके पुत्र नौरंगी सिंह, इनके पुत्र बिम्बकरेश सिंह।

नारायण दास—के पुत्र कमलनयन सिंह इनके पुत्र राघो सिंह इनके पुत्र—जोगो सिंह, नंदकिशोर सिंह, सुरेश सिंह, सुरेश सिंह के पुत्र—पिन्टू।

२८. डुमरी

यह ग्राम मुंगेर जिले के बड़हिया प्रखंड में है। इसके उत्तर में बंडर नदी, दक्षिण में हरिहर नदी, पूरब में सड़क एवं पश्चिम में जखौरा, ग्राम है। यहाँ की आबादी लगभग तीन हजार है। रकबा बारह सौ बीघा। सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों की संख्या लगभग पचास हैं। यहाँ लगभग सौ वर्ष पूर्व खुटहा से बाबू रामसहाय सिंह आकर बसे थे।

Scanned by CamScanner

२९. डिहरी

इस ग्राम के पश्चिम तथा उत्तर सकरी नदी तथा पूरब और दक्षिण की ओर टाटी नदी बहती है।

इस गाँव में सुरगणै वंश के बीज पुरुष श्री लक्षण मिश्र जी थे जो आजमपुर से लगभग तीन सौ वर्ष पूर्व यहाँ आए और एक महात्मा जी के आदेश और आशीर्वाद से गाँव में एक ऊँची जगह पर बस गये। संभवतः इसी कारण इस बस्ती का डिहरी नाम पड़ा। आज इस गाँव में उन बीजपुरुष की पंद्रहीं-सोलहवीं पीढ़ी निवास कर रही है और इनकी संख्या एक हजार के लगभग है।

लोगों का मुख्य पेशा खेती एवं मुख्य उपज धान है। कुछ लोग सरकारी सेवक यथा—डाक्टर, इन्जीनियर, शिक्षक आदि हैं। गाँव में एक मिड्ल स्कूल एवं एक पुस्तकालय भी है।

सर्व श्री कारू मिश्र, रामरक्षा मिश्र, सुखदेव मिश्र, सुरदेव मिश्र, शिवदानी मिश्र, शिवनंदन मिश्र, मुन्द्रिका मिश्र, रामविलास मिश्र, श्री छत्रधारी मिश्र आदि ग्राम के प्रमुख लोग हैं।

३०. चौकी

इस ग्राम के उत्तर में बालगुदर, दक्षिण में—रेलवे लाईन, पूरब में धर्मराय चक एवं पश्चिम में रेलवे लाईन।

यहाँ श्री बनारसी प्र० सिंह खुटहा डीह से आए। इनके दो पुत्र—१. श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह, २, श्री कृष्णनंदन प्रसाद सिंह, कृष्णनंदन प्र० सिंह को एक पुत्र—श्री रामानंद प्रसाद सिंह।

३१. अभयपुर

इस ग्राम का नाम अभयनाथ नामक एक गोस्वामी जी के नाम पर है। बस्ती के उत्तर में रेलवे लाईन, दक्षिण तरफ एक पहाड़, पूरब में बसौनी मौजा एवं पश्चिम में अभयपुर रेलवे स्टेशन है।

पहाड़ और झरनों के कारण इस ग्राम की प्राकृतिक शोभा काफी मनोरम है। यहाँ की भी मुख्य फसल धान ही है। कुछ लोग वकील, शिक्षक, रेल कर्मचारी आदि भी हैं।

Scanned by CamScanner

गाँव में मंदिर, ठाकुरवाड़ी, शिवालय, हाईस्कूल, मिड्ल स्कूल, प्राईमरी स्कूल, पुस्तकालय आदि अस्तित्व में हैं। एक अस्पताल भी है। इस गाँव के मध्यटोले में सुरगणै भूमिहार ब्राह्मण रहते हैं जिनकी संख्या २०० के लगभग है।

३२. अरई

इस ग्राम के उत्तर में राजगीर से तपोवन को जोड़ने वाली पहाड़ी, दक्षिण में खेवतर, पूरब में ग्राम सारसू एवं पश्चिम में वासर फीरोजपुर ग्राम अवस्थित हैं।

भगवान बुद्ध की तपस्या स्थली तपोवन एवं राजगीर यहाँ से अत्यंत निकट हैं। यह ग्राम गया जिले के अतरी थाने में पड़ता है। इसकी आवादी लगभग डेढ़ हजार है। सुरगणै वंश के श्री वालदेव मिश्र जी बारह-चौदह वर्षों से ग्राम के मुखिया हैं। यहाँ के वीस प्रतिशत लोग सरकारी सेवाओं में हैं।

३३. एरूरी

यह ग्राम नवादा जिले के अंचल-सह-थाना पकरीबरावाँ में अवस्थित है। इसके उत्तर में बलियारी खुपुरा, दक्षिण में रोह एवं वनवास, पूरब में असमाँ एवं बुधौली तथा पश्चिम में मोरवाँ एवं सम्हरी ग्राम हैं। यह एक प्राचीन तथा समृद्ध जमींदारी ग्राम है। यहाँ बहुत पहले से एक संस्कृत विद्यालय एवं आजकल मध्यविद्यालय अस्तित्व में है।

इस गाँव की जनसंख्या लगभग अढ़ाई हजार एवं क्षेत्रफल चार हजार बीघे हैं। यहाँ तीस परिवार भूमिहार ब्राह्मण हैं। इस बस्ती में पढ़े लिखे लोगों की पर्याप्त संख्या है जिसमें शिक्षक, प्राध्यापक कारखाना-कर्मी आदि हैं। कुछ कलाकार एवं अभियंता भी हैं।

इस ग्राम में खुटहाडीह से बाबू मित्तन सिंह जी आए थे। उनके दो पुत्र—१-छकौड़ी सिंह एवं २. जगदीश सिंह। छकौरी सिंह के दो पुत्र—भत्तू सिंह एवं बुद्धन सिंह। भत्तू सिंह के तीन पुत्र—हरिहर सिंह, रामधनी सिंह एवं परमेश्वरी सिंह। हरिहर सिह के दो पुत्र—महेश्वर सिंह, राजेन्द्र सिंह। महेश्वर सिंह के एक पुत्र—कांता सिंह। श्री रामधनी सिंह के तीन पुत्र—यमुना सिंह, महेन्द्र सिंह एवं चन्द्रभूषण सिंह। परमेश्वरी सिंह के पाँच पुत्र—अर्जुन सिंह, विमल सिंह, शैलेन्द्र सिंह, सत्येन्द्र सिंह एवं भोला सिंह। अर्जुन सिंह के दो पुत्र—अशोक कुमार एवं दिलीप कुमार। श्री रामधनी सिह के सुपुत्र श्री यमुना सिंह के

Scanned by CamScanner

एक पुत्र-चन्द्रशेखर सिंह। श्री मित्तन सिंह के छोटे पुत्र श्री जगदीश सिंह के दो पुत्र—दुर्गा सिंह एवं पुनीत सिंह।

३४. रेवार

यह ग्राम नवादा जिले के पकड़ी-बरावाँ अंचल-सह-थाने में है। इसके उत्तर में पकड़ी-बरावाँ, दक्षिण में बलियार, पूरब में बुधन बिगहा एवं पश्चिम में बलिहारीपुर है। यह भी प्राचीन एवं जमींदारी गाँव है।

आबादी लगभग ११०० है। यहाँ सुरगणे भूमिहार ब्राह्मणों के बीस घर हैं। यहाँ सुशिक्षित लोगों की अच्छी संख्या है। इस गाँव में देवालय, तालाब आदि हैं।

३५. गोयठाडीह

यह गाँव नवादा जिलान्तर्गत गोविन्दपुर थाने में अवस्थित है। इसके उत्तर में समरैठा, दक्षिण में सीतापुर, पूरब में रोह एवं पश्चिम में मरूई है। यहाँ की जनसंख्या लगभग एक हजार एवं क्षेत्रफल पाँच सौ एकड़ है। इस ग्राम में सुरगणे भूमिहार ब्राह्मण दस घर हैं। इस गाँव में एक पुस्तकालय-सह-वाचनालय है एवं पक्की सड़क के किनारे अवस्थित होने से यातायात सुलभ हैं।

—वंशवृक्ष—

पूर्वपुरुष—उमर सिंह, लालजीत सिंह, फिरन सिंह। उमर सिंह के एक पुत्र—लोभी सिंह, इनके छः पुत्र—वन्धु सिंह, माँगो सिंह, सोमर सिंह, माधो सिंह, दासो सिंह और फिरो सिंह। वन्धू सिंह के एक पुत्र—मुन्शी सिंह। मुन्शी सिंह के तीन पुत्र—चन्दर सिंह, कालेश्वर सिंह और जंगबहादुर सिंह। माँगों सिंह को एक पुत्र— केशो सिंह। केशो सिंह के दो पुत्र—राम प्रकाश सिंह और शिवनन्दन सिंह। रामप्रकाश सिंह के एक पुत्र—अरविन्द कुमार।

सोमर सिंह निःसंतान

माधो सिंह को एक पुत्र—ब्रह्मदेव सिंह। ब्रह्मदेव सिंह को दो पुत्र—गया सिंह और कृष्णवल्लभ सिंह। गया सिंह को दो पुत्र—रविभूषण सिंह और पप्पू कुमार। कृष्णवल्लभ सिंह को दो पुत्र—पवन कुमार, विपिन कुमार। माधो सिंह के दूसरे पुत्र शाहो सिंह—निःसंतान। माधो सिंह के तीसरे पुत्र विन्दो सिंह।

Scanned by CamScanner

विन्दो सिंह के तीन पुत्र—नंदकिशोर सिंह, सुरेश सिंह और मदन सिंह। नंदकिशोर सिंह के दो पुत्र—चंद्रशेखर सिंह एवं वीरेन्द्र कुमार। सुरेश सिंह को दो पुत्र—लखन कुमार और विपिन कुमार।

लोभी सिंह के पाँचवें पुत्र दासो सिंह को तीन पुत्र—जागो सिंह, यमुना सिंह और रामू सिंह।

जागो सिंह, को चार पुत्र—सरयुग सिंह, रामरक्षा सिंह, नरेश सिंह और रामवृक्ष सिंह।

सरयुग सिंह को तीन पुत्र—वीरेन्द्र कुमार, कार्या सिंह और रवीन्द्र सिंह।

यमुना सिंह को एक पुत्र—अवध किशोर सिंह

दासो सिंह के तीसरे पुत्र रामू सिंह निः संतान।

लोभी सिंह के छठे पुत्र—फीगो सिंह को एक पुत्र—हरिहर सिंह

हरिहर सिंह को सात पुत्र—रामौतार सिंह, रामाधीन सिंह, अवधकिशोर सिंह, राजेन्द्र सिंह, गुणेश्वर सिंह, शंभूशरण सिंह, और अंजू कुमार सिंह।

रामौतार सिंह को दो पुत्र—वाल्मीकि सिंह और छोटे कुमार रामाधीन सिंह को एवं पुत्र—अशोक कुमार।

अवधकिशोर सिंह को एक पुत्र—परशुराम सिंह

लालजित सिंह—के एक पुत्र—अकल सिंह। इनके दो पुत्र—प्रयाग सिंह गरभू सिंह। प्रयाग सिंह के एक पुत्र—मथुरा सिंह। गरभू सिंह के एक पुत्र मधुसूदन सिंह।

किरन सिंह के एक पुत्र—बावन सिंह। इनके एक पुत्र कामेश्वर सिंह।

३६. धनवारा

यह ग्राम नवादा जिले के अकबरपुर थाने में पड़ता है। इसके उत्तर मे लखमोहना, दक्षिण में महेशडीह, पूरब में सकरी नदी एवं पश्चिम मे सुपौल है। यहाँ की जनसंख्या लगभग साढ़े सात सौ एवं क्षेत्रफल पाँच सौ एकड़ है।

यहाँ एक प्राइमरी स्कूल एवं एक पुस्तकालय है। यहाँ सुरगणै भूमिहार ब्राह्मण चार घर हैं और खुटहाडीह से पधारे हैं।

३७. पावा

यह ग्राम नालंदा जिले के बिहारशरीफ सदर थानान्तर्गत है। इसके उत्तर में हरगावाँ, दक्षिण में दुर्गापुर, पूरब में बेरुआ और पश्चिम में चोरसुआ ग्राम हैं। यहाँ कई वर्णों के लोग निवास करते हैं। सुरगणै भूमिहार ब्राह्मण

Scanned by CamScanner

चार घर ही हैं। यहाँ की मुख्य फसल धान है। गाँव में प्राइमरी से लेकर हाई स्कूल तक की पढ़ाई की व्यवस्था है एवं एक अस्पताल भी है।

यहाँ सुरगणै भूमिहार ब्राह्मण आजमपुर से आकर ससुराली तड़का पर बसे हैं।

—वंशावली—

बीजपुरुष—कोयल सिंह, इनके दो सुपुत्र-सर्वश्री मोदी सिंह एवं मूंजा सिंह। मोदी सिंह के सुपुत्र श्री जालेश्वर सिंह।

उनके दो सुपुत्र—सर्वश्री जाटो सिंह एवं सुरेन्द्र सिंह

श्री मून्जा सिंह के तीन सुपुत्र—सर्वश्री महेश्वर सिंह, रामचन्द्र सिंह एवं राजेश्वर सिंह। श्री महेश्वर सिंह के तीन सुपुत्र—वाल्मीकि प्र०, बालो प्र० एवं पप्पू।

३८. बाजितपुर

यह गाँव नवादा जिले के पकरी बरावाँ थाना में अवस्थित है। इस गाँव के उत्तर में लोदीपुर, दक्षिण में ओधपुरा, पूरब में धेवधा-छतखार तथा पश्चिम में बलियारी है। इस गाँव की जनसंख्या लगभग पाँच सौ एवं रकवा लगभग ४०० एकड़ है। भूमिहार ब्राह्मणों की संख्या अधिक है। मुख्य फसल धान है। यहाँ के किसानों ने आपसी चकबंदी का लाभदायक उदाहरण पेश किया है। गाँव की बगल से पक्की सड़क गुजरने के कारण यातायात सुगम है गाँव में प्राईमरी पाठशाला एवं पुस्तकालय है। यहाँ खेलकूद एवं मनोरंजन के साधनों से लैस एक क्लब है जिसका नाम—'सुरगणै क्लब' है।

इस गाँव के लोग सरकारी सेवाओ में भी हैं।

३९. बरसा

यह गाँव मुंगेर जिले के अरियरी प्रखंडान्तर्गत है। इसके पूरब में जंगली बीघा, पश्चिम में ओरानी, उत्तर में बजशो बिगहा एवं दक्षिण में सुमका है। यहाँ की आबादी लगभग अढ़ाई हजार एवं रकबा एक हजार एकड़ है। यहाँ सिर्फ सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों की आबादी हैं। इनके अतिरिक्त ब्राह्मण, यादव आदि अन्य वर्णो के लोग हैं।

यहाँ निम्न, मध्य और उच्च विद्यालय हैं। मुखिया श्री केदार सिंह एवं सीताराम सिंह आदि गाँव के प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं।

Scanned by CamScanner

४०. मनिअप्पा

यह ग्राम बेगूसराय जिले में हैं। इसके उत्तर में कोठिया, दक्षिण में बृन्दावन, पूरब में चकौर तथा पश्चिम में विष्णुपुर हैं। सुरगणे भूमिहार, ब्राह्मणों की संख्या बीस के लगभग है।

●

४१. आजमपुर

नवादा जिले के वारसलीगंज थाने में यह ग्राम अवस्थित है। इस गाँव की आवादी चार सौ एवं रकवा तीन सौ एकड़ है। इसके उत्तर में बगवतपुर, दक्षिण में ठेंग, पूरव में थालमोरा तथा पश्चिम में सराय है। इस बस्ती में भूमिहार ब्राह्मणों की प्रमुखता है। मुख्य पेशा—खेती। कुछ सरकारी सेवक भी हैं। गाँव में एक प्राथमिक पाठशाला है।

●

४२. नेवाजगह

नवादा जिले के वारसलीगंज थाने में वारसलीगंज-बरबीघा सड़क पर अवस्थित है। उत्तर में नाकपुर, दक्षिण में शेसुर, पूरब में साम्बे तथा पश्चिम में सोमरी ग्राम हैं। यहाँ की आबादी पाँच सौ के करीब एवं रकबा लगभग चार सौ एकड़ है। यहाँ एक प्राथमिक एवं एक माध्यमिक पाठशाला, पुस्तकालय आदि हैं।

●

४३. करको

यह ग्राम मुंगेर जिले के अरियरी प्रखंडान्तर्गत है। इसके उत्तर में हुसेना, दक्षिण में बेभमान, पूरब में अरियरी तथा पश्चिम में रंकी गाँव है। यहाँ की आवादी २००० एवं रकवा १००० एकड़ हैं। यहाँ सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों की संख्या एक सौ हैं। गाँव में प्राथमिक, मध्य एवं उच्च विद्यालय हैं। गाँव में एक पुस्तकालय भी है।

●

४४. बलियारी

बलियारी ग्राम नवादा जिले के पकरी-बरांवा थाने में है। इसके उत्तर में ठेरा, दक्षिण मे केशोरी, पूरब में देवघा और पश्चिम में मीरचक है। यहाँ की जनसंख्या लगभग दो हजार एवं रकबा लगभग बारह सौ एकड़ है। इस गाँव के

Scanned by CamScanner

उत्तर से वारसलीगंज-पकरीबरावाँ पक्की सड़क गुजरती है। यहाँ आधे से अधिक संख्या सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों की ही है। गाँव में एक पुस्तकालय है। एक नाट्य कला परिषद् भी है। मुख्य पेशा—खेती। हर तरह की फसल उगाई जाती है। कुछ लोग सरकारी सेवक भी हैं।

४५. मालीचक

यह नवादा जिले के वारसलीगंज थाने में है। गाँव की जनसंख्या दो सौ एवं रकवा एक सौ एकड़ है। इसके उत्तर में वारसलीगंज, दक्षिण में चाँदपुरा, पूरब में रबानापुर एवं पश्चिम में स्टेशन है। इस ग्राम में सिर्फ एक परिवार सुरगणै भूमिहार ब्राह्मण हैं।

४६. पंचमहला

इस ग्राम के पूरब में गंगानदी, पश्चिम में रेलवे लाईन, उत्तर में नौरंगा-जलालपुर एवं दक्षिण में बड़हिया है।

यहाँ खुटहा से श्री मंगरू मिश्र ननिहाल में आकर बसे। यहाँ की कुल एक हजार जनसंख्या में सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों की संख्या पचास के करीब है।

४७. औगान

यह ग्राम बलान नदी के पूर्वी किनारे पर अवस्थित है। इसके पूरब में एक चौर है, पश्चिम में बलान नदी है, उत्तर में रसलपुर ग्राम एवं दक्षिण में बनहारा मौजे है। यहाँ की आबादी लगभग डेढ़ हजार एवं रकबा लगभग नौ सौ बीघे है। सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों की संख्या मात्र पच्चीस है।

इस ग्राम में बलैडीह नामक एक ऊँची जगह है; अनुमान किया जाता है कि खुदाई के बाद यहाँ बहुत कुछ उपलब्ध हो सकता है जो पुरातात्विक-दृष्टि से महत्वपूर्ण हो।

Scanned by CamScanner

४८. निपनिया

बेगूसराय जिले के तेघड़ा प्रखंडान्तर्गत यह ग्राम अवस्थित है। इसके उत्तर में बरौनी जंकशन, दक्षिण में बाया नदी, पूरब में सिमरिया ग्राम एवं पश्चिम में बरौनी ग्राम है।

यहाँ खुटहाडीह से आकर श्री बुनियाद सिंह जी ससुराली तड़का पर बसे थे। इस ग्राम की जनसंख्या लगभग पाँच हजार है जिसमें सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों की संख्या लगभग साठ है। इस ग्राम का रकबा करीब दस हजार एकड़ है।

यहाँ उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों की पर्याप्त संख्या है। यहाँ एक 'नाट्यकला परिषद' नामक सांस्कृतिक संस्था है।

४९. हिरदनबीघा

इस ग्राम के पूरब में खुटहा, पश्चिम में चुहरचक, दक्षिण में जैतपुर और उत्तर में इन्दुपुर है। इसकी कुल एक हजार जनसंख्या में सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों की संख्या-पच्चीस के लगभग है। यहाँ के उत्तरवाड़ी टोला में खुटहा के श्री गोनर सिंह घरजँवाई बसे और दक्षिणवाड़ी टोला में वहीं के श्री त्रिलोकी सिंह घरजँवाई बस गये।

५०. जगतपुरा

जगतपुरा ग्राम बेगूसराय जिले के बरौनी प्रखण्ड में पड़ता है। इसके उत्तर में बरौनी तेलशोधक कारखाना, दक्षिण में गंगा नदी, पूरब में रामदीरी ग्राम एवं पश्चिम में बरौनी थर्मल पावर स्टेशन है। इसका रकबा करीब अढ़ाई हजार बीघे हैं और यह पटना तथा मुंगेर, दोनों जिलों में पड़ता है। जनसंख्या डेढ़ हजार के लगभग; सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों की संख्या लगभग पचास है।

५१. सबौरा

यह ग्राम बेगूसराय जिले के बरौनी प्रखण्ड में है। इसके उत्तर में बरौनी तेलशोधक कारखाना, दक्षिण में गुप्ता बांध, पूरब में रुपसपुर एवं केशावे बस्ती तथा पश्चिम में बरौनी उर्वरक कारखाना है। इस गाँव का रकबा करीब तीन हजार बीघे एवं जनसंख्या अढ़ाई हजार है। इस ग्राम में सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों की संख्या सौ के लगभग है।

Scanned by CamScanner

मुख्य पेशा खेती है, कुछ लोग आसपास के कारखाने में नौकरी, ठीकेदारी एवं अन्यान्य व्यवसाय भी करते हैं।

५२. विष्णुपुर

इसके उत्तर में आसाम रोड, दक्षिण में एघु ग्राम, पूरब में वाजितपुर एवं पश्चिम में बेगूसराय शहर है। यहाँ इस क्षेत्र में सुप्रसिद्ध नौलखा मन्दिर है। यहाँ सुरगणै भूमिहार ब्राह्मणों की संख्या लगभग पचास है।

५३. जोकिया

बेगूसराय जिले के भगवानपुर प्रखंड में यह ग्राम अवस्थित है। इसके उत्तर और दक्षिण में बलान नदी, पूरब में तेलहन टोला तथा पश्चिम में चौर है। यहाँ करीब अस्सी साल पहले खुटहा ग्राम से श्री भगवान प्रसाद सिंह अपने ननिहाल में बसे थे।

५४. टेकनपुरा

यह ग्राम बेगूसराय जिले के बखरी प्रखंड में बूढ़ी गंडक नदी के किनारे बसा हुआ है। यहाँ करीब सवा सौ वर्ष पूर्व खुटहा से श्री पंथु मिश्र आकर अपनी ससुराल में बसे थे।

५५. अकबरपुर

इस ग्राम के उत्तर में गंगानदी, दक्षिण में विदुलिया से पूरब में सांमो और पश्चिम में पपुआ हैं। सुरगणै परिवारों की संख्या पैंतीस के लगभग है एवं कुल आबादी चार हजार है। यहाँ उच्च शिक्षाप्राप्त लोगों की संख्या तीस के लगभग है जिनमें इन्जीनियर, प्रोफेसर आदि हैं।

Scanned by CamScanner

५६. महेशपुर

इस ग्राम के पूरब में गंगा नदी, पश्चिम में पीपरदह नाला, उत्तर में सीता-कुन्ड और दक्षिण में बरियारपुर है। यह मुंगेर जिले में है। यहाँ सुरगणे लोगों की संख्या मात्र साठ है। सुरगणे लोगों के बीजपुरुष लगभग अढ़ाई सौ साल पूर्व यहाँ आकर बसे थे। मुख्य पेशा खेती है। पढ़े लिखे एवं सरकारी सेवारत लोगों की भी अच्छी संख्या है। इस गाँव में आज से लगभग अस्सी साल पूर्व पुस्तकालय की स्थापना से यहाँ के निवासियों की शिक्षाप्रियता का पता चलता है। पस्तकालय आज भी अपने भव्य पक्के मकान में संपूर्णता के साथ सुचारु है।

Scanned by CamScanner

भाग–दो

गाँवों की वंशावली

Scanned by CamScanner

१. मेघौल

ग्राम मेघौल, जिला बेगूसराय, थाना खोदा बन्दपुर पोस्ट-मेघौल के निवासी श्री हरिदत्त मिश्र, हरिदत्त मिश्र के चार पुत्र—महाराज रूद्र मिश्र, (वसिन्दे सौरिया पूर्णिया) महाराज फुद मिश्र (मेघौल) महाराज गौण मिश्र (वसिन्दे खुटहा) श्री चैनमिश्र वासिन्दे मराँची बस्ती।

फुद मिश्र के दो पुत्र—वीभ मित्र (वासिन्दे आकोपुर), भगवन्त मिश्र।

भगवन्त मिश्र के दो पुत्र—वशिष्ट मिश्र (वासिन्दे कौरै) व्यास मिश्र।

व्यास मिश्र के पाँच पुत्र—जगरनाथ मिश्र, (गोविन्द मिश्र, प्रयाग मिश्र (वासिन्दे हरख पुरा) हरि मिश्र (वासिन्दे नारायण पीपर) द्वारिका मिश्र (वासिन्दे गोपाल पुर)।

जगरनाथ मिश्र के चार पुत्र—मुआल मिश्र, हेमन्त मिश्र, (लक्षी मिश्र—वासिन्दे मटिहानी) मन्नू मिश्र।

मुआल मिश्र के चार पुत्र—धरनी मिश्र (ना०)। कृपाल मिश्र मन्नू मिश्र। एक भाई मटिहानि लक्ष्मी मिश्र।

कृपाल मिश्र के चार पुत्र—धीरज मिश्र, गुलाब मिश्र, धीर मिश्र, दोमन मिश्र, तीन भाई नाओल्द। (गुलाब, धीर, दोमण) धीरज मिश्र के तीन पुत्र—किशुण मिश्र, शिव मिश्र—नाओल्द, सुन्दर मिश्र। ये श्रृंखला अब भी मराँची गाँव में है।

किशुन मिश्र के एक पुत्र बुद्धसेन मिश्र। बुद्धसेन मिश्र के दो पुत्र (१) महेश मिश्र—नाओल्द (2) श्री बालू मिश्र—इनके वंशज श्री किसान चन्द मिश्र मराँची के वासिन्दे हुए सुन्दर मिश्र के दो पुत्र—प्रेम मिश्र, नाओल्द लक्ष्मी मिश्र।

लक्ष्मी मिश्र के चार पुत्र—कल्याण मिश्र, हरिमिश्र, सूर्यनारायण मिश्र, केशव मिश्र। कल्याण मिश्र के एक पुत्र—अधम मित्र। अधम मिश्र के दो पुत्र—वेचू मिश्र, अनूप मिश्र बेचू मिश्र के एक पुत्र गणेश मिश्र। गणेश मिश्र के एक पुत्र—बालक मिश्र। बालक मिश्र के पुत्र—चंचल मिश्र—नाओल्द।

अनूप मिश्र के एक पुत्र घमंडी मिश्र। घमंडी मिश्र के एक पुत्र—नेहाल मिश्र, नेहाल मिश्र के एक पुत्र वंशी मिश्र—नाओल्द। हरिमिश्र नाओल्द।

Scanned by CamScanner

सूर्य नारायण मिश्र के चार पुत्र—दलेल मिश्र, वदन मिश्र, बहादुर मिश्र, भौनू मिश्र।

केशव मिश्र के एक पुत्र—मंगल मिश्र नाओल्द।

दलेल मिश्र के एक पुत्र आत्मा मिश्र, आत्मा मिश्र के एक पुत्र—मातो मिश्र, मातो मिश्र के छः पुत्र ज्ञान मिश्र, वान मिश्र, जिवराज मिश्र, रन्नू मिश्र, चूआ मिश्र, झमन मिश्र। ज्ञान मिश्र नाओल्द।

वान मिश्र के एक पुत्र, राम सहाय मिश्र राम सहाय मिश्र के एक पुत्र कंत मिश्र—नाओल्द।

जिवराज मिश्र के दो पुत्र राजा मिश्र, जागा मिश्र। राजा मिश्र के एक पुत्र महादेव मिश्र। महादेव मिश्र के दो पुत्र अधिक मिश्र, हरिमिश्र। अधिक मिश्र के तीन पुत्र राम वरण मिश्र, राम रीझन मिश्र, शिवध्यान। राम वरण मिश्र के एक पुत्र राज किशोर मिश्र—

राम रीझन मिश्र के तीन पुत्र जयकृष्ण मिश्र, योगेन्द्र मिश्र, भूपेन्द्र मिश्र।

शिवध्यान मिश्र के चार पुत्र—कल्पू मिश्र, मुल्ला मिश्र, दो बच्चा है।

हरि मिश्र के तीन पुत्र राम प्रकाश मिश्र, जय प्रकाश मिश्र, श्री प्रकाश मिश्र।

राम प्रकाश के तीन पुत्र मोहन, भूषण, विधूभूषण। जय प्रकाश के दो पुत्र बच्चा है।

श्री प्रकाश के एक पुत्र बच्चा है।

जागा मिश्र के एक पुत्र खुसरू मिश्र। खुसरू मिश्र के एक पुत्र—त्रिवेणी मिश्र। त्रिवेणी मिश्र के एक पुत्र जगरनाथ मिश्र जगरनाथ मिश्र के पुत्र बच्चा है।

रन्नू मिश्र के एक पुत्र सोनू मिश्र। नाओल्द चूआ मिश्र के एक पुत्र प्रयाग मिश्र—नाओल्द।

झमन मिश्र के एक पुत्र भाई लाल मिश्र, नाओल्द।

वदन मिश्र के दो पुत्र मनसा मिश्र, जदो मिश्र। मनसा मिश्र के एक पुत्र कल्लर मिश्र, कल्लर मिश्र के तीन पुत्र सोनू मिश्र, धर्म मिश्र, तथा दुखरण मिश्र। नाओल्द। सोनू मिश्र के एक पुत्र गोनू मिश्र। गोनू मिश्र के चार पुत्र हृदय मिश्र रासधारी मिश्र, जलधारी मिश्र, वलदेव मिश्र।

हृदय मिश्र के दो पुत्र विन्देश्वरी मिश्र, रामेश्वर मिश्र—नाओल्द

विन्देश्वरी मिश्र के एक पुत्र देवदत्त मिश्र। देवदत्त मिश्र के चार पुत्र, अरुण देव मिश्र, ललिता मिश्र, कारी मिश्र, अंजनी मिश्र। अरुणदेव मिश्र के एक पुत्र बच्चा है। रासधारी मिश्र के एक पुत्र राम पदार्थ मिश्र राम पदार्थ मिश्र के तीन पुत्र—उमा मिश्र, रामा मिश्र, गौरी मिश्र। रामा मिश्र के एक पुत्र बच्चा है।

Scanned by CamScanner

जलधारी मिश्र के तीन पुत्र—राम अवतार मिश्र, शिव कुमार मिश्र, चन्द्रदेव मिश्र, राम अवतार मिश्र के दो पुत्र उदय मिश्र, अजय मिश्र उदय मिश्र, के दो पुत्र, मनोज कुमार, सरोज कुमार। अजय मिश्र के एक पुत्र बबलू। शिव कुमार मिश्र नाओल्द। चन्द्रदेव मिश्र के एक पुत्र रणधीर मिश्र। रणधीर मिश्र के एक पुत्र भोनू मिश्र है। बलदेव मिश्र के दो पुत्र सुनिल कुमार, अनिल कुमार।

पदो मिश्र के चार पुत्र धुरन्धर मिश्र, पुरन्दर मिश्र, टेंगैर मिश्र, हनुमान मिश्र। धुरन्धर मिश्र के एक पुत्र झाली मिश्र। झाली मिश्र के एक पुत्र वासुदेव मिश्र नाओल्द, पुरन्दर मिश्र के तीन पुत्र, रंजीत, यशोधर, राधे मिश्र। राधे और यशोधर नाओल्द। रंजीत मिश्र के एक पुत्र अमृत मिश्र। अमृत मिश्र के एक पुत्र रामधार मिश्र नाओल्द।

टेंगैर मिश्र के एक पुत्र झूमक मिश्र। झूमक मिश्र के दो पुत्र रौदी मिश्र, बच्चू मिश्र। रौदी मिश्र के चार पुत्र रामजी, लक्ष्मण, सीया एवं रामकिशुन मिश्र हुए।

१. रामजी मिश्र के दो पुत्र हरिवंश मिश्र, गुणेश्वर मिश्र। हरिवंश मिश्र के दो पुत्र पादो मिश्र, छोटे मिश्र। गुणेश्वर मिश्र के दो पुत्र अजित, संतोष।

२. लक्ष्मण मिश्र नाओल्द।

३. सीथा मिश्र के दो पुत्र दिवाकर मिश्र, प्रभाकर मिश्र। दिवाकर मिश्र के चार पुत्र अवधेश मिश्र, कौशलेन्द्र, संजय, अमित कुमार मिश्र। प्रभाकर मिश्र के शशिधर मिश्र, चन्द्रधर मिश्र।

४. रामकिशुन मिश्र के तीन पुत्र सुधाकर मिश्र, कमलाकर मिश्र, कुसमाकर मिश्र, सुधाकर मिश्र के पुत्र मनोज कुमार मिश्र। कमलाकर मिश्र के एक पुत्र, शुशील कुमार। कुसमाकर के तीन पुत्र, शैलेश कुमार, मुकेश कुमार. राजेश कुमार एक बच्चा है।

रौदी मिश्र के दूसरे भाई बच्चू मिश्र के पुत्र बहोरन मिश्र नाओल्द। हनुमान मिश्र के एक पुत्र खखर मिश्र। खखर मिश्र के दो पुत्र जीतू मिश्र, नेवाजी मिश्र, नेवाजी मिश्र नाओल्द। जीतू मिश्र के दो पुत्र द्वारिका मिश्र, मुरली मिश्र। द्वारिका मिश्र के पुत्र नाथो मिश्र, नागो मिश्र। नाथो मिश्र के दो पुत्र फुलेना, दिलिप मिश्र। नांगो के दो पुत्र बबलू, डबलू।

मुरली सिंह के एक पुत्र नवल मिश्र। नवल मिश्र के दो पुत्र मंगला मिश्र एवं जंगला मिश्र।

बहादुर मिश्र के एक पुत्र मनोरंजन नाओल्द। भोनू मिश्र के एक पुत्र भीखा मिश्र। भीखा मिश्र के पुत्र जानकी। जानकी मिश्र के पुत्र रघुनाथ मिश्र नाओल्द हो गये।

Scanned by CamScanner

कल्याण मिश्र के चौथे भाई केशव के एक पुत्र मंगल मिश्र। मंगल मिश्र के तीन पुत्र वसंत, भूपा, लेखा मिश्र।

वसंत मिश्र के दो पुत्र मधुकर, रंगलाल। रंगलाल के एक पुत्र पिताम्वर नाओल्द। मधुकर मिश्र। के दो पुत्र धर्मदेव, तुफानी मिश्र दोनों नाओल्द।

मंगल मिश्र के तीन पुत्र लेखा को एक पुत्र नुनु मिश्र। नुनु मिश्र के दो पुत्र गेना, गोरि। गौरि के पुत्र नेवा मिश्र। नेवा मिश्र के एक पुत्र रामरूप नाओल्द। गेना नाओल्द।

ग्राम—मेघौल जिला—बेगूसराय निवासी श्री जगन्नाथ मिश्र के द्वितीय पुत्र श्री महराज हेमन्त मिश्र के वंश विस्तार का विवरण—

(गोवर्द्धन पट्टी)

महराज हेमन्त मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) सुजान मिश्र (२) तारा मिश्र (३) श्री चन्द्र मिश्र। हेमन्त मिश्र के प्रथम पुत्र सुजान मिश्र का वंश विवरण—सुजान मिश्र को एक पुत्र वलभद्र मिश्र हुए। वलभद्र मिश्र के चार पुत्र हुए (१) केशी मिश्र (२) हरदत्त मिश्र (३) बुद्धन मिश्र (४) रघुपति मिश्र। अब केशी मिश्र के पाँच पुत्र हुए (१) वाला मिश्र (२) करण मिश्र (३) शिव मिश्र (४) जंगल मिश्र (५) गिरधारी मिश्र।

अब केसी मिश्र के प्रथम पुत्र बाला मिश्र का वंश विवरण :—बाला मिश्र के छः पुत्र हुए। (१) बोधी मिश्र (२) योधी मिश्र (३) शंकर मिश्र (४) प्रेम मिश्र (५) आत्मा मिश्र (६) यशमत मिश्र।

अब बाला मिश्र के प्रथम पुत्र बोधी मिश्र के वंश बिवरण—बोधी मिश्र के चार पुत्र हुए। (१) खुशी मिश्र (२) सवूर मिश्र (3) अमौली मिश्र (४) फूलसीदा मिश्र बोधी मिश्र के प्रथम पुत्र खुशी मिश्र के ४ (चार) पुत्र हुए (१) अहलाद मिश्र (2) प्रहलाद मिश्र (३) चम्मन मिश्र (४) पहाड़ी मिश्र। अहलाद, प्रहलाद और पहाड़ी मिश्र नाओल्द हो गये। और चम्मन मिश्र को एक पुत्र कल्याण मिश्र हुए और कल्याण मिश्र को तीन पुत्र हुए जिनमें पहला पुत्र (१) देवी मिश्र (२) नौदत मिश्र (३) छठ्ठू मिश्र।

अब देवी मिश्र को एक पुत्र हुआ जगदम्बी मिश्र जो नाओल्द हो गये। कल्याण मिश्र के द्वितीय पुत्र नौवत मिश्र को एक पुत्र ईश्वर मिश्र हुए और ईश्वर मिश्र को एक पुत्र दशरथ मिश्र हुए। और दशरथ मिश्र को दो पुत्र जिनमें पहला शिव राज मिश्र और दूसरा शुशील मिश्र हुए। शिवराज मिश्र को दो पुत्र।

Scanned by CamScanner

अब कल्याण मिश्र के तृतीय युग छठ्ठू मिश्र के एक पुत्र राजेन्द्र मिश्र हुए राजेन्द्र मिश्र को तीन पुत्र (१) सुरेन्द्र (२) रामानुज (३) कौशल। राजेन्द्र मिश्र के प्रथम पुत्र सुरेन्द्र मिश्र से एक लड़का जिसका शिवपूजन मिश्र है और राजेन्द्र मिश्र के तृतीय पुत्र कौशल मिश्र से दो पुत्र हुए पहला संजय और दूसरा धनन्न्जय।

अब बोझी मिश्र के द्वितीय पुत्र सवूर मिश्र को दो पुत्र हुए जिनमें पहला वंशी मिश्र और दूसरा प्रयाग मिश्र। अब सवूर मिश्र के प्रथम पुत्र वंशी मिश्र का वंश विस्तार—वंशी मिश्र के तीन पुत्र (१) पृथ्वी मिश्र (२) जगगीप मिश्र (३) संत प्रसाद।

पृथ्वी मिश्र नावउलोद हो गये। अब वंशी मिश्र के द्वितीय पुत्र जगदीप मिश्र के चार पुत्र हुए पहला यमुना मिश्र (२) त्रिवेणी मिश्र (३) बिन्देश्वरी मिश्र (४) महेश मिश्र।

अब जगदीप मिश्र के प्रथम पुत्र जमुना मिश्र को एक पुत्र गंगा मिश्र हुए और गंगा मिश्र के पाँच पुत्र हुए (१) राम पदार्थ (२) बालो (३) राम वल्लभ (४) शशिभूषण (५) मणिभूषण। राम पदार्थं नाववलोद हो गये। गंगा मिश्र के द्वितीय पुत्र वालो मिश्र के एक पुत्र विपिन मिश्र। अब गंगा मिश्र के तृतीय पुत्र रामवल्लभ मिश्र के तीन पुत्र हुए जिनमें पहला अनिल, दूसरा सुनील और तीसरा अरविन्द।

अब गंगा मिश्र के चतुर्थ पुत्र शशि भूषण मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) वसंत (२) हेमन्त (३) मोदी अब गंगा मिश्र के पंचम पुत्र मणि भूषण मिश्र के दो पुत्र अभय भूषण और बड़े भूषण हुए।

अब जगदीप मिश्र के द्वितीय पुत्र त्रिवेणी मिश्र को एक पुत्र हुए राम बहादुर मिश्र और राम बहादुर मिश्र के दो पुत्र हरिद्वार और अवध। हरिद्वार को एक पुत्र शंभु हुए।

अब जगदीप मिश्र के तृतीय पुत्र विन्देश्वरी मिश्र के पाँच पुत्र हुए। पहला (१) राम शंकर (२) रामचन्द्र (३) हरेराम (४) हरेकृष्ण (५) राम नरेश। अब विन्देश्वरी मिश्र के प्रथम पुत्र राम शंकर मिश्र के तीन पुत्र (१) रवीद्र (२) वीरेन्द्र (३) जीतेन्द्र। अब राम शंकर मिश्र के प्रथम पुत्र रवीन्द्र मिश्र को एक पुत्र पंकज अब बिन्देश्वरी मिश्र के द्वितीय पुत्र रामचन्द्र मिश्र को तीन पुत्र (१) अशोक (२) अर्जुन (३) मुकेश विन्देश्वरी श्रिश्र के तृतीय पुत्र हरेराम मिश्र को दो पुत्र जिनमें पहला—गोपाल।

Scanned by CamScanner

विन्देश्वरी के चतुर्थ पुत्र—

कन्हैया और मुरारी—हरेकृष्ण मिश्र को दो पुत्र विन्देश्वरी मिश्र के पंचम पुत्र राम नरेश मिश्र को एक पुत्र राधे मिश्र।

अब जगदीप मिश्र के चतुर्थ पुज महेश मिश्र को चार पुत्र हुए (१) राम चरित्र (२) राम उदित (३) सुरेश (४) नरेश। अब महेश मिश्र के प्रथम पुत्र राम चरित्र मिश्र के दो पुत्र (१) राजीव आरे दूसरा मन्नू। अब महेश मिश्र के द्वितीय पुत्र राम उदित मिश्र के दो पुत्र संजय और विजय। अब सबूर मिश्र के प्रथम पुत्र वंशी मिश्र के तृतीय पुत्र संत मिश्र के वंश विवरण संत मिश्र के चार पुत्र (१) बाबूलाल मिश्र (2) श्री चन्द्रिका मिश्र (३) झारखंडी (४) यदुनन्दन मिश्र। बाबूलाल मिश्र और चन्द्रिका मिश्र और झारकंडी मिश्र संजात ग्राम चले गये। अब संत प्रसाद मिश्र के चतुर्थ पुत्र यदुनन्नन मिश्र के दो पुत्र पहला रामानन्द मिश्र और दूसरा श्याम किशोर मिश्र। रामानन्द मिश्र के एक पुत्र राजू। और श्याम किशोर मिश्र के दो पुत्र पंकज कुमार और नीरज कुमार

अब सवूर मिश्र के द्वितीय पुत्र प्रयाग मिश्र के दो पुत्र (१) रामधारी मिश्र (२) केन प्र० मिश्र। अब रामधारी मिश्र के दो पुत्र भागवत मिश्र और दूसरा बद्री मिश्र। अब बद्री मिश्र के दो पुत्र विश्वनाथ और शिवनाथ। विश्वनाथ के दो पुत्र केदार मिश्र आरे रामाशीष मिश्र। अब केदार मिश्र के दो पुत्र राम लगन और राम किशोर।

रामाशीष नावउलोद हो गये। अब शिवनाथ मिश्र के दो पुत्र (१) हरिमोहन और दूसरा कृष्ण मोहन, वदरी मिश्र के भाई भागवत मिश्र, नावउलोद हो गये। अब प्रयाग मिश्र के पुत्र कन्त मिश्र के एक पुत्र नीलकंठ मिश्र, और नीलकंठ मिश्र के तीन पुत्र (१) रामेश्वर मिश्र (२) रामसागर मिश्र (३) रामकिशोर मिश्र। रामेश्वर मिश्र के दो पुत्र (१) रामानुज मिश्र (२) रामायण।

अब रामसागर मिश्र के दो पुत्र मदन मिश्र और सदन मिश्र। रामकिशोर के तीन पुत्र हुए (१) परमानन्द (२) जीतन (३) गोविन्द।

अब खुथी मिश्र के तीसरे और चौथे भाई अमोली मिश्र और फूल मिश्र। फूल मिश्र से एक पुत्र भरोसी मिश्र हुए और उसके बाद दोनों भाई नावउलोद हो गये।

अब बाला मिश्र के द्वितीय पुत्र योधी मिश्र का वंश विवरण—योधी मिश्र के चार पुत्र हुए (१) मन्नन मिश्र (२) विरजा मिश्र (३) नीरपत मिश्र (४) झलडू मिश्र।

अब मत्तन मिश्र के पाँच पुत्र हुए। (१) अजीत मिश्र (२) गुरप्रसाद मिश्र (३) परमानन्द मिश्र (४) पतका मिश्र (५) पताका मिश्र।

अब अजीत मिश्र से तीन पुत्र हुए (१) भूपाल मिश्र (२) रेवत मिश्र (३) जुजरन मिश्र।

भूपाल मिश्र से एक पुत्र बहोरन मिश्र हुए और वहोरन मिश्र के तीन पुत्र मौजेलाल (२) आनन्द आजाद (३) लक्ष्मी मिश्र जो नावउलोद हो गये मौजेलाल मिश्र से दो (१) पुत्र दिनेश मिश्र (२) अशोक दिनेश मिश्र से एक पुत्र बुलबुल।

अब बहोरन मिश्र के द्वितीय पुत्र आनन्द आजाद से चार पुत्र हुए (१) हरिनन्दन मिश्र (२) प्रेमनारायण (३) कृष्णनारायण (४) राम विनोद हरिनन्दन के एक पुत्र। प्रेमनारायण को दो पुत्र। और कृष्णनारायण से एक पुत्र हुआ।

अव मत्तन मिश्र के तृतीय भाई निरपत मिश्र के तीन पुत्र हुए। (१) पलट मिश्र (२) रंगी मिश्र (३) जोगी निश्र। पलट मिश्र नावउलोद हो गये। रंगी मिश्र से दो पुत्र हुए (१) तिलक मिश्र (२) रघुवर मिश्र। विलक मिश्र नावउलोद हो गये। रघुवर मिश्र के ३ पुत्र हुए (१) जयदेव (३) फुचो (३) द्वारिका।

अब जयदेव मिश्र के के तीन पुत्र (१) फुलकीत (२) मुक्ति (३) सीताराम। अव फुलकीत मिश्र से एक पुत्र राम लगन। मुक्ति मिश्र से एक पुत्र बबलू और सीताराम। नावउलोंद हो गये।

अब रघुवर मिश्र के तृतीय पुत्र द्वारिका मिश्र के तीन पुत्र (१) दमोदर मिश्र (२) भोला (३) बाबाजी दमोदर मिश्र के एक पुत्र घनश्याम मिश्र।

नीरपत मिश्र के तृतीय पुत्र योगी मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) कन्तु मिश्र (२) रामकिसुन (३) सुखराम मिश्र हुए। कन्तु मिश्र के एक पुत्र रासो मिश्र। और रासो मिश्र के ५ पुत्र हुए (१) प्रमेश्वर (२) शत्रुघ्न (३) समोली (४) नन्द किशोर (५) उपेन्द्र। चार भाई नावउलोद हो गये। पंचम पुत्र उपेन्द्र से एक पुत्र हुआ चन्द्रदेव मिश्र।

अब योगी मिश्र के द्वितीय पुत्र राम किसुन मिश्र से दो पुत्र टेकन और सुपारी लाल ये दोनों नावउलोद हो गये।

अब योगी मिश्र के तृतीय पुत्र सुखराम मिश्र के एक पुत्र रामजी मिश्र को एक पुत्र बालेश्वर मिश्र और वालेश्वर मिश्र के तीन पुत्र (१) लडूलाल (२) रमाकान्त और (३) अरूण।

अब बाला मिश्र के तृतीय पुत्र शंकर मिश्र के चार पुत्र हुए (१) आसमान मिश्र (२) पहलवान (३) दुरमील (४) अमराव ।

आसमान मिश्र के २ पुत्र हुए (१) राम प्रसाद (२) अंचभित । रामप्रसाद मिश्र के दो पुत्र हुए (१) नेवा मिश्र (२) मेखधारी मिश्र । नेवा मिश्र के दो पुत्र (१) खन्तर (२) बहोरन मिश्र । खन्तर मिश्र के दो पुत्र (१) चन्द्रदीप (२) रामबहादुर (१) लक्ष्मी ये दोनों नावउलोद हो गये । चन्द्रदीप से दो पुत्र सुरेश और गंगा ।

नेवा मिश्र के द्वितीय पुत्र वहोरन मिश्र के एक पुत्र हुआ जनक मिश्र । ये नावउलोद हो गये ।

रामप्रसाद मिश्र के भैरवधारी मिश्र को दो पुत्र (१) लुखी मिश्र और (२) निर्धन मिश्र । लुखी मिश्र के दो पुत्र (१) पुत्र का नाम—रामबदन (२) अशर्फी मिश्र । दोनों भाई नावउलोद हो गये । निर्धन मिश्र के १ पुत्र हुआ—महेन्द्र मिश्र जिनका एक पुत्र राजीव हुआ ।

अब आसमान मिश्र के द्वितीय पुत्र अंचभित मिश्र को तीन पुत्र हुए । (१) राम (२) धरम (३) रामरुप । राम मिश्र के दो पुत्र हुए । (१) वंशी मिश्र (२) सूवेलाल । दोनों नावउलोदय हो गये । अब अंचभित के दूसरे पुत्र धरम मिश्र के तीन पुत्र (१) दरवारी (२) रुपलाल अच्छेलाल ।

अब दरबारी मिश्र के १ पुत्र रामऔतार, ये नावउलोद हो गये ।

अब धरम मिश्र के द्वितीय पुत्र रुपलाल मिश्र को छः पुत्र हुए (१) लालो (२) रघुनी (३) विदेशी (४) राधा (५) कमली (६) जागेश्वर । एक भाई जागेश्वर को छोड़कर सभी माई नावउलोद हो गये । जागेश्वर के पाँच पुत्र (१) चन्द्र मौली (२) चन्द्रभूषण (३) चन्द्रशेखर (४) अर्जुन (५) कंदु । चन्द्रमौली के एक पुत्र बबलु । चन्द्र भूषण को एक पुत्र हरेकिसुन ।

परम मिश्र में तृतीय पुत्र अच्छेलाल नाउलोद हो गये ।

शंकर मिश्र के द्वितीय पुत्र पहलवान मिश्र भी नावउलोद हो गये ।

शंकर मिश्र के तृतीय पुत्र दुरमील मिश्र के एक पुत्र मंगल मिश्र हुए । मंगल मिश्र के दो पुत्र रामधनी और मुसो को एक पुत्र नेपाली हुआ और सभी नावउलोद हो गये ।

शंकर मिश्र के चतुर्थ पुत्र उमराव मिश्र के २ पुत्र (१) परसन (२) गुदर । गुदर मिश्र से दो पुत्र (१) कालीचरन (२) आतमा ।

शंकर मिश्र के पाँचवा पुत्र आतमा मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) रन्नू मिश्र (२) सनपति (३) दुलार । रन्नू मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) गुमानी मिश्र (२) चमरु

Scanned by CamScanner

मिश्र ये नावउलोद हो गये। अब गुमानी मिश्र के चार पुत्र हुए (१) सुन्दर मिश्र (२) नथु मिश्र (३) मनोहर मिश्र (४) खुसरू नथु, सुन्दर, खुसरू नावउलोद हो गये। मनोहर मिश्र के एक पुत्र रामदेव मिश्र ये भी नावउलोद हो गये।

रन्नु मिश्र के द्वितीय पुत्र नथु मिश्र के एक पुत्र हुए नीरस मिश्र, ये भी नावउलोद हो गये।

आत्मा मिश्र के द्वितीय पुत्र सनपति मिश्र के एक पुत्र तेलराम मिश्र, ये भी नावउलोद हो गए।

आत्माराम मिश्र के तृतीय पुत्र दुलार मिश्र एक पुत्र बुनेला मिश्र और इनको दो पुत्र पहला (१) नुनु मिश्र, दुसरा दुख भजन। ये नाबउलोद हो गए।

अब नुनु मिश्र के दो पुत्र पहला फौदार मिश्र दूसरा राम स्वरूप मिश्र ये (ना०)हो गये। अब फौदार मिश्र के एक पुत्र राम खेलावन मिश्र हुए, इनको दो पुत्र राम नरेश और गोपाल।

वाला मिश्र के चौथा पुत्र प्रेम और इनका पुत्र ठाकुर मिश्र हुए और ये (ना०) हो गये।

वाला मिश्र के छठा पुत्र यशमत मिश्र हुए, यशमत के चार पुत्र हुए (१) रुपन (२) बादील (३) हुकुम (४) चमरू। रुपन मिश्र के एक पुत्र बिहारी मिश्र के एक पुत्र सुन्दर मिश्र। यशमत मिश्र के द्वितीय पुत्र बादिल मिश्र इनको चार पुत्र (१) राम सनेही द्वितीय पुत्र मोहपति (३) कृत्ति मिश्र (४) शिव मंगल, राम सनेही मिश्र को दो पुत्र (१) नोखे और जगत मोह पति मिश्र (ना०) हो गये।

वृत्ति मिश्र को एक पुत्र गोगू मिश्र।

शिवमंगल मिश्र को दो पुत्र हुए पहला गोविन्द मिश्र (२) वृद्धु मिश्र इनको तीन पुत्र हुए (१) रामचरित्र (१) रामचन्द्र (३) हरेराम।

राम चरित्र के तीन पुत्र मोहन, विनय, बिपिन राम चन्द्र को एक पुत्र धर्मेन्द्र और हरेराम को एक पुत्र मुन्ना।

यशमत मिश्र के तीन पुत्र तृतीय पुत्र हुकुम मिश्र हुए। हुकुम मिश्र के चार पुत्र हुए (१) बच्चू (२) भरोसी (३) दिहल मिश्र (४) वैजी मिश्र।

वच्चू मिश्र के एक पुत्र राम मिश्र ये (ना०) हो गये। भरोसी मिश्र के चार पुत्र (१) सोना मिश्र (२) रामअनुग्रह (३) अकलू (४) महाबीर। हुकुम मिश्र के चतुर्थ पुत्र वैजी मिश्र को (१) पुत्र नन्दलाल मिश्र हुए। नन्दलाल मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) मकुन (२) सिया (३) सौरवी।

Scanned by CamScanner

मकुन मि (ना०) हो गये। द्वितीय पुत्र सिया मिश्र इन्हें तीन पुत्र हुआ (१) दरो (२) वियो (३) राम वदन, दरो मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) वीरेन्द्र (२) मनदुन (३) बिशो।

हुकुम मिश्र के चतुर्थ पुत्र दिहल मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) अधिक (२) धनीक (३) भेही।

अधिक मिश्र के एक पुत्र सूरज मिश्र हुए, सूरज मिश्र (१) पुत्र राम सोगारथ मिश्र और राम सोगारथ मिश्र को दो पुत्र राम सखा और श्याम सखा दिहल मिश्र के द्वितीय पुत्र धनीक मिश्र के दो पुत्र हुए (१) जंगी मिश्र (२) जोस्लाल मिश्र। जंगी मिश्र के दो पुत्र रामजी मिश्र और हरवंश मिश्र ये सभी (ना०) हो गये।

दिहल मिश्र के तृतीय पुत्र भेरी मिश्र हुए जिनका एक मात्र पुत्र रामेश्वर जो (ना०) हो गये।

बाला मिश्र के द्वितीय भाई करण मिश्र के वंश विवरण :—करण मिश्र के छः पुत्र (१) मोदन (२) भवानी (३) भोला (४) मोती (५) सर्वजीत (६) इन्दर। मोहन मिश्र के चार पुत्र (१) मूरत (२) चेता (३) मेहरवान (४) मोहन। मूरत मिश्र के दो पुत्र (१) कारी मिश्र (२) खेमाजीत मिश्र। कारी मिश्र के एक पुत्र वच्चू मिश्र हुए ये (ना०) हो गये। खेमाजीत के एक पुत्र गंजराज मिश्र और गजराज मिश्र के एक पुत्र वासुदेव मिश्र। वासुदेव मिश्र के तीन पुत्र (१) आनन्दी (२) अनीक (३) राम दत्त। अनीक मिश्र के दो पुत्र (१) राम पुकार (२) राम सुधार।

मोहन मिश्र के द्वितीय पुत्र चेता मिश्र के एक पुत्र हुआ दीनदयाल मिश्र। दीनदयाल के एक पुत्र वैजनाथ मिश्र और वैजनाथ के तीन पुत्र (१) वासुदेव (२) हरेकिसुन (३) अधो मिश्र ये दोनों (ना०) हो गये।

अब वैजनाथ मिश्र के पहले पुत्र वासुदेव मिश्र के तीन पुत्र (१) लखन लाल (२) अशर्फी (३) रामनन्दन। ये दोनों नावल्द हो गये। अशर्फी मिश्र को दो पुत्र (१) रामबालक (२) रामनरेश। रामबालक मिश्र को पुत्र मृतुन्जय और संजय।

अब मोदन मिश्र के तिसरे पुत्र मेहरबान मिश्र, उनको एक पुत्र सरदार मिश्र हुए। सरदार मिश्र के एक पुत्र मज्जू मिश्र। मज्जू मिश्र को एक पुत्र देवनारायण मिश्र, ये भी नाऔलाद हो गये।

अब मोदन मिश्र के चौथे पुत्र मोहन मिश्र को दो पुत्र (१) भरोसी और दूसरा शिवराम। भरोसी मिश्र के पाँच पुत्र हुए (1) मुन्नी मिश्र (2) सुन्दर मिश्र

(३) रामशरण (४) रामस्वरूप (५) बाबूलाल, ये चारों नावल्द हो गये। मुन्नी मिश्र के चार पुत्र (१) रामखेलावन (२) चन्द्रशेखर (३) नन्दकिशोर। चन्द्रशेखर मिश्र को एक पुत्र चन्द्रिका मिश्र। नन्दकिशोर मिश्र को एक पुत्र नित्यानन्द मिश्र। शिवराम मिश्र के तीन पुत्र (१) जदो (२) सीया (३) रामगुलाम।

अब करण मिश्र के द्वितीय पुत्र भवानी मिश्र के एक पुत्र कन्हैया मिश्र और कन्हैया मिश्र के तीन पुत्र (१) जानकी मिश्र (२) साहब मिश्र (३) ताले मिश्र। अब कन्हैया मिश्र के प्रथम पुत्र जानकी मिश्र को एक पुत्र हुआ। खन्तर मिश्र को एक पुत्र अमीर लाल मिश्र और अमीर लाल के चार पुत्र (१) भागवत (२) नन्दकिशोर (३) नारायण (४) जयप्रकाश। भांगवत मिश्र के दो पुत्र (१) अवनीश (२) रजनीश। रजनीश नारायण मिश्र के एक पुत्र अनिल मिश्र।

कन्हैया मिश्र के द्वितीय पुत्र साहेब मिश्र को एक पुत्र अयोध्या मिश्र हुए। इनको तीन पुत्र हुए (१) टेकन (२) गीता (३) रामऔतार। टेकन मिश्र के दो पुत्र हुए (१) रामसुन्दर (२) मणी भूषण। गीता मिश्र को एक पुत्र सुरेश मिश्र।

रामावतारमिश्र

कन्हैया मिश्र के तृतीय पुत्र ताले मिश्र हुए। ताले मिश्र के एक पुत्र कम्मल मिश्र। इनको एक पुत्र राजेश्वर मिश्र। इनको दो पुत्र हुए (१) रामाज्ञा।

मोदन मिश्र के तीसरे भाई भोला मिश्र के एक पुत्र अपौच मिश्र और अपोच मिश्र के भी एक पुत्र सउरनाथ हुए और सउरनाथ के तीन पुत्र (१) मजू मिश्र (२) किरानी मिश्र (३) वीर गोपाल हुए। भजू मिश्र के तीन पुत्र (१) भागो मिश्र (२) सरयुग मिश्र (३) सीया मिश्र। ये तीनों भाई नावल्द हो गये।

किरानी मिश्र भी नावल्द हो गये। और गोपाल मिश्र भी नावल्द हो गये।

अब कर्ण मिश्र के चौथे पुत्र मोती मिश्र के एक पुत्र टेंगर मिश्र हुए। टेंगर मिश्र के भी एक पुत्र बीजा मिश्र हुए। बीजा मिश्र के दो पुत्र (१) विपैत मिश्र (२) रामचरण मिश्र। विपैत मिश्र के एक पुत्र शिवधारी मिश्र और शिवधारी मिश्र के दो पुत्र (१) जयप्रकाश (२) तारकेश्वर।

विपैत मिश्र के द्वितीय भाई रामचरण मिश्र को एक पुत्र मुनसी मिश्र हुए।

कर्ण मिश्र के सर्वजीत और इन्दर मिश्र नावल्द हो गये।

केथो मिश्र के द्वितीय भाई बूटन मिश्र को छः पुत्र (१) लाल (२) भेदनी (३) दुलह (४) पृथ्वी (५) हनुमत। उद्धमत लाल मिश्र के उब्रह्मा मिश्र हुए और ब्रह्मा मिश्र के दो पुत्र ऋखी मिश्र और वेणी मिश्र। ये नावल्द हो गये।

Scanned by CamScanner

अब वंशी मिश्र के दो पुत्र (१) ओजन मिश्र (२) जग्गू मिश्र ओजन मिश्र के चार पुत्र (१) रब्बि मिश्र (२) रामू मिश्र (३) रामअनुग्रह (४) रामरक्षा। रब्बी मिश्र नाओल्द्र हो गये।

रामू मिश्र के चार पुत्र (१) झींगुर (२) राघो (३) शिवनन्दन (४) हृदय मिश्र।

झींगुर मिश्र के छः पुत्र (१) युगल (२) नवल (३) रामचन्द्र (४) नन्द किशोर (५) कृष्णा (६) श्यामकिशोर मिश्र।

युगल किशोर के दो पुत्र हुए (१) प्रत्यूष (२) पीयूष नवल के दो पुत्र (१) हरि (२) केसरी।

रामू मिश्र के द्वितीय पुत्र राघो नाओल्द हो गये।

तृतीय पुत्र शिवनन्दन के तीन पुत्र हुए (१) सीताराम (२) श्रीराम (३) बालकिशोर।

रामू मिश्र के चतुर्थ पुत्र हृदय मिश्र के एक पुत्र बिहारी मिश्र के दो पुत्र (१) सुरेन्द्र (२) शंभु।

अजय मिश्र के तृतीय पुत्र रामानुग्रह मिश्र हुए, इनको तीन पुत्र (१) महावीर (२) मुनिदेव (३) यदुनन्दन।

महावीर मिश्र के चार पुत्र (१) रामपदारथ (२) राम सुखीत (३) नन्द किशोर (४) राम किशोर।

रामपदारथ के दो पुत्र (१) दिलिप (२) राजेश।

मुनिदेव मिश्र के दो पुत्र (१) रामाज्ञा (२) रामविशेष। रामाज्ञा मिश्र के चार पुत्र।

यदुनन्दन मिश्र के दो पुत्र (१) रामशोभित (२) रामविलास।

ओजन मिश्र के चतुर्थ पुत्र रामरक्षा मिश्र के दो पुत्र (१) सीया मिश्र (२) शिवबालक मिश्र। सिया मिश्र नाओल्द हो गये।

शिवबालक मिश्र के दो पुत्र (१) रामनरेश (२) राम सुरेश।

वंशी मिश्र के द्वितीय पुत्र जग्गू मिश्र के चार पुत्र (१) अवधी (२) कुंजी (३) नुनु (४) बुधु।

अवधी मिश्र के तीन पुत्र (१) रामोतार मिश्र (२) चन्द्रशेखर (३) सूर्यशेखर। रामऔतार मिश्र नाओल्द हो गये।

Scanned by CamScanner

चन्द्रशेखर मिश्र के दो पुत्र (१) जयराम (२) सुरेन्द्र। जयराम के दो पुत्र (१) शम्भू (२) संजय। सूर्यशेखर नाओल्द हो गये।

कुंजो मिश्र के तीन पुत्र (१) राजेश्वर (२) श्रीराम ये नाओल्द हो गये। (३) जैयनारायण। जैयनारायण के एक पुत्र अरविन्द।

जग्गू मिश्र के तृतीय पुत्र नुनु मिश्र हुए। तुनु मिश्र के दो पुत्र सत्यनारायण और अजयलाल। अजयलाल के एक पुत्र अशोक मिश्र। चौथा पुत्र बुधु मिश्र नाओल्द हो गये।

अब बुटन मिश्र के द्वितीय पुत्र मेदनी मिश्र हुए। मेदनी मिश्र के सुपुत्र बुनियादि मिश्र। बुनियादी मिश्र के एक पुत्र रटु मिश्र। रटु मिश्र के सुपुत्र रटु मिश्र हुए। रटु मिश्र के एक पुत्र उचित मिश्र ये भी नाओल्द हो गये। तृतीय पुत्र दुलह मिश्र भी नाओल्द हो गये।

पंचम पुत्र हनुमत मिश्र के तीन पुत्र (१) राजकिशोर (२) दिलीप (३) बैद्य मिश्र।

राजकुमार के दो पुत्र (१) रामदयाल (२) अमरनाथ इनको एक पुत्र हुआ। रामनाथ ये नाओल्द हो गये।

रामदयाल मिश्र के तीन पुत्र (१) तीलक मिश्र (२) हनसी (३) रामरूप।

तिलक मिश्र के एक पुत्र बहोरन मिश्र हुए। बहोरन मिश्र के एक पुत्र राम लखन मिश्र। राम लखन के एक पुत्र राम कुमार मिश्र। ये भी नाओल्द हो गये। हनसी नाओल्द हो गये।

अब राम दयाल मिश्र के तीसरे पुत्र राम रूप मिश्र के एक पुत्र बाबू मेदी मिश्र। मेदी मिश्र के एक पुत्र रामाश्रय मिश्र। रामश्रय मिश्र के चार पुत्र (१) द्वेवेन्द्र (२) रमानन्द (३) गुणानन्द (४) अर्जुन।

हनुमत मिश्र के द्वितीय पुत्र दिलीप मिश्र। ये भी नावउलोद हो गये।

हनुमत मिश्र के तृतीय पुत्र वैध मिश्र हुए। वैध्य मिश्र के एक पुत्र बखोरी मिश्र हुए। बखोरी मिश्र के एक पुत्र सीतल मिश्र, सीतल मिश्र के एक पुत्र सरयुगी मिश्र। ये भी नावउलोद हो गये।

बुटन मिश्र के छठे पुत्र उद्धमत मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) नन्हुक मिश्र (२) बकसु (३) झूमा मिश्र। नन्हकू मिश्र नावउलोद हो गये। वकसु मिश्र के एक पुत्र चूआ मिश्र हुए। झूमा मिश्र के तीन पुत्र (१) माधो (२) वचन (३) गोपाल मिश्र दोनों भाई नावउलोद हो गये। अब माधो सिह के २ पुत्र (१) भोला (२) दमोदर।

Scanned by CamScanner

भोला मिश्र के एक पुत्र (१) गणेश। गणेश मिश्र के एक पुत्र अंजनी कुमार।

दमोदर मिश्र के एक पुत्र चन्द्र मौली मिश्र, चन्द्र मौली मिश्र के तीन पुत्र (१) राजू (२) जय शंकर (३) (गोवर्द्धन समाप्त)

उपरोक्त में संजात का वर्णन आया था।

सन्त मिश्र के चार पुत्र (१) बाबू लाल (२) चन्द्रिका (३) झारखंडी (४) यदु नन्दन

बाबूलाल के एक पुत्र हरिवंश मिश्र और हरिदय मिश्र एक पुत्र याल बल्लम मिश्र

ग्राह-मेघौल ज़िला-बेगूसराय निवासी श्री जगन्नाथ मिश्र के चतुर्थ पुत्र मन्नु मिश्र के वंश विस्तार का विवरण :—

महाराज मन्नु मिश्र के तीन पुत्र हुए। (१) भीष्म मिश्र, (२) वंशी मिश्र (३) मुरली मिश्र। जिससे वंशी मिश्र और मुरली मिश्र नवउलोद हो गये। भीष्म मिश्र के चार पुत्र हुए, (१) रास दास मिश्र (२) देव मिश्र (३) वलन मिश्र (४) हरि मिश्र

जिसमें रामदास मिश्र और हरिदास मिश्र नावल्द हो गये। दलन मिश्र के पाँच पुत्र हुए (१) फेकू मिश्र (२) वुद्धन मिश्र (३) टेकन मिश्र (४) राजन मिश्र (५) शोभन मिश्र। जिसमें वुद्धन मिश्र टेकन मिश्र और शोभन मिश्र नावल्द हो गये।

फेकू मिश्र के दो पुत्र हुए। दुखा मिश्र और भिक्षुक मिश्र जिसमें भिक्षुक मिश्र नावल्द हो गये। दुखा मिश्र के दो लड़के हुए। बिहारी मिश्र और भैरों मिश्र जिसमें बिहारी मिश्र नावल्द हो गये। भैरों मिश्र के दो पुत्र हुए हीया लाल मिश्र और सरयुग मिश्र। हीया लाल मिश्र के दो पुत्र हुए (१) राम जी मिश्र (२) भगवान मिश्र।

जिसमें राम जी मिश्र नावल्द हो गये। भगवान मिश्र के एक पुत्र 'राम किंकर मिश्र और राम किंकर का पुत्र संजीव मिश्र।

भौरों मिश्र के द्वितीय पुत्र सरयुग मित्र को एक पुत्र जिसका नाम हर्षित मिश्र और हर्षित मिश्र के एक पुत्र रामशंकर मिश्र।

दलन मिश्र के चतुर्थ पुत्र राजन मिश्र को छः पुत्र हुए। (१) वुन्नी मिश्र (२) महेश मिश्र (३) पाचू मिश्र (४) दौलत मिश्र (५) रूपन मिश्र (६) रंगी मिश्र।

वुन्नी मिश्र के दो पुत्र शुभनारायण मिश्र और रामप्रसाद मिश्र जिसमें राम प्रसाद मिश्र नावल्द हो गये।

Scanned by CamScanner

शुभ नारायण मिश्र को एक पुत्र महावीर मिश्र हुए और महावीर मिश्र के तीन पुत्र (१) आनन्द मिश्र (२) जगदीश मिश्र (३) दयानन्द मिश्र आनन्द मिश्र के दो पुत्र हुए (१) धीरेन्द मिश्र (२) नरेन्द्र मिश्र। धीरेन्द्र मिश्र के चार पुत्र अजीत मिश्र (२) राजेय मिश्र (३) ब्रजेश मिश्र (४) मुकेश मिश्र।

और आनद मिश्र के द्वितीय पुत्र नरेन्द मिश्र के दो पुत्र हुए (१) कन्हैया मिश्र मुरली मिश्र।

महावीर मिश्र के द्वितीय पुत्र जगदीस मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) धर्मेन्द मिश्र (२) सत्येन्द्र मिश्र (३) नजेन्द्र मिश्र। जिसमें धर्मेन्द मिश्र के दो पुत्र (१) मुन्ना और पयू।

महावीर मिश्र के तृतीय पुत्र दयानन्द मिश्र को चार पुत्र हुए (१) देवेन्द्र मिश्र (२) अमेन्द्र मिश्र (३) सूचीन्द्र मिश्र और जीतेन्द्र मिश्र। जिसमें देवेन्द्र मिश्र के एक पुत्र राजन मिश्र।

दलन मिश्र के चतुर्थ पुत्र राजन मिश्र के द्वितीय पुत्र महेश मिश्र के एक पुत्र हुए दहारू मिश्र जो नावल्द हो गये। राजन मिश्र के तृतीय पुत्र पाँचू मिश्र के एक पुत्र वुलाकी मिश्र और वुलाकी मिश्र के एक पुत्र राम नाथ मिश्र हुए।

रामनाथ मिश्र को छः पुत्र हुए। (१) सूर्य शेखर मिश्र (२) सुन्दर मिश्र (३) राधा मिश्र (४) रामगुलाम मिश्र (५) राजवंशी मिश्र (६) द्रव्येश्वर मिश्र। जिसमें सूर्यशेखर मिश्र को दो पुत्र हुए महेश मिश्र और शिवचन्द्र मिश्र महेश मिश्र को दो पुत्र हुए (१) विश्वमोहन मिश्र (२) और विश्वभूषण मिश्र। विश्वमोहन मिश्र के तीन पुत्र (१) दीपक (२) राजू (३) संजय।

सूर्यशेखर मिश्र के द्वितीय पुश शिवचन्द्र मिश्र को एक पुत्र सत्येन्द्र मिश्र हैं।

रामनाथ मिश्र के द्वितीय पुत्र सुन्दर मिश्र को तीन पुत्र हुए (१) दिनेश मिश्र (२) रमेश मिश्र (३) सुरेश मिश्र रमेश मिश्र के चार पुत्र (१) शत्येन्द्र (२) जीतेन्द्र (३) पप्पु (४) झप्पु। और सुरेश मिश्र के दो पुत्र (१) संजय (२) राजीव रामनाथ मिश्र के तृतीय पुत्र राधा मिश्र नावल्द हो गये। चतुर्थ पुत्र रामगुलाम मिश्र को दो पुत्र सच्चिदानन्द मित्र (२) और जोगू मिश्र जिससे सच्चिदानन्द मिश्र के दो पुत्र (१) कृष्णकान्त मिश्र (२) विष्णु कान्त मिश्र। कृष्णकान्त के दो पुत्र हैं (१) राजेश (२) मुकेश।

रामनाथ के पंचम पुत्र राजवंशी मिश्र को सुपुत्र सतीश मिश्र हुए।

द्रव्येशर मिश्र के दो पुत्र परमानन्द मिश्र रामानन्द मिश्र के एक पुत्र रामाधीन मिश्र।

Scanned by CamScanner

राजन मिश्र के चतुर्थ पुत्र दौलत मिश्र के दो पुत्र हुए चोरपत मिश्र और सोनमन मिश्र। जिसमें सोनमन मिश्र नावल्द हो गये। चोरपत मिश्र के दो पुत्र हुए रब्बी मिश्र और द्वारका मिश्र जो दोनों नावल्द हो गये।

राजन मिश्र के पंचम पुत्र रूपन मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) कल्लर मिश्र (२) छट्टू मिश्र (३) बजरंगी मिश्र। जिसमें कल्लर मिश्र और बजरंगी मिश्र नावल्द हो गये। रुपन मिश्र के द्वितीय पुत्र छट्टू मिश्र के एक पुत्र शिवराज मिश्र जिनका तीन पुत्र राजाराम मिश्र, राममूर्त्ति मिश्र और देवमूर्त्ति मिश्र।

राजन मिश्र के छठे पुत्र रंगी मिश्र को एक पुत्र रामबहाल मिश्र को तीन पुत्र गोविन्द मिश्र (१) बच्चू मिश्र हितो मिश्र। जिसमें प्रथम पुत्र गोविन्द मिश्र नावल्द हो गये।

रामटहल मिश्र के द्वितीय पुत्र बच्चू मिश्र को सुपुत्र रामखेलावन मिश्र और रामखेलावन मिश्र को एक पुत्र शिवशंकर मिश्र। शिवशंकर के दो पुत्र (१) मुकेश और (२) छोटे रामटहल मिश्र के तृतीय पुत्र हितो मिश्र के दो पुत्र रामचन्द्र मिश्र और लूटन मिश्र। रामचन्द्र मिश्र को तीन पुत्र (१) कैलू मिश्र (२) गोगू मिश्र (३) कारी मिश्र। कैलू मिश्र को एक पुत्र बोआ।

महाराज मन्नु मिश्र के प्रथम पुत्र भीष्म मिश्र के द्वितीय पुत्र देव मिश्र के वंश विस्तार का विवरण—

महाराज देव मिश्र के चार पुत्र (१) मनसा मिश्र (२) कमल मिश्र (३) विश्वेश्वर मिश्र (४) अगनू मिश्र अगनू मिश्र।

देव मिश्र के प्रथम पुत्र मनसा मिश्र के दो पुत्र (१) कतरू मिश्र मिश्र और कमरश मिश्र। कतरू मिश्र के पाँच युग (१) चेतू मिश्र (२) बहोर मिश्र (३) मुरली मिश्र (४) देवज्ञा मिश्र (५) मोहन मिश्र। कतरू मिश्र के पुत्र बहोर मिश्र नावल्द। मुरली मिश्र नावल्द। देवज्ञा मिश्र नावल्द। मोहन मिश्र नावल्द। चेतू मिश्र के एक पुत्र लक्ष्मण मिश्र लक्ष्मण मिश्र के दो पुत्र नन्द लाल मिश्र रघुनाथ मिश्र। नन्द लाल मिश्र के पुत्र धनुक धारी मिश्र जो नावल्द हो गये। लक्ष्मण मिश्र के द्वितीय पुत्र रघुनाथ मिश्र के दो पुत्र भेरव धारी मिश्र राम स्वरूप मिश्र दोनों नावल्द हो गये। मन्सा मिश्र के द्वितीय पुत्र कमरश मिश्र के दो पुत्र हुए (i) नेहाल मिश्र (ii) और वैंघनाथ मिश्र। नेहाल मिश्र को एक पुत्र गोनर मिश्र और गोनर मिश्र के तीन पुत्र नुनु, जीतू और जुलुम। जिसमें नुनु और जीतू नावउलोद हो गये। जुलुम मिश्र के एक पुत्र उमेश मिश्र और उमेश मिश्र के दो पुत्र हुए।

Scanned by CamScanner

देव मिश्र के द्वितीय पुत्र कमल मिश्र को पाँच पुत्र हुए (१) मनोरथ मिश्र (२) हनुमान मिश्र (३) श्याम मिश्र (४) टेंगर मिश्र (५) उवराम मिश्र। जिसमें श्याम मिश्र टेंगर मिश्र नावल्द हो गये।

कमल मिश्र के प्रथम पुत्र मनोरथ मिश्र को एक पुत्र। राम भज्जू मिश्र और राम भज्जू मिश्र को एक पुत्र बिहारी मिश्र जो नावउलोद हो गये। हनुमान मिश्र के तीन पुत्र (१) पहलवान मिश्र (२) कीदू मिश्र (३) भौजी मिश्र। जो तीनों नावल्द हो गये।

उमराव मिश्र के तीन पुत्र (१) मुसाहेव मिश्र (२) वचकन मिश्र (३) नुनु मिश्र जिसमें वयकन मिश्र नावल्द हो गये। मुसाहेव मिश्र के दो पुत्र राम रूप मिश्र और सरयुग मिश्र। सरयुग मिश्र नावल्द हो गये। राम रूप मिश्र के दो पुत्र सूरज मिश्र और दीप नारायण मिश्र। जिसमें सूरज मिश्र के चार पुत्र (१) अजीत नाथ (२) फोनी (३) राम सखा (४) राम बालक। अनीत नाथ के एक पुत्र गोपाल मिश्र। राम रूप मिश्र के द्वितीय पुत्र दीप ना० मिश्र के तीन पुत्र राम नरेश (२) वीरेन्द्र (३) शशि। जिसमें राम नरेश के एक पुत्र उमराव मिश्र के तृतीय पुत्र नुनु मिश्र को दो पुत्र (१) शिवराम मिश्र (२) बीजा मिश्र जो दोनों नावल्द हो गये।

देव मिश्र के तृतीय पुत्र विश्वेश्वर मिश्र के दो पुत्र मोदा मिश्र और रन्नू मिश्र। मोदा मिश्र के एक पुत्र विकाश मिश्र जो नावल्द हो गये। विश्वेश्वर मिश्र के द्वितीय पुत्र रन्नु मिश्र को दो पुत्र बान सिंह मिश्र और टोरल मिश्र।

बान सिंह मिश्र के दो पुत्र गिरधारी मिश्र और धनिक मिश्र। गिरधारी मिश्र के एक पुत्र बहोरन मिश्र, वहोरन मिश्र को दो पुत्र (१) जर्नादन मिश्र और उदित मिश्र। जनार्दन मिश्र के चार पुत्र (१) चन्द्र भूषण मिश्र (२) चन्द्र शेखर (३) हरेराम (४) राम प्रकाश चन्द्र भूषण मिश्र को दो पुत्र (१) अजय (२) विजय। चन्द्र शेखर के एक पुत्र (१) रणवीर।

वहोरन मिश्र के द्वितीय पुत्र उदित मिश्र के दो पुत्र हीरा लाल (१) भौली। हीरा लाल मिश्र को एक (१) मिसरी।

बान सिंह मिश्र के द्वितीय पुत्र धनीक मिश्र के एक पुत्र बीनो मिश्र जो नावल्द हो गये। रन्नू मिश्र के द्वितीय पुत्र टोरल मिश्र को तीन पुत्र (१) परमेश्वरी मिश्र (२) रामजी मिश्र (३) सुन्दर मिश्र। परमेश्वरी मिश्र के एक पुत्र गया मिश्र और गया मिश्र को एक पुत्र सत्यनारायण मिश्र और सत्य नारायण मिश्र के पाँच पुत्र (१) अशोक (२) विनोद (३) मनोज (४) सरोज (५) अनोज।

Scanned by CamScanner

टोरल मिश्र के द्वितीय पुत्र रामजी मिश्र के तीन पुत्र (१) कैलाश मिश्र (२) भोला मिश्र (३) सिया मिश्र। कैलाश मिश्र नावल्द। भोला मिश्र को पाँच लड़के (१) राजेन्द्र (२) जयनारायण (३) दिनेश (४) प्रमोद (५) अरविन्द। राजेन्द्र मिश्र को दो लड़के (१) रंजीत (२) अजीत। जय नारायण मिश्र को एक पुत्र धर्मेन्द्र। सिया मिश्र के दो पुत्र (१) जुगेश मिश्र जुगेश मिश्र के एक पुत्र पिंकू मिश्र।

टोरल मिश्र के तृतीय पुत्र सुन्दर मिश्र के तीन पुत्र हुए। (१) हरिदेव मिश्र (२) बह्मदेव मिश्र (३) विसुन देव मिश्र। जिसमें ब्रह्मदेव और विसुन देव नावल्द हो गये।

सुन्दर मिश्र के प्रथम पुत्र हरिदेव मिश्र के तीन पुत्र (१) बैधनाथ मिश्र (२) बासुकी नाथ मिश्र (३) केदार नाथ मिश्र। बैधनाथ मिश्र के एक पुत्र मदन मुरारी मिश्र। बासुकी नाथ के दो पुत्र शंभू और राजू।

देव मिश्र के चतुर्थ पुत्र अगहनू मिश्र के एक पुत्र बंगाली मिश्र और बंगाली मिश्र के दो पुत्र (१) भरोसी मिश्र (२) भज्जु मिश्र। भरोसी मिश्र के चार पुत्र (१) फौदार मिश्र (२) चंचल मिश्र (३) वीरो मिश्र (४) अच्छे मिश्र, जो चारो नावल्द हो गये।

बंगाली मिश्र के द्वितीय पुत्र भज्जु मिश्र को चार पुत्र हुए (१) सोनू मिश्र (२) कारी मिश्र (३) बच्चन मिश्र (४) वहोरन मिश्र जो चारो नावल्द हो गये।

(चौठ पट्टी)

ग्राम मेघौल, जिला बेगुसराय, थाना खोदाबन्दपुर के निवासी हेमन्त मिश्र के ३ पुत्र जिसमें श्रीचन्द मिश्र का वर्णन करता हूँ।

श्रीचन्द मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) रघुनाथ मिश्र (२) गोपी नाथ (३) बालकृष्ण मिश्र हुए।

रघुनाथ मिश्र के दो पुत्र हुए (१) आनन्द मिश्र (२) रामनाथ मिश्र हुए, ये दोनों नावल्द हो गये। आनन्द मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) चेता मिश्र हुए ये (ना०) हो गये। (२) जेसु मिश्र हुए जेसु मिश्र के एक पुत्र ढोरहाय मिश्र हुए ये भी (ना०) अब रघुनाथ मिश्र के दूसरा भाई गोपी मिश्र हुए इनके २ पुत्र हुए (१) भैरब मिश्र (२) तुला मिश्र हुए। भैरब मिश्र के एक पुत्र सुमेरु मिश्र, सुमेरु मिश्र के चार पुत्र हुए (१) फकीर मिश्र (२) मुन्नो मिश्र (३) भंजन मिश्र का (४) दूर्गा मिश्र हुए, वे (ना०) हो गये।

Scanned by CamScanner

(१) फकीर मिश्र के तीन पुत्र हुए, पहला पुत्र दरगाही मिश्र हुए (२) काली मिश्र (३) हरदयाल मिश्र हुए। दरगाही मिश्र के तीन पुत्र (१) भरत मिश्र (२) झुमक मिश्र (३) सोनमैन मिश्र हुए ये (ना०) हो गये। भरत मिश्र (२) पुत्र पोसन मिश्र हुए, इनको एक पुत्र हुआ जिनका नाम सयुग मिश्र हुआ। ये (ना०) हो गये।

भरत मिश्र के दूसरे भाई झुमक मिश्र हुए। झुमक मिश्र के दो पुत्र हुए। (१) गोखुल मिश्र (२) रामरूप मिश्र। ये दोनों (ना०) हो गये। दरगाही मिश्र दूसरे भाई काली मिश्र हुए, इनको एक पुत्र हुआ जिनका नाम पौरी मिश्र था। ये (ना०)। दरगाही मिश्र के तीसरा भाई हरदयाल मिश्र हुए ये (ना०) फकीर मिश्र के दूसरे भाई बुनी मिश्र हुए, इनके चार पुत्र हुए (१) भिक्षुक मिश्र। इनके (१) पुत्र शिवप्रसाद मिश्र थे (ना०)। दूसरे पुत्र का नाम गुरुदयाल मिश्र हुए। तीसरे पुत्र का नाम पराव मिश्र हुए। (४) पुत्र पलट मिश्र हुए। अब गुरुदयाल मिश्र के तीन पुत्र (१) गोपाल मिश्र, (२) नथनी मिश्र (३) कारी मिश्र हुए (४) गोपाल मिश्र के दो पुत्र (१) विरोगी मिश्र (२) जगदेव मिश्र हुए ये (ना०) हो गये। गोपाल मिश्र के दूसरे भाई नथुनी मिश्र हुए ये भी (ना०) हो गये। गोपाल मिश्र के तीसरे भाई कारी मिश्र इनको दो पुत्र हुए (१) मिश्री मिश्र (२) बनवारी मिश्र। मिश्री मिश्र के एक पुत्र रामाधीन मिश्र हुए इनके दो पुत्र (१) राजकिशोर मिश्र (२) श्यामकिशोर मिश्र। राजकिशोर मिश्र के दो पुत्र हुए— (१) विजय कुमार मिश्र (२) विनय कुमार मिश्र। विजय कुमार मिश्र के दो पुत्र— पहला सुभाष दूसरा प्रयास मिश्र। श्याम किशोर मिश्र के चार पुत्र (१) शशी कुमार मिश्र (२) सुनील कुमार मिश्र (३) सम्भु कुमार मिश्र (४) संतकुमार मिश्र। अब शशी कुमार के दो पुत्र फुलमुन और झुनकी मिश्र।

मिश्री मिश्र के दूसरे भाई बनबारी मिश्र के एक पुत्र असर्फी मिश्र हुए। इनको तीन पुत्र हुए (१) सत्यनारायण मिश्र (२) सत्यदेव मिश्र (३) कपीलदेब हुए। अब सत्यनारायण के एक पुत्र चून्नी मिश्र हुए। बन्नी मिश्र के तीसरे पुत्र परान मिश्र थे (ना०)। बन्नी मिश्र के ४थे पुत्र पलट मिश्र हुए इनके तीन पुत्र (१) लीरस मिश्र (२) मोहन मिश्र (३) सकुन मिश्र ये तीनों नावल्द। भैरव मिश्र के दूसरे भाई तुला मिश्र के एक पुत्र हुए जिनका नाम जिवच मिश्र हुए इनको एक पुत्र हुए। बन्धु मिश्र इनको दो पुत्र हुए (१) भरोसी मिश्र (२) बुलाकी मिश्र। भरोसी मिश्र के एक पुत्र खंतर मिश्र हुए, इनको तीन पुत्र (१) रामस्वरूप मिश्र (२) उदार मिश्र (३) सत्यनायण मिश्र ये नावल्द। रामस्वरूप मिश्र के तीन पुत्र। (१) विन्देसरी मिश्र (३) द्रवेश्वर मिश्र (४) श्यामबिहारी मिश्र। विन्देसरी मिश्र, ये नावल्द हो गए। द्रवेश्वर मिश्र के चार पुत्र

Scanned by CamScanner

(१) खलठ (२) रामबाबू मिश्र (३) शशीभूषण मिश्र (४) भोला मिश्र जिसमें खलठ मिश्र के दो पुत्र..................तथा रामवाबू मिश्र के एक पुत्र..........अब बाकी का शादी नहीं हुआ है। अब श्यामबिहारी मिश्र के चार पुत्र (१) रामबली मिश्र (२) मिथींलेश मिश्र (३) अवधेश मिश्र (४) ....। अब खंतर मिश्र के दूसरे पुत्र का नाम उदार मिश्र, इनको दो पुत्र हुए (१) महेन्द्र ये नावल्द। दूसरे नुनु मिश्र हुए इनको एक पुत्र जिनका नाम निरंजन मिश्र हुआ।

अब भरोसी मिश्र के दुसरे भाई बुलाकी मिश्र। इनको तीन पुत्र हुआ। (१) पुत्र हीया लाल मिश्र (२) नेवा मिश्र (३) रब्बी मिश्र हुए। हीया लाल मिश्र के एक पुत्र मेही मिश्र। इनको भी एक पुत्र धनुषधारी मिश्र हुए नावोल्द। नेवा और रब्बी नावोल्द।

अब श्री चन्द्र मिश्र के तीन पुत्र बालकृष्ण मिश्र। इनको दो पुत्र हुए—(१) केशव मिश्र (२) अजबी मिश्र नावोल्द। अब केसब मिश्र के एक पुत्र रतन मिश्र हुए। इनको चार पुत्र (१) भवानी मिश्र (२) सर्वजीत मिश्र (३) गजा मिश्र (४) कारू मिश्र हुए। अब भवानी मिश्र के एक पुत्र नकल मिश्र हुए। इनको भी तीन पुत्र हुए (१) गंगाराम मिश्र (२) जयराम मिश्र (३) तोताराम मिश्र। गंगाराम मिश्र के भी एक पुत्र गीरबल मिश्र, ये नावोल्द। अब जयराम मिश्र नावोल्द। अब तोताराम मिश्र के एक पुत्र ललीत मिश्र। इनके एक पुत्र अकलु मिश्र। इनको भी एक पुत्र गोनर मिश्र ये नावोल्द। गीरबल मिश्र के तीन पुत्र (१) जगदम्मी मिश्र, ये नावोल्द (२) राघो मिश्र, ये नावोल्द (३) लखन मिश्र। इनको दो पुत्र—(१) रामकल्याण मिश्र, (२) राधा मिश्र। अब जयराम मिश्र, ये नावोल्द। अब गंगाराम मिश्र के दूसरे भाई तोताराम मिश्र के दो पुत्र (१) ललित मिश्र ये भी नावोल्द। अब भवानी मिश्र के दूसरे भाई सर्वजीत मिश्र ये नावोल्द। अब भवानी मिश्र के तीसरे भाई गाजा मिश्र। इनको एक पुत्र तुफानी मिश्र, नावोल्द। अब भवानी मिश्र के चौथे भाई कारू मिश्र के एक पुत्र रीतलाल मिश्र हुए। इनको तीन पुत्र हुए। (१) रामाधीन मिश्र (२) ननु मिश्र (३) परमेसरी मिश्र। नुनु और परमेसरी, ये नावोल्द। रामाधीन मिश्र के दो पुत्र (१) रघुनाथ मिश्र (२) तिलक मिश्र ये नावोल्द। रघुनाथ मिश्र के दो पुत्र (१) उचित लाल मिश्र (२) फुचो मिश्र। अब उचित लाल मिश्र के ६ पुत्र (१) रामाशीष (२) रामबालक मिश्र (३) राम प्रकाश मिश्र (४) कृष्णकान्त मिश्र (५) हरेराम मिश्र (६) हरेकृष्ण मिश्र। अब रामाशीष मिश्र के मुन्ना और हरगौरी तथा दूसरा भाई रानबालक के लड़का चुन्ना।

अब फुचो मिश्र के दो पुत्र रामाकान्त (२) सीताराम मिश्र।

(चौठ पट्टी का वंश-वृक्ष समाप्त।)

Scanned by CamScanner

ग्राम मेघौल, जिला बेगुसराय, थाना खोदाबन्दपूर के निवासी श्री महाराज हेमन मिश्र के द्वितीय पुत्र तारा मिश्र के वंश विस्तार का वर्णन।

(निजामत पट्टी)

तारा मिश्र के एक पुत्र जिनका नाम श्री पैत मिश्र हुए। श्री पैत मिश्र के २ पुत्र बौधी, लोचन। बौधी मिश्र के दो पुत्र हुए (१) शंकर मिश्र (२) पहल मिश्र। शंकर मिश्र के दो पुत्र (१) दरियाव (२) गन्नू मिश्र।

१. दरियाव मिश्र के एक पुत्र भदैय मिश्र नावल्द गन्नू मिश्र के एक पुत्र निरसन मिश्र हुए।

पहल मिश्र के ५ पुत्र—राम प्रसाद मिश्र, नन्हा मिश्र, वादिल मिश्र, रब्बी मिश्र। रामलाल मिश्र, राम प्रसाद मिश्र नावल्द हो गये।

२. नन्हा मिश्र के एक पुत्र—राम मौरी मिश्र रामगौरी मिश्र के एक पुत्र—जनक मिश्र के दो पुत्र—वासुदेव मिश्र छट्ठू मिश्र, वासुदेव मिश्र नावल्द हो गये। छट्ठू मिश्र के दो पुत्र—रामाशिष मिश्र, राम नरेश मिश्र।

३. बादिल मिश्र के एक पुत्र हुए—जगमोहन मिश्र के एक पुत्र—तिलक मिश्र। तिलक मिश्र के चार पुत्र—लक्षो मिश्र अशर्फी मिश्र, अछेवट मिश्र, डाक बाबू मिश्र, लक्षो मिश्र के एक पुत्र—सीया मिश्र, सीया मिश्र के एक पुत्र—अशोक कुमार अशर्फी मिश्र के दो पुत्र—रामस्वारथ मिश्र, रामाश्रय मिश्र। रामस्वारथ मिश्र के एक पुत्र राज किशोर मिश्र। रामाश्रय मिश्र के दो पुत्र मनोज कुमार मिश्र, शम्भू मिश्र।

३. अछेवट मिश्र के दो पुत्र रामनारायण जगत मिश्र। रामनारायण के पुत्र (१) अरुण मिश्र प्रमोद मिश्र। जगत मिश्र—३ पुत्र (१) अरविन्द मिश्र (२) अनिल मिश्र, (३) सुनिल मिश्र।

४. डाक बाबू मिश्र के एक पुत्र—चन्द्रिका मिश्र।

पहल मिश्र के चार पुत्र, रब्बी मिश्र—नावल्द।

५. रामलाल के एक पुत्र कारी मिश्र—कारी मिश्र के एक पुत्र बच्चा मिश्र के दो पुत्र, युगल मिश्र और रामवदन मिश्र। युगल मिश्र के दो पुत्र—राम विनय मिश्र, शिवविनय मिश्र। रामवदन मिश्र के तीन पुत्र—जयप्रकाश, (२) रामवृक्ष मिश्र (३) राजनीति मिश्र उर्फ नाम रामप्रकाश।

लोचन मिश्र के एक पुत्र—महिनाथ मिश्र के दो पुत्र—रमण मिश्र, राजन मिश्र। रमण मिश्र के एक पुत्र नेहाल मिश्र—नेहाल मिश्र के पुत्र जवाहर मिश्र जवाहर मिश्र के एक पुत्र—लालजित मिश्र।

Scanned by CamScanner

३. लालजित मिश्र के ६ पुत्र—रेशमी लाल मिश्र, नुनु मिश्र, अयोध्या मिश्र, विनो मिश्र, बृजबिहारी मिश्र, अवधी मिश्र।

१. रेशमीलाल मिश्र के एक पुत्र हुए—लक्ष्मण मिश्र। लक्ष्मण मिश्र के एक पुत्र—राजा रघुनन्दन मिश्र के एक पुत्र—राममुर्त्ति मिश्र—

२. नुनु मिश्र—नावल्द।

३. अयोध्या मिश्र के एक पुत्र सीताराम मिश्र नावल्द।

४. विनो मिश्र के पुत्र—रामेश्वर मिश्र, रामेश्वर मिश्र के एक पुत्र—जगदीश मिश्र को लड़का नहीं (नावल्द)

५. वृजविहारी मिश्र के ५ पुत्र जानकी मिश्र, रामवल्लभ मिश्र, रामनन्दन मिश्र के दो पुत्र—शम्भूकुमार मिश्र अन्हैया मिश्र—

४. महेन्द्र मिश्र हुए—ये भी नावल्द हुए।

५. रामविलास मिश्र हुए रामविलास मिश्र के एक पुत्र—आदित्य मिश्र।

६. छठा पुत्र अवधी मिश्र हुए। इनको तीन पुत्र हुए। (१) युगल मिश्र, (२) ब्रह्मदेव मिश्र, (३) नागर मिश्र। युगल मिश्र के एक पुत्र शिवजी मिश्र हुए। ब्रह्मदेब मिश्र के तीन पुत्र, सच्चिदानन्द मिश्र, पवन मिश्र, रामकुमार मिश्र।

४ सच्चिदानन्द मिश्र के एक पुत्र—निरंजन मिश्र।

शिवजी के पुत्र—गोपाल मिश्र, विमलेश मिश्र, बौआ मिश्र।

३. नागर मिश्र नावल्द।

१. राजन मिश्र के दो पुत्र—श्याम मिश्र, ध्यान मिश्र। श्याम मिश्र के एक पुत्र—मिलन मिश्र—मिलन मिश्र के तीन पुत्र हुए—द्वारिका मिश्र—जादो मिश्र, हरिवल्लभ मिश्र।

द्वारिका मिश्र के तीन पुत्र—राजेन्द्र मिश्र, कैलाश मिश्र, कैलास मिश्र, राधा मिश्र।

राजेन्द्र मिश्र के तीन पुत्र। हरिवंश मिश्र, चन्द्रकिशोर मिश्र, मोहन मिश्र।

हरिवंश मिश्र के दो पुत्र—अशोक कुमार मिश्र, अरुण कुमार मिश्र।

चन्द्र किशोर के दो पुत्र—विजय कुमार मिश्र, विमलेश मिश्र।

मोहन मिश्र ——

कैलाश मिश्र के तीन पुत्र—रामकिशोर मिश्र, मोती मिश्र।

नन्दकिशोर मिश्र के पुत्र—राजिव नयन मिश्र।

राजनीति मिश्र के एक पुत्र—रोशन मिश्र।

राधा मिश्र के एक पुत्र—शहीद कुमार मिश्र। शहीद कुमार मिश्र के एक पुत्र—सुदिष्ट मिश्र।

Scanned by CamScanner

मिलन मिश्र के दो पुत्र, जादो मिश्र नाओल्द ।

तीसरा पुत्र हरिवल्लव मिश्र, मेंही मिश्र। हरिवल्लव मिश्र के चार पुत्र हुए—रमेश मिश्र, उमेश मिश्र, फुलेना मिश्र, रामविनोद मिश्र। रमेश मिश्र के एक पुत्र मौलू मिश्र मौलू मिश्र कमलेश मिश्र के दो पुत्र सुमन मिश्र, संजीव मिश्र।

उमेश मिश्र के दो पुत्र ललन मिश्र, बबन मिश्र।

राम विनोद के दो पुत्र बौनी मिश्र, अवधेश मिश्र। ललन के दो पुत्र दुर्गा मिश्र, चिन्मय मिश्र।

फुलेना मिश्र के एक पुत्र विमलेश मिश्र। विमलेश मिश्र के एक पुत्र मनोज मिश्र। कारी मिश्र के तीन पुत्र हुए। दिनेश मिश्र, सुरेश मिश्र, गोंगू मिश्र नाओल्द। सुरेश के दो लड़का।

ध्यान मिश्र के एक पुत्र मितरंजित मिश्र। मितरंजित मिश्र के एक पुत्र नेवाजी मिश्र, ये नाओल्द हो गये।

जानकी मिश्र के छः पुत्र विलैती मिश्र, गौरी मिश्र, पवन मिश्र, वशिष्ठ मिश्र, नेबाली मिश्र, सुदर्शन मिश्र।

मटिहानी ग्राम, पो० मटिहानी, भाया मेघौल, थाना खोदाबन्दपुर, जिला बेगूसराय के निवासी जगरनाथ मिश्र के तीसरा पुत्र लक्ष्मी मिश्र वसिन्दे मटिहानी।

लक्ष्मी मिश्र के दो पुत्र विसुनी मिश्र, डोमन मिश्र। विसुनी मिश्र के दो पुत्र जय मिश्र, हरि मिश्र। जय मिश्र के दो पुत्र अघौरी मिश्र, भजन मिश्र।

Scanned by CamScanner

उद्भव

ग्राम—आकोपुर
पो०—आकोपुर
जि०—बेगूसराय

गोमुखि ग्राम पिरोखर से,
सुरसरि सुरगण्य निःसृत हुए
प्रजापति मिश्र के अनमोल लाल
उमापति, वाचस्पति मिश्र हुए।

महा तेजस्वी वाचस्पति के पुत्र एक,
हेम नारायण मिश्र हुए,
हुए हेम के पंच रत्न—
जिनमे हृदय नाथ पुत्रवन्त हुए।

हृदयनाथ के पुत्र एक,
कालिका दत्त महान हुए,
कालिका दत्त के दो पुत्र—
जो श्याम और हरिनारायण थे,
जो हरि गए मगध देश को,
श्याम हमारे वीजक थे।

श्याम पुत्र हरिदत्त मिश्र,
हो हर्षित चले सुरसरि दर्शन को,
परम सुललि मधौल धाम,
देखा अति ही सुहावन को।

कुसुमारय ब्रह्मण मेघ दत्त
जहाँ तपस्वी पण्डित थे।
पुत्र नहीं था इनको कोई,
पुत्री से ही मण्डित थे।

कमलासना, कमलावती—
जो मेध दत्त की पुत्री थी,
शक्ति, स्वरूपा कन्या यह
अति गुणज्ञ और विदुषी थी,
लावण्य देखकर पुत्री की,
वर की चिन्ता होती थी,
देव तुल्य वर लाने को,
पत्नी उनकी कहती थी।

Scanned by CamScanner

उत्फुल हृदय से हर्षित होकर,
हरिदत्त मिश्र का सम्मान किया,
खोई निधि ही पायी मानो,
आत्म रूप को देख लिया।

करने को शास्त्रार्थ शीघ्र ही,
विद्वानों की सभा लगी,
व्यास रूप हरिदत्त मिश्र से—
सभा पराजित हो गई।

सजने को मेघोल धाम को—,
कुसुमारक हो आये थे,
सुन्दरतम् से सुन्दरता को,
हंस हंस कर खूब लजाए थे।

कमलासना, कमलावती का—
हरिदत्त ने किया पाणि ग्रहण,
मेघदत्त ने हर्षित होकर,
अर्पित किया कुमकुम चन्दन।

संवत सोलह सौ बाइस—
रोज गुरुवार फाल्गुन शुक्ल पंचमी को
हुआ वंश वीज तैयार।

ध्यान लगाकर सुन लो भाई,
मेधदत्त से मेघौल नाम,
यही हमारा डीह पुराना,
झुक झुक करो प्रणाम।

उपसंहार—

(१) हे महा पुरुष सुरगणय वंश के,
आशीष सदा देते रहें,
दिव्य धाम के वासी होकर,
कल्याण सदा करते रहें।

(२) सदा कुपथ से हटकर ही,
सत् पथ पर रहे हमारा काम,
स्वीकार करो हे पुरुष पुरातन,
"सूरज" का नम्र प्रणाम।

— ० —

Scanned by CamScanner

श्लोक :

कृतेषु मानवाधर्माः, त्रेतायां गौतमस्मृता ।
द्वापरे शंख लिखिता, कलैवु पराशर स्मृता ॥

ब्रह्मा का पुत्र वशिष्ठ, वशिष्ठ के पुत्र शक्ति, शक्ति के पुत्र पराशर, पराशर के पुत्र वेदव्यास, और वेदव्यास के पुत्र शुकदेव जी थे जो जगत् विख्यात हैं ।

सुरगण वंश आकोपुर के वंश वृक्ष नीचे निम्नलिखित है—

श्री विभव मिश्र के एक पुत्र श्री चतुर मिश्र, श्री चतुर मिश्र के दो पुत्र हुए एक श्री अमर मिश्र और श्री मनन मिश्र । श्री अमर मिश्र के एक पुत्र—श्री शिरोमण मिश्र, शिरोमण मिश्र के एक पुत्र अनिरुद्ध मिश्र, अनिरुद्ध मिश्र के एक पुत्र प्रेम राज मिश्र, प्रेम राज मिश्र के तीन पुत्र-शरोतर मिश्र, अजवी मिश्र और तेजो मिश्र ।

शरोतर मिश्र के तीन पुत्र—(१) श्री गुलाब मिश्र, निर्मल मिश्र, मुरली मिश्र । गुलाब मिश्र के छः पुत्र हुए :—भवानी मिश्र, भोला मिश्र, खगन मिश्र, देवी मिश्र, सेवी मिश्र, छब्बु मिश्र ।

भवानी मिश्र के तीन पुत्र—हेमवान मिश्र, ठाकुर मिश्र, अयोध्या मिश्र । हेमवान मिश्र के चार पुत्र :—कन्हैया मिश्र नावल्द, काशी मिश्र, कमल मिश्र नावल्द, शिव चरण मिश्र नावल्द । काशी मिश्र के दो पुत्र—माना मिश्र नावल्द, दुखा मिश्र । दुखा मिश्र के एक पुत्र—राम प्रकाश मिश्र नावल्द ।

ठाकुर मिश्र के तीन पुत्र—रामहित मिश्र, बलकुमार मिश्र झूमक मिश्र । रामहित मिश्र के एक पुत्र भीम मिश्र नावल्द । बल कुमार मिश्र के तीन पुत्र—चन्डी मिश्र नावल्द, हीमरन मिश्र नावल्द, झरूला मिश्र । झरूला मिश्र के दो पुत्र—रामरूप मिश्र नावल्द, असमान मिश्र नावल्द ।

झुमक मिश्र के दो पुत्र—रामसहाय मिश्र, शिवदानी मिश्र नावल्द । राम सहाय मिश्र के एक पुत्र—मिश्री मिश्र । मिश्री मिश्र के तीन पुत्र—कमलधारी मिश्र, बालेश्वर मिश्र, राम वृक्ष मिश्र । कमल धारी मिश्र के दो पुत्र महेन्द्र मिश्र, राम सखा मिश्र । वालेश्बर मिश्र के तीन पुत्र । सुरेन्द्र मिश्र, राम वाबू मिश्र, श्याम नारायण मिश्रा । राम वृक्ष मिश्र के चार पुत्र—मुकुन्द मिश्र, कृष्ण मिश्र, त्रिपुरारी मिश्र, विभाकर मिश्र ।

भोला मिश्र के दो पुत्र—रणजीत मिश्र, फकीर मिश्र । रणजीत मिश्र के तीन पुत्र—उमराव मिश्र, श्याम मिश्र पहल मिश्र नावल्द । उमराव मिश्र के तीन पुत्र—रामजीवन मिश्र, जीबू मिश्र, प्रयाग मिश्र नावल्द । रामजीबन मिश्र के एक पुत्र भागवत मिश्र । भागवत मिश्र को एक पुत्र राम स्वरूप मिश्र, रामस्वरूप मिश्र

Scanned by CamScanner

के एक पुत्र सूर्य नारायण मिश्र। सूर्यनारायण मिश्र के तीन पुत्र—राजकुमार मिश्र, गोपाल मिश्र, ओम प्रकाश मिश्र। जीबू मिश्र के दो पुत्र रासो मिश्र नावल्द, रासधारी मिश्र नावल्द। श्याम मिश्र के दो पुत्र—दुखिया मिश्र, भगवान मिश्र नावल्द। दुखिया मिश्र के तीन पुत्र—रामसोहावन मिश्र नावल्द, श्रवण कुमार मिश्र. रामबूझान मिश्र- नावल्द, हरि मिश्र नावल्द श्रवण कुमार मिश्र के दो पुत्र—कुशेश्वर मिश्र, रामबाबू मिश्र फकीर मिश्र के छः पुत्र—राम बकस मिश्र नावल्द, शिव बकस मिश्र, गूमानी मिश्र, राजा मिश्र, राम प्रसाद मिश्र, शिव प्रसाद मिश्र। शिव बकस मिश्र के एक पुत्र दुरमिल मिश्र। दुरमिल मिश्र के एक पुत्र फेकू मिश्र।

फेकू मिश्र के दो पुत्र लखन मिश्र, शिवू मिश्र। लखन मिश्र के दो पुत्र रामशीष मिश्र निरंजन मिश्र। रामाशीष मिश्र के एक पुत्र संजय मिश्र। शिवू मिश्र के पाँच पुत्र-नन्दकुमार मिश्र, विजय मिश्र, राजो मिश्र, मुकेश मिश्र, शंभू मिश्र।

गुमानी मिश्र के दो पुत्र रवि मिश्र, रामू मिश्र। रवि मिश्र के दो पुत्र—घूरन मिश्र, महावीर मिश्र। घूरन मिश्र के चार पुत्र—प्रमेश्वरी मिश्र, रामबहादुर मिश्र, पुनीतलाल मिश्र, सखिचन्द मिश्र। प्रमेश्वरी मिश्र के तीन पुत्र—बच्चा मिश्र, रामभजन मिश्र, दीपनारायण मिश्र। रामबहादुर मिश्र के दो पुत्र रामचन्द्र मिश्र, रामप्रकाश मिश्र।

पुनीतलाल मिश्र के एक पुत्र राम उमेश मिश्र। सखीचन्द्र मिश्र के एक पुत्र रामरतन मिश्र।

रामू मिश्र के दो पुत्र कन्ति मिश्र नाओल्द, धनिक मिश्र नाओल्द। राजा मिश्र के एक पुत्र सुखल मिश्र। सुखल मिश्र के एक पुत्र रेशमी मिश्र नाओल्द।

राम प्रसाद मिश्र के एक पुत्र चंचल मिश्र। चंचल मिश्र के दो पुत्र, सीताराम मिश्र नाओल्द। राम गोविन्द मिश्र उर्फ भोनू मिश्र। राम गोविन्द मिश्र के दो पुत्र नूनू मिश्र, दामोदर मिश्र, नूनू मिश्र के तीन पुत्र जनार्दन मिश्र। गोपाल मिश्र, मधुसुदन मिश्र। जनार्दन मिश्र के दो पुत्र अजय कुमार मिश्र, सुमन मिश्र। दामोदर मिश्र के दो पुत्र—रामाश्रय मिश्र, अरविन्द मिश्र। रामाश्रय मिश्र के तीन पुत्र—अंजनि मिश्र, आसूतोष मिश्र, अचलेन्द्र मिश्र।

शिव प्रसाद मिश्र के एक पुत्र कारी मिश्र नाओल्द। महावीर मिश्र के दो पुत्र अधिकलाल मिश्र, जागेश्वर मिश्र। अधिकलाल मिश्र के तीन पुत्र रामजपू मिश्र, रामवदन मिश्र, रामसज्जन मिश्र। जागेश्वर मिश्र के दो पुत्र रामशेखर मिश्र, चन्द्रमौलि मिश्र।

खगन मिश्र के एक पुत्र हरिहर मिश्र। हरिहर मिश्र के तीन पुत्र—गोपाल मिश्र, वृजलाल मिश्र, रामप्रसाद मिश्र। गोपाल मिश्र के एक पुत्र वंशराज

Scanned by CamScanner

मिश्र। वंशराज मिश्र के दो पुत्र लोचन मिश्र नाओल्द, रेशमी मिश्र। रेशमी मिश्र के तीन पुत्र रामजपू मिश्र, कैलाश मिश्र, रामसगून मिश्र। रामजपू मिश्र के दो पुत्र विनय कुमार मिश्र, प्रेमकुमार मिश्र। बृजलाल मिश्र के पाँच पुत्र फौदार मिश्र नाओल्द, दरोगा मिश्र नाओल्द, बौएलाल मिश्र, जागो मिश्र नाओल्द, रामरूप मिश्र नाओल्द। बौएलाल मिश्र के एक पुत्र शिवकान्त मिश्र। शिवाकान्त मिश्र के तीन पुत्र रामसागर मिश्र, अरूण कुमार मिश्र, रामकुमार मिश्र। रामसागर मिश्र के एक पुत्र ब्रह्मानन्द मिश्र। अरूण कुमार मिश्र के एक पुत्र नन्दकुमार मिश्र।

देवी मिश्र के चार पुत्र धोधन मिश्र, तिलक मिश्र, भूपन मिश्र, रूपन मिश्र। धोधन मिश्र के चार पुत्र दीनदयाल मिश्र, दौलत मिश्र, दुरमिल मिश्र, सूवंश मिश्र। दीनदयाल मिश्र के दो पुत्र नथुनी मिश्र, जीवलाल मिश्र नाओल्द। नथुनी मिश्र के तीन पुत्र—हितो मिश्र, त्रिवेनी मिश्र नाओल्द, किसुन मिश्र। हितो मिश्र के एक पुत्र हरिनन्दन मिश्र। हरिनन्दन मिश्र के दो पुत्र—सत्यनारायण मिश्र, कपिलदेव मिश्र।

रामकिसुन मिश्र के एक पुत्र, रामप्रताप मिश्र के चार पुत्र बलराम मिश्र, रामनन्दन मिश्र, विनोद मिश्र, विनय मिश्र।

दौलत मिश्र के दो पुत्र मन्नू मिश्र, धन्नू मिश्र। मन्नू मिश्र के तीन पुत्र रासो मिश्र, शिवनन्दन मिश्र, महंथी मिश्र। रासो मिश्र के एक पुत्र मथुरा मिश्र। मथुरा मिश्र के एक पुत्र तृप्तिनारायण मिश्र। शिवनन्दन मिश्र के एक पुत्र लक्ष्मी नारायण मिश्र। लक्ष्मी नारायण मिश्र के चार पुत्र रमेश मिश्र, उमेश मिश्र, शोभाकान्त मिश्र, कमल मिश्र।

महंथी मिश्र मे एक पुत्र रामाज्ञा मिश्र। रामाज्ञा मिश्र के तीन पुत्र अमरनाथ मिश्र, त्रिभुवन मिश्र, चन्द्रभूषण मिश्र धन्नू मिश्र के एक पुत्र राम लखन मिश्र। रामलखन मिश्र के चार पुत्र राजेन्द्र मिश्र, उपेन्द्र मिश्र, विष्णुदेव मिश्र, कैलाश मिश्र। राजेन्द्र मिश्र के दो पुत्र भगवानलाल मिश्र, दीपनारायण मिश्र। उपेन्द्र मिश्र के दो पुत्र निरंजन मिश्र, दिवाकर मिश्र, विष्णुदेव मिश्र के दो पंकज, छोटन। दुरमिल मिश्र के एक पुत्र बजर मिश्र नावल्द।

सूवंश मिश्र के एक पुत्र बतहू मिश्र नावल्द।

तिलक मिश्र के एक पुत्र अचंभित मिश्र। अचंभित मिश्र के एक पुत्र कारी मिश्र। कारी मिश्र के दो पुत्र बौएलाल मिश्र नावल्द, अनूपलाल मिश्र नावल्द।

रुपन मिश्र के एक पुत्र जालपा मिश्र। जालपा मिश्र के एक पुत्र राम श्री मिश्र नावल्द।

Scanned by CamScanner

सेवी मिश्र के दो पुत्र शिवदयाल मिश्र, गिरधारी मिश्र। शिव दयाल मिश्र के दो पुत्र गोपाल मिश्र, राम दीहल मिश्र नावल्द। गोपाल मिश्र के तीन पुत्र—पूच्छा मिश्र, जोगी मिश्र, गोखुल मिश्र नावल्द। पूच्छा मिश्र के चार पुत्र मुल्की मिश्र, नेवो मिश्र, राम गोविन्द मिश्र, मायलाल मिश्र नावल्द। मुल्की मिश्र के एक पुत्र राम रूप मिश्र नावल्द। नेवो मिश्र के एक पुत्र जगदम्बी मिश्र जगदम्बी मिश्र के दो पुत्र राम भजन मिश्र, हरेराम मिश्र। राम गोविन्द मिश्र के दो पुत्र रामानुज मिश्र नावल्द, राम सागर मिश्र। राम सागर मिश्र के एक पुत्र रामानन्द मिश्र। जोगी मिश्र के तीन पुत्र राम चरण मिश्र नावल्द, रामेश्वर मिश्र, सुकन मिश्र नावल्द। रामेश्वर मिश्र के दो पुत्र परमानन्द मिश्र, अंगद मिश्र नावल्द। परमानन्द मिश्र के तीन पुत्र, देवेन्द्र, धीरेन्द्र, शैलेन्द्र और देवेन्द्र मिश्र के पुत्र ललितेश कुमार गिरधारी मिश्र के दो पुत्र मूरत मिश्र, दिरगोपाल मिश्र। मूरत मिश्र के दो पुत्र—गूदर मिश्र नावल्द, भगलू मिश्र। भगलू मिश्र के एक पुत्र राम नारायण मिश्र। राम नारायण मिश्र के एक पुत्र राज किशोर मिश्र। राजकिशोर मिश्र के दो पुत्र राजेश, रणजीत। द्वगोपाल मिश्र के दो पुत्र दरबारी मिश्र नावल्द, बनवारी मिश्र नावल्द।

घब्बू मिश्र के छः पुत्र रतन मिश्र दरियाव मिश्र नावल्द, रामसहाय मिश्र नावल्द, हंशराज मिश्र नावल्द, राम दुलह मिश्र, लक्ष्मी मिश्र नावल्द। रतन मिश्र के तीन पुत्र नेवाजी मिश्र, सुमरन मिश्र, भरोसी मिश्र नावल्द। नेवाजी मिश्र के दो पुत्र कलपू मिश्र, भंगलू मिश्र नावल्द। कलपू मिश्र के सात-पुत्र राम खेलावन मिश्र नावल्द, बलदेव मिश्र, ब्रह्मदेव मिश्र, रामदेव मिश्र महंथ आकोपुर, दामोदर मिश्र, देवनाथ मिश्र, राम चरित्र मिश्र नावल्द। बलदेव मिश्र के एक पुत्र राम नरेश मिश्र। राम नरेश मिश्र के तीन पुत्र चन्द्रभूषण, शशिभूषण, भारत भूषण, ब्रह्मदेव मिश्र के दो पुत्र मुनेश्वर मिश्र नावल्द, भोला मिश्र। दामोदर मिश्र के तीन पुत्र सूर्यशेखर मिश्र, चन्द्रशेखर मिश्र गीता मिश्र। देवनारायण मिश्र के एक पुत्र प्रभाकर मिश्र।

राम दुलह मिश्र के दो पुत्र मंगल मिश्र, गूदर मिश्र मंगल मिश्र के एक पुत्र सुखदेव मिश्र नावल्द, गूदर मिश्र के एक पुत्र राम कृपाल मिश्र। राम कृपाल मिश्र के तीन पुत्र मनिकान्त मिश्र, हरिकान्त मिश्र, नागेन्द्र मिश्र, मनिकान्त मिश्र के दो पुत्र राजीव, संजीव।

सुमिरन मिश्र के दो पुत्र प्रदीप मिश्र, बच्चू मिश्र। प्रदीप मिश्र के दो पुत्र महावीर मिश्र, बवजन मिश्र। महावीर मिश्र के एक पुत्र रामबहादुर मिश्र। रामबहादुर मिश्र के चार पुत्र कामेश्वर मिश्र, महेश्वर मिश्र, भुनेश्वर मिश्र,

Scanned by CamScanner

दिनेश्वर मिश्र, महेश्वर मिश्र के एक लड़का अरुण कुमार मिश्र। भुनेश्वर मिश्र के दो पुत्र अवनीश, रजनीश। दिनेश्वर मिश्र के भोला।

बयजन मिश्र के एक पुत्र रामवल्लभ मिश्र, रामवल्लभ मिश्र के एक पुत्र चितरंजन मिश्र।

बच्चू मिश्र के एक पुत्र राघो मिश्र। राघो मिश्र के एक पुत्र सूर्यनारायण मिश्र। सूर्यनारायण मिश्र के चार पुत्र रामचन्द्र मिश्र, शिवचन्द्र मिश्र, रामबाबू मिश्र, गणेश मिश्र।

निर्मल मिश्र के तीन पुत्र महेश मिश्र, भजन मिश्र, मुक्ति मिश्र। महेश के एक पुत्र बैजनाथ मिश्र। बैजनाथ मिश्र के तीन पुत्र शिव प्रसाद मिश्र नावल्द, विरजा मिश्र, फुलेना मिश्र नावल्द। विरजा मिश्र के एक पुत्र भातू मिश्र। भातू मिश्र के पुत्र बच्चा मिश्र। बच्चा के दो पुत्र श्रीकान्त मिश्र, रामचन्द्र मिश्र। श्रीकान्त मिश्र के एक पुत्र राम अभिलाश। रामचन्द्र मिश्र के तीन पुत्र, रामविनोद, रामपुकार, रामाधार।

भजन मिश्र के एक पुत्र रघुनाथ मिश्र। रघुनाथ मिश्र के दो पुत्र बिकन मिश्र, अमोल मिश्र नावल्द। बिकन मिश्र के एक पुत्र बच्चा मिश्र, बच्चा मिश्र के दो पुत्र रामदेव मिश्र नावल्द, जगदेव मिश्र। जगदेव मिश्र के एक पुत्र रामजतन मिश्र। रामजतन मिश्र के रामबाबू मिश्र, अमरेश मिश्र।

मुक्ति मिश्र के एक पुत्र हरेराम मिश्र। हरेराम मिश्र के दो पुत्र नेवा मिश्र, रामभजु मिश्र नावल्द। नेवा मिश्र पुत्र सुन्दर मिश्र, दरोगा मिश्र, नावल्द जमादार मिश्र नावल्द, शिवबालक मिश्र नावल्द। सुन्दर मिश्र के एक पुत्र रामउदित मिश्र। रामउदित मिश्र के एक पुत्र किरणदेव मिश्र। किरणदेव मिश्र के एक पुत्र गंगेश मिश्र।

मुरली मिश्र के दो पुत्र मनशा मिश्र, खखर मिश्र नावल्द। मनशा मिश्र के तीन पुत्र शंकर मिश्र नावल्द, होरिल मिश्र, तलेवर मिश्र। होरिल मिश्र के दो पुत्र—रामनाथ मिश्र नावल्द, रामसहाय मिश्र। रामसहाय मिश्र के दो पुत्र हियालाल मिश्र, लालो मिश्र। हियालाल मिश्र के एक पुत्र गोपी मिश्र। गोपी मिश्र के दो पुत्र रामप्रकाश मिश्र रामप्रमोद मिश्र। रामप्रकाश मिश्र के दो पुत्र अनिल, सुनिल। रामप्रमोद मिश्र के एक पुत्र माधव।

लालो मिश्र के दो पुत्र ब्रह्मदेव मिश्र, हरिनन्दन मिश्र नावल्द। ब्रह्मदेव मिश्र के दो पुत्र रामाश्रय मिश्र, रामनरेश मिश्र। रामाश्रय मिश्र के दो पुत्र दिनेश मिश्र, सुरेश मिश्र। रामनरेश मिश्र के एक पुत्र श्याम किशोर मिश्र। तलेवर मिश्र के एक पुत्र रक्षा मिश्र। रक्षा मिश्र के दो पुत्र जीवछ मिश्र, कंतू मिश्र

Scanned by CamScanner

नावल्द। जीवछ मिश्र के चार पुत्र जयना० मिश्र, देवनारायण मिश्र, नन्दन मिश्र, रामभजु मिश्र। जय नारायण मिश्र के पुत्र महेन्द्र, रामविनोद, शालीग्राम, देवनारायण मिश्र के दो पुत्र मुखिया, सरपंच। रामभजु मिश्र के दो पुत्र राम विलास मिश्र, रामानन्द मिश्र थे। अजबी मिश्र के तीन पुत्र—खुशहाल मिश्र, प्रेम मिश्र, छेमन मिश्र। खुशहाल मिश्र के तीन पुत्र—बहोरन मिश्र, सुचि मिश्र, हरिलाल मिश्र। बहोरन मिश्र के तीन पुत्र—खयाली मिश्र नावल्द, दियाली मिश्र नावल्द, सर्वजीत मिश्र के तीन पुत्र—विरजा मिश्र- मूरत मिश्र, जगमोहन मिश्र। विरजा मिश्र के दो पुत्र—घीना मिश्र, भागवत मिश्र नावल्द। घीना मिश्र के दो पुत्र—फौदार मिश्र, द्वारिका मिश्र। फौदार मिश्र के एक पुत्र—बलदेव मिश्र नावल्द। द्वारिका मिश्र के एक पुत्र—चन्द्रदेव मिश्र। चन्द्रदेव मिश्र के एक पुत्र—रामनेवाज मिश्र।

मूरत मिश्र के दो पुत्र—झरुला मिश्र नावल्द। जीतन मिश्र नावल्द। जगमोहन मिश्र के एक पुत्र—किसुन मिश्र। किसुन मिश्र के तीन पुत्र—हृदय मिश्र नावल्द। परशुराम मिश्र, रामवरण मिश्र, परशुराम मिश्र के एक पुत्र—रामभरोस मिश्र नावल्द। रामवरन मिश्र के एक पुत्र—महेश मिश्र।

सुदी मिश्र के दो पुत्र—वंशी मिश्र, लक्ष्मण मिश्र। वंशी मिश्र के दो पुत्र—राजकुमार मिश्र, शिवनारायण मिश्र। राजकुमार मिश्र के दो पुत्र—खन्तर मिश्र, रामखेलावन मिश्र नावल्द। खन्तर मिश्र के एक पुत्र—दानी मिश्र, दानी मिश्र के दो पुत्र—योगेन्द्र मिश्र, नन्दकिशोर मिश्र। योगेन्द्र मिश्र के चार पुत्र—प्रभाकर मिश्र, सुधाकर मिश्र, पंकज मिश्र, बच्चा। नन्दकिशोर मिश्र के दो पुत्र—दिवाकर मिश्र, बच्चा।

शिवनारायण मिश्र के एक पुत्र—सुवालाल मिश्र। सुवालाल मिश्र के छः पुत्र—रमाकान्त मिश्र, श्रीकान्त मिश्र, देवीकान्त मिश्र, लक्ष्मीकान्त मिश्र, गौड़ीकान्त मिश्र, निशाकान्त मिश्र। रमाकान्त मिश्र के चार पुत्र—कौशल कुमार मिश्र, प्रदुमन मिश्र, मुकुल मिश्र, विजय कुमार मिश्र। श्रीकान्त मिश्र के पाँच पुत्र—वलभद्र कुमार मिश्र, कृष्ण कुमार मिश्र, अजीत कुमार मिश्र, अनिरुद्ध कुमार मिश्र, हेमन्त कुमार मिश्र। देवीकान्त मिश्र के दो पुत्र—अशोक कुमार मिश्र, रामकुमार मिश्र। लक्ष्मीकान्त मिश्र के चार पुत्र—जितेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार, लाल कुमार, श्याम कुमार। गौरीकान्त मिश्र के दो पुत्र महेश मिश्र, चन्द्रभूषण मिश्र। निशाकान्त मिश्र के एक पुत्र—संजीव कुमार।

लक्ष्मण मिश्र के एक पुत्र—टीका मिश्र, टीका मिश्र के एक पुत्र—रघुनन्दन मिश्र के एक पुत्र—रामावतार मिश्र। रामावतार मिश्र के दो पुत्र—बैद्यनाथ मिश्र, दिनेश मिश्र। बैद्यनाथ मिश्र के एक पुत्र—देवनाथ मिश्र, दिनेश मिश्र के एक पुत्र—

Scanned by CamScanner

हरिलाल मिश्र के एक पुत्र—राधे मिश्र। राधे मिश्र के एक पुत्र—तुलसी मिश्र। तुलसी मिश्र के चार पुत्र—त्रिवेणी मिश्र नावल्द, अयोध्या जगन्नाथ मिश्र नावल्द, रामरूप मिश्र, सरयुग मिश्र। रामरूप मिश्र के एक पुत्र—जगन्नाथ मिश्र के छः पुत्र—प्रसिद्ध नारायण मिश्र, निर्मल कुमार मिश्र, सुरेन्द कुमार यिश्र, तरुण कुमार मिश्र, कर्पूरी मिश्र, यदुनन्दन मिश्र। सरयुग मिश्र के चार पुत्र—वैद्यनाथ मिश्र, चाँदवली मिश्र, रामाशीष मिश्र, जगदीश मिश्र। वैद्यनाथ मिश्र के दो पुत्र—मिनिन्द्र नाथ मिश्र, रविन्द्रनाथ मिश्र। रामाशीष मिश्र के एक पुत्र—अनिल कुमार मिश्र।

प्रेम मिश्र के एक पुत्र—रामेश्वर मिश्र, रामेश्वर मिश्र के तीन पुत्र—खूबलाल मिश्र नावल्द, जवाहर मिश्र नावल्द, मणिका मिश्र नावल्द।

छेमन मिश्र के एक पुत्र—माणिक मिश्र, माणिक मिश्र के तीन पुत्र—गंगा मिश्र नावल्द, त्रिभुवन मिश्र, उमराव मिश्र। त्रिभुवन मिश्र के दो पुत्र बच्चन मिश्र, दर्शन मिश्र नावल्द। बच्चन मिश्र के चार पुत्र—सुरदास मिश्र नावल्द, पंचो मिश्र, नूनू मिश्र, परमेश्वर मिश्र नावल्द। पंचो मिश्र के दो पुत्र—रामजी मिश्र नावल्द, यमुना मिश्र। यमुना मिश्र के एक पुत्र—रामबाबू मिश्र, नूनू मिश्र के दो पुत्र—शिवनन्दन मिश्र नावल्द, सुखराम मिश्र नावल्द। उमराव मिश्र के दो पुत्र—इन्द्रजीत मिश्र नावल्द, सिंघेश्वर मिश्र। सिंघेश्वर मिश्र एक पुत्र रामाधीन मिश्र नावल्द।

तेजू मिश्र के पांच पुत्र—फूलो मिश्र, हरेश्वर मिश्र, धर्मदत्त मिश्र, वीसु मिश्र नावल्द, कारू मिश्र नावल्द। फूलो मिश्र के दो पुत्र—जतन मिश्र के तीन पुत्र—कुबर मिश्र नावल्द, मनोरथ मिश्र, दरियाव मिश्र। मनोरथ मिश्र के एक पुत्र—रामदुल्लार मिश्र। रामदुल्लार मिश्र के एक पुत्र—दुरविजय मिश्र। दरियाव मिश्र के पाँच पुत्र—जयराम मिश्र, कल्याण मिश्र, रंगलाल मिश्र, चंचल मिश्र, शिवचरण मिश्र। जयराम मिश्र के तीन पुत्र—बलवन्त मिश्र नावल्द, गोविन्द मिश्र नावल्द, समोधी मिश्र नावल्द।

कल्याण मिश्र के एक पुत्र—अकलु मिश्र नावल्द।

रंगलाल मिश्र के सात पुत्र—तोता मिश्र, प्रयाग मिश्र नावल्द, लीला मिश्र नावल्द, नान्हू मिश्र, मोहन मिश्र, झोटी मिश्र, सीताराम मिश्र नावल्द।

तोता मिश्र के दो पुत्र—जमुना मिश्र नावल्द। रामजी मिश्र नावल्द।

नान्हू मिश्र के तीन पुत्र—रामगुलाम मिश्र, राहित मिश्र नावल्द, भवीछन मिश्र। रामगुलाम मिश्र के दो पुत्र—नारायण मिश्र, शिवनारायण मिश्र।

भवीछन मिश्र के एक पुत्र—हरिशंकर मिश्र।

Scanned by CamScanner

मोहन मिश्र के एक पुत्र—सरयुग मिश्र, दशरथ मिश्र नावल्द, छोटन मिश्र नावल्द, लखन मिश्र नावल्द।

सरयुग मिश्र के तीन पुत्र—रामसागर मिश्र, शिवशंकर मिश्र, रामचरित्र मिश्र।

झोटी मिश्र के दो पुत्र—रामफल मिश्र नावल्द, रामदेव मिश्र।

रामदेव मिश्र के चार पुत्र—रामकिशोर मिश्र, युगलकिशोर मिश्र, विजय किशोर मिश्र, कमलकिशोर मिश्र।

चंचल मिश्र के एक पुत्र—बिलटु मिश्र। बिल्टु मिश्र के चार पुत्र—उचित मिश्र नावल्द, रामनिहार मिश्र, रामोतार मिश्र नावल्द। विद्या मिश्र नावल्द रामनिहारा मिश्र के दो पुत्र—बांके बिहारी मिश्र, मुक्ति मिश्र। बांके बिहारी मिश्र के एक पुत्र—पवन कुमार मिश्र। मुक्ति मिश्र के चार पुत्र—शंकर मिश्र, विजय मिश्र, अजीत मिश्र, बच्चा।

शिवचरण मिश्र के तीन पुत्र—लेखो मिश्र, लेखो मिश्र नावल्द, नूनू मिश्र नावल्द। लेखो मिश्र के तीन पुत्र—अधिकलाल मिश्र, जयोध्या मिश्र नावल्द, आनूका मिश्र। अधिकलाल मिश्र के दो पुत्र—बलदेव मिश्र, रामनन्दन मिश्र। बलदेव मिश्र के एक पुत्र—गोंगू मिश्र नावल्द। रामनन्दन मिश्र के पाँच पुत्र—रामउदय मिश्र, सुरेश मिश्र, भूषण मिश्र, रामकुमार, अमिका मिश्र के चार पुत्र—गंगा मिश्र, रामचन्द्र मिश्र, राधा मिश्र, गणेश मिश्र।

हरेश्वर मिश्र के दो पुत्र—भालो मिश्र, भरत। मिश्र भालो मिश्र के पाँच पुत्र—दयाल मिश्र नावल्द, बुनियाद मिश्र नावल्द, झुमक मिश्र नावल्द, महादेव मिश्र, ब्रह्मा मिश्र नावल्द। महादेव मिश्र के दो पुत्र—जानकी मिश्र, मोहित मिश्र। जानकी मिश्र के एक पुत्र—गोविन्द मिश्र, गोविन्द मिश्र के एक पुत्र—प्रदीप मिश्र। प्रदीप मिश्र के दो पुत्र—यदुनन्दन मिश्र, सुवालाल मिश्र। यदुनन्दन मिश्र के दो पुत्र—राम पदारथ मिश्र, रामसोहावन मिश्र। राम पदारथ मिश्र के एक पुत्र—योगेन्द्र मिश्र। रामसोहन मिश्र के चार पुत्र—दिनेश मिश्र, गणेश मिश्र, महेश मिश्र, अर्जुन मिश्र। सुवालाल मिश्र के दो पुत्र—हरिवल्लभ मिश्र, जनार्दन मिश्र। मोहित मिश्र के तीन पुत्र—जग्गू मिश्र नावल्द, जीतन मिश्र, प्यारे मिश्र, जीतन मिश्र के दो पुत्र—सन्तु मिश्र नावल्द, सहदेव मिश्र मिश्र नावल्द, प्यारे मिश्र के एक पुत्र—द्वारिका मिश्र नावल्द।

धरमदत्त मिश्र के दो पुत्र—रामदयाल मिश्र,सोनमन मिश्र। रामदयाल मिश्र के एक पुत्र—मोकन मिश्र। मोकन मिश्र के एक पुत्र—बटोरन मिश्र नावल्द। सोनमन मिश्र के एक पुत्र—रामकुमार मिश्र नावल्द।

Scanned by CamScanner

भरत मिश्र के दो पुत्र—रामकरण मिश्र, पूरन मिश्र नावल्द। रामवरण मिश्र के एक पुत्र—रीतलाल मिश्र। रीतलाल मिश्र के दो पुत्र—बिहारी मिश्र, लालधारी मिश्र। बिहारी मिश्र के एक पुत्र—खन्तर मिश्र नावल्द। लालधारी मिश्र के दो पुत्र—रामावतार मिश्र, रानउदगार मिश्र। रामावतार मिश्र के एक पुत्र—चन्द्रभूषण मिश्र। रामउदगार मिश्र के एक पुत्र—शिवचन्द्र मिश्र।

मनोरथ मिश्र के एक पुत्र—रामदुल्लह मिश्र। रामदुल्लह मिश्र के एक पुत्र—दुर्गविजय मिश्र। दुर्गविजय मिश्र के चार पुत्र—बुलका मिश्र नावल्द, झालो मिश्र, धनिक लाल मिश्र, महाबीर मिश्र। झालो मिश्र के तीन पुत्र—रामटहल मिश्र, रामस्वरूप मिश्र नावल्द, चन्द्रशेखर मिश्र, रामटहल मिश्र के दो पुत्र—रामवलल्भ मिश्र, रामजपु मिश्र। रामवल्लभ मिश्र के दो पुत्र—महेश मिश्र, दिनेश मिश्र। रामजपु मिश्र के दो पुत्र—अमरेश मिश्र, नाथो मिश्र। चन्द्रशेखर मिश्र के तीन पुत्र—बैजनाथ मिश्र, रामबाबू मिश्र, फुलेना मिश्र।

धनिक लाल मिश्र के दो पुत्र—देवनारायण मिश्र, विश्वनाथ मिश्र। देव नारायण मिश्र के दो पुत्र—रामचन्द्र मिश्र. रामायण मिश्र। विश्वनाथ मिश्र के छः पुत्र—नागेश्वर मिश्र, रामशरण मिश्र, नरेश मिश्र, उमेश मिश्र, राजकुमार मिश्र; प्रेम कुमार। महावीर मिश्र के एक पुत्र—रघुनन्दन मिश्र नावल्द।

श्री चतुर मिश्र के द्वितीय पुत्र श्री मनन मिश्र, मनन मिश्र के एक पुत्र—विभूति मिश्र। विभूति मिश्र के एक पुत्र अनुभूति मिश्र। अनुभूति मिश्र के तीन पुत्र अजब मिश्र, कौशल मिश्र, ओखर मिश्र नावल्द। अजब मिश्र के एक पुत्र—लोचन मिश्र। लोकन मिश्र के तीन पुत्र—खतिर मिश्र, धृतलाल मिश्र, अयोध्या मिश्र। खतिर मिश्र के दो पुत्र—मेदनी मिश्र, हनुमन्त मिश्र नावल्द। मेदनी मिश्र के दो पुत्र दीन बन्धु मिश्र, लाली मिश्र। दीन बन्धु मिश्र के एक पुत्र—संतोष मिश्र। संतोष मिश्र के दो पुत्र—रामजी मिश्र नावल्द, सिया मिश्र। सिया मिश्र के चार पुत्र—रामलगन मिश्र, चन्द्रचूड़ मिश्र, सत्य नारायण मिश्र, जयकान्त मिश्र। काली मिश्र के एक पुत्र—तीला मिश्र नावल्द।

कौशल मिश्र के एक पुत्र—बीका मिश्र। बीका मिश्र के दो पुत्र—तुफानी मिश्र, मंगल मिश्र। तुफानी मिश्र के तीन पुत्र—मनचित मिश्र नावल्द, परसी मिश्र नावल्द, हरख मिश्र नावल्द, मंगल मिश्र के एक पुत्र ध्रुव मिश्र। ध्रुव मिश्र के पाँच पुत्र—भूप नारायण मिश्र, कमला दत्त मिश्र, ईश्वर दत्त मिश्र, नारायण दत्त मिश्र नावल्द, राम लाल मिश्र। भूप नारायण मिश्र के दो पुत्र—चुन्नी मिश्र नावल्द, सुवंश मिश्र के दो पुत्र—कलर मिश्र नावल्द, फौदार मिश्र। फौदार मिश्र के एक—

जमुना मिश्र। जमुना मिश्र के एक पुत्र हरि मिश्र। कमला दत्त मिश्र के एक पुत्र राम चरण मिश्र नावल्द। ईश्वर दत्त मिश्र के तीन पुत्र—छत्रधारी मिश्र, खरग धारी मिश्र, दृगगोपाल मिश्र। छत्रधारी मिश्र के तीन पुत्र—राम गोविन्द मिश्र नावल्द, रामस्वरूप मिश्र नावल्द, रामरूप मिश्र नावल्द। खरगधारी मिश्र के दो पुत्र—त्रिवेणी मिश्र नावल्द, सिया मिश्र। सिया मिश्र के एक पुत्र रामभरोसा मिश्र। दृगगोपाल मिश्र के दो पुत्र—रासो मिश्र नावल्द, रामकिशुन मिश्र नावल्द। रामलाल मिश्र के तीन पुत्र—चुरामन मिश्र, बुधु मिश्र नावल्द, रवीन्द्र नावल्द। चुरामन मिश्र के दो पुत्र-कन्ती मिश्र नावल्द, दरवारी मिश्र नावल्द।

ध्रुवलाल मिश्र के तीन पुत्र—जूआ मिश्र, चम्मन मिश्र नावल्द, रमन मिश्र। जुआ मिश्र के तीन पुत्र कुंज बिहारी मिश्र, गिरिलल मिश्र नावल्द, ब्रह्मा मिश्र। कुंजबिहारी मिश्र के दो पुत्र—धीना मिश्र नावल्द, भुखन मिश्र नावल्द, ब्रह्मा मिश्र के एक पुत्र—दर्शन मिश्र। दर्शन मिश्र के एक पुत्र सुन्दर मिश्र। सुन्दर मिश्र के सात पुत्र—रामपति मिश्र, हरिश्चन्द्र मिश्र, हरिवंश मिश्र, नागेश्वर मिश्र, कैलाश मिश्र, उमेश मिश्र, रमेश मिश्र। रामपति मिश्र के दो पुत्र—शिव शंकर मिश्र, दयानन्द मिश्र, हरिश्चन्द्र मिश्र के दो पुत्र—रामसुमिष्ठ मिश्र, राम वशिष्ठ मिश्र। हरिवंश के एक पुत्र—राधा मिश्र, नागेश्वर मिश्र के तीन पुत्र—अमरेश मिश्र, विमलेश मिश्र, मिथिलेश मिश्र। कैलाश मिश्र के एक पुत्र—अशोक मिश्र।

रमण मिश्र के दो पुत्र—मोहित मिश्र, विष्णु मिश्र। मोहित मिश्र के एक पुत्र—गोकुल मिश्र नावल्द। विष्णु मिश्र के एक पुत्र—वहोरन मिश्र। वहोरन मिश्र के तीन पुत्र—लक्ष्मी मिश्र, सूरज मिश्र, प्रमोद मिश्र। लक्ष्मी मिश्र के एक पुत्र—तारकेश्वर मिश्र। सूरज मिश्र के चार पुत्र—अजब नारायण मिश्र, नागेश्वर मिश्र, ताराकान्त मिश्र, अनिश कुमार। अजब नारायण मिश्र के दो पुत्र—धर्मेन्द्र कुमार मिश्र, शंम्भु कुमार मिश्र। नागेश्वर मिश्र के एक पुत्र—दिनबन्धु मिश्र। प्रमोद मिश्र के दो पुत्र—चनुभूषण मिश्र, अमर नाथ मिश्र।

Scanned by CamScanner

(ग्राम—मटिहानी, पो०—मेघौल, थाना—खोदाबन्दपुर, जिला—बेगूसराय के निवासी, जगरनाथ मिश्र के तीसरा पुत्र—लक्ष्मी मिश्र वासिन्दे मटिहानी)

(मटिहानी और संजात का वंशवृक्ष)

मटिहानी गोपाल कुर्सीनामा (शुद्धी पत्र)

१. जगन्नाथ मिश्र —पुत्र लक्ष्मी मिश्र से मटिहानी
२. लक्ष्मी मिश्र —पुत्र विसुनी मिश्र, डोमन मिश्र
३. विसुनी मिश्र —पुत्र जय मिश्र, हरि मिश्र
४. जय मिश्र —पुत्र अघौरी मिश्र, भंजन मिश्र
५. अघौरी मिश्र —पुत्र वीरन राय, छोटन राय, अकलु राय, मधु राय, बच्चा राय
६. वीरन राय —पुत्र वुन्नीलाल राय, मनोज राय
७. वुन्नीलाल राय —पुत्र रामसुमरन राय, रंजीत राय
८. मनोज राय —पुत्र उदय राय, विजय राय
९. छोटन राय —पुत्र पलटन राय नावल्द
१०. अकलु राय —पुत्र घुटन राय, सिया राय—दोनों नावल्द
११. मधुराय —पुत्र (नावल्द)
१२. बच्चा राय —पुत्र बुधन राय—नावल्द
१३. मंजन राय —पुत्र शंकर राय—नावल्द
१४. हरि मिश्र —पुत्र सुवरी राय, गंगा राय, सर्वजीत राय
१५. गंगा राय —पुत्र नावल्द
१६. सर्वजीत राय —पुत्र राम राय, शीला राय, भिक्षुक राय
१७. राम राय —पुत्र भागवत राय, गोखुल राय
१८. भागवत राय —पुत्र नावल्द
१९. गोखुल राय —पुत्र नावल्द
२०. शीला राय —पुत्र नावल्द
२१. भिक्षुक राय —पुत्र नावल्द
२२. सुवरी राय —पुत्र त्रिभुवन राय
२३. त्रिभुवन राय —पुत्र डोमी राय, झंडू राय, प्यारे राय
२४. डोमी राय —पुत्र नावल्द

Scanned by CamScanner

२५. झंडू राय —पुत्र गोपाल राय
२६. गोपाल राय —पुत्र टुक्कर राय, बनारसी राय
२७. टुक्कर राय —पुत्र सच्चिदानन्द राय
२८. सच्चिदानन्द राय —पुत्र अमरेश राय, सुरेश राय, विरेश राय, धीरेश राय, नवल राय
२९. अमरेश राय —पुत्र
३०. बनारसी राय —पुत्र दिनेश राय, रामायण राय
३१. दिनेश राय —पुत्र प्रथमानन्द राय, विवेकानन्द राय, श्याम राय
३२. प्यारे राय —पुत्र नावल्द

२. डोमन मिश्र —पुत्र परान मिश्र, हमीर मिश्र
१. परान मिश्र —पुत्र नेहाल मिश्र, ठाकुर मिश्र
२. नेहाल मिश्र —पुत्र फकीर राय
३. फकीर राय —पुत्र पोसन राय, रामटहल राय
४. पोसन राय —पुत्र शीतल राय, गिरवल राय, गुरुचरन राय, राम सहाय राय, फुलचन्द राय
५. शीतल राय —पुत्र रामस्वरूप राय, रामप्रताप राय, जदु राय
६. रामस्वरूप राय —पुत्र मनोरथ राय, रामेश्वर सिंह
७. मनोरथ राय —पुत्र राजेश्वर सिंह, लक्ष्मेश्वर सिंह, फुलेना सिंह
८. राजेश्वर सिंह —पुत्र कृष्ण कुमार सिंह, प्रवीण कुमार सिंह
९. लक्ष्मेश्वर सिंह —पुत्र पंकज कुमार सिंह, मुकेश कुमार सिंह
१०. फुलेना सिंह —पुत्र विमल कुमार सिंह, प्रेम कुमार सिंह
११. रामेश्वर सिंह —पुत्र शैलेन्द्र सिंह, राजीव सिंह, बिजय सिंह
१२. रामप्रताप राय —पुत्र नावल्द
१३, जदु राय —पुत्र नावल्द
१४. गिरवल राय —पुत्र सुदीराय, रामखेलावन राय, असर्फी राय
१५. सुदी राय —पुत्र राजेन्द्र राय, देवेन्द्र राय
१६. राजेन्द्र राय —पुत्र संजीव कुमार राय, रणधीर कुमार
१७. देवेन्द्र राय —पुत्र समीर कुमार, धर्मवीर कुमार
१८. रामखेलावन राय—पुत्र नावल्द
१९. असर्फी राय —पुत्र दीपनारायण राय, शत्रुघ्न राय, कामेश्वर राय रामाधार राय
२०. दीपनारायण राय
२१. शत्रुघ्न राय —पुत्र त्रिभुवन राय

Scanned by CamScanner

२२. त्रिभुवन राय —पुत्र गोपाल राय
२३. कामेश्वर राय —पुत्र भगवान सिंह, मौली सिंह
२४. रामाधार राय —पुत्र मनोज राय, मुकुन्द राय
२५. भगवान राय —पुत्र मुकेश राय,
२६. गुरचरण राय —नावल्द,
२७. राम सहाय राय —पुत्र मुंशी राय, गोपी राय, ब्रह्मदेव राय, कपिलदेव राय
२८. मुंशी राय —पुत्र द्रव्येश्वर राय, चन्द्रेश्वर राय
२९. द्रव्येश्वर राय —पुत्र रामबाबू राय
३०. गोपी राय —पुत्र रामस्वार्थ राय, रामाशीष राय
३१. रामस्वार्थ राय —नावल्द
३२. रामाशीष राय —पुत्र ललन राय, मदन राय,
३३. ब्रह्मदेव राय —पुत्र राजधर राय, नागेश्वर राय
३४. राजधर राय —पुत्र अंजनी कुमार
३५. नागेश्वर राय —पुत्र दो विड्डू, मुन्ना
३६. कपिलदेव राय —पुत्र हरिकान्त राय
३७. फुलचन्द राय —पुत्र मुक्तिनाथ राय, भूपलाल राय
३८. मुक्तिनाथ राय —पुत्र रामचरित्र राय, रामनिहोरा राय, रामचन्द्र राय, शिवाकान्त राय
३९, रामचरित्र राय —पुत्र नित्यानन्द राय का पुत्र यशवंत कुमार राय
४०. रामनिहोरा राय —पुत्र विनय कुमार राय, शम्भु राय, नवल राय
४१. भूपलाल राय —पुत्र शिवु राय, अरुण राय, ललन राय, विपिन राय, दलिप राय
४२. शिवु राय —पुत्र सुनील राय
४३. रामटहल मिश्र —पुत्र बौधू राय, रघुनाथ राय, गोविन्द राय
४४. बौधू राय —पुत्र राधे राय, द्वारिका राय
४५. राधे राय —पुत्र बबुएलाल राय, रामोतार राय, चन्द्रदेव राय
४६. बबुएलाल राय —पुत्र राजवलि सिंह, उपेन्द्र सिंह, राम लखन सिंह
४७. राजवली सिंह —पुत्र रामरतन सिंह, अर्जुन सिंह, राज कुमार सिंह
४८. उपेन्द्र सिंह —पुत्र वंशीधर राय, बाल्मीकी राय, शशीधर राय

Scanned by CamScanner

४९. राम लखन राय —पुत्र रामभजन राय, शिव कुमार राय
५०. अर्जुन सिंह —पुत्र अभिमन्यु
५१, रामऔतार राय —पुत्र राजेन्द्र राय, योगेन्द्र राय, अवध बिहारी राय, जागेश्वर राय, मुरलीधर राय
५२. राजेन्द्र राय —पुत्र अंजनी कुमार, अनिल कुमार
५३. योगेन्द्र राल —पुत्र उमेश कुमार, रमेश कुमार
५४. अवधविहारी राय—पुत्र रामसागर
५५. जागेश्वर राय —पुत्र सेन्टु कुमार सिंह, संजय कुमार सिंह
५६. मुरलीधर राय —पुत्र इन्द्रजीत कुमार सिंह
५७. चन्द्रदेव राय —पुत्र बिन्देश्वरी राय, रामनरेश राय
५८. बिन्देश्वरी राय —पुत्र कुमोद कुमार, दिलिप कुमार, मुकेश
५९. द्वारिका राय —पुत्र अजबलाल राय, तिलक राय, सुखदेव राय, त्रिवेणी राय, रामकृष्ण राय
६०. अजबलाल राय — नावल्द
६१. तीलक राय —पुत्र रामनन्दन सिंह
६२. रामनन्दन राय —पुत्र सज्जन कुमार, अजीत कुमार, रंजीत कुमार
६३. सुखदेव राय —नावल्द
६४. त्रिवेणी राय —पुत्र लालबाबु राय, भुषण राय
६५. भुषण राय —पुत्र पंकज कुमार
६६. रामकरण राय —पुत्र छोटन राय, वशिष्ट राय, रामजपु राय
६७. रघुनाथ राथ —पुत्र रामजी शर्मा
६८. रामजी शर्मा —पुत्र उमाकान्त शर्मा, परमानन्द शर्मा
६९. उमाकान्त शर्मा —पुत्र इन्द्रदेब शर्मा, रूद्रदेव शर्मा, कृष्णदेव शर्मा
७०. इन्द्रदेव शर्मा —पुत्र रामचन्द्र शर्मा, कृष्णचन्द्र शर्मा
७१. रूद्रदेव शर्मा —पुत्र शिवचन्द्र शर्मा
७२. कृष्णदेव शर्मा —पुत्र विधानचन्द्र शर्मा
७३. परमानन्द शर्मा —पुत्र महानन्द शर्मा, जयनन्द शर्मा, विजयनन्द शर्मा, अजयनन्द शर्मा
७४. गोविन्द राय —नावल्द
७५. ठाकुर मिश्र — पुत्र जोबराज मिश्र, शम्भू मिश्र
७६. जोवराज मिश्र — पुत्र भरोसीराय, झोटीराय
७७. भरोसी राय — पुत्र कुंजो राय
७८. कुंजो राय — पुत्र महावीर राय, रामकिशुन राय, बाले राय

Scanned by CamScanner

७९. महावीर राय	—नावल्द
८०. रामकिशुम राय	—नावल्द
८१. बाले राय	—नावल्द
८२. झोटी राय	—पुत्र मुरत राय
८३. मुरत राय	—नावल्द
८४. शम्भू मिश्र	—नावल्द
८५. हमीर मिश्र	—पुत्र नन्दन मिश्र रट्टन मिश्र
८६. नन्दन मिश्र	—पुत्र वाण मिश्र, खेमाजीत मिश्र
८७. वाण मिश्र	—नावल्द
८८. खेमाजीत मिश्र	—नावल्द
१. रट्टन मिश्र	—पुत्र वुद्धु मिश्र, चोआ मिश्र नावल्द
२. वुद्धु मिश्र	—पुत्र रित्तू राय, सनाथ राय के एक पुत्र जगन राय नावल्द
३. रित्तू राय	—पुत्र रामगोविन्द प्र० सिंह हरिवल्लम प्र० सिंह
४. रामगोविन्द प्र० सिंह	—नावल्द
५. हरिवल्लभ प्र० सिंह	—पुत्र (१) दामादर प्र० सिंह, (२) महेन्द्र प्र० सिंह (३) भोला प्र० सिंह
६. दामोदर प्र० सिंह	—पुत्र (१) सुरेन्द्र प्र० सिंह (२) रवीन्द्र प्र० सिंह (३) खरविन्द प्र० सिंह (४) वीरेन्द्र प्र० सिंह (५) धींरेन्द्र प्र० सिंह
७. सुरेन्द्र प्र० सिंह	—पुत्र संजय कुमार सिंह, सतीश कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह
८. रवीन्द्र प्र० सिंह	—पुत्र अजय कुमार सिंह
९. अरविन्द प्र० सिंह	—पुत्र राकेश कुमार सिंह
१०. महेन्द्र प्र० सिंह	—पुत्र शशी भुषण प्र० सिंह, मणिभूषण प्र० सिंह, विनोद कुमार सिंह
११. शशी भूषण प्र० सिंह	—सुभन प्र० सिंह
१२. भोला प्र० सिंह	—नावल्द

कुर्सिनामा इस प्रकार है—(१) श्याम मिश्र (२) हरिदत्त मिश्र (३) फुद मिश्र (४) भगवन्ती मिश्र (५) व्यास मिश्र (६) जगन्नाथ मिश्र (७) लक्षो मिश्र (८) डोमन मिश्र (९) हमिर मिश्र (१०) रट्टन मिश्र (११) वुद्धु राय (१२) रित्तू राय (१३) हरिवल्लभ प्र० सिंह (१४) दामोदर प्र० सिंह (१५) सुरेन्दर प्र० सिंह (१६) संजय प्र० सिंह।

Scanned by CamScanner

संजात

ग्राम परिचय—मेघौल से छः मील दक्षिण संजात ग्राम में सर्व श्री बाबूलाल मिश्र तथा श्री झारखंडी मिश्र मेघौल से आकर बसे। इस बस्ती के एक तरफ गंडक तथा दूसरी तरफ बैंती नदी है।

श्री संत मिश्र की संतान

श्री संत मिश्र के चार पुत्र—सर्वश्री बाबूलाल मिश्र, चन्द्रिका मिश्र, झारखंडी मिश्र और यदुनन्दन मिश्र।

संजात में अभी सिर्फ बाबूलाल मिश्र के पुत्र श्री हरिवंश नारायण मिश्र एवं उनके एक पुत्र श्री याज्ञवल्क्य मिश्र हैं।

(गोपालपुर ग्राम का)

श्री प्रजापति मिश्र वासिन्दे पिरोखर के दो पुत्र हुए प्रथम श्री उमापति मिश्र, द्वितीय श्री वाचस्पति मिश्र हुए जिनमें प्रथम नावल्द ठहरे।

द्वितीय पुत्र श्री वाचस्पति मिश्र के एक पुत्र श्री हेमनारायण मिश्र हुए। इनके पाँच पुत्र हुए—प्रथम श्री होरिल मिश्र, दूसरे श्री दुखिया मिश्र, तीसरे श्री पृथ्वीनाथ मिश्र, चौथे श्री हृदयनाथ मिश्र एवं पाँचवे श्री वछरन मिश्र।

श्री वाचस्पति मिश्र के चतुर्थ पुत्र श्री हृदयनाथ मिश्र के एक पुत्र श्री कालिकादत्त मिश्र हुए। श्री कालिकादत्त मिश्र के दो पुत्र हुए प्रथम श्री श्यामनारायण मिश्र, द्वितीय श्री हरिनारायण मिश्र। श्री हरिनारायण मिश्र सकड़ा गाँव जिला गया के वासिन्दे हुए।

श्री श्यामनारायण मिश्र के एक पुत्र श्री हरिदत्त मिश्र हुए जो मेघौल में शादी उपरांत मेघौल में ही रह गये।

श्री हरिदत्त मिश्र के चार पुत्र हुए—प्रथम श्री रुद्र मिश्र जो वासिन्दे सौरिया पुर्णिया के हुए। द्वितीय पुत्र श्री फुद मिश्र वासिन्दे मेघौल के हुए। तृतीय पुत्र श्री गौण मिश्र जो वासिन्दे खुटहा के हुए एवं चतुर्थ पुत्र श्री चैन मिश्र हुए जो वासिन्दे मराँची के हुए।

श्री फुद मिश्र के दो पुत्र हुए प्रथम श्री वीभ मिश्र जो वासिन्दे आकोपुर हुए एवं द्वितीय पुत्र श्री भगवन्त मिश्र मेघौल में ही रहे।

श्री भगवन्त मिश्र के दो पुत्र हुए प्रथम श्री वशिष्ठ मिश्र जो वासिन्दे कोरय ग्राम के हुए एवं श्री व्यास मिश्र मेघौल में ही रह गए।

Scanned by CamScanner

श्री व्यास मिश्र के पाँच पुत्र हुए—प्रथम श्री जगरनाथ मिश्र वासिन्दे मेघौल। द्वितीय पुत्र श्री गोविंद मिश्र, तृतीय पुत्र श्री प्रयाग मिश्र वासिन्दे हरखपुरा हुए। चतुर्थ पुत्र श्री द्वारिका मिश्र वासिन्दे गोपालपुर हुए एवं पाँचवे पुत्र श्री हरि मिश्र हुए जो वासिन्दे नारायण पीपर हुए।

श्री द्वारिका मिश्र के दो पुत्र हुए। प्रथम श्री भुवन मिश्र एवं द्वितीय श्री भूदेव मिश्र हुए।

श्री भुवन मिश्र जी के एक पुत्र हुए जिनके नाम अज्ञात हैं। इनके दो पुत्र हुए दोनो पुत्रों के भी नाम अज्ञात हैं। जिनमें प्रथम अज्ञात पुत्र के दो पुत्र हुए क्रमश: १ श्री गणेश मिश्र एवं २ श्री मंशा मिश्र।

जिनमें श्री गणेश मिश्र के तीन पुत्र हुए क्रमश: १ श्री रवी मिश्र २ श्री जयराम मिश्र एवं ३ श्री शंकर मिश्र।

श्री रवी मिश्र के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री दीपु मिश्र, दूसरे श्री इंजोर मिश्र नावल्द ठहरे।

श्री दीपु मिश्र के दो पुत्र हुए प्रथम श्री यमुना मिश्र दूसरे श्री कमलेश्वरी मिश्र नावल्द ठहरे।

श्री यमुना मिश्र के पाँच पुत्र हुए प्रथम श्री युदुनंदन मिश्र २ रामप्रकाश मिश्र नावल्द ३ श्री लड्डूलाल मिश्र ४ श्री लालबाबू मिश्र नावल्द ५ वे श्री रामसागर मिश्र नावल्द।

श्री यदुनंदन मिश्र के चार पुत्र हुए—श्री सुरेश मि० २ श्री नरेश मिश्र ३ श्री कैलाश मिश्र ४ श्री दिनेश मिश्र।

श्री सुरेश मिश्र के एक पुत्र हुए श्री राजेश मिश्र।

श्री यदुनंदन मिश्र के तृतीय भाई श्री लड्डूलाल मिश्र के एक पुत्र श्री रमेश मिश्र हुए।

श्री रवी मिश्र के दूसरे भाई श्री जयराम मिश्र के दो पुत्र हुए—१ श्री बुधन मिश्र, २ श्री साहेब मिश्र।

श्री बुधन मिश्र के दो पुत्र हुए—१ श्री धुधनी मिश्र, २ श्री टीका मिश्र नावल्द ठहरे।

श्री धुधनी मिश्र के चार पुत्र हुए—१ श्री चन्द्रिका मिश्र, २ श्री बबुअन मिश्र, ३ श्री वासुदेव मिश्र बावाजी हुए, ४ श्री द्वारिका मिश्र नावल्द।

श्री चन्द्रिका मिश्र के दो पुत्र हुए (१) श्री सत्यनारायण मिश्र (२) श्री सूर्यदेव मिश्र, श्री नंदकिशोर मिश्र, श्री सत्यनारायण मिश्र के पुत्र श्री अमरेश मिश्र हुए। श्री बबुअन मिश्र के एक पुत्र हुए श्री राधा मिश्र।

Scanned by CamScanner

श्री बुधन मिश्र के भाई श्री साहेब मिश्र के एक पुत्र हुए श्री मंगल मिश्र जो नाओल्द ठहरे।

श्री रबी मिश्र के छोटे भाई श्री शंकर मिश्र के तीन पुत्र हुए। (१) श्री झकरी मिश्र (२) श्री चंचल मिश्र (३) श्री गोपाल मिश्र।

श्री झकरी मिश्र के तीन पुत्र हुए। (१) श्री महाराज मिश्र (२) श्री जचन मिश्र नाओल्द ठहरे। (३) नन्हु मिश्र हुए।

श्री महाराज मिश्र के दो पुत्र हुए। (१) श्री रामेश्वर मिश्र (२) श्री नन्दु मिश्र दोनों भाई नाओल्द ठहरे।

श्री नन्दु मिश्र के दो पुत्र हुए। (१) अचल मिश्र (२) श्री अर्जुन मिश्र श्री अचक मिश्र नाओल्द ठहरे।

श्री अर्जुन मिश्र के तीन पुत्र हुए। (१) श्री विष्णुदेव मिश्र नाओल्द ठहरे। (२) श्री चन्द्रशेखर मिश्र (१) चन्द्रदेव मिश्र।

श्री चन्द्रशेखर मिश्र के दो पुत्र हुए। (१) श्री राम मिश्र (१) श्री कृष्ण मिश्र।

श्री चन्द्रदेव मिश्र के एक पुत्र श्री श्याम मिश्र हुए।

श्री झकरी मिश्र के भाई श्री चंचल मिश्र के दो पुत्र हुए। (१) श्री लुटन मिश्र (२) श्री पलट मिश्र नाओल्द।

श्री लूटन मिश्र के तीन पुत्र हुए। (१) श्री रामाधीन मिश्र (२) श्री मेहीलाल मिश्र नाओल्द। (३) श्री गोविन्द मिश्र।

श्री रामाधीन मिश्र के दो पुत्र हुए। (१) श्री विष्णुदेव मिश्र (२) श्री कृष्णदेव मिश्र।

श्री विष्णुदेव मिश्र के चार पुत्र हुए। (१) श्री शिवचन्द्र मिश्र (२) श्री उपेन्द्र मिश्र (३) श्री विपिन मिश्र (४) श्री शैलेन्द्र मिश्र। श्री शिवचन्द्र मिश्र के एक पुत्र श्री मुकेश मिश्र हुए।

श्री विष्णुदेव मिश्र के भाई श्री कृष्णदेव मिश्र के दो पुत्र हुए। (१) श्री मनोज मिश्र (२) श्री महेश मिश्र।

श्री रामधीन मिश्र के छोटे भाई श्री गोविन्द मिश्र के चार पुत्र हुए। (१) श्री शिवनंदन मिश्र (२) श्री हरि मिश्र (३) श्री हरिवल्लभ मिश्र (४) श्री नागेश्वर मिश्र। जिनमें प्रथम एवं द्वितीय पुत्र नाओल्द ठहरे।

श्री हरिवल्लभ मिश्र के एक पुत्र हुए। श्री सुभाष मिश्र।

श्री नागेश्वर मिश्र के दो पुत्र हुए। (१) श्री रामश्रेष्ठ मिश्र (२) श्री रामानुज मिश्र।

Scanned by CamScanner

श्री गणेश मिश्र के छोटे भाई श्री मंशा मिश्र हुए। (१) श्री फकीर मिश्र (२) श्री महेश मिश्र।

श्री फकीर मिश्र के तीन पुत्र हुए। (१) श्री रंगी मिश्र (२) श्री रामदत्त मिश्र (३) श्री वंशी मिश्र नाओल्द ठहरे।

श्री रंगी मिश्र के दो पुत्र हुए। (१) श्री हीयालाल मिश्र (२) श्री प्यारे मिश्र नाओल्द।

श्री हीयालाल मिश्र के दो पुत्र हुए। (१) श्री दिगंबर मिश्र (२) श्री मोहन लाल मिश्र।

श्री दिगंबर मिश्र के एक पुत्र श्री रामउद्धार मिश्र हुए। श्री रामउद्धार मिश्र के एक पुत्र श्री राम सागर मिश्र।

श्री मोहन लाल मिश्र के दो पुत्र हुए। (१) श्री रामाकांत मिश्र (२) श्री शिवनंदन मिश्र नाओल्द।

श्री रामाकांत मिश्र के दो पुत्र हुए। (१) श्री अरूण मिश्र (२) श्री वरूण मिश्र।

श्री रंगी मिश्र के भाई श्री रामदत्त मिश्र के दो पुत्र हुए। (१) श्री अवधी मिश्र (२) श्री मटुकी मिश्र नाओल्द। श्री अवधी मिश्र के एक पुत्र श्री जगदम्बी मिश्र हुए जो नाओल्द ठहरे।

श्री मँशा मिश्र के छोटे पुत्र श्री महेश मिश्र के दो पुत्र हुए। (१) श्री काशी मिश्र (२) श्री दहारू मिश्र।

श्री काशी मिश्र के एक पुत्र हुए। श्री भेखा मिश्र जो नाओल्द ठहरे।

श्री दहारू मिश्र के एक पुत्र (१) श्री बजर मिश्र हुए। श्री बजर मिश्र के दो पुत्र हुए। (१) श्री मंगल मिश्र (२) ब्रह्मदेव मिश्र।

श्री मंगल मिश्र के एक पुत्र—श्री रामवदन मिश्र हुए। श्री रामवदन मिश्र के दो पुत्र एहु। (१) श्री वाल्मीकि मिश्र (२) श्री राजनीति मिश्र।

श्री मंगल मिश्र के भाई श्री ब्रह्मदेव मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री लखन मिश्र (२) श्री श्याम सुन्दर मिश्र।

श्री लखन मिश्र के एक पुत्र श्री राजीव मिश्र हुए एवं श्री श्याम सुन्दर मिश्र के एक पुत्र—श्री संजीव मिश्र हुए।

श्री भुवन मिश्र के दूसरे अज्ञात पुत्र के एक पुत्र हुए श्री खेमकरण मिश्र।

श्री खेमकरण मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री खेदु मिश्र (२) श्री दुःखा मिश्र नावल्द ठहरे।

श्री खेदु मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री फिरंगी मिश्र।

Scanned by CamScanner

श्री फिरंगी मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) श्री मुसाफिर मिश्र, नावल्द। (२) श्री धनिकलाल मिश्र (३) श्री रामधारी मिश्र नावल्द (४) श्री रामभजु मिश्र।

श्री धनिक लाल मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री वालदेव मिश्र (२) श्री यमुना मिश्र नावल्द (३) श्री महावीर मिश्र। श्री वलदेव मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री राम पदारथ मिश्र (२) श्री द्वारिका मिश्र नावल्द।

श्री रामपदारथ मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री रामाश्रय मिश्र। इनके तीन पुत्र हुए—(१) श्री गंगेश मिश्र (२) श्री दिनेश मिश्र (३) श्री अरूणेश मिश्र।

श्री वलदेव मिश्र के छोटे भाई श्री महावीर मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री चाँद मिश्र।

श्री मुसाफिर मिश्र के छोटे भाई श्री राम भजू मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री रामदेव मिश्र (२) श्री सुखदेव मिश्र।

श्री रामदेव मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री पलटू मिश्र नावल्द। श्री दशरथ मिश्र।

श्री दशरथ मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री उपेन्द्र मिश्र।

श्री सुखदेव मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) श्री हरेकांत मिश्र (२) शिवाकांत मिश्र (३) श्री नरेश मिश्र (४) श्री रामवहादुर मिश्र (५) श्री मणि मिश्र। इनमें श्री हरेकांत मिश्र एवं श्री शिवाकांत मिश्र नावल्द ठहरे।

श्री नरेश मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री मोहन मिश्र (२) श्री सोहन मिश्र।

श्री रामबहादुर श्रिम के दो पुत्र हुए—(१) श्री भोला मिश्र (२) श्री शिव मिश्र।

श्री द्वारिका मिश्र के छोटे पुत्र श्री भूदेव मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री गिरधारी मिश्र।

श्री गिमधारी मिश्र के दो पुत्र हुए—प्रथम पुत्र के नाम अज्ञात हैं एवं द्वितीय पुत्र श्री बुनियाद मिश्र हुए।

प्रथम अज्ञात पुत्र के दो हुए—(१) इनके नाम अज्ञात हैं एवं द्वितीय श्री शिवदयाल मिश्र हुए। इनमें श्री शिवदयाल मिश्र के बड़े अज्ञात भाई के दो पुत्र हुए (१) श्री गंगा मिश्र (२) श्री होरिल मिश्र।

इनमें श्री गंगा मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री दुःखा मिश्र (२) श्री डोमन मिश्र।

श्री दुःखा मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री दूरी मिश्र। इनके भी एक ही पुत्र श्री रीतु मिश्र हुए। श्री रीतु मिश्र के भी एक ही पुत्र श्री प्रयाग मित्र हुए। श्री प्रयाग मिश्र के एक ही पुत्र श्री रामउदय मिश्र हुए। श्री रामउदय मिश्र के एक ही पुत्र श्री राम शंकर मिश्र हुए।

Scanned by CamScanner

श्री दु:खा मिश्र के भाई श्री डोमन मिश्र के एक पुत्र हूए—श्री अमोली मिश्र। श्री अमोली मिश्र के एक पुत्र हुए– श्री सोखी मिश्र, श्री सोखी मिश्र के पुत्र हुए– श्री नूनू मिश्र। श्री श्री नूनू मिश्र के एक पुत्र हुए। श्री पलकधारी मिश्र। श्री पलकधारी मिश्र के एक एक पुत्र हुए। श्री रामचन्द्र मिश्र। श्री रामचन्द्र मिश्र के एक पुत्र हुए। श्री रामाधार मिश्र।

श्री गँगा मिश्र के भाई श्री होरिल मिश्र के एक पुत्र हुए श्री तपोकल मिश्र। श्री तपोकल मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री तिलक मिश्र। श्री तिलक मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री मंगल मिश्र (२) श्री मिरानी मिश्र।

श्री गिरधारी मिश्र के पौत्र श्री शिवदयाल मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री टुकरू मिश्र (२) श्री नेवा मिश्र।

श्री टुकरू श्रिम के एक ही पुत्र हुए—श्री अयोध्या मिश्र जो नावल्द ठहरे एवं श्री नेवा मिश्र के भी एक ही पुत्र श्री लालू मिश्र वे भी नावल्द ठहरे।

श्री गिरधारी मिश्र के दूसरे पुत्र श्री बुनियाद मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री दरिआव मिश्र।

श्री दरियाव मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री गोपाल मिश्र (२) श्री गोखुल मिश्र।

श्री गोपाल मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) श्री भगवान मिश्र नावल्द। (२) श्री यमुना मिश्र (३) श्री संतलाल मिश्र (४) श्री राम गुलाम मिश्र नावल्द।

श्री यमुना मिश्र के एक पुत्र श्री कलरदास हुए। श्री संतताल मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री विष्णुदेव मिश्र। श्री विष्णुदेव मिश्र के एक पुत्र हुए श्री किरणदेव मिश्र।

श्री गोपाल मिश्र के भाई श्री गोखुल मिश्र के एक पुत्र हुए श्री प्यारे मिश्र। श्री प्यारे मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री राघो मिश्र (२) श्री चन्दु मिश्र। ये दोनों भाई नावल्द ठहरे।

Scanned by CamScanner

२. हरखपुरा ग्राम का वंश वृक्ष

श्री व्यास मिश्र वासिन्दे मेघौल ग्राम के पाँच पुत्र हुए। प्रथम पुत्र श्री जगरनाथ मिश्र मेघौल ग्राम में ही रहे। द्वितीय पुत्र श्री गोविंद मिश्र एवं तृतीय पुत्र श्री प्रयाग मिश्र वासिन्दे हरखपुरा ग्राम के हुए। चतुर्थ पुत्र श्री द्वारिका मिश्र वासिन्दे गोपालपुर ग्राम के हुए एवं पाँचवे पुत्र श्री हरि मिश्र वासिन्दे नारायण पीपर ग्राम के हुए--

श्री गोविंद मिश्र के एक ही पुत्र हुए जिनके नाम अज्ञात है एवं इनके भी एक ही पुत्र हुए, इनके नाम भी अज्ञात हैं। इस अज्ञात पुत्र के एक ही पुत्र श्री धाना राय जी हुए।

श्री धाना राय के दो पुत्र हुए—प्रथम पुत्र श्री प्राण राय एवं द्वितीय पुत्र श्री पूना राय हुए।

श्री प्राण राय के दो पुत्र हुए प्रथम श्री देवी राय एवं द्वितीय श्री गौरी राय हुए।

श्री देवी राय के तीन पुत्र हुए—प्रथम श्री टीका राय नावल्द ठहरे। द्वितीय श्री भगवान दत्त राय एवं तृतीय पुत्र श्री रामधारी राय हुए।

श्री भगवान दत्त राय के एक पुत्र हुए श्री बलदेव राय। श्री बलदेव राय के एक पुत्र हुए श्री रामस्वरूप राय। श्री रामस्वरूप राय के दो पुत्र हुए श्री अम्बिका राय एवं श्री गुलाब राय।

श्री भगवान दत्त राय के छोटे भाई श्री रामधारी राय के चार पुत्र हुए। प्रथम श्री ढोढ़ाय राय, द्वितीय श्री आत्मा राय, तृतीय श्री चन्द्रिका राय एवं चतुर्थ पुत्र श्री राम उदयराय हुए।

जिनमें श्री ढोढ़ाय राय के एक पुत्र श्री राम विनय राय हुए।
श्री आत्मा राय के चार पुत्र हुए—प्रथम श्री वृंदा राय, द्वितीय श्री गन्नू राय, तृतीय पुत्र श्री चितरंजन राय एवं चतुर्थ श्री सुरेश राय हुए।

श्री चन्द्रिका राय के तीन पुत्र हुए—प्रथम श्री शंभु राय, द्वितीय श्री संजीत राय. एवं तृतीय श्री नंदलाल राय हुए।

श्री राम उदय राय के तीन पुत्र हुए—प्रथम श्री ललन राय, द्वितीय श्री बबलू राय एवं तृतीय श्री डबलू राय हुए।

देवी राय के छोटे भाई श्री गौरी राय के एक पुत्र हुए श्री राजो राय। श्री राजो राय के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री त्रिवेणी राय एवं द्वितीय श्री भोला राय हुए।

Scanned by CamScanner

श्री त्रिवेणी राय के तीन पुत्र हुए—प्रथम श्री जय प्रकाश राय द्वितीय श्री चन्द्रभूषण राय एवं तृतीय पुत्र श्री वृजभूषण राय हुए।

श्री त्रिवेणी राय के छोटे भाई श्री भोला राय के तीन पुत्र हुए—प्रथम श्री सुनील राय, द्वितीय श्री सुशील राय एवं तृतीय श्री बाबू साहेब राय हुए।

श्री धाना राय के छोटे पुत्र श्री पूनाराय के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री रामाहित राय द्वितीय श्री चुन्नी राय हुए।

जिनमें श्री रामहित राय के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री भगलु राय एवं द्वितीय श्री राम प्रसाद राय हुए।

भगलुराय के एक पुत्र हुए—श्री हरिचरण राय; श्री हरिचरण राय के तीन पुत्र हुए—श्री मौजेलाल राय, श्री बौएलाल राय एवं तृतीय श्री रामानंद राय।

श्री मौजेलाल राय के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री गणेश राय एवं द्वितीय श्री दिनेश राय हुए।

श्री गणेश राय के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री सतीश प्र० राय एवं श्री अनिल कुमार राय।

श्री बौएलाल राय के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री दिलीप कुमार राय एवं द्वितीय श्री अशोक कुमार राय।

श्रीं रामानंद राय के तीन पुत्र—प्रथम श्री सुरेश राय, द्वि० श्री झिंगुर राय एवं तृतीय श्री फेकन राय हुए।

श्री भगलु राय के छोटे भाई श्री राम प्रसाद राय के एक पुत्र हुए—श्री बाला राय। श्री बालाराय के चार पुत्र हुए—प्रथम श्रीकांत राय, द्वि० श्री सत्य नारायण राय, तृ० श्री रामाश्रय राय एवं चतुर्थ श्री चन्द्रिका राय हुए।

जिनमें श्रीकांत राय के दो पुत्र हुए—श्री भूलो राय एवं द्वितीय श्री धपोचना राय हुए।

दूसरे खुट—इस खुट के ऊपर दो-तीन कुर्सी अज्ञात है। इस अज्ञात के बाद श्री भिक्षुक राय हुए। श्री भिक्षुक राय के एक पुत्र श्री रघुवीर राय हुए। श्री रघुवीर राय के एक पुत्र श्री रामजीहल राय हुए। श्री राम जीहल राय के एक पुत्र श्री रामानुग्रह राय हुए। श्री रामानुग्रह राय के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री हरिनारायण राय एवं द्वितीय श्री रामनारायण राय हुए।

श्री हरिनारायण राय के एक पुत्र श्री उपेन्द्र नारायण राय हुए। श्री उपेन्द्र नारायण राय के पाँच पुत्र हुए—प्रथम श्री नवीन कुमार राय, द्वि० श्री प्रवीण कुमार राय, तृ० श्री गोपाल राय, चतुर्थ श्री मुरलीधर राय एवं पंचम श्री मुकेश राय हुए।

Scanned by CamScanner

श्री हरिनारायण राय के भाई श्री रामनारायण राय के तीन पुत्र हुए—श्री रवीन्द्र राय, श्री देवेन्द्र राय एवं श्री सुरेश राय हुए।

श्री सर्वजीत राय, एक खुट, इनके ऊपर भी कुछ कुर्सी अज्ञात है :—अज्ञात के श्री सर्वजीत राय हुए। श्री सर्वजीत राय बाद के चार पुत्र—प्रथम श्री खेदन राय ना० द्वि० श्री रूपन राय, तृ० श्री अमोली राय ना०, चतुर्थ श्री जगमोहन राय हुए।

श्रो रूपन राय के दो पुव हुए—श्री वूचूराय एवं श्री लालजी राय।

जी जगमोहन राय के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री रामाधीन राय, द्वि० श्री तिलक राय ना०।

श्री रामाधीन राय के एक पुत्र श्री रामेश्वर राथ हुए। श्री रामेश्वर राय के चार पुत्र हुए—प्रथम श्री राजेन्द्र राय, द्वि० श्री रामचन्द्र राय, तृ० श्री सुरेश राय एवं चतुर्थ श्री नरेश राय हुए।

जिनमें श्री राजेन्द्र राय के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री अरुण राय एवं द्वि० श्री उमाशंकर राय हुए।

श्री गोविंद मिश्र एवं श्री प्रयाग मिश्र दो भाई मेघोल से आए हरखपुरा। जिनमें श्री गोविंद मिश्र की वंशावली लिखी गई। अब श्री प्रयाग मिश्र की वंशावली लिखावट शुरू।

श्री प्रयाग मिश्र के बाद कुछ कुर्सी अज्ञात हैं। इस अज्ञात के बाद श्री जसी राय जी हुए। इनके एक पुत्र हुए—श्री धर्म सिंह राय। इनके भी एक ही पुत्र हुए श्री मोहन राय। श्री मोहन राय के चार पुत्र हुए—प्रथम श्री अजित राय, द्वि० श्री मीतरजीत राय, तृ० श्री दलजीत राय एव चतुर्थ श्री परस मैन राय ना०।

श्री अजित राय के एक पुत्र श्री इंजोर राय हुए। श्री इंजोर राय के तीन पुत्र हुए—प्रथम श्री रीतलाल राय, द्वि० श्री रामस्वरूप राय ना०, तृ० श्री रामधारी राय हुए।

श्री रीतलाल राय के एक पुत्र हुए—श्री जगदीश राय। श्री जगदीश राय के एक पुत्र हुए—श्री राजनारायण राय। श्री राजनारायण राय के दो पुत्र हुए—श्री शशिशेखर राय एवं श्री उमाशंकर राय।

श्री रीतलाल राय के भाई श्री रामधारी राय के एक पुत्र हुए—श्री रामानन्द राय, श्री रामानन्द राय के एक पुत्र हुए—श्री रामकुमार राय।

श्री अजित राय के भाई श्री मीतरजीत राय के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री बिहारी राय एवं द्वि० श्री हरि राय।

श्री बिहारी राय के चार पुत्र हुए—प्रथम श्री तनुकलाल राय, द्वि० श्री सूवालाल राय, तृ० श्री राय गुलाम राय ना० एवँ चतुर्थ श्री लक्ष्मी राय हुए।

जिसमें श्री तनुकलाल राय के एक पुत्र श्री जयनारायण राय हुए।

Scanned by CamScanner

श्री मूवालाल राय के चार पुत्र हुए—श्री रायवदन राय, श्री रामसागर राय, श्री रावललित राय एवं श्री महेन्द्र राय।

जिनमें श्री रायवदन राय के एक पुत्र हुए—श्री रामानुज राय।

श्री रामललित राय के एक पुत्र हुए श्री पुस्कर राय, श्री महेन्द्र राय के दो पुत्र हुए—श्री धर्मदेव राय एवं श्री ज्ञानदेव राय।

श्री तनुकलाल राय के छोटे भाई श्री लक्ष्मी राय के तीन पुत्र हुए—प्रथम श्री राधारमण राय, द्वि० श्री रामचरित्र राय नावल्द, तृ० श्री रामसेवक राय।

जिनमें श्री राधारमण राय के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री रामसुदिष्ट राय, द्वि० श्री प्रद्युम्न राय।

श्री रामसेवक राय के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री राम प्रकाश राय, द्वि० श्री जयप्रकाश राय।

श्री मीतर राय के छोटे पुत्र श्री हरि राय के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री वैजनाथ राय एवं द्वि० श्री मीरण राय नावल्द।

श्री वैजनाथ राय के तीन पुत्र हुए—प्रथम श्री रायसखा राय नावल्द, द्वि० श्री रामउदय राय, तृ० श्री बालक राय।

श्री रामउदय राय के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री ववलू राय, द्वि श्री डवलू राय।

श्री रामबालक राय के एक पुत्र हुए—श्री नथुनी राय।

दलजीत राय, श्री मीतरजीत राय के छोटे भाई श्री दलजीत राय, श्री दलजीत राय के दो पुत्र हुए--१. गोपाल राय एवं २. श्री रमण राय।

श्री गोपाल राय के एक पुत्र हुए—श्री भागवत राय, श्री भागवत राय के एक पुत्र हुए— श्री रामवहादुर राय।

श्री रामवहादुर राय के तीन पुत्र हुए—१. श्री विपिनराय २. श्री कपिलदेव राय एवं ३. श्री पंकज राय।

जिनमें श्री कपिलदेव राय के एक पुत्र हुए श्री सोमन राय। श्री सोमन राय के एक पुत्र हुए श्री पलट राय। श्री पलट राय के दो पुत्र हुए—१. रामसुन्दर राय २. श्री रामनिहोरा राय।

श्री गोपाल राय के छोटे भाई श्री रमण राय के दो पुत्र हुए—१. श्री सुखदेव राय २. श्री किसुनदेव राय ना०।

श्री सुखदेव राय के दो पुत्र हुए —१. श्री रामाधार राय २. श्री तारणी राय।

Scanned by CamScanner

नारायण पीपड़ ग्राम का वंश-वृक्ष

श्री हरिदत्त मिश्र वासिन्दे मेधौल ग्राम के चार पुत्र हुए—क्रमशः श्री फूद मिश्र वासिन्दे मेधौल, श्री गौण मिश्र वासिन्दे खुटहा ग्राम के हुए, श्री रूद्र मिश्र वासिन्दे सौरिया वस्ती जिला पुर्णिया के हुए एवं श्री चैन मिश्र वासिन्दे मराँची जिला—मुंगेर के हुए।

श्री फूद मिश्र के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री बीभ मिश्र वासिन्दे आकोपुर के हुए एवं श्री भगवन्त मिश्र वासिन्दे मेधौल के हुए। यानी ये मेधौल में ही रहे।

श्री भगवंत मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री वशिष्ठ मिश्र वासिन्दे कोरैय वस्ती के हुए एवं श्री व्यास मिश्र वासिन्दे मेधौल के हुए।

श्री व्यास मिश्र के पाँच पुत्र हुए—श्री जगरनाथ मिश्र वासिन्दे मेधौल-मटिहानी, श्री गोविन्द मिश्र वासिन्दे हरखपुरा, श्री प्रयाग मिश्र वासिन्दे हरखपुरा, श्री हरि मिश्र वासिन्दे नारायण पीपड़ एवं श्री द्वारिका मिश्र वासिन्दे गोपालपुर ग्राम के हुए।

श्री हरि मिश्र वासिन्दे नारायण पीपड़ के एक पुत्र हुए—श्री दौन मिश्र। इनके एक पुत्र हुए श्री कुंजल मिश्र।

श्री कुंजल मिश्र के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री उद्धत मिश्र, द्वि० श्री बिहारी मिश्र।

श्री उद्धत मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री आशा मिश्र जो मेधौल लौट गए। इनके एक पुत्र हुए श्री हीरा मिश्र। श्री हीरा मिश्र के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री घोघल मिश्र जो नावल्द ठहरे। द्वितीय श्री नन्हा मिश्र। इनके चार पुत्र हुए—प्रथम श्री रामसन मिश्र, द्वि० श्री नवा मिश्र, तृ० श्री दरोगा मिश्र एवं चतुर्थ श्री रामचरण मिश्र हुए।

श्री रामसन मि० के चार पुत्र हुए—प्रथम श्री महादेव मिश्र, द्वि० श्री धनिक मिश्र, तृ० श्री घरमगुण मिश्र एवं चतुर्थ श्री उधो मिश्र हुए।

श्री उद्धत मिश्र के भाई श्री बिहारी मिश्र के दो पुत्र हुए—प्रथम श्री लोआ मिश्र एवं द्वि० श्री चोआ मिश्र।

श्री लोआ मि० के दो पुत्र हुए—श्री वंशी मिश्र एवं श्री बाऊ मिश्र। ये दोनों भाई नावल्द ठहरे।

श्री चोआ मिश्र के एक पुत्र हुए श्री हीया मिश्र। श्री हीया मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री गोखुल मिश्र एवं श्री गोपाल मिश्र।

Scanned by CamScanner

श्री गोखुल मिश्र के एक पुत्र हुए श्री गोबर्धन मिश्र। श्री गोवर्धन मिश्रके एक पुत्र हुए—श्री कंचन मिश्र।

श्री कंचन मिश्रके दो पुत्र हुए—प्रथम श्री बोन मिश्र, द्वि० श्री मेदनी मि०।

श्री बोन मिश्र के दो पुत्र हुए श्री नन्दलाल मिश्र एवं श्री शंकर मिश्र।

श्री नन्दलाल मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री योगा मिश्र एवं श्री फकीर मिश्र।

श्री योगा मिश्र के चार पुत्र हुए—१. श्री वंशी मिश्र २. श्री खागा मिश्र ३. श्री चेतन मिश्र एवं ४. श्री रामसहाय मिश्र।

श्री वंशी मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री कारी मिश्र। श्री कारी मिश्र के एक ही पुत्र हुए—श्री नीन मिश्र। श्री नीन मिश्र के दो पुत्र हुए—१. श्री गुणेश्वर मिश्र २. श्री शोभाकान्त मिश्र नावल्द ठहरे।

श्री गुणेश्वर मिश्र के चार पुत्र हुए—१. श्रीकान्त मिश्र २. झिंगुर मिश्र ३. श्री फूल मिश्र एवं ४. श्री शूलो मिश्र।

श्री वंशी मिश्र के भाई श्री खागा मिश्र के दो पुत्र हुए—१. श्री पंपाल मिश्र २. श्री नरसिंह मिश्र।

श्री नर सिंह मिश्र के दो पुत्र हुए —१. श्री धनिक मिश्र २. श्री जैयो मिश्र।

श्री जैयो मिश्र के दौ पुत्र हुए—१. श्री महेन्द्र मिश्र २. श्री योगेन्द्र मिश्र।

श्री खागा मिश्र के भाई श्री चेतन मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री शुकन मिश्र। श्री शुकन मिश्र के तीन पुत्र हुए—१. श्री बोढ़न मिश्र २. श्री रामजी मिश्र ३. श्री धनिक मिश्र।

श्री बोढ़न मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री यमुना मिश्र नावल्द। श्री बोढ़न मिश्र के भाई श्री रामजी मिश्र के तीन पुत्र हुए, श्री सिया मिश्र, श्री उमाकांत मिश्र एवं श्री हरदेव मिश्र।

श्री सिया मिश्र के दो पुत्र हुए, (१) श्री नंदलाल मिश्र (२) मुकुन्द मिश्र।

श्री नंदलाल मिश्र के एक पुत्र श्री रामकुमार मिश्र हुए। श्री सिया मिश्र के भाई श्री उमाकांत मिश्र नावल्द ठहरे। श्री सिया मिश्र के भाई श्री हरदेव मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री चन्द्रशेखर मिश्र।

श्री चेतन मिश्र के भाई श्री रामसहाय मिश्र के चार पुत्र हुए, (१) श्री जीवलाल मिश्र (२) श्री रोहिणी मिश्र (३) श्री बौकू मिश्र (४) श्री बच्चू मिश्र।

जिनमें श्री जीवलाल मिश्र के चार पुत्र हुए। (१) श्री हृदय मिश्र (२) श्री हरख मिश्र नावल्द। (३) श्री अयोध्या मिश्र नावल्द। (४) श्री यमुना मिश्र नावल्द।

श्री हृदय मिश्र के दो पुत्र हुए। (१) श्री विन्देश्वरी मिश्र (२) श्री चन्द्रकांत मिश्र।

Scanned by CamScanner

श्री विन्देश्वरी मिश्र के सात पुत्र हुए, (१) श्री रामानंद मिश्र (२) श्री परमानंद मिश्र (३) श्री अंगद मिश्र (४) श्री सुरेश मिश्र (५) श्री उमेश मिश्र (६) श्री रमेश मिश्र एवं (७) श्री महेश मिश्र।

श्री चन्द्रकांत मिश्र के दो पुत्र हुए, (१) श्री उदित मिश्र एवं श्री दिनेश मिश्र।

श्री उदित मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री विपिन मिश्र।

श्री दिनेश मिश्र के तीन पुत्र हुए, (१) श्री वीरेन्द्र मिश्र (२) श्री जीतेन्द्र मिश्र (३) श्री शैलेन्द्र मिश्र।

श्री जीवलाल मिश्र के भाई श्री रोहिणी मिश्र के चार पुत्र हुए (१) श्री किशुन मिश्र (२) श्री सीया मिश्र (३) श्री सूरत मिश्र (४) श्रीं झिंगुर मिश्र नावल्द।

श्री किशुन मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री तारणी मिश्र। श्री तारणी मिश्र के चार पुत्र हुए, (१) श्री रामसुदिस्ट मिश्र (२) श्री अरविन्द मिश्र (३) श्री विद्याभूषण मिश्र (४) श्री नेङ्गरा मिश्र। इनका कुर्सीनामा नहीं मिलता है, छूट गया है।

श्री किशुन मिश्र के भाई श्री सिया मिश्र के पाँच पुत्र हुए, (१) श्री तुला मिश्र (२) श्री रामबालक मिश्र नावल्द। (३) श्री विष्णुदेव मिश्र (४) श्री आजो मिश्र (५) श्री राजेन्द्र मिश्र।

श्री तुला मिश्र के एक पुत्र हुए श्री मुकेश मिश्र।

श्री विष्णुदेव मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) श्री सच्चिदानंद मिश्र (२) श्री संजय मिश्र (३) श्री सीताराम मिश्र।

श्री आजो मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री जयजयराम मिश्र।

श्री किशुन मिश्र के भाई श्री सूरत मिश्र के दो पुत्र हुए, (१) श्री भरत मिश्र (२) श्री अवघ मिश्र।

श्री भरत मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री नरेश मिश्र। श्री नरेश मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री चितरंजन मिश्र।

श्री अवध मिश्र के दो पुत्र हुए, (१) श्री वशिष्ठ मिश्र (२) श्री जनार्दन मिश्र।

ऊपर श्री जीवलाल मिश्र के भाई श्री बच्चू मिश्र के एक पुत्र श्री सोनेलाल मिश्र नावल्द हुए।

ऊपर श्री यौगा मिश्र के भाई फकीर मिश्र के तीन पुत्र हुए, (१) श्री नेहाल मिश्र नावल्द (२) श्री अज्ञात मिश्र (३) श्री विरंची मिश्र।

Scanned by CamScanner

श्री अज्ञात मिश्र के दो पुत्र हुए, (१) श्री पुनीत मिश्र (२) श्री शिव मिश्र।

श्री पुनीत मिश्र के पुत्र श्री अनूप मिश्र नावल्द ।

श्री शिव मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री चानो मिश्र।

श्री चानो मिश्र के तीन पुत्र हुए, (१) श्री जनक मिश्र नावल्द। (२) श्री बलदेव मिश्र नावल्द। (३) श्री जगदेव मिश्र नावल्द।

श्री अज्ञात मिश्र के भाई श्री विरंची मिश्र के तीन पुत्र हुए. (१) श्री तोती मिश्र (२) श्री प्यारे मिश्र नावल्द। (३) श्री नेतो मिश्र।

श्री तोतो मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री डोमी मिश्र नावल्द।

श्री नेतो मिश्र के दो पुत्र हुए, (१) सोनू मिश्र नावल्द। श्री गेना मिश्र।

श्री नंदलाल मिश्र के भाई श्री शंकर मिश्र के दो पुत्र हुए, (१) श्री लश्करी मिश्र (२) श्री बौध मिश्र।

श्री लश्करी मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री रटन मिश्र। श्री रटन मिश्र के तीन पुत्र हुए, (१) श्री खूबलाल मिश्र (२) श्री धर्मलाल मिश्र नावल्द, (३) श्री रामलाल मिश्र।

श्री खूबलाल मिश्र के पुत्र श्री रब्बी मिश्र नावल्द।

श्री रामलाल मिश्र के दो पुत्र हुए, (१) श्री सुन्दर मिश्र (२) श्री श्रवण मिश्र नावल्द।

श्री सुन्दर मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री रामेश्वर मिश्र।

श्री बोन मिश्र, श्री मेदनी मिश्र दोनों भाई हुए। श्री बोन मिश्र का कुर्सीनामा लिखा गया। अब श्री मेदनी मिश्र का शुरू।

श्री मेदनी मिश्र के श्री नोगा मिश्र एवं श्री धैरज मिश्र दो पुत्र हुए। श्री नोगा मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री कंटीर मिश्र। श्री कंटीर मिश्र के दो पुत्र श्री गोपाल मिश्र और श्री हनुमान मिश्र हुए। (कोरैय लौट गए)

श्री गोपाल मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री अमृत मिश्र। श्री अमृत मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री बाबूनाथ मिश्र। श्री बाबूनाथ मिश्र के तीन पुत्र हुए, (१) श्री गेना मिश्र (२) श्री कूलो मिश्र नावल्द (३) गोविन्द मिश्र।

श्री गेना मिश्र के तीन पुत्र हुए, (१) श्री जगदेव मिश्र (२) श्री रामदेव मिश्र (३) श्री ब्रह्मदेव मिश्र नावल्द। श्री जगदेव मिश्र के दो पुत्र हुए, (१) श्री रामचरित्र मिश्र (२) श्री राजेन्द्र मिश्र। श्री राजेन्द्र मिश्र के श्री मोहन मिश्र एवं श्री अकलू मिश्र दो पुत्र हुए।

श्री रामदेव मिश्र के तीन पुत्र हुए, (१) शत्रुघ्न मिश्र (२) महेन्द्र मिश्र (३) विनोद मिश्र।

Scanned by CamScanner

श्री गेना मिश्र के भाई श्री गोविन्द मिश्र के एक पुत्र हुए। श्री शिवदेव राय। श्री शिवदेव राय के श्री गंगा प्रसाद राय और श्री गोंगु प्रसाद राय एवं श्री बबुआ राय तीन पुत्र हुए।

श्री गोपाल मिश्र के भाई श्री हनुमान मिश्र के श्री रामलाल मिश्र, श्री समफूल मिश्र नावल्द, श्री मन्नू मिश्र नावल्द तीन पुत्र हुए।

श्री रामलाल मिश्र के श्री जगदीप मिश्र और श्री कुंजी मिश्र नावल्द दो पुत्र हुए। श्री जगदीप मिश्र के श्री शशि मिश्र और श्री हरि मिश्र दो पुत्र हुए।

श्री मेदनी मिश्र के दूसरे पुत्र श्री धैरज मिश्र के दो पुत्र हुए, (१) श्री पहलवान मिश्र (२) श्री हाथी मिश्र।

श्री पहलवान मिश्र के दो पुत्र हुए, (१) श्रीं हृदय मिश्र (२) श्री बुनियाद मिश्र।

श्री हृदय मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री उधरण मिश्र। श्री उधरण मिश्र के तीन पुत्र हुए, (१) श्री तुलसी मिश्र नावल्द। (२) श्री रामहित मिश्र (३) श्री ताले मिश्र। श्री रामहित मिश्र के एक पुत्र हुए श्री दोरिक मिश्र नावल्द। श्री ताले मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री राजगीर मिश्र। श्री राजगीर मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री विन्देश्वरी मिश्र नावल्द।

श्री बुनियाद मिश्र के तीन पुत्र हुए, (१) श्री दुर्गा मिश्र (२) श्री चूआ मिश्र (३) श्री छत्रधारी मिश्र।

श्री दुर्गा मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री रामलाल मिश्र। श्री रामलाल मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री कलर मिश्र। श्री कलर मिश्र के दो पुत्र हुए, श्री फेकन मिश्र और श्री गुलेटन मिश्र। श्री फेकन मिश्र के श्री रामबहादुर मिश्र और श्री रामउदार मिश्र दो पुत्र हुए। श्री रामबहादुर मिश्र के श्री चन्द्रकान्त मिश्र और श्री तेजकांत मिश्र दो पुत्र हुए। श्री रामउदार मिश्र के श्री संजय और श्री शंभू मिश्र तथा श्री मुखिया मिश्र तीन पुत्र हुए।

श्री फेकन मिश्र के भाई श्री गुलेटन मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री रामस्वारथ मिश्र। रामस्वारथ मिश्र के दो पुत्र हुए, (१) श्री देवकुमर (२) श्री अज्ञात।

श्री दुर्गा मिश्र के भाई श्री चोआ मिश्र के दो पुत्र हुए, (१) श्री भरोसी मिश्र (२) श्री गोखुल मिश्र नावल्द। श्री भरोसी मिश्र के एक पुत्र श्री रीतलाल मिश्र हुए। श्री रीतलाल मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री नेवी मिश्र। श्री नेवी मिश्र के श्री गेन्धारी मिश्र और श्री नेपाली मिश्र दो पुत्र हुए। दोनों नावल्द ठहरे।

Scanned by CamScanner

श्री दुर्गा मिश्र के छोटे भाई श्री छत्रधारी मिश्र के एक पुत्र हुए श्री पूरन मिश्र। श्री पूरन मिश्र के दो पुत्र हुए श्री घीणा मिश्र और श्री बच्चू मिश्र। ये दोनों नावल्द ठहरे।

श्री पहलवान मिश्र के भाई श्री हाथी मिश्र के दो पुत्र हुए—१. श्री भुखल मिश्र २. श्री टँगोर मिश्र नावल्द।

श्री भुखल मिश्र के चार पुत्र हुए—प्रथम श्री मेघू मिश्र, द्वितीय श्रीलुट्टी मिश्र, तृतीय श्री बुट्टी मिश्र नावल्द, चतु० श्री गोनी मिश्र। श्री लुट्टी मिश्र के एक ही पुत्र हुए श्री लषण मिश्र। वे भो नावल्द ठहरे। श्री मेघू मिश्र के चार पुत्र हुए, श्री महावीर मिश्र, श्री अमीर मिश्र ना०, श्री दुखिया मिश्र, श्री सीताशरण मिश्र ना०।

श्री दुखिया मिश्र के एक ही पुत्र श्री सुशील मिश्र हुए।

श्री गोखुल मिश्र का लिखा गया।

श्री गोपाल मिश्र के दो पुत्र हुए, श्री देवी मिश्र, डोमर मिश्र--ये मुख्तियार पुर चले गये।

श्री देवी मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री चैन मिश्र एवं श्री राधो मिश्र

श्री चैन मिश्र के एक पुत्र हुए श्री दल मिश्र। श्री दल मिश्र के एक पुत्र हुए श्री उदित मिश्र। इनके दो पुत्र हुए—श्री हीया मिश्र एवं श्री शंभु मिश्र।

श्री हीया मिश्र के चार पुत्र हुए—श्री सोनू मिश्र, श्री फूल मिश्र नावल्द। श्री रब्बी मिश्र नावल्द। श्री रामी मिश्र नावल्द।

श्री सोनू मिश्र के एक पुत्र हुए श्री बोढ़न मिश्र। बोंढ़न मिश्र के एक पुत्र हुए श्री रामशंकर मिश्र। श्री रामशंकर मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री अशोक मिश्र एवं श्री पवन मिश्र।

श्री हीया मिश्र के भाई श्री शंभु मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री रामधारी मिश्र एवं श्री स्नेही मिश्र।

श्री रामधारी मिश्र के एक पुत्र श्री नीरस मिश्र। श्री नीरस मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री कीरत नारायण मिश्र एवं श्री रामनारायण मिश्र।

श्री कीरत नारायण मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री शरदेन्द्र मिश्र।

श्री रामनारायण मिश्रके चार पुत्र हुए—श्री अनिल, श्री राजकुमार, श्री प्रेमकुमार एवं श्री हेमंत कुमार।

श्री रामधारी मिश्र के भाई श्री स्नेही मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री बच्चू मिश्र। श्री बच्चू मिश्र के तीन पुत्र हुए—श्री भोला मिश्र, श्री नवल किशोर मिश्र, श्री सत्य नारायण मिश्र।

श्री चैन मि० और श्री राघो मि० भाई थे। श्री राघो मि० के दो पुत्र हुए, एक श्री धनेश्वर मि० एवं श्री किसुन मिश्र।

Scanned by CamScanner

श्री धनेश्वर मिश्र के तीन पुत्र हुए—श्री अपोछ मिश्र, श्री दुलह मिश्र, श्री दुरमिल मिश्र नावल्द।

श्री अपोछ मिश्र के चार पुत्र हुए—श्री बिहारी मिश्र, श्री बन्नू मिश्र, श्री रन्नू मिश्र नावल्द एवं पूरन।

श्री बिहारी मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री पगलू मिश्र एवं श्री डोमी मिश्र नावल्द।

श्री पगलू मिश्र के चार पुत्र हुए—श्री सुमरित मिश्र, बलदेव मिश्र, श्री सिया मिश्र, श्री अयोध्या मिश्र नावल्द।

श्री सुमरित मिश्र के चार पुत्र हुए—श्री शोभाकांत मिश्र, श्री बाबूनारायण मिश्र, श्री रामप्रताप मिश्र एवं वन्दन मिश्र।

श्री शोभाकांत मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री राम उदय मि०। श्री रामउदय मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री राजीव मिश्र एवं श्री संजीव मिश्र।

शोभाकांत मिश्र के भाई श्री बाबूनारायण मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री चन्द्रदेव मिश्र एवं श्री इन्द्रदेव मिश्र। श्री चन्द्रदेव मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री राम एवं लक्ष्मण।

शोभाकांत मिश्र के तीसरे भाई श्रीराम प्रताप मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री अनिल मिश्र एवं श्री सुनील मिश्र।

श्री सुमरित मिश्र के भाई श्री वलदेव मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री अवध मिश्र एवं श्री लक्ष्मीकांत मिश्र। श्री अवध मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री रामपदारथ मिश्र।

श्री रामपदारथ मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री राम विनोद मिश्र एवं श्री ललन मिश्र।

श्री अवध मिश्र के भाई श्री लक्ष्मीकांत मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री रामशंकर मिश्र, श्री शिवशंकर मिश्र।

श्री रामशंकर मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री देवेन्द्र कुमार मिश्र।

श्री बिहारी मिश्र के भाई श्री बन्नू मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री गोपाल मिश्र। गोपाल मिश्र के चार पुत्र हुए, श्री जगदेव मिश्र नावल्द, श्री परमेश्वरी मिश्र, श्री भागवत मिश्र, श्री रामखेलावन मिश्र।

श्री परमेश्वरी मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री रामविलास मिश्र (२) श्री भोला मिश्र (३) श्री राम शंकर मिश्र।

श्री रामविलास मिश्र के तीन पुत्र हुए—श्री श्यामनन्दन मिश्र, श्री रामनन्दन मिश्र, श्री देवनन्दन मिश्र।

श्री भोला मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री पंकज मिश्र एवं श्री रंजीत मिश्र।

Scanned by CamScanner

श्री भोला मि० के भाई श्री रामशंकर मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री शैलेन्द्र मिश्र, श्री अमरेश मिश्र ।

श्री परमेश्वरी मिश्र के भाई श्री भागवत मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री राजनारायण मिश्र । इनके दो पुत्र हुए—श्री रामवशिष्ठ एवं श्री रामस्वारथ ।

श्री रामवशिष्ठ मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री मुकेश मिश्र । श्री राम स्वारथ मि० के दो पुत्र हुए—श्री सुनील मिश्र एवं श्री सुधीर मिश्र ।

श्री परमेश्वरी मिश्र के छोटे भाई श्री रामखेलावन मिश्र के तीन पुत्र हुए—श्री वासुकी मिश्र, श्री कृत्यानन्द एवं श्री मोहन मिश्र ।

श्री वासुकी मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) श्री राजीव मिश्र (२) श्री संजीव मिश्र (३) श्री मनोज मिश्र (४) श्री मनीष मिश्र ।

अपोछ मिश्र के छोटे पुत्र श्री पूरन मिश्र के एक पुत्र श्री नर सिंह मिश्र नावल्द ।

श्री अपोछ मिश्र के भाई श्री दूलह मिश्र के एक पुत्र हुए श्री हनुमान मिश्र । इनके दो पुत्र हुए—श्री लाला मिश्र एवं श्री सुन्दर मिश्र नावल्द ।

श्री लाला मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) यशोधा मिश्र नावल्द । (२) श्री द्वारिका मिश्र ।

श्री द्वारिका मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री हरेराम मिश्र (२) श्री रामाकांत मिश्र (३) श्री परमानन्द मिश्र ।

श्री हरेराम मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री फूलकान्त मिश्र एवं श्री मणिकात मिश्र ।

श्री रामाकांत मिश्र के एक पुत्र हुए श्री कौशलेन्द्र मिश्र ।

श्री परमनंद मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री राजीव रंजन ।

श्री किशुन मिश्र के तीन पुत्र हुए—श्री दुखा मिश्र, श्री हरिवाज मिश्र, श्री ब्राह्मी मिश्र ।

श्री दुखा मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री राजकुमार मिश्र । श्री राजकुमार मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री काली मिश्र एवं श्री शंकर मिश्र ।

श्री काली मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री जलधारी मिश्र एवं श्री रामरूप मिश्र ।

श्री जलधारी मिश्र के एक पुत्र हुए, श्री विश्वनाथ मिश्र । श्री विश्वनाथ मिश्र के तीन पुत्र हुए—श्री रामसागर मिश्र, श्री रामाकांत मिश्र, श्री जयकांत मिश्र ।

श्री रामरूप मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री उत्तीम मिश्र नावल्द ।

श्री काली मिश्र के भाई श्री शंकर मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री रामानुग्रह मिश्र ।

श्री रामानुग्रह मिश्र के एक पुत्र श्री त्रिवेणी मिश्र हुए—इनके दो पुत्र हुए—श्री सत्यनारायण मिश्र एवं श्री रामउदित मिश्र ।

श्री सत्यनारायण मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री राधेश्याम मिश्र ।

Scanned by CamScanner

श्री दुखा मिश्र के भाई श्री हरिवाज मिश्र के एक पुत्र हुए--श्री अकल मिश्र। श्री अकल मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री धूरन मिश्र एवं श्री ज्ञानी मिश्र दोनों नावल्द।

श्री हरिवाज मिश्र के भाई श्री ब्राह्मी मिश्र के तीन पुत्र हुए—श्री कन्हैया मिश्र नावल्द, श्री आसाम मिश्र एवं श्री परसमैन मिश्र नावल्द।

श्री आसाम मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री वैजू मिश्र। श्री वैजू मिश्र के एक पुत्र हुए श्री फेकन मिश्र नावल्द।

श्री देवी मिश्र के भाई श्री डोमर मिश्र जो मुख्तियारपुर गये—इनके एक पुत्र हुए—श्री सन्तलाल मिश्र। इनके एक पुत्र हुए—श्री भजन मिश्र। इनके भी एक पुत्र हुए—श्री बाबूराम मिश्र। श्री वाबूराम मिश्र के एक पुत्र हुए श्री पहलवान मिश्र।

श्री पहलवान मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री जगन मिश्र एवं श्री भीखा मिश्र।

श्री जगन मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री रब्बी मिश्र। श्री रब्बी मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री रूपलाल मिश्र नावल्द, श्री वन्नू मिश्र। श्री वन्नू मिश्र के एक पुत्र श्री श्रवन मिश्र हुए। श्री श्रवन मिश्र के तीन हुत्र हुए—श्री राजनारायण मिश्र, श्री भुवनेश्वर मिश्र एवं श्री सहदेव मिश्र।

श्री जगन मिश्र के भाई श्री भीखा मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री वसलाल मिश्र। श्री वसलाल मिश्र के एक पुत्र हुए श्री जिलेवी मिश्र। श्री जिलेवी मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री लालबाबू मिश्र एवं श्री रामचन्द्र मिश्र नावल्द।

श्री लालबाबू मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री शिवजी मिश्र एवं श्री रणजीत मिश्र।

●

Scanned by CamScanner

कोरैय ग्राम का वंश-वृक्ष

श्री हरिदत्त मिश्र वासिन्दे मेघौल ग्राम के चार पुत्र हुए— (१) रुद्र नारायण मिश्र वासिन्दे सौरिया वस्ती जिला पूर्णिया के हुए (२) श्री फूद मिश्र वासिन्दे मेघौल ग्राम के हुए (३) श्री गौण मिश्र वासिन्दे खुटहा वस्ती के हुए एवं (४) श्री चैन मिश्र वासिन्दे मरांची बस्ती के हुए।

श्री फूद मिश्र वासिन्दे मेघौल के दो पुत्र हुए— श्री वीभ मिश्र जो वासिन्दे आकोपुर के हुए एवं श्री भगवन्त मिश्र वासिन्दे मेघौल के हुए।

श्री भगवन्त मिश्र के भी दो पुत्र हुए (१) श्री वशिष्ठ मिश्र (२) श्री व्यास मिश्र। जिनमें श्री वशिष्ठ मिश्र वासिन्दे कोरैय वस्ती के हुए एवं श्री व्यास मिश्र वासिन्दे मेघौल के ही रहे।

श्री व्यास मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) श्री गोविन्द मिश्र वासिन्दे हरखपुरा (२) श्री हरि मिश्र वासिन्दे नारायण पीपड़ के हुए (३) श्री द्वारिका मिश्र वासिन्दे गोपालपुर के हुए, (४) श्रीं जगरनाथ मिश्र वासिन्दे मेघौल-मटिहानी के हुए एवं (५) श्री प्रयाग मिश्र वासिन्दे हरखपुरा के हुए।

ऊपर से श्री वशिष्ठ मिश्र वासिन्दे कोरैय के दो पुत्र हुए—(१) श्री दयाल मिश्र (२) श्री सुजान मिश्र नावल्द ठहरे।

श्री दयाल मिश्र के पाँच संतान हुए—(१) श्री शिव मिश्र (२) श्री सत्तीमां (३) श्री राम मिश्र (४) श्री भोला मिश्र (५) श्री शिवदयाल मिश्र नावल्द।

श्री शिव मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) श्री अनूप मिश्र २, ३ और ४ अज्ञात हैं। नावल्द हैं।

श्री अनूप मिश्र के सात पुत्र हुए—१ श्री गजराज मिश्र (२) श्री शोभित मिश्र (३) श्री तिरा मिश्र (४) श्री शंकर मिश्र (५) श्री विश्वनाथ मिश्र (६) श्री दिनेश मिश्र (७) श्री अयोध्या मिश्र।

श्री गजराज मिश्र के एक ही पुत्र हुए श्री ठकुरी मिश्र। श्री ठकुरी मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) स्नेही मिश्र (२) श्री वंशी मिश्र। श्री वंशी मिश्र के एक पुत्र हुए श्री रामाधीन मिश्र।

श्री स्नेही मिश्र के एक ही पुत्र हुए श्री नूनू मिश्र। श्री नूनू मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) श्री रामप्रसाद मिश्र (२) श्री अच्छेलाल मिश्र नावल्द (३) श्री भागवत मिश्र (४) श्री वमदेव मिश्र।

Scanned by CamScanner

श्री रामप्रसाद मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री रामबहादुर मिश्र (२) जंग बहादुर मिश्र।

श्री राम बहादुर मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) श्री महेन्द्र मिश्र (२) श्री लक्ष्मी मिश्र (३) जनार्दन मिश्र (४) श्री रामशीष मिश्र (५) श्री अशोक मिश्र।

श्री महेन्द्र मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) श्री कूसो मिश्र (२) श्री रमेश मिश्र (३) श्री पवन मिश्र (४) श्री उमेश मिश्र।

श्री लक्ष्मी मिश्र के एक पुत्र हुए श्री उमाकान्त मिश्र। श्री जनार्दन मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री राकेश मिश्र (२) श्री गणेश मिश्र।

श्री रामबहादुर मिश्र के भाई श्री जंगबहादुर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री राजेन्द्र मिश्र (२) श्री शैलेन्द्र मिश्र नावल्द ठहरे।

श्री राजेन्द्र मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री जिवेन्द्र मिश्र (२) श्री बूनी मिश्र (३) नूनी मिश्र।

श्री रामप्रसाद मिश्र के भाई श्री भागवत मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री चन्द्रिका मिश्र (२) श्री सत्यनारायण मिश्र।

श्री चन्द्रिका मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) श्री हरेराम मिश्र (२) श्री वशिष्ठ मिश्र (३) श्री बबुआ मिश्र (४) श्री श्याम मिश्र।

श्री सत्य नारायण मिश्र के एक पुत्र हुए श्री शंकर मिश्र नावल्द। श्री स्नेही मिश्र के भाई श्री वंशी मिश्र के एक ही पुत्र श्री रामाधीन मिश्र हुए जो नावल्द ठहरे।

श्री गजराज मिश्र के भाई श्री शोभित मिश्र के एक ही पुत्र हुए, श्री धौली मिश्र। उनके चार पुत्र हुए, (१) श्री देवाजीत मिश्र (२) श्री नेवा मिश्र (३) श्री शोभा मिश्र (४) श्री अमृत मिश्र।

श्री देवाजीत मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री जानकी मिश्र (२) श्री मानकी मिश्र नावल्द (३) श्री खखर मिश्र नावल्द।

श्री जानकी मिश्र के एक ही पुत्र हुए श्री शीतल मिश्र। श्री शीतल मिश्र के एक ही पुत्र हुए—श्री महावीर मिश्र। श्री महावीर मिश्र के भी एक पुत्र ही राजो मिश्र हुए।

श्री देवाजीत मिश्र के भाई श्री नेवा मिश्र के एक ही पुत्र हुए. श्री नन्हा मिश्र जो नावल्द ठहरे।

श्री शोभा मिश्र के एक ही पुत्र हुए श्री महा मिश्र जो नावल्द ठहरे।

श्री देवाजीत मिश्र के छोटे भाई श्री अमृत मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री सोनमन मिश्र (२) श्री दीया मिश्र नावल्द। (३) श्री बालक मिश्र नावल्द।

Scanned by CamScanner

श्री सोनमन मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री जाटो मिश्र नावल्द (२) श्री टेकनारायण मिश्र नावल्द।

श्री गजराज मिश्र के तीसरे भाई श्री तिरा मिश्र के एक ही पुत्र हुए—श्री गोपाल मिश्र।

श्री गोपाल मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री छत्र मिश्र (२) श्री राम वकस मिश्र नावल्द (३) श्री वालगोविन्द मिश्र।

श्री छत्र मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) श्री रघुनाथ मिश्र (२) इजोरी मि० (३) श्री दुखर मिश्र (४) कुनी मिश्र।

श्री रघुनाथ मिश्र के दो दो पुत्र हुए—(१) श्री हीमरन मिश्र (२) श्री खारो मिश्र नावल्द।

श्री हीभरन मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री वाबूलाल मिश्र (२) श्री अचक मिश्र (३) श्री रतीलाल मिश्र।

श्री वाबूलाल मिश्र के एक ही पुत्र हुए—श्री कारी मिश्र जिनके एक ही पुत्र हुए—परमानन्द मिश्र।

श्री बाबूलाल मिश्र के भाई श्री अचक मिश्र के एक ही पुत्र हुए श्री कमल मिश्र। श्री कमल मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री वीर बहादुर मिश्र (२) श्री योगेन्द्र मिश्र।

श्री रघुनाथ मिश्र के भाई श्री एजोरी मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री नूनू मिश्र (२) श्री नीरस मिश्र नावल्द ठहरे। श्री नूनू मिश्र के एक पुत्र हुए श्री बोढ़न मिश्र। श्री वोढ़न मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री शेखर मिश्र (२) श्री राजेन्द्र मिश्र।

श्री शेखर मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री वशिष्ठ मिश्र (२) श्री मनटन मिश्र (३) राजेश मिश्र।

श्री राजेन्द्र मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री रामाश्रय मिश्र (२) श्री अशोक मिश्र (३) श्री रणजीत मिश्र।

श्री रघुनाथ मिश्र के छोटे भाई श्री कुनी मिश्र के एक पुत्र हुए श्री वोसू मिश्र। श्री वोसू मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री विजो मिश्र नावल्द (२) श्री वौकू मिश्र नावल्द (३) श्री रामदरेश मिश्र।

श्री रामदरेश मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) शशिभूषण मिश्र (२) श्री सीता राम मिश्र (३) श्रीमणी भूषण मिश्र (४) श्री सज्जन मिश्र (५) श्री सुनील मिश्र।

Scanned by CamScanner

श्री छत्र मिश्र के छोटे भाई श्री बालगोविन्द मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री किसुनप्रसाद मिश्र (२) श्री चुल्हाय मिश्र।

श्री किसुन प्रसाद मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) जालीम मिश्र (२) श्री खारो मिश्र (३) श्री रामकिंकर मिश्र नावल्द।

श्री जालीम मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री रेशमी मिश्र (२) जयजयराम मिश्र।

श्री रेशमी मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री रामानंद मिश्र (२) श्री रामायण मिश्र।

श्री जयजयराम मिश्र के भी दो पुत्र हुए—(१) श्री रामविनय मिश्र (२) श्री सँजय मिश्र।

श्री जालीम मिश्र के भाई श्री खारो मिश्र के छः पुत्र हुए—(१) श्री राम बहादुर मिश्र (२) श्री सत्यनारायण मिश्र (३) श्री सूर्यशेखर मिश्र (४) श्री कंचन मिश्र (५) श्री लोल मिश्र (६) श्री गणेश मिश्र।

श्री रामबहादुर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्रीं रमेश मिश्र (२) श्री उमेश मिश्र।

श्री सत्यनारायण मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री फुलेना मिश्र।

श्री किसुनप्रसाद मिश्र के भाई श्री चुल्हाय मिश्र के एक ही पुत्र श्री यदुनन्दन मिश्र हुए।

श्री यदुनन्दन मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री चितरंजन मिश्र (२) श्री रंजन मिश्र।

श्री गजराज मिश्र के चौथे भाई श्री शंकर मिश्र के एक पुत्र हुए श्री गणेश मिश्र। इनके तीन पुत्र हुए—(१) श्री वक्तर मिश्र (२) श्री लक्ष्मण मिश्र नाबल्द (३) श्री जुवा मिश्र नावल्द।

श्री वक्तर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री मोती मिश्र (२) गणेश मिश्र।

श्री गजराज मिश्र के पाँचवे भाई श्री विश्वनाथ मिश्र के सात पुत्र हुए—(१) श्री शंकर मिश्र (२) श्री शंभु मिश्र (३) भागो मिश्र (४) श्री हीभरन मिश्र (५) श्री रामदयाल मिश्र (६) श्री अज्ञात मिश्र नावल्द (७) श्री शिव मिश्र।

प्रथम श्री शंकर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री बनू मिश्र (२) श्री जनक मिश्र।

श्री बनू मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) श्री अमोल मिश्र (२) श्री रामाधीन मिश्र (३) श्री धनीक मिश्र (४) श्री पंची मिश्र।

श्री अमोल मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री अनीका मिश्र (२) श्री कारी मिश्र। जिनमें श्री कारी मिश्र के श्री अरुण एवं श्री वरूण मिश्र दो पुत्र हुए।

Scanned by CamScanner

श्री रामाधीन मिश्र नावल्द ठहरे। श्री धनीक मिश्र भी नावल्द ठहरे।

श्री अमोल के छोटे भाई श्री पंची मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री रामजीवन मिश्र। इनके चार पुत्र हुए—(१) श्री रामाश्रय मिश्र (२) श्री नवल किशोर मिश्र (३) श्री राजकिशोर मिश्र (४) श्री बृजकिशोर मिश्र।

श्री वनू मिश्र के भाई श्री जनक मिश्र के एक ही पुत्र श्री विमल मिश्र एवं इनके भी एक ही पुत्र श्री केदार मिश्र।

श्री शंकर मिश्र के भाई श्री शंभु मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री नरसिंह मिश्र। इनके दो संतान हुए—(१) श्री नन्हा मिश्र नावल्द (२) लड़की श्री सिसा कुमारी के बेटे श्री राघो मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री रामलगन मिश्र (२) श्री राम किशोर मिश्र (३) श्री श्याम किशोर मिश्र।

श्री रामलगन मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) श्री वेणी माधव दास (२) श्री मकेश्वर मिश्र (३) श्री रामाकान्त मिश्र (४) श्री उमाकान्त मिश्र।

प्रथम श्री वेणी माधव दास के पुत्र हुए—श्री राजकुमार मिश्र। (२) श्री मुकेश्वर मिश्र। इनके पुत्र हुए एक श्री लालन प्रसाद मिश्र (२) श्री अरूण मिश्र।

श्री रामलगन मिश्र के भाई श्री रामकिशोर मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) श्री पंटुभन मिश्र (२) श्री राधाकान्त मिश्र (३) श्री अकलेश्वर मिश्र (४) श्री परशुराम मिश्र।

जिनमें श्री पन्टुभन मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री दिलीप कुमार मिश्र।

श्री राधाकान्त मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री अरबिन्द कुमार।

श्री अकलेश्वर मिश्र के श्री बिनोद एवं श्री आमोद दो पुत्र ठहरे।

श्री रामलगन मिश्र के छोटे भाई श्री श्यामकिशोर मिश्र के तीन पुत्र (१) श्री सुबोध कुमार (२) श्री वैद्यनाथ मिश्र (३) श्री कुमोद मिश्र हुए।

श्री शंकर मिश्र के तीसरे भाई श्री भागो मिश्र के एक ही पुत्र हुए—श्री सन्तु मिश्र जो नावल्द ठहरे। चौथे भाई श्री हीभरन मिश्र के एक पुत्र हुए श्री दुखर मिश्र नावल्द।

श्री शंकर मिश्र के पाँचवे भाई श्री रामदयाल मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री रामशंकर मिश्र (२) श्री नन्दलाल मिश्र।

श्री रामशंकर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री तिलक मिश्र (२) श्री रामधारी नावल्द। तिलक मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री नूनू प्रसाद मिश्र।

श्री शिवजी मिश्र के दों पुत्र हुए—(१) श्री रामप्रकाश मिश्र (२) श्री मृत्युञ्जय मिश्र। जिनमें श्री रामप्रकास मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री दिवाकर मिश्र।

Scanned by CamScanner

श्री रामशंकर मिश्र के भाई श्री नंदलाल मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री सोनेलाल मिश्र। इनके भी एक पुत्र हुए—श्री उपेन्द्र मिश्र।

श्री शंकर मिश्र, श्री शंभु मिश्र के छोटे भाई श्री शिव मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री राजा मिश्र। श्री राजा मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री मकू मिश्र। श्री मकू मिश्र के दो संतान हुए—(१) श्री ईश्वर मिश्र नावल्द। (२) बेटी श्री यशोदा कुमारी।

श्री यशोदा कुमारी के दो पुत्र हुए—(१) श्री दिवाकर मिश्र नावल्द (२) श्री जयनारायण मिश्र। श्री जयनारायण मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री नागेश्वर मिश्र। श्री नागेश्वर मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री मुन्ना मिश्र (२) श्री चुना मिश्र (३) श्री गुणा मिश्र।

श्री गजराज मिश्र श्री शोभित मिश्र के छठे भाई श्री दिनेश मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री शिवचरण मिश्र। श्री शिवचरण मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री बंगाली मिश्र। श्री बंगाली मिश्र के दो पुत्र हुए,(१) श्री जीवराज मिश्र (२)श्री बिहारी मि०

श्री जीवराज मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री हरख लाल मिश्र (२) श्री नूनू मिश्र।

श्री हरख लाल मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री जादो मिश्र (२) श्री मेदो मिश्र (३) श्री बिनो मिश्र।

श्री जादो मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री मधुसूदन मिश्र (२) श्री सरयुग मिश्र (३) श्री महेन्द्र मिश्र।

श्री मधुसूदन मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री रामाधार मिश्र।

श्री रामाधार मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) श्री राजेन्द्र मिश्र (२) श्री सुरेन्द्र मिश्र (३) श्री अशोक मिश्र (४) श्री संतोष मिश्र।

श्री राजेन्द्र मिश्र के पुत्र हुए—श्री संजीत मिश्र।

ऊपर श्री सरयुग मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री भोगेन्द्र मिश्र (२) श्री देवेन्द्र मिश्र।

श्री सरयुग मिश्र के भाई श्री महेन्द्र मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री दिनेश मिश्र। इनके भी एक पुत्र हुए—श्री विनेश मिश्र।

ऊपर श्री जादो मिश्र के भाई श्री मेदो मिश्र के एक पुत्र हुए—श्री शंकर मिश्र। श्री शंकर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री कैलाश मिश्र (२) श्री नरेश मिश्र।

श्री जादो मिश्र के छोटे भाई श्री विनो मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री रामधरोहर मिश्र (२) श्री रामलषण मिश्र।

श्री रामधरोहर मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) श्री शंकर मिश्र (२) श्री श्यामसुन्दर मिश्र (३) श्री नन्दकिशोर मिश्र (४) श्री विजय कुमार मिश्र।

Scanned by CamScanner

जिनमें श्री श्यामसुन्दर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री राजीव मिश्र (२) श्री संजीव मिश्र ।

श्री राम धरोहर मिश्र के भाई श्री रामलषण मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) श्री दिनेश मिश्र (२) श्री शंभु मिश्र (३) श्री अनिल मिश्र (४) श्री सुनील मिश्र ।

ऊपर श्री हरख लाल मिश्र के भाई श्री नूनू मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री कारी मिश्र (२) श्री अनुज मिश्र (२) श्री सूरो मिश्र। जिनमें श्री कारी मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री देवेन्द्र मिश्र (२) श्री विरेन्द्र मिश्र (३) श्री सुधीर मिश्र। जिनमें श्री देवेन्द्र मिश्र के पुत्र हुए—श्री मुकेश मिश्र ।

श्री कारी मिश्र के भाई श्री अनुज मिश्र के पुत्र हुए—श्री राजेश मिश्र ।

ऊपर श्री जीवराज मिश्र के भाई श्री बिहारी मिश्र के पुत्र श्री नेमधारी मिश्र हुए। इनके दो पुत्र हुए—(१) श्री तेलो मिश्र (२) श्री सत्यनारायण मिश्र ।

श्री तेलो मिश्र के एक पुत्र श्री रामदेव मिश्र हुए। इनके भी एक ही पुत्र श्री रामपदारथ मिश्र हुए। इनके भी एक ही पुत्र—श्री रंजन हुए।

श्री सत्यनारायण मिश्र के एक पुत्र हुए—रामपदारथ मिश्र। इनके भी एक ही पुत्र—श्री राजीव मिश्र हुए। श्री गजराज मिश्र के सातवें भाई श्री अयोध्या मिश्र के एक पुत्र श्री सभा मिश्र हुए। इनके चार पुत्र हुए—(१) श्री कारू मिश्र (२) श्री राजा मिश्र (३) श्री भरत मिश्र (४) श्री गोपाल मिश्र नावल्द हुए।

श्री कारू मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) श्री बच्चू मिश्र (२) श्री मनु मिश्र (३) श्री आन मिश्र ।

श्री बच्चू मिश्र के दो पुत्र श्री बीनो मिश्र एवं श्री यामुन मिश्र हुए। श्री बीनो मिश्र के श्री सत्यनारायण मिश्र नावल्द। श्री रब्बी मिश्र नावल्द। श्री रामवरण मिश्र तीन पुत्र हुए। श्री रामवरण मिश्र के एक पुत्र श्री नूनूलाल मिश्र हुए।

श्री यामुन मिश्र के एक पुत्र श्री रामबहादुर मिश्र हुए। श्री बच्चू मिश्र के भाई श्री मनू मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री भैरो मिश्र (२) श्री सुखा मिश्र श्री सुखा मिश्र के श्री शोभित मिश्र एवं श्री रामविलास मिश्र दो पुत्र हुए।

श्री बच्चू मिश्र के छोटे भाई श्री आन मिश्र के एक पुत्र श्री बौएलाल मिश्र हुए। इनके दो पुत्र हुए—(१) श्री अहलाद मिश्र (२) श्री शिकेन्द्र मिश्र ।

श्री कारू मिश्र के भाई श्री राजा मिश्र के दो पुत्र हुए, (१) श्री जशवन्त मि० (२) श्री गुरू प्रसाद मिश्र। श्री जशवन्त मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री बाल-

Scanned by CamScanner

नारायण मिश्र (२) श्री प्रयाग मिश्र। जिनमें श्री वालनारायण मिश्र के श्री ब्रह्मदेव मिश्र एवं विष्णुदेव मिश्र दो पुत्र हुए।

श्री ब्रह्मदेव मिश्र के श्री हरि नारायण मिश्र एवं श्री देव नारायण मिश्र दो पुत्र हुए।

श्री विष्णुदेव मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) श्री शिवनन्दन मिश्र (२) रामबालक मिश्र (३) रामकुमार मिश्र (४) श्री विनय कुमार मिश्र।

श्री बालक मिश्र के भाई श्री प्रयाग मिश्र के एक पुत्र श्री रामेश्वर मिश्र जिनके दो पुत्र हुए—(१) श्री रामसेवक मिश्र (२) श्री वैद्यनाथ मिश्र। जिनमें श्री रामसेवक मिश्र के श्री अरविन्द मिश्र एवं श्री अनिल मिश्र दो पुत्र हुए। श्री वैद्यनाथ मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) सच्चिदा मिश्र (२) श्री अशोक मिश्र (३) श्री अभय मिश्र।

कारू मिश्र के भाई भरत मिश्र के दो पुत्र हुए ईश्वरी मिश्र, रामसहाय मिश्र। रामसहाय मिश्र के एक पुत्र हुए गेन्हारी मिश्र। गेन्हारी मिश्र एक पुत्र हुए गीता मिश्र। गीता मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) कैलाश मिश्र (२) कृष्णानंद मिश्र।

शुरुआत शिव के भाई श्रीराम मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) कृति मिश्र (२) लक्ष्मी मिश्र (३) कृपा मिश्र।

कृति मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) शोभा मिश्र (२) अवध मिश्र (३) रामलषण नावल्द।

शोभा मिश्र के एक पुत्र हुए छत्रपति मिश्र। छत्रपति मिश्र के एक पुत्र हुए दुनिया मिश्र। इनके एक पुत्र हुए कल्याण मिश्र। कल्याण मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) मनसी मिश्र (२) विसुनी मिश्र (३) अमर मिश्र।

मनसी मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) शिबू मिश्र (२) मोहन मिश्र। जिनमें शिबू मिश्र के एक पुत्र हुए—गौरी। गौरी मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) प्रदीप मिश्र (२) रामसहाय मिश्र।

इनमें प्रदीप मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) संतु मिश्र (२) वंशी मिश्र। इनमें संतु मिश्र के एक पुत्र हुए—रामखेलावन मिश्र। इनके दो पुत्र हुए—(१) राजो मिश्र (२) महेन्द्र मिश्र।

वंशी मिश्र के एक पुत्र हुए भगवान मिश्र। इनके एक पुत्र हुए—राघों मिश्र। इनके एक पुत्र हुए रामचन्द्र मिश्र जो महसार में बस गये, पता लगावें।

प्रदीप मिश्र के भाई रामसहाय मिश्र के एक पुत्र हुए घूरन मिश्र। इनके एक पुत्र हुए भोगी मिश्र।

Scanned by CamScanner

मोहन मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) चूआ मिश्र (२) हनुमान मिश्र नावल्द।

चूआ मिश्र के एक पुत्र हुए चंडी मिश्र। इनके चार पुत्र हुए—(१) भागलाल मिश्र (२) कुंजी मिश्र (३) दरसन मिश्र (४) प्रसन्न मिश्र।

कुंजी मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) फेकन मिश्र (२) गेनालाल मिश्र नावल्द (३)पितम्बर मिश्र नावल्द।

फेकन मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) रामप्यारे मिश्र (२) पुलकित मिश्र (३) जागो मिश्र (४) सूर्या मिश्र नावल्द।

रामप्यारे मिश्र के एक पुत्र हुए त्रिवेणी मिश्र। त्रिवेणी मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रामनरेश मिश्र (२) केदार मिश्र। जिनमें रामनरेश मिश्र के पुत्र हुए परमानंद मिश्र।

पुलकित मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रामपति मिश्र (२) रामसागर मिश्र।

रामपति मिश्र के एक पुत्र हुए शिशर मिश्र। शिशर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) कृष्णानन्द मिश्र (२) भूषण मिश्र।

रामसागर मिश्र के एक पुत्र हुए कैलास मिश्र। ऊपर कुंजी मिश्र के भाई दरसन मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) देवू मिश्र (२) भुवनेश्वर मिश्र (३) रामजी मिश्र।

देवू मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) विद्यासागर मिश्र (२) राजनीति मिश्र।

भुवनेश्वर मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) रामविलास मिश्र (२) अधिकारी मिश्र (३) शिवजी मिश्र। रामजी मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) नन्द कुमार मिश्र (२) बाबू साहब मिश्र (३) ललन मिश्र (४) गोमू मिश्र।

ऊपर मनसी मिश्र के भाई बिसुनी मिश्र के एक पुत्र हुए श्री शिवराम मिश्र।

शिवराम मिश्र के बलराम मिश्र एवं जयराम मिश्र दो पुत्र हुए। जिनमें बलराम मिश्र के सिधेश्वर मिश्र एवं भजू मिश्र दो पुत्र हुए।

सिंधेश्वर मिश्र के एक ही पुत्र मूसो मिश्र हुए। मूसो मिश्र के एक ही पुत्र सत्यनारायण मिश्र हुए। सत्यनारायण मिश्र के एक ही पुत्र रामजचन मिश्र हुए। रामजचन मिश्र के तीन पुत्र हुए। (१) जय जयराम मिश्र (२) महेन्द्र मिश्र (३) योगेन्द्र मिश्र।

जयजयराम मिश्र के एक पुत्र मंगनू मिश्र हुए। सिंघेश्वर मिश्र के भाई भजू मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) परी मिश्र (२) चूल्हो मिश्र। चूल्हो मिश्र के एक पुत्र श्री रामसखा मिश्र हुए। रामसखा मिश्र के एक पुत्र दिनेश मिश्र हुए। दिनेश मिश्र के एक पुत्र मुकेश मिश्र हुए।

Scanned by CamScanner

चूल्हो मिश्र के भाई परी मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) केदार मिश्र (२) रामशब्द मिश्र (३) दीपनारायण मिश्र। केदार मिश्र के फुलेल मिश्र एवं अरविन्द मिश्र दो पुत्र हुए। रामशब्द मिश्र के एक ही पुत्र राजनीति मिश्र हुए। दीपनारायण मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) मंत्रदीया मिश्र (२) मोहन मिश्र (३) कोकल मिश्र। बलराम मिश्र के भाई भयराम मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) मोहर मिश्र (२) दरबारी मिश्र। मोहर मिश्र के एक पुत्र राघोमिश्र नावल्द हुए।

दरबारी मिश्र के दो पुत्र (१) रामेश्वर मिश्र एवं (२) रामरूप मिश्र हुए। रामरूप मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) हरिनारायण मिश्र (२) श्री रघुनन्दन मिश्र (३) रागकुमार मिश्र।

ऊपर बिसुनी मिश्र के भाई अमर मिश्र के संतान हुए सीता मिश्र, गौरी देवी। सीता मिश्र के एक पुत्र चेता मिश्र हुए। चेता मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) गोनर मिश्र (२) भवानीं मिश्र।

गोनर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रामभजू मिश्र (२) बंशी मिश्र। रामभजू मि० के तीन पुत्र हुए—(१) खन्तर मिश्र (२) गोपी मिश्र नावल्द (३) मुखी मिश्र नावल्द।

खन्तर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रामजी मिश्र नावल्द (२) विष्णुदेव मिश्र। इनके पुत्र हुए महेश मिश्र। वंशी मिश्र के एक पुत्र रामगुलाम मिश्र नावल्द हुए। गोनर मिश्र के भाई भवानी मिश्र के चार पुत्र हुए (१) मोहर मिश्र (२) झड़ुला मिश्र (३) चंचल मिश्र—वैरागी हो गये। (४) झाकर मिश्र।

झाकर मिश्र के एक पुत्र हुए श्री नेमो मिश्र। नेमो मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) रामलखन मिश्र (२) रामदेव मिश्र (३) रामवलिहारी मिश्र।

रामलखन मि० के एक पुत्र हुए रामशेखर मिश्र। रामदेव मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रामउदय मिश्र (२) भगनारायण मिश्र। रामउदय मिश्र के एक पुत्र हुए सनातन मिश्र। भागनारायण मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) सत्तन मिश्र (२) मदन मिश्र।

रामबलिहारी मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) उमेश मिश्र (२) गणेश मिश्र। गणेश मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) राजेश मिश्र (२) नूनू मिश्र।

ऊपर शोभा मिश्र के भाई अवध मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) देवेन्द्र मिश्र (२) महेन्द्र मिश्र।

देवेन्द्र मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) राम कृपाल मि० (२) हरखीत मि०।

जिनमें राम कृपाल मिश्र के एक पुत्र हुए राम प्रसाद मिश्र। राम प्रसाद मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) तवकल मिश्र (२) गनपत मिश्र (३) धनपत मिश्र।

Scanned by CamScanner

तवकल मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) हरिहर मिश्र (२) कारी मिश्र। जिनमें हरिहर मिश्र के एक पुत्र हुए रामदेव मिश्र। इनके एक पुत्र हुए राजेश्वर मिश्र। इनके भी एक पुत्र हुए पवन कुमार मिश्र।

कारी मिश्र के एक पुत्र हुए जगदंबी मिश्र जगदंबी मिश्र के दो पुत्र हुए (१) रामायण मिश्र (२) विशो मिश्र। जिनके रामायण मिश्र के एक पुत्र हुए नंदवली मिश्र एवं विशो मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) विद्यानंद मिश्र (२) कृष्णा नन्दन मिश्र।

तवकल मिश्र के भाई गनपत मिश्र के एक पुत्र हुए दौलत मिश्र। इनके एक पुत्र हुए सौदागर मिश्र। इनके एक पुत्र हुए राम सोहन मिश्र, इनके भी एक ही पुत्र भगलू मिश्र हुए।

तवकल मिश्र के छोटे भाई धनपत मिश्र के एक पुत्र हुए लालजी मिश्र। इनके भी एक ही पुत्र हुए राधो मिश्र। इनके भी एक ही पुत्र हुए रामदेव मिश्र। इनके भी एक ही पुत्र हुए उमेश मिश्र।

ऊपर राम कृपाल मि० के भाई हरखीत मि० के एक पुत्र हुए केहर मि०। इनके भी एक ही पुत्र हुए राधे मि०। राधे मि० के दो पुत्र हुए—(१) गुलाब मि० (२) कन्हैया मि०।

गुलाब मि० के दो पुत्र हुए—(१) झरूल मि० (२) भयहरण मि०। जिनमें झरूल मि० के एक ही पुत्र हुए रामभा० मि०। इनके भी एक ही पुत्र हुए राम शेखर मि०। भयहरण मि० के एक ही पुत्र हुए कूशो मि० जो नावल्द ठहरे।

गुलाब मि० के भाई कन्हैया मि० के दो पुत्र हुए (१) बाला मि० (२) सोनमन मि०। जिनमें बाला मि० के एक ही पुत्र हुए राम बहादुर मि०। इनके एक ही पुत्र हुए राम नन्दन मि०। इनके भी एक ही पुत्र हुए देवनन्दन मि०।

बाला मि० के भाई नमन मि० के तीन पुत्र हुए—(१) रामनाथ मि० (२) सूर्य शेखर मि० (३) रामसागर मि०।

जिनमें राम नाथ मि० के दो पुत्र हुए—(१) राजेन्द्र मि० (२) मनोज मि०।

सूर्य शेखर मि० के दो पुत्र हुए—(१) मनीन्द्र कुमार मि०। (२) राजेश मि०।

रामसागर मि० के तीन पुत्र हुए—(१) रणजीत मि० (२) डोमर मि० (३) प्रवीण मि०।

देवेन्द्र मि० के भाई महेन्द्र मि० के पाँच पुत्र हुए—(१) बुधन मि० (२) शीवन मि० (३) अनपुछ मि० (४) मंगन मि० (५) अनरूद्ध मि०।

बुधन मि० के दो पुत्र हुए—(१) हीभरण (२) संत मि० ना०।

हीभरण मि० के दो पुत्र हुए—(१) लालो मि० (२) महावीर मि० जिनमें लालो मि० के तीन पुत्र हुए—(१) रामदेव मि० (२) रामनन्दन मि० (३) शिकेन्द्र

Scanned by CamScanner

मि० । इनमें रामदेव मि० के दो पुत्र हुए—(१) उमाशंकर मि० (२) मनोज कुमार मि० ।

बुधन मि० के भाई शीवन मि० के एक पुत्र हुए हितू मि० । हितू मि० के दो पुत्र हुए—(१) यमुना मि० (२) मुंशी मि० नावल्द ।

यमुना मि० के एक पुत्र हुए—राम उदय मि० । इनके एक ही पुत्र हुए जय प्रकाश मि० ।

बुधन मि० के तीसरे भाई अनपुछ मि० के एक ही पुत्र हुए तिलक मि० जो ना० ठहरे ।

अनपुछ मिश्र के भाई मंगल मिश्र के दो पुत्र हुए (१) नरेश मिश्र नावल्द (२) हनुमान मिश्र ।

हनुमान मिश्र के एक पुत्र हुए दीपू मिश्र । इनके एक पुत्र हुए रेशमी मिश्र । रेशमी मिश्र के दो पुत्र हुए (१) सीताराम मिश्र (२) कपिलदेव मिश्र ।

मंगल मिश्र के छोटे भाई अरूद्ध मिश्र के दो पुत्र हुए, (१) चेता मिश्र (२) दुर्गा मिश्र ।

चेता मिश्र के चार पुत्र हुए (१) राम मिश्र नावल्द (२) बुन्दी मिश्र (३) इन्द्रजीत मिश्र (४) शुकुल मिश्र ।

बुन्दी मिश्र के एक पुत्र बावन मिश्र हुए । इनके एक पुत्र वासुदेव मिश्र हुए । इनके एक पुत्र योगेन्द्र मिश्र हुए । इनके पुत्र हुए फुलेना मिश्र ।

इन्द्रजीत मिश्र के एक पुत्र हुए दोरीक मिश्र । इनके एक ही पुत्र हुए जागेश्वर मिश्र नावल्द ।

शुकुल मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) पलू मिश्र (२) झलू मिश्र नावल्द । पलू मिश्र के एक पुत्र हुए नाथो मिश्र नावल्द ।

ऊपर चेता मिश्र के भाई दुर्गा मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) धर्म मिश्र (२) चुल्हाई मिश्र नावल्द ।

धर्म मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) मीठन मिश्र (२) निर्धन मिश्र । मीठन मिश्र के एक पुत्र हुए रामाधीन मिश्र नावल्द ।

निर्धन मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) कुंजी मिश्र (२) बनवारी मिश्र नावल्द ।

कुंजी मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) भजू मिश्र (२) बच्चा मिश्र नावल्द (३) भूले मिश्र नावल्द (४) रामस्वारथ मिश्र नावल्द ।

भजू मिश्र के एक पुत्र हुए—राजेश्वर मिश्र, इनके तीन पुत्र हुए—(१) नवीन मिश्र (२) प्रवीन मिश्र (३) टुनटुन मिश्र ।

Scanned by CamScanner

कृति मिश्र, लक्ष्मी मिश्र, कृपा मिश्र भाई थे। ऊपर श्री कृति मिश्र के भा. लक्ष्मी मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) भैरव मिश्र नावल्द (ग्रामदेवता)। (२) अमनी मिश्र (३) महावीर मिश्र (४) सीताशरण मिश्र।

द्वितीय अमनी मिश्र के एक पुत्र हुए—धर्म मिश्र। इनके तीन पुत्र हुए—(१) गणेश मिश्र (२) महाबल मिश्र (३) महीपत मिश्र।

गणेश मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) निरपत मिश्र (२) बहोर मिश्र। इनमें निरपत मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) मिठू मिश्र नावल्द (२) लवर मिश्र।

लवर मिश्र के एक पुत्र रामरक्षा मिश्र हुए।

रामरक्षा मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) कमलेश्वरी मिश्र (२) हरिनन्दन मिश्र (३) चन्देश्वरी मिश्र (४) देवनन्दन मिश्र (५) उमेश मिश्र।

कमलेश्वरी मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) चन्द्रभूषण मिश्र (२) मणिभूषण मिश्र (३) अमरेन्द्र मिश्र।

चन्देश्वरी मिश्र के पुत्र हुए—रती मिश्र।

देवनन्दन मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) पंकज मिश्र (२) टुनटुन मिश्र।

निरपत मिश्र के भाई बहोर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रतन मिश्र (२) दिगंबर मिश्र।

दिगंबर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रामकृपाल मिश्र (२) प्रयाग मिश्र।

रामकृपाल मिश्र के एक पुत्र हुए—जगदीश मिश्र। इनके एक पुत्र हुए—रामबाबू मिश्र।

प्रयाग मिश्र के एक पुत्र हुए—सत्यनारायण मिश्र।

ऊपर गणेश मिश्र के भाई महाबल मिश्र महेन्द्रपुर चले गये।

गणेश मिश्र के छोटे भाई महीपत मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) अचल मिश्र (२) दौलत मिश्र।

अचल मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) राम नरेश मिश्र (२) रामप्रवेश मिश्र। इनमें रामनरेश मिश्र के दो पुत्र हुए— रामदत्त मिश्र (२) मेघू मिश्र। इनके एक पुत्र हुए—भटक मिश्र। इनके तीन पुत्र हुए—(१) जागो मिश्र (२) भेली मिश्र नावल्द (३) लक्ष्मी मिश्र नावल्द।

दौलत मिश्र के दो पुत्र हुए—१. राम सुरेश मिश्र, राम दुलार मिश्र।

रामसुरेश मिश्र के एक पुत्र हुए—तोता मिश्र। इनके दो पुत्र हुए—१. मिता मिश्र २. शिवचन्द्र मिश्र।

मिता मिश्र के दो पुत्र हुए—जली मिश्र नावल्द २. पितम्बर मिश्र। इनके एक पुत्र हुए इन्दु मिश्र—ग्राम महेशवारा चले गये।

Scanned by CamScanner

सुरेश मिश्र के भाई दुलार मिश्र के एक पुत्र हुए राधे मिश्र। इनके एक पुत्र हुए बूदन मिश्र। इनके भी एक पुत्र हुए हरिहर मिश्र।

अमनी मिश्र के भाई महावीर मिश्र के एक पुत्र हुए सबुर मिश्र। इनके दो पुत्र हुए—१ अधम मिश्र २ धर्म मिश्र।

इनमें अधम मिश्र के दो पुत्र हुए—१. बन्धु मिश्र नावल्द २. विकल मिश्र। इनके दो पुत्र हुए—रामलाल मिश्र; गिरधारी मिश्र नावल्द।

रामलाल मिश्र के दो पुत्र हुए—१. श्रवण मिश्र २. लालु मिश्र।

श्रवण मिश्र के एक पुत्र हुए—नूनू मिश्र। इनके भी एक पुत्र हुए रामेश्वर मिश्र। इनके दो पुत्र हुए—१ हृदय नारायण मिश्र, शिवनन्दन मिश्र।

हृदय नारायण मिश्र के दो पुत्र हुए—१. मदन मिश्र २. जयप्रकाश मिश्र। मदन मिश्र के दो पुत्र हुए—दीपक मिश्र एवं बच्चा मिश्र।

जयप्रकाश मिश्र के एक पुत्र हुए—लाली मिश्र।

हृदय नारायण मिश्र के भाई शिवनन्दन मिश्र के पुत्र हुए लाला मिश्र।

ऊपर श्रवण मिश्र के भाई लालु मिश्र के तीन पुत्र हुए—१. गुनीलाल मिश्र २. गेनालाल मिश्र नावल्द ३. कुमार मि०।

गुनीलाल के एक पुत्र बालदेव इनके एक पुत्र गीता मिश्र नावल्द।

अधम मिश्र, धर्म मिश्र भाई के पुत्र सुखदेव मिश्र के तीन पुत्र हुए—१ आशा मिश्र २ गुणी मिश्र ३ रामप्रताप मिश्र।

प्रथम आशा मिश्र के एक पुत्र जवाहर मिश्र हुए।

इनके क्रमशः तीन पुत्र एवं दो पौत्र तथा एक प्रपौत्र हुए।

इनके पुत्र १ जीवलाल मिश्र २ रीतलाल मिश्र ३ नित मिश्र नावल्द। इनमें जीवलाल मिश्र के पुत्र मिश्री मिश्र एवं एक पौत्र सूरज मिश्र हुए। रीतलाल मिश्र के एक पुत्र मुखी मिश्र हुए।

मुखी मिश्र के तीन पुत्र एवं एक पौत्र हुए। प्रथम पुत्र रामसोगारथ मिश्र २ रामजपु मिश्र ३ नारायण मिश्र।

रामजपु मिश्र के एक पुत्र हुए मंगनू मिश्र।

आशा मिश्र के भाई गुणी मिश्र के एक पुत्र हुए शुकुल मिश्र। इनके तीन पुत्र हुए—१. गोविन्द मिश्र २. बाबू राम मिश्र, नावल्द ३. चन्दर राय।

गोविन्द मिश्र के पुत्र हुए भातू मिश्र नावल्द।

चन्दर राय दो पुत्र हुए—१. मिठू राय २. रामहित। मीठू राय के दो पुत्र हुए १. चमरू राय २. त्रिवेणी राय इनके तीन पुत्र हुए १. रामचरित्र राय २. रामनारायण राय ३. रामाश्रय राय।

Scanned by CamScanner

रामचरित्र राय के एक पुत्र हुए जनार्दन राय । रामनारायण राय के दो पुत्र हुए १ घनश्याम राय २ चितरंजन राय ।

गुणी मिश्र के भाई रामप्रताप राय के एक पुत्र हुए नकट राय । इनके तीन पुत्र हुए—१ गुदर राय २ तुलसी राय ३ कलर राय ।

गुदर राय के दो पुत्र हुए—१ हीभरन राय २ घूरन राय । हीभरन राय के एक पुत्र हुए रामअक्षयवट राय । इनके चार पुत्र हुए—१ कृष्णनन्दन राय २ योगी राय ३ भूषण राय ४ संजय राय ।

गुदर राय के छोटे भाई कलर राय के एक पुत्र हुए पथलू राय जो नावल्द ठहरे ।

गुदर राय के द्वितीय भाई तुलसी राय के एक पुत्र हुए—नीरस राय। इनके तीन पुत्र हुए—(१) बनारसी राय (२) विष्णुदेव राय (३) कैलाश राय । इनमें बनारसी राय के छः पुत्र हुए—(१) उमेश राय (२) नरेश राय (३) दिनेश राय (४) रामविनय राय (५) राम कुमार राय (६) श्रवण कुमार राय ।

Scanned by CamScanner

(५) अकहा ग्राम का वंश-वृक्ष

इस ग्राम के सुरगण ब्राह्मण के बीज-पुरुष मेघौल से आए। लेकिन उनके नाम अज्ञात हैं।

इन अज्ञात के दो पुत्र हुए—(१) जूआ मिश्र (२) चैन मिश्र।

जूआ मिश्र के एक पुत्र हुए बुनियाद मिश्र। इनके दो पुत्र हुए—(१) बूटन मिश्र नावल्द (२) जीवलाल मिश्र।

जीवलाल मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) माधो मिश्र (२) प्रयाग मिश्र।

माधो मिश्र के सात पुत्र हुए—(१) रामप्रताप मिश्र (२) लखन मिश्र (३) मिश्री मिश्र (४) कंपनी मिश्र (५) सिवेश्वर मिश्र (६) जागेश्वर मिश्र (७) रामस्वरूप मिश्र नावल्द।

इनमें रामप्रताप मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) दरबारी मिश्र (२) भोला मिश्र नावल्द।

दरबारी मिश्र के दो पुत्र हुए (१) उमेश मिश्र (२) महेन्द्र मिश्र। उमेश मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) सुरेन्द्र मिश्र (२) राजू मिश्र (३) मनोज मिश्र (४) मुकेश मिश्र।

महेन्द्र मिश्र के पुत्र हुए रंजन मिश्र।

लखन मिश्र के एक पुत्र हुए—रामचन्द्र मिश्र। इनके तीन पुत्र हुए—(१) भूषण मिश्र (२) राम मिश्र (३) पंकज मिश्र।

मिश्री मिश्र के एक पुत्र हुए—ब्रह्मदेव मिश्र। इनके दो पुत्र हुए—(१) सुधीर कुमार मिश्र (२) प्रवीण कुमार मिश्र।

कंपनी मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रामस्वारथ मिश्र (२) रामनरेश मिश्र।

रामस्वारथ मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) महेश मिश्र (२) दिनकर मिश्र (३) विजय मिश्र (४) सुनील मिश्र।

रामनरेश मिश्र के पुत्र हुए—संजीव मिश्र।

सिधेश्वर मिश्र तीन पुत्र हुए—(१) गंगाराम मिश्र (२) सीताराम मिश्र (३) बलराम मिश्र।

इनमें गंगाराम मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) राजकिशोर मिश्र (२) लालबाबू मिश्र (३) मनोज मिश्र (४) श्यामकिशोर मिश्र।

Scanned by CamScanner

जागेश्वर मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) रामानंद मिश्र (२) राजेश्वर मिश्र (३) देवेन्द्र मिश्र। इनमें रामानंद के पुत्र हुए पप्पू मिश्र एवं राजेश्वर मिश्र। इनके पुत्र हुए अजय मिश्र नावल्द रामस्वरूप मिश्र।

ऊपर माधो मिश्र के भाई प्रयाग मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) राजेश्वर मिश्र नावल्द (२) घूरन मिश्र (३) वाबूलाल मिश्र नावल्द (४) लड्डूलाल मिश्र।

घूरन मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) नेपाल मिश्र (२) अनिल मिश्र। नेपाल मिश्र के पुत्र हुए विपिन मिश्र।

लड्डूलाल मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) अशोक मिश्र (२) प्रमोद मिश्र (३) सुबोध मिश्र।

ऊपर जूआ मिश्र के भाई जैन मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) जीवन मिश्र (२) ठाकुर मिश्र नावल्द (३) नारायण मिश्र।

इनमें प्रथम जीवन मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रटन मिश्र (२) भयहरण मिश्र।

रटन मिश्र के एक पुत्र हुए—खेदू मिश्र। इनके भी एक ही पुत्र हुए—रामशरण। इनके भी एक ही पुत्र हुए—बैद्यनाथ मिश्र। इनके तीन पुत्र हुए—(१) अशोक कुमार मिश्र (३) राजकुमार मिश्र (३) शिवकुमार मिश्र।

भयहरण मिश्र के एक पुत्र हुए—परसन मिश्र। इनके दो पुत्र हुए—(१) फेकू मिश्र नावल्द। (२) घुटर मिश्र। इनके चार पुत्र हुए—यदुनन्दन मिश्र (२) रामेश्वर मिश्र (३) दामोदर मिश्र (४) शिवनाथ मिश्र।

यदुनन्दन मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) रामनाथ मिश्र (२) गंगाराम मिश्र (३) सुरेश मिश्र।

रामेश्वर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रामानंद मिश्र (२) उमाकान्त मिश्र।

दामोदर मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) प्रमोद मिश्र (१) रंजीत मिश्र (३) संजीत मिश्र।

शिवनाथ मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) मनोज मिश्र (२) छन्दू मिश्र।

जीवन मिश्र के भाई नारायण मिश्र के एक पुत्र हुए—आसमान मिश्र। इनके तीन पुत्र हुए—(१) मंजन मिश्र (२) दशरथ मिश्र नावल्द (३) अमृत मिश्र नावल्द।

मंजन मिश्र के एक पुत्र हुए—रामअधीन मिश्र। इनके भी एक ही पुत्र हुए—लक्ष्मण मिश्र जो नावल्द ठहरे।

●

Scanned by CamScanner

(२) खुटहा क्षेत्र की वंशावली

खुटहा क्षेत्र—विशेश्वर गढ़ की वंशावली, जिला मधुबनी

प्रजापति मिश्र के दो पुत्र उमापति मिश्र, वाचस्पति मिश्र। इनके एक पुत्र—हेमनारायण मिश्र, उनके पाँच पुत्र होरील मिश्र, दुखिया मिश्र, पृतिनाथ मिश्र, हृदयनाथ मिश्र, बछड़न मिश्र।

हृदयनाथ मिश्र के एक पुत्र कालिका दत्त मिश्र। कालिका दत्त मिश्र के दो पुत्र, श्यामनारायण मिश्र, हरिनारायण (सकरा बसे)। श्यामनारयण मिश्र के एक पुत्र हरिदत्त मिश्र के चार पुत्र, रूद्र मिश्र, सौरिया वस्ती जिला पुर्णियाँ। रूद मिश्र ये वासिन्दे मेघौल; गौंण मिश्र, चैन मिश्र मरांची। गौण मिश्र के एक पुत्र वीर मिश्र। वीर मिश्र के पाँच पुत्र, नीलकंठ मिश्र, वासिन्दे डीह पर चार गाँव, नरसिंह मिश्र, कृत मिश्र, मनन मिश्र, शिव दत्त मिश्र। नरसिंह मिश्र के दो पुत्र—हरी मिश्र, अनन्त मिश्र। हरी मिश्र के दो पुत्र कल्याण मिश्र, रूप मिश्र। कल्याण मिश्र के दो पुत्र ब्रह्मा मिश्र, राजेन्द्र मिश्र। ब्रह्मा मिश्र के आठ पुत्र, खेम मिश्र, देव दत्त मिश्र, केसरी मिश्र, प्रभू राम मिश्र गिरधारी मिश्र, जयकिशुन मिश्र, उदय किशुन मिश्र, राजकिशुन मिश्र नावल्द। खेम मिश्र के दो पुत्र—दलेल मिश्र, राजेन्द्र मिश्र। दलेल मिश्र के दो पुत्र—शीतल मिश्र, बौधी मिश्र। शीतल मिश्र के तीन पुत्र—धनसी मिश्र, रेवत मिश्र, झमन मिश्र। धनसी मिश्र के दो पुत्र, भोला मिश्र, मोहन मिश्र। भोला मिश्र के चार पुत्र, चुल्ही मिश्र, रूपन मिश्र, प्रसाद मिश्र, परमेश्वर मिश्र। चुल्ही मिश्र के चार पुत्र—रामसहाय मिश्र, विरनी मिश्र, मनोहर मिश्र, मल्हू मिश्र। रामसहाय मिश्र नावल्द। विरनी मिश्र के एक पुत्र रामबहादुर मिश्र नावल्द। मनोहर मिश्र के एक पुत्र—रामकिशोर मिश्र। रामकिशोर मिश्र के तीन पुत्र रामवालक मिश्र, रामस्वारथ मिश्र, रामकेवल मिश्र उर्फ कृष्णन्दन। रामबालक मिश्र के तीन पुत्र रामसागर मिश्र रामविलास मिश्र, अनुरूद्ध मिश्र,। रामसागर मिश्र के चार पुत्र रज्जू मिश्र, कज्जू मिश्र, शिवाश्रय मिश्र, संटू मिश्र। रामबिलास मिश्र के पुत्र रामदेव मिश्र। रामस्वारथ मिश्र के तीन पुत्र उमा मिश्र, सच्चिदा मिश्र, संजय मिश्र।

कृष्णनन्दन मिश्र के दो पुत्र, अजय कुमार मिश्र व दिजय कुमार। अजय कुमार मिश्र के दो पुत्र गौरीशंकर मिश्र, बच्चा में नाम रमाशंकर मिश्र। मल्हू मिश्र

Scanned by CamScanner

सातघर

के पुत्र रामचन्द्र मिश्र। रामचन्द्र मिश्र के दो पुत्र रामनरेश मिश्र, मदन मिश्र, रामनरेश मिश्र के एक पुत्र अरुण मिश्र। मदन मिश्र के तीन पुत्र प्रमोद मिश्र, विनोद मिश्र, सुबोध मिश्र। रूपन मिश्र के एक पुत्र नान्हू मिश्र, इनके एक पुत्र देवनन्दन मिश्र नावल्द।

शिव प्रसाद मिश्र के चार पुत्र, एतवारी मिश्र, हिता मिश्र, खाड़ो मिश्र, लालबिहारी मिश्र। एतवारी मिश्र के चार पुत्र, वधू मिश्र, भरत मिश्र दिनेश मिश्र, अवध मिश्र। भरत मिश्र को एक बेटा रामजी मिश्र। हिता मिश्र के दो पुत्र नीलकंठ मिश्र नावल्द। राम प्रताप मिश्र के चार पुत्र, रामशादर मिश्र, रामविलास मिश्र, सुरो मिश्र, रामजी मिश्र। खांड़ो मिश्र के चार पुत्र रामस्वरूप मिश्र, बबुआ मिश्र, वैराज्ञ, नेमधारी मिश्र, चान्दो मिश्र दो भाई नावल्द। रामस्वरूप मिश्र के तीन पुत्र विशुनदेव मिश्र, अयोध्या मिश्र, सीताराम मिश्र। विशुन्देव मिश्र के दो पुत्र अशोक कुमार मिश्र और विपिन कुमार मिश्र। अयोध्या मिश्र के एक पुत्र रामेश्वर मिश्र। सीताराम मिश्र के एक पुत्र राजू मिश्र,। लालविहारी मिश्र के एक पुत्र रामऔतार मिश्र। रामऔतार मिश्र के दो पुत्र उमेश मिश्र और रमेश मिश्र। उमेश मिश्र के दो पुत्र राधाकृष्ण मिश्र विपिन कुमार मिश्र।

मोहन मिश्र ग्राम खूटहाडिह सात घर

मोहन मिश्र के दो पुत्र भीम मिश्र और रजनी मिश्र नावल्द। भीम मिश्र के तीन पुत्र हरिगोपाल मिश्र, रामटहल मिश्र, पोशन मिश्र नावल्द। हरिगोपाल मिश्र के तीन पुत्र भातू मिश्र, रामशरण मिश्र, सिधेश्वर मिश्र हुए। भातू मिश्र के एक पुत्र जमुना मिश्र नावल्द। रामशरण मिश्र के एक पुत्र अनरूद्ध मिश्र। अनरूद्ध मिश्र के एक पुत्र सीताराम मिश्र। सिधेश्वर मिश्र के तीन पुत्र जगदम्बी मिश्र, भुनेशर मिश्र, उर्फ परशुराम मिश्र, रामचरित्र मिश्र। इनके तीन पुत्र गुल्ली मिश्र, अशोक मिश्र, जैजैराम मिश्र। रामटहल मिश्र के एक पुत्र पलट मिश्र। इन के दो पुश कमलेशरी मिश्र, राधे मिश्र। कमलेशरी मिश्र के तीन पुत्र राजेन्द्र मिश्र, उपेन्द्र मिश्र, खोली मिश्र। राजेन्द्र मिश्र के एक पुत्र रोशन मिश्र। उपेन्द्र मिश्र के दो पुत्र पप्पू मिश्र, दोनी मिश्र। खोली मिश्र के पुत्र सुरेश मिश्र। राधे मिश्र के चार पुत्र रामजी मिश्र, रामनन्दन मिश्र, तनिक मिश्र, जोगी मिश्र। रामजी मिश्र के दो पुत्र अनील मिश्र, विपीन मिश्र। रामनन्दन मिश्र के तीन पुत्र अजीत मिश्र, पूनीत मिश्र, जोगी मिश्र। इनके एक पुत्र राकेश मिश्र।

रेवन मिश्र के एक पुत्र गोनर मिश्र। गोनर मिश्र के दो पुत्र भोट मिश्र और नूनू मिश्र। भोट मिश्र के चार पुत्र बैजू मिश्र, रामू मिश्र, बेनी मिश्र,

Scanned by CamScanner

रघुनाथ मिश्र तीन भाई नावल्द। बेनी मिश्र के तीन पुत्र दो भाई नावल्द। रामकिशुन मिश्र के चार पुत्र रामदेव मिश्र, अशोक मिश्र, बच्चा मिश्र, अनील मिश्र।

झमन मिश्र के एक पुत्र धीना मिश्र। धीना मिश्र के चार पुत्र मूशन मिश्र, चेतन मिश्र, बुन्देला मिश्र, खोशी मिश्र नावल्द। मूशन मिश्र के तीन पुत्र लालजीत मिश्र, रामपाल मिश्र, हरप्र० मिश्र। लालजीत मिश्र के तीन पुत्र बालदेव मिश्र, हरदेव मिश्र, क्षीरदेव मिश्र। बालदेव मिश्र के दो पुत्र सुरूज मिश्र, रामनारायण मिश्र। सुरूज मिश्र के तीन पुत्र रामउदगार मिश्र, अधिकनारायण मिश्र, सीताराम मिश्र। अधिकनारायण मिश्र के दो पुत्र ललनमुरारी मिश्र, रामनारायण मिश्र। इनके एक पुत्र रामनरेश मिश्र। इनके पुत्र सुधीर मिश्र, अमीर मिश्र, गरीब मिश्र। हरदेव मिश्र के दो पुत्र रामकिशोर मिश्र, तनिक मिश्र। सीरदेव मिश्र के पाँच पुत्र रामनन्दन मिश्र, रामजीवन मिश्र, रामसागर मिश्र, राजाराम मिश्र, रामआश्रय मिश्र। रामसागर मिश्र के दो पुत्र रंजीत मिश्र, पप्पू मिश्र। रामपाल मिश्र के चार पुत्र महाबीर मिश्र, नेमो मिश्र, बीनो मिश्र, अम्बिका मिश्र। तीन भाई नावल्द। महावीर मिश्र के पाँच पुत्र नन्नी मिश्र, मुनो मिश्र, जागो मिश्र, रामकिशुन मिश्र, यह तीनों भाई नावल्द। मथुरा मिश्र के तीन पुत्र अमुज मिश्र, अनिल मिश्र, सुनील मिश्र। हरप्र० मिश्र के तीन पुत्र सीताशरण मिश्र नावल्द, रामकृपा मिश्र, रामबहादुर मिश्र। चेतन मिश्र के दो पुत्र वोढ़न मिश्र और तिलकधारी मिश्र। वोढ़न मिश्र के तीन पुत्र रामलखन मिश्र, रामवदन मिश्र, राजो मिश्र। रामलखन मिश्र के एक पुत्र बिल्याती मिश्र इनके एक पुत्र उदयशंकर मिश्र। रामवदन मिश्र नावल्द। राजो मिश्र, मकसूदन मिश्र, अशोक मिश्र, तिलकधारी मिश्र के छः पुत्र मिशरी मिश्र, ईशो मिश्र, दासो मिश्र, केदो मिश्र, श्रीकान्त मिश्र, रामाकान्त मिश्र। मीशरी मिश्र के तीन पुत्र रामनन्दन मिश्र, रमानन्द मिश्र, अनिल मिश्र। ईशो मिश्र, के चार पुत्र रामबाबू मिश्र, रामसेवक मिश्र, रामविलास मिश्र, रामअशीष मिश्र। दासो मिश्र के दो पुत्र सिकेन्द्र मिश्र, संजय मिश्र। बुन्देला मिश्र के चार पुत्र टेन मिश्र, शामलाल मिश्र, जगदीश मिश्र, पलकधारी मिश्र, टेनी मिश्र नावल्द। शामलाल मिश्र के दो पुत्र रामखेलावन मिश्र, रामरत्ती मिश्र नावल्द। रामखेलावन मिश्र के एक पुत्र शंकर मिश्र। जगदीश मिश्र के एक पुत्र हजारी मिश्र। हजारी मिश्र के दो पुत्र मदन मिश्र, लूखो मिश्र। पलकधारी मिश्र के तीन पुत्र लक्ष्मी मिश्र, फीरन मिश्र, बुधन मिश्र। बुधन मिश्र के एक पुत्र विजय मिश्र।

Scanned by CamScanner

वोघी मिश्र खूटहा डीह सात घर

वोघी मिश्र के चार पुत्र वखत मिश्र, दौलत मिश्र, हुलास मिश्र, प्रयाग मिश्र। वखत मिश्र के दो पुत्र भिक्छुक मिश्र, ठाकुर मिश्र। भिक्छुक मिश्र के पुत्र हनुमान मिश्र। इनके तीन पुत्र गेंदी मिश्र नावल्द, बूलक मिश्र, शुन्द्र मिश्र। बूलक मिश्र के दो पुत्र फागु मिश्र नावल्द। रामबालक मिश्र के तीन पुत्र रामअशीष मिश्र, रामउदीत मिश्र, अमीर मिश्र। रामउदीत मिश्र, जयशंकर मिश्र, शुन्द्र मिश्र के तीन पुत्र कमलेशरी मिश्र, रामऔतार मिश्र, गोविन्द मिश्र नावल्द। दौलत मिश्र के तीन पुत्र तलेवर मिश्र, ताले मिश्र, तुलसी मिश्र। तालेवर मिश्र के एक पुत्र राजकुमार मिश्र। राजकुमार मिश्र के एक पुत्र रामाधीन मिश्र नावल्द। ताले मिश्र के तीन पुत्र एकनाथ मिश्र, शिवनाथ मिश्र, ढूनमून मिश्र। एकनाथ मिश्र के पुत्र गुरुसहाय मिश्र नावल्द।

गुरुसहाय मिश्र के एक पुत्र रामस्वरूप मिश्र नावल्द।

शिवनाथ मिश्र के दो पुत्र सहदेव मिश्र, रामनारायण मिश्र नावल्द। ढूनमुन मिश्र के एक पुत्र रामेशर मिश्र नावल्द। तुलसी मिश्र के एक पुत्र छेदी मिश्र के एक पुत्र गायर मिश्र नावल्द।

हुलास मिश्र के तीन पुत्र रोहन मिश्र, खीजन मिश्र नावल्द, धोबी मिश्र। रोहन मिश्र के एक पुत्र चंचल मिश्र के एक पुत्र जीवलाल मिश्र नावल्द। धोबी मिश्र के एक पुत्र मोहन मिश्र। मोहन मिश्र के एक पुत्र जमुना मिश्र नावल्द। प्रयाग मिश्र के एक पुत्र शिवसहाय मिश्र के चार पुत्र रामवकस मिश्र, कुलदीप मिश्र, बाबूराम मिश्र, हरखू मिश्र। रामवकस मिश्र के तीन पुत्र रामगुलाम मिश्र, रामप्रसाद मिश्र, गुरा मिश्र। रामगुलाम मिश्र के चार पुत्र जमुना मिश्र, बटोरन मिश्र, सुखदेव मिश्र, वसन्त मिश्र नावल्द। रामप्रसाद मिश्र के एक पुत्र मिसरी मिश्र नावल्द।

गुरा मिश्र के एक पुत्र अन्हछ मिश्र संन्यासी साधु हो गये। कुलदीप मिश्र के एक पुत्र रामबिहारी नावल्द। बाबूराम मिश्र एक पुत्र नावल्द। हरखू मिश्र के छः पुत्र हरवंश मिश्र, राधो मिश्र, किशुनदेयाल मिश्र, विशुनदेयाल मिश्र, रामजी मिश्र, लछुमन मिश्र छःवो भाई नावल्द।

देवचन मिश्र

देवचन मिश्र के एक पुत्र किशुनी मिश्र के एक पुत्र मनबोध मिश्र। मनबोध मिश्र के एक पुत्र गुरुदेयाल मिश्र के एक पुत्र टोनी मिश्र। टोनी मिश्र के तीन पुत्र पालो मिश्र, जमुना मिश्र, दोनों नावल्द, कीनो मिश्र। किनो मिश्र के एक पुत्र रामआश्रय मिश्र।

Scanned by CamScanner

श्री रैंया मिश्र

रैंया मिश्र के पुत्र जसमत मिश्र हुए। जसमत मिश्र के तीन पुत्र आशा मिश्र, मोती मिश्र, नेहाल मिश्र। नेहाल मिश्र के तीन पुत्र हुए उमराव मिश्र, कुतोहल मिश्र, थम्हन मिश्र। थम्हन मिश्र के एक मात्र पुत्र दौलत मिश्र उर्फ पूछी मिश्र हुए। दौलत मिश्र उर्फ पूछी मिश्र के तीन पुत्र रघु मिश्र, दुर्गी मिश्र, और मोहन मिश्र हुए। रघु मिश्र के दो पुत्र रामस्वरूप मिश्र, और रामदेव मिश्र हुए। रामदेव मिश्र नावल्द मर गये। रामस्वरूप मिश्र के तीन पुत्र हुए, राजनीति मिश्र, राजेन्द्र मिश्र और कार्यानन्द मिश्र। राजनीति मिश्र के तीन पुत्र हुए दीनानाथ मिश्र, अरुण मिश्र, मनोज मिश्र।

दर्गा मिश्र के पुत्र हुए अयोध्या मिश्र और रामऔतार मिश्र। अयोध्या मिश्र के एक पुत्र हुए सरयुग मिश्र। सरयुग मिश्र के दो पुत्र हुए बालमिकि मिश्र और रामानन्द मिश्र। बालमिकि मिश्र के दो पुत्र हुए अशोक मिश्र और मदन मिश्र।

रामऔतार मिश्र के तीन पुत्र हुए चन्द्रिका मिश्र, शिवदानी मिश्र और रामनरेश मिश्र। चन्द्रिका मिश्र के पुत्र हुए रात्रिन्द्र मिश्र। शिवदानी मिश्र के दो पुत्र हुए प्रमोद मिश्र और सुबोध मिश्र। रामनरेश मिश्र के चार पुत्र हुए देवनन्दन मिश्र, नवीन मिश्र, विपिन मिश्र, पंकज मिश्र।

मोहन मिश्र के एक पुत्र हुए यतुना मिश्र के एक पुत्र हुए बच्चा मिश्र। बच्चा मिश्र के दो पुत्र हुए अनिल मिश्र और भूषण मिश्र। अनिल मिश्र के दो पुत्र हुए यदु मिश्र और संजन मिश्र।

उमराव मिश्र के चार पुत्र हुए भैरव मिश्र, कन्हैया मिश्र, रूदी मिश्र, कल्याण मिश्र।

रूदी मिश्र के दो पुत्र हुए पाँचू मिश्र और मुखलाल मिश्र। पांचू मिश्र के दो पुत्र हुए सिधेश्वर मिश्र और नथुनी मिश्र। सिधेश्वर मिश्र के पुत्र हुए इन्द्रदेव मिश्र।

कल्याण मिश्र के दो पुत्र हुए बेंगी मिश्र और बाबूराम मिश्र। बेंगी मिश्र के तीन पुत्र हुए सीताराम मिश्र, भागवत मिश्र और मुंसी मिश्र। सीताराम मिश्र के दो पुत्र हुए रामखेलावन मिश्र और साधा मिश्र। रामखेलावन मिश्र के दो पुत्र हुए बहादुर मिश्र और उदित मिश्र। साधा मिश्र के तीन पुत्र हुए बिन्दो मिश्र, बिलायती मिश्र, कृष्णानन्द मिश्र। मुंसी मिश्र के दो पुत्र हुए बद्री मिश्र और जितू मिश्र। बद्री मिश्र के दो पुत्र हुए बालमिकि मिश्र और देवन मिश्र। जितू मिश्र के तीन पुत्र हुए सुन्दर मिश्र, कपिल मिश्र और रामाकान्त मिश्र।

Scanned by CamScanner

बाबूराम मिश्र के तीन पुत्र हुए किन्नु मिश्र, जागा मिश्र और तीतु मिश्र। तीतु मिश्र के दो पुत्र हुए चन्द्रदेव मिश्र और गुदर मिश्र।

कुतुहल मिश्र के चार पुत्र हुए राधे मिश्र, गौरी मिश्र, मंगल मिश्र और गंगा मिश्र। गौरी मिश्र के पाँच पुत्र हुए कारू मिश्र, रामलाल मिश्र, दीपन मिश्र, टीका मिश्र और गुरसहाय मिश्र। रामलाल मिश्र के दो पुत्र हुए शिवनन्दन और महाबीर मिश्र।

मंगल मिश्र के तीन पुत्र हुए किसुन मिश्र, लक्षु मिश्र और तौफी मिश्र। किसुन मिश्र के एक पुत्र हुए कीटर मिश्र। बीजा मिश्र के दो पुत्र हुए रामनाथ मिश्र और रामबालक मिश्र।

गंगा मिश्र के चार पुत्र हुए बालदेव मिश्र, राजा मिश्र, नौखा मिश्र और साधु मिश्र। बालदेव मिश्र के दो पुत्र हुए द्वारिका मिश्र और मंगनी मिश्र। द्वारिका मिश्र के तीन पुत्र हुए परशुराम मिश्र, प्रसिद्ध मिश्र और लखन मिश्र।

नौखा मिश्र के दो पुत्र हुए रामगुलाम मिश्र और रामजी मिश्र।

ब्रह्मा मिश्र के तीसरे पुत्र केशरी मिश्र की वंशावली

केशरी मिश्र के एक पुत्र दत्तनारायण मिश्र के दो पुत्र महकु मिश्र, चन्दन मिश्र। महकु मिश्र के दो पुत्र नेता मिश्र एवं रूकु मिश्र। नेता मिश्र के चार तुत्र प्रथम पुत्र दौदा मिश्र, द्वितीय पुत्र वेदा मिश्र, तृतीय पुत्र बच्चु मिश्र, चौथा पुत्र वादिल मिश्र। प्रथम पुत्र दोदा मिश्र के एक पुत्र भिक्षुक मिश्र। इनके दो पुत्र चुल्हन मिश्र और नोखा मिश्र। प्रथम पुत्र चुल्हन मिश्र के छः पुत्र हुए चेतन मिश्र, जेहल मिश्र, दीपन मिश्र, मेदनी मिश्र, काली मिश्र एवं सीता मिश्र। इनमें चार पुत्र नावल्द। चेतन मिश्र के तीन पुत्र गोना मिश्र नावल्द, अम्बिका मिश्र नावल्द, चन्देश्वर मिश्र। चन्देश्वर मिश्र के एक पुत्र राम उदार मिश्र। जेहल मिश्र के दो पुत्र रामस्वरूप मिश्र, दूसरा रामखेलाबन मिश्र ये दोनों भाई नावल्द।

नेता मिश्र के एक पुत्र फागु मिश्र, इनके तीन पुत्र भविक्षण मिश्र नावल्द, बाजो मिश्र, तीसरा पुत्र केशो मिश्र,। बाजो मिश्र के पुत्र दो धानो मिश्र, दूसरा संजय मिश्र। दिपनारायण मिश्र के दूसरे पुत्र चन्दन मिश्र का वंशानुक्रम। चन्दन मिश्र के एक पुत्र शिवनन्दन मिश्र। इनके एक पुत्र लड़कु मिश्र। इनके एक पुत्र गोनर मिश्र, इनके पुत्र धोबी मिश्र। इनके तीन पुत्र बुलक मिश्र, हिया मिश्र, सोयर मिश्र। इनमें से दो नावल्द। एक सोमर मिश्र के दो पुत्र रामेश्वर मिश्र एवं अचम्भी मिश्र। अचम्भी मिश्र नावल्द। रामेश्वर मिश्र के तीन पुत्र विश्वनाथ मिश्र, दूसरा सतन मिश्र, रामाश्रय मिश्र।

Scanned by CamScanner

महकु मिश्र के दूसरे पुत्र रूकू मिश्र, इनके पाँच पुत्र—प्रथम खखन मिश्र दूसरा झंडु मिश्र तीसरा घनश्याम मिश्र चेतन टोला एवं दो देवी मिश्र और चोथा मिश्र ये दोनों डीह पर। देवी मिश्र के एक पुत्र अकलू मिश्र इनके एक पुत्र जागो मिश्र नावल्द चोआ मिश्र के एक पुत्र ओआ मिश्र इनके एक पुत्र रामाधीन मिश्र इनके एक पुत्र टूका मिश्र इनको दो पुत्र भोला मिश्र दूसरा रामनरेश मिश्र।

ब्रह्मा मिश्र के चौथा पुत्र प्रभुराम मिश्र। प्रभुराम मिश्र के एक पुत्र लाला मिश्र, इनके एक पुत्र दीपु मिश्र इनके एक पुत्र नेता मिश्र इनके एक पुत्र कुतुइल मिश्र, इनके एक पुत्र नान्हु मिश्र, इनके दो पुत्र खतर मिश्र दूसरा नेवागी मिश्र। खरतर मिक्ष के तीन पुत्र पहला श्यामलाल मिश्र नावल्द, वोढ़न मिश्र, हितु मिश्र वाढ़न मिश्र के एक पुत्र नेपाली मिश्र, इनके दो पुत्र शिव मिश्र दूसरा भोला मिश्र। हितु मिश्र के दो पुत्र सरयुग मिश्र, रामचन्द्र मिश्र। सरयुग मिश्र के पाँच पुत्र रामसागर, रामाश्रय, उमेश, महेश एवं अविन्द मिश्र। रामसागर मिश्र के दो पुत्र।

रामचन्द्र मिश्र दो पुत्र जयकान्त मिश्र दूसरा विन्जू मिश्र।

ब्रह्माबाबा के पाँचमा पुत्र गीरधारी मिश्र। इनके एक पुत्र गनेश मिश्र, इनको एक पुत्र विश्नाथ मिश्र, इनको एक पुत्र रघुनन्दन मिश्र। इनको तीन पुत्र खाखु मिश्र, सुफन मिश्र अकबरपुर साममो चालीस टोला बस गये। तीसरा पुत्र अजीत मिश्र बसिन्दे महेशपुर मुंगेर। खाखु मिश्र के तीन पुत्र प्रथम जोगा मिश्र दूसरा अमन मिश्र तीसरा दलीप मिश्र। जोगा मिश्र के पाँच पुत्र। प्रथम पुत्र निर्भय मिश्र, दूसरा दुःखन तीसरा दरोगी चौथा जंगली मिश्र। दुःखन मिश्र के दो पुत्र, एक जनार्दन मिश्र, दूसरा रामोतार मिश्र। जनार्दन मिश्र के दो पुत्र कृष्णमोहन, दूसरा बबलू मिश्र। रामौतार मिश्र के एक पुत्र संजय मिश्र।

दरोगी मिश्र के तीन पुत्र कारू मिश्र, वदन मिश्र, तनिक मिश्र।

जंगली मिश्र के दो पुत्र पहला सुधीर दुसरा अरूण।

वंशी मिश्र के एक पुत्र छेदी मिश्र नावल्द।

किसन मिश्र के दो पुत्र पहला हेमन नावल्द। दूसरा मुरली मिश्र। इनको एक पुत्र छीतनी मिश्र। इनको तीन पुत्र। पहला राजेन्द्र मिश्र, दूसरा नरेश मिश्र, तीसरा नागेन्द्र मिश्र।

बुन्नी मिश्र के एक पुत्र रामदास मिश्र जो पश्चिम ठाकुरबारी के पुजारी थे।

खाखुबाबा के दूसरा पुत्र झमन मिश्र। इनके तीन पुत्र प्रथम कुला मिश्र। दूसरा उगर मिश्र तीसरा धाना ये दोनों नावल्द।

कुला मिश्र के चार बेटा, बदरी, सौखी, मुखी मिश्र नावल्द एवं चौथा पुत्र राघो मिश्र के तीन पुत्र।

Scanned by CamScanner

वासुदेव मिश्र, शुखदेव मिश्र, बिशुणदेव मिश्र ।

दलीप मिश्र के तीन पुत्र मितरी मिश्र दूसरा रूपन मिश्र तीसरा कमल मिश्र ये नावल्द । मितरी मिश्र के एक पुत्र जीतन मिश्र नावल्द । रूपन मिश्र के एक पुत्र हीरा नावल्द ।

व्रह्माबाबा के छठा पुत्र जय किशुन राय । इनके एक पुत्र राघो मिश्र । इनके एक पुत्र श्याम मिश्र । इनके दो पुत्र राम मिश्र दूसरा शिव मिश्र । राम मिश्र इनके एक पुत्र रूकु मिश्र । इनके पाँच पुत्र । प्रथम जीवन मिश्र दूसरा मूनहृर मिश्र, तीसरा खरक मिश्र चौथा हृदय मिश्र पाँचमा रोहा मिश्र । प्रथम पुत्र जीवन मिश्र के एक पुत्र भगरू मिश्र । इनके तीन पुत्र जगन मिश्र, प्रदीप मिश्र, परसन मिश्र ।

प्रदीप मिश्र के दो पुत्र रामदेव मिश्र दूसरा मुक्ति मिश्र । रामदेव मिश्र के एक पुत्र रामलग्न मिश्र । जगन मिश्र और परसन मिश्र नावल्द । मूनहृर मिश्र के तीन पुत्र मोहर मिश्र दीपन मिश्र तीसरा कारू मिश्र मोहर मिश्र के एक पुत्र बंगाली मिश्र ।

हृदयाल मिश्र के दो पुत्र हिरामन मिश्र ढ़ाका मिश्र ।

शिव मिश्र इनको दो पुत्र प्रथम मोहन मिश्र दूसरा खगपत मिश्र । मोहन मिश्र के एक पुत्र दमरू मिश्र । इनके दो पुत्र शिशु मिश्र, देबी मिश्र थे नावल्द ।

शिवु मिश्र के एक पुत्र रटन मिश्र । इनके चार पुत्र हैं । रविन्द्र मिश्र, रामचन्द्र मिश्र, रामजी मिश्र, सुधीर मिश्र ।

खगपति मिश्र, मैघा मिश्र, धोबी मिश्र । मैघा मिश्र के दो पुत्र एतवारी मिश्र एवं अकलू मिश्र । एतवारी मिश्र के एक पुत्र जगदीश मिश्र । अकलू मिश्र के एक पुत्र नेम मिश्र धोबी मिश्र दीपू मिश्र इनके एक पुत्रम मटुकी मिश्र नावल्द ।

उदय किसुन मिश्र व्राह्मा बाबा के सातवाँ पुत्र । उदयकिसुन मिश्र के एक पुत्र नारद मिश्र । इनके एक पुत्र विश्वामिश्र । इनके एक पुत्र बाल्मिक मिश्र इनके एक पुत्र अर्जुन मिश्र इनके दो पुत्र तालुक मिश्र दूसरा टरन मिश्र तालुक मिश्र । दूसरा टरन मिश्र । तालुक मिश्र के एक पुत्र चमरू मिश्र । इनको दो पुत्र तिलक धारी मिश्र बोढ़न मिश्र । तिलकधारी मिश्र के दो पुत्र धोबी मिश्र, सिधेश्वर । बोढ़न मिश्र के पुत्र दशरथ मिश्र ।

टरन मिश्र के एक पुत्र फेकन मिश्र । इनको एक पुत्र रामप्रताप मिश्र । इनको एक पुत्र बलराम मिश्र इनको दो पुत्र जयनन्दन, विजयनन्दन ।

Scanned by CamScanner

कल्याण मिश्र के दो पुत्र—ब्रह्मा मिश्र, दूसरा रैया मिश्र।

इस पेज पर दूसरा पुत्र रैया मिश्र का वंशानु क्रम निम्नलिखित शब्दों में है—

रैया मिश्र को एक पुत्र जयनन्दन मिश्र। इनको भी एक पुत्र नन्दन मिश्र इनका पुत्र मंशा मिश्र। इनको दो पुत्र उमर मिश्र, दूसरा कुमर मिश्र। पहला उमर मिश्र को तीन पुत्र भूषण मिश्र, कामु मिश्र, सेवक मिश्र। भूषण मिश्र को दो पुत्र झंगु मिश्र, कन्हैया मिश्र। झंगु मिश्र को पुत्र विदेशी मिश्र, दूसरा ढाका मिश्र। विदेशी मिश्र को एक पुत्र नीलकंठ मिश्र। इनको दो पुत्र कपिलदेव मिश्र एवं गरीबन मिश्र। कपिलदेव मिश्र को एक पुत्र राधे मिश्र, राधे मिश्र को एक पुत्र रामाश्रय मिश्र। गरीब मिश्र को एक पुत्र चितरंजन मिश्र।

ढाका मिश्र के एक पुत्र बद्री मिश्र। इनको एक पुत्र झलक मिश्र। इनको दो पुत्र रामलगन मिश्र और रामकिशुन मिश्र। रामलगन मिश्र के दो पुत्र राजकुमार मिश्र और करपूरी मिश्र। रामकिशुन मिश्र को एक पुत्र पपु मिश्र।

भूषण मिश्र के दूसरा पुत्र कन्हैंया। कन्हैया मिश्र को तीन पुत्र अकल मिश्र, रामु मिश्र, तीसरा बालू मिश्र ये दो भाई नावल्द।

अकल मिश्र बड़े भाई को दो पुत्र एक जयनारायण मिश्र, दूसरा रामू मिश्र से नावल्द जयनारायण मिश्र को दो पुत्र पन्नालाल मिश्र, दूसरा सरयुग मिश्र। बड़े नावल्द। छोटे सरयुग मिश्र के दो पुत्र चन्द्रदेव मिश्र, दूसरा इन्द्रदेव मिश्र। बड़े चन्द्रदेव मिश्र को एक पुत्र हेराम मुरारी मिश्र। इन्द्रव मिश्र के एक पुत्र सम्भू मिश्र।

उमर मिश्र के दूसरा पुत्र कामू मिश्र :—इनको एक पुत्र हरषु मिश्र। इनको तीन पुत्र देवी मिश्र, तोतन मिश्र, देम्हन मिश्र। देवी मिश्र को एक पुत्र लीला मिश्र। इनको तीन पुत्र परसन मिश्र, लोही मिश्र, जगदम्बी मिश्र ये दो भाई नावल्द तथा दूसरा भाई लोही मिश्र को तीन पुत्र—शंकर मिश्र, गोविन्द मिश्र, इशो मिश्र।

हरषु मिश्र के दूसरा पुत्र तोतन मिश्र के चार पुत्र। पहला डेगन मिश्र, रामदयाल मिश्र, झुमक मिश्र, चौथा भुखन मिश्र। तीनों भाई नावल्द एवं पहला भाई डेगन मिश्र को तीन पुत्र। रघु मिश्र, दूसरा टहल मिश्र, तीसरा रघुधारी मिश्र। दो भाई नावल्द तथा बड़े रघु मिश्र को चार पुत्र। प्रथम चंडी मिश्र, सीताराम मिश्र, रामभजु मिश्र, चौथा प्रमेश्वर मिश्र। दो भाई नावल्द।

चंडी मिश्र को दो पुत्र बनारसी मिश्र, दूसरा मूना मिश्र नावल्द।

बनारसी मिश्र को दो पुत्र राजेन्द्र मिश्र, दूसरा किशुन मिश्र। किशुन मिश्र। किशुन मिश्र को एक पुत्र पपु मिश्र।

Scanned by CamScanner

रामभजु मिश्र को छः पुत्र। पहला पुत्र अर्जुन मिश्र, दूसरा मुन्द्रीका मिश्र, तीसरा गीरजा मिश्र, छविला मिश्र, सुरेन मिश्र और श्यामदेव मिश्र। इनमें से दो भाई का वंश अभी चल रहा है मुन्द्रीका और गीरजा मिश्र का, चार नावल्द। मुन्द्रीका मिश्र को एक पुत्र शिव कुमार मिश्र। गिरजा मिश्र को चार पुत्र।

उमेर मिश्र के तीसरा पुत्र सेवक मिश्र इनको ... ...

हरषु मिश्र के तीसरा पुत्र देम्हन मिश्र को चार पुत्र हुए। पहला इना मिश्र, धनराज मिश्र, भूखन मिश्र, चौथा कलर मिश्र। छोटे भाई नावल्द तीन को वंश। बड़े भाई इना मिश्र के दो पुत्र कोइया मिश्र, दूसरा खेली मिश्र। बड़े भाई नावल्द। छोटे खेली मिश्र को दो पुत्र छीतनी मिश्र, रामाश्रय मिश्र।

धनराज मिश्र के पुत्र चंचल मिश्र नावल्द। भूखन मिश्र के पुत्र छोटन मिश्र नावल्द।

मंशा मिश्र के दूसरा पुत्र कुमर मिश्र का वंशानुक्रम :—

कुमर मिश्र के एक पुत्र दलीप मिश्र। इनको दो पुत्र पहला भेलू मिश्र, दूसरा ठंढू मिश्र।

भेलू मिश्र :—इनको एक पुत्र धरम मिश्र। इनको चार पुत्र हुए।

(१) रामसहाय मिश्र, (२) गुरूसहाय मिश्र, (३) चितर मिश्र, (४) टीका मिश्र, रामसहाय मिश्र के एक पुत्र बोतल मिश्र। इनको एक पुत्र अयोध्या मिश्र।

इनको चार पुत्र (१) मिश्री मिश्र, (२) केदार मिश्र, (३) बालेश्वर मिश्र, (४) विशेश्वर मिश्र रानी विगहा पहला मिश्र के दो पुत्र रविन्द्र मिश्र, दूसरा योगेन्द्र मिश्र। केदार मिश्र के चार पुत्र रामचरित्र मिश्र, विनय मिश्र, नवीन मिश्र और ललन मिश्र। चरित्र मिश्र के दो पुत्र सुधान्सु मिश्र और मन्टु मिश्र। वलेश्वर मिश्र के तीन पुत्र रामसेवक मिश्र, रामानुज मिश्र, सुरेन्द्र मिश्र। रामसेवक मिश्र के एक पुत्र अजित मिश्र। विशेश्वर मिश्र के पाँच पुत्र विजय मिश्र, संजय मिश्र, राधेश्याम मिश्र और जयजयराम मिश्र।

धर्म मिश्र के दूसरा पुत्र गुरूसहाय मिश्र :—इनके तीन पुत्र। प्रथम फागु मिश्र, दूसरा मीठन मिश्र, तीसरा टूना मिश्र। फागू मिश्र के एक पुत्र द्वारिका मिश्र नावल्द।

मीठन मिश्र के दो पुत्र लखन मिश्र, मदशुदन मिश्र। टूना मिश्र के एक पुत्र लीवर मिश्र।

धर्म मिश्र का तीसरा पुत्र :—इनको एक पुत्र जेबू मिश्र। इनको दो पुत्र अम्बिका मिश्र और बच्चु मिश्र। बच्चु मिश्र के एक पुत्र सुखदेव मिश्र। इनको दो पुत्र गणेश मिश्र, राजीव मिश्र।

Scanned by CamScanner

धर्म मिश्र के चौथा पुत्र टीका मिश्र :—इनको दो पुत्र भोगल मिश्र और बीनो मिश्र।

भोगल मिश्र के चार पुत्र छोटन मिश्र, चन्द्रशेखर मिश्र, रामबालक मिश्र ये तीनो नावल्द चौथा पुत्र विष्णुदेव मिश्र। इनको एक पुत्र रामप्रवेश मिश्र।

दलीप मिश्र के दूसरा पुत्र :—ठंढू मिश्र। इनको चार पुत्र हनुमान मिश्र, भैंषा मिश्र, दुःखा मिश्र और पूना मिश्र। हनुमान मिश्र के तीन पुत्र शिवु मिश्र, धोधु मिश्र, लेखा मिश्र। शिबु मिश्र के बटन मिश्र। बटन मिश्र के एक पुत्र पलट मिश्र।

पलट मिश्र के एक पुत्र सियासरण मिश्र। इनको एक पुत्र पदार्थ मिश्र इनको दो पुत्र पपु मिश्र और सीताराम मिश्र।

हितु मिश्र के तीन पुत्र गोविन्द मिश्र, रामौतार मिश्र, रेशो मिश्र। ये दो नावल्द। एक को वंश गोविन्द मिश्र को चार पुत्र, नरेश मिश्र, उमेश मिश्र, सुरेश मिश्र और दिनेश मिश्र। नरेश मिश्र के एक पुत्र नागेन्द्र मिश्र।

लेखा मिश्र के एक पुत्र यमुना मिश्र नावल्द।

धोधु मिश्र के चार पुत्र, गंगा मिश्र, जगदीप मिश्र उर्फ बुढ़ा मिश्र, गया मिश्र और कृपा मिश्र। गंगा मिश्र के एक पुत्र प्रशुराम मिश्र। इनको एक पुत्र रामचन्द्र मिश्र। इनको दो पुत्र प्रमोद मिश्र, विनोद मिश्र।

जगदीप मिश्र उर्फ बुढ़ा मिश्र के तीन पुत्र, कमलेश्वरी मिश्र, रामदयाल मिश्र। कमलेश्वरी मिश्र के एक पुत्र चन्द्रभानु मिश्र। इनको दो पुत्र अंगद मिश्र और पंकज मिश्र।

कमता मिश्र के एक पुत्र, अर्विन्द मित्र।

रामलाल मिश्र के तीन पुत्र रविन्द्र मिश्र, देवनन्दन मिश्र, उपेन्द्र मिश्र।

गया मिश्र के दो पुत्र ब्रह्मदेव मिश्र, कमल मिश्र। ब्रह्मदेव मिश्र के एक पुत्र अनील मिश्र।

कृपा मिश्र के चार पुत्र—झुनझुन मिश्र, फौदारी मिश्र, विलायती मिश्र, और श्याम सुन्दर मिश्र। झुन-झुन मिश्र के एक पुत्र—नवलकिशोर मिश्र। इनको दो पुत्र—संजय मिश्र, मनोज मिश्र।

श्याम सुन्दर मिश्र के चार पुत्र—महेंश मिश्र, दिनेश मिश्र, विपीन मिश्र और ललन मिश्र।

भेखा मिश्र के तीन पुत्र—रंजीत मिश्र, गीरधारी मिश्र, जट्टु मिश्र।

रंजीत मिश्र के चार पुत्र—फुदी मिश्र, भोसा मिश्र, दाहो मिश्र, द्वारिका मिश्र। तीनों भाई नावल्द। एक भाई फुदी मिश्र के दो पुत्र—तेगन मिश्र नावल्द, दूसरा

आजो मिश्र। इनके दो पुत्र—हरेराम मिश्र, रामसागर मिश्र। हरेराम मिश्र के दो पुत्र—अवध मिश्र, उपेन्द्र मिश्र।

रामसागर मिश्र के चार पुत्र—अनीज मिश्र, अरुण मिश्र, प्रमेश्वर मिश्र, राजेश मिश्र।

गीरधारी मिश्र नावल्द। जटु मिश्र के एक पुत्र—श्रेष्ठ मिश्र। इनको एक पुत्र—रामदेव मिश्र, इनको एक पुत्र—प्रमेश्वरी मिश्र।

हरि मिश्र के दूसरा पुत्र रूपनारायण मिश्र का वंशानुक्रम :

रूपनारायण मिश्र के चार पुत्र—टोरल मिश्र, पुरन मिश्र नावल्द, मथुरा मिश्र और गोणी मिश्र।

टोरल मिश्र के छः पुत्र—प्रताप मिश्र, पुना मिश्र, महकु मिश्र, लोही मिश्र, मोदी मिश्र, और जदू मिश्र ये नावल्द।

प्रताप मिश्र के एक पुत्र—घुटरन मिश्र। इनको भी दो पुत्र—पंचानन्द मिश्र, परमेश्वर मिश्र। इनको भी एक पुत्र—मोदन मिश्र इन्हें भी एक पुत्र—उत्तम मिश्र। इनको तीन पुत्र—शंकर मिश्र, हनुमान मिश्र नावल्द और तीसरा पुत्र—मोसाहेव मिश्र के दो पुत्र—वोढ़न मिश्र और पलकधारी मिश्र ये नावल्द। वोढ़न मिश्र के दो पुत्र लखन मिश्र नावल्द, दूसरा सहदेव मिश्र के पाँच पुत्र—रामचरित्र मिश्र, कारी मिश्र, सुनी मिश्र, राजाराम मिश्र, वेतो मिश्र।

रामचरित्र मिश्र के तीन पुत्र—अर्विन्द मिश्र, सुधीर मिश्र, सुबोध मिश्र। कारी मिश्र के चार पुत्र—विपिन मिश्र, अनील मिश्र, पंकज मिश्र, नवीन मिश्र। घुटरन मिश्र के दूसरा पुत्र—प्रमेश्वर मिश्र। इनको एक पुत्र—उमेश मिश्र।

इनको भी एक पुत्र महेश मिश्र। इनको दो पुत्र टुरन मिश्र और भिखाड़ी मिश्र।

टुरन मिश्र के तीन पुत्र—मित्रजीत मिश्र, जीवलाल मिश्र, भुलोटन मिश्र।

जीवलाल मिश्र के एक पुत्र—पलकी मिश्र। पलकी मिश्र के दो पुत्र—रघुनन्दन मिश्र, रामजी मिश्र।

रघुनन्दन मिश्र के आठ पुत्र—महेन्द्र मिश्र, वाल्मिकी मिश्र, सीताराम मिश्र, शिवजी मिश्र, दानुज मिश्र, लगन मिश्र, सुदामा मिश्र, रामविनय मिश्र।

टोरल बाबा का दूसरा पुत्र—

(२) पूना मिश्र के एक लड़का—कामदेव मिश्र, इनका एक लड़का—बालदेव मिश्र।

बालदेव मिश्र के दो लड़के—(१) महादेव मिश्र (२) शिवदेव मिश्र।

महादेव मिश्र के तीन लड़के—सुफल मिश्र, चोआ मिश्र, झखन मिश्र।

Scanned by CamScanner

सुफल मिश्र के सात पुत्र—भुटकुन मिश्र, बीतन मिश्र, वादो मिश्र, मोही मिश्र, हीता मिश्र, गुमानी मिश्र, भीखन मिश्र।

भीखन मिश्र के तीन पुत्र—खतर मिश्र, टेणी मिश्र, भुपाल मिश्र।

टेणी मिश्र के दो पुत्र—गुदर मिश्र, राघो मिश्र।

गुदर मिश्र के एक पुत्र—ब्रह्मदेव मिश्र, राघो मिश्र के चार पुत्र—बच्चु मिश्र, भोला मिश्र, रामोतार मिश्र, रामनन्दन मिश्र।

वच्चु मिश्र के एक पुत्र—रामातौर मिश्र के एक पुत्र राजेश मिश्र।

भुपाल मिश्र के दो पुत्र—यदु मिश्र और सरयुग मिश्र। यदु मिश्र के एक पुत्र—भाषो मिश्र। भाषो मिश्र के दो पुत्र—फुलटुन मिश्र, टुनटुन मिश्र, सरयुग मिश्र के चार पुत्र—सुरेश मिश्र रामसजन मिश्र, रामवदन मिश्र, रामरीझन मिश्र।

शिवदेव मिश्र के दो पुत्र—सीनु मिश्र, लक्ष्मण मिश्र, सीनु मिश्र के चार पुत्र—टरन मिश्र, तुलसी मिश्र, सुनो मिश्र, सुवरण मिश्र। टरन मिश्र के एक पुत्र—छुखर मिश्र दुखर मिश्र के एक पुत्र—ढोढा मिश्र, तुलसी मिश्र के एक पुत्र—गाजू मिश्र, गाजू मिश्र के तीन पुत्र—तिलकधारी मिश्र, अघोरी मिश्र, शिवनाथ मिश्र। तिलकधारी मिश्र के तीन पुत्र—रामपाल मिश्र, महादेव मिश्र, वालदेव मिश्र।

रामपाल के दो पुत्र—श्यामकिशोर मिश्र, वकील मिश्र। श्यामकिशोर मिश्र के दो पुत्र—रामाश्रय मिश्र, रामाकान्त मिश्र। वकील मिश्र के तीन पुत्र—रामसेवक मिश्र, रामनन्दन मिश्र, राधारमण मिश्र।

लक्ष्मण मिश्र के एक पुत्र—डोमन मिश्र, इनका एक लड़का दहार मिश्र, इनका एक लड़का—मिश्री मिश्र।

टोरल मिश्र के तीसरा पुत्र—महकु मिश्र, को एक पुत्र—विशेसर मिश्र, इनका भी एक पुत्र—त्रिवेणी मिश्र इनका भी एक पुत्र—विश्वनाथ मिश्र, इनका एक पुत्र टेकु मिश्र के एक पुत्र—जहेल मिश्र। जहेल मिश्र के तीन पुत्र—तिलकधारी मिश्र, लोढ़ा मिश्र, पोषण मिश्र। तिलकधारी मिश्र के एक पुत्र—मिखद मिश्र पोषण मिश्र के एक पुत्र—सौंखी मिश्र।

टोरल मिश्र के चौथा पुत्र—मोदी मिश्र के एक पुत्र—श्यामसुन्दर मिश्र, इनका एक पुत्र—कार्यानन्द मिश्र, इनका एक पुत्र—सीताबिहारी मिश्र, इनके दो पुत्र—नेता मिश्र, रूकू मिश्र। नेता मिश्र के तीन पुत्र कन्हैया मिश्र, नन्दु मिश्र। चमरू मिश्र, इनका एक लड़का ढ़ाका मिश्र। इनका दो पुत्र—यमुना मिश्र, पारो मिश्र। यमुना मिश्र के पाँच पुत्र—उपेन्द्र मिश्र, महेन्द्र मिश्र, हरेराम मिश्र, अर्जुन मिश्र, टुनटून मिश्र।

रूकू मिश्र के चार पुत्र—फकीर मिश्र, तुला मिश्र, तिलकधारी मिश्र, मंगर मिश्र, तीन पुत्र नाबारखान, फकीर मिश्र के दो पुत्र—निहचल मिश्र, कलर मिश्र,

Scanned by CamScanner

इनके एक पुत्र वांके मिश्र के पांच पुत्र—रामौतार मिश्र, लखन मिश्र, रामेश्वर मिश्र, वालेश्वर मिश्र, दामोदर मिश्र, रामौतार मिश्र के एक पुत्र—अज्जू मिश्र, रामेश्वर मिश्र के एक पुत्र चरित्र मिश्र।

पचमा पुत्र टोरल मिश्र का—मोदी मिश्र का एक पुत्र—गोंगो मिश्र इनका एक पुत्र—लौंगो मिश्र इनका एक पुत्र परबल मिश्र इनका तीन पुत्र देवचन्द्र मिश्र के एक पुत्र—दु विजय मिश्र, इनका चार पुत्र—तोता मिश्र, तोमार मिश्र, मुसाहेव मिश्र, शिवसहाय मिश्र, तोता मिश्र के चार पुत्र—राजाराम मिश्र, नसीब मिश्र, नवकर मिश्र, नेकधारी मिश्र, राजाराम मिश्र के दो पुत्र भुजाय मिश्र, मीठू मिश्र। नसीब मिश्र, के पाँच पुत्र—मटुकी मिश्र, सुखद मिश्र, द्वारिका मिश्र, तुनकी मिश्र, वैद्यनाथ मिश्र, तुनकी मिश्र के दो पुत्र रामजी मिश्र, किसुन मिश्र, रामजी मिश्र के एक लड़का—उमेश मिश्र, किसुन मिश्र के दो पुत्र—मौली मिश्र, अरुण मिश्र।

नेकधारी के पुत्र—मोही मिश्र इनका दो पुत्र—अमिका मिश्र, ढ़ेंसर मिश्र, शिवसहाय मिश्र के तीन लड़का सीताराम मिश्र, काली मिश्र, जालू मिश्र, सीताराम के गोरे लाल मिश्र, काली मिश्र के पाँच पुत्र—अवध मिश्र, वाके मिश्र, लखन मिश्र, रामपाल मिश्र, ब्रह्मदेव मिश्र।

ब्रह्मदेव मिश्र के एक पुत्र—शम्भु मिश्र।

टोरल मिश्र के पाँचवाँ पुत्र मित्तन मिश्र के तीन पुत्र झमन मित्र, महेश मिश्र, कुतोहल मिश्र, झमन मिश्र के तीन पुत्र, पहलवान मिश्र, नुनु मिश्र, जेहल मिश्र, पहलवान मिश्र, के चार पुत्र, नरींग मिश्र, टीका मिश्र, गुरसहाय मिश्र, रामसहाय मिश्र—नरींग मिश्र के छः पुत्र वोढ़न मिश्र, हरि मिश्र, तिलकधारी मिश्र, कारू मिश्र, शौखी मिश्र, गया मिश्र, टीका मिश्र के दो पुत्र भांगो मिश्र, शिवू मिश्र, गुरसहाय मिश्र के चार पुत्र, अत्तु मिश्र, कुली मिश्र, मेदिनी मिश्र, जमुना मिश्र, रामसहाय मिश्र के एक पुत्र, वीनो मिश्र. हरि मिश्र के तीन पुत्र रामदेव मिश्र, लखन मिश्र, रामौतार मिश्र, रामदेव मिश्र के दो पुत्र—अवधेश मिश्र, मणि मिश्र, लखन मिश्र क तीन पुत्र—अशोक मिश्र, कैलाश मिश्र, महेन्द्र मिश्र। रामौतार मिश्र के तीन पुत्र—सदानन्द मिश्र, अनुज मिश्र, संजय मिश्र। अशोक मिश्र के तीन पुत्र, राजीव मिश्र संजीव मिश्र, रणजीत मिश्र। कुली मिश्र के एक पुत्र किशुन मिश्र, उनके तीन पुत्र रामजी मिश्र, रामाशीष मिश्र, पंकज मिश्र, कुतोहल मिश्र के तीन पुत्र दो नावल्द, एक रोहा मिश्र के दो पुत्र द्वारिका मिश्र, देवू मिश्र।

चूरामन मिश्र के दो पुत्र गोनर मिश्र, त्रिभुवन मिश्र, गोनर मिश्र के दो पुत्र मेघन मिश्र, वंशी मिश्र। वंशी मिश्र के तीन पुत्र गेन्हारी मिश्र, रामसरूप मिश्र, वीशा मिश्र, त्रिभुवन मिश्र के एक पत्र छेदी मिश्र। इनके दो पुत्र वद्री मिश्र, रामेश्बर मिश्र। रामेश्वर मिश्र के दो पुत्र सिकन्दर मिश्र, सुरेश मिश्र।

Scanned by CamScanner

रूप मिश्र के तीसरा पुत्र मथुरा मिश्र, मथुरा मिश्र के एक पुत्र वैद्यनाथ मिश्र, इनके एक पुत्र रामनाथ मिश्र, इनके एक पुत्र शिवनाथ मिश्र, इनके एक पुत्र विश्वनाथ मिश्र, इनके एक पुत्र त्रिवेनी मिश्र, इनके एक पुत्र मोहर मिश्र, इनके एक पुत्र जानकी मिश्र, जानकी मिश्र के चार पुत्र, हलधर मिश्र, चितर मिश्र, टेंगर मिश्र, तुफानी मिश्र जिसमें तीन नावारसान। हलधर मिश्र के दो पुत्र शिवू मिश्र, रामेश्वर मिश्र। शिवू मिश्र के दो पुत्र, रामजी मिश्र, सीता राम मिश्र

धर्म मिश्र के (१) पुत्र श्रीकान्त मिश्र, श्रीकान्त मिश्र के (१) पुत्र राम नारायण मिश्र, राम नारायण मिश्र के (१) पुत्र जोरावर मिश्र, जोरावर मिश्र के (१) पुत्र तेजन मिश्र। तेजन मिश्र के (३) पुत्र (१) लीला मिश्र (२) मितरपाल मिश्र (३) छट्ठु मिश्र २ भाई नावल्द लीला मिश्र के पुत्र (१) एकराम मिश्र, एक राम मिश्र के (२) पुत्र (१) राम स्वरूप मिश्र (२) रामेवर मिश्र राम स्वरूप के (२) पुत्र (१) राम पदार्थ मिश्र (१) कृष्ण नन्दन मिश्र

राम नारायण मिश्र तीसरा पुत्र कामेश्वर मिश्र कामेश्वर के (१) पुत्र चिन्तामन मिश्र, चिन्तामन मिश्र के (२) पुत्र—मोती मिश्र (२) माँझी। मोती मिश्र के (१) पुत्र गांगू मिश्र दोनो भाई नावल्द।

दिनमन मिश्र के वंशज दलीफ मिश्र दलीप मिश्र के (३) पुत्र (१) दोदा मिश्र (२) हुलास मिश्र (३) मोहन मिश्र।

(१) टेंगर मिश्र (२) रट्टु मिश्र (२) गोपाल मिश्र। टेंगर मिश्र गोपाल मिश्र नावल्द। रट्टु मिश्र के (१) पुत्र भेखा मिश्र, भेखा मिश्र के (१) पुत्र पैरू मिश्र, पैरू मिश्र के (२) पुत्र नन्द किशोर मिश्र भाषो मिश्र नावल्द, नन्द किशोर मिश्र के (४) पुत्र (१) कपिल देव मिश्र (२) राम सागर मिश्र (३) राम चरित्र मिश्र (४) रामाशीष मिश्र।

(१) दोदा मिश्र (२) हुलास मिश्र (३) मोहन मिश्र।

रूप मिश्र के चौथा पुत्र—गोनी मिश्र के छः पुत्र (१) धर्मसिंह मिश्र (२) दुल्ह मिश्र (३) दिनमन मिश्र (४) शिवरोधर मिश्र (५) कर्म सेन मिश्र (६) मेदनी मिश्र।

धर्मसिंह मिश्र के (१) पुत्र कान्त मिश्र (१) पुत्र राम नारायन मिश्र।

(१) राम नरायन मिश्र के चार पुत्र—पहला, प्रमेश्वर मिश्र (२) रामेश्वर मिश्र (३) कामेश्वर मिश्र (४) नरेश्वर मिश्र।

(१) जगत मिश्र (२) वहादुर मिश्र (३) श्याम मिश्र (४) परमेश्वर मिश्र। परमेश्वर मिश्र के एक पुत्र। जगत मिश्र के एक पुत्र पुहकर मिश्र। पुहकर मिश्र के

Scanned by CamScanner

के चार पुत्र (१) हनुमान मिश्र (२) पूना मिश्र (३) गुरु वक्स मिश्र (४) सत्यनारायण मिश्र। हनुमान मिश्र के दो पुत्र। (१) लेखा मिश्र (२) लाल बिहारी मिश्र। लाल बिहारी मिश्र के एक पुत्र—पितम्बर मिश्र, पूना मिश्र के चार पुत्र (१) खियाली मिश्र (२) परमेश्वर मिश्र (३) जेहल मिश्र (४) शिवधारी मिश्र। तीन भाई नावल्द। खियाली मिश्र के दो पुत्र (१) टुसर मिश्र (२) सियाशरण मिश्र दोनों नावल्द। गुरूवक्स मिश्र के तीन पुत्र (१) हरी मिश्र (२) वंसी मिश्र (३) एतवारी मिश्र। हरी मिश्र के एक पुत्र—केसो मिश्र नावल्द। वंसी मिश्र के दो पुत्र (१) दीपू मिश्र (२) मोदो मिश्र। दोनो नावल्द एतवारी मिश्र के तीन पुत्र। (१) रामजी मिश्र (२) कारू मिश्र (३) राम खेलावन मिश्र रामजी मिश्र के तीन पुत्र (१) चन्द्रदेव मिश्र (२) उपेन्द्र मिश्र (३) योगी मिश्र। सत्यनाराबण मिश्र के दो पुत्र (१) वुधन मिश्र (२) चिलगी मिश्र। वुधन मिश्र के दो पुत्र (१) अयोधी मिश्र (२)-सरयुग मित्र नावल्द। अयोधी मिश्र के तीन पुत्र (१) कामता मिश्र (२) चद्रिका मिश्र (३) कारी मिश्र। चन्द्रिका मिश्र के पाँच पुत्र। (१) राम श्रेष्ठ सिंह मिश्र (२) राम विलास मिश्र (३) लीडर मिश्र (४) संजय मिश्र (५) रिन्ट मिश्र। कारी मिश्र के तीन पुत्र (१) सुधीर मिश्र (२) भंटू मिश्र (३) पम्पू मिश्र। परमेश्वर मिश्र दूसरा पुत्र।

बहादूर मिश्र के ४ पुत्र—(१) कोकिल मिश्र (२) भिक्षुक मिश्र (३) यदुनाथ मिश्र नावल (४) आधा मिश्र के (७) पुत्र (१) राज्यधारी मिश्र (२) कल्लर मिश्र (३) राम भज्जू मिश्र (४) राम टहल मिश्र (५) धनुकधारी मिश्र (६) महावीर मिश्र (७) किटर मिश्र राज्यधारी मिश्र के (१) पुत्र झगरू मिश्र झगरू मिश्र के (१) पुत्र निषद पुत्र अर्जुन मिश्र कल्लर मिश्र के (१) पुत्र दुन्द मिश्र राम झज्जू मिश्र के (१) पुत्र नुनु प्रसाद मिश्र (४) भाई नावल राम टहल मिश्र के (१) पुत्र द्वारिका मिश्र के (४) पुत्र (१) राम उदीत मिश्र (२) भाषो मिश्र (३) गेनौरी मिश्र (४) अवधेश मिश्र राम उदीत मिश्र के (२) पुत्र (१) हरे राम मिश्र (२) जय-जय राम मिश्र भाषो मिश्र (२) पुत्र (१) सुधीर मिश्र सुबोध मिश्र गेनौरी सिंह के (१) पुत्र निरंजन मिश्र अवधेश मिश्र के (१) पुत्र रामाकान्त मिश्र कीटर मिश्र के (२) पुत्र (१) फौदारी मिश्र (२) किसुन मिश्र फौदारी मिश्र के (३) पुत्र (१) राम वालक मिश्र (२) विष्णुदेव मिश्र (३) राम प्रकाश मिश्र राम बालक मिश्र के (१) पुत्र जोगी मिश्र किसुन मिश्र के (४) पुत्र (१) रामदेव मिश्र (२) कपिल देव मिश्र (३) नागो मिश्र (४) राम विलास मिश्र राम देव मिश्र के (४) पुत्र (१) अजय मिश्र (२) बिजय मिश्र (३) बिनय मिश्र (४) बिनोद मिश्र। कपिल देव मिश्र के एक पुत्र (१) प्रमोद मिश्र।

Scanned by CamScanner

दिबर्मन मिश्र का वंशज

दिबर्मन के एक पुत्र

|

शिवदत्त राय के तीन पुत्र

(१) कारू मिश्र (२) मनियार मिश्र (३) दलिफ मिश्र।

दलिफ मिश्र के तीन पुत्र

(१) दोदा मिश्र (२) हुलास मिश्र (३) मोहन मिश्र।

हुलास मिश्र के तीन पुत्र

(१) गुज्जा मिश्र (२) विजा मिश्र (३) मेघा मिश्र।

गुज्जा मिश्र के एक पुत्र

(१) कुलदीप मिश्र के दो पुत्र (१) बंशी मिश्र (२) लालजीत मिश्र।

वंशी मिश्र के दो पुत्र

(१) महावीर मिश्र (२) यमुना मिश्र के दो पुत्र

(१) रामौतार मिश्र (२) रामनन्दन मिश्र के तीन पुत्र

(१) अरविन्द मिश्र (२) नवीन मिश्र

लालजीत मिश्र के पाँच पुत्र (१) गंगा मिश्र (२) रामजी मिश्र (२) भोगल मिश्र (४) रामदेव मिश्र (५) भोली मिश्र।

गंगा मिश्र के चार पुत्र (१) रामकृष्ण मिश्र (२) रामलखन मिश्र (३) राम रतन मिश्र (४) सूर्यनारायण मिश्र।

रामकृष्ण मिश्र के दो पुत्र (१) अरूण मिश्र (२) विजय मिश्र।

रामरतन मिश्र के दो पुत्र (१) प्रमोद मिश्र (२) प्रफुल्ल मिश्र।

अरूण मिश्र के एक पुत्र (१) राम कुमार मिश्र।

रामजी मिश्र के दो पुत्र (१) जनार्दन मिश्र (२) इन्द्रदेव मिश्र।

विजा मिश्र के चार पुत्र (१) फेकन मिश्र (२) बुदनी मिश्र (३) जागु मिश्र (४) दुखी मिश्र के तीन पुत्र (१) रामसरूप मिश्र (२) बिनो मिश्र नावल्द (३) शीताबी मिश्र।

रामसरूप मिश्र के दो पुत्र (१) लूखर मिश्र (२) कृष्णनन्दन मिश्र के एक पुत्र।

रिवरोधर मिश्र के एक पुत्र शिवदत्त मिश्र के एक पुत्र जगदीप मिश्र के दो पुत्र भोला मिश्र और भंजन मिश्र के दो पुत्र होरिल मिश्र और उदमत मिश्र। उदमत मिश्र के एक पुत्र सुखो मिश्र। सुखो मिश्र के एक पुत्र फेखू मिश्र। फेखू मिश्र के तीन पुत्र जयकुमार मिश्र, पारो मिश्र, वसन्त मिश्र। जयकुमार मिश्र के दो पुत्र अजवी मिश्र और मुखराब मिश्र। पारो मिश्र के एक पुत्र रामसेवक मिश्र। वसन्त मिश्र के दो पुत्र मिसो मिश्र और बिनो मिश्र।

Scanned by CamScanner

क्रमसेन मिश्र

क्रमसेन मिश्र के एक पुत्र बिलखू मिश्र के एक पुत्र लवकुश मिश्र, लवकुश मिश्र के एक पुत्र पेमन मिश्र, पेमन मिश्र के दो पुत्र मिलन मिश्र और हिरा मिश्र। वासिन्दे चेतन टोला—मिलन मिश्र का तीन पुत्र पत्ती मिश्र, चुन्नी मिश्र, रामू मिश्र। पत्ती मिश्र का दो पुत्र बद्री मिश्र तथा जानकी मिश्र। ये नावल्द हैं। बद्री मिश्र का दो पुत्र है। खातो मिश्र और भाषों मिश्र। खातों मिश्र का तीन पुत्र अर्जुन मिश्र, रामसागर मिश्र, अनुज मिश्र हैं। चुन्नी मिश्र का तीन पुत्र पल्लू मिश्र, झारी मिश्र, श्याम बिहारी मिश्र। पल्लू मिश्र का तीन पुत्र कामो मिश्र, वाणी मिश्र, बालेशर मिश्र। कामो मिश्र का तीन पुत्र तारकेश्वर मिश्र, राजो मिश्र, सुरेश मिश्र। बालेशर मिश्र के तीन पुत्र शिवालक मिश्र, शिवोतार मिश्र, बाबू साहब मिश्र।

गोनी मिश्र का छठा पुत्र मेदनी मिश्र है।

मेदनी मिश्र का एक पुत्र शिवजी मिश्र है।

शिवजी मिश्र का एक पुत्र अलहन मिश्र।

अलहन मिश्र के एक पुत्र जितन मिश्र, जितन मिश्र के दो पुत्र तालुका मिश्र और टंगर मिश्र। तालुका मिश्र के दो पुत्र छत्तरधारी मिश्र और बुधन मिश्र जो नावल्द हैं।

छत्तरधारी मिश्र के एकपुत्र है जंगली मिश्र। जंगली मिश्र के एक पुत्र जो महेन्द्र मिश्र है। महेन्द्र मिश्र के एक पुत्र जो रामजी मिश्र है। टंगर मिश्र चार पुत्र राम सहाय मिश्र नावल्द। जगमोहन मिश्र, राघो मिश्र, बजरंगी मिश्र जो नावल्द हैं।

जगमोहन मिश्र दो पुत्र सिया मिश्र और रामपाल मिश्र नावल्द। सिया मिश्र के तीन पुत्र फागु मिश्र, रामचरितर मिश्र, रामसागर मिश्र। राघो मिश्र के तीन पुत्र, भागो मिश्र, मिसो मिश्र, सीधो मिश्र। भागो मिश्र के एक पुत्र जो कामो मिश्र है। कामो मिश्र के एक पुत्र जो अवधेश मिश्र है। मिसो मिश्र के तीन पुत्र सुरेश मिश्र, महीन्द्र मिश्र, उपेन्द्र मिश्र। सीधो मिश्र के एक पुत्र जो अनील मिश्र है।

दरभंगा जिला के वासी धरमराय पहाड़ी मिश्र के वंश हैं। पहाड़ी मिश्र के एक पुत्र रामजी मिश्र। रामजी मिश्र के एक पुत्र भोनू मिश्र, भोनू के एक पुत्र शिवजी मिश्र, शिवजी मिश्र के एक पुत्र रंगनाथ मिश्र, रंगनाथ मिश्र के दो पुत्र वरियार मिश्र और फकीर मिश्र। वरियार मिश्र के एक पुत्र शिवदयाल मिश्र, शिवदयाल मिश्र के एक पुत्र दरवन मिश्र, दरवन मिश्र के एक पुत्र लोकनाथ मिश्र, लोकनाथ मिश्र के एक पुत्र यमुना मिश्र, यमुना मिश्र के एक पुत्र रामनन्दन मिश्र ,रामनन्दन मिश्र के एक पुत्र जगदीश मिश्र, जगदीश मिश्र के एक पुत्र—

Scanned by CamScanner

फकीर मिश्र के एक पुत्र पुछी मिश्र, पुछी मिश्र के दो पुत्र मंगल मिश्र तथा बुलक मिश्र। मंगल मिश्र के एक पुत्र रामनाथ मिश्र, रामनाथ मिश्र के एक पुत्र चन्नु मिश्र, चन्नु मिश्र के दो पुत्र कपील मिश्र और रामदेव मिश्र, रामदेव मिश्र के एक पुत्र रामगोपाल मिश्र। बुलक मिश्र के तीन पुत्र गेन्हारी मिश्र, बच्चू मिश्र, हृदेव मिश्र। गेन्हारी मिश्र के तीन पुत्र हितू मिश्र, लखन मिश्र, अर्जुन मिश्र। हितू मिश्र के एक पुत्र रामजी मिश्र, बच्चू मिश्र के दो पुत्र महावीर मिश्र और मुद्रिका मिश्र। महावीर मिश्र के दो पुत्र शंकर मिश्र और सीताराम मिश्र। हृदेव मिश्र के एक पुत्र यमुना मित्र।

चमारी मिश्र—चमारी मिश्र के एक पुत्र दुर्गा मिश्र। दुर्गा मिश्र का एक पुत्र शिवन मिश्र। शिवन मिश्र का एक पुत्र डमर मिश्र। डमर मिश्र को दो पुत्र भरत मिश्र और श्याम मिश्र। भरत मिश्र के दो पुत्र उमराव मिश्र, लछमण मिश्र। उमराव मिश्र का चार पुत्र, लोका मिश्र, दोदा मिश्र, लच्छू मिश्र, चंचल मिश्र, लोका मिश्र को दो पुत्र खेली मिश्र, जगन्नाथ मिश्र। खेली मिश्र का एक पुत्र कृपा मिश्र नावल्द। जगन्नाथ मिश्र का एक पुत्र सिया मिश्र। सिया मिश्र का तीन पुत्र चन्द्रशेखर मिश्र, कमलदेव मिश्र, टुन टुन मिश्र। चन्द्रशेखर मिश्र का एक पुत्र राजेन्द्र मिश्र। कपील का एक पुत्र राजनीति मिश्र। लच्छू मिश्र का तीन पुत्र टेनी मिश्र, हरी मिश्र, सोखी मिश्र। टेनी मिश्र के दो पुत्र मोदो मिश्र और यमुना मिश्र नावल्द। मोदी मिश्र के तीन बेटे यदु मिश्र, रामदेव मिश्र, रामसागर। रामसागर का एक बच्चा—

गोणी मिश्र।

२. दुल्लह मिश्र······द्वितीय पुत्र।

दुल्लह मिश्र के एक पुत्र रामतपस्या मिश्र। रामतपस्या मिश्र के एक पुत्र लीला मिश्र। लीला मिश्र के एक पुत्र तीतन मिश्र। तीतन मिश्र के दो पुत्र, हांसा मिश्र नावल्द। मिलन मिश्र के चार पुत्र ओझा मिश्र, सोहन मिश्र, बिहारी मिश्र और मंगल मिश्र। सोहन मिश्र और मंगल मिश्र नावल्द ओझा मिश्र के पाँच पुत्र हंसराज मिश्र नावल्द। रमाधीन मिश्र, बीजा मिश्र, सहदेव मित्र नावल्द, वंशी मिश्र। रामाधीन मिश्र के एक पुत्र सरयुग मिश्र। सरयुग मिश्र के एक पुत्र नारायण मिश्र, नारायण मिश्र के एक पुत्र सतनारायण मिश्र। बीजा मिश्र के छः पुत्र जगदीश मिश्र, कमलेश्वरी मिश्र, यमुना मिश्र, अम्बिका मिश्र, तीरो मिश्र और नाथो मिश्र। सहदेव मिश्र नावल्द।

वंशी मिश्र के एक पुत्र बांके मिश्र—बांके मिश्र नावल्द। बिहारी मिश्र के एक पुत्र पालो मिश्र, पालो मिश्र के एक पुत्र लखन मिश्र।

Scanned by CamScanner

वीर मिश्र

वीर मिश्र के पाँच पुत्र—(१) नीलकंठ मिश्र वसिन्दे डीह, वरेपुरा, वीरपुर, शिकरौला (२) लरसिंह मिश्र (३) कृत मिश्र (४) मनन मिश्र (५) शिवदत्त मिश्र। वीर मिश्र के चौथा पुत्र मनन मिश्र, मनन मिश्र के एक पुत्र प्रताप मिश्र, इनके पुत्र माधो मिश्र, इनके पुत्र (१) राजाराम मिश्र (२) इन्द्र मिश्र (३) नरींग मिश्र। राजाराम मिश्र के चार पुत्र (१) ब्रह्मा मिश्र (२) विष्णु मिश्र (३) नन्द मिश्र उर्फ शंकर मिश्र (४) रामदास मिश्र। रामदास मिश्र के दो पुत्र (१) करुण मिश्र (२) केशो मिश्र। करुण मिश्र के दो पुत्र धीरज मिश्र और श्रीराय मिश्र। धीरज मिश्र के चार पुत्र (१) मुरुत मिश्र (२) धुरुप मिश्र (३) घना मिश्र (४) भोला मिश्र। धुरुव मिश्र और घना मिश्र निःसंतान है। मुरुत मिश्र के दो पुत्र (१) कारु मिश्र (२) सम्मन मिश्र। कारु मिश्र के दो पुत्र मन्टु मिश्र और तरुण मिश्र। मन्टु मिश्र के पाँच पुत्र (१) रामवकत मिश्र (२) लोहा मिश्र (३) बिहार मिश्र (४) भुवन मिश्र (५) चंचल मिश्र। रामवकत मिश्र के दो पुत्र कुलदीप और प्रदीप। कुलदीप मिश्र के तीन पुत्र (१) जानकी मिश्र (२) भगत मिश्र और शाधो मिश्र तीनों निःसंतान। लोहा मिश्र के दो पुत्र (१) शिवनन्दन मिश्र (२) कृपा के पुत्र (१) रामअशीश मिश्र (२) ब्रह्मदेव मिश्र (३) रामविलाश मिश्र (४) सुरेश मिश्र (५) रामानन्द मिश्र। रामअशीश मिश्र के दो पुत्र सुरेन्द्र और देवेन्द्र। ब्रह्मदेव मिश्र को तीन पुत्र (१) फुलेना मिश्र (२) शंकर मिश्र (३) मुन्ना मिश्र। भोला मिश्र के तीन पुत्र (१) किला मिश्र (२) टेंगर मिश्र (३) चेतन मिश्र घूषण मिश्र (१) द्वारिका मिश्र और शील मिश्र। द्वारिका मिश्र तीन पुत्र (१) रामकेशर मिश्र (२) सहदेव मिश्र (३) रामदेव मिश्र। शीतल मिश्र के दो पुत्र (१) बालदेव मिश्र (२) सातो मिश्र बालदेव मिश्र के पुत्र रामाकान्त और इनके पुत्र रामचन्द्र मिश्र भोला मिश्र के पुत्र किला मिश्र इनके दो पुत्र पन्नु मिश्र और हनुमान मिश्र। पन्नू मिश्र के तीन पुत्र (१) जितन मिश्र (२) डाढ़ु मिश्र निःसंतान (३) दिलवर मिश्र। जितन मिश्र के दो पुत्र (१) रामाधीन मिश्र निःसंतान।

लोची मिश्र के पुत्र लखन मिश्र इनके पुत्र सीताराम मिश्र। दिलवर मिश्र के दो पुत्र (१) द्वारका मिश्र (२) वासुदेव मिश्र निःसंतान।

द्वारका मिश्र के तीन पुत्र (१) रामदेव मिश्र, (२) ब्रह्मदेव मिश्र, (३) छोटन मिश्र। रामदेव मिश्र के पुत्र सुमन मिश्र, ब्रह्मदेव मिश्र के दो पुत्र महेन्द्र मिश्र और प्रवेश मिश्र। टेंगर मिश्र के पुत्र गुही मित्र के पुत्र सरयुग मिश्र निःसंतान। चेतन मिश्र के पुत्र जयकान्त मिश्र के दो पुत्र हंस राय मिश्र और गुज मिश्र निःसंतान। मन्टु मिश्र के पाँचवाँ पुत्र चंचल मिश्र के पुत्र नथुनी मिश्र के तीन पुत्र गेन्धारी

Scanned by CamScanner

मिश्र, त्रिवेणी मिश्र और लखन मिश्र के तीन पुत्र (१) रामा मिश्र (२) रामशोभा मिश्र (३) रामदयाल मिश्र। मुरत मिश्र के दूसरे पुत्र सूम्मन मिश्र (१) गुदरी मिश्र (२) जुआ मिश्र (३) झंडु मिश्र। गुदरी के ५ पुत्र (१) रामथम्हन मिश्र (२) लालजी मिश्र (३) मोजी मिश्र (४) पहलवान मिश्र (५) धनराज मिश्र। रामथम्हन मिश्र के पुत्र वंशी मिश्र के तीन पुत्र (१) बजरंगी मिश्र कमता मिश्र और गीता मिश्र। लालजी मिश्र के दो पुत्र (१) जद्दू मिश्र और (२) भागवत मिश्र नि संतान सम्मन मिश्र के पुत्र जूआ मिश्र को तीन पुत्र (१) रामलाल मिश्र (२) टिकन मिश्र (२) शिवधर मिश्र। शिवधर मिश्र के पुत्र पोचाय मिश्र के पुत्र रामसेवक मिश्र के पुत्र रामाकान्त मिश्र। टिकन मिश्र के पुत्र दशरथ मिश्र नि:संतान। रामदास मिश्र के पुत्र करुण राय को दो पुत्र धीरज मिश्र और श्री मिश्र के चार पुत्र (१) टेका मिश्र (२) मोदी मिश्र (३) दिलीप मिश्र (४) जय प्रसाद मिश्र। टेकन मिश्र के तीन पुत्र (१) भूप मिश्र (२) खखन मिश्र (३) भयहरण मिश्र। भूप मिश्र के दो पुत्र (१) छठ्ठु मिश्र और श्रवण मिश्र। छठ्ठु मिश्र के तीन पुत्र (१) रामसहाय मिश्र (२) गुज मिश्र और (३) गाजा मिश्र। रामसहाय मिश्र के दो पुत्र (१) बोधू मिश्र (२) केवल मिश्र। बोध मिश्र के दो पुत्र (१ कामेश्वर मिश्र (२) रामौतार मिश्र। कामेश्वर के चार पुत्र (१) शिवदानी मिश्र (२) शिवालक मिश्र (३) शंकर मिश्र (४) बिनोद मिश्र। गुज मिश्र के दो पुत्र अनध मिश्र और पोषन मिश्र। अनध मिश्र के पुत्र खेमन मिश्र नि:संतान। पोषण के तीन पुत्र (१) प्यारे (२) बजरंगी (३) सरयुग मिश्र नि:संतान। रामसहाय मिश्र दूसरा पुत्र केवल मिश्र के दो पुत्र (१) रामरुप मिश्र और अम्बिका मिश्र, नि:संतान। श्रवण मिश्र के पुत्र नकट मिश्र के पुत्र लूटन मिश्र नि:संतान। खखन मिश्र के पुत्र खखन मिश्र नि:संतान। भयहरण मिश्र के पुत्र जूआ नि:संतान और कुतहल मिश्र के दो पुत्र।

(१) वंशी मिश्र (२) निखध मि० संतान। मोदी मिश्र के तीन पुत्र (१) निर्भय मिश्र (२) लेखा मिश्र (३) हेमन्त मिश्र। निर्भय मिश्र के पुत्र टुनकु मिश्र के पुत्र कुल्की मिश्र के पुत्र किन्दु मिश्र नि: संतान। लेखा मिश्र के तीन पुत्र (१) मधुक मिश्र (२) नुनु मिश्र (३) मोहा मिश्र। मुधुक मिश्र के चार पुत्र (१) दशरथ (२) रामशरण (३) नन्दु (४) खेला। नुनु मिश्र के पुत्र वंशी मिश्र नि: संतान। जय प्रसाद राय के पुत्र प्रेमन औरत मोकट पेमन मिश्र के दो पुत्र (१) अमृत और हरयान। अमृत के दो पुत्र (१) पहल मिश्र (२) मंगर मिश्र नि: संतान। तभीकट मिश्र के पुत्र चुन्नी मिश्र नि: संतान। पेमन राय के दूसरे पुत्र हरमन राय के पुत्र नहीं। श्री मिश्र का तीसरा पुत्र दिलीप मिश्र को चार पुत्र (१) शखजीत मिश्र (२) सेवा मिश्र (३) योगा मिश्र (४) कोकिल मिश्र। शखजीत

Scanned by CamScanner

मिश्र के पुत्र गोखुल मिश्र के पुत्र गुकवक्स मिश्र के दो पुत्र (१) खखोडन और मल्हु। खखोड़न के तीन पुत्र (१) गया (२) रामनदन (३) रामेश्वर। गया मिश्र के दो पुत्र (१) सीता राम और अरविन्द। राम नन्दन के दो पुत्र (१) राम प्रकाश और राम अनुज। आमेश्वर के दो पुत्र (१) मोहन और सोहन।

राम प्रकाश के पुत्र शिव प्रकाश। गुमनकस के दूसरे पुत्र मल्हु मिश्र निः संतान। सेवा राय के दो पुत्र राम थम्हन और डाटहु दोनो निः संतान योगा मिश्र के दो पुत्र (१) वदन और वोढ़न मिश्र निः संतान। कोकिल मिश्र (१) तोता (२) सुमिरण (३) त्रिलोकी (४) शिव दयाल तीन भाई निः सुमिरण के पुत्र संतान गुरुसहाय भी निः संतान। शिवदयाल के पुत्र दौलत मिश्र निः संतान। केशी मिश्र के पुत्र परिछित मिश्र केशी मिश्र के पुत्र परिक्षित मिश्र के पुत्र (१) अजीत (२) उगनारायण (३) सेवक। अजीन सिंह से टोला वसा और उग नारायण सिंह के पुत्र अकलू और इनके बेटा लक्षमण मिश्र के तीन पुत्र (१) अम्बिका (२) दशरथ और दरोगा। अम्बिका के चार पुत्र विनो (२) सुखदेव (३) देवी (४) प्रसिद्ध। विनो के दो पुत्र नरेश और शशि भूषन। देवी के पुत्र उमाकान्त प्रसिद्ध के नवल मिश्र दशरथ मिश्र के पुत्र बुढ़ा मिश्र के पुत्र जवान मिश्र। दरोगा मिश्र के पुत्र (१) अर्जुन (२) सुधीर (३) कृष्णन्दन। अर्जुन के पुत्र रविन्द्र सुधीर के दो पुत्र सुरेन्द्र और नवल मिश्र।

सेवक मिश्र के पुत्र जुआ मिश्र के पुत्र कुला और कुन्ती कुला मिश्र के पुत्र अनछ मिश्र के चार पुत्र (१) यमुना (२) सुरज (३) रामदेव (४) शिवदेव। यमुना के पुत्र राम शीश। सुरज के पुत्र रामशर रामदेव के तीन पुत्र (१) रामाश्रय (२) नरेश और रविन्द्र। शिवदेव के दो पुत्र सुनील और नवल। कुन्ती मिश्र के हीरा मिश्र के दो पुत्र रामस्वरूप और भुजाली मिश्र। शंकट मिश्र के पुत्र नदा मिश्र के पुत्र हर केश मिश्र के चार पुत्र (१) मोती (२) लालो (३) तुम्र और पूरन तीसरा और चौथा निः संतान। मोती मिश्र के पुत्र मुशहट और नक छेद। मुशहट के दो पुत्र रामाधोन और द्वारिका। रामधोन के दो पुत्र कमलेश्वरी और मिश्री मिश्री के तीन पुत्र (१) सियाराम (२) हरेराम (३) राजाराम। द्वारिका मिश्र के पुत्र जगदीश मिश्र के चार पुत्र (१) राम चन्द्र (२) राजेश्वरी (३) कृष्ण-नन्दन और (४) सुरेन्द्र। नकछेद मिश्र के पुत्र तिलु मिश्र के चार पुत्र (१) राम-पदारथ (२) रामसागर (३) उचित (४) शकल मिश्र के पुत्र ववलू मिश्र। लालो लालो मिश्र के पुत्र तिलक धारी मिश्र के दो पुत्र रामरक्षा और विष्णुदेव। रामरक्षा के पुत्र सुखदेव मिश्र। वम्दा मिश्र के पुत्र दलजीत मिश्र के पुत्र शिवदयाल मिश्र के दो पुत्र (१) मेधन और खरतर। मेघन मिश्र के चार पुत्र (१) खेली (२) योवराज (३) कमली (४) प्रमेश्वर चारी निः संतान। खरतर मिश्र के तीन

Scanned by CamScanner

पुत्र (१) वोतल (२) महाबीर (३) एकनाथ तीनो निः संतान। राजा राम मिश्र के दूसरा पुत्र विष्णु मिश्र के तीन पुत्र (१) त्रिभुवन (२) राधो और (३) स्मान। त्रिभुवन के दो पुत्र (१) छत्तर मिश्र और मिता मिश्र। छत्तर मिश्र के पुत्र वुद्ध मिश्र और मिता मिश्र दोनों निः संतान राधोमिश्र के पुत्र नाका मिश्र के तीन पुत्र (१) कुक्कर (२) मुखा (३) फौदी। मुखा निः संतान। कुक्कट के दो बेटा लखन, भागीरथ। भागीरथ के तीन बेटा—१. संजय २. बिजय ३. अजय। फौदी के चार पुत्र १) व्रह्म देव (२) वहादुर (३) साधु (४) नवल। व्रह्मदेव के दो पुत्र रविन्द्र और शिव दानी। वहादुर के पुत्र मोहन विष्णु मिश्र के पुत्र स्मान मिश्र के पुत्र मनोरथ मिश्र। मनोरथ मिश्र के दो पुत्र दिगा मिश्र और दीपन मिश्र। दिगा मिश्र के तीन पुत्र (१) जानकी (२) रामसहाय (३) रघुवंशी। जानकी मिश्र के दो पुत्र हरि मिश्र और पूना मिश्र।

हरि मिश्र के एक पुत्र शिवनन्दन मिश्र के पुत्र रामलगन मिश्र पूना मिश्र के पुत्र सिंधो मिश्र के चार पुत्र (१) श्यामसुन्दर (२) रामअनुज (३) विनय (४) विपीन। रामसहाय के पुत्र (१) सपूती मिश्र और नाथो मिश्र। सपूती मिश्र के दो पुत्र वानो मिश्र और सरयुग मिश्र निःसंतान। रघुवंशी मिश्र के पुत्र बटोरन मिश्र निःसंतान। दीपन मिश्र के चार पुत्र (१) कल्लू मिश्र (२) झकड़ी मिश्र (३) रोहन मिश्र और (४) गुरुसहाय मिश्र। कल्लर मिश्र के दो पुत्र (१) संतोषी मिश्र (२) रंजीत मिश्र। झकड़ी मिश्र पाँच पुत्र (१) रामभज्जू (२) रामवेणी (३) राशो (४) हित्तु निःसंतान (२) हियालाल निःसंतान। रामभजू मिश्र तीन पुत्र (१) गाजो (२) वाके और (३) यमुना निःसंतान गाजो मिश्र के आठ पुत्र (१) रामअशीश (२) रामविलास (३) रामनन्दन (४) रामाकान्त (५) रामभरोसा (६) रामनरेश (७) उमेश (८) रमेश। वेणी मिश्र के एक पुत्र जगदीश मिश्र। रासो मिश्र के तीन पुत्र (१) गोरेलाल (२) विनो (३) वैद्यनाथ मिश्र। गोरेलाल मिश्र के तीन पुत्र (१) कीटर (२) साधु (३) वूढ़ा। वैद्यनाथ मिश्र के ४ पुत्र (१) मटर (२) गीदर (३) सीताराम (४) वावू साहब। दीपन सिंह के दूसरा दीपन मिश्र के चौथा पुत्र गुरु सहाय मिश्र को चार पुत्र (१) रामलोची मिश्र (२) पिताम्बर मिश्र (३) कृपाली मिश्र (४) मटुक मिश्र। राम लोची और कृपाली मिश्र निःसंतान। पिताम्बर मिश्र को दो पुत्र रामबालक और रामशरण। रामबालक को चार पुत्र (१) महेन्द्र (२) सीताराम (३) शतीश (४) पीन्कू। मटुकी मिश्र के चार पुत्र (१) बंगाली (२) नूनू लाल मिश्र (३) भुवनेश्वर मिश्र (४) रामनन्दन मिश्र। भुवनेश्वर मिश्र को दो पुत्र मनोज और सरोज।

Scanned by CamScanner

माघो मिश्र के द्वितीय पुत्र इन्द्र मिश्र। इन्द्र मिश्र के दो पुत्र—(१) धरणी (२) छबीला मिश्र। धरणी मिश्र के दो पुत्र—(१) अकाय मिश्र (२) तिताय मिश्र। अकाल मिश्र के एक पुत्र दल मिश्र। दल मिश्र के एक पुत्र—गणेष मिश्र के चार पुत्र—(१) मिलन मिश्र (२) कोकिल मिश्र (३) गजराज मिश्र (४) बीसा मिश्र (तीसरा और चौथा भाई नावल्द)।

मिलन मिश्र के एक पुत्र—(१) भिखारी मिश्र। भिखारी मिश्र के दो पुत्र (१) नकट मिश्र, (२) गया मिश्र। गया मिश्र नावल्द। नकट मिश्र के दो पुत्र (१) राघो मिश्र, (२) मिश्री मिश्र। मिश्री मिश्र नावल्द। राघो मिश्र के दो पुत्र—(१) रामचन्द्र मिश्र, (२) राजनन्दन मिश्र। कोकिल मिश्र के दो पुत्र—(१) जयजय मिश्र (२) बंशी मिश्र। जयजय मिश्र के चार पुत्र—(१) हरगौरी मिश्र, (२) रामकृपा मिश्र (नावल्द), (३) बंदी मिश्र (४) जालो मिश्र। हरगौरी मिश्र के दो पुत्र—(१) यमुना मिश्र (नावल्द), किशोरी मिश्र। किशोरी मिश्र के एक पुत्र—रामनन्दन मिश्र। रामनन्दन मिश्र के एक पुत्र—श्रीराम मिश्र। बन्दी मिश्र के दो पुत्र—(१) विष्णुदेव मिश्र, (२) चन्द्रिका मिश्र। विष्णुदेव मिश्र के तीन पुत्र (१) गीता मिश्र (२) सहदेव मिश्र (३) रामसागर मिश्र। गीता मिश्र के एक पुत्र—पृथ्वीराज मिश्र। सहदेव मिश्र के एक पुत्र विजय कुमार। रामसागर मिश्र के तीन पुत्र—(१) गिरिराज कुमार, अनिल कुमार मिश्र, (३) ललन कुमार मिश्र। चन्द्रिका मिश्र के दो पुत्र—(१) पवन कुमार मिश्र (२) संजय कुमार मिश्र। जालो मिश्र के दो पुत्र—(१) मुन्द्रिका मिश्र, (२) रामाश्रय मिश्र। रामाश्रय मिश्र के एक पुत्र—राधारमण मिश्र। राधारमण मिश्र के दो पुत्र—सुनील मिश्र, (२) मनोज मिश्र। तिताय मिश्र के एक पुत्र नारायण मिश्र। नारायण मिश्र के एक पुत्र थपेश्वर मिश्र। थपेश्वर मिश्र के एक पुत्र गोना मिश्र। गोना मिश्र के दो पुत्र—(१) त्रिसुक मिश्र (नावल्द), (२) पूना मिश्र। पूना मिश्र के दो पुत्र—(१) नेवाजी मिश्र (नावल्द), (२) गुराय मिश्र, गुराय मिश्र के दो पुत्र—(१) रामदेव मिश्र, (२) रामचन्द्र मिश्र। रामदेव मिश्र के एक पुत्र—प्रकाश मिश्र।

छबीला मिश्र के दो पुत्र (१) बोधी मिश्र, (२) रज्जन मिश्र (नावल्द)। बोधी मिश्र के एक पुत्र टेका मिश्र, टेका मिश्र के दो पुत्र (१) बिक्कू मिश्र, (२) खुचलाल मिश्र (नावल्द)। बिक्कू मिश्र के दो पुत्र—(१) नसीब मिश्र, (२) मेष मिश्र (नावल्द)। नसीब मिश्र के दो पुत्र (१) हरि प्रसाद मिश्र, (२) जगदीप मिश्र। हरि प्रसाद मिश्र के एक पुत्र भगवत मिश्र। भागवत मिश्र के तीन पुत्र—(१) रामकिसुन मिश्र, (२) बासुदेव मिश्र, (३) देवकी मिश्र। रामकिसुन मिश्र

Scanned by CamScanner

के पांच पुत्र—(१) रामस्वरूप मिश्र (नावल्द) (२) कमलेश्वरी मिश्र, (३) रमाकान्त मिश्र, (४) चलीसर मिश्र, (५) रामेश्वरी मिश्र। कमलेश्वरी मिश्र के तीन पुत्र—(१) रामस्वारथ मिश्र, (२) मैना मिश्र (३) अरविन्द मिश्र। रामाकान्त मिश्र के एक पुत्र चिदानन्द मिश्र। चलित्तर मिश्र के तीन पुत्र—(१) तोता मिश्र, (२) श्यामदास मिश्र, (३) संतोष मिश्र। रामेश्वरी मिश्र के एक पुत्र—संजय मिश्र, बासुदेव मिश्र के दो पुत्र—(१) सत्यनारायण मिश्र, (२) याषो मिश्र, सत्यनारायण मिश्र के एक पुत्र—रामदास मिश्र। देवकी मिश्र के दो पुत्र—(१) अशोक मिश्र, (२) श्रीनारायण मिश्र। जगदीप मिश्र के दो पुत्र—(१) ढ़ोढ़ाय मिश्र। (२) रामरूप मिश्र। ढ़ोढ़ाय मिश्र के एक पुत्र—रघुनन्दन मिश्र। रघुनन्द मिश्र के चार पुत्र—(१) केदार मिश्र, (२) प्रवेश मिश्र (३) शालीग्राम मिश्र, (४) पूरण मिश्र। मृत (नावल्द)।

प्रवेश मिश्र के एक पुत्र—मनोज मिश्र। रामरूप मिश्र के एक पुत्र—सहदेव मिश्र। सहदेव मिश्र के चार पुत्र—(१) राजेन्द्र मिश्र (२) श्रीनिवास मिश्र, (३) श्रीराम मिश्र (४) सीताराम मिश्र।

माधो मिश्र के तृतीय पुत्र—नरिंग मिश्र (पूर्वी टोला) नरिंग मिश्र के दो पुत्र—(१) भैरो मिश्र, (२) केशरी मिश्र। भैरो मिश्र के तीन पुत्र—(१) अनूप मिश्र, (२) चन्दन मिश्र, (३) मितरसेन मिश्र। अनूप मिश्र के पांच पुत्र—(१) श्री मिश्र, (२) कन्खू मिश्र, (३) प्रबल मिश्र (४) गन्हरब मिश्र, आरमा मिश्र। श्री मिश्र के तीन पुत्र—धुनहर मिश्र, (२) तबक्कल मिश्र, (३) दुर्विजय मिश्र। भुनहर के तीन पुत्र—(१) वेदा मिश्र, (२) शिवदयाल मिश्र, (३) रोहा मिश्र। वेदा मिश्र के एक पुत्र—नकट मिश्र। मिश्र नकट मिश्र के चार पुत्र—(१) बोन मिश्र, भरोसी मिश्र, (३) गांगो मिश्र, (४) लालविहारी मिश्र चारो भाई नावल्द। शिवदयाल मिश्र के छः पुत्र—(१) तिलकधारी मिश्र, (२) उगर मिश्र, (३) चुन्मी मिश्र, (४) बामो मिश्र, (५) बंशी मिश्र (६) बैजू मिश्र। इनमें बैजू मिश्र, बामो मिश्र (नावल्द)।

तिलकधारी मिश्र के चार पुत्र—(१) रामरूप मिश्र, (२) लछू मिश्र, (नावल्द) (३) जोबराज मिश्र, (नावल्द) श्री गीता मिश्र। (नावल्द) गीता मिश्र (नावल्द)। रामरूप मिश्र, के एक पुत्र—बासुदेव मिश्र। वासुदेव मिश्र के पाँच पुत्र—(१) धनेश्वर मिश्र। (नावल्द) (२) रामचन्द्र मिश्र, (३) राजराम मिश्र, (४) हरेराम (५) श्री राम मिश्र। रामचन्द्र मिश्र के एक पुत्र—कामता मिश्र। उगर मिश्र के दो पुत्र—(१) कमल मिश्र, (२) फौदी मिश्र (दोनों नावल्द)। चुन्नी मिश्र के —(१) बुन्नी मिश्र, (२) चेखा मिश्र (नावल्द)। बुन्नी मिश्र के तीन पुत्र (१)

Scanned by CamScanner

मिश्र, (२) लूखर मिश्र, (३) रमपाल मिश्र। बंशी मिश्र के एक पुत्र—लोची। लोची मिश्र के तीन पुत्र—(१) रामन्दन मिश्र। (२) शिवनन्दन मिश्र, सुरेश मिश्र रामनन्दन मिश्र के एक पुत्र—गंगा मिश्र।

रोहा मिश्र—रोहा मिश्र के पाँच पुत्र—(१) नमधेय मिश्र, (२) अक्कल मिश्र, (३) ताला मिश्र, (४) लूटी मिश्र। (नावल्द) (५) कुंजबिहारी मिश्र। (नावल्द)। नकछेद मिश्र के दो पुत्र—(१) नाथू मिश्र, (२) खेलो मिश्र (नावल्द)। नाथू मिश्र के एक पुत्र रामदेव मिश्र (नावल्द)। अक्कल मिश्र के दो पुत्र—चंचल मिश्र, (२) जगदीप मिश्र। चंचल मिश्र के छः पुत्र—(१) अजबी मिश्र, (२) सूरूज मिश्र, (३) सियाराम मिश्र, (४) हरेराम मिश्र, (५) परशुराम मिश्र, (६) रामवली मिश्र। सुरूज मिश्र के दो पुत्र—नन्दलाल मिश्र, (२) रामसागर मिश्र।

जगदीप मिश्र—जगदीप मिश्र के पाँच पुत्र—(१) रामसरूप मिश्र (२) लखन मिश्र (३) रामसागर मिश्र, (४) रामप्रताप मिश्र (५) हरेराम मिश्र। लखन मिश्र के एक पुत्र—बच्चा मिश्र।

ताले मिश्र—ताले मिश्र के एक पुत्र—जगा मिश्र, जगा मिश्र में एक पुत्र जटू मिश्र जटु मिश्र के एक पुत्र—देवकी मिश्र।

तवक्कल मिश्र—तवक्कल मिश्र के एक पुत्र पीताम्बर मिश्र। पीताम्बर मिश्र के दो पुत्र—(१) चूल्हाय मिश्र, (२) मेघा मिश्र। चुल्हाय मिश्र के एक पुत्र—गन्नू मिश्र, गन्नू मिश्र के एक पुत्र निखद मिश्र, निखद के दो पुत्र—(१) अयोध्या मिश्र, (२) मखन मिश्र (नावल्द)। अयोध्या मिश्र के एक पुत्र—कमलेश्वरी मिश्र। मेघा मिश्र। के तीन पुत्र—(१) गोपी मिश्र। (२) बीरन मिश्र, (३) हार मिश्र। (थरन मिश्र। हार मिश्र नावल्द)। गोपी मिश्र के एक पुत्र दारो मिश्र। दारो मिश्र के एक पुत्र रामचन्द्र मिश्र। (नावल्द)।

दुर्विजय मिश्र—दुर्विजय मिश्र के एक पुत्र—हरलाल मिश्र हरलाल मिश्र के एक पुत्र विद्यापति मिश्र। विद्यापति मिश्र के दो पुत्र—(१) केशो मिश्र (नावल्द) (२) तुनकी मिश्र तुनकी मिश्र। के दो पुत्र—(१) नागो मिश्र। (२) बीता मिश्र। नागो मिश्र के तीन पुत्र—(१) रामचन्द्र मिश्र······।

कन्खू—कन्खु मिश्र के एक पुत्र—रेबा मिश्र, रेबा मिश्र के तीन पुत्र—(१) तुलो मिश्र, (२) चुरामन मिश्र, (३) चिनकू मिश्र (नावल्द)।

तुलाल मिश्र एक पुत्र—दीपन मिश्र, दीपन मिश्र के तीन पुत्र—(१) बोढ़न मिश्र, (२) राखे मिश्र, (३) रघुवीर मिश्र। चुरामन मिश्र के दो पुत्र—(१) रटूमिश्र, (२) गौरी मिश्र (नावल्द)। रटू मिश्र के एक पुत्र—मान्हा मिश्र,

मान्हा मिश्र के दो पुत्र—(१) रासो मिश्र, (२) जगदेव मिश्र । रासो मिश्र के पुत्र—बाँके मिश्र, बाँके मिश्र के दो पुत्र—(१) रामस्वारथ (इंजीनीयर) (२) रामवदत मिश्र । जगदेव मिश्र के चार पुत्र—(१) रामदेव मिश्र, (२) केदार मिश्र, (३) युगल मिश्र, (४) गोरे लाल मिश्र । रामदेव मिश्र के तीन पुत्र—(१) महेश मिश्र, (२) उमेश मिश्र, (३) दिनेश मिश्र ।

प्रवल मिश्र—प्रवल मिश्र के दो पुत्र—(१) उमराव मिश्र, (२) सुफल मिश्र । उमराव मिश्र के तीन पुत्र—(१) पहल मिश्र, (२) इन्द्रजीत मिश्र । (३) भिखारी मिश्र । पहल मिश्र के एक पुत्र—रामलाल मिश्र, रामलाल मिश्र के एक पुत्र ब्राजा मिश्र, (नावल्द) । इन्द्रजीत मिश्र के एक पुत्र—आन्धी मिश्र, आन्धी मिश्र के तीन पुत्र—(१) छेदी मिश्र (२) डोमन मिश्र (३) बीसा मिश्र (तीनो नाबल्द) । भिखारी मिश्र के दो पुत्र—(१) साहेव मिश्र, (२) चमरू मिश्र, साहेब मिश्र के तीन पुत्र—(१) बिहारी मिश्र, (२) रामसहाय मिश्र, (३) एकराम मिश्र । विहारी मिश्र के दो पुत्र—(१) गंगा मिश्र, (२) युगल मिश्र (दोनो नावल्द) । राम सहाय मिश्र के तीन पुत्र—(१) झारी मिश्र, (२) बटेरी मिश्र, (३) वसंत मिश्र । साहेव मिश्र के एक पुत्र—एकराम मिश्र । एकराम मिश्र के दो पुत्र—लोचन मिश्र, रामलाल मिश्र (दोनो नावल्द) । चमरू मिश्र के दो पुत्र—(१) ईश्वर मित्र, (२) खेमाजित मिश्र । ईश्बर मिश्र के एक पुत्र—कृष्णा मिश्र । कृष्णा मिश्र के दो पुत्र—(१) कामता मिश्र (२) जदु मिश्र । कामता मिश्र (नावल्द) जदु मिश्र के दो पुत्र—(१) श्याम मिश्र, (२) मोहन मिश्र । खेमाजित मिश्र के एक पुत्र—गया मिश्र । गया मिश्र के चार पुत्र—(१) नान्हा मिश्र, (२) बीजा मिश्र, (३) देबू मिश्र, (४) जालो मिश्र । बीजाँ मिश्र के एक पुत्र—सुखो मिश्र, वाकी तीनों नावल्द । सूखो मिश्र के दो पुत्र—(१) पप्पू मिश्र, (२) बच्चा मिश्र ।

सुफल मिश्र—सुफल मिश्र के दो पुत्र—(१) भुवन मिश्र, (२) फाकी मिश्र । भुवन मिश्र के दो पुत्र—(१) खोना मिश्र, बुलाकी मिश्र (नावल्द) । खोना मिश्र के एक पुत्र नेमधारी मिश्र (नावल्द) । फकीर मिश्र के तीन पुत्र—(१) भतन मिश्र, (२) टोरल मिश्र, (३) नेमलाल मिश्र । भतन मिश्र के दो पुत्र—(१) भगरू मिश्र, (२) शनिचर मिश्र (दोनो नावल्द) । टोरल मिश्र के दो पुत्र—(१) शुकु मिश्र, (२) सोनू मिश्र । सोनू मिश्र के एक पुत्र राम प्रसाद मिश्र (नावल्द) । नेमलाल मिश्र के दो पुत्र—(१) बाढ़ी मिश्र (२) भिखन मिश्र । भिखन मिश्र के दो पुत्र—(१) बुलाकी मिश्र (नावल्द), (२) हिया मिश्र । हिया मिश्र के तीन पुत्र—(१) लखन मिश्र, (२) शरण मिश्र, (३) मेथुण मिश्र । लखन मिश्र के दो पुत्र—(१) विलायती मिश्र, (२) कारू मिश्र ।

Scanned by CamScanner

गम्हरव मिश्र—गम्हरव मिश्र के पुत्र हिरामन मिश्र। हिरामन मिश्र के दो पुत्र—(१) खेला मिश्र, (२) रामफल मिश्र (दोनों नावल्द)।

आत्मा मिश्र—आत्मा मिश्र के दो पुत्र—(१) खरतर मिश्र, (नावल्द) (२) बिरबल मिश्र। बिरबल मिश्र के एक पुत्र—तिलक मिश्र (वासीन्दे चूहे चक)।

चन्दन मिश्र—चन्दन मिश्र के एक पुत्र गुलाब मिश्र, गुलाब मिश्र के दो पुत्र—लोलिध मिश्र, खूबलालू मिश्र, लोलिध मिश्र को छ पुत्र—(१) देवी मिश्र (२) रेबत मिश्र (३) दाहो मिश्र (नावल्द) (४) रूपा मिश्र (नावल्द) (५) शिवदयाल मिश्र (६) सर्वजीत मिश्र। देवी मिश्र को दो पुत्र—(१) प्रसन्न मिश्र (२) खाड़ो मिश्र प्रसन्न मिश्र को एक पुत्र कंकड़ मिश्र। कंकड़ मिश्र को चार पुत्र (१) रांमचन्द्र मिश्र (२) रामाश्रय मिश्र (३) सियाराम मिश्र (४) हरेराम मिश्र रामचन्द्र मिश्र को चार पुत्र (१) रामबालक मिश्र (२) गन्नु मिश्र (३) बच्चा (४) बच्चा। खिडो मिश्र को दो पुत्र—भूड़ल मिश्र (नावल्द), सोनू मिश्र (नावल्द)। रेवत मिश्र को दो पुत्र (१) दिरंगी मिश्र (नावल्द) (२) नाकू मिश्र (नावल्द)। शिवदयाल मिश्र को दो पुत्र (१) फेकू मिश्र (२) चमरू मिश्र (नावल्द) झिका मिश्र को दो पुत्र (१) बद्री मिश्र (नावल्द) (२) बाढ़न मिश्र (नावल्द)। सर्वजीत मिश्र को दो पुत्र (१) यरेल मिश्र (२) खरेल मिश्र (नावल्द) चरेल मिश्र को एक पुत्र गोपाली मिश्र गोपाली मिश्र को दो पुत्र (१) सियाशरण मिश्र (नावल्द) (२) श्यामनारायण मिश्र। श्यामनारायण मिश्र को एक पुत्र बाल्मीकि मिश्र। नाकू मिश्र को एक पुत्र जीवराज मिश्र (साधु) जीवराज मिश्र को एक रामबालक मिश्र (साधु) सुमलाल मिश्र को दो पुत्र (१) लालजीत मिश्र (२) गोनर मिश्र। लालजीत मिश्र को एक बहोरन मिश्र। बहोरन मिश्र को तीन पुत्र (१) बाबूराम मिश्र (नावल्द) (२) नान्हा मिश्र (नावल्द) (३) दिया मिश्र। दिया मिश्र को एक पुत्र (१) आती मिश्र गोनर मिश्र को एक पुत्र (१) पूना मिश्र। पूना मिश्र को चार पुत्र—(१) रामपाल मिश्र (२) भजगोविन्द मिश्र (३) लमर मिश्र (४) कुटाहर मिश्र—चारों भाई नावल्द।

लतरसेन मिश्र के दो पुत्र—(१) कुंजा मिश्र (२) मेहरमान मिश्र। कुंजा मिश्र के दो पुत्र—(१) हरनन्दन मिश्र (२) हुलास मिश्र वासिन्दा चेतन टोला। हरनन्दन मिश्र के तीन पुत्र—(१) झमीर मिश्र (२) गणपति मिश्र (३) धनपति मिश्र नावल्द। फकीर मिश्र के दो पुत्र—(१) कन्हैया मिश्र (२) धौला मिश्र (नावल्द)। कन्हैया मिश्र के एक पुत्र लूटन मिश्र। लूटन मिश्र के एक पुत्र बलराम मिश्र। बलराम मिश्र के एक पुत्र—शम्भू मिश्र। गणपति मिश्र को तीन पुत्र—(१) नकट

Scanned by CamScanner

मिश्र (२) सीबू मिश्र (३) जीबरा मिश्र । नकट मिश्र के एक पुत्र—बाढ़ेन मिश्र । बाढ़ेन मिश्र के चार पुत्र—(१) रामखेलावन मिश्र (पेशकार) (२) रामस्वरूप मिश्र (३) रघुनाथ मिश्र (४) यदुनाथ मिश्र ।

रामखेलावन मिश्र के चार पुत्र—श्यामकिशोर मिश्र (२) माला मिश्र (प्राध्यापक, भागलपुर) (३) शिवशंकर मिश्र (आइ० ए० एस) (४) महेश मिश्र । सीबू मिश्र के तीन पुत्र—(१) बुधन मिश्र (२) फागू मिश्र (३) झाड़ी मिश्र । बुधन मिश्र और झाड़ी मिश्र (नावल्द) ।

फागू मिश्र के एक पुत्र—बिनो मिश्र । बीनो मिश्र के एक पुत्र—ललन मिश्र ।

जोबराज मिश्र के दो पुत्र—(१) गंगा प्र० मिश्र (चेतू मिश्र) (२) रामजी मिश्र । चेतू मिश्र को एक पुत्र—जनार्दन मिश्र (नावल्द) रामजी मिश्र के तीन पुत्र—(१) नरेश मिश्र (२) राजेन्द्र मिश्र (३) जयप्रकाश । नरेश के दो पुत्र—(१) बाबू साहेब मिश्र (२) रमाशंकर मिश्र ।

मेहरमान मिश्र के तीन पुत्र—(१) लीला मिश्र (जगतपुरा गये) (२) रुबरी मिश्र (३) सबुरी मिश्र महादेव (भागलपुर) ।

लरींग मिश्र के दो पुत्र (१) भौरो मिश्र (२) केशरी मिश्र । केशरी मिश्र के एक पुत्र देवेन्द्र मिश्र । देवेन्द्र मिश्र के एक पुत्र सुखा मिश्र । सुखा मिश्र के एक पुत्र—मही मिश्र । मही मिश्र के एक पुत्र—पूना मिश्र । पूना मिश्र के तीन पुत्र—(१) गोरेलाल मिश्र (२) मदेनी मिश्र (२) गोरेलाल मिश्र तीनो नावल्द ।

Scanned by CamScanner

चौभैया टोला

गोपाल मिश्र के पाँच पुत्र, (१) लक्षन मिश्र (२) जय मिश्र (३) केशो मिश्र (४) मलुक मिश्र (५) वालगोविन्द मिश्र ।

केशो मिश्र के तीन पुत्र (१) दलजीत मिश्र (२) महादेव मिश्र (३) चन्द्रदेव मिश्र, दलजीत मिश्र के दो पुत्र. (१) लुटन मिश्र (२) विश्वनाथ मिश्र, लुटन मिश्र के दो पुत्र (१) खखर मिश्र (२) सुमध मिश्र ।

खखर मिश्र के एक पुत्र (२) दुरण मिश्र । दुरण मिश्र के दो पुत्र, (१) रन्नु मिश्र (२) मौजी मिश्र । रन्नु मिश्र के एक पुत्र बोढ़न मिश्र ।

बोढ़न मिश्र के तीन पुत्र (१) गया मिश्र (२) कमलेश्वरी मिश्र (३) रामरछी मिश्र । कमलेश्वरी मिश्र के चार पुत्र (१) रामस्वरूप मिश्र (२) रामविलास मिश्र (३) तारणी मिश्र (४) सुरेन मिश्र । रामरछी मिश्र के दो पुत्र, (१) वहादुर मिश्र (२) कपिलदेव मिश्र । रामविलास मिश्र के एक पुत्र संजय मिश्र । सुरेन मिश्र के एक पुत्र विजय मिश्र ।

सुमंध मिश्र के दो पुत्र, (१) प्रयाग मिश्र (२) रामभज्जू मिश्र । प्रयाय मिश्र के चार पुत्र (१) जित्तू मिश्र (२) द्वारिका मिश्र (३) म्योर मिश्र (४) पशुराम मिश्र । रामभज्जू मिश्र के एक पुत्र रामकिसुन मिश्र । जित्तू मिश्र के दो पुत्र (१) अयोध्या मिश्र (२) चन्द्रिका मिश्र ।

प्रशुराम मिश्र के एक पुत्र रामनिवास मिश्र । रामकिसुन मिश्र के दो पुत्र (१) अवधेश मिश्र (२) रामनरेश मिश्र । अयोध्या मिश्र के दो पुत्र (१) भोला मिश्र (२) रामानुग्रह मिश्र । अवधेश मिश्र के तीन पुत्र. (१) अशोक मिश्र (२) राम मिश्र (३) श्याम मिश्र । रामनरेश मिश्र के तीन पुत्र, (१) बाबुसाहेब मिश्र (२) रामकुमार मिश्र (३) राजू मिश्र । भोला मिश्र के दो पुत्र, (१) शिवदानी मिश्र (२) रामशोभा मिश्र ।

विश्वनाथ मिश्र के के एक पुत्र झुमन मिश्र । झुमन मिश्र के दो पुत्र (१) लाला मिश्र (२) निर्भय मिश्र । लाला मिश्र के एक पुत्र टेंगर मिश्र । टेंगर मिश्र के तीन पुत्र, (१) वंशी मिश्र (२) मंगनी मिश्र (३) दारो मिश्र । दारो मिश्र के तीन पुत्र, (१) युगल मिश्र (२) राजेन्द्र मिश्र (३) वालेश्वर मिश्र । युगल मिश्र के पाँच पुत्र, (१) रामचन्द्र मिश्र (२) अरूण मिश्र (३) हरेराम मिश्र (४) रामशंकर मिश्र (५) गौरीशंकर मिश्र । राजेन्द्र मिश्र के एक पुत्र शिवालक मिश्र । शिवालक मिश्र के दो पुत्र, (१) प्रदुमण मिश्र (२) पप्पू मिश्र ।

Scanned by CamScanner

महादेब मिश्र के दो पुत्र, (१) महावीर मिश्र (२) कुशेश्वर मिश्र। महावीर मिश्र के एक पुत्र, (१) तरुवल मिश्र। कुशेश्वर मिश्र के एक पशुपति मिश्र। तरुवल मिश्र के चार पुत्र, (१) गोना मिश्र (२) धारी मिश्र (३) बोध मिश्र (४) टेंगर मिश्र। धारी मिश्र के दो पुत्र, (१) रामशरण मिश्र (२) रामयतन मिश्र। रामयतन मिश्र के तीन पुत्र, (१) जंगली मिश्र (२) परमानन्द मिश्र (३) रमानन्द मिश्र।

मंगल मिश्र के तीन पुत्र, (१) गन्हु मिश्र (२) जेहल मिश्र (३) वेदा मिश्र। गन्हु मिश्र के एक पुत्र बीरनी मिश्र। वेदा मिश्र के एक पुत्र, रटन मिश्र। बीरनी मिश्र के तीन पुत्र, (१) मीठन मिश्र (२) मुखली मिश्र (३) जगदीश मिश्र। रटन मिश्र के एक पुत्र, तुला मिश्र। जगदीप मिश्र के चार पुत्र, (१) कोईया मिश्र (२) बीलट मिश्र (३) रामलड्डू (४) हीया मिश्र। जेहल मिश्र के एक पुत्र डोमन मिश्र। डोमन मिश्र के चार पुत्र (१) मातु मिश्र (२) झुमठु मिश्र (३) वेंगी मिश्र (४) सौखी मिश्र। सौखी मिश्र के एक पुत्र पुपन मिश्र। पुपन मिश्र के तीन पुत्र (१) जनार्दन मिश्र (२) रामेश्वर मिश्र (३) मोकाम मिश्र।

हीरा मिश्र के दो पुत्र, (१) गनु मिश्र (२) खखरू मिश्र। खखरू मिश्र के दो पुत्र, (१) नारायण मिश्र (२) खेदन मिश्र। नारामण मिश्र के दो पुत्र, (१) डमरू मिश्र (२) कन्हैया मिश्र। डमरू मिश्र के चार पुत्र, (१) लक्ष्मण मिश्र (२) हंसराज मिश्र (३) रामसहाय मिश्र (४) शिवसहाय मिश्र। हंसराज मिश्र के एक पुत्र बीजो मिश्र।

मलुक मिश्र एक पुत्र नारायण मिश्र। नारायण मिश्र के एक पुत्र योगी मिश्र। योगी मिश्र के तीन पुत्र, (१) तोता मिश्र (२) डोमन मिश्र (३) रूपसिंध मिश्र। तोता मिश्र के दो पुत्र, (१) परूक्षण मिश्र (२) पोखन मिश्र। परूक्षण मिश्र के चार पुत्र, (१) खेली मिश्र (२) राजो मिश्र (३) शिवचल मिश्र (४) नकट मिश्र। पोखन मिश्र के दो पुत्र, (१) किसुनदयाल मिश्र (२) वितू मिश्र। खेली मिश्र के एक पुत्र, मुन्नी मिश्र। मुन्सी मिश्र के दो पुत्र (१) सुन्दर मिश्र (२) रामौतार मिश्र। सुन्दर मिश्र के पाँच पुत्र, (१) सिया मिश्र (२) रामबालक मिश्र (३) रामनन्दन मिश्र (४) उदित मिश्र (५) सुरेश मिश्र। सुरेश मिश्र के एक पुत्र, राजो राजो मिश्र। राजो मिश्र के एक पुत्र बटोरन मिश्र। बटोरन मिश्र के तीन पुत्र, (१) रामदेव मिश्र (२) रामाकान्त मिश्र (३) रामशीष मिश्र। रामदेब मिश्र के दो पुत्र, (१) विद्या मिश्र (२) गलगल मिश्र।

Scanned by CamScanner

शिवचचा मिश्र के एक पुत्र सरयुग मिश्र। सरयुग मिश्र के चार पुत्र—(१) रामपदार्थ मिश्र (२) रामस्वार्थ मिश्र (३) रामगुलाम मिश्र (४) रामखेलावन मिश्र नकट मिश्र के एक पुत्र (१) रामरूप मिश्र। रामरूप मिश्र के एक पुत्र साधु मिश्र। साधु मिश्र के तीन पुत्र (१) बृजनन्दन मिश्र (२) कृष्णनन्दन मिश्र (३) शोभानन्दन मिश्र।

किशुनदयाल मिश्र के एक पुत्र (१) मट्टुक मिश्र। बित्तु मिश्र के दो पुत्र (१) किन्नु मिश्र। मट्टुक मिश्र के तीन पुत्र (१) मेदनी मिश्र (२) रामेश्वर मिश्र (३) यदुदन्दन मिश्र। यदुनन्दन मिश्र के पाँच पुत्र (१) यदेन्द्र मिश्र (२) नागेन्द्र मिश्र (३) भरोसी मिश्र (४) पकौड़ी मिश्र (४) रब्बी मिश्र।

जय मिश्र के तीन पुत्र (१) पीयार मिश्र (२) मदन मिश्र (३) टेका मिश्र पामीर मिश्र के दो पुत्र (२) कीनर मिश्र (२) सरोवर मिश्र।

कीनर मिश्र के तीन पुत्र (१) कुहल मिश्र (२) कम्वल मिश्र (३) बेधू मिश्र। कुतल मिश्र के एक पुत्र नातीव मिश्र। नातीव मिश्र के एक पुत्र हरषु मिश्र। हरतु मिश्र के दो पुत्र (१) रामप्रसाद मिश्र (२) रामशरण मिश्र।

बेधू मिश्र के तीन पुत्र (१) बुनेल मिश्र (२) ननु मिश्र (३) फकीर मिश्र। बुनेल मिश्र के तीन पुत्र (१) जाग मिश्र (२) शिवलाल मिश्र (३) नकछेद मिश्र। जाग मिश्र के दो पुत्र (१) बासुदेव मिश्र (२) सीताराम मिश्र। बासुदेव मिश्र के तीन पुत्र (१) धाना मिश्र (२) काली मिश्र (३) राघो मिश्र। नकछेद मिश्र के दो पुत्र (१) जलि मिश्र (२) द्वारिका मिश्र।

फकीर मिश्र के दो पुत्र (१) प्रदीप मिश्र (२) मितरजीत मिश्र। मीतरजीत मिश्र, के चार पुत्र (१) बालो मिश्र (२) पलकधारी मिश्र, (३) मुसाहेब मिश्र (४) हरसहाय मिश्र। पलकधारी मिश्र के एक पुत्र (१) रामस्वरूप मिश्र। हरसहाय मिश्र के एक पुत्र (१) जगदीश मिश्र।

रामस्वरूप मिश्र के छः पुत्र (१) कृष्णनन्द मिश्र (२) रामसागर मिश्र (३) रामचन्दर मिश्र (४) कपीलदेव मिश्र (५) इन्द्रदेव मिश्र (६) राजनीति मिश्र कृष्णनन्दन मिश्र के तीन पुत्र (१) सचीदानन्द मिश्र (२) लखणलाल मिश्र (३) भरत मिश्र।

सरोवर मिश्र के दो पुत्र के दो पुत्र (१) ढोलन मिश्र (२) धोबी मिश्र।

ढोलन मिश्र के एक पुत्र काशी मिश्र। धोबी मिश्र के एक पुत्र माझी मिश्र। काशी मिश्र के तीन पुत्र (१) गोगु मिश्र (२) महाबीर मिश्र (३) इश्वरी मिश्र। इश्वरी मिश्र के दो पुत्र (१) रामचन्द्र मिश्र (२) भवीन्द्र मिश्र।

Scanned by CamScanner

मांझी मिश्र के चार पुत्र (१) कमलेश्वरी मित्र (२) फुलेश्वरी मिश्र (३) (३) बिन्देश्वरी मिश्र (४) भागीरथ मिश्र। कमलेश्वरी मिश्र के एक पुत्र (१) राजेश्वर मिश्र। राजेश्वर मिश्र के दो पुत्र (१) पंकज कुमार मिश्र (२) पप्पू मिश्र। विन्देश्वरी मिश्र के तीन पुत्र (१) रामसादर मिश्र (२) रामनन्दन मिश्र (३) रामसेवक मिश्र। रामसादर मिश्र के दो पुत्र (१) गुड्डु मिश्र (२) भुलन मिश्र।

भागीरथ मिश्र के छः पुत्र (१) कुशेश्वर मिश्र (२) अशेश्वर मिश्र (३) भुनेश्वर मिश्र (४) सुरेश्वर मिश्र (५) विशेश्वर मिश्र (६) परमोद मिश्र।

गोपाल मिश्र के पाँच पुत्र (१) लक्ष्मण मिश्र (२) जय मिश्र (३) केशो मिश्र (४) मलुक मिश्र (५) बाल गोविन्द मिश्र वाल गोविन्द मिश्र के दो पुत्र (१) सुखन मिश्र (२) गेन्हरब मिश्र सुखन मिश्र के एक पुत्र (१) सुखदेव मिश्र। सुखदेव मिश्र के एक पुत्र (१) राम बिलास मिश्र। राम बिलास मिश्र के एक पुत्र (१) राम कल्याण मिश्र के एक पुत्र (१) नेमन मिश्र नेमश्र मिश्र के दो पुत्र (१) जानकी मिश्र (२) उमेद मिश्र। उमेद मिश्र के दो पुत्र (१) नन्दे मिश्र (२) विशुन देव मिश्र।

गेन्हरब मिश्र के एक पुत्र (१) गंग्य मिश्र के एक पुत्र (१) यमुना मिश्र। यमुना मिश्र के तीन पुत्र (१) हमीर मिश्र (२) पेमन मिश्र (३) टीका मिश्र। हमीर मिश्र के तीन पुत्र (१) कोकील मिश्र (२) राम गुलाम मिश्र (३) कंचन मिश्र। कंचन मिश्र के एक पुत्र (१) खाड़ो मिश्र। खाड़ो मिश्र के एक पुत्र प्रमेश्वर मिश्र। कोकील मिश्र के दो पुत्र (१) शिवसहाय मिश्र (२) देवी मिश्र शिवसहाय मिश्र के एक पुत्र (१) रीक्षन मिश्र। रीक्षन मिश्र के तीन पुत्र (१) उदित मिश्र (२) उपेन्द्र मिश्र (३) महेश मिश्र देवी मिश्र के तीन पुत्र (१) छोटन मिश्र (२) युगल मिश्र (३) वसंत मिश्र। छोटन मिश्र के एक पुत्र (१) बालो मिश्र। युगल मिश्र के एक पुत्र रामानुज मिश्र। बसंत मिश्र के दो पुत्र (१) शकर मिश्र (२) प्रमोद मिश्र। टीका मिश्र के चार पुत्र (१) बुना मिश्र (२) चतुर्भुज मिश्र (३) श्याम नारायण मिश्र (४) मनोहर दास (साधु)।

बुना मिश्र के दो पुत्र (१) जगन्नाथ मिश्र (२) गुरा मिश्र। जगन्नाथ मिश्र के एक पुत्र (१) दरोगा मिश्र। श्याम नारायण मिश्र के तीन पुत्र (१) सिंहेश्वर मिश्र (२) अम्बीका मिश्र (३) लड्डु मिश्र। सिंहेश्वर मिश्र के चार पुत्र (१) बीनो मिश्र (२) रामेश्वर मिश्र (३) रामाश्रय मिश्र (४) बिलापन मिश्र। बीनो मिश्र के दो पुत्र (१) सिकन्दर मिश्र (२) लक्ष्मी मिश्र। बिलायती मिश्र के तीन पुत्र (१) नवल मिश्र (२) बशीष्ठ मिश्र (३) संजय मिश्र। अम्बीका मिश्र के एक पुत्र (१) सेवक

Scanned by CamScanner

मिश्र। पेमन मिश्र के एक पुत्र (१) मल्हु मिश्र। मल्हु मिश्र के दो पुत्र (१) सूरूज मिश्र (२) सरयुग मिश्र।

दरप मिश्र के पुत्र दो जदु मिश्र और सकल मिश्र, सफत मिश्र के एक पुत्र पुरनन्दर मिश्र के दो पुत्र दुनिया मिश्र चैतन टोला गये दूसरा में दुखन मिश्र के एक पुत्र सरूप मिश्र के सात पुत्र (१) डीला मिश्र (२) ठाकुर मिश्र (३) उभरा मिश्र (४) झमन मिश्र (५) रामन मिश्र (६) गिरिधारी मिश्र (७) खुल्ली मिश्र, डीला मिश्र के चार पुत्र (१) रीतु मिश्र (२) शोभन मिश्र (३) मेधा मिश्र (४) घुघु मिश्र रितु मिश्र के दो पुत्र जान मिश्र और चंचल मिश्र जान राय के दो पुत्र लाली मिश्र, ख्याली मिश्र के तीन पुत्र बोढ़न मिश्र लच्छु मिश्र रामजी मिश्र रामजी के दो पुत्र देवेन्द्र मिश्र और राजनीति मिश्र देवेन्द्र मिश्र के दो पुत्र विपिन मिश्र और बच्चा मि०। चंचल मि० के तीन पुत्र–सुगा मि०, साधु वैणी मि०, साधु मुरत मि० (ना०)। शोभन मिश्र के एक पुत्र जानकी मिश्र के दो पुत्र रेवत मिश्र वोनौरंगी मिश्र (ना०)। रेवत मिश्र के दो पुत्र राम लगन और राम बालक माँफो चले गये। मेधा मिश्र के एक पुत्र बाबु राम मिश्र के एक पुत्र नकट मिश्र नावल्द घुघु मिश्र के तीन पुत्र (१) चमन मिश्र (२) नन्दु मिश्र (३) नेवाजी मिश्र चमन मिश्र के तीन पुत्र (१) राम भजन दास साधु (२) सुर्य्य नारायण मिश्र (३) भरोसीं मिश्र सुर्य्य नारायण मिश्र के दो पुत्र रामखेलावन के तनिक मिश्र नन्दु मिश्र के तीन पुत्र (१) सुखराम मिश्र (२) श्याम नारायण (३) मोदन मिश्र दो नावल्द सुखराम मिश्र के दो पुत्र वाजीत और विशो मिश्र सरूप मिश्र के दूसरा पुत्र ठाकुर मिश्र के तीन पुत्र (१) डोमन मिश्र (२) भातु मिश्र (३) गुमानी मिश्र डोमन मिश्र के तीन पुत्र (१) लोधा मिश्र (२) अथलु मिश्र (३) खोशी मिश्र लौधा मिश्र के तीन पुत्र (१) वेणी मिश्र (२) द्वारिका मिश्र (३) गया मिश्र तीनो नावल्द खोशी मिश्र के तीन पुत्र (१) नन्हलु मिश्र (२) हरखीत मिश्र (३) अर्जुन मिश्र नन्हकु मिश्र के तीन पुत्र (१) केदार मिश्र (२) सोने लाल मिश्र (३) रामाकान्त मिश्र केदार के एक पुत्र अशोक मिश्र हरखीत मिश्र के चार पुत्र (१) राम बिलास (२) राम चन्द्र मिश्र (३) चरित्र मिश्र (४) राजाराम मिश्र भातु मिश्र के दो पुत्र बोढ़न मिश्र वोखेदु मिश्र बोढ़न मिश्र के एक पुत्र लोची मिश्र लोची मिश्र के दो पुत्र हरनन्दन मिश्र, वोपलढन मिश्र। गुमानी मिश्र के दो पुत्र–धौंधु मिश्र, योगेन्द्र मिश्र। धौंधु मिश्र के तीन पुत्र (१) टुका मिश्र (२) जमुना मिश्र (३) कुंजा मिश्र (४) विशो मिश्र जमुना मिश्र के चार पुत्र (१) श्रीकान्त (२) लखन (३) राम सागर मिश्र (४) चान्दो मिश्र लखन के दो पुत्र (१) राम प्रवेश (२) रामाशीश राम। सागर के बच्चा मिश्र दो पुत्र—सरूप मिश्र के तीन तीसरा पुत्र उमराव मिश्र के सौखी बोनकट मिश्र दोनो नावल्द।

Scanned by CamScanner

सरूप मिश्र के चौथा पुत्र—झमन मिश्र के एक पुत्र—दाहु मिश्र। दाहु मिश्र के एक पुत्र—वहैरन मिश्र के दो पुत्र—सानु मिश्र विला मिश्र नावल्द। साधु मिश्र के तीन पुत्र—१. बालदेव मिश्र २. गोविन्द मिश्र ३. वनवारी मिश्र। गोविन्द मिश्र के एक पुत्र—परमानन्द। वनवारी मिश्र के दो पुत्र—चन्द्रदेव मिश्र रामानन्द मिश्र। सरूप मिश्र के ५वां पुत्र—समन मिश्र के पाँच पुत्र—१. जगन मिश्र २. कोलील मिश्र ३. चुरण मिश्र ४. वरूवा मिश्र ५. चमरू मिश्र। जगन मिश्र के एक पुत्र—छेदी मिश्र नावल्द। कोकील मिश्र के दो पुत्र—१. नेमो मिश्र २. लाल बिहारी मिश्र दोनो नावल्द। चुरण मिश्र नावल्द। मरूवशा मिश्र के दो पुत्र—धनु मिश्र वो अहलाद मिश्र। धनु मिश्र के एक पुत्र—वसन्त मिश्र के चार पुत्र—१. कपिलदेव मिश्र २. छोटेलाल मिश्र ३. रामकिशुन मिश्र ४. आत्मा मिश्र्। कपिलदेव मिश्र के एक पुत्र—अहताद मिश्र के दो पुत्र—१.कामेश्वर मिश्र २. ववुआ मिश्र। कामी मिश्र के एक पुत्र अरूण मिश्र और वच्चा मिश्र। ववुआ मिश्र के वच्चा मिश्र चमरू मिश्र के एक नुनु मिश्र के नथुनी मिश्र नावल्द।

सरूप मिश्र के छठा पुत्र—गिरिधारी मिश्र के चार पुत्र—१. वीरवल मिश्र २. छत्तर मिश्र दोनो नावल्द। ठिला मिश्र, गुरण मिश्र। टीला मिश्र के एक पुत्र—श्याम मिश्र नावल्द। गुरण के तीन पुत्र रघुवर मिश्र नावल्द। गेन्हारी मिश्र, रामपाल मिश्र, गेन्हारी मिश्र के एक पुत्र—शीआ मिश्र के एक तुत्र—सरयुग मिश्र, रामपाल के एक पुत्र—कारी मिश्र के तीन पुत्र—बच्चा वगैरह।

सरूप मिश्र के सातवां पुत्र—फुल्ली मिश्र के दो पुत्र—१. जोधन मिश्र २. नरेश मिश्र। जोधन के चार पुत्र—शुमन मिश्र, रामप्रसाद मिश्र, कमल मिश्र, गाजा मिश्र चारो नावल्द। नरेश मिश्र के पाँच पुत्र—१ जल मिश्र २. लाला मिश्र नावल्द फिरंगी मिश्र सौखी मिश्र उमेरी मिश्र दोनों नावल्द, कुंजल मिश्र के एक पुत्र—पन्ना मिश्र के दो पुत्र—महेन्द्र मिश्र और उपेन्द्र मिश्र। फिरंगी मिश्र के चार पुत्र—सियाराम मिश्र, रामखेलवान मिश्र, रामवालक मिश्र, गोरेलाल मिश्र सियाराम के दो पुत्र—राजेन्द्र मिश्र और अनमोल मिश्र रामवालक के एक पुत्र—वाल्मीकि मिश्र, कृष्णन्दन मिश्र।

लक्ष्मण मिश्र

लक्षण मिश्र के चार पुत्र—धनी मिश्र, बोधी मिश्र, हरगोविन्द मिश्र, जयनन्दन मिश्र। लक्षण मिश्र के तीसरा पुत्र—हरगोविन्द राय, हरगोविन्द मिश्र के तीन पुत्र—रांगा मिश्र, प्रसाद मिश्र, पहल मिश्र, निपनिया चले गये। रांगा मिश्र के तीन पुत्र—(१) मोहर मिश्र (२) आभा मिश्र (३) कमल मिश्र। मोहर मिश्र के दो पुत्र—(१) कारू मिश्र (२) अजीत मिश्र। कारू मिश्र के तीन पुत्र—(१)

नेमधारी मिश्र (२) जयनारायण मिश्र (३) द्वारिका मिश्र। नेमधारी (नावल्द)। जयनारायण मिश्र के दो पुत्र (१) रामकान्त मिश्र (२) वालेश्वर मिश्र। रामकान्त मिश्र के एक पुत्र—बोगन मिश्र। बोगन मिश्र के दो पुत्र—(१) मुकेश मिश्र (२) पंकज मिश्र। द्वारिका मिश्र के एक पुत्र—जंगली मिश्र। अजीत मिश्र के दो पुत्र—(१) महावीर मिश्र (२) रामदेव मिश्र। महावीर मिश्र के तीन पुत्र—(१) लखन मिश्र रामजी मिश्र (३) सुरेश मिश्र। आभा मिश्र के एक पुत्र कुंजी मिश्र के दो पुत्र—(१) लोका मिश्र (२) झाखो मिश्र। लोधा मिश्र के एक पुत्र—बैजनाथ मिश्र। बैजनाथ मिश्र के तीन पुत्र—(१) बीनो मिश्र (२) साहो मिश्र (३) हारो मिश्र के चार पुत्र—(१) घानो मिश्र (२) गरीब मिश्र (३) बिलायती मिश्र (४) लूटन मिश्र। आका मिश्र के तीन पुत्र—(१) स्नेही मिश्र (२) जमुना मिश्र (३) इसो मिश्र। इसो मिश्र के दो पुत्र—(१) भासो मिश्र (२) शंभू मिश्र। स्नेही मिश्र के दो पुत्र—(१) जागो मिश्र (२) मखन मिश्र। जागो मिश्र के एक पुत्र बुधन मिश्र। जमुना मिश्र के दो पुत्र—(१) रामबालक मिश्र (२) सागर मिश्र। रामबालक मिश्र के एक पुत्र—बिजय मिश्र। कमल मिश्र के एक पुत्र रामसहाय मिश्र। गोगू मिश्र के पुत्र—(१) रामरूप मिश्र (२) अयोध्या मिश्र। रामरूप मिश्र के पाँच पुत्र—(१) दासो मिश्र (२) तारनी मिश्र (३) ननकेसर मिश्र (४) रामनन्दन मिश्र (५) कृष्ण नन्दन मिश्र। अयोध्या मिश्र (नावल्द)।

हरगोविन्द मिश्र के तीन पुत्र—(१) रांगा मिश्र (२) प्रसाद मिश्र (३) पहल मिश्र। प्रसाद मिश्र के दो पुत्र—(१) अँगनू मिश्र (२) मेहर मिश्र। अँगनू मिश्र के दो पुत्र—(१) दुरविजय मिश्र (२) मनियार मिश्र। दुरविजय मिश्र के पाँच पुत्र—(१) दाहौर मिश्र (२) बिरनी मिश्र (३) गोनर मिश्र (४) रीपन मिश्र (नावल्द) टीसन मिश्र (नावल्द)। दाहौर मिश्र के तीन पुत्र—(१) गुरुचरण मिश्र (२) रामभज्जू मिश्र (नावल्द) (३) सिया मिश्र (नावल्द) गुरुचरन मिश्र के दो पुत्र—(१) रघुनन्दन मिश्र (२) बाके मिश्र। रघुनन्दन मिश्र के तीन पुत्र—(१) रामनन्दन मिश्र (२) रामदशरथ मिश्र (३) अशोक मिश्र। बाँके मिश्र के पाँच पुत्र—(१) उमेश मिश्र (२) अवधेश मिश्र (३) दीनेश मिश्र (४) महेश मिश्र (५) महेन्द्र मिश्र। बिरनी मिश्र के दो पुत्र—(१) मटुकी मिश्र (नावल्द) (२) रूपलाल मिश्र (नावल्द)।

Scanned by CamScanner

मनीषा वर्मा

दरप इश्र पट्टी की वंशावली

सेवक मिश्र

सरूप मिश्र वंशज के सेवक मिश्र, सेवक मिश्र के एक पुत्र उत्तीम मिश्र के दो पुत्र लेखा मिश्र और शीला मिश्र, लेखा मिश्र के तीन पुत्र—दुर्गा मिश्र, भिक्षुक मिश्र, दौलत मिश्र। दुर्गा मिश्र के एक पुत्र भीम मिश्र के दो पुत्र नाथो मिश्र, फौदारी मिश्र के दो पुत्र सुखदेव मिश्र, दानी मिश्र। सुखदेव मिश्र के पाँच पुत्र जनार्दन मिश्र, किशोरी मिश्र, रामभूषण मिश्र, चन्द्रमौली मिश्र, सीताराम मिश्र।

भिक्षुक मिश्र के एक पुत्र बोढ़न मिश्र। दौलत मिश्र के चार पुत्र—खोशी मिश्र, येतवारी मिश्र, नोखा मिश्र, पोखा मिश्र, तीन भाई। नोखा मिश्र के एक पुत्र रामदेव मिश्र के एक पुत्र राजेन्द्र मिश्र।

शीला मिश्र के चार पुत्र—डोमन मिश्र, टिपन मिश्र। दोनों गणेश मिश्र घुट्टर मिश्र। गणेश मिश्र के तीन पुत्र—कोलखी मिश्र, लालबिहारी मिश्र, मेदनी मिश्र दोनों कोलखी मिश्र के एक पुत्र जयराम मिश्र। घुट्टर मिश्र के दो पुत्र —रघुनाथ मिश्र, रामशरण मिश्र। रघुनाथ मिश्र के चार पुत्र—पुनीत मिश्र, बिनो मिश्र, जंगली मिश्र, देवकी मिश्र। हुनीत मिश्र के एक पुत्र—योगेन्द्र मिश्र के दो पुत्र —पप्पु मिश्र, पूपिल मिश्र। बिनो मिश्र के एक पुत्र—राजेश्वर मिश्र के दो पुत्र—अनिल मिश्र और सुनील मिश्र।

मंझला बिगहा

धनी मिश्र के तीन पुत्र—नन्दा मिश्र, बालकिसुन मिश्र, मनोरथ मिश्र। नन्दा मिश्र के छः पुत्र—आशा मिश्र, चुआ मिश्र, भूपत मिश्र, कुम्भा मिश्र, कदम मिश्र, पहलवान मिश्र, आशा मिश्र के तीन पुत्र—ठाकुर मिश्र, सोभराज मिश्र, बन्धु मिश्र टेकनपुरा चले गये। भूपति मिश्र के तीन पुत्र—भुवन मिश्र, अमर मिश्र, रुकभंजन मिश्र, भुवन मिश्र, के एक पुत्र भरोसा मिश्र के पाँच पुत्र—खियाली मिश्र, लालो मिश्र, वैद्यनाथ मिश्र, शिवू मिश्र, सीताराम मिश्र, शिवू मिश्र के एक पुत्र बोढ़न मिश्र, रुकभंजन मिश्र के दो पुत्र—जुआ मिश्र, सुदी मिश्र, जुआ मिश्र के चार पुत्र—चंचल मिश्र, मेहरवाल मिश्र, हरदयाल मिश्र, मेदिनी मिश्र, के तीन पुत्र—दुर्गा मिश्र, रामेश्वर मिश्र, किशोरी मिश्र। दुर्गा मिश्र के एक पुत्र—कृष्णनन्दन मिश्र के एक पुत्र—राकेश मिश्र।

Scanned by CamScanner

सुदी मिश्र के दो पुत्र—धीनु मिश्र. रामसहाय मिश्र। धीनु मिश्र के दो पुत्र—बनवारी मिश्र, रामगुलाम मिश्र। बनबारी मिश्र के चार पुत्र—सिया मिश्र, रामस्वरूप मिश्र, रामोतार मिश्र, कामो मिश्र। सिया मिश्र के दो पुत्र—रामाकान्त मिश्र, रामबिलास मिश्र तीन भाई। आशा मिश्र के पहला पुत्र—ठाकुर मिश्र के दो पुत्र—कन्हैया मिश्र, प्रयाग मिश्र। कन्हैया मिश्र के दो पुत्र—रामलाल मिश्र, भेखधारी मिश्र, रामलाल मिश्र के तीन पुत्र—रघुनाथ मिश्र, फौदारी मिश्र, बद्री मिश्र। रघुनाथ मिश्र के एक पुत्र—मिर्शा मिश्र के दो पुत्र—नरेश मिश्र, मुन्द्रिका नदेश मिश्र के एक पुत्र—मोहम मिश्र, मुन्द्रिका मिश्र के एक पुत्र राजीव मिश्र। फौदारी मिश्र के एक पुत्र—जमेदार मिश्र। बद्री मिश्र के दो पुत्र—सुखदेव मिश्र, परशुराम मिश्र। षरशुराम मिश्र के एक पुत्र—रामशंकर मिश्र। भेखधारी मिश्र के तीन पुत्र—सौखी मिश्र, वासुदेव मिश्र, जगदीप मिश्र। सौखी मिश्र के एक पुत्र—निरुघ मिश्र के एक पुत्र—राजेन्द्र मिश्र के दो पुत्र—अमधीर मिश्र, बच्चा मिश्र। बासुदेव मिश्र के दो पुत्र—हरिहर मिश्र, कामो मिश्र। हरिहर मिश्र के दो पुत्र—रामाशीष मिश्र. साधुशरण मिश्र, रामाशीष मिश्र के दो पुत्र—सुनील मिश्र, संजीत मिश्र, जगदीप मिश्र, आशा मिश्र के पुत्र सोमराव मिश्र के चार पुत्र—गणराज मिश्र, धोबी मिश्र, खेमन मिश्र, नेहरू मिश्र। गजराज मिश्र के दो पुत्र—पोखा मिश्र के दो पुत्र—बिन्देश्वरी मिश्र, गुलचपण मिश्र। धोबी मिश्र के दो पुत्र—बोढ़न मिश्र दोनों भाई। खेनन मिश्र के पाँच पुत्र—खोशी मिश्र, कोमल मिश्र, छठु मिश्र, रामू मिश्र, द्वारिका मिश्र तीन भाई। खोशी मिश्र के दो पुत्र—रामरूप मिश्र, सिनेही मिश्र, रामरूप मिश्र के दो पुत्र—रामकृपा मिश्र और बाल्मीकी मिश्र के दो पुत्र—अशोक मिश्र, शंकर मिश्र। सिनेही मिश्र के सात पुत्र—रामचरित्र मिश्र, सहदेव मिश्र, ब्रह्मदेव मिश्र, रामजी मिश्र, हरेराम मिश्र, राजाराम मिश्र, सियाराम मिश्र, रामचरित मिश्र के पाँच पुत्र—रामानुज मिश्र, राजनीति मिश्र, रविन्द्र मिश्र, गोपाल मिश्र, भूपाल मिश्र। छठु मिश्र के दो पुत्र—जंगली मिश्र के दो पुत्र...रामाश्रय मिश्र, पामचन्द्र मिश्र। रामाश्रय मिश्र के दो पुत्र—उपेन्द्र मिश्र, सुधीर मिश्र, रामचन्द्र मिश्र के दो पुत्र—सुबोध मिश्र, प्रमोद मिश्र।

कदम मिश्र के दो पुत्र—टीकम मिश्र, शिवमंगल मिश्र के दो पुत्र—एतवारी मिश्र, पोखन मिश्र शिवमंगल मिश्र के तीन पुत्र—गुरसहाय मिश्र गाँगो मिश्र, हरिहर मिश्र। पहलवान मिश्र के एक पुत्र—खेसारी मिश्र के तीन पुत्र—महाबीर मिश्र, हँसराज मिश्र, इसरी मिश्र धनी बाबा के वंशज—नन्दा मिश्र, बालकिसुन मिश्र, मनोरथ मिश्र बालकिशुन मिश्र के छः पुत्र—झन्डू मिश्र, थामू मिश्र, तिलक, प्रयाग मिश्र, खेतन मिश्र, उगर मिश्र, झन्डू मिश्र के दो पुत्र—भूखन मिश्र, लीलो। भूखन मिश्र के एक पुत्र—निर्वान मिश्र के दो पुत्र—बेचन मिश्र, बोढ़द मिश्र के

Scanned by CamScanner

तीन पुत्र—जानकी मिश्र, श्रीदेव मिश्र, विष्णुदेव मिश्र। जानकी मिश्र के दो पुत्र—सुखदेव मिश्र, त्रिपीत मिश्र। सुखदेव मिश्र के तीन पुत्र—राजेश्वर मिश्र, रवि मिश्र, राम मिश्र बसीन्दे मनिचप्पा, श्रीदेव मिश्र के एक पुत्र—बटोरन मिश्र के दो पुत्र—विजय मिश्र, संजय मिश्र, विष्णुदेव मिश्र के तीन पुत्र—सागर मिश्र, नवल मिश्र, जनार्दन मिश्र। सागर मिश्र के दो पुत्र—नागेश्वर मिश्र, भोली मिश्र, थामू मिश्र के दो पुत्र—शिवसहाय मिश्र, तुला मिश्र, शिवसहाय मिश्र के एक पुत्र—कारी मिश्र के चार पुत्र—शुक्कर मिश्र, निखध मिश्र, गैनोरी मिश्र, गेन्हारी मिश्र। गेनौरी मिश्र के छः पुत्र—रामचरित्र मिश्र, शत्रुधन मिश्र, रबिन्द्र मिश्र, अरबिन्द मिश्र, सीताराम मिश्र, सुधीर मिश्र। तुला मिश्र के एक पुत्र खरतर मिश्र के तीन पुत्र—अम्बीका मिश्र, दासो मिश्र, रामलखन मिश्र। तिलक मिश्र के तीन पुत्र—शंकर मिश्र, मितर मिश्र, जितन मिश्र, मितर मिश्र के एक पुत्र—घुट्टर मिश्र के एक पुत्र—दारोगा मिश्र, जीतन मिश्र के सात पुत्र—टुक्कर मिश्र, गन्नू मिश्र, पत्तन्न मिश्र, दुल्ली मिश्र, दल्लू मिश्र, टेका मिश्र, भूषण मिश्र, टुकर मिश्र के एक पुत्र—रासबिहारी मिश्र के चार पुत्र—रामेश्वर मिश्र, रामनन्दन मिश्र, रामजी मिश्र, श्रीकृष्णनन्दन मिश्र, रामेश्वर मिश्र के दो पुत्र—सुरेश मिश्र, नरेश मिश्र, रामनन्दन मिश्र के एक पुत्र—केदार मिश्र, रामजी मिश्र के तीन पुत्र—पूना मिश्र, रामप्रताप मिश्र, जंगली मिश्र, दुल्ली मिश्र के एक पुत्र—नाकू मिश्र, दल्लू मिश्र के एक पुत्र—रूपलाल मिश्र। टेका मिश्र के एक पुत्र सूबी मिश्र। भूषण मिश्र के तीन पुत्र—रोहा मिश्र, कैलू मिश्र, लोकी मिश्र, रोहा मिश्र के दो पुत्र—छितनी मिश्र, केशो मिश्र, कैलू मिश्र के तीन पुत्र—बुधन मिश्र, लखन मिश्र, कामो मिश्र, बुधन मिश्र के तीन पुत्र—चन्द्रिका मिश्र, रामबालक मिश्र, अनील मिश्र, चन्द्रिका मिश्र के दो पुत्र—बिजय मिश्र, हीरा मिश्र, प्राण मिश्र के एक पुत्र—नारायण मिश्र के एक पुत्र—खुसरू मिश्र के तीन पुत्र—रघुबीर मिश्र, भगरू मिश्र, शनिच्चर मिश्र, भगरू मिश्र के तीन पुत्र—अयोध्या मिश्र के एक पुत्र—बटोरन मिश्र, बाँके मिश्र के एक पुत्र—सागर मिश्र के एक पुत्र—मिथिलेश मिश्र, मुखी मिश्र के चार पुत्र—श्रीकान्त मिश्र, मदन मिश्र, रणजीत मिश्र, मंटू मिश्र, शनिच्चर मिश्र के तीन पुत्र—हरिहर, भासो मिश्र, गोविन्द मिश्र, हरिहर मिश्र के एक पुत्र—राजेन्द्र मिश्र, भासो मिश्र के दो पुत्र—सादो मिश्र, बच्चा मिश्र बसीन्दे कैथमा, खेतान मिश्र के दो पुत्र—गुही मिश्र, गिरधारी मिश्र के दो पुत्र—शिबू मिश्र, पाँचू मिश्र के चार पुत्र—बाबूलाल मिश्र, रामरूप मिश्र, नोखी मिश्र, बैंगन मिश्र, उग्गर मिश्र के एक पुत्र—डीम्भा मिश्र के एक पुत्र—सेवक मिश्र के एक पुत्र—नन्दधारी मिश्र के एक पुत्र—इसरी मिश्र।

धनीबाबा के तीसरा पुत्र—मनोरथ बाबा के दो पुत्र—गिरबल मिश्र, तुलसी मिश्र। गिरबल मिश्र के तीन पुत्र—भेखा मिश्र, मोहर मिश्र, रोहन मिश्र, मोहर मिश्र के दो पुत्र—खीरु मिश्र, पूच्छी मिश्र, खीरु मिश्र के एक पुत्र—जीवन मिश्र के एक पुत्र—बिनो मिश्र के एक पुत्र—सुरेश मिश्र, पूच्छी मिश्र के एक पुत्र—गुदरी मिश्र के दो पुत्र—नुनुलाल मिश्र, सातो मिश्र, नुनुलाल मिश्र के दो पुत्र—नागेश्वर मिश्र, लुटन मिश्र, सातो मिश्र के तीन पुत्र—कृष्णनन्दन मिश्र, अरुण मिश्र, टुन्नु मिश्र, रोहन मिश्र के एक पुत्र—भीखन मिश्र के तीन पुत्र—नन्नु मिश्र, डेगलाल मिश्र, कल्लर मिश्र, नन्नू मिश्र के दो पुत्र—बिन्हु मिश्र, डमरु मिश्र, डेगलाल मिश्र के दो पुत्र—बौधू मिश्र, मैंदालाल मिश्र, बौधू मिश्र के दो पुत्र—रामरक्षा मिश्र, रामदेव मिश्र, रामरक्ष्या मिश्र के तीन पुत्र—बसंत मिश्र, विलायती मिश्र, तारणी मिश्र, बसंत मिश्र के चार पुत्र—अनील मिश्र, सुनील मिश्र, मनोज मिश्र, सुधीर मिश्र, मैंदलाल मिश्र के चार पुत्र—परमेश्वरी मिश्र, रामखेलावन मिश्र, अमीर मिश्र, रामनन्दन मिश्र, परमेश्वर मिश्र के एक पुत्र—लूखर मिश्र, रामनन्दन मिश्र के दो पुत्र—शंकर मिश्र, वशिष्ठ मिश्र, कल्लर मिश्र के एक पुत्र बृजवंशी मिश्र। रामदेव मिश्र के दो पुत्र—उमेश मिश्र, दिनेश मिश्र।

गोनर मिश्र के एक पुत्र नेमधारी मिश्र (नावल्द)।

मनियार मिश्र के तीन पुत्र (१) बोढ़न मिश्र (२) आनन्दी मिश्र (नावल्द) (३) रामशरण मिश्र। रामशरण मिश्र के चार पुत्र (१) महावीर मिश्र (२) जमुना मिश्र (नावल्द) (३) बिन्देश्वरी मिश्र (नावल्द) (४) मुल्लक मिश्र (नावल्द), महावीर मिश्र के तीन पुत्र (१) सरगुन मिश्र (२) अर्जुन मिश्र (३) अरबिन्द मिश्र। सरगुन मिश्र के एक पुत्र पप्पू मिश्र। अर्जुन मिश्र के दो पुत्र (१) अभिराम मिश्र (२) श्याम मिश्र। मेहर मिश्र के पाँच पुत्र (१) ठाकुर मिश्र (२) पूना मिश्र (नावल्द) (३) रामदयाल मिश्र (नावल्द) (४) मंगरू मिश्र (नावल्द) (५) क़ोढ़ाई मिश्र (नावल्द)। ठाकुर मिश्र के तीन पुत्र (१) पलट मिश्र (२) सोमर मिश्र (नावल्द) (३) बालदेव मिश्र (नावल्द)। पलट मिश्र के तीन पुत्र (१) निखद मिश्र (२) भूवनेश्वर मिश्र (३) कमलेश्वरी मिश्र। निखद मिश्र को एक पुत्र नागेश्वर मिश्र, भुवनेश्वर मिश्र को दो पुत्र (१) रामनरेश मिश्र (२) सुरेश मिश्र। कमलेश्वरी मिश्र को दो पुत्र (१) अजय मिश्र (२) विजय मिश्र।

लक्षण मिश्र के चार पुत्र (१) धनी मिश्र (२) बोधी मिश्र (३) हरगोबिन्द (४) जयनन्दन मिश्र। जयनन्दन मिश्र के एक पुत्र चतुर मिश्र। चतुर मिश्र के एक पुत्र दुरविजय मिश्र। दुरविजय मिश्र के एक पुत्र नेमन मिश्र। नेमन मिश्र के एक पुत्र अकलू मिश्र। अकलू मिश्र के एक पुत्र सरयुग मिश्र। सरयुग मिश्र को दो पुत्र

Scanned by CamScanner

(१) लखन मिश्र (२) रामचन्द्र मिश्र । लखन मिश्र के दो पुत्र (१) मदारी मिश्र (२) धनपति मिश्र ।

वीर मिश्र के पाँच पुत्र

(१) नीलकंठ मिश्र (२) नरसिंह मिश्र (३) कृतसिंह मिश्र (४) मनन सिंह मिश्र (५) शिवदत्त मिश्र । नीलकंठ मिश्र वाशिन्दे डीह बरैपुरा, वीरपुर, सिकरौला चले गये और वहीं बसे । (३) कृतसिंह मिश्र के एक पुत्र वसन मिश्र । वसन मिश्र के एक पुत्र दरप मिश्र । दरप मिश्र के दो पुत्र जदु मिश्र और सकत मिश्र । जदु मिश्र के दो पुत्र रामजी मिश्र और गोपाल मिश्र । गोपाल मिश्र के पाँच पुत्र (१) लक्ष्मण मिश्र (२) जयराम मिश्र (३) केशोराय मिश्र (४) मलुक मिश्र (५) बालगोविन्द मिश्र । अब लक्ष्मण मिश्र के चार पुत्र (१) धनी मिश्र (२) बोधी मिश्र (३) हरगोविन्द मिश्र (४) जयनन्दन मिश्र । अब बोधी मिश्र के तीन पुत्र (१) उदीत मिश्र (२) होरील मिश्र (३) मोहन मिश्र । अब उदीत मिश्र के चार पुत्र (१) रूद्र मिश्र (२) जीवराज मिश्र (३) उदयराज मिश्र (४) सबुर मिश्र नावल्द । अब रूद्र मिश्र के तीन पुत्र (१) कुलदीप मिश्र (२) भत्तन मिश्र (३) हजारी मिश्र । अब भत्तन मिश्र के एक पुत्र जगरनाथ मिश्र । अब जगरनाथ मिश्र के दो पुत्र (१) रामलोचन मिश्र (२) जानकी प्रसाद मिश्र । अब रामलोचन मिश्र के तीन पुत्र (१) छठु मिश्र (२) गीता मिश्र, दोनों नावल्द । अब बैजू मिश्र के दो पुत्र (१) जगदीश मिश्र (पागल) (२) अशोक मिश्र के पुत्र नागमनी मिश्र । जानकी प्रसाद मिश्र के दो पुत्र (१) रामतीर प्र० मिश्र उर्फ बच्चा मिश्र के एक पुत्र उमाशंकर मिश्र । रामस्वारथ मिश्र उर्फ बचकुन के दो पुत्र राजकुमार मिश्र और विजय कुमार मिश्र । रूदर मिश्र के पुत्र दुसरा कुलदीप मिश्र । कुलदीप मिश्र के दो पुत्र छतरधारी मिश्र और हरिप्रसाद मिश्र । छतरधारी मिश्र के दो पुत्र राम जीवन मिश्र और बलराम मिश्र । रामजीवन मिश्र के तीन पुत्र कारू मिश्र, मथुरा मिश्र, सिधेशर मिश्र । कारू मिश्र के दो पुत्र सियाराम मिश्र, रामकान्त मिश्र । मथुरा मिश्र के दो पुत्र रामरतन मिश्र, कृष्ण मोहन मिश्र । सिधेसर मिश्र के पाँच पुत्र—जयप्रकाश मिश्र, नेपाली मिश्र, रायबहादुर मिश्र, अमीन कुमार मिश्र, शिवदानी मिश्र । कुलदीप मिश्र के दुसरा पुत्र हरिप्रसाद मिश्र के दो पुत्र किसुनदेव मिश्र, रामचन्द्र मिश्र । किसुनदेव मिश्र के एक पुत्र रामनन्दी मिश्र नावल्द । रामचन्द्र मिश्र के दो पुत्र (१) अर्जुन मिश्र, (२) रामजतन मिश्र । अर्जुन मिश्र के एक पुत्र संजय मिश्र । रूदर मिश्र के तीसरा पुत्र हजारी मिश्र । हजारी मिश्र के तीन पुत्र श्याम नारायण मिश्र, महावीर मिश्र, प्रसुराम मिश्र नावल्द । श्याम नारायण मिश्र के एक पुत्र रामजी मिश्र । रामजी मिश्र के एक पुत्र—प्रह्लाद मिश्र ।

Scanned by CamScanner

प्रह्लाद मिश्र के चार पुत्र (१) सुरेश मिश्र (२) शंकर मिश्र (३) राजो मिश्र, (४) अरबिन्द मिश्र। हजारी मिश्र के दुसरा पुत्र महावीर प्रसाद मिश्र। महावीर प्रसाद के एक पुत्र—जमुना प्रसाद मिश्र। जमुना प्रसाद मिश्र के एक पुत्र गंगा प्रसाद मिश्र। गंगा प्रसाद मिश्र के दो पुत्र—त्रिवेणी मिश्र और सुकर मिश्र। त्रिवेणी मिश्र के तीन पुत्र—उमेश मिश्र, महेश मिश्र, गणेश मिश्र।

जीवराज के दो पुत्र—सुदी मिश्र और नेहाल मिश्र।

सुदी मिश्र के तीन पुत्र—एकराम मिश्र, कलर मिश्र, भिमसेन मिश्र। एकराम मिश्र के दो पुत्र—हितनारायण मिश्र और मोदनारायण मिश्र। हितनारायण मिश्र के दो पुत्र—धनुषधारी मिश्र और अमिका मिश्र। धनुकधारी मिश्र के दो पुत्र—मंगल मिश्र और बुधन मिश्र। मंगल मिश्र के दो पुत्र—महेश मिश्र और उमेशा मिश्र। बुधन मिश्र के दो पुत्र शशी भूषन मिश्र और चन्द्रभूषन मिश्र। अम्बिक मिश्र के तीन पुत्र सोमर मिश्र, जुगल मिश्र, भूनेशर मिश्र। सोमर मिश्र के दो पुत्र—वशिष्ठ नारायण मिश्र, संजय मिश्र। भूनेशर मिश्र के एक पुत्र जिसका नाम पप्पू मिश्र। मोदनारायण मिश्र के तीन पुत्र प्रदीप मिश्र, तुफानी मिश्र, रामजी मिश्र। प्रदीप मिश्र के एक पुत्र रामकिसुन मिश्र। रामकिसुन मिश्र के एक कपीलदेव मिश्र। रामजी मिश्र के एक पुत्र मुक्ती मिश्र। मुक्ती मिश्र के दो पुत्र शिवकुमार मिश्र और उमाकान्त मिश्र। कसर मिश्र के एक पुत्र डेगनारायण मिश्र। डेग नारायण मिश्र के एक पुत्र बांकेबिहारी मिश्र। भीमसेन मिश्र के एक पुत्र रामौतार मिश्र नावल्द। नेहाल मिश्र के दो पुत्र—हरखू मिश्र, नेवाजी मिश्र। हरखू मिश्र के एक पुत्र—पोखा मिश्र के पाँच पुत्र (१) गोरे लाल मिश्र (२) जमुना मिश्र (३) केशो मिश्र (४) बालमीकी मिश्र (५) शितल मिश्र। जमुना मिश्र के एक पुत्र राम सागर मिश्र। बालमीकि मिश्र के एक पुत्र अनिरूद्ध मिश्र। शीतल मिश्र के एक पुत्र विसुनदेव मिश्र। नेहाल मिश्र के दुसरा पुत्र नेवाजी मिश्र के तीन पुत्र—शिवनन्दन मिश्र, राघो मिश्र, केदार मिश्र। शिवनन्दन मिश्र के दो पुत्र जंगली मिश्र, रामबहादुर मिश्र। राम बहादुर मिश्र के चार पुत्र—नरेश मिश्र, सुरेश मिश्र, दिनेश मिश्र, उमेश मिश्र। राघो मिश्र के दो पुत्र—कुदर मिश्र, कमलेशरी मिश्र। कमलेशरी मिश्र के एक पुत्र—रामनारायण मिश्र।

उदय मिश्र के एक पुत्र तालेवर मिश्र—तालेवर मिश्र के एक पुत्र रघुवंशी मिश्र, रघुवंशी मिश्र के एक पुत्र जगदीश मिश्र—जगदीश मिश्र के दो पुत्र सुर्य्य-नारायण मिश्र उर्फ मनी मिश्र, मनी मिश्र के एक पुत्र सुन्दर प्रसाद मिश्र के दो पुत्र नागेन्द्र प्रसाद मिश्र, मीथिलेश प्रसाद मिश्र—सरयुग मिश्र के एक पुत्र कृष्णनन्दन मिश्र—कृष्णनन्दन मिश्र के तीन पुत्र हरिकान्त मिश्र, शिवजी मिश्र, राधेश्याम मिश्र।

Scanned by CamScanner

मोहन मिश्र के पाँच पुत्र—(१) उमराऊ मिश्र, (२) हनुमान मिश्र, (३) रघुवीर मिश्र, (४) महेश मिश्र, (५) झमन मिश्र—उमराऊ मिश्र के छः पुत्र राधे मिश्र, महादेव मिश्र, शिवदयाल मिश्र, चमरू मिश्र, भिछूक मिश्र, मैदा मिश्र, राधे मिश्र के दो पुत्र मुसाहेब मिश्र, ललीत मिश्र—मुसाहेब मिश्र के सुन्दर मिश्र—ललीत मिश्र के तीन पुत्र रामप्रताप मिश्र, शियाशरण मिश्र, गौरी शंकर मिश्र, रामप्रताप मिश्र के तीन पुत्र साधुसरण मिश्र, शंतु मिश्र, नाथो मिश्र, साधुसरण मिश्र के दो पुत्र कपीलदेव मिश्र, तनीक मिश्र। कपीलदेव मिश्र के तीन पुत्र बिजय मिश्र, विपीन मिश्र, अजय मिश्र, तनीक मिश्र के एक पुत्र गणेश मिश्र—

शंतु मिश्र के दो पुत्र मुन्ना मिश्र, बोधु मिश्र, शियासरन मिश्र के तीन पुत्र—गोवरधन मिश्र, कामेश्वर मिश्र, परमात्मा मिश्र—

गोवरधन मिश्र के दो पुत्र शंकर शुवन मिश्र, सुखसागर मिश्र—परमात्मा मिश्र के ४ पुत्र—राजकुमार मिश्र, शिवकुमार मिश्र, महेश कुमार मिश्र, चन्दन कुमार मिश्र।

(२) महादेव मिश्र के एक पुत्र फेकन मिश्र के दो पुत्र हुकुम मिश्र, सिद्धेश्वर मिश्र नावल्द।

(३) शिवदयाल मिश्र के दो पुत्र रामसहाय मिश्र वो रामलाल मिश्र। रामसहाय मिश्र के एक पुत्र मटुकी मिश्र नावल्द और रामलाल मिश्र के दो पुत्र एकनाथ मिश्र और जगदीश मिश्र। एकनाथ मिश्र के दो पुत्र विनो मिश्र और राजेन्द्र मिश्र के एक पुत्र उदय मित्र। जगदीप मिश्र के दो पुत्र—रघुनन्दन मिश्र और रामबालक मिश्र।

(४) चमरू मिश्र के पुत्र गंगा प्रसाद और खीजन सिंह। गंगा प्रसाद के एक पुत्र जुलुम सिंह और जुलुम सिंह के भतु सिंह नावल्द। खीजन सिंह के एक पुत्र जालीम सिंह के एक पुत्र रामेश्वर सिंह नावल्द।

(५) भिच्छुक मिश्र के दो पुत्र जानकी मिश्र, परमेश्वर मिश्र। जानकी मिश्र के दो पुत्र बैधनाथ मिश्र के रामकृष्ण मिश्र नावल्द। परमेश्वर मिश्र के एक पुत्र सुर्यवंशी मिश्र नावल्द।

(६) मेघा मिश्र के दो पुत्र मेहताब मिश्र वो बबुआ मिश्र नावल्द।

(७) मोहन मिश्र के दूसरा पुत्र हनुमान मिश्र के चार पुत्र, (१) कतुहल मिश्र, (२) बुधन मिश्र, (३) फकिर मिश्र, लुटन मिश्र। कुतुहल मिश्र के एक पुत्र नन्दलाल मिश्र के एक पुत्र हीरा मिश्र के एक पुत्र अमीका मिश्र के पुत्र कार्यानन्द मिश्र।

Scanned by CamScanner

बुधन मिश्र के फकीर मिश्र नावल्द, लुटन मिश्र के एक पुत्र लोकी मिश्र के दो पुत्र सोमर मिश्र के अमीर मिश्र। सोमर मिश्र के एक पुत्र मथुरा मिश्र के दो पुत्र लखन मिश्र, श्रीराम मिश्र। लखन मिश्र के दो पुत्र रामनाथ मिश्र वो प्रवीण मिश्र।

अमीर मिश्र के एक पुत्र कारू मिश्र के एक पुत्र गोकर्ण मिश्र।

(३) मोहन मिश्र के तीसरा पुत्र रघुबीर मिश्र के दो पुत्र जोधारी मिश्र और फकीर मिश्र. जोधारी मिश्र के एक पुत्र कैली मिश्र नावल्द। फकीर मिश्र के एक पुत्र रामगुलाम मिश्र नावल्द।

(४) मोहन मिश्र के चौथा पुत्र महेश मिश्र के एक पुत्र रट्टू मिश्र के चार पुत्र (१) बुधन मिश्र, (२) बोतल मिश्र, (३) तिलक मिश्र, (४) जीवलाल मिश्र।

बुधन मिश्र के एक पुत्र ब्रह्मा मिश्र के दो पुत्र सरयुग मिश्र वो संन्यासी मिश्र नावल्द।

बोतल मिश्र के एक पुत्र वासुदेव पंडित नावल्द।

तिलक मिश्र के एक पुत्र बच्चु मिश्र नावल्द।

जीवलाल मिश्र के एक पुत्र रामसनेही मिश्र नावल्द।

(५) मोहन मिश्र के पाँचवाँ पुत्र क्षमन मिश्र के दो पुत्र केदली मिश्र और नुनु मिश्र।

केदली मिश्र के तीन पुत्र (१) रामनाथ मिश्र, (२) धुधुली मिश्र, (३) लालजी मिश्र।

रामनाथ मिश्र के दो पुत्र जालु मिश्र वो जुलुम मिश्र।

जालु मिश्र के एक पुत्र देवकी मिश्र के एक पुत्र उदीत मिश्र के तीन पुत्र, (१) सुनील मिश्र, (२) विजय मिश्र, (३) राजकुमार मिश्र।

जुलुम मिश्र के एक पुत्र सरयुग मिश्र के दो पुत्र राजेन्द्र मिश्र वो शिवसागर मिश्र।

राजेन्द्र मिश्र के दो पुत्र नवल मिश्र और विपीन मिश्र।

शिवसागर मिश्र के एक पुत्र पवन मिश्र।

धुधली मिश्र नावल्द।

लालजी मिश्र के एक पुत्र गया मिश्र के जंगली मिश्र के दो पुत्र शनीचर मिश्र वो शिवौतार मिश्र।

रवीन्द्र मिश्र के तीन पुत्र महेश मिश्र, गणेश मिश्र, दिनेश मिश्र।

शिवौतार मिश्र के तीन पुत्र मुन्ना मिश्र, सुधीर मिश्र, मुकेश मिश्र।

नुनु मिश्र के एक पुत्र छेदी मिश्र नावल्द।

Scanned by CamScanner

शिवदत्त मिश्र

शिवदत्त मिश्र के तीन पुत्र, (१) नरोत्तम मिश्र, (२) पुरुषोत्तम मिश्र, (३) मुकुन्द मिश्र। मुकुन्द मिश्र नावल्द नरोत्तम मिश्र के एक पुत्र लोकि मिश्र। लोकी मिश्र के एक पुत्र गुरुदयाल मिश्र। गुरुदयाल मिश्र के तीन पुत्र (१) रुपदेव मिश्र, (२) नन्दा मिश्र, (३) लोची मिश्र। रुपदेव मिश्र के दो पुत्र (१) मानिक मिश्र (२) घोघन मिश्र, घोघन मिश्र चेतन टोला चले गए।

मानिक मिश्र के छः पुत्र, (१) भूप मिश्र, (२) विक्रम मिश्र, (३) फकीर मिश्र, (४) केवल मिश्र, (५) खरतर मिश्र, (६) रवीत्रामत मिश्र। भूप मिश्र के पाँच पुत्र, (१) जीवराज मिश्र, (२) कलर मिश्र, (३) गुरुवकत मिश्र (४) उमराऊ मिश्र, (५) लेखा मिश्र। जीवराज मिश्र के तीन पुत्र, (१) लालजीत मिश्र, (२) खुभी मिश्र, (३) दौलत मिश्र। लालजीत मिश्र के दो पुत्र, (१) कुजा मिश्र, (२) वंशी मिश्र नावल्द। कुजा मिश्र के दो पुत्र, (१) बद्री मिश्र, (२) किशुनदेव मिश्र नावल्द। खुशी मिश्र के दो पुत्र, (१) एतवारी मिश्र, (२) मुसहर मिश्र।

एतवारी मिश्र के एक पुत्र, किशोरी मिश्र। किशोरी मिश्र के एक पुत्र, भोला मिश्र। मुसहर मिश्र के एक पुत्र, रासो मिश्र। भोला मिश्र के चार पुत्र, (१) नेमधारी मिश्र नावल्द, (२) बोतल मिश्र नावल्द, (३) हितु मिश्र, (४) लाल मिश्र नावल्द। हितु मिश्र के तीन पुत्र, (१) अमीका मिश्र नावल्द, (२) जुगल मिश्र, (३) विशु मिश्र। जुगल मिश्र के तीन पुत्र, (१) अरविन्द मिश्र, (२) बच्चा मिश्र, (३) बच्चा नावल्द।

कलर मिश्र के पाँच पुत्र, (१) दौलत मिश्र, (२) बिहारी मिश्र, (३) निलमत मिश्र, (४) सोमराज मिश्र, (५) डाला मिश्र नावल्द।

दौलत मिश्र के चार पुत्र, (१) खुभी मिश्र, (२) भीम मिश्र, (३) खलकधारी मिश्र नावल्द, (४) चंचल मिश्र नावल्द।

खुभी मिश्र के तीन पुत्र, (१) फागु मिश्र, (२) रामप्रसाद मिश्र नावल्द, रामखेलावन मिश्र नावल्द। फागु मिश्र के पाँच पुत्र, (१) चन्द्रिका मिश्र नावल्द, (२) ब्रह्मदेव मिश्र, (३) लखन मिश्र, (४) मुना मिश्र, (५) वहादुर मिश्र।

बहादुर मिश्र के पाँच पुत्र, (१) शंकर मिश्र, (२) विपीन मिश्र, (३) कृष्णमोहन मिश्री, (४) बच्चा, (५) बच्चा।

भीम मिश्र के तीन पुत्र (१) बाके मिश्र, (२) सियाशरण मिश्र, (३) मिश्री मिश्र, बाके मिश्र के दो पुत्र, (१) रामौतार मिश्र, (२) देवकि मिश्र। रामौतार मिश्र के चार पुत्र, (१) उमेश मिश्र, (२) महेश मिश्र, (३) गुदर मिश्र, (४)

Scanned by CamScanner

मानटु मिश्र। सियाशरण मिश्र के तीन पुत्र (१) बिनो मिश्र, (२) रामनन्दन मिश्र, (३) गोपाल मिश्र।

विनो मिश्र के एक पुत्र, कृष्णनन्दन मिश्र। रामनन्दन मिश्र के चार पुत्र, (१) हरिकान्त मिश्र (२) शंकर मिश्र (३) तुनजय मिश्र, (४) अजय मिश्र।

मिशो मिश्र के चार पुत्र, (१) रामबालक मिश्र, भासो मिश्र, (३) नुनुलाल मिश्र, (४) राजाराम मिश्र। रामबालक मिश्र के तीन पुत्र, (१) शंभु मिश्र, (२) बच्चा, (३) बच्चा। भासो मिश्र के एक पुत्र जनार्दन मिश्र। नुनुलाल मिश्र के चार पुत्र, (१) संजय मिश्र, (२) राजीव मिश्र, (३) विजय मिश्र, (४) अजय मिश्र।

बिहारी मिश्र

बिहारी मिश्र के एक पुत्र, नगर मिश्र। नगर मिश्र के चार पुत्र, (१) श्रीकान्त मिश्र, (२) कामो मिश्र, (३) रामदेव मिश्र, (४) सहदेव मिश्र।

नीलमत मिश्र

नीलमत मिश्र के दो पुत्र, (१) दीपक मिश्र, (२) फिरंगी मिश्र नावल्द, दीपक मिश्र के एक पुत्र शुनि मिश्र।

सोभराज मिश्र

शोभराज मिश्र के एक पुत्र, हियालाल मिश्र। हियालाल मिश्र के एक पुत्र, रामअशीष मिश्र। रामअशीष मिश्र के दो पुत्र, (१) अरूण मिश्र नावल्द, (२) अनिल मिश्र।

गुरुवकश मिश्र

गुरुवकश मिश्र के तीन पुत्र, (१) मितलाल मिश्र, (२) खड़तर मिश्र, (३) रघुवंश मिश्र नावल्द। मितलात मिश्र के दो पुत्र, (१) बालदेव मिश्र नावल्द, (२) नाथी मिश्र। नाथी मिश्र के एक पुत्र, जुगल मिश्र। जुगल मिश्र के एक पुत्र, संजय मिश्र।

खरतर मिश्र

खरतर मिश्र के दो पुत्र, (१) झखड़ी मिश्र, (२) काली मिश्र नावल्द, झखड़ी मिश्र के एक पुत्र सत्यनारायण मिश्र।

उमराव मिश्र

उमराव मिश्र के एक पुत्र, मिठन मिश्र। मिठन मिश्र के एक पुत्र, प्रयाग मिश्र। प्रयाग मिश्र के तीन पुत्र, (१) अयोध्या मिश्र, (२) गंगा मिश्र, (३) गरीब मिश्र। अयोध्या मिश्र के तीन पुत्र, (१) सुन्दर मिश्र, (२) सागर मिश्र नावल्द, (३) रामबालक मिश्र। सुन्दर मिश्र के चार पुत्र, (१) रामजी मिश्र, (२) रामेश्वर मिश्र, (३) हरेराम मिश्र, (४) राधेश्याम मिश्र।

Scanned by CamScanner

गंगा मिश्र के दो पुत्र, (१) सुगा मिश्र, (२) राननन्दन मिश्र। सुगा मिश्र के चार पुत्र, (१) दयानन्द मिश्र, (२) रामनन्दन मिश्र, (३) रामचरित्र मिश्र, (४) राजेन्द्र मिश्र।

१. विक्रम मिश्र

विक्रम मिश्र के एक पुत्र मेघा मिश्र, मेघा मिश्र के एक पुत्र लालजीत मिश्र, लालजीत मिश्र के दो पुत्र (१) कन्हैया मिश्र, तिलकधारी मिश्र (नावल्द) कन्हैया मिश्र के दो पुत्र, (१) अछो मिश्र, (२) बाड़ी मिश्र।

२. फकीर मिश्र

फकीर मिश्र के दो पुत्र, (१) धोवी मिश्र (नावल्द), (२) छकन मिश्र नावल्द।

४. केवल मिश्र

केबल मिश्र के तीन पुत्र, (१) बिरनी मिश्र (नावल्द), (२) चमन मिश्र (नावल्द), (३) राम सहाय मिश्र (नावल्द)।

५. रेवत मिश्र

रेवत मिश्र के एक पुत्र, (१) लुटन मिश्र, लुटन मिश्र के तीन पुत्र, (१) झुमक मिश्र (नावल्द), (२) भीखा मिश्र (नावल्द), (३) हंसराज मिश्र।

हंसराज मिश्र के दो पुत्र, (१) रामशरण मिश्र (नावल्द), (२) पलकधारी मिश्र। पलकधारी मिश्र के एक पुत्र, (१) रामविलास मिश्र। रामविलास मिश्र के दो पुत्र, (१) मुरारी मिश्र, (२) कारू मिश्र।

२. नन्दा मिश्र

नन्दा मिश्र के तीन पुत्र, (१) मोहन मिश्र, (२) राघे मिश्र, (३) निखद मिश्र डुमरी चले गये।

मोहन मिश्र के एक पुत्र, लोचन मिश्र के एक पुत्र हितनारायण मिश्र के एक पुत्र गिरवल मिश्र के एक पुत्र छत्र मिश्र।

छत्र मिश्र के दो पुत्र, (१) बाबुराम मिश्र, (२) प्रदीप मिश्र।

बाबुराम मिश्र के चार पुत्र, (१) फिरंगी मिश्र, (२) जगवली मिश्र, (३) हरि मिश्र, (४) जमुना मिश्र, (५) रघुनन्दन मिश्र।

फिरंगी मिश्र के दो पुत्र, (१) ब्रह्मदेव मिश्र, (२) कपिलदेव मिश्र। ब्रह्मदेव मिश्र के एक पुत्र, (१) ~~लडु मिश्र~~ के पुत्र कपिलदेव मिश्र के पाँच पुत्र— (१) जनार्दन मिश्र, (२) नवल मिश्र, (३) रामसेवक मिश्र, (४) सीताराम मिश्र, (५) सुधीर मिश्र।

Scanned by CamScanner

प्रदीप मिश्र

प्रदीप मिश्र के चार पुत्र—(१) रामदेव मिश्र (२) हरखित मिश्र (३) रामेश्वर मिश्र (४) बालेश्वर मिश्र। रामदेव मिश्र के दो पुत्र—(१) भोला मिश्र (२) रामविलास मिश्र।

भोला मिश्र के एक पुत्र—पंकज मिश्र।

हरखित मिश्र के चार पुत्र—(१) अशोक मिश्र (२) उमेश मिश्र (३) मुकेश मिश्र (४) पपू मिश्र। रामेश्वर मिश्र के चार पुत्र—(१) विजय मिश्र (२) अरूण मिश्र (३) अजय मिश्र (४) राजीव मिश्र।

नरोत्तम मिश्र के एक पुत्र—(१) लोकि मिश्र। लोकि मिश्र के एक पुत्र—(१) गुरुदयाल मिश्र के तीन पुत्र—रूपदेव मिश्र, नन्दा मिश्र, रामलोचो मिश्र।

रामलोचो मिश्र

रामलोची मिश्र के दो पुत्र—हरिनारायण मिश्र, बलि मिश्र।

हरिनारायण मिश्र के चार पुत्र—उदन मिश्र, लोल मिश्र, टेकन मिश्र, पंचु मिश्र।

उदन मिश्र के एक पुत्र—जोधन मिश्र के छः पुत्र—बुद्धन मिश्र, जय मंगल मिश्र, बकतौर मिश्र, हीरा मिश्र, फुलकी मिश्र, भिखक मिश्र। बुद्धन मिश्र के एक पुत्र—भीखाड़ी मिश्र।

जयमंगल मिश्र के पांच पुत्र—नकछेद मिश्र, भिखछुक मिश्र, रामसहाय मिश्र, तेजनारायण मिश्र, मुखो मिश्र। तेजनारायण मिश्र, मुखो मिश्र दोनों बासिन्दे परतापुर। नकछेद मिश्र के तीन पुत्र—(१) मुनसी मिश्र (२) रामाधीन मिश्र (३) बाके मिश्र के एक पुत्र—रामजी मिश्र के दो पुत्र—(१) हरेराम मिश्र (२) राधेश्याम मिश्र।

बकतौर मिश्र

बकतौर मिश्र के दो पुत्र—(१) लालजित मिश्र (२) गेनाढ़ी मिश्र।

लालजित मिश्र के चार पुत्र—(१) मीठन मिश्र (२) फागु मिश्र (६) अकलु मिश्र (४) रासो मिश्र। मीठन मिश्र के एक पुत्र—रामौतार मिश्र।

गेन्हारी मिश्र के एक पुत्र मुशो मिश्र।

मिमकी मिश्र के दो पुत्र—(१) गुजरू मिश्र (२) लुटन मिश्र के दो पुत्र—(१) धनु मिश्र (२) अमीका मिश्र।

गुजरू मिश्र के एक पुत्र—(१) पलट मिश्र।

जीवन मिश्र के चौथा पुत्र हीरा मिश्र।

Scanned by CamScanner

(४) हीरा मिश्र

हीरा मिश्र के एक पुत्र चतुर मिश्र के एक पुत्र डोमन मिश्र।

डोमन मिश्र के चार पुत्र (१) रंगलाल मिश्र (२) गोपी मिश्र (३) बुद्धन मिश्र (४) मौजी मिश्र।

मौजी मिश्र के दो पुत्र (१) रामौतार मिश्र (२) रामदेव मिश्र के चार पुत्र— (१) वालमिकि मिश्र (२) अर्जुन मिश्र (३) नगर मिश्र (४) बच्चा मिश्र, (५) फुलकी मिश्र के दो पुत्र (१) झपट मिश्र (२) रमेश चले गए। (१) तिलक मिश्र के एक पुत्र प्रदीप मिश्र के तीन पुत्र (१) मालसेघर मिश्र (२) मिश्री मिश्र (३) पालो मिश्र के दो पुत्र (१) अजय मिश्र (२) विजय मिश्र। (3)

नरोत्तम मिश्र के दो पुत्र (१) लोकी मिश्र (२) गुरदियाल मिश्र। गुरदियाल मिश्र के तीन पुत्र (१) रूपदेव मिश्र (२) नन्दा मिश्र (३) रामलोची मिश्र। रामलोची मिश्र के दो पुत्र (१) हरिनारायण मिश्र (२) वलि मिश्र।

(२) वलि मिश्र

वलि मिश्र के तीन पुत्र (१) रीतलाल मिश्र (२) शिवनन्दन मिश्र (३) उमराऊ मिश्र। उमराऊ मिश्र चेतन टोला चले गए।

रीतलाल मिश्र के (१) पुत्र कन्हैया मिश्र के चार पुत्र (१) कुलदीप मिश्र (२) रामलाल मिश्र (३) राघो मिश्र (४) फिरंगी मिश्र।

कुलदीप मिश्र के दो पुत्र (१) फौदी मिश्र (२) मिश्री मिश्र, रामलाल मिश्र के एक पुत्र जागो मिश्र के तीन पुत्र—सहदेव मिश्र, कपिलदेव मिश्र (३) चलित्र मिश्र, सहदेव मिश्र के दो पुत्र (१) अमीर मिश्र (२) नाथो मिश्र।

बली मिश्र के तीन पुत्र

शिवनन्दन मिश्र के दो पुत्र—(१) अकल मिश्र (२) हरलित मिश्र।

(२) अकल मिश्र के दो पुत्र (१) हरदयाल मिश्र (२) दौलत मिश्र, हरदयाल मिश्र के पाँच पुत्र (१) नेवाजी मिश्र (२) भागवत मिश्र (३) हीरा मिश्र (४) बद्री मिश्र (५) जगदीप मिश्र बैरागी। भागवत मिश्र के तीन पुत्र (१) जाटो मिश्र (२) बंगाली मिश्र (३) हरिहर मिश्र।

जाटो मिश्र के दो पुत्र (१) केदार मिश्र (२) जनार्दन मिश्र, बंगाली मिश्र के तीन पुत्र (१) रामविलाश मिश्र (२) अवधेश मिश्र (३) सुरेश मिश्र।

हरिहर मिश्र के दो पुत्र (१) कपिलदेव मिश्र (२) महेश मिश्र, हीरा मिश्र के (१) पुत्र रामौतार मिश्र के दो पुत्र (१) रामचन्द्र मिश्र, राजनीति मिश्र, रामचन्दर मिश्र के (१) बच्चा।

Scanned by CamScanner

(२) दौलत मिश्र

दौलत मिश्र के तीन पुत्र (१) झखड़ी मिश्र (२) गोना मिश्र (३) गोपी मिश्र गोना मिश्र के दो पुत्र (१) रामेश्वर मित्र (२) चन्द्रिका मिश्र। रामेश्वर मिश्र के दो पुत्र (१) सियाराम मिश्र (२) राजाराम मिश्र (३) गोपी मिश्र के एक पुत्र (१) विसुनदेव मिश्र के एक पुत्र मुकेश मिश्र।

(२) हरखित मिश्र के (१) पुत्र (१) दुरजन मिश्र, दुरजन मिश्र के एक पुत्र (१) हासो मिश्र के दो पुत्र (१) दुखी मिश्र (२) महावीर मिश्र, दुखी मिश्र के तीन पुत्र (१) रामदेव मिश्र (२) चलित्र मिश्र (३) विलायती मिश्र। विलायती मिश्र के एक पुत्र भोला मिश्र। महावीर मिश्र के दो पुत्र (१) भूना मिश्र, राम सागर मिश्र।

शीव बाबा—(१५-प्रन्दह)

(१) शिवराय के तीन पुत्र नरोत्तम मिश्र, पुरुषोत्तम मिश्र, मुकुन्द मिश्र, मकुन्द मिश्र नावलद। पुरुषोत्तम मिश्र के राम चरण मिश्र, विरजा मिश्र, दलजित मिश्र। राम चरण मिश्र के उदित मिश्र और वालाजित मिश्र। उदित मिश्र के दो पुत्र हुए सुमेर मिश्र और विजय मिश्र। सुमेर मिश्र के तीन पुत्र हुए जिनमें आशा मिश्र, प्रमोद मिश्र और गंगा मिश्र। विजय मिश्र के एक पुत्र रामेश्वर मिश्र। रामेश्वर मिश्र के एक पुत्र नेहाल मिश्र। नेहाल मिश्र के तीन पुत्र दुलह मिश्र, भैरन मिश्र, रितलाल मिश्र, दुलह मिश्र के पाँच पुत्र हुए निर्भय मिश्र, जयराम मिश्र, जय गोपाल मिश्र, झुमक मिश्र, विल्हू मिश्र। निर्भय मिश्र के छः औलाद हुए—घेप्ला मिश्र, लालजित मिश्र, नन्हकु मिश्र, नाथु मिश्र, मोसाहेव मिश्र, रामपाल मिश्र। धौला मिश्र के एक पुत्र हुए जय करण दास (बैराग्य) तथा लालजित मिश्र के एक पुत्र दरोगी सिंह। नन्हकू मिश्र के चार पुत्र हुए जगदीप मिश्र, जगवली मिश्र, हरवंश मिश्र, सरयुग मिश्र। जगदीप सिंह के दो पुत्र हुए—वासुदेव मिश्र, और रामदेव मिश्र। वासुदेव मिश्र के दो पुत्र हुए—आत्माराम मिश्र, सिताराम मिश्र। जयराम मिश्र के एक पुत्र—वुलक मिश्र। वुलक मिश्र के दो पुत्र हुए—नकट मिश्र, जगदेव मिश्र, विल्टु मिश्र के चार पुत्र हुए—टीका मिश्र, वुधन मिश्र, आजोधी मिश्र, भीम मिश्र। टिका मिश्र के एक पुत्र हुए—रामस्वरूप मिश्र हुए। राम स्वरूप मिश्र के तीन पुत्र हुए—कृष्ण नन्दन मिश्र, हर्षित मिश्र, हरेराम मिश्र।

भहैरन मिश्र के चार पुत्र हुए—ओझा मिश्र, फत्ते मिश्र, खोली मिश्र, झपट मिश्र। ओझा मिश्र के एक पुत्र हुए—लालनुनु मिश्र, लालनुनु मिश्र के तीन पुत्र हुए—सहदेव मिश्र, पारो मिश्र, कृपा मिश्र। सहदेव मिश्र के एक पुत्र हुए—राम बालक मिश्र।

Scanned by CamScanner

भीम मिश्र के एक पुत्र हुए—रामचन्द्र मिश्र। शेष दो भाई नावल्द रहे। फत्ते मिश्र के एक पुत्र हुए—बेचन मिश्र। विजय मिश्र के एक पुत्र—वोधी मिश्र। वोधी मिश्र के दो ही लड़के हुए—रेमन मिश्र, धुव्र मिश्र।

रेमन मिश्र के दो पुत्र हुए—जगरनाथ मिश्र, लक्ष्मण मिश्र, जगरनाथ मिश्र के एक पुत्र—मोहर मिश्र। लक्ष्मण मिश्र के एक ही पुत्र हुए—जय नारायण मिश्र। जयनारायण मिश्र के तीन पुत्र हुए—टुनमुन मिश्र, राघो मिश्र, अवधी मिश्र। टुनमुन मिश्र के एक पुत्र हुए—झलक मिश्र। झलक मिश्र के दो पुत्र हुए—देवनन्दन मिश्र, रामगोविन्द मिश्र। देवनन्दन मिश्र के तीन पुत्र हुए—सीताराम मिश्र, राधेश्याम मिश्र, सियाराम मिश्र। बुव्र मिश्र के एक पुत्र हुए—टरन मिश्र और इनके दो पुत्र हुए क्रमशः खरूर मिश्र, दुर्गा मिश्र। खरूर मिश्र नावल्द तथा दुर्गा मिश्र के दो पुत्र हुए—कृष्ण दयाल मिश्र, रामावतार मिश्र। कृष्ण दयाल मिश्र के दो पुत्र—राम नन्दन मिश्र, राजाराम मिश्र। राम नन्दन मिश्र के तीन पुत्र हुए—राजेन्द्र मिश्र, सत्यनारायण मिश्र, अनील मिश्र।

वालाजित मिश्र के एक पुत्र हुए—श्याम नन्दन मिश्र। श्याम नन्दन मिश्र के एक पुत्र हुए—राम नन्दन मिश्र। रामनन्दन मिश्र के तीन पुत्र हुए—धमंडी मिश्र, परेमन मिश्र, झुमक मिश्र।

धमंडी मिश्र के पाँच पुत्र हुए—गोखुल मिश्र, केशो मिश्र, पुच्छा मिश्र, दयाल मिश्र, पहलवान मिश्र।

गोखल मिश्र के एक पुत्र हुए—तुनु मिश्र और तुनु मिश्र के भी तीन पुत्र हुए—गोरेलाल मिश्र, जगदीप मिश्र, कामता मिश्र, गोरेलाल मिश्र के दो पुत्र हुए—कृष्ण नन्दन मिश्र और हरेराम मिश्र। कृष्णनन्दन मिश्र के तीन पुत्र हुए—श्रीराम विलास मिश्र, रामाविलाष मिश्र, राम प्रवेश मिश्र। हरेराम मिश्र के भी तीन पुत्र हुए—अरुण कुमार मिश्र, वरुण कुमार मिश्र, तरुण कुमार मिश्र। राम-विलास मिश्र के एक पुत्र हुए—राधेकृष्ण मिश्र। रामविलाष मिश्र के दो पुत्र हुए—अविनाश चन्द्र मिश्र और निवाश चन्द्र मिश्र।

केशो मिश्र के एक पुत्र हुए—भेखा मिश्र। भेखा मिश्र के एक पुत्र हुए—वद्री मिश्र। पुच्छा मिश्र के एक पुत्र हुए—धोधु मिश्र। धोधु मिश्र के एक पुत्र हुए—राम लोची मिश्र।

दयाल मिश्र के एक पुत्र हुए—कुजी मिश्र और कुजी मिश्र के भी एक पुत्र हुए—देवकी सिंह। पहलवान मिश्र के एक पुत्र हुए—परसन मिश्र। परसन मिश्र के दो पुत्र हुए—श्याम मिश्र, गीरजा मिश्र। श्याम मिश्र के पाँच पुत्र हुए—गंगा मिश्र, लखन मिश्र, रामनन्दन मिश्र, राजेन्द्र मिश्र, सुरेश मिश्र। गंगा मिश्र के दो

Scanned by CamScanner

पुत्र हुए—अशोक कुमार मिश्र, कृष्ण कुमार मिश्र। लखन मिश्र के दो पुत्र हुए—राम चन्द्र मिश्र, सुधांशु मिश्र। रामनन्द मिश्र के दो पुत्र हुए—धननजय मिश्र, पंकज कुमार मिश्र। राजेन्द्र मिश्र के तीन पुत्र हुए—नीरज कुमार मिश्र, पुरूषोत्तम कुमार मिश्र, नीरंजन मिश्र। सुरेश मिश्र के एक पुत्र हुए—मीन्तु मिश्र। गीरजा मिश्र के एक पुत्र हुए—राम सागर मिश्र। राम सागर मिश्र के दो पुत्र हुए—संजय कुमार मिश्र, विजय कुमार मिश्र।

झखड़ मिश्र के एक पुत्र हुए— धीरजा मिश्र। धीरजा मिश्र के एक पुत्र हुए—मुरत मिश्र। मुरत मिश्र के दो पुत्र हुए—दुलार मिश्र, सर्वजित मिश्र। दुलार मिश्र के पाँच पुत्र हुए—फेकन मिश्र, शिवदयाल मिश्र, भोला मिश्र, रेवत मिश्र, दुख मिश्र, शिवदयाल मिश्र के एक पुत्र हुए—पोखन सिंह। पोखन मिश्र के तीन पुत्र हुए—राम प्रसाद मिश्र, रघु मिश्र, महावीर मिश्र, राम प्रसाद मिश्र के तीन पुत्र हुए—मुखलाल मिश्र, नुनुलाल मिश्र, कृपा मिश्र। नुनुलाल मिश्र के तीन पुत्र हुए—रामाश्रय मिश्र, वच्चा मिश्र, शरण मिश्र। महावीर मिश्र के एक पुत्र हुए—गीता मिश्र। गीता मिश्र के पाँच पुत्र हुए—श्रीराम मिश्र, हरेराम मिश्र, सियाराम मिश्र।

भोला मिश्र के दो पुत्र हुए—शंकर मिश्र, झुमक मिश्र। शंकर मिश्र के एक पुत्र—दुर्विजय मिश्र। झुमक मिश्र के चार पुत्र हुए—राशो मिश्र, रामलाल मिश्र, झोठू मिश्र, फिरंगी मिश्र। राशो मिश्र के चार पुत्र हुए—द्वारिका मिश्र, अम्बिका मिश्र, चन्द्रिका मिश्र, थोलो मिश्र। द्वारिका मिश्र के एक पुत्र हुए—वालेश्वर मिश्र। वालेश्वर मिश्र के भी एक पुत्र हुए—कारु मिश्र। चन्द्रिका मिश्र के चार पुत्र हुए—श्याम किशोरी मिश्र, सुरेश मिश्र, लभ मिश्र, कुश मिश्र। सर्वजित मिश्र के तीन पुत्र हुए—जितन मिश्र, गुरुवक्स मिश्र, पूना मिंश्र, जीतन मिश्र के एक पुत्र हुए—तोफी मिश्र, वुद्धू मिश्र के दो पुत्र हुए—सियाशरण मिश्र, वंगाली मिश्र। शियासरण मिश्र के एक पुत्र हुए—दशरथ मिश्र। दशरथ मिश्र के दो पुत्र हुए—परमानन्द मिश्र, भोला मिश्र। बंगाली मिश्र के दो पुत्र हुए—हरिहर मिश्र, वाल्मिकी मिश्र। हरिहर मिश्र के तीन पुत्र हुए—विपिन मिश्र, भगवान मिश्र, कृष्ण नन्दन मिश्र, वाल्मिकी मिश्र के दो पुत्र हुए—त्रीशुल धारी मिश्र, पपु मिश्र जीतन मिश्र। गुरुवक्स मिश्र के एक पुत्र हुए—भेखा मिश्र, पुना मिश्र के दो पुत्र हुए—गोपी निश्र, वाबूराम मिश्र। गोपी मिश्र के एक पुत्र हुए—फेदी मिश्र—नावल्द। वावू राम मिश्र—नावल्द।

रघुनन्दन मिश्र—के एक पुत्र हुए—रामनाथ मिश्र। रामनाथ मिश्र के दो पुत्र हुए—मोसियाम मिश्र, फुलो मिश्र। मोसियाम मिश्र के तीन पुत्र हुए—बहोरी

मिश्र, हरेकृष्ण मिश्र, दुलो मिश्र। बहोरी मिश्र के तीन पुत्र हुए—भैरो मिश्र, ऐदल मिश्र, लोकी मिश्र। वैजू मिश्र के एक पुत्र हुए—गोना मिश्र। गोना मिश्र के एक पुत्र—गौरीशंकर मिश्र। ऐदल मिश्र के एक पुत्र हुए—विहारी मिश्र, विहारी मिश्र के चार पुत्र हुए—सौखी मिश्र, फिरंगी मिश्र, जमना मिश्र, सरयुग मिश्र। सौखी मिश्र के तीन पुत्र हुए—रामस्वस्थ मिश्र, लखन मिश्र, कोकिल मिश्र। रामस्वरूप मिश्र के एक ही पुत्र हुए—विसुनवेव मिश्र। कोकिल मिश्र के दो पुत्र हुए—विन्देश्वरी मिश्र, किशोर मिश्र। फिरंगी मिश्र के एक ही पुत्र हुए—रामवतार मिश्र के एक ही पुत्र हुए—यमुना मिश्र के तीन पुत्र हुए—राम चरित्र यादव, सुरो मिश्र, राजो मिश्र। लोकी मिश्र के दो पुत्र हुए—जानकी मिश्र, नकट मिश्र। जानकी मिश्र के चार पुत्र हुए—तुनकी मिश्र, महादेव मिश्र, सामू मिश्र,………। नकट मिश्र के एक पुत्र हुए—फौदी मिश्र। फौदी मिश्र के दो पुत्र हुए—अरविंद मिश्र, रविन्द्र मिश्र।

दलजित मिश्र के तीन पुत्र हुए—रामाकान्त मिश्र, रघुनाथ मिश्र, अनन्त सागर मिश्र।

रघुनाथ मिश्र के एक पुत्र हुए—हरवंश मिश्र। हरवंश मिश्र के एक पुत्र हुए—श्याम किशोर मिश्र। श्याम किशोर मिश्र के एक पुत्र हुए—गोनर मिश्र। गोनर मिश्र के दो पुत्र हुए—लोकनाथ मिश्र, नशीव मिश्र। लोक नाथ मिश्र के तीन पुत्र हुए—ईश्वरी मिश्र, मोदी मिश्र, फुलवरन मिश्र। मोदी मिश्र के दो पुत्र हुए—कृष्णनन्दन मिश्र, रामचन्द्र मिश्र। कृष्णनन्दन मिश्र के दो पुत्र हुए—अशोक कुमार मिश्र, सुबोध कुमार मिश्र। नसीव मिश्र के तीन पुत्र हुए—यदु मिश्र, आजो मिश्र, रामू मिश्र।

रामकान्त मिश्र के एक ही पुत्र हुए—श्रीकान्त मिश्र। श्रीकान्त मिश्र के एक ही पुत्र हुए—महेश्वरी मिश्र। महेश्वरी मिश्र के एक ही पुत्र हुए—सूर्यनारायण मिश्र। सूर्यनारायण मिश्र के एक ही पुत्र हुए—भीतन मिश्र। भीतन मिश्र के दो पुत्र हुए—चेतन मिश्र, नोनकरण मिश्र। चेतन मिश्र के दो पुत्र हुए—दर्शन मिश्र, वन्धु मिश्र, नोनकरण मिश्र के दो पुत्र हुए—रामाधीन मिश्र, लालजीत मित्र। रामाधीन मिश्र के चार पुत्र हुए—महाविर मिश्र, यमुना मिश्र, भागो मिश्र, मटुकी मिश्र।

Scanned by CamScanner

खुटहाडीह से हड़यो (गया) फिर खुटहाडीह

यह ग्राम गया जिलान्तर्गत है। ये खुटहाडीह वासिन्दे सरोतर सिंह, तिसिया टोला (उत्तर तरफ) के वंशज हैं।

बीजपुरुष—धरम राय—इनके पुत्र लालमन राय, इनके पुत्र इनरमन राय और इनके पुत्र सरोतर राय या सिंह हुए। इनके चार पुत्र हुलास राय, सेवक राय, दोदा राय और शोभन राय।

हुलास राय के पुत्र—हनुमान राय, खेदन राय, हनुमान राय, के पुत्र घनश्याम राय और बोतल राय (नावल्द)।

घनश्याम राय के पुत्र परशुराम सिंह और केशो सिंह (नावल्द)

पशुराम सिंह के पुत्र—हरखित सिंह, युगल सिंह और वालेश्वर सिंह। हरखित सिंह के पुत्र—रामानुज सिंह, युगल सिंह के पुत्र भोला सिंह, वालेश्वर सिंह के पुत्र भूषण सिंह और रज्जू सिंह।

खेदन राय—के पुत्र बुधन सिंह और पल्लू सिंह।

बुधन सिंह के पुत्र दहाउर सिंह, रामाचल सिंह, ढोंढ़ा सिंह, नेमधारी सिंह, दासो सिंह और रामेश्वर सिंह सभी नावल्द।

पल्लू सिंह के पुत्र रामाधीन सिंह—नावल्द।

सेवक राय के पुत्र—हिरामन सिंह, गोनर सिंह और बिरनी सिंह। हिरामन सिंह के पुत्र—फेकन सिंह, वंशी सिंह, रामशरण सिंह। फेकन सिंह के पुत्र—जहर सिंह, बटोरन सिंह और राम लखन सिंह। जहर सिंह के पुत्र बाले सिंह और अनच्छ सिंह नावल्द। बटोरन सिंह नावल्द।

रामलखन सिंह के पुत्र बच्चू सिंह, और गंगा सिंह। बच्चू सिंह के पुत्र—सुधीर सिंह, राम विलास सिंह, उदय सिंह, मुरारी सिंह और श्री राम सिंह।

वंशी सिंह के पुत्र—गुज्जू सिंह नावल्द। और अयोध्या सिंह, तथा बंधू सिंह। अयोध्या सिंह के पुत्र रामबालक सिंह, इनके पुत्र—पप्पू, रामबालक, अजय और विजय।

बंधू सिंह के पुत्र रामचरित्र सिंह, इनके पुत्र—सुबोध, मुकेश और ललन।

Scanned by CamScanner

रामशरण सिंह के पुत्र—लक्ष्मी राय, गीता राय। गीता राय के पुत्र—मेघू राय।

बिरनी सिंह के पुत्र—अकटू राय, इनके पुत्र गेन्हारी सिंह, इनके पुत्र उपेन्द्र राय, रामनंदन राय। उपेन्द्र राय के पुत्र अशोक राय।

दोदा राय के पुत्र डोमन राय, इनके पुत्र बोढ़न राय, इनके पुत्र—भादो राय, छोटू राय, लड्डू राय और छत्तर राय। भादो राय के पुत्र—नंदे राय और सत्यनारायण राय। नन्दे राय के पुत्र—भूषण राय, तनिक राय और मनिक राय, सत्यनारायण राय के पुत्र सिंचित राय, रामाश्रय राय, बालमुकुंद राय, राजनीति राय, हरिनंदन राय और संजय राय, छोटू राय के पुत्र—देवनंदन राय, केदार राय और विलायी राय। देवनंदन राय के पुत्र—अनंत राय, अनिल राय, सुनील राय, पंकज राय और उमाशंकर राय।

लड्डू राय।

छत्तर राय के पुत्र—रघुनंदन राय, शिवनंदन राय, यदुनंदन राय और रामाशीष राय। रघुनंदन राय के पुत्र—गोपाल राय और त्रिपुरारी राय।

सोमन राय के पुत्र—शिवसहाय राय, बिहारी राय और जानकी राय। शिवसहाय राय के पुत्र रामलाल राय और रामलोची राय। बिहारी राय के पुत्र गुगर राय, और इनके पुत्र—विश्वनाथ राय, इनके पुत्र—कपिल राय, इनके पुत्र वशिष्ठ राय और अवधेश राय। जानकी राय के पुत्र—मक्खन राय, इनके पुत्र रामकृपा राय और विद्या राय। रामकृपा राय के पुत्र—रामदेव राय, इनके पुत्र शत्रुघ्न राय और राजकुमार राय। विद्या राय के पुत्र राजेन्द्र राय, महेन्द्र राय और रामामुज राय।

खुटहा से इन्दुपुर फिर खुटहा डीह उत्तर टोला

भगवान सिंह इन्दुपुर में ही स्वर्गवासी हुए। इनके पुत्र काली सिंह, इनके पुत्र जेहल सिंह, इनके पुत्र चितामन सिंह, इनके पुत्र धीरा सिंह के दो पुत्र—रामरूप सिंह और लखन सिंह। रामरूप सिंह के पुत्र—सीताराम सिंह और रामविलास सिंह।

Scanned by CamScanner

श्री गणेशाय नमः

खुटहाडीह ग्राम के सुरगणवंश के पुरोहितों की वंशावली

पंडित श्री गौण मिश्र जी मेघौल से अपने साथ पुरोहित और नाई को भी लाए। एक बार सतुआनी पर्व में हमारे परंपरागत पुरोहित जीमने नहीं आए तो हमारे चारों बाबा खुट ने रुष्ट होकर समीपस्थ डुमरी ग्राम के दरिहरे मूल, काश्यप गोत्री वैद्यगिरी करने वाले ब्राह्मणों को अपना पुरोहित बनाया।

फिर सबसे छोटे खुट-शिवबाबा ने उदारतावश पुराने परंपरागत पुरोहितों की सेवाएँ पुनः स्वीकार की। अभी चार आना के पुरोहित बेलौंचे, संघौल मूल एवं भारद्वाज गोत्र के हैं तथा बाकी बारह आना के पुरोहित दरिहरे मूल व काश्यप गोत्र के हैं।

वंशावली

बेलौंचे, संघौल मूल, भारद्वाज गोत्र, चार आना के पुरोहित—"भारद्वाजगोत्रस्यभारद्वाजाङ्गिरस वार्हस्पत्याः भयः प्रवरा।" ब्रह्मा के पुत्र अङ्गिरा एवं स्वयंभू मनु। अङ्गिरा के पुत्र—ब्राहस्पति, इनके पुत्र—भारद्वाज तथा दीर्घतमा। भारद्वाज के पुत्र—द्रोणाचार्य, इनके पुत्र—अश्वत्थामा। दीर्घतमा के पुत्र वार्हस्पत्य।

स्वयंभू मनु के पुत्र उत्तानपाद, इनके पुत्र ध्रुव, इनके पुत्र शिष्ठ व रिपुंजय, इनके पुत्र चाक्षुज्ञान, इनके पुत्र उरा और आङ्गिरस।

(पौराणिक कथाओं के आधार पर)

पुरोहित वंशविवरण :—

सर्व श्री चक्रपाणि झा के पुत्र—उदन झा, इनके पुत्र उमराव झा, गोपाल झा एवं चन्द्रशेखर झा।

उमराव झा के पुत्र त्रिलोकनाथ झा एवं आद्यादत्त झा।

त्रिलोकनाथ झा के पुत्र रामरूप झा, इनके पुत्र रामस्वरुप झा एवं श्रीनारायण झा। रामरुप झा नावल्द। श्रीनारायण झा के पुत्र जनार्दन झा, इनके पांच पुत्र—राजेन्द्र झा, रामचन्द्र झा, रामाश्रय झा, रामसेवक झा और रामानुज झा।

आद्यादत्त झा के पुत्र राघन झा और रामेश्वर झा नावल्द।

राघन झा के दो पुत्र—चन्द्रशेखर झा और बालाकान्त झा।

Scanned by CamScanner

गोपाल झा—इनके पुत्र हलधर झा, इनके पुत्र पूना झा। इनके तीन पुत्र—शिवशंकर झा, रामकृष्ण झा और बालगोविंद झा (नावल्द)।

शिवशंकर झा के पुत्र श्यामसुन्दर झा, इनके पुत्र कमलाकान्त झा। रामकृष्ण झा के तीन पुत्र—गंगानाथ झा, अमरनाथ झा और राजकुमार झा।

× × ×

चन्द्रशेखर झा के पुत्र रामनारायण झा एवं सुकदेव झा। रामनारायण झा के पुत्र शचीन्द्र झा, महीन्द्र झा, एवं बालाकान्त झा। (दोनों बड़े भाई नावल्द)।

बालाकान्त झा के पुत्र दिवाकर झा एवं रामानन्द झा।

दरिहरे मूल काश्यप गोत्र के पुरोहित (बारह आना) का वंशवृक्ष

सर्वश्री हरिमोहन पाठक, इनके पुत्र विजयमोहन पाठक, इनके छः पुत्र। शिरोमणि पाठक, प्रथम पुत्र, के दो पुत्र—उदयराज पाठक और शिबूड़ी पाठक।

उदयराज पाठक की दो शादिया। प्रथम से गणपति पाठक, इनके पुत्र नकटू पाठक, इनके दो पुत्र बाबूलाल पाठक और अजबलाल पाठक। बाबूलाल पाठक के एक पुत्र केदार पाठक (नावल्द)।

दूसरी शादी से दो पुत्र ईश्वरदत्त पाठक और तुलसी पाठक, ईश्वरदत्त पाठक के पुत्र—वैजनाथ पाठक उर्फ बौधू पाठक के पुत्र—बंगाली पाठक, इनके तीन पुत्र—श्रीनाथू पाठक, भासो पाठक और कपिलदेव पाठक। नाथू पाठक के तीन पुत्र—गुमानी पाठक, चुनचुन पाठक और श्री मटूक पाठक।

भासो पाठक के एक पुत्र, जट्टू पाठक। तुलसा पाठक के पुत्र लक्ष्मण पाठक, इनके पुत्र जगदेव पाठक, इनके पुत्र विष्णुदेव पाठक, इनके तीन पुत्र ललन पाठक, पलटू पाठक, गोपाल पाठक।

उदयराज पाठक के अनुज शबूड़ी पाठक के दो पुत्र—कोमल पाठक और गुरसहाय पाठक। कोमल पाठक के पुत्र बद्री पाठक, इनके दो पुत्र शुक्कर पाठक और वराय पाठक।

गुरसहाय पाठक के दो पुत्र—वसंत पाठक और संत पाठक। वसंत पाठक के छः पुत्रों में प्रथम रामदेव पाठक।

ये लोग भी खुटहा के ही पुरोहित हैं :

सर्वश्री खोसा झा के दो पुत्र श्री नोखा झा व श्री सिधेश्वर झा नावल्द। नोखा झा के पुत्र वासुदेव झा, हालो झा एवं एक अज्ञात। हालो झा के पुत्र शिवनंदन झा। वासुदेव झा के पुत्र जगदीश झा एवं कृष्णनंदन झा।

नाई की वंशावली

बीजपुरुष :—पंछक ठाकुर के दो पुत्र श्यामलाल ठाकुर और प्रयाग ठाकुर। श्यामलाल ठाकुर के एक पुत्र बंधू ठाकुर, इनके एक पुत्र काशी ठाकुर, इनके चार पुत्र राम ठाकुर, लक्ष्मण ठाकुर, भरत ठाकुर व शत्रुघ्न ठाकुर।

प्रयाग ठाकुर के तीन पुत्र—सिद्धेश्वर ठाकुर, जगन्नाथ ठाकुर, बिलायती ठाकुर। इनके बच्चे हैं।

(पंछक ठाकुर से ऊपर अज्ञात)

●

Scanned by CamScanner

चेतन टोला का वंशवृक्ष (नावल्द)

नरसिंह बाबा पट्टी

बीजपुरुष :—आशा राय—इनके पुत्र—सर्व श्री शिवजी राय, *ब्रह्मा राय, विष्णु राय एवं राधे राय।

***शिवजी राय**—के पुत्र डोमन सिंह, इनके पुत्र रोहन सिंह, इनके पुत्र—आदि सिंह, काशी सिंह।

आदि सिंह के पुत्र—मुसो सिंह और गजाधर सिंह।

***ब्रह्मा राय**—के पुत्र चमन सिंह। इनके पुत्र—दीपन सिंह नावल्द, फिरंगी सिंह, लखपत सिंह नावल्द, हंसराज सिंह नावल्द।

फिरंगी सिंह के पुत्र मिश्री सिंह नावल्द और सुन्दर सिंह। इनके पुत्र—श्यामदेव सिंह, विपिन सिंह एवं मंटु सिंह। श्यामदेव सिंह के पुत्र—रामानुज सिंह।

बीजपुरुष—आशा राय के भ्राता **बीजपुरुष—मोती राय,** इनके पुत्र गोन्दर राय, सेवक राय एवं धर्म राय।

***गोंदर राय**—के पुत्र प्राण राय नावल्द, लुटन राय और गंभीर राय।

लुटन राय—के पुत्र झखन सिंह, छेछन सिंह, परसन सिंह, हरी सिंह।

झखन सिंह—के पुत्र प्रदीप सिंह नावल्द, पलक सिंह नावल्द, महावीर सिंह द्वारिका सिंह नावल्द।

महावीर सिंह के पुत्र—रामशरण सिंह नावल्द, सरयुग सिंह, रामजी सिंह।

सरयुग सिंह के दो पुत्र—सुरेन्द्र सिंह और सुरेश सिंह।

छेछन सिंह—के पुत्र जागो सिंह। इनके पुत्र ब्रह्मदेव सिंह एवं प्रह्लाद सिंह। ब्रह्मदेव सिंह के पुत्र—विद्यानंद सिंह और अशोक सिंह।

परसन सिंह—के पुत्र अयोध्या सिंह, कीटर सिंह और विन्दो सिंह। अयोध्या सिंह के पुत्र—गोविंद सिंह। इनके पुत्र—सागन सिंह नावल्द, प्राणेश सिंह, दिनेश सिंह। रामाश्रय सिंह नावल्द।

विन्दो सिंह के पुत्र—कृष्णनंदन सिंह, नारायण सिंह, रामकिशोर सिंह और कर्ण सिंह।

कृष्णनंदन सिंह के पुत्र—अजित सिंह, प्रफुल्ल सिंह, रतन सिंह।

नारायण सिंह के पुत्र—भूषण सिंह और सतीश सिंह।

Scanned by CamScanner

कौटर सिंह उर्फ लखन सिंह के पुत्र—शिवशंकर सिंह, इनके पुत्र अरुण सिंह, स्वराज्य सिंह, निरंजन सिंह।

प्राण राय के पुत्र—यदु राय, इनके पुत्र—रामभजो सिंह, इनके पुत्र जंगल सिंह, इनके पुत्र कापो सिंह, जगदीश सिंह, मुन्द्रिका सिंह। जगदीश सिंह के पुत्र मंटू सिंह।

***सेवक राय के पुत्र**—मेहरमान सिंह, मेघू सिंह, झोरी सिंह और उदन सिंह। मेहरमान सिंह के पुत्र—जुआ सिंह, ढ़ोढ़ी सिंह नावल्द, लंगर सिंह नावल्द।

जुआ सिंह के पुत्र—ठठेरी सिंह और रघुनाथ सिंह नावल्द।

मेघू सिंह के पुत्र—महापत्त सिंह, इनके पुत्र—रामधन सिंह, मेदनी सिंह, यमुना सिंह, जगदम्वी सिंह (चारों नावल्द)।

झोरी सिंह के पुत्र—मूसन सिंह नावल्द। उदन सिंह के पुत्र बुधन सिंह और रामसहाय सिंह और रामलाल सिंह (तीनों नावल्द)।

***धर्म राय के पुत्र**—टुंकर सिंह, इनके पुत्र मैना सिंह, इनके पुत्र नेम्बो सिंह, इनके पुत्र वाल्मीकि सिंह, धनिक सिंह, नागेश्वरी सिंह नावल्द, बच्ची सिंह, ववन सिंह, और भगवान सिंह। वाल्मीकि सिंह के पुत्र—महेश सिंह, उमेश सिंह एवं रमेश सिंह। धनिक सिंह के पुत्र—जनार्दन सिंह, शारदा सिंह।

*केसरी सिंह के पुत्र—दत्तनारायण सिंह। दत्तनारायण सिंह के पुत्र—महकम सिंह, चन्दन सिंह। महकम सिंह के पुत्र—नेता सिंह और रुक्कू सिंह। नेता सिंह के पुत्र दोदा सिंह और वेदा सिंह एवं बच्चू सिंह तथा वादील सिंह।

वादील सिंह के पुत्र—आंधी सिंह, डीला सिंह और दुलार सिंह नावल्द।

आंधी सिंह के पुत्र—गोपाल सिंह, हेमन सिंह, नारायण सिंह नावल्द। लोहा सिंह तथा लोही सिंह।

हेमन सिंह के पुत्र—चुन्नी सिंह और नूनू सिंह।

चुन्नी सिंह के पुत्र—जगदीप सिंह और मौजी सिंह नावल्द।

जगदीप सिंह के पुत्र रामकिशुन सिंह, इमके पुत्र—फौजदारी सिंह, इनके पुत्र गंगा सिंह और रामरतन सिंह।

नूनू सिंह के पुत्र छतरधारी सिंह, इनके पुत्र—नूनूलाल सिंह, इनके पुत्र भोला सिंह। लोटा सिंह के पुत्र जागो सिंह नावल्द और राधे सिंह नावल्द।

फतेही सिंह के पुत्र—रामधनी सिंह, इनके पुत्र पंडित सिंह, हजारी सिंह, चांदो सिंह और नाथ सिंह (चारों नावल्द)।

गोपाल सिंह के पुत्र—उमन सिंह, प्यारे सिंह, शिवू सिंह।

***उमन सिंह के पुत्र**—अयोध्या सिंह, मेदो सिंह।

Scanned by CamScanner

मेदो सिंह के पुत्र—सरयुग सिंह, रामवालक सिंह, बनारसी सिंह, रामौतार सिंह, रामाशीष सिंह एवं रामचंद्र सिंह ।

सरयुग सिंह के पुत्र—रामानुज सिंह, कार्यानन्द सिंह, रामविलास सिंह । रामवालक सिंह के पुत्र—रामप्रवेश सिंह और नवल सिंह । रामाशीष सिंह के पुत्र—भूषण सिंह, गोंगू सिंह और निवास सिंह । रामचंद्र सिंह के पुत्र—बूढ़ा सिंह एवं मोन्दू सिंह ।

प्यारे सिंह *नावल्द ।

शिवू सिंह के पुत्र—रामभजू सिंह, महावीर सिंह । रामभजू सिंह के पुत्र—मूशो सिंह, इनके पुत्र—विपिन कुमार, गोरे सिंह और प्रमील सिंह, महावीर सिंह के पुत्र—गया सिंह नाबल्द, चाँदो सिंह नावल्द, गोविन्द सिंह नावल्द, बाके बिहारी सिंह, विलायती सिंह एवं रामईश्वर सिंह नावल्द ।

बाँके बिहारी सिंह के पुत्र—अजय कुमार सिंह, लुटकन सिंह एवं राजी प्रसाद सिंह । विलायती सिंह के पुत्र—अशोक कुमार सिंह, रमेश सिंह और उदय सिंह ।

*डिला सिंह के पुत्र—पुना सिंह, रणजीत सिंह । पुना सिंह के पुत्र निता सिंह और चतुर्भुज सिंह । निता सिंह के पुत्र ख्याली सिंह, शिवमंगल सिंह । ख्याली सिंह के पुत्र—हितु सिंह नावल्द, गागी सिंह नावल्द और रामशरण सिंह ।

शिवमंगल सिंह के पुत्र—कंत सिंह, इनके पुत्र राजेन्द्र सिंह एवं अवधेश सिंह । राजेन्द्र सिंह के पुत्र शंकर सिंह और बबलू सिंह ।

***चतुर्भुज सिंह के पुत्र**—सपन सिंह, बच्चू सिंह । नावल्द

सपन सिंह के पुत्र—महाबीर सिंह, दशरथ सिंह, बाबूलाल सिंह । और बालदेव सिंह । दशरथ सिंह के अलावे तीनों नावल्द ।

दशरथ सिंह के पुत्र—रामचन्द्र सिंह और रामउचित सिंह ।

रामचन्द्र सिंह के पुत्र —रामरतन सिंह, श्यामरत्न सिंह और देवरत्न सिंह ।

रामउचित सिंह के पुत्र—मीठन सिंह, इनके पुत्र रामधन सिंह, इनके पुत्र जगदम्बी सिंह, ब्रजदेव सिंह और अनुप सिंह ।

***जगदम्बी सिंह के पुत्र**—चंद्र सिंह, राजेश्वर सिंह, बिलायती सिंह, और भापो सिंह ।

चंद्र सिंह के पुत्र सुरेन्द्र सिंह और इनके पुत्र पप्पु सिंह, राजेश्वर सिंह के पुत्र श्रीसिंह ।

विलायती सिंह के पुत्र—पप्पू सिंह और कक्कू सिंह ।

कापो सिंह के पुत्र—संजय सिंह और विजय सिंह ।

Scanned by CamScanner

*ब्रजदेव सिंह के पुत्र—बालमुकुंद सिंह, अभिनंदन सिंह, व्यास सिंह और बदयशंकर सिंह।

व्यास सिंह के पुत्र—मंटू सिंह।

अनुप सिंह के पुत्र—श्याम सुन्दर सिंह, जनार्दन सिंह, वृजनंदन सिंह, अरुण सिंह, विपिन सिंह और मंजुल सिंह।

जनार्दन सिंह के पुत्र—चुनचुन सिंह, टुनटुन सिंह एवं संजीव सिंह।

श्याम सुंदर सिंह के पुत्र राकेश सिंह।

वृजनन्दन सिंह के पुत्र—मुन्ना सिंह।

रुकू सिंह के पुत्र—लखन सिंह, झंडू सिंह नावल्द, घनश्याम सिंह, देवी सिंह एवं वोआ सिंह। लखन सिंह के पुत्र धमन सिंह और मान सिंह। धमन सिंह के पुत्र नोखा सिंह, उधम सिंह, दुखा सिंह, राम सिंह, दाहा सिंह और पेमन सिंह। (नोखा सिंह, उधम सिंह और राम सिंह नावल्द) दुखा सिंह के पुत्र, भीखम सिंह, इनके पुत्र ब्रह्मदेव सिंह, मटुकी सिंह नावल्द। ब्रह्मदेव सिंह के पुत्र—नरेश सिंह एवं सुरेश सिंह। नरेश सिंह के पुत्र—मंगल सिंह।

दाहा सिंह के पुत्र—कुंजी सिंह, रामधन सिंह और देशू सिंह, कुंजी सिंह के पुत्र रामस्वरूप सिंह और त्रिलोकी सिंह नावल्द। रामस्वरूप सिंह के पुत्र तनिक सिंह, इनके पुत्र शचीन्द्र सिंह, लटरू सिंह और मनोज सिंह। देशु सिंह के पुत्र अजब-स्वरूप सिंह, केत सिंह (कंत सिंह) एवं मोहर सिंह (मेंही)। (कंत सिंह और मेंही सिंह नावल्द)

अजबस्वरूप सिंह के पुत्र बालमीकि सिंह, इनके पुत्र शैलेन्द्र सिंह, संजय सिंह।

रामधन सिंह के पुत्र—रामरक्षी सिंह, इनके पुत्र शिविल सिंह, राजेन्द्र सिंह, उपेन्द्र सिंह और बबन सिंह।

उपेन्द्र सिंह के पुत्र मुन्ना सिंह, चुन्ना सिंह। बबन सिंह के पुत्र गौकर्ण सिंह।

पेमन सिंह के पुत्र—गया सिंह, इनके पुत्र कुन्नी सिंह और सुखदेव सिंह नावल्द। चुन्नी सिंह के पुत्र रामचंद्र सिंह, विद्यासागर सिंह, हरेराम सिंह, शिव बालक सिंह।

रामचंद्र सिंह के पुत्र—पप्पू सिंह, सुबोध सिंह और पंकज सिंह, महेश सिंह।

मान सिंह के पुत्र—छतर सिंह और इनके पुत्र मुखलाल सिंह, इनके पुत्र रामकिशुन सिंह।

गौण मिश्र के पुत्र वीर राय के पुत्र नीलकंठ राय, नरसिंह राय, कृत राय, मनन राय, शिव राय। नरसिंह राय के पुत्र हरी राय और अनंत राय। हरी राय

Scanned by CamScanner

के दो पुत्र—रूप राय और कल्याण राय। रूप राय के पुत्र टोरल राय, पूरण राय, मथुरा राय और गौणी राय।

गौणी राय के पुत्र धर्म राय, दुलह राय, दीनमन राय, खीरोधर राय, कर्म सेन राय और मेदिनी राय।

दिनमन राय के पुत्र शिवदत्त राय, इनके पुत्र कारू राय, मणियार राय और दिलीप राय।

कारू राय के पुत्र शिवजी सिंह, इनके पुत्र गंगा सिंह, इनके पुत्र चमन सिंह, इनके पुत्र लक्षमण सिंह (नावल्द) और श्रवण सिंह (नावल्द)।

मणियार राय के पुत्र आका राय, इनके पुत्र देवचन राय, इनके पुत्र—ठाकुर राय, चोआ राय, खड़गचन राय और हेमन राय। ठाकुर राय के पुत्र दीपन राय, इनके पुत्र वंशी सिंह, लेखा सिंह और निखिल सिंह। वंशी सिंह के पुत्र शुकर सिंह और रामगुलाम सिंह। शुकर सिंह के पुत्र राधाकृष्ण सिंह और नरेश सिंह। रामचंद्र सिंह के पुत्र विपिन सिंह, मंटुन सिंह, आमोद सिंह और दिनेश सिंह। नागेश्वर सिंह के पुत्र बवलू सिंह। विष्णु देव सिंह के पुत्र राहुल सिंह।

रामगुलाम सिंह के पुत्र अनुप सिंह (नावल्द) जगदीश सिंह, रामनंदन सिंह। जगदीश सिंह के पुत्र—प्रकाश सिंह; रामप्रवेश सिंह और अरविन्द सिंह। जगदम्बी सिंह, बलघूरन सिंह और जानी सिंह। जगदम्बी सिंह नावल्द बलघूरन सिंह के पुत्र राम तपस्या सिंह, सुधीर सिंह एवं शंकर सिंह। (शंभू सिंह नावल्द) जानी सिंह के पुत्र अर्जुन सिंह, बृजनंदन सिंह, राजनीति सिंह और चक्रवर्ती सिंह।

लेखा सिंह के पुत्र अम्बिका सिंह, जंगल सिंह (नावल्द), गुमानी सिंह। अम्बिका सिंह के पुत्र अनिरूद्ध सिंह (नावल्द) गुमानी सिंह के पुत्र श्याम देव सिंह, इन्द्रदेव सिंह। श्याम देव सिंह के पुत्र—प्रमोद सिंह, सुवन सिंह, संजय सिंह, अनमोल सिंह, रंजन सिंह और पवन सिंह। इन्द्रदेव (नावल्द)।

चोआ राय के पुत्र सुदी राय, हीरा राय, लाला राय। (सुदी राय, हीरा राय नावल्द)

लालाराय के पुत्र मीतलाल सिंह, इनके पुत्र टुन्नी सिंह, इनके पुत्र सातो सिंह, इनके पुत्र राजीव सिंह और संजीव सिंह। खड़पनराय के पुत्र चुरामण राय।

हेमन राय के पुत्र लखपत सिंह, नेपाली सिंह, घाना सिंह। घाना सिंह के पुत्र रामेश्वर प्र० सिंह, इनके पुत्र बबन सिंह, अवधेश सिंह, स्वराज्य सिंह, सुरेन्द्र सिंह और महेन्द्र सिंह। बबन सिंह के पुत्र राजेन्द्र मणि सिंह, कन्हैयामणि सिंह एवं राहुल मणि सिंह। अवधेश सिंह के पुत्र पप्पू मणि।

Scanned by CamScanner

खीरोछन राय के पुत्र—शिवदेव राय, इनके पुत्र जगदीपराय, इनके पुत्र भोला राय, भजन राय। भोला राय के पुत्र होरिल राय एवं उदमत राय। होरिलराय के दरवारी सिंह, नेहाल सिंह। नेहाल सिंह के पुत्र चंडी सिंह, शिवसहाय सिंह एवं गुरुसहाय सिंह।

चंडी सिंह के पुत्र ख्याली सिंह, इनके पुत्र बांके सिंह, रामवालक सिंह, और रामौतार सिंह। बांके सिंह के पुत्र रामाश्रय सिंह, विष्णुदेव सिंह, रामानुज सिंह के पुत्र देव सिंह। रामौतार सिंह के पुत्र—सुरेन्द्र सिंह, रामसुभग सिंह। सुरेन्द्र सिंह के पुत्र नरेश सिंह, दिनेश सिंह।

रामबालक सिंह के पुत्र—शंकर सिंह और प्रमोद सिंह।

शिवसहाय सिंह के पुत्र गया सिंह और दासो सिंह। गया सिंह के पुत्र अरुण सिंह, उमेश सिंह। दाशो सिंह के पुत्र साधु सिंह, रामदेव सिंह, किशोरी सिंह। साधु सिंह के पुत्र रामप्रवेश सिंह, इनके पुत्र पंकज सिंह। रामदेव सिंह के पुत्र प्रहलाद सिंह, मुन्ना सिंह, किशोरी सिंह के पुत्र विजय सिंह, बच्चा सिंह।

गुरसहाय सिंह के पुत्र गोरेलाल सिंह, मिश्री सिंह। गोरेलाल सिंह के पुत्र कापो सिंह, सागर सिंह, महेन्द्र सिंह। कापो सिंह के पुत्र हरे राम सिंह, अनिल सिंह, नवीन सिंह। (सागर सिंह, महेन्द्र सिंह नावल्द)।

दरवारी सिंह के पुत्र जेठू सिंह, तिलकधारी सिंह। जेठू सिंह के पुत्र कन्ती सिंह, नेवाजी सिंह। कन्ती सिंह के पुत्र कारु सिंह, इनके पुत्र अरविन्द सिंह, सुनील सिंह, संजीव सिंह, टमटम सिंह, किसन सिंह। तिलकधारी सिंह के पुत्र तारनी सिंह, इनके पुत्र पवन कुमार, अशोक कुमार, सुधीर कुमार। पवन कुमार के पुत्र पंकज सिंह।

भजन राय के पुत्र—गोपन सिंह, दाला सिंह, कुतोहल सिंह और अनिरुद्ध सिंह।

गोपन सिंह के पुत्र मूसन सिंह, खेमजीत सिंह। मुसन सिंह के पुत्र महादेव सिंह, बीजा सिंह, लेखा सिंह। महादेव सिंह के पुत्र लीला सिंह, खूबलाल सिंह। लीला सिंह के पुत्र रोदन सिंह, खेत सिंह, जगमोहन सिंह। रोदन सिंह के पुत्र मूंगा सिंह, इनके पुत्र सुदो सिंह, आशीष सिंह और सागर सिंह। सुदो सिंह के पुत्र टुनटुन सिंह, कुनकुन सिंह, आशीष सिंह, अशोक सिंह। खेत सिंह के पुत्र किसुन सिंह, शिवू सिंह, गिरिजा सिंह। शीवू सिंह के पुत्र बबलू सिंह, महेन्द्र सिंह। गिरिजा सिंह के पुत्र अजय सिंह। जगमोहन सिंह के पुत्र लखन सिंह, नकट सिंह, गोले सिंह, राजो सिंह। (गोले सिंह, राजो सिंह नावल्द)।

लखन सिंह के पुत्र—ब्रजदेव सिंह, नागेश्वर सिंह, सुरेश सिंह, सूर्यनारायण सिंह, सत्यनारायण सिंह एवं मंटु सिंह। नकट सिंह के पुत्र अरुण सिंह, सदानंद

Scanned by CamScanner

सिंह, मखरू सिंह, सुधीर सिंह, अनिल सिंह। बीजा सिंह के पुत्र कुरकुट सिंह (ना०)। टेका सिंह (ना०)।

खेमाजीत सिंह के पुत्र ढोराय सिंह (ना०), कीरत सिंह, दीगा सिंह (ना०), कीरत सिंह के पुत्र मौजी सिंह, इनके पुत्र विष्णुदेव सिंह, इनके पुत्र लाल सिंह।

कुतूहल सिंह के पुत्र झमन सिंह, इनके पुत्र खुशरू सिंह, इनके पुत्र वीनो सिंह, इनके पुत्र गोंगू सिंह, रामनंनद सिंह। गोंगू सिंह के पुत्र नरेश सिंह, पप्पू सिंह। रामनंदन सिंह के पुत्र मुन्ना सिंह, रब्बू सिंह। दालो सिंह के पुत्र दाहु सिंह, इनके पुत्र मेधा सिंह, मीता सिंह। मेघा सिंह के पुत्र चुन्नी सिंह, इनके पुत्र रामखेलावन सिंह, इनके पुत्र यदुनंदन सिंह, कापो सिंह। यदुनंदन सिंह के पुत्र वालेश्वर सिंह। कापो सिंह के पुत्र अनील सिंह।

मीता सिंह के पुत्र रामसहाय सिंह, रामलाल सिंह। रामसहाय सिंह नावल्द। रामलाल सिंह के पुत्र वैजनाथ सिंह, द्वारिका सिंह। वैजनाथ सिंह के पुत्र निहोर सिंह, पागो सिंह। पागो सिंह के पुत्र व्रजनन्दन सिंह, राजनंदन सिंह, शंकर सिंह, उमेश सिंह। निहोर सिंह के पुत्र डोमन सिंह। द्वारिका सिंह के पुत्र कालेश्वर सिंह एवं कृष्णनंदन सिंह। कालेश्वर सिंह के पुत्र दहोर सिंह, संजय सिंह।

अनिरुद्ध सिंह के पुत्र भागी सिंह, वंशी सिंह, छत्रु सिंह, तीनों भाई नावल्द।

क्रमसेन सिंह के पुत्र विलखू सिंह, लवकुश सिंह, लवकुश सिंह के पुत्र पेमन सिंह। पेमन सिंह के पुत्र मिलन सिंह, हीरा सिंह। हीरा सिंह के पुत्र पराव सिंह, केदली सिंह। पराव सिंह के पुत्र डेगन सिंह, इनके पुत्र शीतल सिंह, सरयुग सिंह (ना०), देवकी सिंह (ना०), शीतल सिंह के पुत्र तनिक सिंह। केदली सिंह के पुत्र लोची सिंह, झाला सिंह, बाजा सिंह (दोनों नावल्द)। लोची सिंह के पुत्र सियाराम सिंह, सीताराम सिंह, दयाराम सिंह। सियाराम सिंह के पुत्र विपिन कुमार सिंह, नवीन कुमार सिंह एवं प्रवीण कुमार सिंह।

धर्मराय के पुत्र—रामनारायण राय, इनके चौथे पुत्र नागेश्वर राय, इनके पुत्र गुदरी सिंह, इनके पुत्र तेतर सिंह, बंगाली सिंह, इनके पुत्र बिनो सिंह, मेही सिंह। (वीनो सिंह नावल्द)।

●

Scanned by CamScanner

चेतन टोला खुटहा–(दरप बाबा पट्टी)

वीर राय के तृतीय पुत्र कीरत राय के पुत्र बसन राय, इनके पुत्र दरप राय। इनके पुत्र यदु राय और सकत राय। यदु राय के पुत्र रामजी राय और गोपाल राय। गोपाल राय के पुत्र लक्ष्मण राय, जय राय, केशो राय, मलूक राय और बालगोविन्द राय। लक्ष्मण राय के पुत्र घन्ती राय, बोधी राय, हरगोविन्द राय, जयनन्दन राय। बोधी राय के पुत्र उदय राय, होरिल राय, मोहन राय।

होरिल राय के पुत्र चेतन सिंह, नित्या सिंह, देवी सिंह, भेष सिंह और विद्यापति सिंह।

देवी सिंह के पुत्र ओवराज सिंह, लेखा सिंह, पोखराज सिंह और गणेशदत्त सिंह। ओवराज सिंह के पुत्र तिलकधारी सिंह, दरोगा सिंह एवं छोटू सिंह।

तिलकधारी सिंह के पुत्र हरिवंश सिंह। इनके पुत्र रामौतार सिंह, रामखेलावन सिंह। रामौतार सिंह के पुत्र दिनेश सिंह, राम विलास सिंह।

दिनेश सिंह के पुत्र नवल किशोर सिंह।

रामखेलावन सिंह के पुत्र रमैती सिंह, नवीन सिंह।

दरोगा सिंह के पुत्र धौला सिंह, मटुक सिंह। मटुक सिंह के पुत्र अर्जुन सिंह, बनारसी सिंह। इनके पुत्र रामप्रवेश सिंह और रामाधार सिंह।

छोटू सिंह के पुत्र रघुनाथ सिंह, संतोषी सिंह। रघुनाथ सिंह के पुत्र रामकृपा सिंह। इनके पुत्र राजाराम सिंह और रवीन्द्र सिंह। संतोषी सिंह के पुत्र अजीत सिंह, रामनन्दन सिंह, रामलड्डू सिंह, सागर सिंह।

अजीत सिंह के पुत्र भाषो सिंह। रामनन्दन सिंह के पुत्र मोहन सिंह, राम प्रकाश सिंह, रमेश सिंह। रामलड्डू सिंह नावल्द। सागर सिंह संन्यासी—श्याम सुन्दर दास के नाम से प्रसिद्ध। लेखा सिंह के पुत्र नीलकंठ सिंह। पोखराज सिंह के पुत्र रामनारायण सिंह।

गणेश दत्त सिंह के पुत्र चंचल सिंह। इनके पुत्र मेदिनी सिंह। इनके पुत्र विश्वनाथ सिंह। इनके पुत्र रामबालक सिंह। इनके पुत्र अशोक कुमार सिंह, दिलीप कुमार।

मेख सिंह के पुत्र मोढ़न सिंह, लोहा सिंह एवं तोती सिंह।

मोढ़न सिंह के पुत्र रामगुलाम सिंह, कारु सिंह। रामगुलाम सिंह के पुत्र दासो सिंह, सरयू सिंह।

Scanned by CamScanner

कारु सिंह के पुत्र अम्बिका सिंह। इनके पुत्र सुराज सिंह, रामराज सिंह, धनराज सिंह, अरुण सिंह। सुराज सिंह के पुत्र टुनटुन सिंह, मंटुन सिंह, लोहा सिंह।

तोती सिंह के पुत्र थम्मू सिंह, शुभरण सिंह। थम्मू सिंह के पुत्र रामधन सिंह। इनके पुत्र भोला सिंह। इनके पुत्र रामेश्वर सिंह, रामचन्द्र सिंह, रामदेव सिंह, रामशंकर सिंह। रामेश्वर सिंह के पुत्र महेश सिंह। रामचन्द्र सिंह के पुत्र देवेन्द्र सिंह। रामदेव सिंह के पुत्र राजेन्द्र सिंह, पोलो सिंह। शंकर सिंह के पुत्र मनोज सिंह और आमोद सिंह। शुभरण सिंह के पुत्र द्वारिका सिंह।

विद्यापत सिंह के चार पुत्र शिवूराय सिंह, इना सिंह, द्वारिका सिंह, प्रताप सिंह। शिवू राय सिंह के पुत्र बबुआ सिंह, भगवान प्र० सिंह। बबुआ सिंह के पुत्र रामलखन सिंह, बजरंगी सिंह, सूर्यनारायण सिंह एवं अनूपनारायण सिंह। रामलखन सिंह (ना०)। बजरंगी सिंह के पुत्र रमाकान्त सिंह और महादेव सिंह। रमाकान्त सिंह के पुत्र मारकंडे सिंह और श्रीनारायण सिंह। मारकंडे सिंह के पुत्र छोटे सिंह और बड़े सिंह।

सूर्यनारायण सिंह के पुत्र रमारमण सिंह, राधारमण सिंह। राधारमण सिंह के पुत्र रामपदारथ सिंह, रामस्वारथ सिंह, रामविलास सिंह, राजेन्द्र सिंह। अनूप नारायण सिंह के पुत्र रामकृष्णदेव सिंह। रामकृष्णदेव सिंह के पुत्र रामभूषण सिंह। भगवान प्र० सिंह जोकिया वासी। इना सिंह के पुत्र उमा सिंह, फतेह सिंह। उमा सिंह के पुत्र अटल बिहारी सिंह, कामेश्वर सिंह एवं जयजय सिंह। अटल बिहारी सिंह (ना०)। जयजय सिंह (ना०)।

कामेश्वर सिंह के पुत्र नागेश्वर सिंह, रामाश्रय सिंह, बालकिशोर सिंह। नागेश्वर सिंह के पुत्र हरिकांत सिंह, श्रीकांत सिंह। हरिकांत सिंह के पुत्र मंटुन सिंह। रामाश्रय सिंह के पुत्र रामचन्द्र सिंह, प्रमोद सिंह, रवीन्द्र सिंह, परमानन्द सिंह। बालकिशोर सिंह के पुत्र गोपालशरण सिंह। फतेह सिंह के दो पुत्र कीटर सिंह और रामस्वरूप सिंह। कीटर सिंह के पुत्र चन्द्रिका सिंह, सत्यनारायण सिंह और नवल सिंह। चन्द्रिका सिंह के पुत्र सुबोध सिंह, ओंकार सिंह, कुन्दन सिंह। सत्यनारायण सिंह के पुत्र पप्पू सिंह, दीपक सिंह, दिलीप सिंह, जयशंकर सिंह, रामप्रवेश सिंह एवं संजय सिंह।

रामस्वरुप सिंह के पुत्र जनार्दन सिंह, रामजीवन सिंह।

द्वारिका सिंह के पुत्र जानकी सिंह, मेदिनी सिंह, भरोसी सिंह।

जानकी सिंह के पुत्र यमुना सिंह, दया सिंह, मथुरा सिंह, तनिक सिह। जमुना सिंह के पुत्र सुरेश सिंह। दया सिंह के पुत्र उपेन्द्र सिंह। मथुरा सिंह के

Scanned by CamScanner

रामाशीष सिंह, रामानुज सिंह, रामउदित सिंह। रामानुज सिंह के पुत्र पप्पू सिंह।

मेदिनी सिंह नावल्द। भरोसी सिंह के पुत्र छितो सिंह। छितो सिंह के पुत्र रघुनन्दन सिंह।

तनिक सिंह के पुत्र रामभूषण सिंह, चन्द्रमौलि सिंह—अकबरपुर वासी।

प्रताप सिंह के पुत्र खातो सिंह, जौंगी सिंह, बलदेव सिंह। खातो सिंह के पुत्र शिया सिंह, धुन्ध सिंह। शिया सिंह के पुत्र सीताराम सिंह, रामचन्द्र सिंह, शुकर सिंह। सीताराम सिंह के पुत्र बालमुकुन्द सिंह, रामबाबू सिंह, नलनी सिंह, विलायती सिंह, रामचन्द्र सिंह के पुत्र मंटुन सिंह।

धुन्ध सिंह के पुत्र बालेश्वर सिंह, इनके पुत्र बमबम सिंह। जौंगी सिंह।

बालदेव सिंह के पुत्र साधुशरण सिंह और भागीरथ सिंह। साधुशरण सिंह के पुत्र सत्यनारायण सिंह। गंगा सिंह के पुत्र नागेन्द्र सिंह, कवीन्द्र सिंह। भागीरथ सिंह के पुत्र—मंटुन सिंह।

चेतन सिंह के पुत्र झूमक सिंह, इनके पुत्र भिक्षुक सिंह और नूनू सिंह। भिक्षुक सिंह के पुत्र डोभी सिंह, इनके पुत्र अयोध्या सिंह, इनके पुत्र रामेश्वर सिंह, इनके पुत्र बलराम सिंह, परशुराम सिंह। बलराम सिंह के पुत्र राममनोहर सिंह। नूनू सिंह के पुत्र जयराम सिंह और श्री सिंह। जयराम सिंह के पुत्र—नाथो सिंह और झूलन सिंह। नाथो सिंह के पुत्र—राधे सिंह, वकील सिंह। राधे सिंह के पुत्र—पवन सिंह। झूलन सिंह के पुत्र हनुमान सिंह और शिवनारायण सिंह। नित्या सिंह के पुत्र टीपन सिंह, फेका सिंह। टीपन सिंह के पुत्र कुंजी सिंह, जूरी सिंह। कुंजी सिंह के पुत्र महावीर सिंह। इनके पुत्र रामस्वरुप सिंह, इनके पुत्र राधे सिंह और दिनेश सिंह। दिनेश सिंह के पुत्र गुपेश सिंह और हरेराम सिंह। जूरी सिंह के पुत्र वच्चू सिंह, इनके पुत्र बाजा सिंह, लच्छू सिंह। बाजा सिंह के पुत्र रामसुन्दर सिंह, श्यामसुन्दर सिंह और रामसेवक सिंह। रामसुन्दर सिंह के पुत्र अनिल सिंह, राजाराम सिंह, रणजीत सिंह और संटू सिंह।

फेका सिंह के पुत्र—भातू सिंह, रामू सिंह और सिसाल सिंह। भातू सिंह के पुत्र नन्दलाल सिंह, रुपन सिंह और विश्वनाथ सिंह, नन्दलाल सिंह के पुत्र मेदिनी सिंह, दशरथ सिंह, युगल सिंह। मेदिनी सिंह के पुत्र—रामनिरंजन सिंह, नवल किशोर सिंह। रामनिरंजन सिंह के पुत्र विनय सिंह एवं विपिन सिंह एवं मनोज सिंह के पुत्र सत्यनन्दन सिंह, इनके पुत्र राजनीति सिंह, अनुज सिंह, अरविन्द सिंह, अशोक सिंह, बड़ेलाल सिंह एवं छोटेलाल सिंह। राजनीति सिंह के पुत्र राजन सिंह एवं राजीवरंजन सिंह। युगल सिंह के पुत्र रामनरेश सिंह एवं उमेश सिंह।

Scanned by CamScanner

रामनरेश सिंह के पुत्र रामशंकर सिंह एवं शिवशंकर सिंह। उमेश सिंह के पुत्र संजय सिंह एवं संतोष सिंह। रुपम सिंह के पुत्र चन्देश्वर सिंह, जगदम्बी सिंह, कामो सिंह, एवं सीताराम सिंह। चन्देश्वर सिंह के पुत्र रामनन्दन सिंह एवं कृष्णनन्दन सिंह। रामनन्द सिंह के पुत्र जयशंकर सिंह एवं मणि सिंह। कृष्णन्दन सिंह के पुत्र बवन सिंह। नारायण सिंह। जगदम्बी सिंह के पुत्र राजनन्दन सिंह। कामो सिंह के पुत्र बलराम सिंह एवं परशुराम सिंह। बलराम सिंह के पुत्र रमेश सिंह, महेश सिंह। परशुराम सिंह। सीताराम सिंह के पुत्र रामविलाश सिंह, रामविलाश सिंह के पुत्र—सोनी सिंह।

रामू सिंह के पुत्र दुर्गा सिंह, इनके पुत्र हरिहर सिंह मथुरा सिंह एवं ढ़ोढ़ी सिंह। हरिहर सिंह के पुत्र बाढ़ो सिंह, विलायती सिंह, विशो सिंह एवं टुह्ला सिंह। मथुरा सिंह ना०।

ढ़ोढ़ी सिंह के पुत्र आनंदी सिंह, नारायण सिंह, जीतन सिंह, कमलदेव सिंह, देवनंदन सिंह, रवीन्द्र सिंह एवं मंटू सिंह।

रिसाल सिंह के पुत्र—शोभन सिंह, इनके पुत्र शिया सिंह, यदुनंदन सिंह एवं सिपाही सिंह। शिया सिंह के पुत्र लुखो सिंह, राजो सिंह, बूढ़ा सिंह, नागो सिंह। यदुनंदन सिंह के पुत्र—नकुलदेव सिंह। सिपाही सिंह के पुत्र—राम किशोर सिंह, श्याम किशोर सिंह एवं सहदेव सिंह।

●

[चौभैया—जयराय—चेतन टोला [मदन राय-टेका राय]

मदन राय के तीन पुत्र—छकू राय, इन्दर राय और दुलार राय। छकू राय के पुत्र-तारा सिंह, गुरदयाल सिंह। तारा सिंह के पुत्र—डेंगन सिंह और भोला सिंह। डेंगन सिंह के तीन पुत्र—नकट सिंह, लालजीत सिंह और सम्मन सिंह। नकट सिंह के पुत्र हिया सिंह। हिया सिंह के पुत्र रामस्वरुप सिंह, बंगाली सिंह, देवश्री सिंह, वालेश्वर सिंह, शीरो सिंह, छातो सिंह और तनिक सिंह। रामस्वरुप सिंह के पुत्र बच्चू सिंह, गोरे सिंह और सत्येन्द्र सिंह। बच्चू सिंह के पुत्र मनोज सिंह, मुन्ना सिंह, चन्ना सिंह। बंगाली सिंह (नावल्द)। तनिक सिंह के पुत्र मंटुन सिंह एवं अणंत सिंह। लालजीत सिंह नावल्द। सम्मन सिंह के पुत्र वासुदेव सिंह (नावल्द)। लखन सिंह, बिभीषण सिंह, दामोदर सिंह। वासुदेव सिह (नावल्द)। लखन सिंह के पुत्र-शिवदानी सिंह, शिवनंदन सिंह, तिरपति सिंह और राममूर्ति सिंह। शिवनंदन सिंह के पुत्र-रामबाबू सिंह, गोपाल सिंह और लाल सिंह। बिभीषण सिंह के पुत्र—जटाशंकर सिंह, रामजीवन सिंह। जटाशंकर सिंह के पुत्र गिरीश सिंह। गुरुदयाल सिंह नावल्द, गोनर सिंह नावल्द। इन्दर सिंह के पुत्र—तूफानी सिंह, इनके पुत्र डोमी सिंह, खखर सिंह। डोमी सिंह के पुत्र—बैजनाथ सिंह, गया सिंह, लटी सिंह, निखद सिंह। बैजनाथ सिंह के पुत्र-बहादुर सिंह वासी डुमरी। गया सिंह के पुत्र रामखेलावन सिंह, अर्जुन सिंह। राम खेलावन सिंह नावल्द। अर्जुन सिंह के पुत्र सीता राम सिंह, शैलेन्द्र सिंह, पप्पू सिंह। लुटी सिंह नावल्द। निखद सिंह नावल्द।

दुलार राय के छः पुत्र—झारखंड सिंह, उमन सिंह, बुधन सिंह, अनिरूद्ध सिंह एवं अनपुछ सिंह। झारखंड सिंह (नावल्द)। उमन सिंह के पुत्र तीला सिंह, इनके पुत्र नाथो सिंह, इनके पुत्र रामजी सिंह और चरित्र सिंह। रामजी सिंह के पुत्र-रामप्रवेश सिह। पुना सिंह (नावल्द)। बुधन सिंह के पुत्र लेलहंन सिंह, इनके पुत्र बीनू सिंह (नावल्द)। अनिरूद्ध सिंह (नावल्द)।

टेका राय के पुत्र—ज्ञान सिंह, एवं अकलू सिंह। ज्ञान सिंह (नावल्द)। हेमंत सिंह के पुत्र-हरखू सिंह, नेमधारी सिंह, जीतन सिंह, शिवसहाय सिंह एवं खेलू सिंह। हरखू सिंह के पुत्र चंचल सिंह, महावीर सिह एवं रघू सिह। चंचल सिह के पुत्र मुल्की सिंह एवं रामाधीन सिंह। मुल्की सिंह के पुत्र गोविंद सिंह, विष्णुदेव सिंह एवं बच्चा सिह। रामाधीन सिंह (ना०), महावीर सिंह (नावल्द)। रघु सिंह के पुत्र लोका सिंह एवं प्रयाग सिंह। लोका सिंह के पुत्र युगल सिंह। प्रयाग सिंह नावल्द। नेमधारी सिंह के पुत्र कोंईयां सिंह, इनके पुत्र बलदेव सिंह, इनके पुत्र रामनंदन सिंह, केदार सिंह, गीता सिंह, रामविलाश

Scanned by CamScanner

सिंह, अवधेश सिंह, अधिक सिंह एवं राजेश्वर सिंह। रामनंदन सिंह के पुत्र—रवीन्द्र सिंह, विनोद सिंह एवं विनय सिंह। केदार सिंह के पुत्र—अनिल सिंह, सुनील सिंह। नरेश सिंह के पुत्र—गोपेश सिंह, मधेश्वर सिंह। गीता सिंह के पुत्र—विपिन सिंह। राम विलास सिंह के पुत्र—रामकिशुन सिंह और सूखो सिंह। राम किशुन सिंह के पुत्र—रामजी सिंह, इनके पुत्र—संजय सिंह। सुखो सिंह (नावल्द)। शिवसहाय सिंह के पुत्र—रामशरण सिंह (नावल्द)। खेली सिंह के पुत्र—फौदी सिंह, इनके पुत्र—भाषो सिंह, मुंद्रिका सिंह एवं रामनारायण सिंह। मुंद्रिका सिंह के पुत्र—पंकज सिंह एवं अम्बोज सिंह।

केशो राय के पुत्र दलजीत राय, महादेव राय, चन्द्रदेवराय एवं तहबल राय। तहवल राय के पुत्र—भवानी सिंह, रीतू सिंह। भवानी सिंह के पुत्र—औंधी सिंह और नोखा सिंह। औंधा सिंह के पुत्र—बटोरन सिंह और औंटीं सिंह। बटोरन सिंह के पुत्र—रामकिशुन सिंह, जंगली सिंह, रामकृपाल सिंह। औंधी सिंह नावल्द। नोखा सिंह के पुत्र—जगदीप सिंह नावल्द। रीतू सिंह के पुत्र—नाकू सिंह, ठाढ़ी सिंह, ठोढ़ाय सिंह। नाकू सिंह के पुत्र—जगरूप सिंह एवं जगन्नाथ सिंह। जगरूप सिंह के पुत्र—रामलड्डू सिंह, जगन्नाथ सिंह नावल्द। ठाढ़ी सिंह के पुत्र—महावीर सिंह एवं नेवाजी सिंह, दोनों नावल्द। ठोढ़ाय सिंह नावल्द।

चन्द्रदेव राय के पुत्र—फुल्ली राय, इनके पुत्र—खेदु राय, इनके पुत्र—जानकी सिंह, मुसहर सिंह। जानकी सिंह के पुत्र—लेवार सिंह। इनके पुत्र—मेदनी सिंह, मिश्री सिंह और सौखी सिंह। मेदिनी सिंह नावल्द। मिश्री सिंह के पुत्र—केत सिंह और राजनंदन सिंह। केत सिंह के पुत्र—अरविन्द सिंह व जयप्रकाश सिंह एवं प्रमोद सिंह व मंटू सिंह। अरविंद सिंह के पुत्र—रामाशंकर सिंह, राजनंदन सिंह के पुत्र—सच्चिदानंद सिंह, अच्युतानंद सिंह, कृत्यानंद सिंह एवं सुधीर सिंह। सौखी सिंह के पुत्र चन्देश्वर सिंह एवं आसर सिंह। मुसहर सिंह नावल्द।

सुथरा राय के तीन पुत्र—हीरा राय, हरदत्त राय एवं धनपत राय। हरदत्त राय के पुत्र—छत्तर सिंह और मंगल सिंह। छत्तर सिंह के पुत्र—भोला सिंह, इनके पुत्र टुन्हा सिंह एवं पुट्टन सिंह। टुन्हा सिंह के पुत्र—हितलाल सिंह, मन्नू सिंह एवं सुद्दी सिंह। हितलाल सिंह नावल्द, मन्नू सिंह नावल्द, सुद्दी सिंह, नाथो सिंह, रामदेव सिंह। पुट्टन सिंह के पुत्र नकलाल सिंह और खखर सिंह। नकलालसिंह के पुत्र—लालबिहारी सिंह और रामरूप सिंह। लालबिहारी सिंह के पुत्र—पंचकौड़ी सिंह, रामौतार सिंह, रामबालक सिंह एवं झींगन सिंह।

Scanned by CamScanner

पंचकौड़ी सिंह नावल्द। रामौतार सिंह के पुत्र उदित सिंह और ब्रह्मदेव सिंह। रामबालक सिंह पुत्र—रवीन्द्र सिंह। रामरूप सिंहके पुत्र—गंगा सिंह एवं धनेश्वर सिंह। गंगा सिंह के पुत्र—मल्हू सिंह। धनेश्वर सिंह के पुत्र—सुरेश सिंह। खखर सिंह के पुत्र—सुवेदार सिंह, वीनो सिंह एवं बांके सिंह। सुवेदार सिंह के पुत्र—आशीष सिंह और सत्तन सिंह। सत्तन सिंह के पुत्र—राजनीति सिंह, फुलचंद सिंह। मंगल सिंह के पुत्र—जोगा सिंह, इनके पुत्र ठाकुर सिंह और हुली सिंह। ठाकुर सिंह के पुत्र—जालिम सिंह और रघु सिंह दोनों ही नावल्द। हुली सिंह के पुत्र—छोटन सिंह भी नावल्द।

मलुक राय के पुत्र—नारायण सिंह। इनके पुत्र—योगी सिंह, इनके पुत्र—तोता सिंह, डोमन सिंह एवं रूप सिंह। रूप सिंह के पुत्र—गुद्दी सिंह, दीपन सिंह, सुवहरण सिंह एवं मैघा सिंह। गुद्दी सिंह के पुत्र भातू सिंह, इनके पुत्र बुचाव सिंह और गुड़ा सिंह दोनों नावल्द। दीपन सिंह के पुत्र आसमान सिंह, मीतलाल सिंह, छीना सिंह और खड़गधारी। आसमान सिंह नावल्द। मितलाल सिंह के पुत्र—सम्मन सिंह। सम्मन सिंह के पुत्र—विशो सिंह और रामरक्षा सिंह दोनों नावल्द। छीना सिंह नावल्द।

खड़गधारी सिंह के पुत्र—अनुप सिंह, इनके पुत्र—देवू सिंह, कामो सिंह, हरखित सिंह और रीझन सिंह। देवू सिंह के पुत्र—रामाश्रय सिंह और सेवक सिंह। कामो सिंह के पुत्र नारायण सिंह, फौदारी सिंह और बबलू सिंह। सुबहरण सिंह के पुत्र—खखर सिंह, हलखोरी सिंह। खखर सिंह के पुत्र—मिश्री फिंह, बैजू सिंह। मिश्री सिंह के पुत्र दादो सिंह। हरनंदन सिंह के पुत्र—रामसागर सिंह, ललन सिंह। मेघा सिंह के पुत्र—रामधन सिंह, इनके पुत्र धनुषधारी सिंह, शिवशंकर सिंह और भरत सिंह। शिवशंकर सिंह के पुत्र—प्रसिद्ध सिंह।

सकल राय के पुत्र—परंदर राय, इनके पुत्र दुनियाँ राय, दुखन राय। दुखन राय (डीह)। दुनियाँ राय के पुत्र किशुमन राय, इनके पुत्र—हुलास राय, धरम राय और वेदा राय। हुलास राय नावल्द। धरम राय के पुत्र—शिवदयाल राय, नेहाल राय एवं कन्हैया राय। शिवदयाल राय के पुत्र—राधे सिंह, महापति सिंह। राधे सिंह नावल्द। महापति सिंह के पुत्र—तिलासिंह, मुरली सिंह और कूला सिंह। तीला सिंह नावल्द। मुरली सिंह के पुत्र परसन सिंह नावल्द, और गेन्हारी सिंह नावल्द। कुला सिंह के पुत्र शिवन सिंह, अयोध्या सिंह और बाजो सिंह। शिवन सिंह के पुत्र रामलड्डू सिंह। रामलड्डू सिंह के पुत्र—हरेराम सिंह। अयोध्या सिंह के पुत्र—कृष्णनन्दन सिंह, इनके पुत्र ललन सिंह और चन्दन सिंह। बाजो सिंह नावल्द। नेहाल सिंह के पुत्र लक्षमण सिंह।

Scanned by CamScanner

लक्ष्मण सिंह के पुत्र रघुवंशी सिंह और जटन सिंह। रघुवंशी सिंह के पुत्र रामधन सिंह नावल्द। जटन सिंह के पुत्र मुसाहेब सिंह और राजकुमार सिंह। मुसाहिब सिंह नावल्द। राजकुमार सिंह के पुत्र रामवदन सिंह, इनके पुत्र घुटर सिंह और बैजनाथ सिंह, खड्गधारी सिंह, बेनी सिंह और हुका सिंह। लाल-बिहारी सिंह के पुत्र खेली सिंह और दीगो सिंह नावल्द। खेली सिंह के पुत्र रामबालक सिंह, इनके पुत्र उपेन्द्र सिंह, राजो सिंह और कृष्णनन्दन सिंह। उपेन्द्र सिंह के पुत्र—प्रभाकर सिंह, दिलावर सिंह, रत्नाकर सिंह, सुधाकर सिंह और मुनाकर सिंह। प्रभाकर सिंह के पुत्र रिंकु कुमार। राजो सिंह के पुत्र भूषण सिंह, मकेश्वर सिंह और सरदार सिंह। कृष्णनन्दन सिंह के पुत्र मुरारी सिंह। खड्गधारी सिंह के पुत्र सम्मन सिंह और हांसो सिंह। सम्मन सिंह के पुत्र रामस्वरूप सिंह, इनके पुत्र सुभाष सिंह, अरुण सिंह, बरुण सिंह, करुण सिंह और संटू सिंह। हांसो सिंह के पुत्र रामलखन सिंह, सुकर सिंह और कमलधारी सिंह। रामलखन सिंह के पुत्र रामनारायण सिंह। इनके पुत्र मुन्ना सिंह और पप्पू सिंह। सुकर सिंह के पुत्र—रामनंदन सिंह के पुत्र—अशोक सिंह।

जटाधारी सिंह के पुत्र—मनोज सिंह और सुनील सिंह। कमलधारी सिंह के पुत्र भुवनेश्वर सिंह, इनके पुत्र पंकज सिंह। बेनी सिंह नावल्द। टुका सिंह के सिंह पुत्र रामजी सिंह और विश्वंभर सिंह। रामजी सिंह के पुत्र मोहन सिंह और चंद्रशेखर सिंह। मोहन सिंह के पुत्र ललन सिंह, अनिल सिंह और पंकज सिंह। चन्द्रशेखर सिंह के पुत्र संजय सिंह। विश्वंभर सिंह के पुत्र मारकंडे सिंह, इनके पुत्र पवन कुमार, मनोज कुमार।

वेदा राय के पुत्र निरबल सिंह, पुष्कर सिंह और रामदयाल सिंह। गिरवल सिंह एवं पुष्कर सिंह बोनों नावल्द। रामदयाल सिंह के पुत्र अकल सिंह, हजारी सिंह। अकल सिंह के पुत्र जयपाल सिंह, भरोसी सिंह एवं पत्ती सिंह। जयपाल सिंह के पुत्र रामेश्वर सिंह, अम्बिका सिंह—दोनों नावल्द। भरोसी सिंह के पुत्र सुखराम सिंह और रामखेलावन सिंह—दोनों नावल्द।

पत्ती सिंह के पुत्र बांके सिंह, इनके पुत्र रामनंदन सिंह, शत्रुघ्न सिंह। रामनंदन सिंह के पुत्र प्रवीण सिंह।

हजारी सिंह के पुत्र नाथ सिंह, द्वारिका सिंह एवं राघो सिंह। नाथ सिंह के पुत्र रामस्नेही सिंह और गाजो सिंह।

रामस्नेही सिंह के पुत्र रामचन्द्र सिंह एवं प्रसिद्ध सिंह।

रामचंद्र सिंह के पुत्र रामउचित सिंह, युगल सिंह, विजय सिंह और अजय सिंह। प्रसिद्ध सिंह के पुत्र संजय सिंह।

Scanned by CamScanner

गाजो सिंह के पुत्र रामानुग्रह सिंह, रामविलास सिंह, रामदेव सिंह, रामनरेश सिंह, रामसेवक सिंह एवं छोटेलाल सिंह। रामानुग्रह सिंह के पुत्र अशोक सिंह और अबीस सिंह। रामविलास सिंह के पुत्र बबलू सिंह। द्वारिका सिंह के पुत्र बैकुंठ सिंह एवं बंगाली सिंह। बैकुंठ सिंह के पुत्र कपिलदेव सिंह, इनके पुत्र रमेश सिंह, एवं विनोद सिंह। बंगाली सिंह के पुत्र दिनेश सिंह एवं महेन्द्र सिंह। राघो सिंह के पुत्र रामौतार सिंह, श्यामसुंदर सिंह, विश्वेश्वर सिंह एवं सीतारास सिंह। श्यामसुंदर सिंह के पुत्र अवधेश सिंह एवं अच्युतानंदन सिंह। अवधेश सिंह नावल्द। विश्वेश्वर सिंह के पुत्र ब्रजकिशोर सिंह, अनिल सिंह। सीताराम सिंह के पुत्र अरुण सिंह एवं अरविंद सिंह।

●

Scanned by CamScanner

चेतन टोला (माधो पट्टी)

वीर मिश्र के पुत्र मनन मिश्र, इनके पुत्र प्रताप मिश्र और इनके पुत्र माधो मिश्र, इनके पुत्र तीन—राजाराम मिश्र, इन्द्र मिश्र ओर नरींग मिश्र।

राजाराम मिश्र के पुत्र ब्रह्मा मिश्र, विष्णु मिश्र, शंकर मिश्र और रामदास मिश्र। रामदास मिश्र के दो पुत्र करुण मिश्र और केशो मिश्र। केशो मिश्र के पुत्र पराजित मिश्र के पुत्र तीन—अजीत मिश्र, उग्रनारायण मिश्र और सेवक मिश्र। अजीत मिश्र के तीन पुत्र—पूना मिश्र, गिरिवल मिश्र और सम्मन मिश्र। पूना मिश्र के पुत्र ज्ञान मिश्र, इनके पुत्र पन्नू मिश्र, डीला मिश्र, टोरी मिश्र और कल्लर मिश्र। पन्नू मिश्र के पुत्र दौलत मिश्र, खोसी मिश्र, खीरन मिश्र। दौलत मिश्र के पुत्र बीनो मिश्र और नागो मिश्र। बीनो मिश्र के दो पुत्र राम बालक मिश्र और शिवबालक मिश्र। राम बालक मिश्र के चार पुत्र—सुबोध मिश्र, शंभू मिश्र, संजय मिश्र और अरुण मिश्र। शिवबालक मिश्र के दो पुत्र पंकज मिश्र और अवधेश मिश्र। खोशी मिश्र नावल्द। खीरन मिश्र के दो पुत्र रामानद मिश्र और रामसागर मिश्र। रामानंद मिश्र के तीन पुत्र—रामचन्द्र मिश्र, शिवचन्द्र मिश्र और कृष्ण चन्द्र मिश्र। राम चन्द्र मिश्र के पुत्र अशोक मिश्र। रामसागर मिश्र के दो पुत्र—रामजी मिश्र और रामाश्रय मिश्र। रामजी मिश्र के पुत्र—पप्पू मिश्र और रामाश्रय मिश्र के पुत्र गिरीश मिश्र। डीला मिश्र नावल्द।

टोरी मिश्र के पुत्र—जयपाल मिश्र एवं दल्ली मिश्र। जयपाल मिश्र के पुत्र—अयोध्या मिश्र और यमुना मिश्र। अयोध्या मिश्र के पुत्र हृदयनारायण मिश्र उर्फ बुझावन मिश्र। यमुना मिश्र के पुत्र राजेश्वर मिश्र, बिलायती मिश्र, मस्तराम मिश्र और नवल मिश्र। मस्तराम मिश्र के पुत्र—शंकर मिश्र, विजय मिश्र, हरेराम मिश्र। नवल मिश्र के पुत्र ललन मिश्र और प्रकाश मिश्र।

कल्लर मिश्र के पुत्र खड्गधारी मिश्र, इनके पुत्र राम किशुन मिश्र, नूनूलाल मिश्र, शिवनंदन मिश्र और राजाराम मिश्र तथा राम लड्डू मिश्र। राम किशुन मिश्र के पुत्र—राम गुलाम मिश्र और राम खेलावन मिश्र। राम गुलाम मिश्र के चार पुत्र राम निवास मिश्र, अविनाश मिश्र, श्री निवास मिश्र और प्रवीण मिश्र।

रामखेलावन मिश्र के पुत्र पप्पू मिश्र। शिवनंदन मिश्र के चार पुत्र—सत्यनारायण मिश्र, रामानुज मिश्र, रामसनेही मिश्र, बाल्मीकि मिश्र। सत्यनारायण मिश्र के दो पुत्र श्याम सुन्दर मिश्र और दीनानाथ मिश्र। रामानुज मिश्र के चार

Scanned by CamScanner

पुत्र—विपिन मिश्र, नवीन मिश्र, बबलू मिश्र और विनय मिश्र। रामसनेही मिश्र के दो पुत्र—हरिकांत मिश्र और जयप्रकाश मिश्र। बाल्मीकि मिश्र के दो पुत्र—मुन्ना मिश्र और रंजीत मिश्र। नूनूलाल मिश्र।

राजाराम मिश्र के चार पुत्र—राम चरित्र मिश्र, राजेन्द्र मिश्र, बनारसी मिश्र और कैलाश मिश्र। राम चरित्र मिश्र के पुत्र पंकज मिश्र। राजेन्द्र मिश्र के पुत्र—अनंत मिश्र।

राम लड्डू मिश्र के पाँच पुत्र—कपिल देव मिश्र, महेन्द्र मिश्र, उपेन्द्र नारायण मिश्र, इन्द्रदेव मिश्र और सुरेन्द्र मिश्र। महेन्द्र मिश्र के दो पुत्र—मनोज मिश्र और मुरारी मिश्र। उपेन्द्र नारायण मिश्र के पुत्र अमरेन्द्र मिश्र।

गिरिवल मिश्र के पुत्र—रामसहाय मिश्र और खागा मिश्र दोनों नावल्द।

सम्मन मिश्र के पुत्र नसीब मिश्र, जेहल मिश्र और गुट्टी मिश्र। नसीब मिश्र के पुत्र गाजा मिश्र, इनके तीन पुत्र बिहारी मिश्र, हीरा मिश्र, रामू मिश्र। इनके पुत्र रामौतार मिश्र, इनके पुत्र रवीन्द्र मिश्र, इनके पुत्र सतीश मिश्र।

जेहल मिश्र के पुत्र—ईश्वर मिश्र और छत्तर मिश्र। ईश्वर मिश्र के पुत्र—विष्णुदेव मिश्र, इनके पुत्र मनोज मिश्र।

छत्तर मिश्र के पुत्र देबू मिश्र, देवकी मिश्र और रूचि मिश्र, देबू मिश्र के पुत्र—कमलेश्वरी मिश्र, रामचंद्र मिश्र और नरेश मिश्र। कमलेश्वरी मिश्र के तीन पुत्र—मनोज मिश्र, सरोज मिश्र और मुकेश मिश्र।

गुट्टी मिश्र के पुत्र ख्याली मिश्र, इनके पुत्र गाढ़ों मिश्र नावल्द।

नरींग मिश्र के पुत्र—भैरव मिश्र और केशरी मिश्र। भैरब मिश्र के तीन पुत्र—अनूप मिश्र, चंदन मिश्र और मित्रसेन मिश्र। अनूप मिश्र और चंदन मिश्र डीहबासी।

मिश्रसेन मिश्र के दो पुत्र कूंजा मिश्र और मेहरवान मिश्र। कूंजा मिश्र के पुत्र हरनंदन मिश्र और हुलास मिश्र। हुलास मिश्र के दो पुत्र देव मिश्र और इन्द्र मिश्र। देव मिश्र के पुत्र राज किशोर मिश्र, इनके पुत्र चुल्ही मिश्र, इनके पुत्र—खाड़ो मिश्र, जागो मिश्र और मूरल मिश्र। इन्द्र मिश्र के पुत्र रमाशंकर मिश्र, इनके पुत्र बाबूराम मिश्र, इनके चार पुत्र दिरगोपाल मिश्र, टूका मिश्र, अक्षयलाल मिश्र, हरंगी मिश्र। इनमें तीन नावल्द। दिरगोपाल मिश्र के पुत्र नारायण मिश्र, सीताराम मिश्र और रामदेव मिश्र। सीताराम मिश्र के पुत्र जयशंकर मिश्र। रामदेव मिश्र के पुत्र संजय मिश्र, रंजय मिश्र और मंटून मिश्र।

Scanned by CamScanner

शिवराय (दफा १५)

शिव राय के तीन पुत्र नरोत्तम राय, पुरुषोत्तम राय और मुकुन्द राय। पुरुषोतम राय के पुत्र रामचरण राय, गिरीजा राय और दलजीत राय। रामचरण राय के पुत्र उदीत राय, बलजीत राय, झखड़ राय, और रघुनन्दन राय, इनके पुत्र रामनाथ राय इनके पुत्र मरूअन राय और फुल्लि राय के पुत्र हीरामन राय, चुआ राम, खेतल राय, और ठाकुर राय, हीरामन राय के पुत्र लेखा सिंह इनके पुत्र रामरूप सिंह, बद्री सिंह, चुआ राय के पुत्र कुलो सिंह, नकट सिंह, किटर सिंह और कन्हैया सिंह। कुलो सिंह के पुत्र मुलकी सिंह और शौखी सिंह। शौखी सिंह के पुत्र भासो सिंह और इनके पुत्र रामचन्द्र सिंह तथा मुकुन्द सिंह। रामचन्द्र सिंह के पुत्र टुनटुन सिंह, प्रमोद सिंह, और विनोद सिंह। नकट सिंह के पुत्र रामचरण सिंह. सरभू सिंह पाल सिंह एवं कृपाल सिंह। खेतल राय के पुत्र धारी सिंह और खाड़ो सिंह। धारी सिंह के पुत्र डुकल सिंह। ठाकुर राय के पुत्र सुवर्ण राय और लाला राय। सुवर्ण राय के पुत्र प्रदीप सिंह और मिठन सिंह। लाला राय के पुत्र नेम सिंह, बटोरन सिंह और रामभज्जू सिंह। नेम सिंह के पुत्र रामेश्वर सिंह. राजेन्द्र सिंह। रामेश्वर सिंह के पुत्र रामविलास सिंह और रामनिवास सिंह। राजेन्द्र सिंह के पुत्र अरुण सिंह, वरुण सिंह व तरुण सिंह। रामभज्जू सिंह के पुत्र साधु सिंह, कापो सिंह। साधु सिंह के पुत्र रामप्रवेश सिंह, कारु सिंह और शंकर सिंह। कापो सिंह के पुत्र कन्त सिंह। पहल सिंह के पुत्र टुन्ना सिंह, इनके पुत्र गुड्डा सिंह और जीवलाल सिंह गुड़ा सिंह के पुत्र दुखी सिंह इनके पुत्र कानी सिंह और सीताराम सिंह। कानी सिंह के पुत्र बुलो सिंह, इनके पुत्र रामाश्रय सिंह, संजय सिंह। जीवलाल सिंह के पुत्र गिरीजा सिंह, सुन्दर सिंह और राघो सिंह। सुन्दर सिंह के पुत्र प्रसिद्ध सिंह, राधे सिंह और नुनुलाल सिंह।

प्रसिद्ध सिंह के पुत्र रामसुभग सिंह और मुन्ना सिंह। राधे सिंह नावल्द।

नूनूलाल सिंह के पुत्र राजेन्द्र सिंह और हरेराम सिंह। राजेन्द्र सिंह के पुत्र चन्द्रशेखर सिंह। राघो सिंह के पुत्र रामकिसुन सिंह और शिवू सिंह। रामकिसुन सिंह के पुत्र अरुण सिंह, अरबिन्द सिंह, पप्पू सिंह और प्रदीप सिंह। शीवू सिंह के पुत्र नारायण सिंह और रमाशंकर सिंह।

बृजा मिश्र के पुत्र शिवनाथ मिश्र। इनके पुत्र हरिनाथ मिश्र। इनके पुत्र बुनियादी मिश्र और रणजीत मिश्र। रणजीत मिश्र के पुत्र जिवरोज मिश्र और वसन मिश्र। वसन मिश्र के पुत्र खखर मिश्र, लाला मिश्र, गुट्ठर मिश्र, जोगा मिश्र, लक्षमण मिश्र और जोधन मिश्र। खखर मिश्र के पुत्र बद्री मिश्र। इनके पुत्र राम खेलावन मिश्र। लाला मिश्र के पुत्र तिलकधारी मिश्र, भूषण मिश्र, प्रताप मिश्र और जानकी मिश्र या (सिंह)। धनराज सिंह।

Scanned by CamScanner

तिलकधारी सिंह के पुत्र सीताराम सिंह। इनके पुत्र बौधू सिंह, मनू सिंह और संजय सिंह। भूषण सिंह के पुत्र जगदेव सिंह नावल्द। प्रताप सिंह के पुत्र तनिक सिंह और रामदेव सिंह। जानकी सिंह के पुत्र गोविन्द सिंह नावल्द। गुदर सिंह के पुत्र सरबन सिंह, गुरण सिंह, नारायण सिंह नावल्द।

सखन सिंह के पुत्र हरि सिंह, अनूप सिंह नावल्द। हरि सिंह के पुत्र मथुरा सिंह नावल्द। और बांके सिंह, बीनो सिंह और बालेश्वर सिंह। बांके सिंह के पुत्र गणेश सिंह और दिनेश सिंह। बीनो सिंह के पुत्र नरेश सिंह और भुट्टू सिंह तथा विपिन सिंह। गुरण सिंह के पुत्र द्वारिका सिंह, रामचरित्र सिंह, रामाशीष सिंह और रामचन्द्र सिंह। रामाशीष सिंह के पुत्र रामानुज सिंह और मंटुन सिंह। जोगा सिंह के पुत्र सोमर सिंह, कुलदीप सिंह, लुटर सिंह, मीता सिंह और बाना सिंह। सोमर सिंह के पुत्र लुटकुन सिंह, रामबालक सिंह और राम किसुन सिंह। राम किसुन सिंह के पुत्र पप्पू सिंह। कुलदीप सिंह के पुत्र सुकर सिंह, सुकर सिंह के पुत्र सागर सिंह। इनके पुत्र जनार्दन सिंह, सुरेन्द्र सिंह और विनोद सिंह। लुटन सिंह के पुत्र इसरी सिंह नावल्द। मीता सिंह के पुत्र सिधेश्वर सिंह। इनके पुत्र राजो सिंह और मानो सिंह। राजो सिंह के पुत्र अरुण सिंह, शंकर सिंह और प्रमोद सिंह। बाना सिंह के पुत्र सुखदेव सिंह नावल्द।

लक्षमण सिंह के पुत्र ज्ञान सिंह। इनके पुत्र देवकी सिंह, झिल्ली सिंह। देवकी सिंह के पुत्र उमेश सिंह, दिनेश सिंह और शंकर सिंह। झिल्ली सिंह के पुत्र सुरेश सिंह और विपिन सिंह। जोधन सिंह के पुत्र बटोरी सिंह। इनके पुत्र कामो सिंह। इनके पुत्र रामनन्दन सिंह और केदार सिंह।

मुनहर सिंह के पुत्र दरोगी सिंह और टेका सिंह। दरोगी सिंह के पुत्र गोरे लाल सिंह। इनके पुत्र बाल्मीकि सिंह और उमेश सिंह।

उमराव मिश्र से पुत्र काशी मिश्र, प्रसाद मिश्र, गंगा मिश्र और निहाल मिश्र। गंगा मिश्र के पुत्र उमराव मिश्र, गुरदयाल मिश्र और जपत मिश्र।

गुरदयाल मिश्र के पुत्र रंगू सिंह और जानकी सिंह। रंगू सिंह के पुत्र तुलसी सिंह और रज्जू सिंह। उमराव मिश्र के पुत्र सोमन मिश्र, कुलदीप मिश्र।

जपत मिश्र के पुत्र नन्हा मिश्र और फतेही मिश्र। नन्हा मिश्र के पुत्र जंगली सिंह। इनके पुत्र अनिरुद्ध सिंह उर्फ मागो सिंह।

(दफा १०)

रूपदेव सिंह के पुत्र बोधन सिंह, इनके पुत्र जोधन सिंह, इनके पुत्र हुकुम सिंह, बच्चू सिंह, बदील सिंह और मिलन सिंह। बच्चू सिंह के पुत्र शिवराम सिंह, इनके पुत्र गुही सिंह, वंशी सिंह, चंचल सिंह और जोगी सिंह। गुही सिंह के

Scanned by CamScanner

पुत्र डेंगन सिह, जीवन सिह, तेजा सिह और रामू सिह। डेंगन सिह के पुत्र रामप्रसाद सिंह, इनके पुत्र बजरंगी सिंह और रामेश्वर सिंह के पुत्र कैलाश सिंह और रामपदार्थ सिंह। कैलाश सिंह के पुत्र प्रमोद, अनिल और मनोज। जीवन सिंह और तेजा सिंह नावल्द। रामू सिंह के पुत्र मेदिनी सिंह और मथुरा सिंह। मेदिनी सिंह के पुत्र विंदेश्वर सिंह, सुरेश सिंह, महेश सिंह, नरेश सिंह और दिनेश सिंह। बिंदेश्वर सिंह के पुत्र—सुनील और पंकज। मथुरा सिंह के पुत्र टुनटुन सिंह। वंशी मिश्र के पुत्र छीतनी सिंह, इनके पुत्र मंगनी सिंह, चंचल सिंह नावल्द। जोगी सिंह के पुत्र जुआ सिंह, इनके पुत्र गोविंद सिंह, वाजो सिंह और जगदम्बी सिंह। वाजो सिंह और जगदम्बी सिंह नावल्द। गोविन्द सिंह के पुत्र सुमन्त सिंह, उदो सिंह, रामाश्रय सिंह। सुमन्त सिंह के पुत्र बहादुर सिंह, सत्यनारायण सिंह और गोपेश सिंह। रामाश्रय सिंह के पुत्र निरंजन सिंह और पिक्कू सिंह।

वादील सिंह के पुत्र डीला सिंह, धर्म सिंह, रोदन सिंह और टीका सिंह। डीला सिंह के पुत्र—जीतन सिंह, चूल्हन सिंह। जीतन सिंह के पुत्र खियाली सिंह, और विसुनी सिंह। खियाली सिंह के पुत्र बलदेव सिंह, वासुदेव सिंह। बलदेव सिंह के पुत्र रामसागर सिंह, रामनन्दन सिंह, राजेश्वर सिंह, विश्वेश्वर सिंह, आन्दू सिंह और सातो सिंह। रामसागर सिंह के पुत्र महेश सिंह और अरबिंद सिंह। रामनन्दन सिंह के पुत्र जयप्रकाश, जयशंकर, दिवेश, अवधेश, अरुण और चुनचुन सिंह। जयप्रकाश सिंह के पुत्र बमबम। राजेश्वर सिंह के पुत्र—उपेन्द्र सिंह। नागेश्वर सिंह के पुत्र उमेश, टूनटुन। अनन्दू सिंह के पुत्र सुनील, सुशील। साते सिंह के पुत्र—मनोज। किसुनी सिंह के पुत्र—सूरज सिंह, यमुना सिंह।

धर्म मिश्र के पुत्र खाड़ सिंह, पीताम्बर सिंह और टुकम्ब सिंह। खाड़ सिंह के पुत्र तलेवर सिंह। पीताम्बर सिंह के पुत्र हीरा सिंह और बिज्जी सिंह। हरी सिंह के पुत्र रामलखन सिंह, इनके पुत्र युगल सिंह, विद्या सिंह, मदन सिंह, रामवरण सिंह। युगल सिंह के पुत्र फेंकन सिंह। टुकम्ब सिंह के पुत्र ढोलन सिंह, इनके पुत्र प्रयाग सिंह और बच्चू सिंह। रोहन सिंह के पुत्र नग्गर सिंह और दुखन सिंह। नग्गर सिंह (ना०)। दुखन सिंह के पुत्र गणेश सिंह इनके पुत्र रामदेव सिंह और तारणि सिंह (नावल्द)। रामदेव सिंह के पुत्र विनो सिंह और चानो सिंह के पुत्र चुनचुन सिंह, बमबम सिंह और चरण सिंह। चानो सिंह के पुत्र नवीण, विपीण और श्री कृष्ण सिंह। टीका सिंह के पुत्र रूदर सिंह, कुलदीप सिंह, हजारी सिंह। रूदर सिंह के पुत्र तोता सिंह और पुलक सिंह। तोता सिंह के पुत्र वणारसी सिंह और रामस्वरूप सिंह (नावल्द)। वनारसी सिंह के पुत्र महेन्द्र सिंह। पुलक सिंह (नावल्द)।

Scanned by CamScanner

कुलदीप सिंह के पुत्र लोका सिंह और जद्दू सिंह। जद्दू सिंह के पुत्र जानी सिंह और राम बालक सिंह, रामोतार सिंह और लड्डु सिंह। जानी सिंह के पुत्र नरेश, शिवनंदन, देवनंदन, हरेराम, भगवान और महेश सिंह। नरेश के पुत्र शंकर संजय। रामलड्डू सिंह के पुत्र मोहन और पंकज। रामोतार सिंह, राम बालक सिंह और लोका सिंह (नावल्द)। हजारी सिंह के पुत्र गभा सिंह, इनके पुत्र दामोदर सिंह, इनके पुत्र राजेन्द्र सिंह, आशिष सिंह और वशिष्ठ सिंह। राजेन्द्र सिंह के पुत्र नवीण सिंह, अशिष के पुत्र विपीन सिंह। रामलोची सिंह के पुत्र हरीनारायण सिंह, इनके पुत्र उदन सिंह, लोल सिंह, टेकन सिंह और पांचू सिंह। लोल सिंह के पुत्र रामा सिंह और हुलास सिंह। रामा सिंह के पुत्र झम्मन सिंह और दुर्गा सिंह। झम्मन सिंह के पुत्र गोबर्धन सिंह और नक्कट सिंह। नक्कट सिंह (नावल्द)।

गोवर्धन सिंह के पुत्र शौखी सिंह और बिहारी सिंह। शौखी सिंह के पुत्र जीता सिंह, रामचरित्र सिंह और नारायण सिंह। गीता सिंह (नावल्द)। रामचरित्र सिंह के पुत्र रमाकांत, सहजानंद, मल्हू, ललन, रामानंद और पमपम सिंह। नारायण सिंह के पुत्र—प्रकाश, अनिल और मनोज सिंह। यमुना सिंह के पुत्र साधु सिंह और दयानंद सिंह। साधु सिंह के पुत्र अशोक। दयानंद सिंह के पुत्र सुधीर, मंटू और संजय सिंह।

दुर्गा सिंह के पुत्र दहोर सिंह, इनके पुत्र काली सिंह, इनके पुत्र गोविंद सिंह और श्री सिंह। गोविन्द सिंह के पुत्र सत्यनारायण सिंह, उमेश सिंह और रामबालक सिंह। सत्यनारायण सिंह के पुत्र बलराम और भूषण सिंह। उमेश सिंह के पुत्र मनोज सिंह। श्री सिंह के पुत्र रामलडडू सिंह, सिपाही सिंह और साहेब सिंह। रालडडू सिंह के पुत्र परमानंद सिंह, अरुण सिंह, मदन सिंह और चुनचुन सिंह। सिपाही सिंह के पुत्र महेन्द्र सिंह।

दुला सिंह के पुत्र चुआ सिंह, इनके पुत्र भत्तू सिंह, दरवारी सिंह, शक्कर सिंह और नेम सिंह। भत्तू सिंह के पुत्र हरसहाय सिंह, इनके पुत्र हरिनंदन सिंह और साहो सिंह। दोनों नावल्द।

दरबारी सिंह के पुत्र नोनी सिंह नावल्द। रंगलाल सिंह के पुत्र जगदंवी सिंह, सूरत सिंह और राधे सिंह। जगदंवी सिंह के पुत्र फोटर सिंह और भरत सिंह दोनों नावल्द। सूरत सिंह नावल्द। राधे सिंह के पुत्र विजय सिंह, अजय सिंह, कन्हाय सिंह और राजाराम सिंह। शक्कर सिंह के पुत्र गुज्जू सिंह और कुलदीप सिंह। गुज्जू सिंह के पुत्र मूसो सिंह और अंबिका सिंह। मूसो सिंह के पुत्र धनिक सिंह और इन्द्रदेव सिंह। धनिक सिंह नावल्द। इन्द्रदेव सिंह

Scanned by CamScanner

के पुत्र टुनटुन सिंह और विपिन सिंह। अंबिका सिंह के पुत्र देवो सिंह और पोचो सिंह। देवो सिंह के पुत्र कन्हाय सिंह और विजय सिंह। कुलदीप सिंह के पुत्र बैजनाथ सिंह, दुन्नी सिंह और भागो सिंह। बैजनाथ सिंह के पुत्र लाल-नूनू सिंह, इनके पुत्र रामावतार सिंह और कुशो सिंह। दुन्नी सिंह के पुत्र कापो सिंह। कापो सिंह के पुत्र पप्पू सिंह।

भागो सिंह के पुत्र विलायती सिंह, इनके पुत्र नेम सिंह, इनके पुत्र दरोगी सिंह, प्रदीप सिंह और सीबू सिंह। दरोगा सिंह के पुत्र—काशी सिंह, बेनी सिंह, मुन्द्रिका सिंह और चंद्रिका सिंह। काशी सिंह के पुत्र हरो सिंह और अर्जुन सिंह। हरो सिंह के पुत्र किशोरी सिंह और ललन सिंह। अर्जुन सिंह के पुत्र बमबम सिंह। बेनी सिंह के पुत्र बालो सिंह, राजेन्द्र सिंह, रामाश्रय सिंह (दोनों नावल्द)। बालो सिंह के पुत्र तुंगनाथ सिंह, अरुण सिंह और संजय सिंह।

चंद्रिका सिंह के पुत्र भगवान सिंह, नागो सिंह, लखन सिंह, रामविलास सिंह और पंडित सिंह। भगवान सिंह के पुत्र अरविंद सिंह, अनिल सिंह, सुनील सिंह और पप्पू सिंह। मुंद्रिका सिंह के पुत्र केदार सिंह और भोला सिंह। प्रदीप सिंह के पुत्र सूरज सिंह और हरखू सिंह नावल्द। सूरज सिंह के पुत्र सतीस सिंह, उचित सिंह, नागो सिंह, नरेश सिंह, अवधेश सिंह और रामप्रवेश सिंह। सतीश सिंह के पुत्र रामसेवक सिंह और विनोद सिंह। उचित सिंह के पुत्र सच्चिदानंद सिंह। नागो सिंह के पुत्र प्रफुल्ल सिंह। अवधेश सिंह नावल्द। जीबू सिंह के पुत्र—भूटो सिंह नावल्द।

●

Scanned by CamScanner

रामबाबा के पुत्र लोका सिंह का विवरण

लोका सिंह के पुत्र किसुनी सिंह, इनके पुत्र दृगोपाल सिंह, ब्रह्मदेव सिंह, पारस सिंह, जलधर सिंह—दोनों नावल्द। दृगोपाल सिंह के पुत्र चन्दर सिंह और वच्चू सिंह। चंदर सिंह के पुत्र रामलगन सिंह, हरेराम सिंह, रब्बू सिंह और गंगा सिंह। ब्रह्मदेव सिंह के पुत्र राजो सिंह और शंभू सिंह नावल्द। राजो सिंह के पुत्र सुरेन्द्र सिंह, रंजीत सिंह, पुनीत सिंह। हरिनारायण सिंह के पुत्र टंकन सिंह, इनके पुत्र पहल सिंह। पहल सिंह के पुत्र हेता सिंह, हनुमान सिंह, चमन सिंह और जोगा सिंह। हेता सिंह के पुत्र खाड़ो सिंह, नारायण सिंह और लूची सिंह। लाड़ो सिंह के पुत्र रामप्रसाद सिंह, कोकिल सिंह, लाली सिंह, भीम सिंह, केवल सिंह और मटुकी सिंह। रामप्रसाद सिंह नावल्द। कोकिल सिंह के पुत्र बाँके सिंह, इनके पुत्र कारु सिंह, इनके पुत्र केदार सिंह, नन्देश्वर सिंह, प्रमोद सिंह, उपेन्द्र सिंह और योगेन्द्र सिंह। केदार सिंह के पुत्र विजय सिंह। भीम सिंह के पुत्र रामस्वरूप सिंह और कमलेश्वरी सिंह। रामस्वरूप सिंह के पुत्र रामचन्द्र सिंह, रामजी सिंह और वब्बन सिंह, रामजी सिंह के पुत्र विद्या सिंह, अरविन्द सिंह, विपिन सिंह और पप्पू सिंह। कमलेश्वरी सिंह के पुत्र अवधेश सिंह। केवल सिंह के पुत्र यमुना सिंह, इनके पुत्र जयप्रकाश सिंह और उदित सिंह।

जयप्रकाश सिंह के पुत्र—मुन्ना सिंह और चन्दन सिंह। उदित सिंह के पुत्र चुन्ना सिंह। मटुकी सिंह के पुत्र रामशरण सिंह और रामावतार सिंह एवं लखन सिंह, रामाशीष सिंह, देवी सिंह।

रामशरण सिंह के पुत्र रामचरित्र सिंह और सुरेन्द्र सिंह।

रामचरित्र सिंह के पुत्र रामशंकर सिंह। लखन सिंह के पुत्र रामकृपाल सिंह और गीता सिंह। रामाशीष सिंह के पुत्र कैलाश सिंह और सुरजीत सिंह। देवकी सिंह के पुत्र रामाश्रय सिंह और नवल सिंह तथा सुबालक सिंह। रामप्रसाद सिंह नावल्द। लाली सिंह के पुत्र ठोको सिंह नावल्द। हनुमान सिंह के पुत्र जीवलाल सिंह, भयहरण सिंह और डोभी सिंह। जीवलाल सिंह के पुत्र झाला सिंह, बिहर सिंह और नन्हकू सिंह—(दोनों नावल्द)।

झाला सिंह के पुत्र गेन्धारी सिंह, रामजी सिंह व सीताराम सिंह। रामजी सिंह के पुत्र महेश्वर सिंह, नरेश सिंह, महेन्द्र सिंह, उमेश सिंह व दिनेश सिंह।

Scanned by CamScanner

गेन्धारी सिंह व सीताराम सिंह नावल्द। डोभी सिंह नावल्द। भयरण सिंह के पुत्र छितनी सिंह—नावल्द। चमन सिंह के पुत्र—भातु सिंह, इनके पुत्र टुका सिंह और सँपना सिंह। टुका सिंह के पुत्र—जाटोसिंह और धूरो सिंह। धूरो सिंह के पुत्र नेपाल सिंह और अनिल सिंह। जाटो सिंह। जोगा सिंह के पुत्र बाबूराम सिंह, तलेवर सिंह, हेमराज सिंह और बंधू सिंह।

बाबूराम सिंह और तलेवर सिंह दोनों नावल्द। हेमराज सिंह के पुत्र रामखेलावन सिंह और रामदेव सिंह। रामखेलावन सिंह के पुत्र पूना सिंह। पूना सिंह के पुत्र रंजय और संजय। रामदेव सिंह के पुत्र फैलू सिंह। बंधू सिंह के पुत्र बद्री सिंह, इनके पुत्र जगदेव सिंह नावल्द।

पंचू राय के पुत्र—डीला सिंह, भोला सिंह, रघुवीर सिंह और इन्द्रजीत सिंह तथा महादेव सिंह। चारो नावल्द। डीला सिंह के पुत्र—इन्दा सिंह, इनके पुत्र—श्याम सिंह, वालो सिंह, अजब लाल सिंह और रामचंद्र। श्याम सिंह के पुत्र—रामलगन सिंह, रामनंदन सिंह, रामविलास सिंह और रामनिवास सिंह।

रामलगन सिंह के पुत्र—राजीव सिंह और नवीन सिंह। रामनंदन सिंह के पुत्र ललितनारायण सिंह, सिकन्दर सिंह और सत्येन्द्र सिंह। रामविलास सिंह के पुत्र—विनय सिंह और रुपेश सिंह। वालो सिंह नाबल्द। अजबलाल सिंह के पुत्र कृष्णनन्दन सिंह, गंगा सिंह, विष्णुदेव सिंह और विजयशंकर सिंह। गंगासागर सिंह के पुत्र—संजीव सिंह। रामचन्द्र सिंह के पुत्र—गोपेश सिंह, सुरेन्द्र सिंह और राजनीति सिंह।

रामलोची सिंह के पुत्र वली सिंह, इनके पुत्र—रीतलाल सिंह, शिवनंदन सिंह और उमराव सिंह। उमराव सिंह के पुत्र—तारा सिंह, कुम्भा सिंह, वासा सिंह और मोहर सिंह। तारा सिंह के पुत्र—फेका सिंह, खीदा सिंह, प्रदीप सिंह और गणेश सिंह नावल्द। फेका सिंह के पुत्र—लीला सिंह, नीरन सिंह, दुखीं सिंह, मदनमोहन दास और वद्री सिंह। वद्री सिंह के पुत्र तपसी सिंह और युगल सिंह। तपसी सिंह के पुत्र—अशोक सिंह, इनके पुत्र—पप्पू। युगल सिंह के पुत्र उपेन्द्र, योगेन्द्र और रामाशंकर सिंह। उपेन्द्र के पुत्र—राजीव सिंह। चारों भाई नावल्द।

रवीदा सिंह के पुत्र—छत्तर सिंह, शुकर सिंह दोनों नावल्द। प्रदीप सिंह के पुत्र—द्वारिका सिंह, इनके पुत्र—विष्णुदेव और विलायती सिंह। विष्णुदेव के पुत्र—शिवशंकर सिंह। गणेश सिंह नावल्द। कुम्भा सिंह के पुत्र—काला सिंह, अंगनू सिंह। काला सिंह के पुत्र—कारी सिंह नावल्द। अंगनू सिंह के पुत्र—भालू सिंह। भालू सिंह के पुत्र—वांके सिंह नावल्द।

Scanned by CamScanner

वासा सिंह के पुत्र—खाड़ो सिंह और भूसेनी सिंह नावल्द। खाड़ो सिंह के पुत्र गोविन्द सिंह और विशो सिंह नावल्द। गोविंद सिंह के पुत्र—विभीषण सिंह, इनके पुत्र—रामप्रवेश सिंह और भगवान सिंह। मोहर सिंह के पुत्र—झंगड़ सिंह नावल्द।

मानिक मिश्र के छः पुत्र—उनमें खेतू मिश्र के पुत्र—रीता मिश्र, इनके पुत्र—झरी मिश्र और गणपत मिश्र। गणपत मिश्र के पुत्र—लोधू मिश्र, दीपन मिश्र और सेवा मिश्र। लोधू मिश्र के पुत्र—आधा मिश्र, कमल मिश्र नावल्द। आधा मिश्र के पुत्र—वाशुदेव मिश्र नावल्द। दीपन मिश्र के पुत्र—बटोरन मिश्र और झखरी मिश्र। बटोरन मिश्र नावल्द। झखरी मिश्र के पुत्र—रामस्वरूप मिश्र नावल्द, सेवा मिश्र, सोमन मिश्र और खखरी मिश्र। सोभन मिश्र के नीनी मिश्र नावल्द। जोभो मिश्र के पुत्र—वाल्मीकि, रामचन्द्र और रामनरेश।

झरी मिश्र के पुत्र—पादु मिश्र, कारू, ख्याली, झखन, हितन, केशो। कारू, नेम, हीरालाल, जंगलाल, नेमलाली मिश्र, रामजी। ख्याली मिश्र के पुत्र—गया नावल्द।

वंशावली लेखक :—
श्री सीताराम शिक्षक (दमपट्टी में)
ग्राम—चेतन टोला खुटहा
पो—डीह खुटहा
मुंगेर।

सहायक :—
रामकिशोर सिंह उर्फ—वौंकू (नरसिंह बाबा पट्टी)
रामदेव सिंह पहलवान (शिव बाबा पट्टी)
बुझावन सिंह और रामगुलाम सिंह (माधोपट्टी)
ता० २६ जनवरी १९७९ ई०

पी.डी.एफ कर्ता :-
सूरजभानु मिश्र
अमलेश मिश्र

संरक्षक :—
विकाश मिश्र
शशि भूषण मिश्र
तारीख :- 20.10.2019

Scanned by CamScanner

ग्राम-डोहपर

मूल :—तीन मूल हैं—लअम, परवा तथा पीरोखर, दरभंगा जिला, हाल मधुबनी।

श्री प्रजापति मिश्र के दो पुत्र उमापति मिश्र और बाचस्पति मिश्र। वाचस्पति के एक पुत्र हेमनारायण मिश्र। हेंमनारायण मिश्र के पाँच पुत्र १. होरिल मिश्र २. दुखिया मिश्र (इनके वंशज चकहब्बी में हैं) ३. पृतिनाथ मिश्र (इनके वंशज उदयपुर में हैं) ४. वछड़न मिश्र (इनके वंशज सोहिलवाड़ा में हैं) ५. हृदयनारायण मिश्र। हृदयनारायण मिश्र के एक पुत्र कालिकादत्त मिश्र हुए। कालिकादत्त मिश्र के दो पुत्र श्री श्यामनारायण मिश्र और श्री हरिनारायण मिश्र (ये ग्राम सकरा जिला—गया में है)। श्री श्यामनारायण मिश्र के एक पुत्र हरिदत्त मिश्र (ये मेघोल में बसे)। हरिदत्त मिश्र के चार पुत्र १. रूद्र नारायण मिश्र (वसीन्दे—सौरिया वस्ती, पूर्णिया जिला, कटिहार), २. फुदनारायण मिश्र (मेघोल), ३. गौण मिश्र (खुटहा में बसे)। गौण मिश्र के एक पुत्र श्री वीर मिश्र हुए। ४. श्री चैन मिश्र मरांची में जाकर बसे। वीर मिश्र के पाँच पुत्र १. श्री नीलकंठ मिश्र २. नरसिह मिश्र ३. कुत सिह मिश्र ४. मनन सिह मिश्र ५. शिवदत्त मिश्र।

श्री नीलकंठ मिश्र डीह ग्राम, जिला वेगूसराय में बसे लेकिन अन्य चार भाई खुटहा में ही बस गये। नीलकंठ मिश्र के दो पुत्र माल राय तथा इन्द्रजीत राय। इन्द्रजीत राय वरैपुरा चले गये। माल राय को चार पुत्र हुए—१. हरगोविन्द सिंह २. बालगोविन्द सिंह ३. भगवान सिह ४. सुन्दर सिंह। हरगोविन्द सिंह और बालगोविन्द सिंह का वंश आगे नहीं बढ़ सका। भगवान सिंह के वंश के पाँच कुर्सी तक नाम अज्ञात है। छठे पुस्त में श्री उमराव सिंह हुए। उमराव सिंह को एक पुत्र श्री संतलाल सिंह हुए। सन्तलाल सिंह को तीन पुत्र क्रमशः रबी सिंह, रक्षा सिंह तथा रामजी सिंह हुए। जिसमें रबी सिंह को एक पुत्र भुट्टू सिंह तथा भुट्टू सिंह को एक पुत्र प्रह्लाद सिंह हुए। रक्षा सिंह का वंश आगे नहीं चल पाया। रामजी सिंह को एक पुत्र भागीरथ सिंह जिनको तीन लड़का राजीव, संजीव तथा रंजीत हैं।

सुन्दर सिह :—सुन्दर सिंह के चार पुत्र हुए—१. नाथ सिंह, २. जगरनाथ सिंह, ३. दल सिंह तथा ४. केवल सिंह।

नाथ सिंह :—इनको एक लड़का बालचन्द्र सिंह हुए। बालचन्द्र सिंह को एक पुत्र निश्चल सिंह जिनको एक पुत्र हमीर सिंह हुए। हमीर सिंह को दो लड़का

Scanned by CamScanner

क्रमशः **रामदयाल सिंह** तथा **सखन सिंह** हुए। रामदयाल सिंह को एक लड़का घीना सिंह हुए। घीना सिंह को दो लड़का कारी सिंह तथा गोपी सिंह हुए। कारी सिंह को एक लड़का लखन सिंह हुए। लखन सिंह को तीन खड़का रामचरित सिंह, रामपवित्र सिंह तथा रामनारायण सिंह हुए। रामचरित सिंह को तीन लड़का क्रमशः शिवकुमार सिंह, वीर वहादुर सिंह तथा पवन सिंह। राम पवित्र सिंह को तीन लड़का रामानन्द प्र० सिंह, दिनेश सिंह और गणेश सिंह। रामनारायण सिंह को दो लड़का विश्वनाथ सिंह और राजेश सिंह। गोपी सिंह को एक पुत्र महावीर सिंह। महावीर सिंह को तीन पुत्र १. रामजी सिंह २. राम कुमार सिंह ३. अरविंद सिंह। रामजी सिंह को एक पुत्र सिकन्दर सिंह। सखन सिंह को चार पुत्र क्रमशः सेवन सिंह, महिपाल सिंह, विहारी सिंह तथा बौधी सिंह। **सेवन सिंह** का वंश नहीं चला। **महीपाल** को दो पुत्र नानपत सिंह तथा नेमो सिंह। नानपत सिंह को एक पुत्र सरयुग सिंह। सरयुग सिंह का वंश नहीं चला। नेमो सिंह को दो पुत्र सीतो सिंह और रामोतार सिंह। सितो सिंह का वंघ नहीं चला। रामोतार सिंह को एक पुत्र चन्द्रभूषण सिंह हुए। चन्द्रभूषण सिंह को एक पुत्र रामकरण सिंह। **बिहारी सिंह** को दो पुत्र—सुखदेव सिंह तथा वलदेव सिंह। सुखदेव सिंह को एक पुत्र आधो सिंह। आधो सिंह को तीन पुत्र—राम सागर सिंह, रामवदन सिंह तथा रामनन्दन सिंह। रामसागर सिंह को दो पुत्र रामबाबू सिंह और अनिल सिंह। रामबाबू सिंह को एक पुत्र राजेश सिंह। रामवदन सिंह को एक पुत्र राजनन्दन सिंह। रामनन्दन का वंश नहीं चला। बालदेव सिंह को दो पुत्र सुरज सिंह और चानो सिंह। सुरूज सिंह को दो पुत्र रामेश्वर सिंह और रामपदारथ सिंह। रामेश्वर सिंह को एक पुत्र हरिद्वार सिंह। रामपदारथ सिंह को एक पुत्र रामउदय सिंह। चानो सिंह का वंश नहीं चला। **बौधी सिंह** को एक पुत्र द्वारिका सिंह। द्वारिका सिंह को एक पुत्र जगदम्बी हुए पुनः जिनका वंश नहीं चल सका।

जगरनाथ सिंह :—जगरनाथ सिंह को तीन पुत्र (१) श्री नारायण सिंह, बेचू सिंह तथा राजन सिंह। **श्रीनारायण सिंह** को तीन पुत्र सीवन सिंह, टेका सिंह तथा ध्रुव सिंह हुए। **सीवन सिंह** को एक पुत्र आनन्द सिंह। आनन्द सिंह को एक पुत्र रटन सिंह हुए। रटन सिंह की चार पुत्र (१) खियाली सिंह (२) चंचल सिंह (३) ताले सिंह (४) तोता सिंह। खियाली सिंह को दो पुत्र—मुखी सिंह और रघुनाथ सिंह। मुखी सिंह को चार पुत्र तीरी सिंह, नाथो सिंह, सरयुग सिंह, तथा चन्द्रशेखर सिंह। तीरो सिंह का वंश नहीं चला। नाथो सिंह को दो पुत्र गीता सिंह और बिलट सिंह। गीता सिंह को एक पुत्र राम भरोस सिंह। बिलट सिंह का वंश नहीं चला सरयुग सिंह का भी वंश नहीं चला। चन्द्रशेखर सिंह के दो पुत्र—महेश्वर सिंह तथा राम प्रवेश सिंह। रघुनाथ सिंह का वंश नहीं चला।

Scanned by CamScanner

चंचल सिंह को तीन पुत्र (१) लालजी सिंह (२) हरिवंश (०) (३) जानकी सिंह। लालजी सिंह को तीन पुत्र जागो सिंह (०), भगवान दास सिंह (०), तथा रामदास सिंह (०)। तीन भाई का वंश नहीं चला। हरिवंश सिंह का वंश नहीं चला। जानकी सिंह को एक पुत्र ब्रह्मदेव सिंह जिनको तीन पुत्र क्रमशः रामसागर सिंह, सुन्दर सिंह, महेश्वर सिंह। रामसागर सिंह को दो पुत्र सुनील सिंह, गणेश सिंह। सुन्दर सिंह को पुत्र सुधीर सिंह और राजनीति सिंह। महेश्वर सिंह को एक पुत्र सत्यनारायण सिंह। ताले सिंह को दो पुत्र—भातु सिंह, और सुवालाल सिंह। भातु सिंह को दो पुत्र—वलदेव सिंह तथा वाचो सिंह। वालदेव सिंह को दो पुत्र—रामकिशुन सिंह और गंगा विशुन सिंह। रामकिशुन को एक पुत्र शंकर सिंह। गंगाविशुन सिंह को एक पुत्र शंभु सिंह। बाजो सिंह को दो पुत्र--राधा सिंह और चिलमिल सिंह (०)। राधा सिंह को दो पुत्र राजकुमार सिंह तथा उमाकान्त सिंह। रामकुमार सिंह को एक पुत्र गोपाल सिंह। चिलमिल सिंह का वंश नहीं चला। सुवालाल सिंह को चार पुत्र—रामखेलावन सिंह, रामोतार सिंह चन्द्रिका सिंह, रामापति सिंह, राम खेलावन सिंह को एक पुत्र भोला सिंह। भोला सिंह को एक पुत्र नवीन सिंह। राखेलावन सिंह के अन्य तीन भाई का वंश नहीं चल पाया। तोता सिंह को एक पुत्र जोगी सिंह। जोदी सिंह का वंश नहीं चला। टेका सिंह को दो पुत्र हरदियाल सिंह तथा भूपन सिंह। हरदियाल सिंह को दो पुत्र हनुमान सिंह और और भिक्षुक सिंह। हनुमान सिंह को दो पुत्र खखर सिंह और डुमराव सिंह। खखर सिंह को दो पुत्र गांगो सिंह और रामप्रताप सिंह। गगो सिंह को एक पुत्र रामाधीन सिंह। रामाधीन सिंह का वंश नहीं चला। रामप्रताप सिंह को तीन पुत्र देवो सिंह, दलीप सिंह तथा महीप सिंह। देवो सिंह को एक पुत्र रामवदन सिंह जिनको एक पुत्र कृष्णनन्दन सिंह। दलीप सिंह को तीन पुत्र रामाश्रय सिंह, अरविंद सिंह तथा शंभु सिंह। महीप सिंह का वंश नहीं चला। डुमराव सिंह को एक पुत्र गुमान सिंह। गुमान सिंह को दो पुत्र जगदीप सिंह और नेवी सिंह। जगदीप सिंह को एक पुत्र रामानुग्रह सिंह। रामानुग्रह को दो पुत्र श्रीनारायण सिंह और फुलेना सिंह। श्रीनारायण सिंह को दो पुत्र अमरेश सिंह और विरेश सिंह। फुलेना सिंह को दो पुत्र अरुण सिंह और अणित सिंह। भिक्षुक सिंह को दो पुत्र तुकरु सिंह और रूदल सिंह। तुकरु सिंह को एक पुत्र हरिहर सिंह। हरिहर सिंह दो पुत्र वच्चा सिंह और ईशो सिंह। वच्चा सिंह को एक पुत्र नरसिंह सिंह। नरसिंह को तीन पुत्र महेन्द्र सिंह, चन्द्रमौली सिंह, और रामसुभग सिंह। महेन्द्र सिंह को तीन पुत्र—मुंशी सिंह, तुनुक, और अवधेश सिंह। चन्द्रमौली सिंह को एक पुत्र बद्रीनारायण सिंह। ईशो सिंह को दो पुत्र इन्द्रदेव

Scanned by CamScanner

सिंह और रामउदगार सिंह। इन्द्रदेव सिंह को चार पुत्र—कौशल सिंह, राहिन सिंह, भुल्ला सिंह और नारायण सिंह। रामउदगार सिंह को एक पुत्र रंजीत सिंह। रुदल सिंह को दो पुत्र रामस्वरुप सिंह और सिया सिंह। रामस्वरुप सिंह को एक पुत्र भोनू सिंह। भोनू सिंह को चार पुत्र योगेन्द्र सिंह, रामरक्षा सिंह, अनिल सिंह और सुरेश सिंह। सिया सिंह को तीन पुत्र रामचन्द्र सिंह, शिवचन्द्र सिंह और रामायण सिंह। रामचन्द्र सिंह एक पुत्र पंकज सिंह। शिवचन्द्र को एक पुत्र मनोज सिंह। रामायण सिंह को तीन पुत्र—स्यामकिशोर सिंह, लालबहादुर सिंह, तथा टेकनारायण सिंह। भूपन सिंह को दो पुत्र—श्रवजीत सिंह और झोटी सिंह। श्रवजीत सिंह को दो पुत्र आसमान सिंह और वौधू सिंह। दो भाई का वंश नहीं चला। झोरी सिंह को एक पुत्र भागवत सिंह। भागवत सिंह को दो पुत्र रामेश्वर सिंह और जागेश्वर सिंह। रामेश्वर को एक पुत्र भोला सिंह। भोला सिंह को तीन पुत्र वैद्यनाथ प्र० सिंह, महेश्वर सिंह तथा महेन्द्र सिंह, वैद्यनाथ प्र० सिंह का वंश नहीं चला। महेश्वर को दो पुत्र मनोज कुमार सिंह, आनन्द कुमार सिंह। महेन्द्र प्र० सिंह को एक पुत्र पंकज कुमार सिंह। जागेश्वर सिंह को चार पुत्र राजेन्द्र प्र० सिंह, बनारसी प्र० सिंह, गीता प्र० सिंह तथा राजावली प्र० सिंह। राजेन्द्र प्र० सिंह को एक पुत्र उदय कुमार प्र० सिंह। उदय कुमार प्र० सिंह को एक पुत्र सुनील कुमार सिंह। बनारसी प्र० सिंह को दो पुत्र वीरेन्द्र प्र० सिंह तथा विशवम्भर प्र० सिंह। विश्वम्भर प्र० सिंह को एक पुत्र अमीत कुमार सिंह। गीता प्र० सिंह को तीन पुत्र नरेन्द्र प्र० सिंह, धीरेन्द्र प्र० सिंह तथा रवीन्द्र प्र० सिंह। नरेन्द्र प्र० सिंह को दो पुत्र विवेक तथा विठास, राजवली प्र० सिंह को तीन पुत्र कामता प्र० सिंह, शिव कुमार सिंह तथा पवन कुमार सिंह। ध्रुव सिंह को दो पुत्र फकीर सिंह और गणेश सिंह। फकीर सिंह को तीन पुत्र वेनी सिंह, रामावकाश सिंह और पलट सिंह। वेनी सिंह को चार पुत्र निरपत सिंह, दिगम्बर सिंह, भिखो सिंह, नान्हो सिंह। निरपत सिंह को दो पुत्र—तनुक सिंह तथा घुरन सिंह। तनुक सिंह को एक पुत्र रामकृपाल सिंह। घुरन सिंह को तीन पुत्र ब्रह्मदेव सिंह, रामदेव सिंह और सहदेव सिंह। ब्रह्मदेव को एक पुत्र आनन्दी सिंह। आनन्दी सिंह को दो पुत्र अनिल सिंह और सुनील सिंह। रामदेव सिंह को एक पुत्र रामचरित्र सिंह, रामचरित्र सिंह को एक पुत्र रामाषिस सिंह। दिगम्बर सिंह को एक पुत्र भुजो सिंह। भुजो सिंह को एक पुत्र बनारसी सिंह।

बनारसी सिंह को दो पुत्र राम नारायण सिंह और रामउदगार सिंह। राम नारायण सिंह को दो पुत्र विजय सिंह और अजय सिंह। भिखो सिंह को चार पुत्र रासो सिंह को एक पुत्र कुशो सिंह। कुशो सिंह को एक पुत्र गीता सिंह

Scanned by CamScanner

जिनको दो पुत्र भूषण सिंह और विपिन सिंह। जयराम सिंह को चार पुत्र रामजतन सिंह, रामनरेश सिंह, रामबदन सिंह और पुचो सिंह। रामजतन सिंह को तीन पुत्र—सत्येन्द्र सिंह, वीरेन्द्र सिंह और रामज्ञान सिंह। रामनरेश सिंह को दो पुत्र राजीव सिंह और निरज सिंह। रामवदन सिंह को एक पुत्र वंमवंम सिंह। लखन सिंह को दो पुत्र—कमल सिंह और रतन सिंह। कमल सिंह को एक पुत्र रामछबीला सिंह जिनको एक पुत्र नन्द कुमार सिंह। रतन सिंह को तीन पुत्र अजय सिंह, नरेन्द्र सिंह और राजेश सिंह।

नान्हो सिंह को दो पुत्र सिया सिंह और सुरज सिंह। पलट सिंह को एक पुत्र वहोर सिंह जिनको चार पुत्र दुलारू सिंह, राधा सिंह, परमेश्वरी सिंह और शिवनन्दन सिंह। राधा सिंह को एक पुत्र रामवल्लभ सिंह को दो पुत्र राजेश सिंह, तथा रीतेश सिंह। परमेश्वरी सिंह को दो पुत्र रामचन्द्र सिंह और सुरेश सिंह। रामचन्द्र सिंह को चार पुत्र उमेश सिंह, रमेश सिंह, दिनेश सिंह और नरेश सिंह। सुरेश सिंह को एक पुत्र मदन सिंह। शिवनन्द सिंह को चार पुत्र राम कुमार सिंह, अरूण सिंह, किशोर सिंह और ब्रजकिशोर सिंह। राम कुमार सिंह को एक पुत्र संजीव सिंह। अरूण सिंह को एक पुत्र मंजेश सिंह। किशोर सिंह को एक पुत्र मनीष सिंह। बज्र किशोर सिंह को एक पुत्र श्याम सिंह।

गणेश सिंह को एक पुत्र गजराज सिंह। गजराज सिंह को दो पुत्र जवाहर सिंह, और मंगल सिंह। जबाहर सिंह को एक पुत्र डेमी सिंह जिनको एक पुत्र हियालाल सिंह। हियालाल सिंह को तीन पुत्र यमुना सिंह, भागो सिंह और दुर्गा सिंह। यमुना सिंह को दो पुत्र रामवावु सिंह और अशोक सिंह, रामवावु सिंह को चार पुत्र राजेश सिंह, वीरेश सिंह, ब्रजेश सिंह, रीतेश सिंह। भागो सिंह को एक पुत्र पांडव सिंह। दुर्गा सिंह को चार पुत्र चन्द्रचुर सिंह, भूषण सिंह, मोहन सिंह और सुकेश सिंह। चन्द्रपुर सिंह को दो पुत्र कुमोद और प्रमोद। भूषण सिंह को एक लड़का अमीत। मंगल सिंह को एक पुत्र गिरवल सिंह। गिरवल एक पुत्र विन्देश्वरी सिंह जिनको दो पुत्र रामजी सिंह और हरखित सिंह।

रामजी सिंह को चार पुत्र जगदीश सिंह, जगन्नाथ सिंह, वैद्यनाथ सिंह और अमरनाथ सिंह। जगदीश सिंह को दो पुत्र नवीन और निरंजन। जगन्नाथ को तीन पुत्र कौशल, संजीव और राजीव। वैधनाथ सिंह को एक लड़का रंजीत तथा अमनाथ सिंह को दो पुत्र अमीत और सुमीत।

बेचू सिंह—को दो पुत्र दखी सिंह, डुमराव सिंह। देखी सिंह को तीन पुत्र मनोरथ सिंह, मित्तर जीत सिंह, सुमरण सिंह। मनोरथ सिंह को दो पुत्र धैरज

Scanned by CamScanner

सिंह, जूट्ठी सिंह । धैरज सिंह को एक पुत्र । पलटू सिंह (०) । जूठी सिंह को दो पुत्र सिव सहाय सिंह, भगनारायण सिंह । शिवशहाय सिंह को दो पुत्र मीश्री सिंह, रामगुलाम सिंह : मिश्री सिंह को एक पुत्र चन्द्रशेखर सिंह । चन्द्रशेखर सिंह को दो पुत्र राजवली सिंह, बिरेन्द्र सिंह । राजवली सिंह को दो पुत्र अनील कुमार सिंह, सुनील कुमार सिंह । रामगुलाम सिंह की तीन पुत्र नूनू बाबू सिंह, रामनरेश सिंह, सुरेश सिंह । नुनू बाबू को दो लडका उदय सिंह, संजय सिंह । रामनरेश सिंह को तीन लड़का पवन सिंह, मनोज सिंह, शिवदानी सिंह । सुरेश सिंह को दो पुत्र बमबम सिंह, हरहर सिंह । भगनारायण सिंह को ३ पुत्र त्रिवेणी सिंह। सत्रुहन सिंह, 'राम निहोरा सिंह । शत्रुहन सिंह को पाँच लड़का। लशो सिंह, विनय, विजय, अजय, राजकुमार । अशोक सिंह को एक लड़का मुकेश सिंह। रामनिहरा सिंह को दो पुत्र अविनाश सिंह, पुनम सिंह । मित्तर-जीत सिंह को दो लड़का प्रयाग सिंह, जोगी सिंह । जोगी सिंह को दो लड़का, देवधारी सिंह, जयजयराम सिंह । देवधारी सिंह को दो लड़का रामोतार सिंह, सीताराम सिंह । रामोतार सिंह को तीन पुत्र रामबहादुर सिंह, उमेश्वर प्रसाद सिंह तथा रामाकान्त सिंह । रामबहादुर सिंह को एक पुत्र शिवकुमार सिंह । उमेश्वर प्रसाद सिंह को तीन पुत्र अजीत, समरजीत, रंजीत, रामाकान्त सिंह को एक पुत्र मथुरा सिंह जिनको एक पुत्र मदन गोपाल सिंह । जयजयराम सिंह को चार पुत्र रामसागर सिंह. रामपवित्र सिंह, परमानन्द सिंह तथा रामनन्दन सिंह, रामपवित्र लिह को तीन पुत्र रामकुमार सिंह, रामकरण सिंह और पोसपति सिंह । रामकुमार सिंह को एक पुत्र पप्पु सिंह । परमानन्द सिंह को तीन पुत्र नागेश्वर सिंह, दीनेश्वर सिंह और भुवनेश्वर सिंह । सुमरन सिंह को एक पुत्र डोमी सिंह, उमराव सिंह को एक पुत्र वंशराज सिंह जिनको एक महिपत सिंह । महिपत सिंह को पुत्र पराव सिंह ।

गाजन सिंह :—को एक पुत्र भैरो सिंह जिनको एक पुत्र पवन सिंह। पवन सिंह को एक पुत्र फेकू सिंह ।

दलसिंह सिंह :—को तीन पुत्र गुलाब सिंह, डमर सिंह तथा भोजमल सिंह। गुलाब सिंह को दो पुत्र कृतनारायन सिंह तथा हेमनारायण सिंह । कृतनारायण सिंह को एक पुत्र सुमेर सिंह जिनको एक पुत्र होरी सिंह । होरी सिंह को एक पुत्र मनोरंजन सिंह जिनको तीन लड़का काली सिंह, जयमंगल सिंह और छोटन सिंह । काली सिंह को दो पुत्र पोखी सिंह और सोखी सिंह । पोखी सिंह को तीन पुत्र पंचो सिंह, रक्षा सिंह और जागेश्वर सिंह । पंचो सिंह को तीन पुत्र रामनिहारा सिंह, वैद्यनाथ सिंह और रामजीवन सिंह । रामनिहारा

Scanned by CamScanner

सिंह को एक पुत्र फुदी सिंह। वैद्यनाथ सिंह को एक पुत्र राधाराम सिंह। रक्षा सिंह को एक पुत्र शिवखेलावन सिंह जिनको पुत्र सीताराम सिंह और रामचन्द्र सिंह। जागेश्वर सिंह को एक पुत्र श्यामलाल सिंह। जिनको चार पुत्र रामआशीश सिंह, रामसेवक सिंह, रामशंकर सिंह, तथा रामचन्द्र सिंह।

रामअशीष सिंह को चार लड़का—अनिल, सुनिल, सुबोध और अमोद। रामसेवक सिंह को दो पुत्र मनोज और सरोज। सौखी सिंह को एक पुत्र धनिकलाल सिंह जिनको एक पुत्र रामसजीवन सिंह को एक पुत्र शिवदानी सिंह। छोटन सिंह को एक पुत्र माघी सिंह जिनको दो पुत्र जगदेब सिंह और सीया सिंह। जगदेव सिंह को एक पुत्र रामानन्द सिंह जिनको दो पुत्र विजय कुमार और राजकुमार विजय कुमार को एक पुत्र रामप्रीत सिंह। सीया सिंह को पाँच पुत्र क्रमशः रामनरेश सिंह, रामअहलाद सिंह, प्रमोद सिंह, हरेराम सिंह और गोपाल सिंह। रामनरेश को एक पुत्र अरूण सिंह। राम अहलाद को एक पुत्र रामपप्पु सिंह। हरेराम को एक पुत्र राजेश्वर सिंह। हेमनारायण सिंह को चार पुत्र दुल्ह सिंह, लक्ष्मी सिंह, तेजन सिंह (ना०) तथा फते सिंह। दुल्ह सिंह को एक पुत्र दुरविजय सिंह जिनको दो पुत्र तारणी सिंह और नरेन्द्र सिंह। तारणी सिंह को दो पुत्र सुवंश सिंह और महताप सिंह। सुवंश सिंह को तीन पुत्र ववुआ सिंह, हरिवंश सिंह और शीतल सिंह। ववुआ सिंह को एक पुत्र ब्रह्मदेव सिंह (ना०) हरिवंश सिंह को एक पुत्र कैलाश सिंह (ना०)। शीतल सिंह को तीन पुत्र नुनु प्र० सिंह, रामआश्रय सिंह और नारायण सिंह। नुनु प्र० सिंह को एक पुत्र राजकिशोर सिंह जिनको पाँच पुत्र रामकृष्ण सिंह, राधा सिंह, श्रीकृष्ण सिंह, अरूण सिंह और अरविन्द सिंह। रामआश्रय सिंह को तीन पुत्र रामविलास सिंह, रामनरेश सिंह और रामसुरेश सिंह। रामविलास सिंह को दो पुत्र अनिल सिंह और सुनिल सिंह। रामनरेश सिंह को दो लड़का मुकेश सिंह और मनोज सिंह। रामसुरेश सिंह को एक पुत्र रिंकू सिंह। नारायण सिंह को दो पुत्र नवीन कुमार और निरज। महताप सिंह को एक पुत्र सूर्यनारायण सिंह जिनको दो पुत्र मथुरा सिंह और रामनन्दन सिंह। मथुरा सिंह को दो पुत्र शिवशंकर सिंह और अंजनी कुमार। शिवशंकर को तीन पुत्र पंकज, पवन, सीवन। रामनन्दन सिंह को एक पुत्र वीपीन सिंह। नरेन्द्र सिंह को दो पुत्र कुलदीप सिंह और प्रदीप सिंह। कुलदीप सिंह को दो पुत्र देवकी सिंह (ना०) और बच्चा सिंह। बच्चा सिंह को दो पुत्र जितेन्द्र सिंह और गीता सिंह। जितेन्द्र सिंह को तीन पुत्र धनराज सिंह, अशोक सिंह और इन्द्रदेव सिंह। गीता सिंह को पाँच पुत्र वैद्यनाथ सिंह, जगन्नाथ सिंह, बासुरी सिंह और वीरेन्द्र सिंह। वैद्यनाथ सिंह को एक पुत्र विनय सिंह। जगन्नाथ सिंह

Scanned by CamScanner

को एक पुत्र मनोरंजन सिंह। जयनाथ सिंह को दो पुत्र चितरंजन सिंह और निरंजन सिंह। प्रदीप सिंह को चार पुत्र रामशरण सिंह, पितम्बर सिंह, शिवधर सिंह और चक्रधर सिंह (ना०)। रामशरण सिंह को चार पुत्र युगल सिंह, विष्णुदेव सिंह, विश्वनाथ सिंह और सत्यनारायण सिंह। युगल सिंह को दो पुत्र किरनदेव सिंह और शंभु सिंह। किरनदेव सिंह को दो पुत्र रामाधिकारी सिंह और रामरक्षा सिंह। विष्णुदेव सिंह को दो पुत्र अवधेश सिंह और घनश्याम सिंह। विश्वनाथ सिंह को दो पुत्र जगतानन्द सिंह और डेगनारायण सिंह। जगतानन्द सिंह को दो पुत्र रामानन्द सिंह और उमेश सिंह। उमेश सिंह को दो पुत्र विजय और पंकज। डेगनारायण सिंह को एक पुत्र रामाकान्त सिंह (ना०) शिवधर सिंह को दो पुत्र रामपवित्र सिंह और परमानन्द सिंह। रामपवित्र सिंह को तीन पुत्र केदार सिंह, रामनाथ सिंह और रामानन्द सिंह। केदार सिंह को दो लड़का महेन्द्र सिंह और सिवेन्द्र सिंह को दो पुत्र शंकर और संजीत। रामानन्द सिंह को दो लड़का रामगुलाम और रंजीत। परमानन्द सिंह को चार पुत्र उपेन्द्र सिंह, योगेन्द्र सिंह (ना०) नगेन्द्र सिंह और महेन्द्र सिंह। उपेन्द्र सिंह को तीन पुत्र राजकिशोर सिंह, सुशील सिंह और संतोषी सिंह। नगेन्द्र सिंह को एक पुत्र रंजन। लक्षमी सिंह को एक पुत्र सन्तोषी सिंह।

संतोषी सिंह के तीन पुत्र रामकृपाल सिंह, महावीर सिंह, निर्भय सिंह। रामकृपाल सिंह के एक पुत्र मंगनीराम सिंह जिनको एक पुत्र वैद्यनाथ सिंह। महाबीर सिंह को दो पुत्र वशिष्ठ सिंह और रेशी सिंह। वशिष्ठ सिंह को दो पुत्र रामकुमार और विश्वनाथ। रेशी सिंह को एक पुत्र संजय सिंह। निर्भय सिंह को एक पुत्र भोला सिंह जिनको एक पुत्र गोपाल सिंह। फते सिंह को एक पुत्र अजीत सिंह और भगमत सिंह। अजीत सिंह को एक पुत्र हुलास सिंह जिनको दो पुत्र सिघेश्वर सिंह और वटेश्वर सिंह। सिघेश्वर सिंह को दो पुत्र रामस्वरूप सिंह और सीया सिंह। रामस्वरूप सिंह को एक पुत्र द्वारिका सिंह। सीया सिंह को सात पुत्र फूलो सिंह। धनेश्वर सिंह, रामचन्द्र सिंह, महेश्वर सिंह, महेन्द्र सिंह, गोपाल सिंह और अनिल सिंह। धनेश्वर को एक पुत्र पप्पू। रामचन्द्र सिंह को दो पुत्र पवन और जितेन्द्र सिंह। भगमत सिंह को चार पुत्र तोता सिंह, गोविन्द सिंह, कल्लर सिंह, और रामू सिंह। गोविन्द सिंह को दो पुत्र मुखलाल सिंह और लट्टुर सिंह। मुखलाल सिंह को एक पुत्र रामप्रकाश सिंह जिनको दो पुत्र अनन्दी शिह और अवधेश सिंह। लट्टुर सिंह को तीन पुत्र भोना सिंह, शिवजी सिंह और रामजी सिंह। सोना सिंह को एक पुत्र रामविलास सिंह। कल्लर सिंह के एक पुत्र डोभी सिंह। जिनको एक पुत्र विष्णुदेव सिंह। विष्णुदेव सिंह को एक पुत्र रामसोगारथ सिंह जिनको तीन पुत्र भूषण, चन्द्रशेखर और चन्द्रदेव सिंह। रामू

सिह को एक पुत्र गाजो सिंह। गाजो सिह को एक पुत्र विन्देश्वरी सिंह जिनको दो पुत्र जगदीश सिह और वीरेन्द्र सिंह। जगदीश सिंह को एक पुत्र कौशल सिंह। डमर सिंह को तीन पुत्र केहर सिंह, शिबन सिंह और जीवन सिंह। केहर सिंह को दो पुत्र सीताराम सिंह और नारायण सिंह। सिताराम सिंह को एक पुत्र हरख सिंह जिनको एक पुत्र खारी सिंह। खारी सिंह को तीन पुत्र शिवनन्दन सिंह, सरयुग और देवनारायण सिंह। शिवनन्दन सिंह को एक पुत्र रामवालक सिंह। रामबालक सिंह को पाँच पुत्र ललन सिंह, अरविन्द सिंह, संजय सिंह, रामबाबू सिंह और पंकज सिंह। सरयुग सिंह को एक लड़का रामचरित्र सिंह जिनको दो पुत्र अशोक सिह जितेन्द्र सिंह। देवनारायण सिंह को दो रामविलास सिंह और सुरेश सिंह। नारायण सिंह को दो पुत्र उघरन सिंह, वनु सिंह। उघरन सिंह को एक पुत्र कारी सिंह। वनु सिंह को एक पुत्र महावीर सिंह जिनको एक पुत्र रामोतार सिंह। शिबन सिंह को एक पुत्र राम सिंह जिनको तीन पुत्र सउर सिंह, लाली सिंह और प्यारे सिंह।

सउर सिंह को दो पुत्र सरोवर सिंह जिनको एक पुत्र रामनन्दन सिंह। नेमधारी सिंह को एक पुत्र भोपाल सिंह जिनको पांच पुत्र रामकुमार सिंह, सुखराम सिंह, विमल सिंह गणेश सिंह और दिनेश सिंह। प्यारे सिंह को एक पुत्र जगदम्बी सिंह। जीवन सिंह को एक पुत्र चेतन सिंह जिनको एक पुत्र ठाकुर सिंह, ठाकुर सिंह को एक पुत्र फकीर सिंह जिनको दो पुत्र जगदीप सिंह और मिश्री सिंह। भोजमल सिंह को दो पुत्र निहोरा सिंह और धरम सिंह। निहोरा सिंह को दो पुत्र चुल्हाय सिंह और पराव सिंह। चुल्हाय सिंह को एक पुत्र कोकील सिंह जिनको दो पुत्र राधे सिंह और तिलकी सिंह। राधे सिंह को दो पुत्र लेखा सिंह और धारी सिंह। लेखा सिंह को तीन पुत्र त्रिवेणी सिंह, रामोतार सिंह, राजेन्द्र सिंह। रामोतार सिंह को तीन पुत्र जगन्नाथ सिंह, सीताराम सिंह और भूषण सिंह। जगन्नाथ सिंह को एक पुत्र पप्पु सिंह। भूषण सिंह को एक पुत्र राजेश सिंह। राजेन्द्र सिंह को दो पुत्र विश्वनाथ सिंह और गंगोत्री सिंह। धारी सिंह को छः पुत्र किशुन सिंह, रामेश्वर सिंह, कैलु सिंह, ब्रह्मदेव सिंह, शत्रुघ्न सिंह, मुट्टु सिंह। किशुन सिंह को एक पुत्र सालीग्राम सिंह जिनको तीन पुत्र शिवराम, संजय सिंह, शंकर सिंह। शत्रुहन सिंह को तीन पुत्र रामसुलेन सिंह, रामसेवक सिंह और रामवावु सिंह।

तिलकी सिंह को एक पुत्र नुनु सिंह। परोव सिंह को एक पुत्र वनखण्डी सिंह को एक पुत्र तुलो सिंह। धरम सिंह को दो पुत्र प्रयाग सिंह और दरियाव सिंह। प्रयाग सिंह को एक पुत्र खगेश सिंह जिनको एक पुत्र चन्द्रपैत सिंह। चन्द्रपैत

Scanned by CamScanner

सिंह को एक पुत्र हीरा सिंह । हिरा को एक पुत्र रामबहादुर सिंह । दरियान सिंह को एक पुत्र खेदन सिंह जिनको एक पुत्र रितकाल सिंह । रितकाल सिंह को एक पुत्र भागो सिंह ।

केवल सिंह को एक पुत्र सुबर सिंह जिनको एक पुत्र मेहरवान सिंह । मेहरवान सिंह को एक पुत्र दिलन सिंह जिनको दो पुत्र तिलक सिंह और मनोरी सिंह । तिलक सिंह को दो पुत्र संतोषी सिंह और राजा सिंह । संतोषी सिंह को तीन पुत्र जागेश्वर सिंह, राम सिंह, लालो सिंह । जागेश्वर सिंह को चार पुत्र लक्ष्मी सिंह, फुलचन सिंह, मेदनी सिंह, कमली सिंह । लक्ष्मी सिंह को तीन पुत्र गंगोत्री सिंह, हरिहर सिंह और राजीव सिंह । फुलचन सिंह को चार पुत्र अवधनाथ सिंह, शिवदानी सिंह, शिवशंकर सिंह और शिवोत्तर सिंह । कमली सिंह को एक पुत्र विश्वनाथ सिंह । राजा सिंह को एक पुत्र मुन्शीलाल सिंह जिनको एक पुत्र उपेन्द्र सिंह ।

पता :—श्री गीता प्रसाद सिंह
ग्राम—पोस्ट—डीहपर
भाया—मंझौल
जिला—बेगूसराय
(बिहार)

बरैपुरा

डीह पर निवासी इन्द्रजीत मिश्र के प्रथम पुत्र चतुर्भुज मिश्र बरैपुरा ग्राम के निवासी हुए। चतुर्भुज मिश्र के तीन पुत्र—बलिराम मिश्र, हरदेव मिश्र और अनिरूद्ध मिश्र।

बलिराम मिश्र के दो पुत्र—सेवक मिश्र और तुलसी मिश्र। तुलसी मिश्र के पुत्र अघोरी मिश्र। इनके पुत्र दुखन मिश्र और हरि मिश्र। दुखन मिश्र के एक पुत्र बखोरी मिश्र। इनके पुत्र मेषधारी मिश्र। इनके पुत्र हितनारायण मिश्र। इनके तीन पुत्र—नान्हो मिश्र, रघुनन्दन मिश्र ओर मिनती मिश्र। मिनती मिश्र के दो पुत्र—मथुरा मिश्र और रामोतार मिश्र। मथुरा मिश्र के चार पुत्र—बैजनाथ मिश्र, बच्चा मिश्र, लड्डू मिश्र और राजबाबू मिश्र।

रामोतार मिश्र के पुत्र ब्रह्मदेव मिश्र।

चतुर्भुज मिश्र के छोटे पुत्र अनिरुद्ध मिश्र के दो पुत्र—टीका मिश्र और मूसो मिश्र। टीका मिश्र के एक पुत्र—मोगल मिश्र। इनके पुत्र फेकू मिश्र। इनके पुत्र डम्मर मिश्र। डम्मर मिश्र के पुत्र सर्वजीत मिश्र और कारू मिश्र।

सर्वजीत मिश्र के तीन पुत्र—तोता मिश्र, काली मिश्र और लाली मिश्र। तोता मिश्र के पुत्र रघुनाथ मिश्र। इनके तीन पुत्र अतेगी मिश्र, जगदम्बी मिश्र और राधा मिश्र। राधा मिश्र के तीन पुत्र—राजेश्वर मिश्र, बद्री मिश्र और गंगा मिश्र। काली मिश्र के चार पुत्र जादो मिश्र, वीनो मिश्र, नरसिंह मिश्र और शिव मिश्र। नरसिंह मिश्र के दो पुत्र—बौधू मिश्र और छत्रधारी मिश्र। बौधू मिश्र के पाँच पुत्र—रामचरित्र मिश्र, राम मिश्र, जयनारायण मिश्र, लाटो मिश्र और बैजनाथ मिश्र।

रामचरित्र मिश्र के पुत्र—विपिन कुमार सिंह।

शिव मिश्र के पुत्र भोला सिंह। इनके पुत्र—फुलेना सिंह और इनके पुत्र—वीरेन्द्र कुमार सिंह।

अनिरूद्ध मिश्र के पुत्र मूसो मिश्र के चार पुत्र—गिदन सिंह, रतन सिंह, खुशी सिंह, हरिनन्दन सिंह।

खुशी सिंह के एक पुत्र—केहर सिंह। इनके पुत्र उमराव सिंह। इनके पुत्र—महेश सिंह, भिखारी सिंह और गोविन्द सिंह। भिखारी सिंह के पुत्र मुरली सिंह। इनके पुत्र नेकलाल सिंह। इनके पुत्र नारायण सिंह। इनके दो पुत्र—रामपवित्र

Scanned by CamScanner

सिंह, शिवनन्दन सिंह। रामपवित्र सिंह के पुत्र—सच्चिदानन्द सिंह, कन्हैया सिंह और गोपाल सिंह। सच्चिदानन्द सिंह के पुत्र—रामलला सिंह।

शिवनन्दन सिंह के चार पुत्र—अशोक कुमार सिंह, अजय कुमार सिंह, राम विनोद सिंह और भोपाल सिंह।

भिखारी सिंह के छोटे भाई गोविन्द सिंह के पुत्र हियालाल सिंह और मित्रजीत सिंह। हियालाल सिंह के पुत्र—जगदीप सिंह। इनके दो पुत्र—श्याम नारायण सिंह एवं जनार्दन सिंह। श्यामनारायण सिंह के पुत्र—राधा सिंह। इनके पुत्र कृष्णनंदन सिंह के तीन पुत्र—राजीव, संजीव और रंजीत।

जनार्दन सिंह के पुत्र—मधुसूदन सिंह। इनके तीन पुत्र—महेन्द्र सिंह, अवध किशोर सिंह एवं कृष्णदेव सिंह। महेन्द्र सिंह के पुत्र नन्दकिशोर सिंह।

मित्रजीत सिंह के तीन पुत्र—मटुकधारी सिंह, रामउदार सिंह और शालीग्राम सिंह। राम उद्गार सिंह के चार पुत्र—रामकिशुन सिंह, श्रीकिशुन सिंह, हृषिकेश सिंह तथा त्रिभुवन सिंह। श्रीकिशुन सिंह के पुत्र—शंभू सिंह।

हृषिकेष सिंह के पुत्र—बेचन सिंह और एक पुत्र। खुशी सिंह के पुत्र केहर सिंह थे। इनके तीन पुत्र—सहित सिंह, योद्धा सिंह और बैजू सिंह। योद्धा सिंह के पुत्र हरिकिशुन सिंह। इनके पुत्र जोरावर सिंह।

कारू मिश्र—इनके तीन पुत्र होरिल मिश्र, दीनदयाल मिश्र और संतोषी मिश्र। होरिल मिश्र के दो पुत्र—रामजी सिंह और चनकधारी सिंह। रामजी सिंह के पुत्र हरदेव सिंह, इनके तीन पुत्र—अक्ष्यवट सिंह, रामकैलाश सिंह और अर्जुन सिंह। अक्षयवट सिंह के पुत्र रामबाबू सिंह। राम कैलाश सिंह के पुत्र नंदकिशोर सिंह एवं सुरेश सिंह। अर्जुन सिंह के दो पुत्र सुधीर और सुबोध सिंह।

चनकधारी सिंह के तीन पुत्र—विष्णुदेव सिंह, केशो सिंह और दुलार सिंह। विष्णुदेव सिंह के एक पुत्र—रामनंदन सिंह। रामनंदन सिंह के पुत्र कपिलदेव सिंह, चन्द्रशेखर सिंह और शशिभूषण सिंह। कपिलदेव सिंह के एक पुत्र—पंकज कुमार। चन्द्रशेखर सिंह के दो पुत्र—अजीत कुमार और सुजीत कुमार। केशो सिंह के दो पुत्र—रामदेव सिंह और यदुनंदन सिंह। रामदेव सिंह के तीन पुत्र—अरविन्द कुमार, अनिल कुमार और प्रमोद कुमार। अरविन्द कुमार के पुत्र मनोज कुमार।

अनिल कुमार के पुत्र—अमित कुमार।

यदुनंदन सिंह के पुत्र—मुकेश कुमार।

बाबू दुलार सिंह के एक पुत्र—परमानंद सिंह। इनके तीन पुत्र—रंजन कुमार, मृत्युंजय कुमार और विजय शंकर।

कारू मिश्र के दूसरे पुत्र दीनदयाल मिश्र के एक पुत्र रामचरण सिंह। इनके एक पुत्र—रामोतार सिंह।

Scanned by CamScanner

सिकरहुला

डीहपरवासी इन्द्रजीत मिश्र के द्वितीय पुत्र देवकिशुन मिश्र सिकरहुला के बीजपुरुष हुये।

देव किशुन मित्र का वंश विस्तार सिकरहुला में देवकिशुन मिश्र के एक पुत्र जयदेव मिश्र हुए। जयदेव मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) देव मिश्र (२) कुंजल मिश्र।

देव मिश्र के एक पुत्र कुतूहल मिश्र हुए, कुतूहल मिश्र के एक पुत्र खुशी मिश्र हुए।

देव मिश्र के भाई कुंजल मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) त्रिभुवन मिश्र (२) म० (३) टेक नारायण मिश्र।

टेक नारायण मिश्र के एक पुत्र शंकर मिश्र हुए। शंकर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) शिव दयाल मिश्र नावल्द। (२) मेषधारी मिश्र।

भेषधारी मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) कीर्तिन नारायण सिंह (२) लक्ष्मी नारायण सिंह (३) राम रक्षा सिंह (४) नंदलाल सिंह (५) संतलाल सिंह। (मिश्र नहीं सिंह लिखा जाय) कीर्तिनारायण सिंह के दो पुत्र हुए—(१) अवध बिहारी सिंह, ढुनमुन सिंह।

अवध बिहारी मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) रामवदन मिश्र (२) रामलगन मिश्र (३) रामनंदन मिश्र (४) रामचन्द्र मिश्र।

रामवदन मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) फुलेना मिश्र (२) रामेश्वर मिश्र उर्फ भुल्लू मिश्र (३) विशेश्वर मिश्र उर्फ खेरारू मिश्र (४) विन्देश्वरी मिश्र (५) रामसुभय मिश्र।

फुलेना मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) राजेन्द्र मिश्र (२) रामरतन मिश्र।

रामेश्वर मिश्र उर्फ भुल्लु मिश्र के पुत्र हुए—अरुण कुमार मिश्र। अरुण कुमार मिश्र के एक पुत्र कृष्ण कुमार मिश्र हुए।

बिशेश्वर मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) देवेन्द्र मिश्र (२) रवीन्द्र मिश्र (३) योगेन्द्र मिश्र।

फुलेना मिश्र के भाई विन्देश्वरी मिश्र के एक पुत्र गोपाल मिश्र हुए। राम सुभग मिश्र के एक पुत्र—चक्रधर मिश्र।

Scanned by CamScanner

रामवदन मिश्र के दूसरे भाई रामलगन मिश्र के एक पुत्र हुए—अमर शंकर मिश्र। अमर शंकर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रामशंकर मिश्र (२) संतोष मिश्र।

रामवदन मिश्र के तीसरे भाई रामनंदन मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) जगदीश मिश्र (२) गजेन्द्र मिश्र (३) शैल कुमार मिश्र।

गजेन्द्र मिश्र के एक पुत्र राम कुमार मिश्र, शैल कुमार सिंह के एक पुत्र बच्चा

रामवदन मिश्र के छोटे भाई रामचन्द्र मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) केदार नाथ सिंह (२) राजेश्वर सिंह। केदार नाथ सिंह के चार पुत्र हुए—(१) प्रकाश (२) ओम प्रकाश (३) इन्द्र प्रकाश (४) वेद प्रकाश।

राजेश्वर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) चन्द्र प्रकाश मिश्र (२) सत्य प्रकाश मिश्र।

कीर्त्तिनारायण मिश्र के छोटे पुत्र ढुनमुन मिश्र के छः पुत्र हुए—(१) वाल्मीकि मिश्र (२) छोटो मिश्र (३) भोला मिश्र (४) वासुदेव मिश्र (५) दिनेश मिश्र (६) रामनाथ मिश्र।

वाल्मीकि मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) शंभु मिश्र (२) राम विलास मिश्र (३) विभूति मिश्र (४) निवास मिश्र।

शंभु मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) असीम कुमार (२) अभय कुमार (३) अजय कुमार मिश्र।

विभूति मिश्र के—दो पुत्र—(१) नीरज मिश्र (२) नूनू मिश्र। वाल्मीकि मिश्र के दूसरे भाई छोटो मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रामजीवन मिश्र (२) रामसरोवर मिश्र रामजीवन मिश्र के दो पुत्र हुए–(१) चन्द्रसेन मिश्र (२) सुधांशु मिश्र।

राम सरोवर के दो पुत्र हुए—(१) अश्विनी कुमार (२) बबलू वाल्मीकि मिश्र के तीसरे भाई भोला मिश्र के एक पुत्र चन्द्र मौली मिश्र हुए—

श्री वालमीकि मिश्र के चौथे भाई श्री वासुदेव मिश्र के दो पुत्र हुए—श्री वशिष्ठ मिश्र, श्री अमर नाथ मिश्र। श्री अमर नाथ के एक पुत्र—श्री व्रजेश कुमार।

श्री वाल्मीकि मिश्र के पाँचवे भाई श्री दिनेश मिश्र के तीन पुत्र हुए—१ श्री हरिनन्दन मिश्र २ श्री वलीनाथ मिश्र ३ श्री कमिनाथ मिश्र। श्री हरिनन्दन मिश्र के तीन पुत्र हुए—१ श्री राज कुमार मिश्र २ श्री अरूण कुमार मिश्र ३ श्री नवीन कुमार मिश्र। श्री वलिनाथ के एक पुत्र—श्री मनोज कुमार मिश्र।

श्री कलिनाथ के चार पुत्र हुए—१ संजीव २ राजीव ३ धर्मेन्द्र ४ अमरजीत कुमार।

श्री वालमीकि मिश्र के छठे भाई श्री रामनाथ मिश्र के एक पुत्र श्री मेषधारी मिश्र के दूसरे पुत्र श्री सुनील कुमार मिश्र।

Scanned by CamScanner

श्री कीर्तिनारायण मिश्र के दूसरे भाई श्री लक्ष्मी नारायण मिश्र के एक पुत्र हुए श्री अयोध्या मिश्र।

श्री अयोध्या मिश्र के चार पुत्र हुए—१ श्री राधा कृष्ण मिश्र २ श्री राम वहादुर मिश्र ३ श्री शिवनंदन मिश्र ४ श्री देवनंदन मिश्र।

श्री राधा कृष्ण मिश्र के दो पुत्र हुए—१ श्री श्याम मिश्र २ श्री मदन मिश्र। श्री श्याम मिश्र के दो पुत्र हुए—१. श्री उदयन कुमार मिश्र २. श्री राजीव मिश्र।

श्री मदन मिश्र के तीन पुत्र हुए—१. श्री संजीव कुमार उर्फ पप्पू २. श्री पंकज मिश्र ३. श्री बालाजी।

श्री राधाकृष्ण मिश्र के भाई श्री रामबहादुर मिश्र के दो पुत्र हुए—१. श्री चन्द्रशेखर मिश्र २. श्री बालमुकुन्द मिश्र। चन्द्रशेखर मिश्र के दो पुत्र हुए—१. विनय कुमार मिश्र एवं २. कौशल किशोर मिश्र।

श्री राधाकृष्ण मिश्र के तीसरे भाई शिवनन्दन मिश्र के तीन पुत्र हुए—१. सच्चिदानन्द मिश्र २. परमानन्द मिश्र ना० ३. नित्यानंद मिश्र।

सच्चिदानन्द मिश्र के दो पुत्र हुए—मुकेश कुमार मिश्र २. राजेश कुमार मिश्र।

नित्यानंद मिश्र के तीन पुत्र हुए—१. विजय कुमार मिश्र २. अजय कुमार मिश्र ३. संजय कुमार मिश्र।

राधाकृष्ण मिश्र के चौथे भाई देवनंदन मिश्र के चार पुत्र हुए—१. आनंद मिश्र २. श्री अरविन्द मिश्र ३. रामतीर्थ मिश्र ४. अनिल कुमार मिश्र। आनन्द मिश्र के तीन पुत्र हुए—१. हर्ष कुमार मिश्र उर्फ कुनकुन २. कन्हैया मिश्र ३. रमन मिश्र। अरविन्द मिश्र के एक पुत्र संजू मिश्र।

रामतीर्थ मिश्र के दो पुत्र हुए—१. पिंकू कुमार मिश्र २. मनटुन मिश्र।

अनिल कुमार मिश्र के तीसरे पुत्र रामरक्षा मिश्र नावल्द हुए।

भेषधारी मिश्र के चौथे पुत्र नंदलाल मिश्र के दो पुत्र हुए—१. गंगा मिश्र २. यमुमा मिश्र। जिनमें गंगा मिश्र के दो पुत्र हुए—१. दशरथ मिश्र २. सत्य नारायण मिश्र (ध्रुवगंज भागलपुर जिला में बसे।) दशरथ मिश्र के दो पुत्र—१. संजय २. यमुना मिश्र के दो पुत्र हुए—१. सुरेन्द्र मिश्र २. रामसुमरन मिश्र। सुरेन्द्र मिश्र के एक पुत्र चुनचून मिश्र हुए।

भेषधारी मिश्र के छोटे पुत्र सन्तलाल मिश्र के दो पुत्र हुए—१. यदुनन्दन मिश्र २. जगदम्वी मिश्र। यदुनन्दन मिश्र के दो पुत्र हुए—१. वैद्यनाथ मिश्र २. जगन्नाथ मिश्र। वैद्यनाथ मिश्र के एक पुत्र रामगोविन्व मिश्र एवं जगन्नाथ मिश्र के एक पुत्र—कृष्णगोविन्द मिश्र हुए—रामगोविन्द मिश्र के दो पुत्र हुए—१. राजीव रंजन २. राकेश कुमार। कृष्ण गोविन्द मिश्र के भी एक पुत्र अमृतेश मिश्र हुए।

Scanned by CamScanner

यदुनन्दन मिश्र के भाई जगदम्बी मिश्र के दो पुत्र हुए—१. विश्वनाथ मिश्र। केदारनाथ मिश्र। विश्वनाथ प्र० सिंह (मिश्र) के चार पुत्र—रामानुज, शशिभूषण, रामकृष्ण, बालकृष्ण।

रामानुज के दो पुत्र—महेश्वर उर्फ सन्तोष उर्फ शीतल।

शशिभूषण के एक पुत्र भुवनेश्वर मिश्र।

विश्वनाथ मिश्र के चार पुत्र हुए—१. रामानुज मिश्र २. शशिभूषण मिश्र ३. रामकृष्ण मिश्र ४. बालकृष्ण मिश्र। रामानुज मिश्र के दो पुत्र—महेश्वर मिश्र उर्फ सन्तोष, शीतल मिश्र। शशिभूषण मिश्र के एक पुत्र—भुवनेश्वर मिश्र। जगदम्बी मिश्र के छोटे पुत्र केदार मिश्र के एक पुत्र—रामेश्वर मिश्र हुए।

Scanned by CamScanner

वीरपुर+जगदर-वंशावली

खुटहा डीह निवासी श्री युत् गौण मिश्र के पौत्र श्री नीलकंठ मिश्र डीह पर के निवासी हुए। इनके कनिष्ठ पुत्र श्री इन्द्रजीत राय के कनिष्ठ पुत्र श्री जयकिशुन राय वीरपुर के वीजपुरुष हुये।

जयकृष्ण राय के तीन पुत्र—सन्तोषी राय, ध्रुवनारायण राय और जयनारायण राय। संतोषी राय के एक पुत्र—नरसिंह राय, इनके चार पुत्र—प्रभु राय, मौल राय, प्रताप राय और छदन राय हुए। छदन राय नावल्द। प्रभु राय को एक पुत्र—ब्रह्मादत्त सिंह, इनके तीन पुत्र—रामसहाय सिंह, अनपुछ सिंह और डोमन सिंह। रामसहाय सिंह नावल्द। अनपुछ सिंह के दो पुत्र—लालजीत प्र० सिंह और सोना प्र० सिंह। लालजीत सिंह के एक पुत्र—बैद्यनाथ प्र० सिंह नावल्द। सोना प्र० सिंह को पाँच पुत्र—रामस्वरूप प्र० सिंह, विदेश्वरी प्र० सिंह, शत्रुघ्न प्र० सिंह, महेश्वर प्र० सिंह और शिवदानी प्र० सिंह, चार भाई नावल्द। शिवदानी प्र० सिंह के तीन पुत्र वीरेश कुमार, राकेश कुमार और मुकेश कुमार। तीरेश कुमार के पुत्र सौरभ। राकेश कुमार अल्पायु म दिवंगत। मुकेश कुमार अभी कुंआरे हैं।

डोमन सिंह के चार पुत्र—नौरंगी सिंह, भागवत प्र० सिंह, तियाय सिंह और बलदेव प्र० सिंह। नौरंगी सिंह को एक पुत्र—अनिरुद्ध प्र० सिंह, इनके पुत्र—नाथो प्र० सिंह, इनके तीन बड़े भाई नूनू सिंह, जनार्दन सिंह और चानो सिंह अल्पायु में स्वर्गवासी। नाथो प्र० सिंह के दो पुत्र—देवेन्द्र प्र० सिंह, दिलीप कुमार सिंह उर्फ मंजू बाबू। देवेन्द्र प्र० सिंह के पुत्र महेन्द्र सिंह और सुरेन्द्र सिंह। दिलीप कुमार सिंह के दो पुत्र—दीपक और रूपक।

भागवत प्र० सिंह के चार पुत्र—नरसिंह प्र० सिंह, रामानन्द प्र० सिंह, बद्रीनारायण सिंह और लक्ष्मीनारायण सिंह। नरसिंह प्र० सिंह विवाहोपरान्त और रामानन्द प्र० सिंहअल्पायु में दिवंगत। बद्रीनारायण सिंह के पाँच पुत्र—युगल किशोर प्र० सिंह, अवधकिशोर प्र० सिंह, चन्द्रकिशोर प्र० सिंह, कौशलकिशोर प्र० सिंह और श्यामकिशोर प्र० सिंह। युगल किशोर प्र० सिंह के पुत्र—अमरेश और अमित। अवध किशो प्र० सिंह के दो पुत्र—सर्वेश, एक पुत्र का नामकरण नहीं हुआ है। चन्द्रकिशोर प्र० सिंह के एक पुत्र।

लक्ष्मीनारायण सिंह के तीन पुत्र—एक पुत्र अल्पायु में मृत। शेष अशोक कुमार उर्फ, बड़े कुमार और मुन्ना बाबू हैं।

Scanned by CamScanner

बड़े कुमार के पुत्र—कन्हैया और रमैया।

तिताय सिंह के दो पुत्र—भड़ीलाल सिंह और विजय सिंह।

विजय सिंह अल्पायु में मृत। भड़ीलाल सिंह के पुत्र—रामसरोबर प्र० सिंह, कामता प्र० सिंह, जनार्दन प्र० सिंह एव नवलकिशोर प्र० सिंह, कामता प्र० सिंह अल्पायु में मृत। रामसरोवर प्र० सिंह के तीन पुत्र—अजय कुमार, पंकज कुमार और धनंजय कुमार। जनार्दन प्र० सिंह के तीन पुत्र—वीरेन्द्र कुमार उर्फ गोपाल, गौतम और गोविन्द।

नवलकिशोर प्र० सिंह के एक पुत्र।

नरसिंह राय के पुत्र—प्रताप राय के चार पुत्र—धीरो राय, किसून राय, मेहरवान राय और ध्रुव राय। मेहरबान राय को चार पुत्र—निवनी राय, बलराम राय, फकीर राय, एक भाई का नाम अज्ञात है। निवनी राय को तीन पुत्र—रक्षा राय, हरी राय और फुलैना राय। बलराम राय के दो पुत्र—देवी राय और शिवन राय। देवी राय के एक पुत्र—भरोषा राय। शिबन राय के दो पुत्र—रामदयाल सिंह और गुरुदयाल सिंह। फकीर राय के दो दो पुत्र—सोनू राय और कन्यर राय। कन्यर राय के एक पुत्र—खंतर सिंह, गुरुदयाल सिंह के दो पुत्र—गन्हारी सिंह और शीतल सिंह। गेन्हारी सिंह के एक पुत्र—यमुना सिंह।

भरोषी राय के तीन पुत्र—तिलक सिंह, किटर सिंह और जग्गु सिंह। तिलक सिंह के दो पुत्र—मिश्री सिंह और सूरज सिंह। किटर सिंह के दो पुत्र—पलट सिंह और फुचो सिंह। पलट सिंह नावल्द। फुचो सिंह के तीन पुत्र—भुवनेश्वर सिंह, महेश्वर सिंह और राजेन्द्र सिंह। भुवनेश्वर सिंह नावल्द। महेश्वर सिंह के तीन पुत्र—रंजन सिंह, बबलू सिंह और डबलू सिंह। राजेन्द्र सिंह के एक पुत्र—चुनचुन सिंह। जग्गु सिंह के तीन पुत्र—रामस्वरूप सिंह, रामजी सिंह और लखन सिंह। रामस्वरूप सिंह के दो पुत्र—हरीनन्दन सिंह और कृष्ण नन्दन सिंह। हरीनन्दन सिंह के दो पुत्र—विजय सिंह और संजय सिंह। कृष्ण नन्दन सिंह के तीन पुत्र—अजय सिंह, अजीत सिंह और राजेश सिंह।

खंतर सिंह को दो पुत्र महावीर सिंह और सिद्धेश्वर सिंह। महावीर सिंह को चार पुत्र बिन्देश्वरी सिंह, रामनारायण सिंह, रघुनाथ सिंह और सीयाराम सिंह। विन्देश्वरी सिंह को दो पुत्र चन्द्रदेव सिंह और रामचन्द्र सिंह। चन्द्रदेव सिंह को तीन पुत्र लालन सिंह, रणजीत सिंह और संजीत सिंह। रामचन्द्र सिंह को तीन पुत्र—मनोज कुमार, सन्तोष कुमार और भोला।

रामनारायण सिंह को एक पुत्र विसुनदेव सिंह। रघुनाथ सिंह एक पुत्र कमल देव सिंह। कमलदेव सिंह को तीन पुत्र—अमरेन्द्र सिंह, हेमंत सिंह और मुनेश सिंह।

Scanned by CamScanner

सीयाराम के सिंह एक पुत्र विशेश्वर सिंह, इनके दो पुत्र व्यास नन्दन सिंह और वीरेश सिंह।

श्रीनरसिंह राय के द्वितीय पुत्र श्री मौल राय को पुत्र श्री जयगोपाल राय हुए। इनके एक पुत्र भवानी राय, इनके दो पुत्र कन्हैया राय और हनुमान राय। कन्हैया राय को तीन पुत्र—जीवलाल सिंह, ननकु सिंह और हितनारायण सिंह। जीवलाल सिंह ना०। ननकु सिंह को एक पुत्र पलट सिंह। हितनारायण सिंह को एक पुत्र वैद्यनाथ सिंह। पलट सिंह को दो पुत्र शिवनन्दन सिंह और रामनन्दन सिंह। शिवनन्दन सिंह को दो पुत्र प्रमोद कुमार और आमोद कुमार। रामनन्दन सिंह को एक पुत्र रणधीर कुमार सिंह। हनुमान राय को तीन पुत्र काली सिंह, लाली सिंह, अकलू सिंह। काली सिंह को एक पुत्र तारिणी सिंह। लाली सिंह को एक पुत्र गिरवलधारी सिंह। इनको एक पुत्र रामेश्वर सिंह। अकलू सिंह को तीन पुत्र बबुजन सिंह, चुल्हो सिंह और नुरो सिंह। बबुजन सिंह को तीन पुत्र—त्रिवेणी सिंह, सुन्दर सिंह और कैलू सिंह। कैलू सिंह ना०। त्रिवेणी सिंह को तीन पुत्र रामचरित सिंह, कृष्णदेव सिंह और चन्द्रदेव सिंह। रामचरित्र सिंह को चार पुत्र परमानन्द सिंह, वासुकी सिंह, सुधीर सिंह और शम्भु सिंह। कृष्णदेव सिंह को तीन पुत्र हरदेव सिंह, शिवदेव सिंह और कामदेव सिंह। चन्द्रदेव सिंह को एक पुत्र रामकुमार सिंह। परमानन्द सिंह को एक पुत्र सुबोध सिंह। वासुकी सिंह को एक पुत्र मुन्ना। चुल्हो सिंह ना०। नुरो सिंह को एक पुत्र। योगेन्द्र सिंह ना०।

सुन्दर सिंह को दो पुत्र रामदेव सिंह और शंकर सिंह, रामदेव सिंह को पाँच पुत्र नेपो सिंह, सतेन्द्र सिंह, विजय सिंह, राजेश सिंह और चुकुल्वा सिंह। शंकर सिंह को दो पुत्र संजय सिंह और मृत्युंजय सिंह।

Scanned by CamScanner

श्री गणेशाय नमः

श्री सुरगण वंश वृक्ष

कठघरा ग्राम का वंश वृक्ष

श्रीप्रसाद मिश्र खुटहा से शिवबाबा पट्टी से कठधरा गये और वहीं उनका वंश विस्तार हुआ।

श्रीप्रसाय मिश्र के दो पुत्र हुए—एक मुलही मिश्र दूसरे गोनर मिश्र। गोनर के एक पुत्र अज्ञात मिश्र। अज्ञात मिश्र के एक पुत्र रेबा मिश्र हुएँ।

रेबा मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) सभा मिश्र (२) कारू मिश्र, तीसरे खेमन मिश्र हुए। सभा मिश्र के दो पुत्र हुए (१) जगन्नाथ मिश्र (२) बैंजनाथ मिश्र नावल्व।

जगन्नाथ मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) गेंदों मिश्र (२) घारो मिश्र (३) मुंशी मिश्र (४) चन्दर मिश्र नावल्द।

गेंदो मिश्र के दो पुत्र—(१) हजारी मिश्र (२) गुलाब मिश्र नावल्द। हजारी मिश्र के दो पुत्र—(१) सिद्धेश्वर मिश्र (२) रामदेव मिश्र। सिद्धेश्वर मिश्र के एक पुत्र हुए शिवराज मिश्र। रामदेव मिश्र के एक पुत्र बाबूलाल मिश्र हुए।

जगन्नाथ मिश्र के दूसरे पुत्र घारो मिश्र के एक पुत्र विक्रमादित्य मिश्र हुए।

विक्रमादित्य मिश्र के तीन पुत्र—(१) जयकुमार मिश्र (२) रामोतार मिश्र तीसरे सीताराम मिश्र हुए। जयकुमार मिश्र के एक पुत्र उमोक मिश्र हुए।

जगन्नाथ मिश्र के तीससे पुत्र मुंशी मिश्र के एक पुत्र गया मिश्र हुए। गया मिश्र के चार पुत्र (१) रामनन्दन मिश्र (२) हरिद्वार मिश्र (३) आनंदी मिश्र चौथे अरविंद मिश्र हुए।

रेबा मिश्र के दूसरे पुत्र कारू मिश्र के तीन पुत्र (१) साही मिश्र (२) दुलार मिश्र (३) सुकरन मिश्र नावल्द।

साही मिश्र के एक पुत्र काशी मित्र हुए—काशी मिश्र के चार पुत्र—(१) वारहो मिश्र (२) लुटन मिश्र (३) सीताराम मिश्र (४) विन्दी मिश्र हुए। बारहो मिश्र के एक पुत्र बच्चू मिश्र हुए। बच्चू मिश्र के पाँच पुत्र हुए—

Scanned by CamScanner

(१) सुरेन्द्र मिश्र (२) वीरेन्द्र मिश्र (३) नरेन्द्र मिश्र (४) महेन्द्र मिश्र (५) सत्येन्द्र मिश्र हुए।

कारू मिश्र के दूसरे पुत्र दुलार मिश्र के एक पुत्र रामरूप मिश्र नावल्द।

रेबा मिश्र के तीसरे पुत्र खेमन मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) चमारी मिश्र (२) दारो मिश्र (३) गोपी मिश्र नावल्द।

चमारी मिश्र के दो पुत्र—(१) रामू मिश्र (२) ईश्वर मिश्र। रामू मिश्र के दो पुत्र (१) रामभज्जु मिश्र (२) बाँके बिहारी मिश्र नावल्द।

रामभज्जु मिश्र के तीन पुत्र—(१) विजय मिश्र (२) विनोद मिश्र (३) सुबोध मिश्र, ईश्वर मिश्र के एक पुत्र सुरेश मिश्र हुए।

चमारी मिश्र के भाई दारो मिश्र के एक पुत्र गंगा मिश्र। गंगा मिश्र के दो पुत्र (१) अमीर मिश्र (२) बाजो मिश्र हुए।

अमीर मिश्र के तीन पुत्र —(१) नरेश मिश्र (२) दिनेश मिश्र (३) उमेश मिश्र, नरेश मिश्र के पुत्र—शिववचन मिश्र हुए।

गंगा के दूसरे पुत्र बाजो मिश्र के दो पुत्र—(१) सिया मिश्र (२) सरगुन मिश्र हुए।

श्रीप्रसाद मिश्र के दो पुत्र हुए—एक मुल्ही मिश्र, दूसरे गोनर मिश्र। जिनमें गोनर मिश्र के वंश का कुर्सीनामा ऊपर तैयार हुआ। अब मुल्ही का वंश शुरू—

मुलही मिश्र दो पुत्र हुए—एक हुलास मिश्र, दूसरे चुट्टी मिश्र जिनमें हुलास मिश्र के चार पुत्र हुए—एक गंगा मिश्र, दूसरे डोमी मिश्र, तीसरे भूअन मिश्र ना०, चौथे नागा मिश्र हुए। जिनमे—

गंगा मिश्र दो पुत्र हुए—एक विशो मिश्र, दूसरे परमेश्वर मिश्र नावल्द। विशो मिश्र के चार पुत्र हुए (१) बाढ़ो मिश्र, सीयाराम मिश्र (४) रामशरण मिश्र। जिनमें छोटे भाई रामशरण मिश्र के तीन पुत्र हुए—प्रथम महेन्द्र मिश्र, दूसरे वीरेन्द्र मिश्र, तीसरे रामजी मिश्र।

प्रथम भाई बाढ़ो मिश्र के दो पुत्र हुए—एक मदन मिश्र, दूसरे श्रीकान्त मिश्र, फिर मदन मिश्र के भी दो ही पुत्र हुए (१) उमेश (२) गोरे लाल। श्रीकांत के एक ही पुत्र—सुरेश मिश्र।

वाढ़ो के भाई सीता मिश्र के दो पुत्र—१. राजो मिश्र २. मनीक मिश्र।

वाढ़ो के तीसरे भाई सियाराम के तीन पुत्र—१. विजय २. रामचरित्र मिश्र ३. छोटेलाल मिश्र।

हुलास मिश्र के दूसरे पुत्र—डोमी मिश्र के दो पुत्र—१. चुआ नावल्द २. तोती। तोती के दो पुत्र—१. यदु मिश्र २. देवन मिश्र। यदु के एक पुत्र रामाधीन

Scanned by CamScanner

मिश्र। रामाधीन मिश्र के एक पुत्र—१. पारसनाथ २. वद्रीनाथ। हुलास मिश्र के छोटे पुत्र नागा मिश्र के एक पुत्र—महादेव मिश्र। महादेव मिश्र के तीन पुत्र—१. जगदेव मिश्र नावल्द २. रामकुमार मिश्र ३. वालेश्वर मिश्र।

रामकुमार मिश्र के तीन पुत्र—१. श्यामसुन्दर मिश्र २. ववन मिश्र ३. शत्रुघ्न मिश्र हुए। रामकुमार के भाई वालेश्वर के एक पुत्र—उमेश मिश्र हुए।

मुलही मिश्र के दूसरे पुत्र चुट्टी मिश्र के छः पुत्र हुए—१. जीछा मिश्र २. विहारी मिश्र ३. जीवधर मिश्र नावल्द ४. सुरेन मिश्र ५. साहेब मिश्र ६. हीरा मिश्र हुए। जिनमें जीछा मिश्र के एक पुत्र-जानकी मिश्र हुए। जानकी मिश्र के एक पुत्र—सियाशरण मिश्र। सियाशरण के दो पुत्र हुए—१. अजय मिश्र २. विजय मिश्र।

दूसरे भाई विहारी मिश्र के दो पुत्र—१. योधी २. ब्रह्मदेव। योधी के एक पुत्र—चन्द्रिका मिश्र। चन्द्रिका मिश्र के एक पुत्र—गौरी शंकर। ब्रह्मदेव मिश्र के दो पुत्र—१. राघो मिश्र २. रामजी मिश्र।

राघो मिश्र के दो पुत्र—१. शिवनन्दन मिश्र २. रामस्वरूप मिश्र। रामजी मिश्र के दो पुत्र—१. उमाकांत मिश्र २. सिद्धेश्वर मिश्र।

चुट्टी मिश्र के तीसरे पुत्र—सुरेन के दो पुत्र—१. दासो मिश्र २. गणेश मिश्र। दासो के दो पुत्र हुए—१. कामेश्वर २. मुसाफिर। मुसाफिर के एक ही पुत्र—रामानन्द मिश्र हुए।

दासो के भाई गणेश के एक ही पुत्र—मथुरा। फिर मथुरा के दो पुत्र—१. गिरजा मिश्र २. शालीग्राम मिश्र। फिर शालीग्राम के दो ही पुत्र हुए—१. रवीन्द्र मिश्र २. सीताराम मिश्र।

चुट्टी मिश्र के पाँचवें पुत्र—साहेब मिश्र के दो पुत्र—१. प्यारे मिश्र २. चक्रधारी मिश्र। जिनमें प्यारे मिश्र के तीन पुत्र—१. कैलास मिश्र २. जमुना मिश्र ३. गया सिंह। जिनमें कैलाश सिंह के दो पुत्र हुए—१. नरेश सिंह २. वालमीकी सिंह।

यमुना सिंह के एक पुत्र बुधन सिंह। गया सिंह के तीन पुत्र हुए—१. शैलेन्द्र २. कारू सिंह एवं जीतन सिंह हुए।

प्यारे मिश्र के भाई चक्रधारी मिश्र के तीन पुत्र हुए—१. मदन मिश्र २. जयराम मिश्र ३. जनार्दन मिश्र। जिनमें मदन के एक पुत्र—सतीन्द्र मिश्र हुए।

चुट्टी मिश्र के छठे पुत्र—हीरा मिश्र के दो पुत्र—१. झड़ी मिश्र २. लाछो मिश्र हुए। जिनमें झड़ी मिश्र के तीन पुत्र—१. अम्बिका मिश्र २. दानी मिश्र ३. केदार मिश्र।

Scanned by CamScanner

अम्बिका मिश्र के एक पुत्र—गनौरी मिश्र। दानी मिश्र के एक पुत्र—परशुराम मिश्र एवं केदार मिश्र के एक पुत्र—मुन्द्रिका मिश्र हुए। जिनमें गनोरी मिश्र के एक पुत्र—साधु मिश्र हुए।

झड़ी मिश्र के भाई लाछो मिश्र के एक पुत्र—कामता प्र० मिश्र। कामता मिश्र के तीन पुत्र—१. सुनील कुमार २. सुवोध कुमार ३. सुमन मिश्र।

मंगर मिश्र दूसरा खूँट।

मंगर मिश्र के पाँच पुत्र हुए—१. सुक्कन २. भुक्खन ३. चेतन ४. मुरती ५. टुक्कन नावल्द।

सुक्कन मिश्र के तीन पुत्र—१. डेलोन नावल्द २. मनियार मिश्र नावल्द ३. वासो मिश्र। वासो मिश्र के एक पुत्र—राघो मिश्र। राघो मिश्र के पाँच पुत्र—(१) रामस्वरूप (२) इन्द्रदेब (३) रामचन्द्र (४) रामरक्षा मिश्र (५) गौरीशंकर। जिनमें रामस्वरूप मिश्र के एक पुत्र—दिनेश मिश्र (२) इन्द्रदेव के एक पुत्र उमेश मिश्र।

सुक्कन के भाई मुक्खन मिश्र के दो पुत्र—(१) केशा मिश्र ना० (२) जगदीप। जगदीप के चार पुत्र हुए—(१) अर्जुन (२) कारू (३) रामचन्द्र (४) सरली मिश्र। अर्जुन के एक पुत्र सुधीर मिश्र।

सुक्कन मिश्र के भाई चेतन मिश्र के चार पुत्र—(१) सादो ना० (२) मोहन ना० (३) बलदेव ना० (४) गोपी, इनके एक पुत्र टनटन मिश्र, इनके भी एक ही पुत्र नरेश मिश्र सुक्कन के भाई मुरती के तीन पुत्र—(१) विशेश्वर (२) कैलाश (३) द्वारिका मिश्र तीनों भाई ना०।

दूसरा खूँट—सोभी मिश्र

सोभी मिश्र के चार पुत्र—(१) पुहकर, (२) बुद्धन (३) जीवन ना० (४) पटरह ना०।

पुहकर के पुत्र—(१) पीताम्बर ना० (२) विशो के तीन पुत्र—(१) सीरो (२) महेश्वर ना० (३) सूरज मिश्र। जिनमें सीरो मिश्र के पाँच पुत्र हुए (१) वृजा मिश्र (२) सीताराम मिश्र (३) राजेन्द्र मिश्र (४) मणीकचन्द्र मिश्र (५) अनिल मिश्र।

पुहकर के भाई बुधन मिश्र के एक पुत्र तीतो मिश्र, तीतो मिश्र एक पुत्र मुनेश्वर मिश्र। मुनेश्वर मिश्र के चार पुत्र—(१) राम (२) वेनी (३) अवध (४) नवल मिश्र।

Scanned by CamScanner

तीसरा खूँट—टोरी मिश्र

टोरी मिश्र के दो पुत्र—(१) घती मिश्र (२) अमुक मिश्र, घती मिश्र के तीन पुत्र—(१) अमृत (२) कारू (३) सोभर मिश्र ना० ।

अमृत मिश्र के तीन पुत्र—(१) शिबू मिश्र ना० (२) वासो मिश्र (३) जगदेव मिश्र । वासो मिश्र के तीन पुत्र—(१) बाबूलाल (२) राजेन्द्र मिश्र (३) कामता मिश्र, जिनमें राजेन्द्र मिश्र एक पुत्र—गीरीश मिश्र ।

जगदेव मिश्र के दो पुत्र—(१) लखन मिश्र (२) रामभजन मिश्र । लखन मिश्र के एक पुत्र राधेश्याम मिश्र ।

अमृत मिश्र के भाई कारू मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) बैजनाथ (२) श्यामलाल (३) वली (४) सुखदेव मिश्र, जिनमें बैजनाथ मिश्र के तीन पुत्र—(१) श्री मिश्र (२) भोला मिश्र (३) मणीकचन्द मिश्र ।

घती मिश्र के भाई अमुक मिश्र के (१) पुत्र वुद्धन मिश्र । वुद्धन मिश्र के एक पुत्र भरत मिश्र । भरत के भी एक पुत्र मुसाफिर मिश्र । मुसाफिर भी एक पुत्र राधीन मिश्र हुए ।

३ रा ही खूँट—तेजा मिश्र

तेजा मिश्र के तीन पुत्र—(१) हुकुम मिश्र (२) चितामणि मिश्र ना० (३) शुकु मिश्र ना० ।

हुकुम मिश्र के तीन पुत्र—(१) जगन्नाथ मिश्र ना० (२) सहदेव मिश्र (३) रासो मिश्र ना० । जिनमें सहदेव मिश्र के एक पुत्र सीथेश्वर मिश्र हुए ।

Scanned by CamScanner

बाजितपुर

नरसिंह बाबा पट्टी खुटहा से

ध्रुव मिश्र खुटहा से बाजितपुर गये। ध्रुव मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) मोती मिश्र (२) रेवत मिश्र। जिनमें मोती मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) लीला मिश्र (२) झगर मिश्र (३) मेघन मिश्र।

लीला मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) नन्हकू मिश्र (२) मक्खन मिश्र (३) तुलसी (४) कारू नावल्द (५) शिवनन्दन मिश्र।

नन्हकू मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) हरि मिश्र नावल्द, (२) दानी मिश्र (३) अम्बिका मिश्र, (४) चानो मिश्र, (५) भागवत मिश्र। जिनमें दानी मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) केदार, (२) बाँके, (३) आदित्य, (४) नवल, (५) सत्यनारायण मिश्र।

केदार के तीन पुत्र हुए—(१) विरेन्द्र, (२) विपिन, (३) दिनेश मिश्र। केदार मिश्र के चौथा भाई नवल मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) मुकेश मिश्र, (२) मणिशंकर मिश्र।

दानी मिश्र के भाई अम्बिका मिश्र के एक पुत्र सरयुग मिश्र हुए। सरयुग मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) उमाशंकर मिश्र, (२) पप्पु मिश्र।

लीला मिश्र के तीसरे पुत्र हुए—तुलसी मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) जगन्नाथ मिश्र, (२) बाजो मिश्र।

जगन्नाथ मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) कपिलदेव मिश्र (२) रामदेव मिश्र। जिनमें कपिलदेव मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) संजय, (२) नवीन कुमार, (३) सुवीन कुमार. (४) प्रवीण कुमार।

कपिलदेव मिश्र के भाई रामदेव मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) पप्पु मिश्र, (२) बबलु मिश्र।

लीला मिश्र के पाँचवे पुत्र शिवनन्दन मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रामाश्रय मिश्र, (२) नागेश्वर मिश्र। जिनमें रामाश्रय के चार पुत्र हुए—(१) सदन कुमार, (२) अशोक कुमार, (३) अजय कुमार मिश्र, (४) पप्पु मिश्र।

रामाश्रय मिश्र के भाई नागेश्वर मिश्र के एक पुत्र रामाशीष मिश्र। रामाशीष मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) दीपक मिश्र, (२) धर्मेंद्र मिश्र।

लीला मिश्र के भाई झगर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) छोटू मिश्र, (२) कारू मिश्र नाएल्द।

Scanned by CamScanner

छोटू मिश्र के एक पुत्र—बालदेव मिश्र हुए।
बालदेव मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) भागवत मिश्र, (२) रामस्वारथ मिश्र, (३) रामचरित्र मिश्र। जिनमें भागवत मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) सुनील, (२) उमेश (३) सज्जन मिश्र।

रामस्वारथ मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) अनील कुमार, (१) विनोद कुमार (३) रणजीत कुमार। रामचरित्र मिश्र के एक पुत्र जितेन्द्र मिश्र हुए।

लीला मिश्र के तीसरे भाई मेंधन मिश्र के एक पुत्र हुए—डोमन मिश्र। डोमन मिश्र के एक पुत्र—महेन्द्र मिश्र हुए।

ध्रुव मिश्र के दूसरे पुत्र रेबत मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) चम्मन मिश्र, (२) बिहारी मिश्र।

चम्मन मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) रघुनाथ मिश्र, (२) रासो मिश्र नावल्द, (३) काशी मिश्र नावल्द, (४) केशो मिश्र, (५) वासुदेव मिश्र नावल्द।

रघुनाथ मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) रामोतार मिश्र, (२) भुनेश्वर मिश्र (३) रामलगन मिश्र, (४) मिश्री मिश्र, (५) सीताराम मिश्र। जिनमें रामोतार मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) सियाशरण मिश्र, (२) सरयुग मिश्र, (३) रामनन्दन मिश्र।

सियाशरण मिश्र के पाँच पुत्र हुए (१) अरूण, (२) अरविन्द, (३) शम्भु, (४) रामाकान्त, (५) कारू मिश्र।

रामोतार मिश्र के तीसरे भाई रामलगन मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) अवध, (२) अर्जुन, (३) नरेश, (४) मकसुदन, (५) उदित मिश्र। जिनमें अवध मिश्र के एक पुत्र चन्द्रमौली मिश्र।

रामोतार मिश्र के चौथा भाई मिश्री मिश्री के पाँच पुत्र हुए—(१) सुरेश मिश्र (२) श्रीकान्त (३) सुशील (४) जयप्रकाश मिश्र (५) सत्येन्द्र मिश्र। जिनमें सुरेश मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) राजेश्वर (२) परशुराम (३) सरोवर मिश्र।

रामोतार मिश्र के पाँचवाँ भाई सीताराम मिश्र के तीन पुत्र—(१) विजय कुमार (२) मनोज कुमार (३) अनुज मिश्र।

चम्मन मिश्र के चौथा पुत्र केशो मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) सुखदेव मिश्र (२) सुरेन्द्र मिश्र।

ध्रुव मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) मोती (२) रेबत (३) गेनौरी।

गेनौरी मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) गुरदयाल मिश्र (२) रामदयाल मिश्र ना० (३) जिवलाल मिश्र ना० (४) डुबरी मिश्र।

Scanned by CamScanner

गुरदयाल मिश्र के दो पुत्र—(१) मंगर मिश्र (२) नन्हकु जिनमें मंगर के चार पुत्र—(१) राम किशुन ना० (२) वेनी मिश्र (३) द्वारिका मिश्र ना० (४) जलधारी मिश्र।

वेनी मिश्र के पाँच पुत्र—(१) रामलखन (२) देवकी (३) सरयुग (४) सिधेश्वर (५) राजेन्द्र मिश्र।

रामलखन के एक पुत्र—उमेश मिश्र। देवकी मिश्र के दो पुत्र (१) रामचरित्र (२) रामनन्दन मिश्र। सरयुग के भी दो पुत्र (१) रामवृक्ष (२) नेपाली।

रामलखन के पाँचवा भाई राजेन्द्र के (४) पुत्र हुए—(१) रामप्रवेश। (२) रामानुज (३) महेश्वर (४) जितेन्द्र। रामकिशुन के भाई जलधारी मिश्र के एक पुत्र अम्बिका मिश्र। अम्बिका मिश्र के भी एक ही पुत्र रामाकान्त मिश्र।

गेनौरी मिश्र के चौथे पुत्र डुबरी मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) सोमर मिश्र (२) दिलीप मिश्र।

सोमर मिश्र के दो पुत्र—(१) महावीर मिश्र (२) फिरंगी मिश्र। महावीर मिश्र के तीन पुत्र—(१) बच्चू मिश्र (२) मदन मिश्र (३) युगल मिश्र। जिनमें बच्चू मिश्र के चार पुत्र—(१) जयराम मिश्र (२) बलिराम मिश्र (३) अरूण कुमार (४) श्याम लाल मिश्र।

बच्चू के भाई मदन मिश्र के एक पुत्र बवलू मिश्र। बच्चू के छोटे भाई युगल मिश्र के एक पुत्र पप्पू मिश्र। डुबरी मिश्र के दूसरे पुत्र दिलीप मिश्र के एक पुत्र दरोगी मिश्र ना०।

●

बलियारी ग्राम

खुटहा के नरसिंह बाबा पट्टी से जाकर श्री फेकन मिश्र वहाँ बसे :—

श्री फेकन मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) सीता मिश्र (२) हरवंश मिश्र। सीता मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) फकीर (२) बुधल (३) रोहन मिश्र।

फकीर मिश्र के तीन पुत्र—(१) जगु मिश्र (२) कन्हाय मिश्र (३) महादेव मिश्र। जिनमें जगु मिश्र के एकपुत्र—बाढ़ो मिश्र। फिर बाढ़ो मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) सियाराम मिश्र (२) जय प्रकाश मिश्र। फिर सियाराम के तीन पुत्र हुए—(१) राकेश नन्दन (२) रवीकरण (३) शशिधर मिश्र, सियाराम के भाई जयप्रकाश मिश्र के दो पुत्र—(१) वरूण कुमार (२) पींकु कुमार।

जगु मिश्र के दूसरे भाई कन्हाई मिश्र के दो पुत्र—(१) रामचन्द्र (२) भिखारी। भिखारी के तीन पुत्र—(१) सच्चिदानन्द (२) बबलु (३) पंकज मिश्र।

जगु मिश्र के भाई महादेव मिश्र के दो पुत्र—(१) त्रिवेणी मिश्र (२) रामबालक मिश्र। जिनमें रामबालक मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) रामाश्रय (२) प्रमोद मिश्र (३) लल्लू मिश्र (४) परमानन्द मिश्र।

फकीर मिश्र के भाई रोहन मिश्र के दो पुत्र (१) झुमका मिश्र (२) रघुनन्दन मिश्र। जिनमें झुमका मिश्र के एक पुत्र—कैलास। फिर कैलास के तीन पुत्र—(१) राज कुमार (२) उपेन्द्र (३) संजय मिश्र। राजकुमार मिश्र एक पुत्र—विनोद कुमार मिश्र।

झुमक के भाई रघुनन्दन के छः पुत्र—(१) विदेश्वरी मिश्र (२) रामस्वरूप मिश्र (३) रामगुलाम मिश्र (४) इन्द्रदेव (५) कपिलदेव (६) सकलदेव मिश्र। जिनमें रामस्वरूप के दो पुत्र—(१) रतन मिश्र (२) श्यामकांत। रामगुलाम के एक पुत्र सुरेश (१) कपिल देव मिश्र के एक पुत्र पारसनाथ। सकलदेव के दो पुत्र—(१) सुरेन्द्र (२) अशोक मिश्र।

सीता मिश्र और हरवंश मिश्र दो भाई, सीता मिश्र का कुर्सीनामा तैयार हुआ। अब हरवंश मिश्र का कुर्सीनामा शुरू होता है।

हरवंश मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) छतर मिश्र (२) आशा मिश्र। छतर मिश्र के एक पुत्र रामधनी मिश्र।

आशा मिश्र के दो पुत्र—(१) दीपन मिश्र (२) नवल मिश्र। जिनमें दीपन के दो पुत्र हुए—(१) राधो (२) अमृत। राधो के दो पुत्र हुए—(१) माही ना० (२) मथुरा मिश्र।

Scanned by CamScanner

मथुरा मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) लखन (२) श्री मिश्र। लखन के एक पुत्र सूर्यनन्दन मिश्र। राधो के भाई अमृत मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) विष्णुदेव (२) मुसाफिर (३) वाल्मीकि मिश्र, विष्णुदेव के तीन पुत्र—(१) राम बालक (२) राजेन्द्र (३) रामो मिश्र। जिनमें राजेन्द्र के एक पुत्र उदय शंकर मिश्र।

रामो के एक पुत्र गोकरण, विष्णुदेव के भाई मुसाफिर के दो पुत्र—(१) सुरेश (२) दिनेश मिश्र।

दीपन के भाई नवल के दो पुत्र—(१) वाजो (२) वासुदेव। वासुदेव के एक पुत्र केदार। केदार के एक पुत्र सुरेन्द्र मिश्र।

वलियारो—दूसरा खूट

टेका मिश्र—इनके दो पुत्र—(१) डेगन मिश्र (२) चमरू मिश्र। डेगन मिश्र के एक पुत्र—नन्दी मिश्र। नन्दी मिश्र के पाँच पुत्र—(१) राम किशुन मिश्र (२) रक्षा मिश्र (३) देवकी मिश्र (४) अयोध्या मिश्र (५) राजो मिश्र। १ से ४ भाई तक नावल्द। सिर्फ राजो मिश्र के एक पुत्र वसन्त मिश्र। वसन्त मिश्र के दो पुत्र—(१) राम जनम मिश्र (२) उमाशंकर मिश्र।

एक खूँट—श्री नीतू मिश्र।

नीतू मिश्र के एक पुत्र—(१) गुरुदयाल। गुरुदयाल के एक पुत्र बुधु मिश्र। बुद्ध मिश्र के दो पुत्र—(१) वाढ़ो (२) राम। जिनमें वाढ़ो के एक पुत्र अनिक मिश्र। अनिक मिश्र के दो पुत्र (१) जितेन्द्र (२) धर्मेन्द्र।

बाढ़ो मिश्र के भाई राम मिश्र के पाँच पुत्र (१) कणिक मिश्र (२) विश्वंभर मिश्र (३) श्यामदेव मिश्र (४) कृष्ण कुमार (५) नागेन्द्र कुमार। कणिक कुमार के तीन पुत्र—(१) सुधीर कुमार (२) सुबोध कुमार (३) प्रमोद कुमार।

विश्वंभर मिश्र में एक पुत्र—चन्द्रशेखर कुमार, श्यामदेव के एक पुत्र साकेत कुमार। कृष्ण कुमार के दो पुत्र—(१) प्रशान्त कुमार (२) सुशान्त कुमार।

पत्ता :—श्रीरामदेव मिश्र, वुन्देल मिश्र
ग्राम—फतेहपुर
पोस्ट—फतेहपुर
थाना—फतेहपुर
जिला—गया

Scanned by CamScanner

खलीलचक

दरप बाबा पट्टी, खुटहा, चौभैया टोला

जीवू मिश्र के तीन पुत्र—कुशल मिश्र, रणजीत मिश्र, परमजीत मिश्र। श्री कुशल मिश्र के पाँच पुत्र हुए—टीकम मिश्र, रोहन मिश्र ना०, दलेल मिश्र, शिवन मिश्र, विरंची मिश्र।

दलेल मिश्र के तीन पुत्र—डेगन मिश्र नावल्द, झमन मिश्र नावल्द। ठाकुर मिश्र।

ठाकुर मिश्र के दो पुत्र—महादेव मिश्र, केशो मिश्र। महादेव मिश्र के एक पुत्र सिद्धेश्वर मिश्र। सिद्धेश्वर मिश्र के तीन पुत्र—शशिभूषण, पप्पू, भोला मिश्र।

केशो मिश्र के एक पुत्र राम मिश्र। राम मिश्र के पाँच पुत्र—सच्चिदानन्द, वेदानन्द, अनिल, सुनील, बिनय मिश्र।

कुशल मिश्र के चौथे पुत्र—शिवन मिश्र के चार पुत्र—मौला मिश्र, झुमक मिश्र, वजीर मिश्र नावल्द, सोमर मिश्र।

मौला मिश्र के एक पुत्र—गांगो मिश्र। गांगो मिश्र के दो पुत्र—अम्बिका मिश्र, रामखेलावन मिश्र। अम्बिका मिश्र के दो पुत्र—लखन, रामचरित्र। झूमक मिश्र के एक पुत्र—वारहो मिश्र। वारहो मिश्र के दो पुत्र—शीतल, जय नारायण। शीतल के दो पुत्र—कौशल किशोर, खुल्ली। जयनारायण के एक पुत्र—रामजी मिश्र। मौला मिश्र के भाई सोमर मिश्र के तीन पुत्र रामनाथ, रघुनाथ, सरयुग मिश्र। रामनाथ के एक पुत्र—भरत। रघुनाथ के दो पुत्र—इन्द्रदेव, जतन मिश्र। इन्द्रदेव के एक पुत्र—रामजी मिश्र।

रामनाथ के भाई सरयुग के दो पुत्र—रामाश्रय, उमेश मिश्र।

कुशल मिश्र के पाँचवें पुत्र—बिरंची मिश्र के एक पुत्र शिवसहाय मिश्र। शिवसहाय मिश्र के चार पुत्र—खीरन नावल्द, गोपाल, हंसराज, गया नावल्द। गोपाल के पाँच पुत्र हुए—टोरी मिश्र नावल्द, हीरा नावल्द, रामधन, सहदेव, हरिहर। रामधन के एक पुत्र—सीताराम। सहदेव के दो पुत्र—सियाराम, देवेन्द्र। हरिहर के एक पुत्र—श्रीकान्त मिश्र।

गोपाल के भाई हंसराज के एक पुत्र—जागेश्वर मिश्र। कुशल मिश्र के दूसरे भाई रणजीत मिश्र के एक पुत्र—त्रिभुवन मिश्र।

Scanned by CamScanner

त्रिभुवन के एक पुत्र—शुक्र मिश्र। शुक्र मिश्र के चार पुत्र—नादो नावल्द, धिरंगी नावल्द, धनुषधारी मिश्र, काली मिश्र।

धनुषधारी के चार पुत्र—प्रकाश मिश्र, जयराम मिश्र, नवल, रामदेव,। जिनमें प्रकाश के पाँच पुत्र—राजेन्द्र मिश्र, सुरेश मिश्र, राजनीति मिश्र, अरुण मिश्र, सत्येन्द्र मिश्र।

जयराम मिश्र के एक पुत्र अरविंद मिश्र। नवल के एक पुत्र शम्भुशरण। रामदेव के एक पुत्र—शंकरशरण मिश्र हुए।

धनुषधारी के चौथे भाई काली मिश्र के एक पुत्र रवीन्द्र मिश्र। रवीन्द्र मिश्र के एक पुत्र शिवशंकर मिश्र।

जीवू मिश्र के छोटे पुत्र परमजीत मिश्र के तीन पुत्र—लेखा मिश्र, पोखन मिश्र, शिवदयाल मिश्र।

लेखा मिश्र के पुत्र—गुरदयाल, लक्ष्मण। गुरुदयाल के दो पुत्र—हीता मिश्र, कुलदीप नावल्द। हीता के एक पुत्र ईशरी मिश्र। ईशरी के एक पुत्र वल्लभ मिश्र। वल्लभ के एक पुत्र मिन्टू मिश्र।

गुरुदयाल के भाई लक्ष्मण मिश्र के एक पुत्र दाहू। दाहू के एक पुत्र जाटू, जाटू मिश्र के एक पुत्र उदय मिश्र।

लेखा मिश्र के भाई पोखन मिश्र के दो पुत्र—(१) गोगू मिश्र (२) रामू मिश्र दोनों भाई नावल्द।

लेखा मिश्र के छोटे भाई शिवदयाल मिश्र के तीन पुत्र (१) टेकलाल मिश्र नावल्द (२) तिलक मिश्र (३) गोपाल मिश्र नाबल्द।

तिलक मिश्र के एक पुत्र—मुंशी मिश्र। मुंशी मिश्र के तीन पुत्र (१) यमुना मिश्र (२) मुसाफिर मिश्र (३) अमृत मिश्र।

यमुना मिश्र के एक पुत्र—नागेन्द्र मिश्र, मुसाफिर मिश्र के दो पुत्र—(१) रामअनुज मिश्र, (२) सुधीर मिश्र। अमृत मिश्र के एक पुत्र मनोज कुमार।

कुशल मिश्र के प्रथम पुत्र टीकम मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) गंभीर मिश्र; (२) भोला मिश्र।

गंभीर मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) लच्छू मिश्र, (२) मुसन मिश्र, (३) भिच्छू मिश्र ना०, (४) चोवा मिश्र नावल्द (५) झुमक मिश्र नाबल्द।

लच्छू मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) जीवलाल मिश्र, (२) बैजु मिश्र, (३) जागो मिश्र।

जीवलाल मिश्र के एक पुत्र पूना मिश्र। पूना मिश्र के दो पुत्र (१) भाषो मिश्र (२) बनवारी मिश्र के तीन पुत्र—(१) अनील मिश्र (२) सुनील मिश्र (३) छोटनलाल मिश्र।

Scanned by CamScanner

जीवलाल मिश्र के दूसरे भाई बैजू मिश्र के ३ पुत्र (१) कमलेश्वर मिश्र (२) हर्षित मिश्र (३) उमा मिश्र नावल्द।

कमलेश्वर मिश्र के दो पुत्र—(२) विनय मिश्र (२) अशोक मिश्र।

हर्षित मिश्र के एक पुत्र—नरेश मिश्र।

जीवलाल मिश्र के छोटे भाई जागो मिश्र के एक पुत्र रामाश्रय मिश्र। रामाश्रय मिश्र के दो पुत्र—(१) नवीन मिश्र (२) धरम मिश्र।

गंभीर मिश्र के दूसरे पुत्र—मुसन मिश्र के एक पुत्र जोधी मिश्र। जोधी मिश्र के चार पुत्र (१) रामावतार मिश्र (२) महेन्द्र मिश्र नावल्द (३) रामचन्द्र मिश्र (४) शिवलाल मिश्र।

रामावतार मिश्र के तीन पुत्र—(१) सिद्धेश्वर मिश्र (२) जितेन्द्र मिश्र (३) रामरतन मिश्र।

रामचन्द्र मिश्र के एक पुत्र—टेंगर मिश्र।

गंभीर मिश्र के भाई भोला मिश्र के तीन पुत्र—(१) मेघू मिश्र (२) मौला मिश्र (३) खीरन मिश्र।

मेघू मिश्र के चार पुत्र—(१) गांगू मिश्र (२) शिवू मिश्र मिश्र (३) जगरनाथ मिश्र (४) पारो मिश्र नावल्द।

गांगू मिश्र के छः पुत्र हुए—(१) रामशरण मिश्र (२) देवकीनन्दन मिश्र (३) भागवत मिश्र नावल्द (४) पारसनाथ (५) सुखदेव मिश्र नावल्द (६) छोटे लाल मिश्र नावल्द।

रामशरण मिश्र के सात पुत्र हुए—(१) मुन्द्रिका मित्र (२) विन्देश्वर मिश्र नावल्द (३) सरयुग मिश्र नावल्द (४) यनुना मिश्र नावल्द (५) कैलास मिश्र (६) (६) सिद्धेश्वर मिश्र (७) भुवनेश्वर मिश्र।

मुन्द्रिका मिश्र के तीन पुत्र—(१) शैलेन्द्र मिश्र (२) शुलू मिश्र (३) मिश्रदया मिश्र, मुन्द्रिका मिश्र के पांचवां भाई कैलाश मिश्र के एक पुत्र रंजीत मिश्र।

कैलाश मिश्र के भाई सिद्धेश्वर मिश्र के एक पुत्र मुकेश मिश्र।

रामशरण मिश्र के भाई देवकीनन्दन मिश्र के चार पुत्र—(१) वृजनन्दन मिश्र सदन मिश्र (३) नागेन्द्र मिश्र (४) रामविलास मिश्र।

वृजनन्दन मिश्र के एक पुत्र—श्रवण मिश्र।

नागेन्द्र मिश्र के एक पुत्र—सुबोध मिश्र।

रामशरण मिश्र के भाई पारसनाथ के तीन पुत्र हुए—(१) जनार्दन मिश्र (२) रामाशीष मिश्र (३) सुधीर मिश्र।

श्री गांगू मिश्र के भाई शिवू मिश्र के तीन पुत्र-(१) रघु मिश्र (२) दासो मिश्र (३) प्रदीप मिश्र।

गांगू मिश्र के तीसरे भाई जगरनाथ मिश्र के दो पुत्र—(१) गनौरी मिश्र (२) जलधारी मिश्र।

मेघू मिश्र के भाई मौला मिश्र के दो पुत्र—(१) रामरूप मिश्र (२) वाढ़ो मिश्र मा०। रामरूप मिश्र के एक पुत्र नवल किशोर मिश्र।

मेघू के छोटे भाई खीरन मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) महावीर मिश्र (२) रामरक्षा मिश्र।

रामरक्षा मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) अक्षयवट मिश्र (२) कार्यानन्द मिश्र।

अक्षयवट मिश्र के तीन पुत्र—(१) सरोवर मिश्र (२) राधेकान्त मिश्र (३) रतन मिश्र।

कार्यानन्द मिश्र के दो पुत्र—(१) पप्पु मिश्र (२) शंकर मिश्र।

Scanned by CamScanner

धाँधर ग्राम का वंशवृक्ष

खुटहा के माधो बाबा पट्टी के वहादुर मिश्र के वंशज ग्राम धाँधर—जिला गया, थाना-बजीरगंज परगना नरहर में बसे हुए हैं और उनके भाई श्री छकोड़ी मिश्र ग्राम जगतपुर, पो० धाँधर, थाना अतरी, जिला गया में बसे हुए हैं।

देव किशुन मिश्र। इनके एक पुत्र दुला मिश्र। दुला मिश्र के एक पुत्र होरिल मिश्र के तीन पुत्र—(१) छकौड़ी मिश्र (२) बहादुर मिश्र (३) ठकुरी मिश्र—के एक पुत्र हुए—दोनों नावल्द हुए।

श्री बहादुर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) श्री सुकन मिश्र (२) श्री गोपी मिश्र। जिनमें सुकन मिश्र के एक पुत्र चमारी मिश्र हुए। श्री चमारी मिश्र के एक पुत्र सरयुग मिश्र मुखिया हुए। सरयुग मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) उपेन्द्र (२) सत्येन्द्र (३) जीतेन्द्र (४) अनुज मिश्र।

सुकन मिश्र के भाई गोपी मिश्र के एक पुत्र डोमी मिश्र। डोमी मिश्र के एक कैलाश मिश्र। कैलाश मिश्र के दो पुत्र—(१) यदुनंदन मिश्र (२) नान्हे मिश्र। यदुनन्दन मिश्र के दो पुत्र—(१) विजय मिश्र (२) कामाख्या मिश्र।

Scanned by CamScanner

जगतपुर ग्राम

छकौड़ी मिश्र—जगतपुर **बहादुर मिश्र—घांघर ऊपर**

छकौड़ी मिश्र के दो पुत्र—(१) भत्तू मिश्र (२) जगन्नाथ मिश्र जिनमें भत्तू मिश्र के दो पुत्र हुए (१) महादेव मिश्र (२) जीतू मिश्र।

महादेव मिश्र के दो पुत्र हुए—बुलक मिश्र (२) राघो मिश्र ना०। बुलक मिश्र के एक पुत्र युगेश्वर मिश्र। युगेश्वर मिश्र के छः पुत्र हुए—(१) सूर्य मिश्र (२) यमुना मिश्र (३) अनिल मिश्र (४) रामचन्द्र मिश्र (५) राजेन्द्र मिश्र (६) महेन्द्र मिश्र। सूर्य मिश्र के एक पुत्र मनोज मिश्र। यमुना मिश्र के दो पुत्र—(१) अशोक मिश्र (२) नवीन मिश्र।

महादेव मिश्र के भाई जीतू मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) मोती मिश्र ना० (२) किशुन मिश्र। किशुन मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) दिनेश मिश्र (२) बालमुकुन्द मिश्र।

छकौड़ी मिश्र के दूसरे पुत्र जगरनाथ मिश्र के पांच पुत्र हुए—(१) भैरो मिश्र (२) ज्ञान मिश्र (३) चुल्हन मिश्र (४) बोधा मिश्र (५) चीता मिश्र। भौरो मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) वंशी मिश्र (२) झरी मिश्र (३) नाथो मिश्र। नाथो मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) बालेश्वर मिश्र (२) कौलेश्वर मिश्र (३) अर्जुन मिश्र। बालेश्वर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) शैलेन्द्र मिश्र (२) उपेन्द्र मिश्र।

कौलेश्वर के एक पुत्र विजय। विजय के एक पुत्र राकेश मिश्र हुए।

अर्जुन मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) जगत मिश्र (२) रवीन्द्र मिश्र (३) मिथिलेश मिश्र। जिनमें जगत मिश्र के एक पुत्र पंकज मिश्र हुए।

भौरो मिश्र के भाई ज्ञान मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) ईश्वर मिश्र (२) छेदी मिश्र ना० (३) बालो मिश्र (४) रामू मिश्र ना०। जिनमें ईश्वर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) शिवबालक मिश्र (२) बच्चू मिश्र। जिनमें बच्चू मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) देवेन्द्र (२) उपेन्द्र (३) जीतेन्द्र (४) सत्येन्द्र (५) धर्मेन्द्र मिश्र।

जगन्नाथ मिश्र के तीसरे पुत्र—चुल्हन मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) महावीर मिश्र, (२) कैलाश मिश्र, (३) राजो मिश्र। जिनमें महावीर मिश्र के तीन पुत्र हुए— (१) बच्चू (२) हरिद्वार (३) अरविंद। जिनमें बच्चू मिश्र के दो पुत्र—(१) शंभु (२) रतन मिश्र। हरिद्वार मिश्र के एक पुत्र उदय मिश्र हुए। अरविंद मिश्र के दो पुत्र (१) संजय (२) जीतेन्द्र मिश्र। महावीर मिश्र के भाई कैलाश मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) वैद्यनाथ मिश्र (२) सुबोध मिश्र।

Scanned by CamScanner

महावीर मिश्र के छोटे भाई राजो मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रामनरेश मिश्र (२) यमुना मिश्र। जिनमें रामनरेश मिश्र के एक पुत्र—अवोश मिश्र हुए, जगन्नाथ मिश्र के चौथा पुत्र वोधा मिश्र के एक पुत्र डोमन मिश्र हुए। डोमन मिश्र के चार पुत्र—(१) साधु मिश्र (२) राघो मिश्र (३) महेश्वर मिश्र (४) नवल मिश्र।

डोमन मिश्र के तीसरे पुत्र महेश्वर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) सुधीर (२) रणधीर मिश्र। डोमन मिश्र के छोटे पुत्र नवल मिश्र के एक पुत्र जीतेन्द्र मिश्र।

जगन्नाथ मिश्र के पाँचवें पुत्र चीता मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) किशुन मिश्र (२) रामेश्वर मिश्र (३) भागवत मिश्र (४) मदन मिश्र।

किशुन मिश्र के दो पुत्र—(१) भोला मिश्र (२) गीता मिश्र। रामेश्वर मिश्र के एक पुत्र—इन्द्रदेव। इन्द्रदेव के एक पुत्र—रामाकान्त मिश्र।

भागवत मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) शिवदानी (२) जयराम (३) अनिरूद्ध। जिनमें जयराम के एक पुत्र—ववीरा मिश्र हुए।

मदन मिश्र के तीन पुत्र—(१) बाल्मीकि (२) कपिल (३) बिनोद।

पोखन मिश्र दूसरे खूट के हैं—

पोखन मिश्र के दो पुत्र—(१) अज्ञात (२) बन्धु। अज्ञात के एक पुत्र अज्ञात अज्ञात के एक पुत्र दासो। बन्धु के एक पुत्र प्रयाग ना०।

●

Scanned by CamScanner

आजमपुर ग्राम का इतिहास

खुटहा के नरसिंह पट्टी से आजमपुर आये और यहीं रह गये—कौन आये, यह अज्ञात है।

श्री अमुक मिश्र के पुत्र अमुक मिश्र। उनके पुत्र—पलटु मिश्र, अखजु मिश्र, बालक मिश्र, हरदेव मिश्र एवं सुबोध मिश्र।

जिनमें बालक मिश्र के पुत्र रामोतार मिश्र, रघुनन्दन मिश्र एवं रामदेव मिश्र हुए।

अमुक मिश्र के पुत्र—सुमेरी मिश्र, घनश्याम मिश्र, संतोषी मिश्र, परमोद कुमार, इन्द्रदेव मिश्र। जिनमें इन्द्रदेव मिश्र के पुत्र—दिनेश मिश्र एवं रामनंदन मिश्र हुए।
(४) अमुक मिश्र के पुत्र—भोगी मिश्र, भोला मिश्र, उखरू मिश्र, बासो मिश्र, रामचन्द्र मिश्र, भोथू मिश्र।

अमुक मिश्र के पुत्र टेका मिश्र, गुहन मिश्र, मारो मिश्र एवं सीधो मिश्र हुए। जिनमें सीधो मिश्र के पुत्र रामचरित्र मिश्र, रामाश्रय मिश्र एवं कृष्ण मिश्र हुए।

अमुक मिश्र के पुत्र गोन्दर मिश्र, चुलन मिश्र, कारू मिश्र, वैद्यनाथ मिश्र, राजो मिश्र एवं रामरक्षा मिश्र। जिनमें वैद्यनाथ मिश्र के तीन पुत्र हुए—काजो मिश्र उर्फ विन्दो मिश्र, केशो मिश्र, बेनी मिश्र। जिनमें काजो उर्फ विन्दो के पुत्र सूर्यदेव मिश्र हुए। सूर्यदेव मिश्र के पुत्र शत्रुघ्न मिश्र, सुखी मिश्र एवं विशुन मिश्र हुए।

अमुक मिश्र के पुत्र केशो मिश्र एवं टीपू मिश्र हुए। जिनमें केशो मिश्र के एक पुत्र विन्दो मिश्र एवं टीपू मिश्र के पुत्र भरत मिश्र, कृष्ण मिश्र एवं बृजनन्दन मिश्र हुए।

अमुक मिश्र के पुत्र गेनाहर मिश्र, बलदेव मिश्र, नन्हकेसर मिश्र एवं राम विलास मिश्र। जिनमें बलदेव मिश्र के एक पुत्र—दरोगी मिश्र एवं दरोगी मिश्र के दो पुत्र कपिलदेव मिश्र एवं दोमन मिश्र हुए।

नन्हकेसर मिश्र के दो पुत्र रामसरुप मिश्र एवं रामजी मिश्र। रामविलास मिश्र के पुत्र—रामशरण मिश्र, सिधेश्वर मिश्र एवं रामरतन मिश्र हुए।

अमुक मिश्र के पुत्र अकल मिश्र, रामधन मिश्र, महेन्द्र मिश्र एवं संजय कुमार मिश्र हुए। जिनमें अकल मिश्र के पुत्र जगरनाथ मिश्र, जगदीश मिश्र एवं भासो मिश्र हुए।

पता :—नाम—रामू सिंह
ग्राम—आजमपुर, पोस्ट—साम्बे
थाना—बारसलीगंज, जिला—नवादा।

Scanned by CamScanner

गाम—वरसा

सभी गाँव खुटहा के नरसिंह बाबा पट्टी से निकले हैं

इनके साथ आये हैं जिनके नाम नीचे हैं -(१) आजमपुर, (२) वरसा, (३) वलियारी, (४) वाजितपुर, (५) रेवार, (६) एरूरी, (७) घनवार, (८) गोयठाडीह (९) रामे।

प्रथम कुर्सी का नाम अज्ञात है—अतः अज्ञात से शुरू अज्ञात सिंह के दो पुत्र हुए—(१) पूरण मिश्र जो पूरब टोला में बसे। (२) विक्रम मिश्र जो पश्चिम टोला में बसे।

पूरण मिश्र के छः पुत्र हुए—(१) मूरत मिश्र (२) अज्ञात (३) अज्ञात (४) चिन्नू मिश्र (५) अज्ञात (६) डोलन मिश्र जो बिचला पट्टी में बसे।

विक्रम मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) गज्जू मिश्र जो दक्षिण-पश्चिम टोला में बसे। (२) अज्ञात मिश्र (३) अज्ञात मिश्र।

पूरब टोला

पूरण मिश्र के छः पुत्र हुए—(१) मूरत मिश्र (२) अमुक मिश्र (३) अमुक मिश्र (४) धिन्नू मिश्र (५) अमुक मिश्र (६) डोलन मिश्र।

मूरत मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) गेंदौरी मिश्र (२) बुद्धन मिश्र (३) मित्रजीत मिश्र।

गेंदौरी मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) रामकिशुन मिश्र नावल्द (२) विहारी मिश्र (३) कन्हाय मिश्र।

बिहारी मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) अयोध्या मिश्र (२) रामनाथ मिश्र।

अयोध्या मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) गोरेलाल मिश्र (२) हियालाल मिश्र ना० (३) कपिलदेव मिश्र।

गोरे लाल मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) नवल किशोर मिश्र (२) उपेन्द्र मिश्र।

नवल किशोर मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) अवध किशोर मिश्र (२) परमानंद मिश्र (३) शंकर मिश्र।

नवल किशोर मिश्र के भाई उपेन्द्र मिश्र के एक पुत्र राजेश्वर मिश्र हुए।

अयोध्या मिश्र के तीसरे पुत्र कपिलदेव मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) देवेन्द्र मिश्र (२) रामानुज मिश्र। अयोध्या मिश्र के भाई रामनाथ मिश्र के एक पुत्र दानी मिश्र हुए। दानी मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) वीरेन्द्र मिश्र (२) परशुराम मिश्र (३) राम रतन मिश्र (४) अरविन्द मिश्र (५) रामसरोवर मिश्र।

Scanned by CamScanner

गेंदौरी मिश्र के तीसरे पुत्र कन्हाय मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) विन्दो मिश्र ना० (२) मथुरा मिश्र। मथुरा मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) सहदेव मिश्र (२) राम जन्म मिश्र (३) सोनेलाल मिश्र (४) विपिन मिश्र।

गेदौरी मिश्र के भाई बुद्धन मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) सूर्य मिश्र (२) रघुनन्दन मिश्र। (१) सूर्य मिश्र के एक पुत्र रामावतार मिश्र ना०। रघुनन्दन मिश्र के एक पुत्र हरि मिश्र। हरि मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) इन्द्रदेव मिश्र (२) केदार मिश्र।

इन्द्रदेव मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) रामपवित्र मिश्र (२) शशि भूषण मिश्र (३) नवीन मिश्र।

इन्द्रदेव मिश्र के भाई केदार मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) उमेश मिश्र (२) सुबोध मिश्र।

गेंदौरी मिश्र के तीसरे भाई मित्रजीत मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) लक्ष्मी नारायण मिश्र (२) ईश्वरी मिश्र ना० (३) यदुनंदन मिश्र ना०।

लक्ष्मीनारायण मिश्र के एक पुत्र हुए—सीताराम मिश्र। सीताराम मिश्र के छः पुत्र हुए—(१) शशि भूषण (२) इन्द्रभूषण (३) चन्द्रभूषण (४) सुधांशु भूषण (५) मयंक भूषण (६) हिमांशु भूषण।

शशिभूषण मिश्र के दो पुत्र—(१) राजीवनयन (२) नलिननयन।

इन्द्रभूषण के भी दो पुत्र—(१) कमलनयन (२) पंकजनयन।

श्री मूरत मिश्र के तीन भाई का नाम अज्ञात है। अतः प्रथम अज्ञात के एक पुत्र—कुंजल मिश्र, दूसरे अज्ञात के एक पुत्र हुए—चुल्हन मिश्र। चुल्हन मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) झम्मन नावल्द (२) शंकर (३) बन्धू।

शंकर मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) नन्दकिशोर मिश्र (२) रामेश्वर नावल्द (३) बली नावल्द।

नन्दकिशोर के एक पुत्र—चन्द्रिका मिश्र। चन्द्रिका मिश्र के तीन पुत्र—(१) उपेन्द्र (२) श्रीकांत (३) रजनीकांत। शंकर मिश्र के भाई बन्धू मिश्र के एक पुत्र—भरत मिश्र। भरत मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) रक्ष्या मिश्र (२) मुनीलाल नावल्द (३) तनिक मिश्र।

रक्ष्या मिश्र के दो पुत्र—(१) सत्यदेव (२) श्याम किशोर। श्याम किशोर के एक पुत्र—अमुक।

तनिक मिश्र के भी एक पुत्र—अमुक मिश्र।

मूरत मिश्र के चौथे भाई धिन्नू मिश्र के एक पुत्र—छत्तर मिश्र नावल्द।

मूरत मिश्र के पाँचवे भाई अमुक मिश्र के एक पुत्र—धरम मिश्र। धरम मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) भत्तू (२) बंजू ना० (३) तिलकधारी (४) रामशरण।

Scanned by CamScanner

तिलकधारी मिश्र के चार पुत्र—(१) लालो (२) कामेश्वर नावल्द (३) सिरनाम नावल्द (४) हितो नावल्द ।

लालो मिश्र के एक पुत्र—इन्द्रदेव मिश्र । इन्द्रदेव मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) जयप्रकाश (२) भोला ३. कृष्णदेव ।

तिलकधारी के भाई रामशरण मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) शीतल (२) चाढ़ो नावल्द (३) बद्री ।

शीतल के एक पुत्र—यदुनंदन । यदुनंदन के तीन पुत्र हुए—(१) राजकुमार (२) पवन कुमार (३) अमुक ।

शीतल के भाई बद्री के चार पुत्र हुए—(१) रामचरित्र (२) रामनाथ (३) गीता (४) शैलेन्द्र ।

रामचरित्र के एक पुत्र—सतीश कुमार ।

पूरण मिश्र के छठे पुत्र—डोलन मिश्र बिचली पट्टी में वसे । डोलन मिश्र के एक पुत्र हुए—खेमन मिश्र । खेमन मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) एता (२) डीला ।

एता मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) जाटो (२) मटुकधारी ना० (३) रूपचन नावल्द ।

जाटो के पाँच पुत्र हुए—(१) दानी नावल्द (२) किशोरी (३) वनारस (४) सुरेन्द (५) रामनन्दन ।

किशोरी के चार पुत्र हुए—(१) विलायती (२) उमेश (३) टुनटुन (४) रणजीत ।

वनारस के तीन पुत्र हुए—(१) रामउदय, (२) श्यामउदय, (३) अजय ।

एता के भाई डीला के तीन पुत्र हुए—(१) कुलदीप (२) रामो नावल्द (३) नारायण नावल्द ।

कुलदीप के एक पुत्र—अयोध्या । अयोध्या के दो पुत्र हुए—(१) श्यामनन्दन (२) दिलीप । श्यामनन्दन के एक पुत्र—राकेश कुमार ।

दक्खिन और पश्चिम टोला

विक्रम सिंह के तीन पुत्र हुए—(१) गज्जू सिंह (२) अज्ञात (३) अज्ञात ।

गज्जू मिश्र के एक पुत्र—गोपाल मिश्र हुए जो दक्षिण टोला में वसे ।

गोपाल मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) झारी मिश्र (२) पुनीत मिश्र (३) दौलत मिश्र (४) भूपत मिश्र ।

झारी मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) जाटो मिश्र (२) रामगुलाम मिश्र । जाटो मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रामखेलावन मिश्र (२) सुखदेव मिश्र ।

Scanned by CamScanner

रामखेलावन मिश्र के चार पुत्र हुए—रामनन्दन, श्यामनंदन, हरनन्दन, उमेश। जिनमें रामनन्दन के एक पुत्र शंभू। श्यामनंदन के तीन पुत्र—मनोज, कारु, सुनील। जाटो मिश्र के दूसरे पुत्र सुखदेव मिश्र के तीन पुत्र हुए—तपेश्वर मिश्र, सच्चिदानन्द, पारस। जिनमें सच्चिदानन्द के एक पुत्र राजाराम मिश्र हुए।

जाटो मिश्र के भाई रामगुलाम मिश्र के एक पुत्र जागो मिश्र हुए। जागो मिश्र के एक पुत्र बृजनन्दन मिश्र हुए। बृजनन्दन मिश्र के भी एक ही पुत्र अलख निरंजन मिश्र हुए।

गोपाल मिश्र के दूसरे पुत्र पुनीत मिश्र के दो पुत्र हुए—परमेश्वर मिश्र, महादेव मिश्र।

परमेश्वर के दो पुत्र हुए—रामाधीन, रक्ष्या मिश्र। रामाधीन के एक पुत्र राजेन्द्र। राजेन्द्र के तीन पुत्र हुए—प्रमोद, फुटुन, बबलू।

रक्ष्या के तीन पुत्र हुए—आनन्दी, रामपदारथ, रमाकान्त। आनन्दी के तीन पुत्र हुए—मुन्ना, दवीन, गिरीश।

पुनीत मिश्र के दूसरे पुत्र महादेव मिश्र के दो पुत्र हुए—हर्षित मिश्र, भरोसी मिश्र नावल्द।

हर्षित मिश्र के दो पुत्र—सिद्धेश्वर, शिवनंदन मिश्र, सिद्धेश्वर के तीन पुत्र हुए—अरुण कुमार, कुशेन्द्र कुमार, भूषण मिश्र।

शिवनन्दन मिश्र के एक पुत्र मंटू मिश्र।

पुनीत के भाई दौलत मिश्र के एक पुत्र—रामलाल मिश्र। रामलाल के चार पुत्र हुए—शिवबालक, बनारस, नूनूलाल, यदुनंदन मिश्र।

जिनमें शिवबालक मिश्र के एक पुत्र जनार्दन। बनारस के एक पुत्र दिनेश। नूनूलाल के एक पुत्र मनोज। यदुनन्दन के पाँच पुत्र हुए—उमेश, महेश, रमेश, गणेष, अमुक।

दौलत के भाई भूपत मिश्र के एक पुत्र कारू। कारू के पाँच पुत्र हुए—सरयुग, अर्जुन, नरेश, राम, सुशील। जिनमें अर्जुन के दो पुत्र हुए—कैलू, अमुक।

श्री बिक्रम मिश्र के तीन पुत्र हुए—गज्जू मिश्र, अज्ञात, अज्ञात। गज्जू मिश्र का कुर्सीनामा लिखा गया।

विक्रम मिश्र के प्रथम अज्ञात पुत्र के चार पुत्र हुए—लूटन मिश्र, एतवारी मिश्र नावल्द, बंधू मिश्र, होरी मिश्र नावल्द। लूटन मिश्र के दो पुत्र हुए—सुक्कन मिश्र, रीता मिश्र। सुक्कन के तीन पुत्र हुए—विहारी, प्रभु नावल्द, देवी मिश्र। विहारी मिश्र के दो पुत्र हुए—जागो, भगीरथ नावल्द। जागो के एक पुत्र हुए—रामजतन।

Scanned by CamScanner

रामजतन के एक पुत्र संजय। विहारी के भाई देवी के एक पुत्र—वेणी। वेणी के चार पुत्र हुए—रामचन्द्र, नवल, राधे, रामजनम। रामचन्द्र के एक पुत्र अवधेश। राधे के भी एक पुत्र—अजय।

लूटन मिश्र के दूसरे पुत्र—रीता के दो पुत्र हुए—ब्रह्मदेव, बालो नावल्द।

ब्रह्मदेव के दो पुत्र—जयराम, रामस्वरूप। जयराम के तीन पुत्र—किशोरी, विशेश्वर, जय। किशोरी के एक पुत्र उमेश, विशेश्वर के एक पुत्र अमुक।

जयराम के भाई रामस्वरुप के दो पुत्र—अर्जुन, संजय (शूलो बाबू)।

लूटन मिश्र के भाई बंधू मिश्र के दो पुत्र—रामशरण, ईश्वर। रामशरण के दो पुत्र हुए—मदन, जागो नावल्द। मदन के दो पुत्र—मुन्द्रिका, रघुनी मिश्र।

मुन्द्रिका के पाँच पुत्र हुए—रामवृक्ष, रामलगन, राम, लक्ष्मण, पुरुषोत्तम।

रघुनी मिश्र के एक पुत्र—भीम मिश्र।

रामशरण मिश्र के भाई इस्सर मिश्र के एक पुत्र चन्द्रिका। चन्द्रिका के दो पुत्र—मिथिलेश, अनिल कुमार।

पश्चिम टोला

विक्रम मिश्र के छोटे अज्ञात पुत्र का कुर्सीनामा शुरू—विक्रम मिश्र के छोटे अज्ञात पुत्र के एक पुत्र चम्मन मिश्र हुए—

चम्मन मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) भतू मिश्र (२) चुटरी मिश्र (३) गन्दौरी मिश्र (४) हेमन्त मिश्र।

भत्तू मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) डेगन (२) शीवन। डेगन के तीन पुत्र हुए—(१) धानो (२) लाछो ना० (३) वासुदेव।

धानो के तीन पुत्र हुए—(१) अम्बिका (२) राम अनुग्रह (३) राजो मिश्र।

अम्बिका के दो पुत्र हुए—(१) सीताराम (२) जगतधर।

सीताराम के दो पुत्र हुए—(१) परशुराम (२) अमुक।

अम्बिका के भाई राम अनुग्रह के तीन पुत्र हुए (१) सुरेश (२) अरूण (३) अनुज।

अम्बिका के छोटे भाई राजो के दो पुत्र—(१) श्यामसुन्दर (२) सुनील।

डेगन के छोटे पुत्र वासुदेव के एक पुत्र सियाराम।

सियाराम के एक पुत्र श्रवण कुमार। श्रवण कुमार के एक पुत्र अमुक।

डेगन के भाई सीवन के तीन पुत्र—(१) भजो ना० (२) रामस्वरूप (३) रघुनी—ना०।

रामस्वरूप के एक पुत्र—रामपदारथ।

Scanned by CamScanner

चम्मन के दूसरे पुत्र चुटरी मिश्र के एक पुत्र रामकिसुन। रामकिसुन के एक पुत्र चतुरी मिश्र। चतुरी मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) लिलवरी (२) हरिद्वार (३) गोंगू (४) अनिल। हरिद्वार के एक पुत्र—रणजीत मिश्र।

चुटरी मिश्र के भाई गन्दौरी मिश्र के एक पुत्र ईस्सर मिश्र ना०।

चम्मन के छोटे पुत्र हेमन्त मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) कर्मचन्द मिश्र (२) मेधन मिश्र (३) शिवमंगल मिश्र (४) राघो मिश्र।

कर्मचन्द के पाँच पुत्र हुए—(१) भरत ना० (२) शत्रुघ्न ना० (३) लषण ना० (४) लालजित ना० (५) केशो।

केशो के दो पुत्र हुए—(१) जयकान्त (२) श्याम किशोर।

जयकान्त के तीन पुत्र हुए—(१) सूर्यकान्त (२) चन्द्रकान्त (३) लक्ष्मीकांत।

कर्मचन्द के भाई मेधन के एक पुत्र रामजी—ना०। कर्मचन्द के छोटे भाई राघो के एक पुत्र रामफल, रामफल के दो पुत्र—(१) उमेश (२) अनुज।

उमेश के एक पुत्र—अमुक।

Scanned by CamScanner

श्री गणेशाय नमः

फतेहपुर

सुरगण ब्राह्मण वंशावली—ग्राम फतेहपुर श्रीसाधु मिश्र। इनके एक पुत्र लोहा मिश्र। प्रथम अज्ञात (ना मालूम) इनके दो पुत्र—प्रथम, प्रसादी मिश्र। दूसरे, बुन्देल मिश्र। बुन्देल मिश्र के एक पुत्र—रामदेव मिश्र।

पता :—लोहा मिश्र एवं रामदेव मिश्र।
ग्राम—फतेहपुर, पो०—फतेहपुर, जिला गया।

●

कोथर ग्राम की वंशावली

इन्दु मिश्र के बेटा खुल्ली मिश्र। खुल्ली मिश्र के पुत्र गुद्दर मिश्र। गुद्दर मिश्र के चार पुत्र—प्रथम बिन्दा, तीन बच्चा।

पता :—बिन्दा मिश्र।
ग्राम—कोथर, पो०—कोथर, भाया—फतेहपुर,
जि०—गया।

●

Scanned by CamScanner

मायापुर ग्राम

खुटहा से माधो बाबा वंश के एक भाई मायापुर गये। मायापुर से चार भाई कोथर, फतेहपुर, अरय एवं बारत इन ग्रामों में जाकर बसे।

बहोर मिश्र मायापुर आए। इनके पाँच पुत्र हुए—प्रथम रंगु मिश्र, जो मायापुर में रहे। द्वितीय पुत्र—इन्दु मिश्र जो कोथर में जाकर बसे। तृतीय पुत्र—सीधु (साधु) मिश्र जो फतेहपुर के वासिन्दे हुए, चतुर्थ पुत्र—वालेश्वर मिश्र हुए जो अरई के वासिन्दे हुए, एवं पंचम पुत्र—कैलाश मिश्र जो बारत ग्राम के वासिन्दे हुए।

बहोर मिश्र के प्रथम पुत्र—रंगु मिश्र के पाँच पुत्र हुए—प्रथम चोबा मिश्र, दूसरे चित्तो मिश्र, तीसरे बिहारी मिश्र, चौथे भोजू मिश्र एवं पंचम ठाकुर मिश्र हुए।

रंगू मिश्र के प्रथम पुत्र चोबा मिश्र के दो पुत्र हुए—प्रथम वजीर मिश्र, द्वितीय लाछो मिश्र।

वजीर मिश्र के एक पुत्र—सरयुग मिश्र। सरयुग मिश्र लावारिस ठहरे। वजीर मिश्र के भाई लाछो मिश्र के दो पुत्र हुए—प्रथम ठाकुर मिश्र, द्वितीय जगदीश मिश्र। ठाकुर मिश्र के तीन पुत्र हुए—प्रथम अतीश मिश्र, द्वितीय सच्चिदानन्द एवं तीसरे विरेश मिश्र। ठाकुर मिश्र के भाई जगदीश मिश्र के चार पुत्र हुए—प्रथम नरेश मिश्र, दूसरे सुरेश मिश्र, तीसरे विजय मिश्र एवं चौथे अजय मिश्र हुए।

नरेश मिश्र के तीन पुत्र हुए—प्रथम मनोज मिश्र, दूसरे मुकेश मिश्र एवं तीसरे पप्पु मिश्र। विजय मिश्र के एक पुत्र—चुनचुन मिश्र हुए।

रंगू मिश्र के द्वितीय पुत्र चीतो मिश्र के दो पुत्र हुए—प्रथम पुनीत मिश्र, द्वितीय माधो मिश्र लावारिस ठहरे। पुनीत मिश्र के तीन पुत्र हुए—प्रथम मथुरा मिश्र, द्वितीय जदु मिश्र, तृतीय विलास मिश्र।

मथुरा मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) उमेश मिश्र, (२) देवेन्द्र मिश्र, (३) वरन मिश्र, (४) छोटन मिश्र, (५) शंभु मिश्र। मथुरा मिश्र के भाई जदु मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) शरीन्दु मिश्र, (२) सत्येन्दु मिश्र। मथुरा मिश्र के छोटे भाई बिलास मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) अशोक मिश्र, (२) साकेत मिश्र।

इनके बाद की २-३ कुर्सी में गड़बड़ी होने से नाम अज्ञात हैं। फिर बाद में इस प्रकार।

Scanned by CamScanner

गिरधारी मिश्र की दो शादियाँ। प्रथम घर से खूबलाल मिश्र। दूसरे घर से दो पुत्र हुए—(१) शिवन मिश्र (२) युगल मिश्र।

शिवन मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) बालो मिश्र, (२) भागवत मिश्र (३) रामसेवक मिश्र। बालो मिश्र के दो पुत्र (१) लषण मिश्र, (२) धानो मिश्र। भागवत मिश्र नावल्द हुए।

गिरधारी मिश्र के पहले घर के बालक खूबलाल मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) जगन्नाथ मिश्र (२) परमेश्वर मिश्र (३) मुसाफिर मिश्र।

जगन्नाथ मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) राजो मिश्र (२) महेश्वर मिश्र (३) ब्रह्मदेव मिश्र। राजो मिश्र के एक पुत्र वृजा मिश्र। महेश्वर मिश्र एवं ब्रह्मदेव नावल्द ठहरे।

जगन्नाथ मिश्र के भाई परमेश्वर मिश्र के भी तीन पुत्र हुए—(१) धनेश्वर मिश्र (२) बच्चू मिश्र (३) कामेश्वर मिश्र। धनेश्वर मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) अर्जुन मिश्र (२) अवध मिश्र (३) हीरा मिश्र। धनेश्वर मिश्र के भाई कामेश्वर मिश्र के दो पुत्र (१) संजय (२) छोटेलाल।

जगन्नाथ मिश्र के भाई मुसाफिर मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) रामानंद (२) सत्यानन्द (३) पप्पू। रामानंद के एक पुत्र चुनचुन मिश्र हुए।

ऊपर की कुर्सी के बाद दूसरे फिर आये उनका कुर्सीनामा

तेजो मिश्र के तीन पुत्र (१) रेबा मिश्र (२) सोमर मिश्र (३) गांगो मिश्र।

रेवा मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) केदार मिश्र (२) शीतल मिश्र। केदार मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) जयनन्दन मिश्र (२) वृजनन्दन मिश्र (३) अचीत मिश्र (४) रामप्रवेश मिश्र (५) अनुज मिश्र।

केदार मिश्र के भाई शीतल मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) बाल्मीकि मिश्र (२) सुरेन्द्र मिश्र (३) बिनोद मिश्र।

सोमर एवं गांगो मिश्र नावल्द ठहरे।

खागो मिश्र भी बाद में ही आए। खागो मिश्र दो भाई—(१) खागो मिश्र (२) अकल मिश्र। खागो मिश्र के तीन पुत्र—(१) शिव बालक मिश्र (२) गुरसहाय मिश्र (३) मोती मिश्र।

अकल मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) गाजो मिश्र (२) तूफानी मिश्र। गाजो मिश्र के एक पुत्र राछो मिश्र, तूफानी मिश्र नावल्द। राछो मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) मिथिलेश मिश्र (२) अनिल मिश्र (३) वीणा मिश्र (४) विपिन मिश्र (५) अनल मिश्र।

पता—श्री अतीश मिश्र, सुरयुग मिश्र
ग्राम—मायापुर, पो०—भगोशा मखदुमपुर
जिला—गया (बिहार)

Scanned by CamScanner

ग्राम-मालीचक का वंश वृक्ष
खुटहा के नरसिंह बाबा पट्टी से

मूल—पिरोखरगढ़, दरभंगा जिला, हाल मधुबनी। सुरगण वंश, गोत्र-पराशर। कोकिल मिश्र मालीचक आये। इनके तीन पुत्र हुए—(१) ठकुरी सिंह, (२) सोमर सिंह (३) सुकन सिंह के एक पुत्र राघो सिंह।

ठकुरी सिंह के एक पुत्र किशुन सिंह, किशुन सिंह के एक पुत्र रामवृक्ष सिंह।

पता :—नाम—श्री राघो सिंह,
ग्राम—मालीचक,
पो०—वारिसलीगंज
जिला—नवादा।

●

सिऊर ग्राम
नरसिंह बाबा पट्टी खुटहा से

महावीर सिंह वल्द ननो सिंह, साकिन—सिऊर, पो०—सिऊर, भाया—गोविन्दपुर, थाना—गोविन्दपुर, जिला—नवादा।

●

अतउआ ग्राम

बोधी सिंह, जोधी सिंह, साकिन—अतउआं, पो०—आती, जिला—नवादा।

●

बेगूसराय

प्रोफेसर श्री बाल्मीकि प्रसाद सिंह, कॉपरेटिव कॉलेज, बेगूसराय, पो०—बेगूसराय, जिला—बेगूसराय। इनके दो पुत्र—(१) बबलू (२) डबलू।

●

Scanned by CamScanner

बालगुदर

बाबू रामलाल मिश्र खुटहा से आये।

बाबू रामलाल मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) शिवशंकर मिश्र (२) बाबू भागवत मिश्र। बाबू भागवत मिश्र के पुत्र गणपति मिश्र हुए। गणपति मिश्र के एक पुत्र बाबू प्रह्लाद मिश्र। प्रह्लाद मिश्र के दो पुत्र—(१) गणेश मिश्र (१) परमेश्वर मिश्र। परमेश्वर मिश्र के पुत्र अकल मिश्र। अकल मिश्र के दो पुत्र बाबू राम मिश्र नावल्द और तीतो मिश्र। तीतो मिश्र के तीन पुत्र (१) नरसिंह मिश्र (२) बाल्मीकि मिश्र (३) जनार्दन मिश्र। जनार्दन मिश्र के दो पुत्र (१) रामानन्द मिश्र नावल्द (२) श्यामनन्दन मिश्र।

बाबू हरगोविन्द मिश्र के ऊपर की कुर्सी अज्ञात है। बाबू हरगोविन्द मिश्र के पाँच पुत्र हुए—अरूण कुमार मिश्र, अनिल कुमार मिश्र, शत्रुघ्न कुमार मिश्र, सुधीर मिश्र, गंगा मिश्र।

गंगा मिश्र के तीन पुत्र—रवीन्द्र, वीरेन्द्र, धर्मेन्द्र मिश्र। बाबू नकट सिंह के दो पुत्र—अम्बिका मिश्र और केशो मिश्र। अम्बिका मिश्र के एक पुत्र—लाल मोहन मिश्र के तीन पुत्र—जय प्रकाश मिश्र, विन्देश्वरी मिश्र, रामजी मिश्र। केशो मिश्र के दो पुत्र उदित मिश्र के चार पुत्र ललन मिश्र, विजय मिश्र, संजय मिश्र, शंभु मिश्र। भासो सिंह के एक पुत्र बच्चा मिश्र। जमाहिर मिश्र के एक पुत्र नारायण मिश्र के चार पुत्र—श्री बाबूराम। भरोसा मिश्र के दो पुत्र—परमानन्द मिश्र, तथा प्रशोत्तम मिश्र। रामप्रताप मिश्र के एक पुत्र मनोज मिश्र। दयाशंकर मिश्र के एक पुत्र टुन्नी शंकर मिश्र। दयाराय मिश्र, बच्चन मिश्र, उमराव मिश्र के तीन पुत्र—श्याम नारायण मिश्र, बांके मिश्र के चार पुत्र नरेश मिश्र, दिनेश मिश्र, महेश मिश्र, रामलगन मिश्र। सुखदेव मिश्र के दो पुत्र—अशोक मिश्र, राम अनुज मिश्र, भूसि मिश्र के दो पुत्र—वाढ़ो मिश्र और जगदीश मिश्र। बाढ़ो मिश्र के चार पुत्र—राम खेलावन मिश्र, रमधीन मिश्र, राम रक्षा मिश्र, राम वरण मिश्र।

राम खेलावन मिश्र के तीन पुत्र—सरयुग मिश्र, सहदेव मिश्र के एक पुत्र तिरपुरारी मिश्र। राम पदार्थ मिश्र के एक पुत्र टुनटुन मिश्र। रामधीन मिश्र के एक पुत्र बच्चु मिश्र के एक पुत्र संजय मिश्र।

रामशरण सिंह के तीन पुत्र—महावीर मिश्र (एम० ए०) के दो पुत्र—सुनील मिश्र के एक पुत्र प्रभात मिश्र. अनिल मिश्र।

Scanned by CamScanner

खोजागाछी

दक्षिणबारी टोला

पता :—श्री उमाकांत सिंह, बासो सिंह, ग्राम—खोजागाछी, पो०—बरबीघा, जिला—मुंगेर।

नरसिंह बाबा पट्टी के श्री लालमन मिश्र, खोजा गाछी ग्राम में आकर बसे।

श्री कल्याण मिश्र के (खुटहा में) दो पुत्र हुए—(१) ब्रह्मा मिश्र (२) लालमन मिश्र खोजा गाछी में बसे। लालमन मिश्र के छः पुत्र हुए।

लालमन मिश्र के प्रथम पुत्र खेमाजीत मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) मिलन मिश्र (२) हरिल मिश्र। मिलन मिश्र के तीन पुत्र हुए—प्रथम अज्ञात—अज्ञात के दो पुत्र हुए—(१) बिहारी (२) मूरत।

बिहारी मिश्र के एक पुत्र रामलाल मिश्र। रामलाल मिश्र के तीन पुत्र हुए—प्रथम फिरंगी, दूसरा रिसाल, तीसरा जिच्छा मिश्र।

फिरंगी के दो पुत्र हुए—प्रथम मथुरा, दूसरा हरिनन्दन मिश्र।

मथुरा मिश्र के एक पुत्र उमाकान्त मिश्र। उमाकांत मिश्र के पाँच पुत्र हुए—सुबोध, प्रमोद, चित्ररंजन, मनोरंजन एवं छोटे चुनचुन मिश्र हुए। मथुरा के भाई हरिनंदन मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) उपेन्द्र (२) जितेन्द्र। जितेन्द्र के दो पुत्र हुए—(१) रंजन (२) छोटू मिश्र।

फिरंगी के भाई रिसाल के तीन पुत्र हुए—(१) भागीरथ, (२) हरिवंश, (३) कमलेश्वरी मिश्र। भागीरथ के दो पुत्र हुए—(१) भुवनेश्वर (२) माणिक मिश्र। भुवनेश्वर के एक पुत्र हुए—विजय मिश्र। भागीरथ के भाई हरिवंश के दो पुत्र हुए—(१) मधुसूदन (२) शिवकुमार मिश्र।

मधुसुदन के दो पुत्र हुए—(३) विनोद मिश्र (२) पप्पू मिश्र। रिसाल मिश्र के भाई जिच्छा मिश्र के एक पुत्र हुए—(१) जगदेव मिश्र। जगदेव मिश्र के छः पुत्र—(१) ज्वाला मिश्र (२) शिवदानी मिश्र, (३) चन्द्रशेखर मिश्र, (४) नरेश मिश्र (४) अरविंद मिश्र (६) सुनीत मिश्र। ज्वाला मिश्र के दो पुत्र हुए—प्रथम रवीन्द्र मिश्र, दूसरा अनिल मिश्र, शिवदानी मिश्र के एक पुत्र हुए पंकज मिश्र चन्द्रशेखर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रूस्तम मिश्र (२) नीरज मिश्र। नरेश मिश्र के दो पुत्र—राजेश मिश्र, पप्पू मिश्र।

Scanned by CamScanner

बिहारी मिश्र के भाई मूरत मिश्र—मूरत मिश्र के दो पुत्र—प्रथम, कुलदीप मिश्र (२) तिलकधारी मिश्र। कुलदीप मिश्र के एक पुत्र—चन्देश्वर मिश्र। चन्देश्वर मिश्र के दो पुत्र (१) नरेन्द्र मिश्र (२) सुधीर मिश्र।

तिलकधारी मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) रामधारी मिश्र (२) महावीर मिश्र (३) केदार मिश्र (४) मुंशी मिश्र।

रामधारी मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) सियाशरण मिश्र (ना०) (२) बिष्णुधारी मिश्र। सियाशरण मिश्र के एक पुत्र श्याम मिश्र।

विष्णुधारी मिश्र के दो पुत्र—(१) कृष्णनन्द मिश्र (२) रामानन्द मिश्र। केदार मिश्र के दो पुत्र—प्रथम हरिद्वार मिश्र (२) निवास मिश्र के पुत्र रासानुज मिश्र।

मिलन मिश्र के दूसरे अज्ञात पुत्र के एक पुत्र हुए—चोबू मिश्र। चोबू मिश्र के एक पुत्र शिवनन्दन मिश्र ना०।

मिलन मिश्र के तीसरे अज्ञात पुत्र के—एक पुत्र हुए—दुलह मिश्र। दुलह मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) मुठरी मिश्र (२) अज्ञात मिश्र।

मुठरी मिश्र के पुत्र हुए—(१) रघु मिश्र। रघु मिश्र के दो पुत्र (१) लक्ष्मण मिश्र, (२) पितम्बर मिश्र ना०।

लक्ष्मण मिश्र के एक पुत्र—जयजयराम मिश्र। जयजयराम मिश्र के तीन पुत्र—दयानन्द मिश्र, (२) पुत्र अज्ञात है।

मुठरी के भाई अज्ञात मिश्र के दो पुत्र—(१) झोटी मिश्र (२) बुद्धन मिश्र। झोटी मिश्र के एक पुत्र—धनु मिश्र ना०।

बुद्धन मिश्र के दो पुत्र—राजकेश्वर मिश्र (२) पलकधारी मिश्र। राजकेश्वर मिश्र एक पुत्र जय प्रसाद। जय प्रसाद के तीन पुत्र—परशुराम मिश्र, खेलावन मिश्र, उमेश मिश्र। खेलावन मिश्र के दो पुत्र—उमेश मिश्र (२) अज्ञात मिश्र।

राजकेश्वर मिश्र के भाई पलकधारी मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) जंगबहादुर मिश्र (२) कैलाश मिश्र (३) अर्जुन मिश्र (४) शुरेश मिश्र।

जंगबहादुर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) रामविलास मिश्र (२) ब्रजेश मिश्र। रामविलाश मिश्र के एक पुत्र हुए—कैलाश मिश्र। कैलाश मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) ईश्वरी मिश्र (२) उदय मिश्र। ईश्वरी मिश्र के एक पुत्र हुए अर्जुन मिश्र के एक पुत्र धर्मेन्द्र मिश्र।

अर्जुन मिश्र के भाई सुरेश मिश्र के दो पुत्र—(१) अनिल मिश्र (२) अमूक मिश्र।

होरिल मिश्र के एक पुत्र हेतो मिश्र। हेतो मिश्र के तीन पुत्र—(१) चिगर मिश्र, (२) बुधु मिश्र, (३) चेना मिश्र।

Scanned by CamScanner

चिगर मिश्र के एक पुत्र गनौरी सिंह। गनौरी सिंह के दो पुत्र (१) दुखन सिंह (२) बोधु सिंह ना०।

दुखन के तीन पुत्र—(१) ब्रजलाल (२) रघुनाथ मिश्र (३) रघुनन्दन मिश्र—तीनों नावल्द हो गये।

चेना मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) नारो (२) भत्तू मिश्र।

भत्तू मिश्र के तीन पुत्र—(१) बाढ़ू मिश्र, नथुनी मिश्र (३) एतवारी मिश्र। बाढ़ो मिश्र के दो पुत्र—(१) काली मिश्र (२) भादो मिश्र।

काली मिश्र के चार पुत्र—(१) राजवल्लभ मिश्र, (२) तुनुक मिश्र के (३) शान्ति मिश्र; (४) सुभाष मिश्र।

राजवल्लभ मिश्र के पाँच पुत्र—(१) कमलेश मिश्र, अरजेश मिश्र, परोरी मिश्र, पोचा मिश्र, एवं रक्षा मिश्र।

बाढ़ू मिश्र के भाई नथुनी मिश्र के दो पुत्र—(१) पलकधारी मिश्र (२) रामरूप मिश्र ना०।

पलकधारी मिश्र तीन पुत्र—(१) बच्चू मिश्र, (२) प्रताप मिश्र, (३) गिरीश मिश्र। बच्चू मिश्र के तीन पुत्र—(१) विनय मिश्र (२) पागल (२) अखिलेश मिश्र।

बच्चू सिंह के भाई प्रताप मिश्र एक पुत्र टेंपु सिंह। गिरीश सिंह के एक पुत्र हरेराम सिंह।

बाढ़ू के भाई एतवारी के पाँच पुत्र—(१) सौखी (२) रोशन (३) खाड़ो (४) जानकी (५) किशुन। जिनमें दो का वारसान नावल्द।

सौखी के एक पुत्र—रामपाल। रामपाल के पुत्र—(१) राजमनी (२) संजय (३) रंजय।

रोशन के तीन पुत्र—(१) रामपदारथ (२) सच्चिदानन्द (३) जगत। रामपदारथ के दो पुत्र—(१) मुकेश (२) अज्ञात।

खाड़ो के पाँच पुत्र—(१) सरोवर, (२) चन्द्रमौली, (३) नुनुलाल (४) जखराज (४) कामराज।

खाड़ो के पुत्र सरोवर के एक पुत्र मौली। मौली के एक पुत्र बच्चा है।

होरिल मिश्र के पोता चेना के प्रथम पुत्र नारो के तीन पुत्र (१) कोकिल (२) ज्ञानी (३) नकछेदी।

कोकिल के एक पुत्र—हरिहर। हरिहर के चार पुत्र—(१) अम्बिका ना० (२) सुखा, (३) कपिल (४) मुन्ना।

सुखा के चार पुत्र—(१) बबन (२) विमल (३) भूपेन्द्र (४) अरूण कुमार।

बबन के एक पुत्र—टुनटुन।

Scanned by CamScanner

कपिल के चार पुत्र—(१) शंकर (२) हियालाल (३) खुशीलाल (४) कान्हा मिश्र ।

कपिल के भाई मुन्ना के चार पुत्र—(१) सकलदेव (२) चान्दो (३) जोगिन्दर (४) सुनील ।

फुलदेव के तीन पुत्र—(१) बालेश्वर (२) कुशेश्वर (३) विलायती ।

बालेश्वर के दो पुत्र—टुनटुन, मनोज ।

ज्ञानी के भाई नकछेदी के दो पुत्र—(१) राधे (२) तोता—नावल्द ।

— — — —

कल्याण मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) ब्रह्मा मिश्र (२) लालमन मिश्र ।

ब्रह्मा मिश्र खुटहा में रहे और लालमन मिश्र खोजा गाछी में बसे । लालमन मिश्र के दूसरे पुत्र चुल्हन मिश्र ।

चुल्हन मिश्र के सात पुत्र हुए—(१) नृपत मिश्र (२) लीला मिश्र (३) साहेव मिश्र (४) अजीत मिश्र (५) कुंजल मिश्र (६) मूरत मि० ना० (७) कृपा मिश्र ।

इन सातो में लीला, नृपत, मूरत नावारिस ठहरे ।

साहेव मिश्र के एक पुत्र हुए—जीवू मिश्र ।

जीवू मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) पोखराज मिश्र (२) शिव सहाय मिश्र ।

पोखराज मिश्र के एक पुत्र—वाजो मिश्र । वाजो मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) राजेन्द्र मिश्र (२) सच्चिदानन्द मिश्र (३) योगेन्द्र मिश्र ।

साहेब मिश्र के भाई अजीत मिश्र की दो शादियाँ—पहली शादी से भीमसेन मिश्र । भीमसेन मिश्र के एक पुत्र सोवरन मिश्र । सोवरन मिश्र के दो पुत्र हुए—वालदेव मिश्र, वासुदेव मिश्र । वालदेव मिश्र के दो पुत्र हुए—रामाश्रय मिश्र, रामभरोसी मिश्र ।

रामरक्षा मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) शिव प्रसाद मिश्र (२) जयहिन्द मिश्र, शिवबच्चन मिश्र ।

शिवप्रसाद मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) अरूण मिश्र (२) वरूण मिश्र ।

जयहिन्द मिश्र के दो पुत्र—(१) नवीन मिश्र (२) विपिन मिश्र ।

शिववच्चन मिश्र के एक पुत्र—मुनचुन मिश्र ।

रामभरोसी मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) शिवकुमार मिश्र (२) शिवशंकर मिश्र (३) रवीन्द्र मिश्र (४) नूनूलाल मिश्र ।

शिवकुमार मिश्र के तीन पुत्र हुए—संजय मिश्र (२) धनंजय मिश्र (३) रंजय मिश्र ।

शिबशंकर मिश्र के एक पुत्र—मुन्ना मिश्र ।

रवीन्द्र मिश्र के एक पुत्र—अविनाश मिश्र ।

Scanned by CamScanner

नूनू लाल मिश्र के एक पुत्र वनोल मिश्र।

वासुदेव मिश्र के दो पुत्र हुए—रामपरीक्षण मिश्र, रामगुलाम मिश्र।

रामपरीक्षण मिश्र के एक पुत्र—नामेन्द्र मिश्र। रामगुलाम मिश्र की दूसरी शादी से तीन पुत्र हुए—डोमन मिश्र, वल्लो मिश्र, हनुमान मिश्र। डोमन मिश्र के एक पुत्र अमृत मिश्र। अमृत मिश्र के एक पुत्र— रामनन्दन मिश्र। रामनन्दन मिश्र के एक पुत्र धीरेन्द्र मिश्र।

वल्लो मिश्र के चार पुत्र हुए—जाटो मिश्र, जोधी मिश्र, रामू मिश्र, वैजनाथ मिश्र।

जाटो मिश्र के तीन पुत्र हुए—श्रीकृष्ण मिश्र, तनिक मिश्र, कार्यानन्द मिश्र।

श्रीकृष्ण मिश्र के पुत्र हुए—सदन मिश्र। तनिक मिश्र के दो पुत्र—शंभू मिश्र, नोनू मिश्र, कार्यानन्द मिश्र के दो पुत्र—दिलीप मिश्र, नित्यानन्द मिश्र।

डोमन मिश्र के भाई हनुमान मिश्र के एक पुत्र हुए—जगदीश मिश्र। जगदीश मिश्र के दो पुत्र हुए—नागेश्वर मिश्र, सिधेश्वर मिश्र।

सिधेश्वर मिश्र के एक पुत्र—सुनील मिश्र।

कुंजल मिश्र के दो पुत्र हुए—भिक्षुक मिश्र, काशी मिश्र। काशी मिश्र नावल्द।

भिक्षुक मिश्र के दो पुत्र हुए—मिठ्ठू मिश्र, मुखी मिश्र। मिठ्ठू मिश्र को एक पुत्र हुए—साधु मिश्र। मुखी मिश्र के दो पुत्र—सुखदेव मिश्र, विष्णुदेव मिश्र। सुखदेव मिश्र के दो पुत्र हुए—रामअशीष मिश्र, सतीश मिश्र।

रामअशीष मिश्र के दो पुत्र हुए—चुनचुन मिश्र, प्रभाकर मिश्र।

विष्णुदेव मिश्र के एक पुत्र—कृष्णमुरारी मिश्र।

दक्खिन वाली टोली का शेष भाग—

खेमाजीत मिश्र के पुत्र—गोपाल मिश्र। गोपाल मिश्र के पुत्र–वोधू एवं टुन्हा। टुन्हा के दो पुत्र—तिलंग एवं बोढ़न। तिलंग के पुत्र बजरंगी। बजरंगी के पुत्र नवीन एवं चुनचुन।

बोढ़न मिश्र के पुत्र–जुलुम नावल्द।

कृपा मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) शोभन मिश्र (२) काशी मिश्र नावारिस ठहरे।

शोभन मिश्र के एक पुत्र—फौदारी मिश्र।

फौदारी मिश्र के एक पुत्र—किशुन मिश्र। किशुन मिश्र के दो पुत्र—जनार्दन मिश्र एवं प्रमोद मिश्र।

Scanned by CamScanner

उत्तरवारी टोला

उत्तरवारी टोला में लालमन बाबा के वंशज में खरग मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) लेखा मिश्र (२) वोजीर मिश्र (३) दुलारू मिश्र ना० ।

लेखा मिश्र के दो पुत्र—(१) लोका (२) कुलदीप मिश्र । लोका मिश्र के दो पुत्र—गुरसहाय मिश्र एवं मेदनी मिश्र । गुरसहाय मिश्र के पाँच पुत्र—(१) रामस्वरूप मिश्र (२) इन्द्रदेव मिश्र, तृपित मिश्र, सरयुग मिश्र, बनारस मिश्र ।

रामस्वरूप मिश्र के चार पुत्र—(१) पारस मिश्र (२) कुशेश्वर मिश्र (३) सवल, शैलेन्द्र मिश्र ।

इन्द्रदेव मिश्र के दो पुत्र—श्याम मिश्र एवं सुनील मिश्र ।

तृपित मिश्र के दो पुत्र—(१) सुनील, (२) मनोज, सरयुग मिश्र ना० ।

बनारस मिश्र के दो पुत्र—संजय एवं संजीव । पारस मिश्र ना० ।

कुशेश्वर के दो पुत्र—(१) राजीव (२) संजीव ।

कुलदीप मिश्र के एक पुत्र—राघो मिश्र । राघो मिश्र के चार पुत्र—(१) यमुना मिश्र (२) दशरथ मिश्र (३) कृष्णदेव मिश्र (४) मुन्द्रिका मिश्र ।

यमुना मिश्र के एक पुत्र—मिथिलेष मिश्र । मिथिलेष मिश्र के एक पुत्र अवधेश मिश्र ।

वोजीर मिश्र के दो पुत्र—(१) हंसराज मिश्र (२) लालजित मिश्र । हंसराज मिश्र के दो पुत्र—(१) प्रकाश मिश्र (२) रामसागर मिश्र ।

प्रकाश मिश्र के चार पुत्र—(१) रामसागर मिश्र (२) दिनेश मिश्र (३) रमेश मिश्र (४) उमेश मिश्र ।

रामसागर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) शशिरंजन मिश्र (२) संजीत मिश्र ।

लालजीत मिश्र के दो पुत्र—सातो मिश्र एवं रामबालक मिश्र ।

सातो मिश्र के एक बालक सेवक मिश्र ।

रामबालक मिश्र के दो लड़के—रामउदित मिश्र, चितरंजन मिश्र ।

खाशो मिश्र के चार पुत्र—घुरवीश मिश्र, बुद्यन मिश्र, साचो मिश्र, शुक्र मिश्र ।

शुक्र मिश्र के एक पुत्र—नरसींघ मिश्र, नरसींघ मिश्र के दो पुत्र—गोरेलाल मिश्र, राजदेव मिश्र, गोरेलाल मिश्र ना०, राजदेव मिश्र के पाँच पुत्र—शैलेन्द्र मिश्र, अशोक मिश्र, निरंजन मिश्र, मन्टु मिश्र, विनय मिश्र ।

लालमन बाबा के अज्ञात पुत्र के एक पुत्र हुए पोखुन मिश्र, पोखुन मिश्र के एक पुत्र—मनिआर मिश्र, मनिआर मिश्र के तीन पुत्र—रमण मिश्र, बुलाकी मिश्र, प्रदीप मिश्र ना० ।

Scanned by CamScanner

रमण मिश्र के तीन पुत्र—गया मिश्र, जगेश्वर मिश्र, शिव बालक मिश्र। गया मिश्र के दो पुत्र—तनीक मिश्र, जगदम्बी मिश्र। तनीक मिश्र के तीन पुत्र—देवेन्द्र मिश्र, अशोक मिश्र, अनुज मिश्र।

जगदम्बी मिश्र के दो पुत्र—प्रमोद मिश्र। विनोद मिश्र। जागेश्वर मिश्र के तीन पुत्र—बालमिकी मिश्र, जनार्दन मिश्र, नवल मिश्र।

जनादंन मिश्र के दो पुत्र—सतीश मिश्र, रतीश मिश्र, शिव बालक मिश्र के एक पुत्र—विजय मिश्र।

लालमन बाबा के अज्ञात पुत्र के वंशज चुल्हन मिश्र। चुल्हन मिश्र के एक पुत्र—नृपत मिश्र, नृपत मिश्र के पुत्र—खीरन मिश्र, ठाकुर मिश्र एवं दो भाई के नाम अज्ञात हैं।

खीरन मिश्र के पुत्र—पुनित मिश्र, रोहन मिश्र एवं बंगाली मिश्र।

रोहन मिश्र के तीन पुत्र—श्याम लाल मिश्र, चमारी मिश्र, फिरंगी मिश्र।

चमारी मिश्र के तीन पुत्र हुए—मुरली मिश्र नावल्द, बाँके मिश्र, सुर्य मिश्र नावल्द।

बांके मिश्र के एक पुत्र—रामकृपाल मिश्र, रामकृपाल मिश्र के दो पुत्र—संजय, राजीव, रोहन मिश्र के छोटे पुत्र—फिरंगी मिश्र के दो पुत्र—राम अनुग्रह मिश्र, भगवती मिश्र।

खोजा गाछी—पश्चिम वाली टोली खुटहा के नरसिह बाबा पट्टी से आये—

लालमन बाबा के पुत्र—बंधु मिश्र। वंधु मिश्र के एक पुत्र—छत्र मिश्र। छत्र मिश्र के दो पुत्र—(१) गिरधारी मिश्र, (२) छेदी मिश्र। गिरधारी मिश्र के तीन पुत्र—(१) रघुवीर मिश्र, (२) नोखी मिश्र, (३) काशी मिश्र।

रघुवीर मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) गजाधर मिश्र, (२) हरखित मिश्र।

गजाधर मिश्र के चार पुत्र—(१) सिधेश्वर मिश्र, (२) ब्रह्मदेव मित्र, (३) सिद्धनाथ मिश्र, (४) किशोरी मिश्र।

सिधेश्वर मिश्र के तीन पुत्र—(१) परमानंद मिश्र, (२) उमेश मिश्र, (३) नरेश मिश्र।

ब्रह्मदेव मिश्र के तीन पुत्र—(१) कार्यानंद मिश्र, (२) सुधीर मिश्र, (३) मनोज मिश्र।

सिद्धनाथ मिश्र के दो पुत्र—(१) शैलेन्द्र मिश्र, (२) सुनील मिश्र।

किशोरी मिश्र के दो पुत्र—(१) विपिन मिश्र, (२) प्रवीण मिश्र।

गजाधर मिश्र के भाई हरखित मिश्र के तीन पुत्र—(१) बालेश्वर मिश्र (२) रामदेव मिश्र (३) श्री० मिश्र।

Scanned by CamScanner

बालेश्वर मिश्र के चार पुत्र—(१) पारस मिश्र, (२) दुखी मिश्र, (३) सुखी मिश्र, (४) सरोज मिश्र।

नोखी मिश्र के एक पुत्र—सहदेव मिश्र। सहदेव मिश्र के दो पुत्र—(१) शिवसंत मिश्र, (२) कौशलेन्द्र मिश्र। शिवसंत मिश्र के तीन पुत्र—(१) संजीत मिश्र, (२) रणजीत मिश्र, (३) रामजी मिश्र।

काशी मिश्र के दो पुत्र—(१) रक्षा मिश्र, (२) हृदय नारायण मिश्र।

रक्षा मिश्र के दो पुत्र—(१) राजेन्द्र मिश्र, (२) राजाराम मिश्र।

राजेन्द्र मिश्र के एक पुत्र—नगीना मिश्र।

हृदयनारायण मिश्र के तीन पुत्र—(१) सच्चिदानन्द मिश्र, (२) रामानंद मिश्र, (३) दयानंद मिश्र।

सच्चिदानंद मिश्र के एक पुत्र—सविकंकड़ मिश्र।

छेदी मिश्र के एक पुत्र—झरी मिश्र। झरी मिश्र के एक पुत्र—जाटो मिश्र, जाटो मिश्र के एक पुत्र—अवध मिश्र। अवध मिश्र के चार पुत्र—(१) सदन मिश्र, (२) अजय मिश्र, (३) संजय मिश्र, (४) अनुज मिश्र।

लालमन मिश्र के पुत्र—खोथा मिश्र। खोथा मिश्र के पुत्र—लेखा मिश्र। लेखा मिश्र के चार पुत्र—(१) सन्तोखी मिश्र, (२) रामरूप मिश्र, (३) रामचन्द्र मिश्र नावल्द, (४) अनुप मिश्र।

सन्तोखी मिश्र के दो पुत्र—(१) राम प्रकाश मिश्र, (२) भुवनेश्वर।

राम प्रकाश मिश्र के पाँच पुत्र—(१) नागेन्द्र मिश्र, (२) अशोक मिश्र, (३) गोपाल मिश्र, (४) अजय मिश्र, (५) मोहन मिश्र।

भुवनेश्वर मिश्र के दो पुत्र—(१) अनील मिश्र (३) सुरेश मिश्र।

रामरूप मिश्र के तीन पुत्र—(१) जनार्दन मिश्र (२) विजय मिश्र (३) राम जन्म मिश्र।

जनार्दन मिश्र के एक पुत्र—निरंजन मिश्र। विजय मिश्र के एक पुत्र—अभिमन्यु मिश्र।

जालमन मिश्र के पुत्र—गुरुदयाल मिश्र के एक पुत्र—केभर मिश्र। केभर मिश्र के दो पुत्र—(१) दर्शन मिश्र (२) सोनमन मिश्र।

दर्शन मिश्र के एक पुत्र—झुमक मिश्र। सोनमन मिश्र के दो पुत्र—(१) वासो मिश्र (२) इन्द्रदेव मिश्र ना०।

वासो मिश्र के चार पुत्र—(१) भोला मिश्र (२) तनिक मिश्र (३) सुरेन्द्र मिश्र (४) वीरेन्द्र मिश्र।

भोला मिश्र के दो पुत्र—(१) गीता (२) उमेश। गीता के एक पुत्र—मुन्ना मिश्र।

Scanned by CamScanner

उमेश मिश्र के दो पुत्र—(१) राकेश (२) डवलू । तनिक मिश्र के तीन पुत्र—(१) वीन्दु मिश्र (२) राम किशोर मिश्र (३) सुनील ।

सुरेन्द्र मिश्र के दो पुत्र—(१) पंकज मिश्र (२) नीलेश मिश्र ।

वीरेन्द्र मिश्र के तीन पुत्र—(१) अशोक (२) पप्पु (३) राजेश्वर मिश्र ।

बुधु मिश्र के एक पुत्र—तानेश्वर ।

तानेश्वर के तीन पुत्र—(१) प्रमेश्वर (२) धमंडी (३) वुन्दी । धमंडी के एक पुत्र—चन्द्रेश्वर मिश्र, चन्द्रेश्वर के दो पुत्र—(१) नवल (२) राजो । राजो के एक पुत्र—कारू ।

कारू के तीन पुत्र—जुलूम, दरोगा, युगल, युगल मिश्र के चार पुत्र—(१) अम्बिका (२) अलखदेव (३) सुरेश (४) नरेश ।

अलखदेव के तीन पुत्र—(१) सदन (२) कृष्णनंदन (३) सीताराम ।

नरेश मिश्र के एक पुत्र पप्पु ।

युगल मिश्र के एक पुत्र—रामवदन । रामवदन के एक पुत्र हुए—मनोहर मिश्र ।

मौजा खोजा गाछी

लालमन सिंह के बेटा खेमाजित सिंह

खेमाजित सिंह के छः पुत्र—२—३—४—पश्चिम टोला ।

परेमन सिंह—करमचन्द सिंह

परेमन सिंह के दो पुत्र—धोवी सिंह—भजन सिंह, धोबी के पुत्र अज्ञात ।

भजन सिंह के पुत्र काशी सिंह एवं ईश्वर सिंह, ईश्वर सिंह के पुत्र अज्ञात ।

काशी सिंह के पुत्र—जय करन सिंह एवं अमता सिंह, मदन सिंह, जय करन सिंह के एक पुत्र अज्ञात ।

अमता सिंह के पुत्र—भुनेश्वर सिंह, बनारस सिंह, दया नन्द सिंह, सुभाष सिंह एवं ललन सिंह ।

भुवनेश्वर सिंह के पुत्र—कौशेलन्द्र सिंह, सुराज सिंह एवं सतीश सिंह । कौशलेन्द्र सिंह के पुत्र राम अनुज सिंह, सुराज सिंह के पुत्र पवन सिंह एवं सतीष सिंह के पुत्र मधुसूदन सिंह ।

भुवनेश्वर सिंह के भाई बनारस सिंह के पुत्र—रणजीत एवं अजीत सिंह ।

दयानन्द सिंह के पुत्र—राजेश ।

मदन सिंह के पुत्र—महेन्द्र सिंह, बालखण्डी सिंह, पंचानंद सिंह, नवल सिंह एवं अनिरूद्ध सिंह ।

परेमन सिंह के भाई करमचन्द के पुत्र चुटरी सिंह । चुटरी सिंह के सहदेव सिंह । सहदेव सिंह के पुत्र—चरित्र सिंह, आसा सिंह एवं रमेश सिंह ।

सिताब सिंह के तीन पुत्र—वंटन सिंह, साहो सिंह एवं अज्ञात. साहो सिंह के पुत्र—विद्या सिंह, टोर सिंह ।

Scanned by CamScanner

गोयठा डीह

नरसिंह बाबा पट्टी खुटहा से

श्री उमर सिंह खुटहा से मुंगेर कचहरी में जाकर काम करने लगे। फिर मुंगेर से एक गोयठाडीह के एक मुहर्रिर के साथ गोयठाडीह गये और वहीं बस गये। उस दिन से वहीं रहने लगे और उनका वंश वहीं से विस्तार हुआ।

श्री उमर सिंह को एक पुत्र—लोकी सिंह हुए। लोकी सिंह को छः पुत्र हुए—१. बंधू सिंह, २. मांगो सिंह, ३. सोमर सिंह, ४. माधो सिंह, ५. बासो सिंह, ६. फिरो सिंह।

बंधू सिंह को एक पुत्र—मुन्शी सिंह हुए। मुंशी सिंह के तीन पुत्र हुए—१. चन्दर सिंह, २. कौलेश्वर सिंह और ३. जंगबहादुर सिंह।

मांगो सिंह के एक पुत्र—केशो सिंह हुए। केशो सिंह को दो पुत्र—रामप्रकाश सिंह और शिवनन्दन सिंह हुए। रामप्रकाश सिंह को एक पुत्र—अरविन्द कुमार हुए।

सोमर सिंह नावारिस हुए।

माधो सिंह के तीन पुत्र—१. ब्रह्मदेव सिंह २. शाहो सिंह और ३. विन्दो सिंह। ब्रह्मदेव सिंह को दो पुत्र—गया सिंह, कृष्णवल्लभ सिंह हुए। गया सिंह के दो पुत्र—रविभूषण सिंह और पप्पू कुमार हुए।

गया सिंह के भाई कृष्णवल्लभ शर्मा को भी दो पुत्र—पवन कुमार और विपिन कुमार हुए। ब्रह्मदेव सिंह के भाई शाहो सिंह नावारिस हुए।

ब्रह्मदेव सिंह के भाई विन्दो सिंह के तीन पुत्र हुए—नन्दकिशोर सिंह, सुरेश सिंह और मदन सिंह।

नन्दकिशोर सिंह के दो पुत्र—चन्देश्वर सिंह और वीरेन्द कुमार हुए। सुरेश सिंह के दो पुत्र—लषण कुमार और विपिन कुमार हुए।

लोकी सिंह के पाँचवें पुत्र—दासो सिंह के तीन पुत्र हुए—जागो सिंह, यमुना सिंह और रामु सिंह।

जागो सिंह के चार पुत्र—सरयुग, रामरक्षा, नरेश और रामवृक्ष सिंह हुए।

सरयुग सिंह के ३ पुत्र—वीरेन्द्र कुमार, कार्यी सिंह और रवीन्द्र सिंह हुए।

लोकी सिंह के छठे पुत्र—फिरो सिंह के १ पुत्र—हरिहर सिंह। हरिहर सिंह के ७ पुत्र—रामोतार सिंह, रामअधीन सिंह, अवध किशोर सिंह, राजेन्द्र, भुनेश्वर सिंह, गुनेश्वर सिंह, शम्भूशरण सिंह और अंजू कुमार हुए।

Scanned by CamScanner

रामऔतार सिंह के दो पुत्र—बाल्मीकि सिंह और छोटे कुमार हुए।

रामअधीन सिंह को एक पुत्र—अशोक कुमार हुए। अवध किशोर के एक पुत्र परशुराम सिंह हुए।

लालजीत सिंह भी खुटहा के ही थे।

लालजीत सिंह के एक पुत्र—अकल सिंह। अकल सिंह के दो पुत्र हुए—प्रयाग सिंह और गरभू सिंह हुए।

प्रयाग सिंह के एक पुत्र—मथुरा सिंह हुए। गरभू सिंह के एक पुत्र—मधुसूदन सिंह हुए। फिरन सिंह भी खुटहा के ही थे।

फिरन सिंह को एक पुत्र—बाबन सिंह हुए। बाबन सिंह के एक पुत्र—कामेश्वर सिंह हुए।

झरी सिंह भी खुटहा के ही थे। वे भी गोयठाडीह में जाकर अपना वंश विस्तार एवं अन्य कार्य किए।

झरी सिंह को दो पुत्र अकल सिंह और प्रयाग सिंह हुए। अकल सिंह को एक पुत्र गभू सिंह। गभू सिंह को एक पुत्र मधुसूदन सिंह हुए।

अकल सिंह के भाई प्रयाग सिंह को एक पुत्र मुरा सिंह हुए। मुरा सिंह को एक पुत्र मथुरा सिंह हुए। मथुरा सिंह को एक पुत्र बाबन सिंह हुए। बाबन सिंह को एक पुत्र कामेश्वर सिंह हुए जो साधु हो गए।

Scanned by CamScanner

पड़रिया

ग्राम—पड़रिया, पो०—नारदीगंज, अंचल—हसुआ, जि० नवादा, खुटहा के माधो बाबा पट्टी से शीवा सिंह पड़रिया आये।

शीवा सिंह को एक पुत्र भुअन सिंह हुए। भुअन सिंह को पाँच पुत्र हुए—अकल सिंह, काशी सिंह, गोपाल सिंह, ललीत सिंह, छोटन सिंह, अकल सिंह को चार पुत्र वैजनाथ सिंह, चमरी सिंह, पोखन सिंह और रक्षा सिंह।

वैद्यनाथ सिंह नावारिस।

चमारी सिंह को पाँच पुत्र हुए—केदार सिंह, महेन्द्र सिंह, नरेश सिंह, भोला सिंह और मिथिलेश सिंह, पोखन सिंह नावारिस हुए।

रक्षा सिंह को एक पुत्र भूषण सिंह।

भुअन सिंह के दूसरे पुत्र काशी सिंह को दो पुत्र रामकिशुन सिंह और हारो सिंह हुए।

ललीत सिंह को एक पुत्र नीरू सिंह। नीरू सिंह को दो पुत्र मुसाफिर सिंह और रामदेव सिंह।

मुसाफिर सिंह को तीन पुत्र—राजेन्द्र सिंह, अरविन्द सिंह और सुनील सिंह।

राजेन्द्र सिंह को एक पुत्र मुकेश सिंह।

नीरू सिंह के दूसरे पुत्र रामदेव सिंह को तीन पुत्र—उदय सिंह, विनय सिंह और विनोद सिंह।

भुअन सिंह के पाँचवें पुत्र छोटन सिंह को एक पुत्र जिनका नाम सरयुग सिंह को दो पुत्र लखन सिंह और कुली सिंह।

लखन सिंह को दो पुत्र—अशोक सिंह और दिनेश सिंह। तथा कुलीं सिंह को एक लड़का नीलेश सिंह।

इनरमन सिंह भी खुटहा से पड़रिया गये।

इनरमन सिंह को एक पुत्र रामदयाल सिंह हुए।

रामदयाल सिंह को एक पुत्र उदमद सिंह हुए।

उदमद सिंह को तीन पुत्र—प्रयाग सिंह, छेदी सिंह, महावीर सिंह थे।

प्रयाग सिंह, छेदी सिंह दो भाई नाबारिस हो गये।

छोटे भाई महावीर सिंह को (१) पुत्र रामस्वरूप सिंह हुए। रामस्वरूप सिंह को छः पुत्र हुए—बच्चन सिंह, देवेन्द्र सिंह, सत्येन्द्र सिंह, रामअनुज सिंह, बिपिन सिंह और पंकज कुमार।

Scanned by CamScanner

तालो सिंह—इनको दो पुत्र—लखपत सिंह और मुंशी सिंह। छकौड़ी सिंह—इनको एक पुत्र—धोबी सिंह हुए। धोबी सिंह को दो पुत्र—दानी सिंह और सीताराम सिंह।

बोधन सिंह—इनको एक पुत्र हुए—वंशी सिंह, वंशी सिंह को तीन पुत्र हुए—सहदेव सिंह, दशरथ सिंह और रामशरण सिंह। दशरथ सिंह को दो पुत्र हुए—गोपाल सिंह और नेपाल सिंह।

नारायण सिंह—इनको दो पुत्र हुए—भुजाली सिंह और गजाधर सिंह। गजाधर सिंह नावारिस हुए। भुजाली सिंह को दो पुत्र हुए—तेतर सिंह और शौदी सिंह। तेतर सिंह नावारिस हुए।

शौदी सिंह को सात पुत्र हुए—इन्द्रदेव सिंह, बलराम सिंह, नन्दलाल सिंह, रामाश्रय सिंह, अनुग्रह सिंह, उपेन्द्र सिंह और रवीन्द्र सिंह।

इन्द्रदेव सिंह को दो पुत्र विनोद सिंह और प्रमोद सिंह।

Scanned by CamScanner

ग्राम—बेलछी

(नरसिंह बाबा पट्टी खुटहा से आये)

ग्राम—बेलछी, पो०—बेलछी, भा०—शेखपुरा, जि०—मुंगेर

रुपचन शर्मा बेलछी आये और यहीं इनका वंश विस्तार हुआ। रुपचन शर्मा को दो पुत्र हुए—होरिल शर्मा और ओजन शर्मा। होरिल शर्मा को एक पुत्र वैद्यनाथ शर्मा।

वैद्यनाथ शर्मा को तीन पुत्र काशी शर्मा, सोनू शर्मा और रामप्रसाद शर्मा हुए। काशी शर्मा को एक पुत्र जगदीश शर्मा हुए। जगदीश शर्मा को तीन पुत्र राम शर्मा, विन्देश्वरी शर्मा और सियाशरण शर्मा। राम शर्मा को एक पुत्र हरिनारायण शर्मा, सुरेन्द्र शर्मा, वीरेन्द्र शर्मा और बजरंगी शर्मा। हरिनारायण शर्मा को दो पुत्र संजय और संजीत शर्मा हुए। सुरेन्द्र शर्मा को दो पुत्र रोशन शर्मा और मनीष शर्मा हुए। वीरेन्द्र शर्मा को एक पुत्र राकेश शर्मा हुए। बजरंगी शर्मा को एक पुत्र निरंजन शर्मा हुए।

जगदीश शर्मा के तृतीय पुत्र सियाशरण शर्मा को तीन पुत्र नवल शर्मा, नवीन शर्मा और प्रवीण शर्मा हुए।

वैद्यनाथ शर्मा के द्वितीय पुत्र सोनू शर्मा के एक पुत्र गोविन्द शर्मा हुए जो नावारिस हुए।

वैद्यनाथ शर्मा के तृतीय पुत्र रामप्रसाद शर्मा को पाँच पुत्र हुए—मथुरा शर्मा, जमुना शर्मा, भीम शर्मा, जय शर्मा और विजय शर्मा।

मथुरा शर्मा को एक पुत्र—रामाश्रय शर्मा हुए। रामाश्रय शर्मा को दो पुत्र—बिजयशंकर तथा दूसरा रविशंकर हुए।

जयशर्मा को एक पुत्र रामनन्दन शर्मा हुए। रामनन्दन शर्मा को तीन पुत्र —कुन्दन, कौशल तथा मुकुल शर्मा हुए।

Scanned by CamScanner

धनवारा परिवार

सूरगणे वंशावली की सूची

मूल—लोयाम्—परवा—पीरोखर (धनवारा, जिला—नबाद)

खूटहा से करमनिया आये, करमनिया से आज़मपुर आये, आजमपुर से धनवारा आये।

पहले मीलन सिंह, दूसरा अमुक (नामालूम)। मीलन सिंह को एक पुत्र नेमचन्द सिंह।

नेमचन्द सिंह को एक पुत्र लूटन सिंह हुए।

लूटन सिंह को दो पुत्र—नवाब सिंह तथा दूसरे जीतन सिंह जो नावारिस ठहरे।

नवाब सिंह को तीन पुत्र—अलखदेव सिंह, जगेसर सिंह, लालनारायण सिंह हुए।

लालनारायण सिंह नावारिस रहे।

अलखदेव सिंह के चार पुत्र मुनेश्वर प्र० सिंह, बीन्देश्वरी प्र० सिंह, तीसरा गया प्रसाद सिंह, चौथा शियाराम सिन्हा हुए।

मुनेशर प्र० सिंह को पाँच पुत्र—नरेश चन्द्र, दूसरा सुरेश चन्द्र, तीसरा दिनेश चन्द्र, चौथा रमेश चन्द्र, पाँचवाँ रत्नेश चन्द्र हुए।

नरेश चन्द्र को तीन पुत्र—रंजन कुमार, दूसरा राजीवनयन, तीसरा रणधीर कुमार हुए।

सुरेश चन्द्र को एक पुत्र—दीपक कुमार हुए।

दीनेश चन्द्र को भी एक पुत्र हुए—प्रमोद कुमार।

बिन्देश्वरी प्र० सिंह को चार पुत्र—रामसनेही सिंह, दूसरा अरबिंद कुमार, तीसरा अजय कुमार, चौथा संजय कुमार हुए।

गया प्रसाद सिंह को तीन पुत्र—मिथिलेश कुमार, दूसरा अवधेश कुमार, तीसरा शैलेश कुमार हुए।

शियाराम सिंह को भी चार पुत्र हुए—देवेन्द्र कुमार, दूसरा अनिल कुमार, तीसरा बिजय कुमार, चौथा अजीत कुमार हुए।

जगेशर सिंह को दो पुत्र—पहला संतु प्र० सिंह, दूसरा बरोदर प्र० सिंह।

Scanned by CamScanner

संतु प्रसाद सिंह को तीन पुत्र—पहला तनीक कुमार, दूसरा बिजय कुमार, तीसरा संजय कुमार हुए ।

मीलन सिंह के दूसरे खुट में दो कुर्सी नामालूम ठहरे । (अज्ञात)

तीसरे कुर्सी में दो भाई—केम्हड़ी सिंह तथा चूल्हन सिंह हुए ।

चूल्हन सिंह नाबारिस ठहरे ।

केम्हरी सिंह के दो लड़के—पहला हरवंश सिंह, दूसरा कैलाश सिंह ठहरे ।

हरबंश सिंह को दो पुत्र—सिधेशर सिंह तथा दूसरा सत्यनारायण सिंह हुए ।

सिधेशर सिंह को दो पुत्र—मधुसूदन सिंह तथा मदन सिंह हुए ।

सत्यनारायण सिंह को तीन पुत्र—उपेन्द्र, योगेन्द्र तथा राजेन्द्र सिंह हुए ।

कैलाश सिंह को एक पुत्र—रामवृक्ष सिंह हुए । रामबृक्ष सिंह को एक पुत्र—पप्पू सिंह हुए ।

Scanned by CamScanner

ग्राम-रोस्तमपुर

ग्राम—रोस्तमपुर, पो०—सम्हरीगढ़, जिला—नवादा।

झमन सिंह को एक पुत्र—नौरतन सिंह हुए। नौरतन सिंह को दो पुत्र—नाथो सिंह तथा हरखू सिंह हुए।

नाथो सिंह को तीन पुत्र हुए—पहला बलराम सिंह, दूसरा रामोतार सिंह, तीसरा चन्द्रिका सिंह।

बलराम सिंह को दो पुत्र—कारु सिंह, गोरेलाल सिंह हुए।

रामोतार सिंह को एक पुत्र—सिन्टु कुमार हुए।

चन्द्रिका सिंह को दो पुत्र मुकेश कुमार तथा संजय कुमार सिंह हुए।

हरखू सिंह नावारिस ठहरे। शहुलो सिंह, शिबु सिंह को एक पुत्र—जागो सिंह द्वारिका सिंह हुए। उसके बाद दूसरे खुट में।

जागो सिंह को पाँच पुत्र—चन्द्रिका सिंह, जयराम सिंह, कृष्णा सिंह, भरत सिंह, छोटे लाल सिंह, रणजीत कुमार हुए। उसके बाद भजु सिंह हुए। बाद में बलदेव सिंह, बिशो सिंह, मथुरा सिंह, बिनोद सिंह हुए।

रोस्तमपुर में रामोतार सिंह। जागो सिंह, दफादार सिंह, मथुरा सिंह हुए।

जागो सिंह के भाई द्वारिका सिंह के दो पुत्र—नेपाली सिंह और संजय कुमार हुए।

●

Scanned by CamScanner

ग्राम—बिष्णुपुर (बेगूसराय बनद्वार)

जिला—बेगूसराय, थाना—बेगूसराय

खुटहा से नारायण सिंह आये, नर सिंह बाबा पट्टी से आये और बिष्णुपुर में बस गये।

नारायण सिंह के भरोसी सिंह और रघुबीर सिंह दो पुत्र हुए।

भरोसी सिंह के एक पुत्र—रामखेलावन सिंह हुए।

रामखेलावन सिंह के तीन पुत्र—तुलो सिंह, रामजी सिंह, रामजतन सिह हुए।

तुलो सिंह के तीन पुत्र—रामचन्द्र सिंह, बाबू साहब सिंह तथा शिवजी सिंह हुए।

शिवजी सिंह के सिर्फ एक पुत्र हुआ—रामअनुज सिंह।

रामजी सिंह के तीन पुत्र—पहला शालीग्राम सिंह, दूसरा शिवशंकर सिंह, तीसरा सुबोध सिंह हुए।

रामजतन सिंह के चार पुत्र—(१) चन्द्रचूल सिंह (२) रामबदन सिंह (३) अर्जुन सिंह (४) भीम सिंह।

चन्द्रमूल सिंह के दो पुत्र—मनटु सिंह, सनटु सिंह हुए।

रघूवीर सिंह के एक पुत्र—सूर्यनारायण सिंह हुए, सूर्यनारायण सिंह के दो पुत्र—चन्दन सिंह तथा अशोक सिंह हुए।

●

Scanned by CamScanner

ग्राम—डीहरी

खुटहा से आजमपुर और आजमपुर से डीहरी आये। उमराव मिश्र इनके दो पुत्र हुए—शुकन मिश्र और गुरन मिश्र हुए।

शुकन मिश्र के भी दो पुत्र—जागो मिश्र और मिशो मिश्र हुए। मीशो मिश्र नाबारिश हुए।

जागो मिश्र के दो पुत्र—कामेश्वर मिश्र और कारू मिश्र हुए। कामेश्वर मिश्र के एक पुत्र—जनार्दन मिश्र हुए। जनार्दन मिश्र के तीन पुत्र—रामउदार मिश्र, रामानुज मिश्र और छोटन मिश्र हुए।

कामेश्वर मिश्र के भाई कारू मिश्र के शिवनंदन और ब्रीजनन्दन मिश्र हुए।

शिवनन्दन मिश्र के दो पुत्र—अशोक और मूना मिश्र हुए।

उमराव मिश्र के दूसरे पुत्र—धूरन मिश्र के तीन पुत्र हुए। महाबीर मिश्र, जूगल मिश्र और शिरदेव मिश्र हुए। जुगल तथा शिरदेव मिश्र नाबारिस ठहरे।

महाबीर मिश्र के एक पुत्र—सीताराम मिश्र हुए।

सीताराम मिश्र के तीन पुत्र—हरिनारायण मिश्र, अनुरुद्ध मिश्र और शिरदेव मिश्र हुए।

दूसरा खूट—नरसिंह मिश्र के तीन पुत्र—किशुन मिश्र, जानकी मिश्र और बालेश्वर मिश्र हुए।

बालेश्वर मिश्र के एक पुत्र—सत्यनारायण मिश्र हुए।

एक खूट ऊपर से ही अमूक का चार पुत्र—शिबदयाल मिश्र, शिबू मिश्र, रामप्रसाद मिश्र और बंशी मिश्र हुए।

दो खूट नाबारिस ढ़हरे शिबु और रामप्रसाद।

शिवदयाल मिश्र के तीन पुत्र—गया मिश्र, राघो मिश्र और अयोध्या मिश्र हुए। राधो मिश्र और अयोध्या मिश्र नाबारिस ठहरे।

गया मिश्र को दो पुत्र—चन्द्रीका मिश्र और मुन्द्रीका मिश्र हुए। मुन्द्रीका मिश्र नाबारिस ढ़हरे।

चन्द्रीका मिश्र को तीन पुत्र—भासो मिश्र, सुरेन्द्र मिश्र और सत्येन्द्र मिश्र हुए।

भासो मिश्र को दो पुत्र—लखन मिश्र और कारू मिश्र हुए।

बंशी मिश्र को एक पुत्र हुए—सुखदेब मिश्र।

Scanned by CamScanner

सुखदेब मिश्र को दो पुत्र—शम्भुशरण मिश्र और घुटरन मिश्र हुए।

दूसरे खूट धीना मिश्र को चोबा मिश्र और महादेब मिश्र नाम के दो पुत्र हुए।

चोबा मिश्र को दो पुत्र हुए। बिनो मिश्र और वीरेश्वर मिश्र हुए। बीनो मिश्र नावारिस ठहरे।

बीरेश्वर मिश्र को एक पुत्र देबी मिश्र हुए।

एक खूट बाबू राम मिश्र को एक पुत्र—डेगन मिश्र हुए।

डेगन मिश्र को दो पुत्र—साधो मिश्र और माधो मिश्र हुए। साधो मिश्र को एक पुत्र सियाशरण मिश्र हुए।

शियाशरण मिश्र को तीन पुत्र—तनिक मिश्र, रामोतार मिश्र और बंथु मिश्र हुए।

माधो मिश्र को भी तीन पुत्र हुए—शोभा मिश्र, गोपाल मिश्र और रामरक्षा मिश्र।

शोभा मिश्र को भी दो पुत्र—देबाश्रय मिश्र और राजो मिश्र हुए। देबाश्रय मिश्र को एक पुत्र—शैलेन्द्र मिश्र हुए।

राजो मिश्र को एक पुत्र—कुमोद मिश्र हुए।

गोपाल मिश्र को दो पुत्र—रामाश्रय और राधे मिश्र हुए।

राधे मिश्र को एक पुत्र—बिपुल मिश्र हुए।

रामरक्षा मिश्र को एक पुत्र अवधेश मिश्र हुए।

लालो मिश्र एक खूट—लालो मिश्र को एक पुत्र मेधन मिश्र हुए।

मेघन मिश्र को पाँच पुत्र—माजुम मिश्र, लाखपत मिश्र, पोखनारायण, छत्रधारी मिश्र और बैजनाथ मिश्र हुए।

माजुम मिश्र को भी एक पुत्र—परमेश्वर मिश्र हुए।

परमेश्वर मिश्र को दो पुत्र सुरेश मिश्र और रामनरेश मिश्र हुए। सुरेश मिश्र को दो पुत्र भुनेशर मिश्र और रामजी मिश्र हुए।

रामनरेश मिश्र को दो पुत्र बबलु, डबलू मिश्र हुए।

लाखपत मिश्र को दो पुत्र—रामस्वरूप और अनुप मिश्र हुए। रामस्वरूप मिश्र को तीन पुत्र—बाल्मीकि, वीपीन और कार्यानन्द मिश्र हुए। बाल्मीकि मिश्र को एक पुत्र—पुपन मिश्र हुए।

अनुप मिश्र को एक पुत्र—किरश मिश्र हुए।

पोखनारायण मिश्र को चार पुत्र—हरिहर मिश्र, शिवदानी मिश्र, रामनन्दन मिश्र, योगेन्द्र मिश्र हुए।

हरिहर मिश्र के दो पुत्र—रवीन्द्र मिश्र और अशोक मिश्र हुए।

Scanned by CamScanner

शिबदानी मिश्र को एक पुत्र—बीन्देश्वर मिश्र हुए।

रामनन्दन मिश्र को एक पुत्र—उपेन्द्र मिश्र हुए।

योगेन्द्र मिश्र को दो पुत्र—राजेशर और राकेश मिश्र हुए।

छत्रधारी मिश्र को चार पुत्र हुए—सरयुग मिश्र, राजेश्वर मिश्र, रामाश्रय मिश्र और गोरेलाल मिश्र।

सरयुग मिश्र को दो पुत्र—रज्जू और बीरजू मिश्र हुए। राजेश्वर मिश्र के भी दो पुत्र—बृन्दा और कारी मिश्र हुए।

गोरेलाल मिश्र के दो पुत्र लखन कुमार मिश्र और अशोक कुमार मिश्र हुए।

बैजनाथ मिश्र के दो पुत्र—रामप्रीति मिश्र और राजेन्द्र मिश्र हुए।

रामप्रीति मिश्र के भी दो पुत्र—रामलगन कुमार और बिजय कुमार हुए।

राजेन्द्र मिश्र के भी दो पुत्र—रामदेव मिश्र और श्यामदेव मिश्र हुए।

महेशपुर ग्राम का वंश वृक्ष

खुटहा से आये श्री अजीत मिश्र की शादी ब्रह्मणपुर में थी। वे ससुराल में ही वस गये। ब्रह्मणपुर का ही नामाकरण महेशपुर से हुआ। श्री अजीत मिश्र के चार पुत्र—(१) शिवदयाल मिश्र (२) चण्डी मिश्र (३) छत्रधारी मिश्र (४) रणजीत मिश्र।

शिवदयाल मिश्र के एक पुत्र दिगम्बर मिश्र। दिगम्बर मिश्र ना० रहे।

छत्रधारी मिश्र के एक पुत्र वैरम मिश्र। ये निःसन्तान रहे। रणजींत मिश्र भी निःसंतान रहे।

चण्डी मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) भगलू मिश्र (२) वजरंग मिश्र। भगलू मिश्र के दो पुत्र (१) वंशी मिश्र (२) मुन्नी मिश्र।

वंशी मिश्र के तीन पुत्र हुए—(१) देवकीनन्दन मिश्र (२) लखनलाल मिश्र (३) सीताराम मिश्र।

देवकीनन्दन मिश्र के एक पुत्र हरिवल्लभ मिश्र थे। हरिवल्लभ मिश्र के दो पुत्र शिवदानी मिश्र और जीतेन्द्र मिश्र हैं। जीतेन्द्र मिश्र के एक पुत्र नीतेश मिश्र हैं।

लखनलाल तथा सीताराम मिश्र नावल्द रहे। मूंशी मिश्र के एक पुत्र मेदनी मिश्र थे। मेदनी मिश्र निःसंतान रहे।

वजरंग मिश्र के तीन पुत्र (१) महिप नारायण (२) हितनारायण मिश्र (३) पलक धारी मिश्र, महिप नारायण मिश्र के दो पुत्र—(१) रामेश्वर मिश्र (२) रत्नेश्वर मिश्र।

रामेश्वर मिश्र के दो पुत्र (१) उमाशंकर मिश्र (२) भवानी शंकर मिश्र।

उमाशंकर मिश्र के एक पुत्र वैष्णवी शंकर मिश्र हैं।

रत्नेश्वर मिश्र के चार पुत्र (१) बालेश्वर मिश्र (२) उदय शंकर मिश्र (३) गौरी शंकर मिश्र (४) दुर्गा शंकर मिश्र हैं।

बालेश्वर मिश्र के एक पुत्र सींटू मिश्र हैं। हितनारायण मिश्र के तीन पुत्र (१) परमेश्वरी मिश्र (२) मथुरा प्रसाद मिश्र (३) राजेश्वर मिश्र हैं।

परमेश्वरी मिश्र के दो पुत्र (१) गुप्तानन्दन मिश्र (२) सच्चिदानन्द मिश्र हैं गुप्तानन्द मिश्र के पाँच पुत्र (१) अमरेन्द्र मिश्र (२) नरेन्द्र मिश्र (३) दिलीप मिश्र (४) गोपाल मिश्र (५) नीरज मिश्र। सच्चिदानन्द मिश्र के दो पुत्र (१) पंकज मिश्र (२) जय कपूर मिश्र हैं।

Scanned by CamScanner

मथुरा प्रसाद मिश्र के दो पुत्र (१) मदनमुरारी मिश्र (२) कृष्ण मुरारी मिश्र हैं।

राजेश्वर मिश्र के दो पुत्र विजय कुमार मिश्र और अरूण कुमार मिश्र है।

विजय कुमार मिश्र के तीन (१) मनोज कुमार मिश्र (२) सरोज कुमार मिश्र (३) अनुज कुमार मिश्र हैं।

पता :—(१) उमाशंकर मिश्र (२) रामशंकर मिश्र
(३) रत्नेश्वर मिश्र (४) मथुरा मिश्र
ग्राम—महेशपुर, पो०—महेशपुर, भाया—बरियारपुर, जि०—मुंगेर।

Scanned by CamScanner

पचमहला का वंश वृक्ष

श्री मंगर मिश्र का खुटहा के पचमहला में ननिहाल हुआ और वे वहीं बस गये।

मंगर मिश्र के तीन पुत्र (१) सुजू मिश्र (२) जनकधारी मिश्र ना० (३) तिलकधारी मिश्र।

सुजू मिश्र के दो पुत्र (१) जगदीश मिश्र (२) विलायती मिश्र।

जगदीश मिश्र के चार पुत्र (१) परमानन्द मिश्र (२) सदानन्द मिश्र (३) ललित मिश्र (४) हरिशंकर मिश्र।

विलायती मिश्र के तीन पुत्र—१. हरिकान्त मिश्र २. सुधीर मिश्र ३. गोपाल मिश्र। जनकधारी मिश्र नावल्द।

तिलकधारी मिश्र के तीन पुत्र (१) उपेन्द्र नारायण मिश्र (२) रामानन्द मिश्र (३) मधुसूदन मिश्र।

उपेन्द्र नारायण मिश्र के एक पुत्र संजीत मिश्र।

रामानन्द मिश्र के तीन पुत्र—(१) राजकुमार मिश्र (२) मुन्ना मिश्र (३) बबलू मिश्र।

●

हिरदन बीघा

श्री गोनर मिश्र, ग्राम खुटहा वाले की शादी हिरदन बीधा में हुई और वे वहीं बस गये।

गोनर मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) गुरा मिश्र (२) छोटू मिश्र (३) जागो मिश्र नावल्द।

गुरा मिश्र के तीन पुत्र (१) द्वारिका मिश्र ना० (२) अम्बिका मिश्र ना० (३) किशोरी मिश्र। किशोरी मिश्र के एक पुत्र मनबोध मिश्र।

श्री त्रिलोकी सिंह खुटहा वाले की हिरदन बीघा में शादी हुई। वे भी वहीं रह गये और वहीं इनका वंश विस्तार हुआ।

त्रिलोकी सिंह के दो पुत्र—(१) ऊजा सिंह (२) दुर्गी सिंह —नावल्द।

ऊजा सिंह के पाँच पुत्र—(१) अम्बिका सिंह (२) बच्चू सिंह—ना०। (३) किशोरी सिंह ना०। (४) गौरी सिंह ना० (५) राजो सिंह ना०।

अम्बिका सिंह के दो पुत्र—(१) चतुर्भुज सिंह (२) रामाकान्त सिंह।

चतुर्भुज सिंह के दो पुत्र—(१) मुकेश सिंह (२) मनोज सिंह।

●

Scanned by CamScanner

रेबार

खुटहा से बासिन्दे रेबार श्रीशिव मिश्र के वंशज बाबू मुहकम मिश्र आये

मुहकम मिश्र—

मुहकम मिश्र के एक पुत्र टेका मिश्र हुए। टेका मिश्र के तीन पुत्र (१) सीताराम मिश्र (२) सामली मिश्र नावल्द (३) कन्हैया मिश्र नावल्द हुए।

सीताराम मिश्र के तीन पुत्र (१) भिखारी मिश्र (२) दुर्बिजय मिश्र, (३) नीलाम्बर मिश्र हुए।

भिखारी मिश्र के तीन पुत्र—(१) छतर मिश्र (२) हितो मिश्र (३) चुटर मिश्र नावल्द हुए।

छतर मिश्र के दो पुत्र (१) जगदीप मिश्र, (२) गणेश मिश्र हुए जो नावल्द ठहरे।

जगदीप मिश्र के चार पुत्र (१) राम मिश्र (२) वेसर मिश्र (३) यदु मिश्र (४) कामेश्वर मिश्र, इनमें वेसर, यदु और कामेश्वर नावल्द हुए।

राम मिश्र के चार पुत्र हुए (१) दशरथ मिश्र (२) अखलेश्वरी मिश्र, नावल्द (३) कृष्ण (४) वृजनन्दन मिश्र।

दशरथ मिश्र के दो पुत्र (१) सुरेन्द्र मिश्र (२) निरंजन मिश्र हुए।

अखलेश्वरी मिश्र नावल्द हुए।

कृष्ण मिश्र के तीन पुत्र—(१) सुभाष (२) अभय मिश्र (३) अजय मिश्र हुए।

वृजनन्दन मिश्र के एक पुत्र शंभुशरण मिश्र हुए।

भिखारी मिश्र के भाई दुर्बिजय मिश्र के पांच पुत्र हुए—(१) बुलाकी मिश्र (२) रामसहाय मिश्र (३) झुंमक मिश्र (४) दौलत मिश्र (५) वजीर मिश्र हुए।

बुलाकी मिश्र के दो पुत्र हुए—(१) कुलदीप मिश्र (२) रघुवीर मिश्र।

कुलदीप मिश्र के तीन पुत्र हुए (१) भागवत मिश्र (२) वासुदेव मिश्र (३) गीता मिश्र।

भागवत मिश्र के एक पुत्र—दुलारी मिश्र, इनको एक पुत्र श्याम सुन्दर मिश्र हुए।

वासुदेव मिश्र के दो पुत्र (१) शिवनन्दन मिश्र (२) प्रह्लाद मिश्र हुए। शिवनन्दन मिश्र नावल्द हुए।

प्रह्लाद मिश्र के तीन पुत्र...(१) दिनेश मिश्र (२) सुरेश मिश्र (३) नरेश मिश्र।

Scanned by CamScanner

गीता मिश्र के एक पुत्र—गंगा प्र० मिश्र। इनके भी एक पुत्र—अरूण कुमार मिश्र हुए।

कुलदीप मिश्र के के भाई रघुवीर मिश्र के सात पुत्र हुए—(१) रामेश्वर मिश्र, (२) अम्बिका मिश्र, नावल्द ठहरे, (३) बनारस मिश्र नावल्द ठहरे, (४) बालेश्वर मिश्र, (५) केदार मिश्र, (६) उमा मिश्र, (७) यमुना मिश्र।

रामेश्वर मिश्र के एक पुत्र—दया मिश्र! दया मिश्र के एक पुत्र—सूर्यदेव मिश्र। इनके एक पुत्र—शंभूशरण मिश्र हुए।

बालेश्वर मिश्र के एक पुत्र—सवल किशोर मिश्र हुए।

केदार मिश्र नावल्द ठहरे।

उमा मिश्र के दो पुत्र—(१) रामाशीष मिश्र, (२) जनार्दन मिश्र। जनार्दन मिश्र के एक पुत्र—संजय मिश्र हुए।

दुर्विजय मिश्र के दूसरे पुत्र—राम सहाय मिश्र के दो पुत्र—(१) लाल मिश्र, (२) महावीर मिश्र हुए। लाल मिश्र नावल्द ठहरे। महावीर मिश्र के एक पुत्र—शिवदानी मिश्र हुए।

दुर्विजय मिश्र के तीसरे पुत्र झुमक मिश्र के दो पुत्र—(१) पलकधारी मिश्र, (२) द्वारिका मिश्र हुए।

पलकधारी मिश्र नावल्द ठहरे।

द्वारिका मिश्र के दो पुत्र—(१) नवल किशोर, (२) जयनाथ मिश्र। नवल किशोर के दो पुत्र—(१) अरविंद मिश्र, (२) रामसागर मिश्र।

जयनाथ मिश्र के भी दो पुत्र—(१) अशोक कुमार, (२) संजय कुमार मिश्र हुए।

दुर्विजय मिश्र के चौथे पुत्र—दौलत मिश्र, के दो पुत्र—(१) बनवारी मिश्र, (२) बालदेव मिश्र। बालदेव मिश्र नावल्द ठहरे।

बनवारी मिश्र के दो पुत्र—(१) चन्द्रिका मिश्र नावल्द ठहरे। (२) मुन्द्रिका मिश्र के पाँच पुत्र हुए—(१) राधारमन मिश्र, (२) श्री निवास मिश्र, (३) प्रमोद कुमार मिश्र, (४) परमानन्द मिश्र, (५) रामानुज मिश्र।

श्री निवास मिश्र के एक पुत्र—संजीव कुमार।

दुर्विजय के पाँचवें पुत्र—वजीर मिश्र के दो पुत्र—(१) गजाधर मिश्र, (२) मटुकधारी मिश्र।

गजाधर मिश्र के तीन पुत्र—(१) प्रकाश मिश्र, (२) कपिल मिश्र, (३) राजेन्द्र मिश्र।

Scanned by CamScanner

प्रकाश मिश्र के तीन पुत्र—(१) मदन मिश्र, (२) विद्या मिश्र, (३) अर्जुन मिश्र। मदन मिश्र के तीन पुत्र—राम किशोर मिश्र, (२) वल्लभ मिश्र, (३) उदय मिश्र हुब।

कपिल मिश्र के एक पुत्र—रामचरित्र मिश्र। रामचरित्र मिश्र के एक पुत्र—नवीन कुमार मिश्र। राजेन्द्र मिश्र के एक पुत्र—गोरेलाल मिश्र हुए।

भिखारी मिश्र एवं दुर्विजय मिश्र के भाई नीलाम्बर मिश्र के दो पुत्र—(१) वैद्यनाथ मिश्र, (२) छक्कन मिश्र नावल्द। बैद्यनाथ मिश्र के भाई अलखदेव मिश्र के तीन पुत्र—(१) विजय कुमार, (२) गोपाल मिश्र, (३) मनोज कुमार मिश्र हुए।

Scanned by CamScanner

अभयपुर

खुटहा के शिव बाबा पट्टी से जो अभयपुर आये।

अमुक मिश्र के दो पुत्र—(१) मंशा मिश्र, (२) रामभरोसा मिश्र।

मंशा मिश्र के दो पुत्र—(१) उदा मिश्र, (२) जवाहर मिश्र। उदा मिश्र के चार पुत्र हुए—(१) विरन मिश्र नावल्द, (२) देवत मिश्र, (३) बाँके मिश्र, (४) काली मिश्र नावल्द।

देवत मिश्र के दो पुत्र—(१) रामाधीन मिश्र, (२) धुन्धबहादुर मिश्र नावल्द।

रामाधीन मिश्र के चार पुत्र—(१) रामानुग्रह मिश्र, (२) रामेश्वर मिश्र, (३) विश्वनाथ मिश्र, (४) केदार मिश्र।

रामानुग्रह मिश्र के चार पुत्र—(१) अनील कुमार मिश्र, (२) सुनील कुमार मिश्र, (३) अखिल मिश्र, (४) निखिल मिश्र।

उदा मिश्र के भाई जवाहर मिश्र के दो पुत्र—(१) पवन मिश्र, (२) झुमन मिश्र। पवन मिश्र के दो पुत्र—(१) पिताम्बर मिश्र, (२) मटुकी मिश्र नावल्द। पिताम्बर मिश्र के एक पुत्र—यमुना मिश्र।

झुमन मिश्र के एक पुत्र—नकट मिश्र। इनके भी एक पुत्र—हृदय मिश्र। हृदय मिश्र के दो पुत्र—(१) परमेश्वर मिश्र, (२) राजेन्द्र मिश्र।

मंशा मिश्र के भाई रामभरोस मिश्र के एक पुत्र—झमन मिश्र। झमन मिश्र के दो पुत्र—(१) जागो मिश्र, (२) गरभू मिश्र।

जागो मिश्र के दो पुत्र (१) शिवशरण मिश्र, (२) रामशरण मिश्र। शिवशरण मिश्र के एक पुत्र—बलदेव मिश्र। बलदेव मिश्र के दो पुत्र—(१) ब्रह्मदेव मिश्र, (२) उपेन्द्र मिश्र।

रामशरण मिश्र के तीन पुत्र—१. शीतल मिश्र, २.बद्री मिश्र, ३. आनन्दी मिश्र।

शीतल मिश्र के दो पुत्र—(१) सुखदेव मिश्र, (२) वासुदेव मिश्र।

झमन मिश्र के दूसरे पुत्र—गरभू मिश्र के तीन पुत्र—(१) गंगा मिश्र, (२) गोविंद मिश्र, (३) मुंशी मिश्र।

गंगा मिश्र के पाँच पुत्र—(१) विष्णुदेव मिश्र, (२) श्यामसुन्दर मिश्र, (३) भूम मिश्र, (४) विनो मिश्र, (५) छोटेलाल मिश्र।

विष्णुदेव मिश्र के एक पुत्र—धरनीधर मिश्र।

गंगा के भाई गोविंद के एक पुत्र—मोहन मिश्र। मुंशी के भी एक पुत्र—रतनेश्वर मिश्र।

Scanned by CamScanner

श्री गणेशाय नमः

वंश वृक्ष-ग्राम करकी

ग्राम—करकी, पो०—बेलछी, भाया—शेखपुरा, थाना—अरयरी, जिला—मुंगेर।

श्री गोपी सिंह खुटहा के नरसिंह पट्टी से करकी गये।

श्री गोपी सिंह को एक लड़का श्री मंगर सिंह। मंगर सिंह को भी एक ही लड़का टेरन सिंह। टेरन सिंह को भी एक ही पुत्र भातू सिंह, भातू सिंह को भी एक ही पुत्र एतवारी सिंह। एतवारी सिंह को दो पुत्र तीताय सिंह एवं रामखेलावन सिंह। तीताय सिंह को पाँच पुत्र प्रथम पुत्र वांके सिंह, दूसरे हरदेव सिंह, तीसरे साधु सिंह, चौथे अर्जुन सिंह एवं पंचम मुन्द्रिका सिंह।

वांके सिंह को एक पुत्र अनिल कुमार। हरदेव सिंह को तीन पुत्र—श्रवण कुमार, मनोज सिंह। तीसरे साधु सिंह को दो पुत्र—सुधीर प्रसाद सिंह एवं ववन प्रसाद सिंह।

चौथे पुत्र अर्जुन सिंह को दो पुत्र—सतीश कुमार। पाँचवे पुत्र मुन्द्रिका सिंह को एक पुत्र पप्पू कुमार।

अब एतवारी सिंह के दूसरे पुत्र राम खेलावन सिंह की वंशावली।

रामखेलावन सिंह को एक पुत्र राधेश्याम।

श्री नथ्थु सिंह—दूसरे शाखा की वंशावली

श्री नथ्थु सिंह को दो पुत्र वासो सिंह एवं नन्दे सिंह।

वासो सिंह को चार पुत्र—पहले पुत्र वजरंगी सिंह, दूसरे पुत्र रामस्वरूप सिंह, तीसरे रामदेव सिंह, चौथे अधिक प्रसाद।

प्रथम पुत्र वजरंगी सिंह को तीन पुत्र पहले रवीन्द्र सिंह, दूसरे रामवृक्ष, एवं वावू लाल।

रामस्वरूप सिंह को तीन लड़के प्रथम राम बिलास, दूसरे घुरानी सिंह तीसरे जयराम सिंह।

रामदेव सिंह को पाँच पुत्र—प्रथम रामचरित्र सिंह, दूसरे टूना सिंह, तीसरे गुपेश कुमार, चौथे वीजो कुमार एवं पाँचवें वोस प्रसाद सिंह।

Scanned by CamScanner

औगान

(नर सिंह पट्टी से औगान)

श्री खगपति मिश्र की शादी औगान ग्राम में हुई। शादी के कुछ दिन बाद श्री खगपति मिश्र खुटहा ग्राम से अपने ससुराल औगान ग्राम चले आये जिसका वंश वृक्ष निम्न प्रकार है :—

खगपति मिश्र

श्री खगपति मिश्र को एक पुत्र श्री गजराज मिश्र जी हुए। गजराज मिश्र जी को दो बालक हुए एक श्री दुखरन मिश्र, दूसरे रितु मिश्र नावारिस हो गये।

दुखरन मिश्र को दो बालक पहले रामशरण मिश्र, दूसरे पलकधारी मिश्र हुए।

फिर रामशरण मिश्र को एक पुत्र श्री शिवनंदन मिश्र को चार पुत्र—पहले महेशनंदन, दूसरे उमेशनन्दन, तीसरे रमेशनन्दन, एवं चौथे अवधेश मिश्र हुए।

दुखरन मिश्र के दूसरे बालक पलकधारी मिश्र को चार बालक—बड़े राम बहादुर मिश्र, २रे जगधर मिश्र, तीसरे देवनारायण मिश्र एवं चौथे नारायण मिश्रजी हुए।

देवनारायण मिश्र जी को तीन बालक हुए—१ले संजय, २रे राजीव एवं तीसरे सुधीर मिश्रजी हुए।

Scanned by CamScanner

सांभो अकबरपुर ४० टोला

वासिन्दे सांभो अकबरपुर ४० टोला। खुटहा के नरसिंह मिश्र पट्टी से आये सुफल मिश्र।

श्री सुफल मिश्र जी को तीन वालक भुअन मिश्र, चोआ मिश्र एवं शिवदत्त मिश्र।

चोआ मिश्र और शिवदत्त मिश्र नावारिस हुए।

भुअन मिश्र को चार पुत्र—पहले चुल्ही मिश्र, दूसरे किरत मिश्र, तीसरे आधा मिश्र और चौथे लालजी मिश्र हुए।

चुल्ही मिश्र को चार पुत्र सीसो मिश्र, वाजीत मिश्र, रघुवीर मिश्र एवं वंशी मिश्र हुए।

सीसो मिश्र को एक पुत्र बहादुर मिश्र हुए। बहादुर मिश्र को तीन पुत्र सदानन्द मिश्र, बाबू साहब मिश्र एवं उदय मिश्र हुए।

वाजीत मिश्र, रघुवीर मिश्र एवं वंशी मिश्र नावारिस हुए।

भुअन मिश्र के दूसरे पुत्र—किरत मिश्र जी को चार पुत्र पहले चुन्नी मिश्र दूसरे भोजराज मिश्र, तीसरे टोरल मिश्र एवं चौथे गनपति मिश्र हुए।

चुन्नी मिश्र को तीन पुत्र पहले महावीर मिश्र, दूसरे जय प्रकाश मिश्र एवं तीसरे बौधू मिश्रजी हुए।

किरत मिश्र जी के चार पुत्रों में दूसरे भोजराज एवं चौथे गनपति मिश्र नावारिस हुए।

तीसरे पुत्र टोरल मिश्र को तीन पुत्र सीसो मिश्र, कमलधारी मिश्र एवं ब्रह्मदेव मिश्र हुए।

कमलधारी को दो पुत्र चन्द्रशेखर और वाल्मीकि हुए।

भुअन मिश्र के तीसरे पुत्र आधा मिश्र को एक पुत्र मीता मिश्र, मीता मिश्र को १ पुत्र द्वारिका मिश्र, द्वारिका मिश्र को १ पुत्र व्यास मिश्र। व्यास मिश्र को २ पुत्र रामोतार मिश्र और जयजय राम मिश्र हुए।

रामोतार को ४ पुत्र रामाशीष मिश्र, रामसहीन मिश्र, नवीन मिश्र और बमबम मिश्र हुए।

लालजी मिश्र को १ पुत्र रामेश्वर मिश्र हुए।

Scanned by CamScanner

जोकिया

खुटहा के चेतन टोला के दरप वावा पट्टी से भगवान मिश्र जोकिया आये। भगवान सिंह का जोकिया में ननिहाल था।

भगवान मिश्र को सात पुत्र—(१) महावीर मिश्र (२) बद्रीनारायण मिश्र (३) गीता प्र० मिश्र (४) रामदेव मिश्र (५) रामसुन्दर मिश्र (६) जतन मिश्र (७) देवनारायण मिश्र हुए। महावीर मिश्र, बद्रीनारायण मिश्र, रामजतन मिश्र और देवनारायण मिश्र नावारिस हुए।

भगवान प्रसाद के तीसरे पुत्र गीता प्रसाद मिश्र को दो पुत्र—रामचन्द्र मिश्र और शिवनन्दन मिश्र हुए।

रामचन्द्र मिश्र को हृदयनारायण मिश्र और लक्ष्मीनारायण मिश्र हुए।

शिवनन्दन मिश्र को एक पुत्र हुए—विजय कुमार मिश्र।

भगवान मिश्र के चौथे पुत्र रामदेव मिश्र को तीन पुत्र—(१) चन्द्रदेव मिश्र (२) जनार्दन मिश्र और (३) रामकल्याण मिश्र हुए।

चन्द्रदेव मिश्र को विपिन कुमार और जनार्दन मिश्र को संजय कुमार मिश्र हुए।

भगवान मिश्र के पाँचवें पुत्र रामसुन्दर मिश्र को तीन पुत्र—दिनेश मिश्र, राजेन्द्र मिश्र और उमेश मिश्र हुए। दिनेश मिश्र को तीन पुत्र चक्रवर्ती मिश्र, राजेश मिश्र और मुकेश मिश्र हुए।

राजेन्द्र मिश्र को एक पुत्र कृष्ण कुमार हुए।

Scanned by CamScanner

टेकनपुरा

(मंझला बीघा)

(दरपबाबा पट्टी खुटहा से)

आशा मिश्र खुटहा से टेकनपुरा आये। इनको पाँच पुत्र—(१) पंथु, (२) ओवराज, ३-४-५ (अज्ञात)। पंथु मिश्र को दो पुत्र हुए—पहला गोनर मिश्र, दूसरा बूना मिश्र। गोनर मिश्र नाबारिस हुए। बूना मिश्र को दो पुत्र हुए। पहला भूलोटन मिश्र, दूसरा मंगल मिश्र।

भूलोटन मिश्र को तीन पुत्र—(१) कमलधारी मिश्र (२) सीताराम मिश्र (३) बाल्मीकि मिश्र। कमलधारी मिश्र को तीन पुत्र हुए—रामचन्द्र मिश्र, महेन्द्र मिश्र और मदन मिश्र। महेन्द्र मिश्र को एक पुत्र—दर्शन मिश्र हुए। रामचन्द्र मिश्र नावारिस। मदन मिश्र को एक पुत्र—श्यामदेव।

भूलोटन मिश्र के दूसरे पुत्र—सीताराम मिश्र को दो पुत्र—हरिश्चन्द्र मिश्र, जटाधारी मिश्र।

हरिश्चन्द्र मिश्र को तीन पुत्र—सुरेन्द्र मिश्र, विपिन मिश्र, अकेला मिश्र। जटाधारी को एक पुत्र फूचर मिश्र हुए। भूलोटन मिश्र के तीसरे पुत्र—बाल्मीकि मिश्र को दो पुत्र हुए—राजनीति मिश्र और नाथो मिश्र। राजनीति मिश्र को दो पुत्र ललन और बबन कुमार हुए।

बूना मिश्र के दूसरे पुत्र मंगल मिश्र को दो पुत्र हुए—रामरक्षा मिश्र और रासो मिश्र। रामरक्षा मिश्र को दो पुत्र—चन्द्रदीप मिश्र और रामउदगार मिश्र।

चन्द्रदीप मिश्र को दो पुत्र—अजित मिश्र और सुरेश मिश्र। सुरेश मिश्र को दो पुत्र राजीव और संजीव मिश्र हुए।

रामरक्षा मिश्र के दूसरे पुत्र राम उदगार मिश्र को तीन पुत्र—अरबिंद मिश्र, नवीन मिश्र और शंभू मिश्र।

मंगल मिश्र के दूसरे पुत्र—रासो मिश्र को दो पुत्र—रामदेव मिश्र और कपिलदेव मिश्र।

रामदेव मिश्र को दो पुत्र—रामप्रकाश मिश्र और रामविनोद मिश्र।

कपिलदेव मिश्र को तीन पुत्र—सच्चिदानन्द मिश्र, सागर मिश्र और विद्यानन्द मिश्र हुए।

मनि अप्पा (बेगूसराय)

सुखदेव मिश्र के दो संतान—राजेश्वर मिश्र, नवीन मिश्र। इसके बाद इनका कोई आगे वंश ही नहीं चला।

Scanned by CamScanner

जगतपुरा

खुटहा से जगतपुरा आये हैं लीला मिश्र।

जगतपुरा, पो० थर्मल पावर बरौनी, जिला—बेगूसराय।

लीला मिश्र को एक ही पुत्र खेदु मिश्र हुए। खेदू मिश्र को एक ही पुत्र वुद्धु मिश्र हुए। वुद्धु मिश्र को दो पुत्र हुए मंगल सिंह और नीरस सिंह। मंगल सिंह को चार पुत्र हुए—कैलाश सिंह, भूनी सिंह, सिया सिंह एवं नूनूबाबू सिंह।

कैलास सिंह को दो पुत्र रामबालक सिंह और देवनन्दन सिंह हुए। देवनन्दन को एक पुत्र सुनील कुमार हुए।

भूनी सिंह नावारिस हुए।

सिया सिंह को दो पुत्र उमाकान्त सिंह और रामशंकर मिश्र हुए।

उमाकान्त को दो पुत्र विजय कुमार और पप्पू कुमार। विजय कुमार को रिंकू कुमार नाम के एक पुत्र हुए।

रामशंकर बाबू को दो पुत्र बबलू कुमार और भोला कुमार हुए।

नूनू बाबू को दो लड़के किसुनदेव और बलराम हुए। किसुनदेव को एक पुत्र विपिन कुमार हुए। बलराम को एक पुत्र नागेश कुमार हुए।

वुद्धु मिश्र के दूसरे पुत्र नीरस सिंह को चार पुत्र हुए—रामबाबू सिंह, लक्ष्मीश्वर सिंह, सुरेश सिंह और अंजनी कुमार। रामबाबू को दो लड़के दिनेश कुमार और लल्लू कुमार हुए। लक्ष्मीश्वर सिंह को भी दो लड़के मुनचुन कुमार और रमेश कुमार। सुरेश सिंह को एक पुत्र श्यामलेश कुमार उर्फ पिंकू कुमार।

Scanned by CamScanner

ओलीपर, जमालपुर (मुंगेर)

खुटहा के शिव बाबा पट्टी से रघुवीर मिश्र जी ओलीपुर आकर अपना घर बसाया :—

श्री रघुवीर मिश्र जी को दो पुत्र—बादल मिश्र और मेघु मिश्र हुए। बादल मिश्र को एक बालक चुल्हाय मिश्र जी हुए। चुल्हाय मिश्र को भी एक ही पुत्र तीन कौरी मिश्र हुए।

मेघू मिश्र को तीन बालक—हुकुम, उदित और रिसाल मिश्र हुए। हुकुम को पाँच पुत्र जीवलाल, रामलाल, विश्वनाथ, जानकी और श्रीनाथ मिश्र हुए।

जीवलाल, रामलाल और जानकी नावारिस हुए।

विश्वनाथ को तीन बालक—मिश्री मिश्र, ब्रह्मदेव मिश्र, सुखदेव मिश्र हुए। मिश्री को दो बालक—चन्दर और अनिल। ब्रह्मदेव को एक बालक उपेन्द्र मिश्र, सुखदेव को एक बालक रवीन्द्र। श्रीनाथ को तीन बालक—बीनो मिश्र, अर्जुन, सहदेव। फिर बीनो को तीन बालक—सुनीति, सतीश और गिरीश मिश्र हुए।

Scanned by CamScanner

सबौरा

पता—कमलेश्वरी सिंह, रामनन्दन सिंह। ग्राम—सबौरा, पो०—नूरपुर (रिफाइनरी), जिला—बेगूसराय

इसी ग्राम के मोहन सिंह के परपोता भोला सिंह अपने ननिहाल—बीहट जाकर बस गये।

खुटहा के माघो बाबा पट्टी से श्री कैलू सिंह, श्री रामधारी सिंह एवं श्री कलोरे सिंह सबौरा आये। श्री कैलू सिंह को एक पुत्र श्री सीया सिंह हुए। श्री सिया सिंह को दो पुत्र श्री दशरथ सिंह और श्री सहदेव सिंहजी हुए। रामधारी सिंह को चार पुत्र हुए श्री नारायण सिंह, श्री शुलेन्द्र सिंह, श्री नन्दलाल सिंह और श्री आनन्दी सिंह।

कलोरे सिंह को दो पुत्र त्रिवेणी भगत और दुलहा सिंह हुए। त्रिवेणी भगत को तीन पुत्र—शिवनन्दन सिंह, रामनन्दन सिंह और हरिनन्दन सिंह हुए।

दुल्हा सिंह को कमलेश्वरी सिंह, परमानन्द सिंह, वकील सिंह और विजय कुमार चार पुत्र हुए।

झरी सिंह को दो पुत्र बद्री सिंह और लखन सिंह हुए—बद्री सिंह को दो पुत्र राजो सिंह और विजय सिंह हुए।

जगदम्बी सिंह को भी दो पुत्र हुए—राघो सिंह और चीतर सिंह।

सौदागर सिंह को एक पुत्र राम बहादुर सिंह हुए।

●

Scanned by CamScanner

सिंघौल पोखर—ऊलाव

खुटहा के दरप बाबा पट्टी से आये सिंघौल पोखर लेकिन आना-जाना रहा।

श्री गनु मिश्र। गनु को एक बेटा दुःखा मिश्र, दुःखा मिश्र के एक बेटा मीतर जीत मिश्र। मीतर जित मिश्र को एक बेटा राधो मिश्र, राधो मिश्र को एक बेटा बच्चा मिश्र।

●

प्रतापपुर

श्री गरीबदास और नारायण दास दो सज्जन खुटहा से प्रतापुर आये।

(शिवबाबा पट्टी खुटहा से)

श्रीगरीब दास को एक पुत्र नेम सिंह, नेम सिंह को एक पुत्र नौरंगी सिंह, नौरंगी सिंह को एक पुत्र बिम्ब करेश सिंह।

नारायण दास को एक पुत्र कमल नयन सिंह। कमल नयन सिंह को एक पुत्र राधो सिंह, राधो सिंह को तीन पुत्र जोगो सिंह, नन्द किशोर सिंह, सुरेश सिंह। सुरेश सिंह को एक पुत्र पिन्टू।

●

रामे ग्राम का वंशावली

(माधो बाबा पट्टी खुटहा से)

बसंत सिंह और बलराम सिंह, ग्राम—रामे, पो०—कहुआरा, जिला—नबादा

सागर सिंह और लालो सिंह दो सज्जन भाई रामे आये।

सागर सिंह को दो पुत्र कूलो सिंह और महावीर सिंह। कूलो सिंह नावारिस हुए। महावीर सिंह को एक पुत्र वसंत सिंह हुए। वसंत सिंह को दो पुत्र बलराम और रामाश्रय हुए। बलराम को एक पुत्र राणा प्रताप।

लालो सिंह को एक पुत्र जगदीश जो नावारिस हुए।

●

Scanned by CamScanner

अरई ग्राम

पता :—ग्राम—अरई, पो०—अरई, जि०—गया, प्रखण्ड—अतरी, माया नारदीगंज ।

वालेश्वर मिश्र के तीन पुत्र—(१) झमन मिश्र (२) गाजो मिश्र (३) वेदू मिश्र । वेदू मिश्र के दो पुत्र (१) गनी सिंह (२) नेमधारी सिंह । गनी सिंह के दो पुत्र (१) बलदेव सिंह (२) इन्द्रदेव सिंह ।

इन्द्रदेव सिंह के दो पुत्र—(१) प्रमोद कुमार (२) मिथिलेश कुमार ।

प्रमोद कुमार को अभी एक पुत्र हुआ है जिसका नाम चि० विवेक है, मिथिलेश कुमार अभी अविवाहित हैं ।

बलदेव सिंह (ना०) जो अभी जीवित हैं उनका उम्र लगभग ५६ वर्ष है। १९५२ से ५६ तक निर्विरोध मुखिया रह चुके हैं । इनके मुखिया काल में पंचायत के प्रत्येक ग्राम में स्कूल, कहीं पुस्तकालय, व्यायाम शाला इत्यादि की व्यवस्था हुई ।

सामाजिक संस्थाओं का निर्माण हुआ है (१) इन्द्रदेव सिंह १९५५ से जमुई कॉलेज के प्रोफेसर हैं । इनके दो लड़के (१) प्रमोद कुमार—पटना मेडिकल कॉलेज से एम० बी० बी० एस० करने के बाद अभी लालटेन गंज में नियुक्त हैं, ना० (२) मिथिलेश कुमार दिल्ली में बी० एस० सी० में पढ़ रहे हैं ।

Scanned by CamScanner

वारत

ग्राम—वारत, थाना-अंचल—नरहट, जिला—नवादा

खुटहा के माधो बाबापट्टी से मायापुर और फिर मायापुर से वारत आये।

धमड़ मिश्र के एक पुत्र—भत्तु मिश्र हुए। भतु मिश्र के एक पुत्र—मोदी मिश्र हुए। मोदी मिश्र के एक पुत्र—जगरनाथ मिश्र हुए।

जगरनाथ मिश्र के तीन पुत्र हुए—बालेश्वर मिश्र, कामेश्वर मिश्र और राजो मिश्र। बालेश्वर मिश्र के एक पुत्र—रामविलास मिश्र हुए। कामेश्वर मिश्र के एक पुत्र—रामअधिन मिश्र हुए। राजो मिश्र के दो पुत्र—श्रीकान्त और भोला मिश्र हुए।

(उत्तर वाड़ी टोला)

●

ग्राम—वारत

पुबारी टोला

बहोड़ा मिश्र के एक पुत्र—भीक्षुक मिश्र हुए। भिक्षुक मिश्र के एक पुत्र—जलधारी मिश्र हुए। जलधारी मिश्र के एक पुत्र—वीरो मिश्र हुए। वीरो मिश्र के के दो पुत्र हुए—लालो मिश्र और उमेश मिश्र। फिर लालो मिश्र के दो पुत्र हुए—रामाधीन मिश्र और नागेश्वर मिश्र।

●

Scanned by CamScanner

नवाजगह

पो०—नेवा जगह, थाना—बारसलीगंज, जिला—नवादा

नरसिंह पट्टी से नीरवान मिश्र आये

नीरवान मिश्र के पाँच पुत्र हुए—वाजो मिश्र, तूफानी मिश्र, गोपाल मिश्र, परमेश्वर मिश्र और राघो मिश्र।

वाजो मिश्र के तीन पुत्र हुए—तीलो मिश्र, द्वारिका मिश्र और भादो मिश्र। तीलो मिश्र के दो पुत्र—लाछो मिश्र और झुगी मिश्र दोनों नावारिस। द्वारिका मिश्र के एक पुत्र—बच्चू मिश्र हुए। बच्चू मिश्र के तीन पुत्र—मदन मिश्र, राजेन्द्र मिश्र और किशोरी मिश्र।

भादो मिश्र के एक पुत्र—चन्द्रिका मिश्र (शिक्षक)। चन्द्रिका मिश्र के एक पुत्र रामजी मिश्र।

गोपाल मिश्र के दो पुत्र—जीछो मिश्र और विनेश्वर मिश्र। जीछो के दो पुत्र—नबल मिश्र और अशोक मिश्र।

नीरवान मिश्र के तीन पुत्र—तूफानी, परमेश्वर और राधे नावारिस हुए।

ग्राम—एरूरी

नरसिंह पट्टी से रामनाथ मिश्र एरूरी आये

ग्राम—एरूरी, पोस्ट—एरूरी, थाना—पकरी बरावाँ, जिला—नवादा

रामनाथ मिश्र को एक पुत्र—उमानाथ मिश्र हुए। उमानाथ के भी एक पुत्र—मीतन उर्फ थानु हुए। मित्तन के दो पुत्र—छकौड़ी और जगदीश हुए।

छकौड़ी मिश्र के चार पुत्र हुए—भातु मिश्र, पुनीत मिश्र, दुर्गा मिश्र और बुधन मिश्र।

भातु मिश्र के तीन पुत्र हुए—हरिहर मिश्र, रामधनी मिश्र और परमेश्वर मिश्र।

हरिहर के दो पुत्र—महेश्वर और राजेन्द्र मिश्र। महेश्वर के एक पुत्र—कान्ता सिंह।

रामधनी के तीन पुत्र—यमुना, महेन्द्र और चन्द्रभूषण मिश्र हुए। यमुना के एक पुत्र—चन्द्रशेखर मिश्र। परमेश्वरी को पाँच पुत्र—अर्जुन मिश्र, विमल मिश्र, शैलेन्द्र मिश्र, सत्येन्द्र मिश्र, जीतेन्द्र मिश्र।

अर्जुन मिश्र के दो पुत्र—अशोक कुमार और दिलीप कुमार।

Scanned by CamScanner

निपनियाँ

(दरप बाबा पट्टी राणा बाबा टोला)

पता :—चन्द्रचूड़ मिश्र, C/o विभूति मिश्र, ग्राम—निपनियाँ, पो०—बरौनी, जिला—बेगूसराय ।

खुटहा से पहल सिंह मिश्र निपनियाँ आये ।

पहल सिंह को दो पुत्र दरिया मिश्र और बुनियाद मिश्र हुए ।

बुनियाद मिश्र को दो पुत्र कन्हैया मिश्र और वंशी मिश्र हुए ।

कन्हैया मिश्र को तीन पुत्र कारू मिश्र, लच्छू मिश्र और रघुनाथ मिश्र हुए । कारू मिश्र को रामकिशुन मिश्र, ऐनी मिश्र और भजू मिश्र हुए । लच्छू मिश्र नावारिस हुए । रघुनाथ मिश्र को दो पुत्र झड़ी मिश्र और रामाधार मिश्र हुए । रामाधार मिश्र को एक पुत्र विभूति मिश्र हुए । विभूति मिश्र को दो पुत्र मनोज कुमार और मुकेश कुमार हुए ।

वंशी मिश्र को चार पुत्र छत्री मिश्र, ख्याली मिश्र, जलधारी मिश्र और कुलदीप मिश्र हुए ।

छत्री मिश्र को रामचरित्र मिश्र, जगरूप मिश्र, अशर्फी मिश्र, श्रीराम मिश्र और नवल मिश्र हुए ।

जगरूप मिश्र को नंदकिशोर मिश्र और अशोक मिश्र हुए । ख्याली मिश्र को रमाकान्त मिश्र हुए ।

जलधारी मिश्र को चार पुत्र हुए रामवरण मिश्र, कमलेश्वरी मिश्र, शशी भूषण मिश्र और चन्द्रचूड़ मिश्र । रामवरण मिश्र को दो पुत्र ओमप्रकाश और जयप्रकाश मिश्र । कमलेश्वरी मिश्र को एक पुत्र ललन मिश्र । शशिभूषण मिश्र को दो पुत्र अरूण कुमार और अर्जुन कुमार हुए । कुलदीप मिश्र को रामउचित मिश्र और पृथ्वी मिश्र हुएँ । रामउचित को विपिन मिश्र और विवेक मिश्र हुए ,

पृथ्वी मिश्र को तीन पुत्र सुनील, राजू और संजय मिश्र हुए ।

Scanned by CamScanner

निरपुर

मौजे—नीरपुर खालसा, थाना—आसथावा, पो०—बिन्द, जिला—पटना (अभी) नालंदा जिला, भाया—बरबीघा।

खुटहा के शिव मिश्र पट्टी से श्री मनसा मिश्र नीरपुर खालसा आये।

मानसा मिश्र को एक पुत्र मानधारी मिश्र हुए। मानधारी मिश्र को एक पुत्र नौन मिश्र हुए।

नौन मिश्र को चार पुत्र हुए—पहला होरिल मिश्र, दूसरा जीवलाल मिश्र, तीसरा कृपाल मिश्र, चौथा दलीप मिश्र हुए।

होरिल मिश्र को दो पुत्र हुए—चमरू मिश्र और शिव मिश्र। चमरू मिश्र को एक पुत्र हुए—पोखि मिश्र।

पोखि मिश्र को दो पुत्र हुए—रामकिशुन मिश्र और छोटू मिश्र।

रामकिशुन मिश्र को एक पुत्र हुए—अर्जुन मिश्र, अर्जुन मिश्र को एक पुत्र हुए—रामानुज मिश्र।

पोखि मिश्र के दूसरे पुत्र छोटू मिश्र को एक पुत्र—तनिक मिश्र उर्फ राम पदारथ मिश्र, तनिक मिश्र को भी एक पुत्र शंकर मिश्र हुए।

होरिल मिश्र के दूसरे पुत्र—शिव मिश्र को एक पुत्र महादेव मिश्र हुए, जो नाबारिस हुए।

नौन मिश्र के दूसरे पुत्र जीवलाल मिश्र को तीन पुत्र हुए—पंचु मिश्र, भत्तन मिश्र और शर्बजीत मिश्र।

पंचु मिश्र को तीन पुत्र हुए—कारू मिश्र, रामफल मिश्र और बिहारी मिश्र।

कारू मिश्र को तीन पुत्र—जगदेव मिश्र, जयपाली मिश्र और सदाशिव मिश्र।

जगद्देव मिश्र को भी तीन पुत्र हुए—रामेश्वर मिश्र, राम सरोवर मिश्र और यमुना मिश्र। रामेश्वर मिश्र नावारिस हुए। रामसरोवर मिश्र को एक पुत्र—नरेश मिश्र हुए। नरेश मिश्र को एक पुत्र—चन्द्रमौली मिश्र हुए। यमुना मिश्र को तीन पुत्र—सुरेश मिश्र, उमेश मिश्र और कमलेश मिश्र हुए।

सुरेश मिश्र को तीन पुत्र—सत्येन्द्र मिश्र, जीतेन्द्र मिश्र और नगेन्द्र मिश्र हुए।

कारू मिश्र के दूसरे पुत्र जयपाली मिश्र के तीन पुत्र हुए—द्वारिका मिश्र, शौखी मिश्र और शुखपाल मिश्र हुए।

द्वारिका मिश्र के दो पुत्र—रामचरित्र मिश्र, दूसरा जर्नादन मिश्र हुए।

रामचरित्र मिश्र के तीन पुत्र हुए—पहला बलराम मिश्र, दूसरा जयराम मिश्र, तीसरा परशुराम मिश्र हुए।

Scanned by CamScanner

जनार्दन मिश्र को एक पुत्र—उपेन्द्र मिश्र हुये।

शौखी मिश्र को एक पुत्र—मदन मिश्र हुए।

सुखपाल मिश्र को दो पुत्र हुए—पहला महेन्द्र मिश्र, दूसरे कपिल मिश्र हुए।

कारु मिश्र के तीसरे पुत्र सदाशिव मिश्र नाबारिश हुए।

पंचु मिश्र के दूसरे पुत्र—रामफल मिश्र को एक पुत्र—जानकी मिश्र हुए।

जानकी मिश्र को एक पुत्र—गिरजा मिश्र हुए। गिरजा मिश्र को तीन पुत्र—पहला—जोगीन्द्र मिश्र ही रहे।

पंचु मिश्र के तीसरे पुत्र बिहारी मिश्र के एक पुत्र रामखेलावन मिश्र। और रामखेलावन मिश्र के दो पुत्र हुए पहला रामाशीष मिश्र, दूसरा उदय मिश्र।

रामशीष मिश्र के तीन पुत्र—रामपदारथ मिश्र, दूसरे स्वारथ मिश्र, तीसरे रामवृक्ष मिश्र हुए।

उदय मिश्र को एक पुत्र विनोद कुमार मिश्र हुए।

भत्तन मिश्र को दो पुत्र हुए—फत्ते मिश्र और गौना मिश्र।

फत्ते मिश्र के तीन पुत्र हुए—पलकधारी मिश्र, रासो मिश्र, रामशरण मिश्र हुए।

पलकधारी मिश्र को छः पुत्र हुए—हरदेव मिश्र, दूसरे त्रीमुंग मिश्र, तीसरा—रघुनन्दन मिश्र, चौथा यदुनन्दन मिश्र, पाँचवा—बीरनन्दन मिश्र, छठा दीनानाथ मिश्र हुए। हरदेव मिश्र नाबारिश हुए।

त्रिमुंग मिश्र को एक पुत्र—बालमीकि मिश्र हुए।

बालमीकि मिश्र को एक पुत्र—अरुण कुमार उर्फ भोला मिश्र हुए।

रघुनन्दन मिश्र को दो पुत्र हुए—पहला श्रीकान्त मिश्र, दूसरा रामाकांत मिश्र हुए।

यदुनन्दन मिश्र को एक पुत्र—नवल मिश्र हुए।

पाँचवाँ तथा छठा बेटा नावारिश रहें।

फत्ते मिश्र के दूसरे पुत्र—रासो मिश्र को दो पुत्र—उदीत मिश्र, दूसरा गोविन्द मिश्र हुए।

उदित्त मिश्र के दो पुत्र—इन्द्रदेव मिश्र तथा सुरेन्द मिश्र हुए।

गोविन्द मिश्र के एक पुत्र—नबलकिशोर मिश्र हुए।

रासो के छोटे भाई रामशरण मिश्र को तीन पुत्र—पहला मुन्द्रिका मिश्र, दूसरे शिवदानी मिश्र, तीसरा शिबजी मिश्र हुए।

मुन्द्रीका मिश्र नाबारिश रहे।

शिवदानी मिश्र को तीन पुत्र—पहला सत्तभरण मिश्र, दूसरा—अबधेश मिश्र, तीसरा सुरेश मिश्र हुए।

Scanned by CamScanner

सत्तभरण मिश्र को एक पुत्र—उदय मिश्र, उदय मिश्र को एक पुत्र—बिनोद कुमार मिश्र हुए।

नौन मिश्र के तीसरा पुत्र कृपाल मिंश्र के दो पुत्र उमन मिश्र, दूसरा राधे मिश्र।

उमन के दो पुत्र—पहला वंशी मिश्र, दूसरा तिलकधारी मिश्र हुए।

वंशी मिश्र के दो पुत्र—गया मिश्र और कैलास मिश्र हुए। गया मिश्र नाबारिस हुए।

कैलास मिश्र को दो पुत्र हुए—पहला शिव कुमार मिश्र, दूसरा नारायण मिश्र हुए।

उमन मिश्र के दूसरे पुत्र तिलकधारी मिश्र को तीन पुत्र हुए। अबध मिश्र, दूसरा गनौरी मिश्र, तीसरा ईशर मिश्र हुए।

अबध मिश्र के दो पुत्र हुए—परशुराम मिश्र और अरुण मिश्र हुए।

कृपाल मिश्र के दूसरे पुत्र राधे मिश्र को चार पुत्र हुए—पहला देवधारी मिश्र, दूसरा हेतु मिश्र, तीसरा रामलाल मिश्र, चौथा बोढ़न मिश्र हुए ना०।

पहला तथा चौथा पुत्र नाबारिश ठहरे। हेतु मिश्र को दो पुत्र—पहला सीधेश्वर मिश्र, दूसरा हरिहर मिश्र हुए।

सीधेश्वर मिश्र को तीन पुत्र हुए—पहला जगदीश मिश्र, दूसरा कृष्ण मिश्र, तीसरा रामदेव मिश्र।

जगदीश मिश्र को एक पुत्र हुए—मनोज कुमार मिश्र।

रामलाल मिश्र को दो पुत्र हुए—पहला नंन्द केश्वर मिश्र, दूसरा रामनारायण मिश्र हुए।

नन्द किशोर मिश्र को दो पुत्र हुए—पहला शिवराम मिश्र तथा दूसरा बलराम मिश्र हुए।

रामनारायण मिश्र को एक पुत्र—सुखराज मिश्र हुए।

नौन मिश्र के चौथा पुत्र दलीफ मिश्र को चार पुत्र हुए—पहला उमराव मिश्र, दूसरा—हीरामन मिश्र, तीसरा मूरत मिश्र, चौथा राम सहाय मिश्र हुए।

उमराव मिश्र नाबारिश ठहरे।

हीरामन मिश्र को दो पुत्र हुए—पहला जगदीश मिश्र, दूसरा काली मिश्र हुए ना०।

जगदीश मिश्र के चार पुत्र पहला भूखन मिश्र, दूसरा सरयुग मिश्र, तीसरा नाथो मिश्र, चौथा—कृपा मिश्र हुए।

भूखन मिश्र को दो पुत्र हुए—पहला रामलखन मिश्र, दूसरा बाल किशोर मिश्र हुए। रामलखन मिश्र नाबारिश रहे।

Scanned by CamScanner

बालकिशोर मिश्र को दो पुत्र हुए—पहला रामानंन्द मिश्र, दूसरा परमानंन्द मिश्र हुए।

शरयुग मिश्र को दो बालक—सतदेव मिश्र तथा अनरूप मिश्र हुए।

सत्यदेव मिश्र को दो पुत्र—पहला अनील मिश्र तथा दूसरा चुनचुन मिंश्र हुए।

नाथी मिश्र नाबारिश ठहरे।

मूरत मिश्र को दो पुत्र—लल्लु मिश्र और पुंगल मिश्र हुए।

लल्लु मिश्र को एक पुत्र—रकटू मिश्र हुए।

रकटु मिश्र तथा पुंगल मिश्र नाबारिश रहे।

राम शहाय मिश्र को पाँच पुत्र—पहला झोंटी उर्फ त्रिपीत मिश्र, दूसरा प्रभु मिश्र, तीसरा फिरंगी मिश्र, चौथा रुपन मिश्र, पाँचवाँ—जंगबहादुर मिश्र हुए।

झोंटीं मिश्र को तीन बालक पहला रामस्वरूप मिश्र, दूसरा केशो मिश्र, तीसरा कामेश्वर मिश्र हुए।

रामस्वरूप मिश्र को दो पुत्र—पहला राजो मिश्र, दूसरा दीनानाथ मिश्र हुए।

राजो मिश्र के तीन पुत्र—पहला बीजीन्द्र मिश्र, दूसरा केदार मिश्र, तीसरा उमेश मिश्र हुए।

दीनानाथ मिश्र को एक पुत्र—सुखण मिश्र हुए।

भत्तन मिश्र के दूसरे पुत्र—गेतो मिश्र के तीन पुत्र हुए पहला मकसूदन मिश्र, दूसरा शकलदीप मिश्र, तीसरा प्रदीप मिश्र हुए। प्रदीप मिश्र को एक पुत्र—नागेश्वर मिश्र हुए।

× × ×

केशो मिश्र को दो पुत्र हुए—पहला आनन्दी मिश्र, दूसरा सुरुज मिश्र हुए।

कामेश्वर मिश्र को दो पुत्र हुए—पहला बालदेव मिश्र, दूसरा—महेन्द्र मिश्र।

बालदेव मिश्र को एक पुत्र हुए—बशिष्ट मिश्र .

× × ×

प्रभु मिश्र को एक पुत्र—शिवन मिश्र हुए।

शिवन मिश्र को तीन पुत्र हुए—पहला बच्चु मिश्र, दूसरा शिया मिश्र, तीसरा मेदनी मिश्र हुए।

बच्चु मिश्र को दो पुत्र हुए—बिनोद मिश्र तथा सुबोध मिश्र।

शिया मिश्र को एक पुत्र—सुखदेब मिश्र हुए।

फिरंगी मिश्र के चार पुत्र—बाबुलाल मिश्र, दूसरा रघुनाथ मिश्र, तीसरा शहदेब मिश्र, चौथा चुनी मिश्र हुए।

बाबुलाल मिश्र के एक पुत्र—उचित मिश्र हुए।

Scanned by CamScanner

उचित मिश्र के ६: पुत्र—पहला देवेन्द्र मिश्र, दूसरा सुरेन्द्र मिश्र, तीसरा केसीन्द्र मिश्र, चौथा—छोटन मिश्र, पाँचवा—बलीन्द्र मिश्र, छठा चुलचुल मिश्र हुए।

शहदेव मिश्र के तीन पुत्र—दामोदर मिश्र, दूसरा—चन्द्रमौली मिश्र, तीसरा प्रमोद बिहारी मिश्र हुए।

रुपन मिश्र के दो पुत्र—पहला बंधु मिश्र, दूसरा रामाश्रय मिश्र हुए।

रामाश्रय मिश्र के तीन पुत्र हुए—पहला नरेश मिश्र, दूसरा बबन मिश्र, तीसरा श्री मिश्र हुए।

नरेश मिश्र के एक पुत्र—अशोक कुमार मिश्र हुए।

जंगबहादुर मिश्र के तीन पुत्र—पहला रामकिशोर मिश्र, दूसरा विष्णी मिश्र, तीसरा ग्रीष मिश्र हुए।

विष्णी मिश्र के दो पुत्र—पहला नरेन्द्र मिश्र तथा दूसरा अरविंद मिश्र हुए।

जेठू मिश्र, निर्मल मिश्र एवं रूप मिश्र तीन भाई हुए।

जेठू मिश्र के एक पुत्र हुए—लाली मिश्र, लाली मिश्र के तीन पुत्र हुए—पहला दाहु मिश्र, दूसरा घोघर मिश्र, तीसरा सुपारी मिश्र।

दाहु मिश्र के एक पुत्र—बटाव मिश्र हुए।

बटाव मिश्र के पाँच पुत्र हुए—पहला राघो मिश्र, दूसरा द्वारिका मिश्र, तीसरा गोवर्द्धन मिश्र, चौथा हरखू मिश्र, पाँचवा वासुदेव मिश्र।

राघो मिश्र के एक पुत्र—अम्बिका मिश्र हुए।

दूसरा पुत्र तथा पाँचवाँ पुत्र नावारिस रहे।

गोवर्द्धन मिश्र के एक पुत्र—दशरथ मिश्र हुए।

हरखू मिश्र के एक पुत्र—लालो मिश्र हुए।

घोधन मिश्र के दो पुत्र—नोखी मिश्र और फकीर मिश्र हुए।

नोखी मिश्र के एक पुत्र—रामदास मिश्र हुए।

रामदास मिश्र के तीन पुत्र—पहला श्रवण मिश्र, दूसरा लक्ष्मण मिश्र, तीसरा सुरेश मिश्र हुए।

लक्ष्मण मिश्र के एक पुत्र—शालीग्राम मिश्र हुए।

फकीड़ मिश्र को तीन पुत्र—पहला देवनारायण मिश्र, दूसरा विशेश्वर मिश्र, तीसरा जुगेश्वर मिश्र।

देवनारायण मिश्र के पाँच पुत्र—पहला रामाधीन मिश्र, दूसरा विष्णुदेव मिश्र, तीसरा बालेश्वर मिश्र, चौथा महेश्वर मिश्र, पाँचवा छोटन मिश्र हुए।

रामाधीन मिश्र के दो पुत्र—पहला पवन मिश्र, दूसरा विवेक मिश्र हुए।

Scanned by CamScanner

विष्णुदेव मिश्र के एक पुत्र—रवीन्द्र मिश्र हुए।

तीसरा, चौथा, पाँचवा पुत्र नावारिस हुए।

विशेश्वर मिश्र के तीन पुत्र—पहला लालो मिश्र, दूसरा राजेन्द्र मिश्र, तीसरा केदार मिश्र हुए।

जुगेश्वर मिश्र के दो पुत्र—पहला चन्द्रिका मिश्र तथा दूसरा सुकुमार मिश्र हुए।

सुपाड़ी मिश्र के दो पुत्र—दुपसी मिश्र तथा रामाकान्त मिश्र हुए।

दुपसी मिश्र के एक पुत्र—गोपी मिश्र हुए।

रामाकान्त मिश्र के एक पुत्र—प्रयाग मिश्र हुए। दोनों नावारिस ठहरे।

●

ग्राम—काशी बिगहा

(नरसिंह बाबा पट्टी से मिश्री सिंह काशी बिगहा आये)

ग्राम—काशी बिगहा, थाना—बरबीघा, जिला—मुंगेर

मिश्री सिंह १९५२ ई० में जिनका यहाँ ससुराल था। अपने ससुरारी हिस्से के आधार पर खुटहा के नरसिंह बाबा पट्टी से आकर यहाँ बसे। इनके पिता श्री अयोध्या प्र० सिंह थे। मिश्री सिंह के दो पुत्र—पहला रवीन्द्र सिंह, दूसरा जोगीन्द्र सिंह।

●

Scanned by CamScanner

ग्राम—डुमड़ी

(रामसहाय सिंह शिव बाबा पट्टी से आये)

ग्राम—डुमड़ी, पो०—बड़हिया, थाना—बड़हिया, जिला—मुंगेर

राम सहाय सिंह दो भाई थे। (१) रामसहाय सिंह, (२) जीतन सिंह। (इनके वंशज बंगाल चले गये)। जीतन सिंह के तीन पुत्र—स्व० लीवर सिंह, उनको दो लड़का जानकी राय एवं देव राय, ये सब बंगाल चले गये।

राम सहाय सिंह के चार पुत्र—(१) स्व० ढाका सिंह, (२) स्व० ठाकुर सिंह, (३) स्व० अकलु सिंह, एवं (४) स्व० वजीर सिंह हुए।

स्व० श्री ढाका सिंह को दो लड़का—स्व० श्री मिश्री सिंह और श्री अर्जुन सिंह। इनमें स्व० मिश्री सिंह को एक लड़का—रामनन्दन सिंह, जो "आयकर ऑफिसर" हैं। और इनको दो लड़का है जिनके नाम हिमांशु शेखर और शशांक शेखर है।

स्व० ठाकुर सिंह, इनको एक लड़का—श्री बनारसी सिंह हुए। इनको भी पाँच लड़का—कृष्णनन्दन सिंह, दूसरा कपिलदेव सिंह, तीसरा शिवदानी सिंह, चौथा महेश सिंह, पाँचवाँ रामप्रवेश सिंह हुए।

कृष्णानन्दन सिंह को एक लड़का जिनका नाम निलेश कुमार है।

स्व० अकलू सिंह को चार लड़के हुए—मथुरा सिंह, लड्डू सिंह, मुन्द्रिका सिंह, कामेश्वर सिंह।

मथुरा सिंह को दो लड़का—ब्रजनन्दन सिंह, दूसरा पुनीत नारायण सिंह हुए।

ब्रजनन्दन सिंह को एक पुत्र जिनका नाम मिन्डूअमर है।

लड्डू सिंह जिनको आठ लड़का हैं—पहला यदूनन्दन सिंह, दूसरा उपेन्द्र सिंह तीसरा गणेष सिंह, चौथा नबीन कुमार, पाँचवा ललन कुमार, छठा बिबेक कुमार सातवा शतीश कुमार, आठवाँ सतीश कुमार हुए।

मुन्द्रिका सिंह को एक लड़का जिसका नाम सुधीर कुमार हुआ।

कामेश्वर सिंह को दो लड़का जिनका नाम शिवबालक कुमार तथा सच्चिदा कुमार हुआ।

स्व० बजीर सिंह को एक लड़का हुए—श्री सिधेश्वर सिंह।

इनको भी चार लड़का हुए—पहला शम्भू नाथ सिंह, दूसरा शालीग्राम सिंह, तीसरा अशोक कुमार, चौथा सन्तन कुमार हुए।

Scanned by CamScanner

ग्राम पावा

ग्राम—पावा, पो०—पुरी, थाना—बिहारशरीफ

पावा में कोयल सिंह हुए। इनके दो लड़का हुए। मोदी सिंह, दूसरा मुंजा सिंह।

मोदी सिंह को एक लड़का हुए—जालेश्वर सिंह।

जालेश्वर सिंह के दो लड़का हुए—पहला जाटो सिंह, दूसरा सुरेन्द्र सिंह हुए।

मुंजा सिंह को तीन लड़का हुए—पहला महेश्वर सिंह, दूसरा रामचन्द्र सिंह, तीसरा राजेश्वर सिंह।

महेश्वर सिंह को तीन लड़का हुए—बाल्मीकि सिंह, दूसरा बलेन्द्र सिंह, तीसरा पप्पू सिंह।

Scanned by CamScanner

ग्राम—पैन

नरसिंह पट्टी से, खुटहा

ग्राम—पैन, पो०—औधे, भाया—शेखपुरा, जिला—मुंगेर

वैद्यनाथ मिश्र, केहर मिश्र—ये लोग खुटहा से आये परन्तु निश्चित व्यक्ति तथा निश्चित समय बताने में असमर्थ हैं।

वैद्यनाथ मिश्र और केहर मिश्र दो चचेरा भाई थे। इन दोनों के ऊपर की कुर्सी का पता नहीं है।

वैद्यनाथ मिश्र को पांच पुत्र हुए—वुद्धन मिश्र, शिवा मिश्र, भाजन मिश्र, कारु मिश्र और मालो मिश्र। बुद्धन को छः पुत्र—गाजो मिश्र, चाको मिश्र, ढाको मिश्र, फौजदारी मिश्र, रामस्वरूप मिश्र और यमुना मिश्र।

चाको मिश्र को चार पुत्र—रामाश्रय मिश्र, कृष्णनंदन मिश्र, राम अकबाली मिश्र और नवल किशोर मिश्र।

इनमें रामाश्रय मिश्र को चार पुत्र हुए—वीरेन्द्र मिश्र, शैलेन्द्र मिश्र, नागेन्द्र मिश्र और देवेन्द्र मिश्र।

कृष्णनंदन मिश्र को दो पुत्र हुए—विनय मिश्र और विनोद मिश्र। राम अकबाली मिश्र को चार पुत्र—सुनील मिश्र, अनील मिश्र, विपिन मिश्र और शशि भूषण मिश्र।

नवल किशोर मिश्र को मृत्युञ्जय मिश्र एक पुत्र हुए। रामस्वारथ मिश्र को सुरेश मिश्र और सुधा मिश्र।

यमुना मिश्र को रामनन्दन मिश्र, रघुनन्दन मिश्र, शिवनन्दन मिश्र, तारानन्द मिश्र, रामलगन मिश्र, अवध किशोर मिश्र।

रामनन्दन मिश्र को दो पुत्र सुरेन्द्र और धर्मेन्द्र मिश्र हुए।

रघुनन्दन मिश्र को अरुण मिश्र, अशोक मिश्र, मनोज मिश्र, विजय मिश्र और अजय मिश्र, पाँच पुत्र हुए।

रामलगन मिश्र को एक पुत्र पंकज मिश्र हुए,

बैद्यनाथ मिश्र के चचेरा भाई केहर मिश्र को तीन पुत्र—उमाराव मिश्र, विहारी मिश्र और दासो मिश्र हुए।

उमाराव मिश्र को तीन पुत्र मटुकधारी मिश्र, गजाधर मिश्र और बुनेला मिश्र हुए।

●

Scanned by CamScanner

ग्राम महादेवपुर

ग्राम—महादेवपुर, वंशज सुरगण, गोत्र—पराशर. मूल—पिरोखरगढ़ दरभंगा —जिला, हाल जिला—मधुबनी ।

वीर मिश्र—खुटहा । इन्हीं के वंशज में आगे चलकर एक खुट महादेवपुर भी गये ।

वीर मिश्र को एक पुत्र मनन सिंह मिश्र, इनको भी एक पुत्र प्रताप मिश्र, इनको भी एक पुत्र माधो मिश्र ।

माधो मिश्र को तीन तुत्र राजाराम मिश्र, इन्द्र मिश्र और नलिंग मिश्र हुए ।

नलिंग मिश्र को दो पुत्र भौरो मिश्र और केशरी मिश्र हुए । भौरो मिश्र को तीन पुत्र—अनुप मिश्र, चन्दन मिश्र और मितर सेन मिश्र । मितरसेन मिश्र को दो पुत्र कुंजा मिश्र और मेहरमान मिश्र हुए ।

मेहरमान मिश्र को दो पुत्र (१) लीला मिश्र और (२) सुवुरी मिश्र हुए । लीला मिश्र वासिन्दे ग्राम जंगतपुरा, वेगूसराय के समीप । सवुरी मिश्र के वंशज वासिन्दे महादेवपुर जिला—भागलपुर, सवुरी मिश्र को एक पुत्र भुवन मिश्र । भुवन मिश्र को दो पुत्र काली राय और नफरू राय हुए, काली राय नावारिस हुए ।

नफरू राय को चार पुत्र—संतोषी राय, असर्फी राय, नेमधारी राय और भोला राय हुए ।

संतोषी राय को दो पुत्र (१) अच्छे राय (२) यदुनंदन राय । अच्छे राय को दो पुत्र अभिनन्दन राय और विजय कुमार राय हुए । विजय कुमार नावारिस ठहरे । अभिनन्दन राय को एक पुत्र अभरेन्द्र कुमार राय हुए ।

यदुनन्दन राय को तीन पुत्र सुनील कुमार राय, सुधीर कुमार राय और ज्योतिष कुमार राय हुए । ज्योतिष कुमार—नादल्द हुए ।

सुनील कुमार राय को तीन पुत्र प्रतुल कुमार राय, पवन कुमार राय और प्रफुल्ल कुमार राय हुए ।

सुधीर कुमार राय को दो पुत्र मुकेश कुमार राय और धर्मेन्द्र कुमार राय हुए ।

नफरू राय के दूसरे पुत्र असर्फी राय को तीन पुत्र जगदम्बी राय, रामोतार राय और महेन्द्र राय हुए ।

जगदंबी राय को तीन पुत्र रामाकान्त राय, रामप्रकाश राय और सुभाषचन्द्र राय हुए ।

Scanned by CamScanner

रामाकांत राय को एक पुत्र मनोज कुमार राय ।

रामप्रकाश राय को दो पुत्र राजीव कुमार राय और संजय कुमार राय हुए ।

सुभाषचंद्र राय को दो पुत्र रविशंकर राय और शशिशंकर राय हुए ।

असर्फी राय के दूसरे पुत्र रामोतार राय को छः पुत्र हुए । (१) सदानन्द राय (२) दयानंद राय (३) वेदानंद राय (४) विनोद राय (५) अच्युता राय (६) रामअजय राय ।

सदानंद राय को एक पुत्र देवानन्द राय हुए ।

दयानंद राय को एक पुत्र कृत्यानंद राय हुए ।

असर्फी राय के तीसरे पुब महेन्द्र राय को दो पुत्र मृत्युञ्जय राय और दिवाकर राय हुए ।

नफरु राय के तीसरे पुत्र नेमधारी राय को चार पुत्र हुए (१) स्व० रामकिशोर राय (२) रामविलास राम (३) राजेन्द्र राय (४) नागेश्वर राय ।

रामकिशोर राय को एक पुत्र देवेन्द्र राय । देवेन्द्र राय को दो पुत्र पंकअ कुमार राय, नीलज कुमार राय । रामविलास राय को एक पुत्र लक्ष्मीनारायण राय, राजेन्द्र राय, को दो पुत्र मधुर कुमार राय, ललन कुमार राय ।

नागेश्वर राय को दो पुत्र मुन्ना कुमार राय और बबलु कुमार राय । नफरु राय के चौथे पुत्र भोला राय को चार पुत्र—(१) रामचरित्र राय (२) रामवरण राय (३) रामशरण राय (४) अजित कुमार राय ।

रामचरित्र राय को तीन पुत्र—(१) स्वराज्य कुमार (२) शिवशंकर राय (३) जयशंकर राय ।

रामवरण राय को एक पुत्र उदयकान्त राय । रणधीर कुमार राय, रामशरण राय को दो पुत्र सुधांशुशेखर और हिमांशुशेखर । अजित कुमार राय उर्फ पंचानन्द राय को एक पुत्र संजय कुमार राय हुए ।

Scanned by CamScanner